

# Catalogue of Publications dealing in Sanskrit



- 2 अच्युतशतक(काव्य)A prakrit poem by वेदान्त देशिक with छाया. *Pv* -2-
- 3 अच्युतरायाभ्युदय (काव्य) of श्रीराज-  
नाथ with a comm. by पं. कृष्णमा-  
रिदर Part 1 Cantoes 1-6 Cr. 8vo.  
pp. iv-156. *Pv* 1-
- 4 अकबर The Great Mogul (चरित)  
1542-1605 by V.A. Smith. 1919  
2 ed. 8vo (9x6 ), pp.xvi 504,  
15 illusts. & 8 maps. *Of* 12-
- 5 —The Jain teachers of, by  
V. A. Smith. -8-
- 6 अकबर's Tomb at Sikandra  
by E. W. Smith. *Gr.* 23-
- 7 अभिपुराणम् महर्षिपादप्रणीतम् *Aa* 4-
- 8 — Transl. into Engl. by Dutt  
2 vols. 8vo. pp. 1216. *Ad.* 10-
- 9 — पार्ष्णीहर्ष. *Vy.* 6-
- 10 अभिष्टोम (कर्म) complete descrip-  
tion of the usual form of होम  
sacrifice and the Vedic Culture  
by Caland. 2 Vols. *Gr* 20-
- 11 अभिष्टोमचन्द्रिका (कर्म) (हजरेहते-  
पात्रायनसंज्ञाभिनिःकृता 4<sup>th</sup>). *Aa* 2-14-

अ

- 12 ADMINISTRATIVE SYSTEM OF  
THE MARATHAS (from original  
sources) by Surendranath Sen,  
2 ed. (revised & enlarged) 8vo.  
pp, 730. *Cu* . 10-

It is an exhaustive account of the  
polity that prevailed during the  
centuries of Maratha domination.  
Dr.Sen has closely studied the avail-  
able original sources and this work,  
is undoubtedly the most valuable  
contribution on Maratha adminis-  
trative system that has yet appear-  
ed in English.

- 13 Addresses at the Parliament of  
religions, Chicago, by स्वामी विवे-  
कानन्द. *Av* -4-
- 14 अनुभाष्यम् (वेदान्त) श्रीरत्नमाचार्य  
श्रीगुरुशतमञ्जो महाराज विरचितमाष्य  
प्रकाशाख्यव्याख्या सहितम् *Bn.* 22-8
- 15 — With new comm. वाडवोपिनी  
by Shridhar Shastri Pathak,  
Vols. 2. pp. 826 *Bp.* 6-4-
- 16 — by हेमचन्द्र विपारल 8<sup>vo</sup> *Bt* 6-
- 17 — त्रिमुनी, पञ्चदीक्षा ह. *Vt.* 3-
- 18 अनुव्याख्यान(वेदान्त) The Text of  
व्यासमुखा (हर्षमुद्रम्) *Mc.* 2-12-
- 19 अतककरणप्रबोध (वेदान्त) रत्नमाचार्य  
विरचित- *Vt.* -5-
- 20 अन्तर्गर्भाकरण वाक्यसहितम् ४ त-  
वि ed. by अजिपनाथ *Sd.* each 1-

अ

- 21 अन्यकर्मदीपकः (पर्म) पर्वतीदण्डित  
भीनित्यानन्दपन्त शास्त्रिभिरुक्तः तेनेव  
हृतं वा टिप्पण्यसहितः *Ch.*
- 22 अन्येष्टीश्राद्धकर्मपद्धति, कर्म *Vy* 1-4-
- 23 अथर्वणोपनिषदः, ( 1 आद्यबोध,  
2 भाष्य, 3 कृष्ण, 4 कामाक्षि, 5 गारुड,  
6 गोपीचन्द, 7 नारायण, 8 महा, 9 नन्दपूर्व-  
सापनि, 10 वासुदेव, 11 स्कन्ध.) ed. w.  
'नारायणभूत संस्कृत टीका दीपिका by  
'Col. Jacob. *Bp.* 1-8-
- 24 अथर्वण ज्योतिष—of the वेदाङ्ग  
'ज्योतिष of the अथर्ववेद orig. text  
ed. for the first time by Pt.  
'भगवद्दत्त *Dr.* -8-
- 25 अथर्ववेद & गोपथब्राह्मण—by M.  
Bloomfield. *Gr.* 9-
- 26 — परिशिष्टानि ed. by Bolling  
and Negelein vol. I; Text and  
critical apparatus Part 1 & 2.  
परिशिष्टानि 1-72. and part 3:  
Indices, 8vo. 1910. *Gr.* 40-
- 27 — प्रातिशाख्य or the Phonetic  
grammatical aphorisms of the  
अथर्ववेद critically ed. for the  
first time from orig. mss. with  
an introd. and appendices by  
V. B. Shastri, part I *Pu.* 3-
- 28 — Text in orig. Sans. transl.  
into Engl. with विलक्षण by  
Whitney. *Ac.* 35-
- 29 अथर्ववेद Altindische Zaubere  
by Dr. Caland *Gr.* 60-
- 30 — An index Verborum to  
the published text of, by Whit-  
ney pp. 363. *Ac.* 30-
- 31 अथर्ववेद The Hundred lessons &  
lectures of, text, transl. into

अ

- german with critical notes by  
Dr. Grill, *Gr* 7-
- 32 — The Hymns of, together  
with extracts from the ritual  
books and the comm. transl. into  
Engl. by Bloomfield *Of.* 22-
- 33 — The Hymns of;—Transl.,  
with popular Comm. by Gri-  
ffith, 2 Vols. *Lz.* 14-
- 34 — The Verbal system of, by  
J. Negelein. *4-*
- 35 — Transl. with critical and  
exegetical comm. by Whitney;  
revised and ed. by Lanman.  
1905. 4to (11x7½) 2 vols not  
sold separately. *Ho.* 50-
- 36 — transl. into German by F.  
Ruckert. 1923. *Gr.* 12-
- 37 अथर्ववेदसंहिता (सूत्र) *Am.* 1-
- 38 — (काश्मीर) विष्णुवाद शाखा (कोटी)  
by Bloomfield & Garbe. folio  
540 facsimile plates, 3  
leaves of letterpress. (This is  
a facsimile of celebrated अथर्व-  
वेद Mss. written on birch bark,  
found in 1875 in the Library of  
the महाराज of काश्मीर and  
analysed in Prof. Roth's famous  
tract "Die Atharvaveda in  
Yakania, 1875") Very rare  
copy. Orig. price £ 30. 3 Vols.  
1901. *350-*
- 39 — सायनभाष्यसहित, by Pandit,  
1895-98, 4 Vols. *Bp.* 40-
- 40 — by Roth and Whitney.  
ed. by Dr. Lindenau. 1924.  
8vo. *Gr.* 25-

# CATALOGUE OF PUBLICATIONS DEALING IN SANSKRIT ETC.

अ

- 41 अथर्ववेदीय कौशिकसूत्र w. extra-  
cts from the comm. of वरिल  
and केशव ed. with notes etc. by  
Bloomfield. *As*, 40-
- 42 — गोपथ ब्राह्मण. Text in नागरी,  
Introd. Indices, Readings &c.  
by Gaastra. *Br*. 10—
- 43 — द्वायोष्टविधि or the 4 th  
Laksana of Atharva Veda ed,  
w, Introd, transl. Index by  
रामगोपाळशास्त्री 1928 1st ed pp, 7,  
18,3, -14-
- 44 — नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद्  
भस्मराचार्यद्वारा पूर्वापनीय भाष्य, विचारण्य  
प्रणीतोत्तरतापनीय दीपिका टीका सहिता  
*As*. 1-12—
- 45 — पञ्चपटलिका (अथर्ववेद तृतीय  
लक्षणप्रत्य) हिन्दिभनुवादसहित by भगवद्दत्त  
throwing light on the arrange-  
ment, div. and text of अथर्ववेद  
with Transl. and Index of  
Pratikas. *Di*. 1-4-
- 46 — बृहत्सर्वानुक्रमणी ed. from the  
orig. Mss. with an Introd. and  
Index by R. शास्त्री. and भगवद्दत्त  
1922. 8vo. pp. 42, 204, 22. *Di*. 4-
- 47 — माण्डूक्योपनिषद् गौडपादीयका-  
रिकासहिता शाकरभाष्य आनन्दगिरिटीकोपे-  
ताच, शाकरानन्दविरचितामाण्डूक्योपनिष-  
द्दीपिका च. *As*. 2-5-
- 48 — रीतानुसूत्र. The ritual of the  
अथर्ववेद; ed. with critical notes  
and indices by Garbe, 1878,  
8vo. pp. 119. *Gr*. 5-
- 49 — Transl. into German by  
Oeland. *Gr* 10-

अ

- 50 — अथर्ववेदीया माण्डूकीशिक्षा The  
Phonetical Treatise of the अथर्ववेद  
ed. from orig. Mss. with Introd.  
Append. and Index by भगवद्दत्त  
1921. 8vo. pp. 25, 6, 7, *Di*. 1-
- 51 अथर्वशीर्षगणपति *As* -6-
- 52 अद्वयवस्तुसंग्रह (बौद्ध) consisting  
of twenty short works on Bud-  
dhist philosophy by अद्वयराज  
a Buddhist savant belonging  
to the 11th century A. D. by  
डॉ. हरप्रसाद शास्त्री 1927. *Gr*. 2—
- 53 अद्भुततरंगिणी (ज्योतिष) मूळ प. वळ,  
भद्रजी मिश्रकृत. *La* -8-
- 54 अद्भुतदर्पण (नाटक)—भीमहादेवकवि-  
विरचित. *N*. -12-
- 55 अद्भुतरामायण (इतिहास) *Fy*. -12-
- 56 अद्भुतसागर (ज्योतिष) श्रीवृद्धालक्ष्मणदेव  
विरचित, मूलभाष्य. *La* 10-
- 57 अद्वैत An Essay on the doctrine  
of the unreality of the world, by  
Dandoy S.J. 1919. cr. pp. 65 1-
- 58 अद्वैतचन्द्रिका (वेदान्त) *Ag*. 1—
- 59 अद्वैतचिन्तामणि (वेदान्त) by गौडीभट्ट  
*Sb*. 1-12-
- 60 अद्वैतचिन्ताकीस्तुभ (वेदान्त) of महादेव  
सारास्वती ed. by गिरिन्द्रनाथ दत्त and  
अनन्तकृष्ण शास्त्री 8vo. *Bi*. 3-12-
- 61 अद्वैततराणि (वेदान्त) मोक्षार्पणविरचित  
गौडीगिरिवेङ्कटरमणाचार्यकृतस्य चन्द्रिका-  
परमार्थसंग्रह, स्वयंभाष्यकृत. *Bm*. 1-8-
- 62 अद्वैतदीपिका (वेदान्त) of नृसिंहसर्मा  
with the comm. of नारायणसर्मा  
Vol. I & II ed. by गोपाळशास्त्री नेने,  
1916 8vo. Pp. 442 *Lx*. 8-8-

अ

1. — मायुरस्य कामाक्ष्यावैतविता *Ch.* -8-  
 2. अद्वैत *Philosophy, an introd. to,*  
 by कोकिलेश्वर शास्त्री 1926 2 ed.  
 8vo. pp. 280. *Cu.* 4-  
 65 अद्वैतभावोपनिषद् २ ऋगुपनिषद्  
 ३ तारोपनिषद् ४ कौलोपनिषद् ed.  
 by सिताराम शास्त्री with introd. by  
 Avelon *Tr.* 2-  
 66 अद्वैतमकरन्द ( वेदान्त ) of लक्ष्मीधर  
 with the comm. of स्वयंप्रकाश बरि  
 and an Engl.Introd. by R.कृष्ण-  
 स्वामी शास्त्री *Cr.* 8vo. *Pl.* -6-  
 67 अद्वैतारत्नरक्षण—(वेदान्त) मधुसूदनीव  
*N.* -10-  
 68 अद्वैतसिद्धिः (वेदान्त) श्रीमत्परमहंसमधु-  
 सूदनसरस्वतीप्रणीता । विद्वत्संन्यास्यारूपो-  
 द्दिष्ट-गीडनखानन्दीन्द्रारुपात्तहिता तथा  
 यत्नभद्रप्रणीतासिद्धिव्याख्यया—अनन्तरूप-  
 शाश्वतश्रुतिन्यायासुताऽद्वैतसिद्धितरिगि-  
 ल्लुचन्द्रिकासप्तदशप्रकाशकधर्मोपपन्नता च  
 40. *N.* 10-  
 69 — मिथ्यात्वमिथ्यात्वान्तो भाग *N.* 2-8-  
 70 — Engl. Transl. Vol. I, Pt. I,  
 by Dr. Ganganatha Jha. *Lo.* 4-  
 71 — ed by V.साम्बसिंह अध्वर 1893  
*Pp.* 3, 4, 343. *Ans.* 4-8-  
 72 अद्वैतसिद्धान्त वैजयन्ती of त्रिभु-  
 शास्त्री *Vo.* -8-  
 73 अद्वैतसिद्धिसिद्धान्तसार (वेदान्त) An  
 abstract of अद्वैतसिद्धि by सदानन्द  
 व्यास with a comm. by the same  
 author ed. and annot. by हरमण-  
 शास्त्री प्रतिय, *Ch.* 4-8-  
 74 अद्वैतसुधा ( वेदान्त ) *Vo.* -12-  
 75 अद्वैतामोदः (वेदान्त) अभ्यकरोपाख्यान-  
 देवशास्त्रिप्रणीतः *Aa.* 2-

अ

- 76 अधिकरणब्रीमुदी (मीमांसा) By Pt.  
 रामकृष्णमटाचार्य ed. by गोपाळशास्त्री  
 जैन. *Ch.* 1-8-  
 77 अधिकरणसंग्रह. (वेदान्त) निर्मयराम  
 कृत *VI.* 4-  
 78 अधिमास परीक्षा (धर्म)- *Vo.* 4-  
 79 अध्यात्मकव्यहृदम् ( जैन ) श्रीसुनिमुन्दर-  
 खरीकृत. *N.* -8-  
 80 अध्यात्मचण्डी ( धर्म ) ed. by लक्ष्मीधर  
 सिद्धान्त. *Sd.* -8-  
 अध्यात्मपटलम् (कर्म) by आपस्तम्ब, w.  
 विवरण of भीमकर *Tr.* -4-  
 81 अध्यात्मप्रदीपिका ( वेदान्त ) पाठादौ  
 समेतः-अद्यकृत्य *Gr.* -6-  
 82 — ( वेदान्त ) *Vo.* -6-  
 83 अध्यात्मरामायण ( वेदान्त ) Transl.  
 into Eng. prose by Lala Baij  
 Nath, *Tr.* 4-  
 84 — मूल *Vo.* 1-4-  
 85 — सरस्वत टीकासमेत *Vo.* 4-  
 86 — *N.* 1-8-  
 87 अध्वरमीमांसाकुलुहलुसि (मीमांसा)  
 of वासुदेवसिंह ed. by कुपुत्सामी  
 शास्त्री. Pt 1 & ii *Ch.* each 3-8-  
 88 अनन्तरत्न ( कामसात्र ) महाकवि श्री-  
 कल्याणमल्ल विरचित ed. by Dr.  
 Schmidt with intro. 1927 pp 2,  
 4 62, 29. *Ps* 1-8-  
 89 — ed. by नेपाठी विष्णुप्रसाद  
 भाण्डारी *Ks.* -12-  
 90 — *Mc.* 2-  
 91 अनन्तकथा (सुकुमात्र-मुखाप्रवा) *Vo.* 3-  
 92 अनर्घराष्ट्र ( भाटक ) श्रीमुरारीकृत, रुचि-  
 पल्लवाभ्यापट्ट टोकेसहित *N.* 2-  
 93 अनर्घलक्षरित्र ( महाभाटक ) पञ्चनदीव  
 र्ग. श्रीसुदर्शनाचार्यशास्त्रिप्रणीत *Ch.* 1-8



अ

94 अक्षपूर्णाकथा मूल (गविष्यपुराणांतर्गत)

Vy -6-

95 अनादितत्त्वम् (वेदान्त) नृसिंहदेव शास्त्रि-  
णाप्रणीतम् pp. 72. mc. -12-96 अनिर्वचनीयतासवस्वम् (वेदान्त) see  
खण्डनखण्डसहिम्.

97 अन्हिकप्रकाश (पीरमित्रोदय) Ch.9-

98 अनुरागिता (वेदान्त) by K. T. Telang  
1908, 2 ed. Of. 12-899 अनुत्तरप्रकाश पंचादिका (वेदान्त) of  
आदिनाथ. Km 1-7-

100 अनुभवरस (संगीत) किरासरी Vy 2-8-

101 अनुभवानन्दलहरी (वेदान्त) Vy 3-

102 अनुभूतिप्रकाश (वेदान्त) विद्यारण्य-  
स्वामिभूत. N 1-

103 अनुभूत योगावली (वेचक) Vy 12-

104 अनुमानगादाधर्या अनुमितिप्रकरणम्  
(न्याय) खंड १. Kg 1-8-105 अनुमितिप्रकरणम् वा व्याप्तिपंचक  
प्रकरणम् सिद्ध्याप्रलक्षणप्रकरणम् वा  
व्यधिकरणभर्मावच्छिन्नाभावप्रकरणम् खंड १  
Kg. 1-8-106 — व्यधिकरणभर्मावच्छिन्नाभावप्रकर-  
णम् खंड २. Kg. 1-8-107 — व्यधिकरणभर्मावच्छिन्नाभावप्रकरणं  
वा पूर्वपक्षप्रकरणम् वा सिद्धान्तप्रलक्षण प्रकर-  
णम् खंड १ Kg. 1-8-108 — तथा सिद्धान्तप्रलक्षणप्रकरणम् वा  
अवच्छेदकरनिर्मुक्तिप्रकरणम् ख. ५ 1-8-109 — अवच्छेदकताविनिर्मुक्तिप्रकरणम् वा  
सामान्याभावप्रकरण वा विशेषन्यासिप्रकरणं  
खंड १ Kg. 1-8-110 — चतुष्टयप्रकरणं वा व्याप्तिप्रलक्षणप्र-  
करणं वा सर्वप्रकरणम् खंड ५ Kg 1-8-

अ

111 — तर्कप्रकरणम् वा व्याप्यतुल्यप्रकर-  
णम् वा सामान्य लक्षणप्रकरणम् ख. ८ 1-8-112 — सामान्यलक्षणप्रकरणम् वा उपा-  
धिप्रकरणं. खंड १ Kg. 1-8-

113 — उपाधिप्रकरणं ख. १० Kg. 1-8-

114 — उपाधिप्रकरणम् वा पक्षताप्रकरणम्  
खंड ११. Kg. 1-8-115 — पक्षताप्रकरणम् वा परामर्शप्रकरणम्  
खंड १२ Kg. 1-8-116 अनुमानदीधिति प्रलेखिणी—(तर्क) of  
कृष्णदास सार्वभौम ed. by प० तर्कनिधि  
8० Bl. 2-4-

117 अनुरागरस खं-नारायणस्वामी Vy 3-

118 अनुरुद्धदातकम्—(इदं) of अनुरुद्ध  
महाशय of अनुराधपुरा with Comm.  
by—The Rev C. A. Seelak-  
khandha The'ra 1890 8० p. 11,  
46. Bl. 2-119 अनुवाद रत्नाकर pt. I. II. (व्याक.)  
उमाचरण विपाक्षण Sd each -2-120 अनेकविषयकव्यपनिरूपणाध्याय by  
हरिकृष्ण. Vy 7-

121 अनेकाधैव्यनिर्मजरी (कोर) Vy 1-

122 अनेकार्थसंग्रह ( कोर ) of हेमचन्द्र  
with extracts from comm. of  
महेंद. Ed. by, Zachariae 1893 15-123 अनेकार्थसंग्रह (कोर) आचार्य श्रीहेम-  
चन्द्र निर्मित Ch.124 अनेकार्थमनुष्यव by शाश्वत Ed. by  
कुलकर्णी 1929 pp. VIII, 90, 2-125 अन्ययोग्यवच्छेदिक। शास्त्रिणा-  
ख्य महावीर स्वामिन्नात्र हेमचन्द्राचार्य  
कृत Km 7 1-

126 अन्योक्तिदातक कोरेश्वर Km 5 1-

127 अन्योक्तिदातक (जेन) शोकवद, दर्शन-  
विजयगो कृत. Jh. -6-

अ

128 अन्योक्तिप्रहाष्याय हरिकृष्ण Vy 1-

129 अनुभूतयोगावली (देवक) Vy-I

130 अन्योपदेशशतक (काव्य) मधुसूदन  
कवि प्रणीत. Km 1-

131 अन्वयप्रबोध (व्याकरण) Vy-2-

132 ANALITICAL INDEX OF  
NAMES AND SUBJECTS by  
M. Winternitz : a complete in-  
dex to the 49 vols, of the Sacred  
Books, constituting a gazetteer  
of Eastern Religion, and valu-  
able as an independent work of  
reference, pp xvi + 684, Of 16-

133 Analysis of the Contents of  
ऋग्वेद by मण्डनमिश्र Sb,

134 ANNALS AND ANTIQUITIES ON  
THE RAJASTHAN of J Tod ed. by  
W. CHOOKE 1920 3 vols Ordinary  
paper, I, pp, lxx + 588, 18 illus,  
II, xxx + 668, 26 illus, III,  
xxii + 806 25 illus, & map Of 40

135 ANNALS of the वाङ्मय इति  
दृष्ट vols 1-9 each 10-

136 Annual Reports of Archaeo-  
logy for 1905-10, Cl each 1-

137 Antiquity of the Veda by Kri-  
shna Shastri Godbole 1882. 2-

138 — of the Ramayana, a note  
on, by N. C. Das 1899 4to pp. 14  
Cc 1-

139 — of Chamba State by J.  
-Vogel Gi 22-

140 — Bhimbar & Rajauri G. 4-

अ

141 — Indian Tibet, French 12-

142 अपभ्रंशकाव्यत्रयी—(जेन) consist-  
ing of works, the चर्चरी, उपदेश-  
सायन, and कालस्वल्पकुलक, by जिन  
दत्तहरी. (12th century) comm.  
ed. by Gandhi Gc. 4-

143 अपारिमितापुर्णनाममहायानसूत्रम्  
(जेन) by Wallasser. Gr 2-8-

144 अपामार्जनस्तोत्र मूमात्र. Vy-2-

145 अपरोक्षानुमतिः (वेदान्त) by श्री  
मच्छक्राचार्य—श्रीशिवराम. स्वामिनिरचित  
दीपिकाख्यसमश्लोकव्याख्यासमेता—मनीषा  
पंचक १८—श्रीयोगानन्द शतीन्द्र निरचित  
पञ्चमकमहाराष्ट्र व्याख्यासमेत. by रामन  
शास्त्री केम्बर 1889 pp 4, 30, 13 1-

146 — Direct Perception. A  
well-known work with मराठी  
transl. and explanatory notes by  
वापटशास्त्री 1923. pp. 122, Crown  
16 mo 3 ed Al 8-

147 — or Direct Cognition of  
the Unity of Jiva and Brahma  
ed. by तुकारामतात्या Rt. -6-

148 अपरोक्षानुभवदर्पण, (वेदान्त) पद्मी-  
करगह. Vy. -10-

149 The Apokryphen of the Rig-  
veda (मिश्रानि Rocon'sion) text, ed.  
by Scheftelowitz (A new dis-  
covery regarding ऋग्वेद) Gr. 10-

150 Aphorism of नारद by  
रुद्रोत्तम Ad -8-

151 Aphorisms of the वायव्य Philoso-  
phy by गीतार. ed. by Ballantyne w.  
Engl. Transl 1850, 8vo, pp 56. 5-

भ

- 152 Aphorisms of Yoga by पतञ्जली  
with the Comms. of व्यास and  
Gloss. of वाचस्पति मिश्र by रामप्रसाद  
Engl. Transl. 3 ed. Po 7-8-
- 153 अष्टाङ्गचरित्र (जेन, अमरसिंहद्वारा) Jb 14-
- 154 अष्टाष्टकं सटीकम् (स्तोत्र) श्रीशङ्करा-  
चार्यस्य. Gn. -2-
- 155 अधिपनौपान मीमांसा पत्र, Vy 1-4-
- 156 अभयकुमारचरित्र (जेन) काव्य, चन्द्र-  
तिलकोपाध्यायकृत. Jb. 15-
- 157 अभिधावृत्तिमातृका (कोष) of मुकुल-  
मङ्गल तथा शब्दव्यापारविचार of मम्मटा-  
चार्य. N. -6-
- 158 अभिधानचिन्तामणिकोश (जेन)  
Vols. 2ed. w स्वपदटीका by हेमचन्द्र  
8vo pp. 620. 7-8-
- 159 अभिधानपद्दीपिका मोगहानपेरवि-  
रचित नामपाली-शब्दकोश एकादश कोष,  
रिभक्त्यर्थ प्रकरण, अकारादि शब्दावुक्त्य,  
सन्धिदर्शन पदच्छेद इत्यादि समन्वित by  
मुनिजिगमिजय 8vo pp. 8, 162. 5-
- 160 अभिधानरत्नमाला (काय) of हलायुध  
a Sanskrit vocabulary, ed. with  
a Sanskrit-English glossary by  
Th. Aufrecht, London, 1861.  
8vo. pp. 400. 10-
- 161 — Reprint 1926 mt. 10-
- 162 अभिधान राजेंद्र—(फ्रेन्च) Prakrit  
Dict. by विजयराजेंद्रपुरिहित 7 Vols  
Rl. 275-
- 163 अभिनवकौस्तुभमाला-दक्षिणामूर्ति  
स्तोत्र-स्तोत्र by कृष्णगोपाकमुनि-2-
- 164 अभिनवराजमाला parts I & II  
Containing humorous passages  
sweet songs, lyrics &c. writ-  
ten in an easy, elegant idiomat-  
ic Sanskrit style. by M. P.  
Oka. each 1-4-
- 165 अभिनवतालमजरी (सर्गीत) -6-
- 166 अभिनवराजमजरी (सर्गीत) -8-
- 167 अभिमन्युनाटक by शालिग्राम Vy 1-
- 168 अभिलषितार्थचिन्तामणि Vol. I  
8vo. Bs. 2-
- 169 अभिप्रेकनाटकम् by भास T. -12-
- 170 अभिज्ञानशाकुन्तल—800 शाकुन्तल.
- 171 अमरकोश (कोष) अमरसिंहद्वारा, भाटुजी  
दीक्षितकृत व्याख्यायुक्ता (रामाक्षरी)  
टीकेसहित. N. 4-8
- 172 — विष्णुदत्तसमर्थशुद्धीन नामचन्द्रि-  
कास्य व्याख्यासहित. Vy. 2-
- 173 — सङ्कत टिकासहित. Vy 2-
- 174 — मूल Vy -8-
- 175 — सटीक Vy 1-
- 176 अमरकोष: तिचटी सं ed. by सविषाख  
एन 8vo Bs. 4-
- 177 — मूल संप्रदायानुसृत. N. -14-
- 178 — सटीक संप्रदायानुसृत. N. 1-2-
- 179 — with शीतस्वर्णमटीका by Oka  
1913. 4°. pp. 2, 240, 106 3-8-
- 180 — or Sanskrit Thesaurus  
with meanings in English and  
Kannada and an Alphabetical  
Index to the words by Lewis  
Rice 1883, 3 ed. (Rare) 8vo.  
pt. XII 148. 8-
- 181 अमरसार (कोष) Anabridgment  
of अमरकोष. Being a Sanskrit-  
English and English-Sanskrit  
Pocket Dictionary. By M. S.  
Gole, 3 ed. 1-

अ

- 182 अमरटीका कामधेनु The Tibetan version of Amartica Kamadhenu, a Buddhist Sans. comm. on the अमरकोश by Subhuti Chandra. ed. by सतीशचन्द्र त्रिपाठ्य 1912. 8vo. Rs. 1-4-
- 183 अमरदत्तमित्रानन्द चरित्र (जैन) गव्य, भावचन्द्र चरित्रित. Js 1-
- 184 अमरावतीसूप Burgess Gt 7-8-
- 185 अमरशतक (काव्य) श्रीअमरककविनिर्मित, अर्जुनरमदेवशर्मण्यत रसिकसजीवनी टीकेसह N. 10-
- 186 — by Simon. Gr. 3-
- 187 अमरीषशासन (वेदान्त) of सिद्धशास्त्रनाथ. Km. 3-6-
- 188 अमृतविन्दु and कव्योपनिषद्. Text Transl. & comm by पं. महादेव शास्त्री. 1-4-
- 189 अमृतलहरी (काव्य) जगन्नाथराजवृत्त Km. 1 1-
- 190 अमृतोदय (नाटक) श्रीमद्वाङ्मनाथवृत्त. N. -8-
- 191 अयोध्याव्यष्टीद्वय हास्यप्रकाशनाय महावीर स्वामीलोग देवचन्द्राचार्यवृत्त. Km 1 1-
- 192 अयोध्याकाण्ड—(तामराज) of Ramabhadra 1923. Dt. 1-8
- 193 अयोध्यामहाकाव्य. Vy. -14-
- 194 अर्धभारतीश्वर गोरेश्वर कृष्णमहाकविवृत्त Km. 14. 1-
- 195 अर्धभागवती कोष (जैन) Illust. Literary Philosophic & Scientific with Sanskrit, Gujarathi, Hindi and English Equivalents, references to the Texts and Copious

अ

- quotations. Introd. by Woolner ed. by शतावधानि लालचंदजी. 1923. 3 Vols. (all out) 22-
- 196 अर्धभागवती रीडर by Dr. Jain. This book as its name implies deals with the अर्धभागवती sacred language of the जैन आगम It contains Grammar of अर्धभागवती, Hist. of literature together with an account of its present recensions, bibliography, Mss. Extracts, etc., their Engl. transl. and index. 8vo. pp. lxx. 180.3-
- 197 अर्धवैतार्थवेधप्रकाशिका, रा. ना. -3-
- 198 अर्धसाधन of श्रीदेव्य गुरुभाष्य by Dr. R. शम्भुशर्मा 3ed. 8vo. Rs 4-
- 199 — Original text prepared w. the help of Munich (German) Mss. and all other sources available ed. with an extensive hist. introd. of 47 Pages, & notes in Engl. by Dr. J. Jolly and Dr. R. Schmidt together with the ancient Original Sans. Comm. व्याख्यानिका 2 vols. 8vo. pp. 47, VI. 272, 2, 2, 2. Mt. 10-
- 200 — by Dr. R. Shama Sastry Engl. Transl. Ad. 6-
- 201 — with the comm. भाष्य by T. गुरुजी रास्त्री vols. 1 to 3 Tr 21-
- 202 — by Meyer Epark (in German) 55-
- 203 — by वाहेरव्य ed. w. introd. notes and transl. by Thomas. Pt. 2-8
- 204 अर्धगणेश (कविता) by श्रीगणेश शर्मा ed. with Engl. transl. by Dr. G. Thibaut. Rs.

अ

- 205 — कौमुदीसमेत by श्रीरामेश्वर  
सिखयोगिभिः ed with notes by Pt  
रघुवीर त्रिवेदी, लक्ष्मणशास्त्री दत्ता, Ks 1
- 206 — श्रीरामेश्वरदिव्ययोगिभिः मुक्त मीमा-  
सार्थसंग्रह कौमुदी-भाष्यासह N -14-
- 207 — सटीक ed by कृष्णनाथ न्यार  
पञ्चानन S/ 1-4-
- 208 — सत्यक सटीक K/ 1-
- 209 — मराठी टीका by प्र. राज N 2-
- 210 Aral to Ganges by Branhho-  
fer Gr 10-
- 211 EARLY HISTORY of the  
SPREAD OF BUDDHISM AND THE  
BUDDHIST SCHOOLS, by Dr Nal-  
inaksha Dutt. with a foreword  
by Dr. Narendra Nath Law  
(Book I analyses the forces that  
helped the propagation of Buddha-  
sm in India and delineates the mis-  
sionary activities of Buddha and  
his disciples in detail Book II con-  
tains a delineation of the four pri-  
ncipal Arian schools of Buddha-  
ism including resumes of their doc-  
trines 8vo pp 314 + xi Co 7-8-
- 212 EARLY HISTORY of India  
from 600 B.C. to the Muham-  
madan Conquest, including  
the Invasion of Alexan-  
der the Great by Vincent A  
Smith 4ed revised by S M  
Edwardes 1921, 8vo (6 + 9)  
pp xii + 536 with 18 illustra-  
tions and maps. 1/ 16-
- 213 EARLY HISTORY of the Indo-  
iraniana. *Revised*, by Keith. 8vo  
pp 31-32 -8-

अ

- 214 EARLY HISTORY of the  
Rajputs by Vaidya 7-8-
- 215 EARLY HISTORY of the Var-  
shnava Sect, by Ray Chaudhuri,  
8vo pp 158 2-13-
- (The book contains materials for a  
connected history of Vaishnavism  
from the Vedic times to the age of  
the early Tamil Aesthetes who laid  
the foundation of Sri Vaishnava  
School The author takes into con-  
sideration only works of proved  
antiquity and epigraphical records  
His method of treatment is strictly  
scientific and he comes to a num-  
ber of interesting conclusions  
among which is the establishment  
of the historic personality of Vasu-  
deva Krishna and the determina-  
tion of the doctrines of the old  
Bhagavata sect
- 216 EARLY HISTORY of the Var-  
shnavism in South India by  
S K. Aiyangar 1920 Pp x + 112  
Of 1-4
- 217 EARLY TRAVELS IN  
INDIA 1583-1619, ed by Wil-  
liam Foster 1921 pp. xiv + 352,  
and ten illustrations India-  
paper Of 11-8
- 218 भट्टकारकौमुदी (चटकार) श्रीरघुनाथ  
निरचित Gn -2-
- 219 भट्टकारकौमुदी (भट्टकार) श्रीरघुनाथ  
निरचित, स्वामीयारक्षित N.
- 220 — a work on Sans Rhetoric  
by Kavi Karnapura ed. by Prof.  
सिखनारायण part. I. P/ 3-8-
- 221 भट्टकारकौमुदी (कौमुदी)  
भट्टकारकौमुदी नाम संस्कृतभाषा-  
व्यकरण V/ -6-

अ

- 222 अलंकारप्रदीप (अलंकार) of पूर्वतीय-  
विश्वेश्वरपण्डित ed by मण्डारि Ks -8-
- 223 अलंकारमणिहार (अलंकार) श्रीकृष्ण-  
ब्रह्मदेव परकाल समयीने प्रणीत pts  
1-3 Bs 10-2-
- 224 अलंकारसुत्तावली (काल) श्रीविश्व-  
ेश्वर पाठेय निर्मिता. Ks -15-
- 225 अलंकारविकारा (अलंकार कुल्ल्यावद)  
मराठी भाषाविराह by केमकरशास्त्री  
1886. Roy. pp. 3,233 2-4-
- 226 अलंकारशास्त्र (अलंकार) सटीकम्  
श्रीवामदेवप्रणीत. Gn. -2-
- 227 अलंकारशेखर (अलंकार) केशवविश्व-  
कृत श्रीअनन्तराम शास्त्रिणा श्रीमकारिणि  
समाख्य सञ्चयित Ks 1 4
- 228 ——— N. -12-
- 229 अलंकारसूत्रम् (अलंकार) by श्रीराजा  
नरक हय्यक w. the अलङ्कारसर्वस्व of श्रीम-  
ल्लुक and its comm by सद्युक्त 4to  
Tr. 2-8-
- 230 — ed. by चन्द्रकान्त तर्कालंकार  
Sd. 2-1-
- 231 Alberuni's India Account of  
the Religion, Philosophy, Lite-  
rature, Geography, Chronology,  
Astronomy, Customs, Laws  
and Astrology of India, about  
A. D. 1010 By Dr. E. C.  
Sachau, Cheap ed Kps 8-
- 232 Alexander's Empire by Maha-  
dy J. 1920. 8th ed Fu. 7-8-
- 233 Alundcho Grammathe or  
the Grammar of the Old  
Indian language by Jakob Wac-  
kernagel Complete in 2 vol.  
Gr 34-3-

अ

- 234 Allahabad University Studies  
Vol. I to V each 7-8-
- Fol I Contains —
- 1 Meteorology in Ancient India by  
Ganganath Jha
  - 2 A contemporary Life of Akbar  
in Sanskrit by Amarnath
  - 3 The Manusara and Vitruvius  
by P K Acharya
  - 4 Persian Loan-words in the Ra-  
mayana of Tulsiidas by Babooram
  - 5 Synthetic Gradation in Indian  
Thought—Umeshri Mishra
  - 6 The Vraksha Hymn—K C Cha-  
ttopadhyaya.
  - 7 Ayabhrashta Literature—Hira-  
lal Jani
  - 8 Identity of the Present dialects  
of Hindustan with the Ancient  
Janapadas—Dhirendra Varma.
  - 9 The Realism of David Hume—  
A C Mukerji
  - 10 On vertical and Horizontal pro-  
cesses on a rough cycloidal pally  
due to the motion of a heavy in-  
extensible chain over it—A C Ma-  
herji & A. Mukerji
  - 11 The conception of Muslim Mar-  
riage—Mahomed U S Jang
  - 12 Negative Catalysis in Oxidation  
reaction—A R Dhar
  - 13 Studies in Absorption S Ghosh  
and A R Dhar
  - 14 ———
  - 15 On the Stability of colloidal  
Solutions K C Sen
  - 16 New 11.25 m spectrum analysis  
—A K Sur

अ

*Vol. II Contains —*

- 1 The Origin and Development of the Muslim Law of Marriage—  
Dr U. S. Jang
- 2 Bernard Shaw as a critic of Con-  
temporary Society by F J Fielden
- 3 Hindu System of measurement  
by P. K. Acharya
- 4 The Date of Kalidasa by K  
Chattopadhyaya
- 5 Marriage in Grihya Time & Now  
R. K. Shukla,
- 6 The Verb in the Ramayana of  
Tulsidas—Babu Ram Saksena.

*Vol III Contains —*

- 1 Cytoplasmic Organs in the Germ  
Cells and Somatic Cells of Tubi-  
fox—H R. Mehotra
- 2 Studies in Absorption—Part  
XIII M Mehotra
- 3 Phenomenal after effect in  
certain Photochemical Reactions  
—B. K. Mukerji and N R Dhar
- 4 Studies on the Oxid Fickel  
K P Chatterja.
- 5 Some observations on the Pheno-  
menon of Coagulation and Absor-  
ption—S Ghosh
- 6 Electrolyte Antagonism with  
Inorganic Suspensions and the  
Equilibrium between Sodium and  
Calcium Ions in Biological Syst-  
ems—K C Sen
- 7 On the Temperature Radiation  
of Gases—M N Saha
- 8 On the Choice of Striking Point  
in the Piano-forte String by Ghosh.
- 9 Rainbow—G. B. Deodhar
- 10 The Criterion—P. S. Burrell

अ

- 11 The Scusable Appearance of  
movement—Randle
- 12 Roald's Conception of Idealism  
—A. C. Mookerjee.
- 13 On Green's "Spiritual Principle"  
—N. C. Mookerjee.
- 14 Parasitism in India, its cost and  
cure—B G. Bhattacharya
- 15 Development of Persian Inter-  
views during the time of Akbar.  
M Zia Ahmad.
- 16 A note on the mess of Sur Sa  
gar—D Varma W
- 235 All India Oriental Confe-  
rences. *Bp*  
First session Report 2 Vols. 13—  
Second " " 1 Vol. 10—  
Third " " " 10—  
Fourth " " 2 Vols. 13—
- 236 अवच्छेदकनानिरसि (न्याय) *Su*-15-
- 237 अवन्तर्लक्षेत्रमहाकव्य सन्दर्भ *Sy*-4-
- 238 अवन्तिसुन्दरीकथासार *Kv* 2-
- 239 अवतारसिद्धि (वेदान्त) प. दयाना-  
थकरजी नागरद्वारा प्रचलित. *La*. -2-
- 240 अत्रदानवक्षयलता (बुद्धिहम) श्रीसेमन्द  
विरचितया वेदिसत्त्वावधानकल्पलताया  
मणिचुर्यावदाने नाम एनीयसम्पत्. *Ch*-1-
- 241 — (संस्कृत तिथि) of सेमन्द ed. by  
शरत्चन्द्रदास and एनीयसम्पत् विद्यादास  
2 Vols. 8vo. *B*.
- 242 अत्रदानदानक ed. by. Spoyer  
Vol. I (Fsc. I-IV) Vol. II  
(Fsc. I-IV.) *Bb* each *Fsc.* 5-
- 243 अत्रद्वयसिद्धि (सिद्धि) *N*. -4-
- 244 — (Silk-cover) *N*. -6-

४४

- 245 — (वेदान्त) मूल श्रीदत्तात्रेय श्रुतीत  
(Silk) Vy. -7-
- 246 अविमरकम् (नाटक) by माह ed.  
by Ganapati Shastri. Tr. 1-8-
- 247 सर्वोदकदर्शनसंग्रह (वेदान्त) by  
गयाधर राजपेयराजी. Fe. -3-
- 248 अयोध्यासिद्धान्तवैजयन्ती (वेदान्त)  
by शिवकसासी. Tr. -8-
- 249 ASUTOSH MEMORIAL VOLUME.  
38 contributions on all  
topics by different eminent  
scholars of the world ed. by Prof.  
J.N Samaddar. 2 pts. bound in  
one. Patna. 15-
- 250 ASUTOSH Mukerjee silver ju-  
bilee Commemoration volumes  
These volumes contain essays  
contributed by the friends and  
admirers of the late Sir Asutosh  
Mookerjee on the occasion of  
the Silver Jubilee of his attain-  
ing the Degree of Doctor of law,  
3 vols of the Univ of Calcutta.  
Vol. I, Arts and Letters, 1921.  
Roy. 8vo. pp. 621 11-4-
- Vol. II, Science, 1922 Roy. 8vo  
pp. 484. 11-4-
- Vol. III *Orientalia*, pts I, Roy  
8vo. pp 524. 11-4-
- Vol. III. *Orientalia*, pt. 2 Roy  
8vo pp. 757. 11-4-
- Vol. III. *Orientalia* part 3 Roy.  
pp. 516. Cu 11-4-

४५

- 251 अशोक (*Carmichael Lectures*,  
1923,) by D. R. Bhandarkar,  
Demy 8vo pp. 364. Cu. 5-
- In this book the author has set for-  
th his views about the Buddhist mo-  
narch after a careful and systema-  
tic study for a quarter of a century  
not only of the inscriptions of Aso-  
ka but also of the valuable transl  
and notes on these records by dis-  
tinguished scholars in the field of  
Ancient History of India. The book  
consists of eight chapters dealing  
with the following topics, I, Asoka  
and his early life II, Asoka's em-  
pire and administration, III, Asoka  
as a Buddhist IV, Asoka's Dharma  
V, Asoka as a missionary, VI, Soci-  
al and Religious life from Asoka's  
monument VII Asoka's place in  
History VIII Asoka's inscriptions
- 252 — by V. A. Smith 3ed.  
revised and enlarged. 1920.  
Cr. 8vo (7½ x 5). pp. 280,  
with two illustrations, a map  
and an index. Of C-6-
- 253 — Text and Glossary, by A.C.  
Woolner 1914 4to (12½ x 9½)  
pt I introd & text pp xxxviii  
52 pt. II, glossary, pp. iv+53  
156. Of 10-
- 254 — by J M Macphail, 2ed.  
C. 8vo. 18 2-8-
- 255 — by Radhakumud Mal er-  
jee, 8vo. M. 15-12-
- 256 — Inscriptions by Ramnar-  
Sharma, Text, with transl.  
VI. 2-8-



अ

- 257 अथर्ववेदक (वेदक) of अथर्ववेद ed.  
by दत्त कविराज, 1886, 8vo. Bl. 4-8
- 258 अथर्ववेदिकाय हिन्दी. Transl.  
Vy -4-
- 259 अष्टाङ्गसंग्रह (र. महर्षि) N. -2-
- 260 अष्टासिद्धि by पं. कन्दमोहनदास  
w. Hindi Transl. 1916, 4to, pp 2,  
III. Vy -12-
- 261 अष्टाविंशतुपनिषद् Vy 1-8-
- 262 अष्टादशरुति मूल 1 अग्नि, 2 अग्निरात्रि,  
3 आपस्तम्ब, 4 अश्विन, 5 कश्यप,  
6 गौतम, 7 ऋषि, 8 शतपथ, 9 बृहस्पति,  
10 यम, 11 अश्वि, 12 अश्वि, 13 अश्वि,  
14 अश्वि, 15 शतपथ, 16 अश्वि, 17 अश्वि,  
18 अश्वि. (अथर्ववेदमन्त्राणां) ग्रन्थ  
1924. Vy 2-
- 263 अष्टावक्रसुत्रपाठ (व्याख्यान) पाणि  
निघण्टु. N -8-
- 264 — Vy -6-
- 265 — Ky -4-
- 266 — पञ्चपादो (आचार्य) गणपत. पाठ  
पाठ, शक्तिपाठ, विद्यावृत्तान्त. Vy -12-
- 267 — सत्त्वार्थिक गणपत by चन्द्रशेखर  
शर्मा Bm. -12-
- 268 अष्टावक्र see गौतमविद.
- 269 अष्टाविंशतुपनिषद् 1 अश्विन, 2 अश्वि,  
3 अश्वि, 4 अश्वि, 5 अश्वि, 6 अश्वि,  
7 अश्वि, 8 अश्वि, 9 अश्वि, 10 अश्वि,  
11 अश्वि, 12 अश्वि, 13 अश्वि,  
14 अश्वि, 15 अश्वि, 16 अश्वि,  
17 अश्वि, 18 अश्वि, 19 अश्वि,  
20 अश्वि, 21 अश्वि, 22 अश्वि,  
23 अश्वि, 24 अश्वि, 25 अश्वि,  
26 अश्वि, 27 अश्वि, 28 अश्वि. 1923. N. 1-

अ

- 270 अष्टाङ्गसंग्रह (बृहस्पति) इन्द्रिया-  
स्वास्व संपूर्ण ३ भाग. Mf. 17-
- 271 अष्टाङ्गसंग्रह मूल (वेदक) वाग्भट्टकृत,  
शब्दकोशसहित. N. -12-
- 272 — सटीक श्रीमद्भक्तिसङ्गोपाध संयोग-  
सुंदरव्याख्यासहित. N. 8-
- 273 — स. मूल मराठी भाषात by G. K.  
Garde. 10-
- 274 (वेदक) by देवेन्द्रनाथ. सेनगुप्त Cc. 8-
- 275 — सुन्दरपाठ — वाग्भट्टकृत मूल तथा  
अष्टाङ्गसंग्रह संयोगसुंदर, चन्द्रशेखर  
चन्द्रिका, हेमचन्द्रकृत भाष्यसहित तथा  
प. रामप्रसादजीकृत कठिण स्पष्टटीका  
सहित. Vy. 6-
- 276 — मूल, वाग्भट्टकृत Vy 4-
- 277 अष्टोत्तरसूक्तोपनिषद् 1 अथर्ववेद,  
2 अथर्ववेद, 3 अथर्ववेद, 4 अथर्ववेद,  
5 अथर्ववेद, 6 अथर्ववेद, 7 अथर्ववेद,  
8 अथर्ववेद, 9 अथर्ववेद, 10 अथर्ववेद,  
11 अथर्ववेद, 12 अथर्ववेद, 13 अथर्ववेद,  
14 अथर्ववेद, 15 अथर्ववेद, 16 अथर्ववेद,  
17 अथर्ववेद, 18 अथर्ववेद, 19 अथर्ववेद,  
20 अथर्ववेद, 21 अथर्ववेद, 22 अथर्ववेद,  
23 अथर्ववेद, 24 अथर्ववेद, 25 अथर्ववेद,  
26 अथर्ववेद, 27 अथर्ववेद, 28 अथर्ववेद,  
29 अथर्ववेद, 30 अथर्ववेद, 31 अथर्ववेद,  
32 अथर्ववेद, 33 अथर्ववेद, 34 अथर्ववेद,  
35 अथर्ववेद, 36 अथर्ववेद, 37 अथर्ववेद,  
38 अथर्ववेद, 39 अथर्ववेद, 40 अथर्ववेद,  
41 अथर्ववेद, 42 अथर्ववेद, 43 अथर्ववेद,  
44 अथर्ववेद, 45 अथर्ववेद, 46 अथर्ववेद,  
47 अथर्ववेद, 48 अथर्ववेद, 49 अथर्ववेद,  
50 अथर्ववेद, 51 अथर्ववेद, 52 अथर्ववेद,  
53 अथर्ववेद, 54 अथर्ववेद, 55 अथर्ववेद,

अ

- 54 तृतिहोतरतापिनी, 55 परब्रह्म, 56 परम-  
हंस, 57 परमहंसपरिव्राजिक, 58 पंचब्रह्म,  
59 प्रश्न, 60 प्राणाग्निहोत्र, 61 पाशुपतब्रह्म,  
62 पेद्दल, 63 बह्वच, 64 बृहदारण्यक,  
65 ब्रह्मज्वाल, 66 ब्रह्म, 67 ब्रह्मविन्दु,  
68 ब्रह्मविद्य, 69 मम्मजावाल, 70 भावन,  
71 भिक्षुक, 72 मण्डलब्राह्मण, 73 महा,  
74 महावाक्य, 75 माण्डुक्य, 76 मुक्तिक, 77  
सुब्रह्म, 78 बुध्दिक, 79 भैरव, 80 भै-  
रवाणि, 81 योगिक, 82 याज्ञवल्क्य, 83  
योगकुण्डलि, 84 योगबुद्धामणि, 85 योग-  
तत्त्व, 86 योगशिल्प, 87 रामधर्मतापिनि,  
88 रामयोगतापिनि, 89 रामरहस्य, 90 रुद्र-  
हृदय, 91 रुद्राक्षजावाल, 92 यज्ञवल्क्य,  
93 वराह, 94 वासुदेव, 95 शरभ, 96 शा-  
ण्डिल्य, 97 शाठ्यायनि, 98 शारिफ, 99  
शुकरहस्य, 100 श्वेताश्वेतर, 101 सेन्यास,  
102 सरस्वतीरहस्य, 103 सरसार, 104  
सतिवि, 105 सति, 106 सुबाल, 107 सु-  
108 सोभाग्यलक्ष्मी, 109 रुद्रन्द, 110 इक्ष  
111 ह्यध्वनि, 112 क्षुत्तिक. N. 3-  
278 Aspects of the Vedānt by Vythi-  
natha Aiyar 1921. 1 ed. cr. 1212  
N. 1-  
279 — Ancient Indian Polity by  
N. N. law with a Foreword by  
A. B. Keith 1921. 8vo. (6+9)  
pp. xx+228. Of. 10-  
280 Astronomy, Astrology & Ma-  
thematics by Thibaut. Gr 4-  
281 ASTRONOMY HINDU ARYAN  
and antiquity of Aryan  
Era by pt. Bhagwan Das Pa-  
thak 1920. 1 ed. 2-  
282 Astronomical Instruments in  
the Delh. Musm. Gl. 1-10-

अ

- 283 Astronomical Observatories  
of जयसिंह, by Kaye Gl. 14-12-  
284 अहिबुज्य संहिता (पंचरात्रागम) ed.  
by रामानुजाचार्य under the Supervi-  
sion of otto Schroder 2 vols pp. xi  
177. Od -15  
285 अक्षरमाला. Mp -1-  
286 अक्षरतन्त्र सटीक अगिस्तलीमुनि  
प्रणीत see सामवेद. Ct. 1-8  
287 अक्षयस्मृति तथा शिवभक्तिकव्य-  
सिका (स्तोत्र) अधिर व्यंकटेश्वरया हृत.  
Vy -2-  
288 ACTION, the philosophy of,  
see,—The philosophy of action.  
289 ADOPTION The theory of,  
see—The theory of adoption.  
290 ANTHROPOLOGICAL Society,  
the journal of, see,—The  
journal of the Anthropological  
society.  
291 अहमदाबाद, the Muhammeden  
Architecture of, see—The Maha-  
mmaden Architecture of अहमदा-  
बाद.  
292 अलंकारशास्त्र, the ancient his-  
tory of, see—The Ancient His-  
tory of अलंकारशास्त्र.  
293 अवेस्ता and कादरी Hunas in,  
see—the Hunas in अवेस्ता and कादरी.  
294 अवेस्ता and old Persia, the  
selections from, see—the selecti-  
ons from अवेस्ता and old Persia.  
295 असोक the inscriptions of, see—  
The inscriptions of असोक.  
296 असरिया, The history of, see—  
The History of असरिया.

आ

- 297 आगमप्रामाण्यम् (वेदान्त) श्रीरञ्च-  
रात्रतन्त्रप्रामाण्यश्चरस्यापनपरम्, श्रीभाष्य-  
काराणां रग्मगुणां ओद् यामुनाचार्यप्रणी-  
तम् पण्डितत्वामिराममिश्रशास्त्रिणा परि-  
शोधितम्, कचिद्विषयमात्रे विवर्तितं  
च. अयमागमप्रामाण्यग्रन्थः सम्यगवने-  
कितो दार्शनिकेतिहासिनिरूपणग्रन्थस्यायो-  
नामस्यन्तमुपयोह्यते. *La* -12-
- 298 आंग्लाधिराज्यस्वागतम् —म. म.  
भीपरवस्तु बैकट रगाचार्यार्यरघु-  
कृतं, पद्यात्मकं, आलम्बाग्रनुवादसहितं,  
8vo pp. 32 *Vz.* -3-
- 299 आचाराङ्गसूत्र (जैन) or the first  
Anga of the Jains, text ed.  
w. analysis notes and glossary  
by W. Schubring *Gr.* 5-
- 300 अक्षरचन्द्रिका स्वामी दयानन्द  
विरचित 1922 8vo. pp. 2, 62, 24  
24. *Kg* -8
- 301 आचारचिन्तनम् (धर्म) by रामा-  
क्षर चटोपाध्याय *Sd* -6
- 302 आचारप्रबोध गणपय (जैन) इत्यक्षर  
सूत्रिकृत *Jb* 6-4
- 303 आचारभुषणम् (धर्म) सत्याषाढहिरण्य-  
केशवनिहकम्. *Au* 4-6
- 304 आचारमयूख (धर्म) नीलकण्ठमहकृत  
प्रोत 'स्मरणादिशान्तिस्थान्दिकविप्र-  
लपस्य निरूपणपरो ग्रन्थ' *Gu* -8-
- 305 आचारमार्तट (धर्म) *Sp* 1-
- 306 आचाररत्न (धर्म) आन्धिकग्रन्थ *N* 1-
- 307 आचारार्क (धर्म) मूळ *Vy* -12-
- 308 आचारादर्श— (धर्म) गुरुर्वर्गीय  
आन्धिकविधि *Vy* -12-

आ

- 309 आचार्याः—(चरित्र) शरर, रामाक्षर  
and मन्व *The Three Great. Nt* 3-
- 310 आचारसु । (धर्म) मोटे हनुपाह-  
ग्रन्थकविरचित । *Aa* 4-
- 311 आतङ्गादसावो (जैन) and Anu-  
ttaravaiya Sutra transl. into  
Engl. by L.D Barnett *Ra* 6-8-
- 312 आत्मचिन्तनम् (धर्म) by रामच-  
न्द्रोपाध्याय *Sd* -7-
- 313 आत्मतत्त्वविवेक (वेदान्त) by उदय  
नाचार्य w. the comments दीपिती  
by रघुनाथ and कल्पन्ता by शङ्करमिश्र  
and sub-comm. called टिप्पणि by  
श्रीरामतर्कालकार महाचार्य Ed. by राम-  
चरण महाचार्य and प. राजेश्वरशास्त्री  
अर्थाद, with a forward by प. गोपी  
नाथ कविराज *Ch* 3-
- 314 आत्मतत्त्वविवेक (बुद्ध) on बौद्धा-  
धिकार. A Refutation of Buddhi-  
stic metaphysics by उदयनाचार्य.  
w. the comments of शङ्करमिश्र,  
भगीरथ डाक्टर रघुनाथ तर्कशिलोमणी, मधुरा  
नाथ तर्कवागीश &c. ed by म. म. वि-  
श्वेश्वरप्रसाद त्रिवेदि. 1807-1925  
*Bi* 3-12-
- 315 आत्मनिर्देशकम् (स्तान्) सायणविरचित  
*Rm* 7 1-
- 316 आत्मप्रबोध सटीक (जैन) जिनलान-  
सूत्रिकृत 2ed. *Jb* 8-
- 317 आत्मपुराण (वेदान्त) with comm.  
Unbound *Ga* -12-
- 318 आत्मपुराण (स्तेरयोपनिषद्) प्रकाश-  
कृष) अध्याय 1 सान्निध्यार्थ, by वापटशास्त्री  
1913, 8<sup>o</sup> *Al* 2-

आ

319 आत्मविद्या (वेदान्त) or a few thoughts on the science of the Self in seven discourses by रामचन्द्र अय्यर, Cr. 8vo. Pp. xxvi-397 Cloth Gilt Vy 2-

320 आत्मविद्याविलास (वेदान्त) of श्री-सदाशिवनरेंद्र. Vy 2-

321 आत्मानात्मनिवेक (वेदान्त) or Discrimination of Spirit and Not Spirit (in Questions and Answers) and आत्मबोध by संकराचार्य Transl. by मोहन मोहन चतर्जी Ri -6-

322 आदर्शगीतावली (संगीत) जीवरा-मोपाध्यायकृत Mb -9-

323 आदिपुराण ग्रंथ मात्र संपूर्ण Vy 1-

324 आदित्यहृदय (स्तोत्र) ग्रंथ Vy -5-

325 — लघु Vy -2-

326 — वात्सीकीरामागणान्तर्गत Vy 1-

327 आदित्यहृदय, सूर्यकवच (स्तोत्र) N -2-

328 आभानपद्धति (कर्म) किञ्चदे-करोपाङ्गनामनशास्त्रिणि कृता Aa 1-14

329 आनन्दगान (संगीत) Vy -5-

330 आनन्द्यहार (काव्य) श्रीकृष्णस्तुति Vy

331 आनन्दमन्दाकिनी (वेदान्त) यमु-हृदन सारसहित Km 2 I-

332 आनन्दलहरी (वेदान्त) by अय्यर-हंसिल with his own comm. called चन्द्रिका 8vo. pp. 5, 11, 150, 22 Bm. 1-8-

आ

333 — or a Wave of Bliss, a transl. and comm. by Avelon Ty 1-8-

334 आनन्दलतिका—(चम्पू) a short Champu composed by कृष्णाय सारंगभोज with the help of his accomplished wife जयन्तीदेवी Se

335 आनन्दयुन्दावनचम्पू तटीक Vy 4-

336 आनन्दसागरस्तोत्र by गोलकंडादितिल Km 11 1-

337 आनन्दामृतचर्यापिणी (वेदान्त) A comm. on गीता by आनन्दगिरि Vy 1-

338 आन्हिककर्मसुग्राहणी (कर्म) गुरु-यज्ञवेदीय Vy 2-8

339 आन्हिकचन्द्रिका (कर्म) सायनसम्प्र-भाष्यसह N 1-

340 आन्हिकप्रकाशधीरामिबोदयेन Ca 1-

341 आन्हिकसुकुपयुवेदीय (कर्म) Vy 1-

342 आन्हिकसुग्राहणी गुरुयज्ञवेदी (कर्म) N 2-8-

343 आन्हिकसुग्राहणी (कर्म) यज्ञवेदीय Me 2-8-

344 आपस्तम्बीय वेदे (वेद) N -II

345 आपस्तम्बरक-स्तोत्रप्रस्ताव Vy -3-

346 आपस्तम्बीय श्रृंगारमन्त्रावलीकमालिका तथा संस्कृत व्याख्यासहितम् Ks 4-

347 आपस्तम्बीय गृह्यसूत्र (कर्म) ग्रंथ II

348 आपस्तम्बीय धर्मसूत्र द्धमान Me 2-

349 आपस्तम्ब सुखसूत्र (कर्म) Bv

350 आभोग (वेदान्त) rare comm on the कथसर by लक्ष्मीनृसिंह Part I चातुर्गो Vy 2-

- आ  
351 Ideal of the कर्मयोग by श्रीभारतदत्त Ad 1-12  
352 Ideals from the Sanskrit (reprint) ed by Griffith "with immemorial" preface by आचार्य राम भगवाय Al  
353 THE IDEALS of INDIAN ART with Illustrations by Havell E B Roy Svo Jm 16-  
354 आयुर्वेद चिन्तामणी (वेदक) मित्र निषण्ड V/ 2-8  
355 आयुर्वेदप्रकाश — (वेदक) उपपाय श्यामभरिराचत Yl 2-  
356 आयुर्वेदविज्ञान (वेदक) तन्मात्राचरण हन हन आन, Ml 4-  
357 आयुर्वेदसूत्रम् (वेदक) यागनन्दन यागदासाहत Bs 2-4  
358 आयुर्वेद सूत्रम् (वेदक) सुलमान यागमाधव निरचित Yl 2-  
359 आयुर्वेदीय नाचनीतम् (वेदक) Mlc 4-  
360 Ayurvedic system of medicine as occurring in चरक, सुश्रुत, भावप्रसाद and other authoritative Sanskrit works ancient and modern by कविश्री सनत 1909, Svo pp 29, liv, 421 Cc 12-  
361 Art Manufacture of India by Mukerji S N 1888 Gt 3-  
362 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Four Reports—made during the years 1892-63-64 65 by A Cunningham 1871 Vol II Roy pp V 459 Jan 12-  
आ  
363 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—Annual Report for the year 1922—by D B Spooner, contains 42 plates & 2 text illustrations Gt 15-  
364 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—Annual Report for 1923—24 by Marshall, contains XIII plate. (Section II deals w exploration & Research at Harappa and Mohenjo-daro) Gt 15-  
365 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF CEYLON Epigraphia / epigraphica bearing the and other inscriptions of Ceylon Vol II part 3 Ed and Transl by Wickeremasinghe 1904 2 (1 prts) each 4  
366 Archaeological Remains and Excavations at Nagari by D H Bhandarkar Gt 3-8  
367 Archaeological Antiquities of Northern Gujrat Gt  
368 आर्यभट्टाय मृगशिरस तथा संहत शका गहिन H 10-8  
369 Manual of Astronomy, with the Comm भाट्टशिरस of परमहंसराज ed by H Kern 1874 XII 116 Text in Sanskrit Br 8-  
370 आर्यभट्टश्रीमूलकस्य (मन्त्र) pt 1-3 Tr 9-8  
371 आर्य शक रे मूल-यान by Ogale H L 1910 transl into Marathi from Tilak's Arctic Home in the Vedas 1-8

आ

- 372 आर्यविद्याम्याख्यानमाला 8Vo  
pp. 244 3-2
- 373 आर्यविद्यासुधाकर Composed by  
सहेश्वर निमणमह ed w various  
new notes by म म प शिन्दत  
कुटाल Oriental College, Lahore  
1923 pp 4, 133, 3 Ps 8-
- 374 आर्यावर्तिक Home, showing the  
the cradle of the Aryas by ना  
भ पावगी 3-8-
- 375 ARYANS—A study of Indo-  
European origin by V G  
Childe 8Vo pp XVI 231  
Kp 8-
- 376 The Aryan Period and their  
condition by Spiegel F G, 8-
- 377 THE ARYAN HOME IN THE  
VEDAS—Being also a new Key  
to the interpretation of many  
Vedic Texts and Legends by  
Bal Gangadhar Tilak O: 5-8-
- 378 आर्यबन्धनरस्तेगा—सूक्ष्मगा (रा सा)  
Vj -1-
- 379 आर्याशतक (काव्य) इत्युणायुतम्—श्री  
श्रीरुस कवे Gn -2-
- 380 —(स्तोत्र) सूक्त कविकृत Vb -2-
- 381 आर्यासटीक (काव्य) श्रीमुद्रणचार्य  
विरचित Gn -12-
- 382 आर्यासप्तसि—(व्यातिर)भट्टाचार्य-  
र्यकृत टिकासहिता N -4-
- 383 आर्यासप्तसिती—(काव्य) गन्धर्वना  
र्यकृत, अनन्तपण्डितकृत व्यञ्जनादीपना  
टीकासहिता N 1-8-

आ

- 384 — (काव्य) पर्यतीव श्रीविश्वेश्वर पण्डित  
विरचिता सङ्कृतयन टोकवेदिता ३ सण्डा  
Ch 4-8-
- 385 OUR EDUCATIONAL PROBLEM  
with an introduction by  
Lala Lajpat Rai ed by Lala  
Hardayal Pl 1-8
- 386 आपमत्तसमग्र—म म परवस्तु  
चक्रट रगाचार्यार्थ नट्टारानभ्रवृत्ते  
तत्पुत्रेण श्रीनिवासजगन्नाथस्वामिनायवरगुरु  
णाकृत सङ्कृतच्छाया, श्रीभामहृकया  
सहिता। २० pp 12 Vx -4-
- 387 आवश्यकसूत्रम्—(जन) The neces-  
sary precepts A religious  
treatise useful to the Jains by  
जज्जेरी 1928 vol 1 Roy. mo N 4-
- 388 — of the Jain text ed w.  
notes by Lemann Gr 2-8-
- 389 आशीर्वाद शतकम् (साग) श्रीविश्व-  
ेश्वर कवीकृत L -2-
- 390 आशुबोध म्याकरणम् by तरानाथ  
सर्कवाचस्ततिभट्टाचार्य 1873 or pp III  
486, 3 Cl 2-
- 391 आशीचनिर्णय—(धर्म) व्यम्बककृत  
N -2-
- 392 —(धर्म) अग्निपुराणाक Vj 1-8
- 393 — सूक्ष्मगा Vy -2
- 394 आशीच पञ्जिक (धर्म) शुद्धसिद्धान्त  
पञ्जिकान्तर्गता श्रीगुरुशुद्धन शर्म भेदितयन्त्र  
विरचिता Ag 1-
- 395 आशांचाष्टम् (स्मृति) by वररुचि  
with comm T. -4-
- 396 आश वाहक (धर्म) By वररुचि  
with Sanskrit comm Mf -2-

आ

- 397 आश्वलायनगृह्यसूत्रम् (कर्म) पून  
N 4-
- 398 — with the comm अनावेल  
by हरदत्त Ti 5-
- 399 — Sans. Text & Ger-Transl.  
w.notes. by Stenzler F. G. 10-
- 400 — गार्ग्यनारायणीय वृत्ति, वृक्षपरिचिन्,  
कुमारिन्महादेवाचल वृक्षकारिका Pt 4-
- 401 आश्वलायन सूत्रप्रयोगदीपिका (देव)  
of the अथर्वण श्रौतसूत्रा by दे मन्वनाचार्य  
ed by सोमनाथ पाध्ये Bu 3-
- 402 आश्वलायनश्रौतसूत्रम् आश्वलायनवृत्त-  
तिसमेतम्। Aa 3-
- 403 आश्वर्यचूडामणि (नाटक) महाकवि  
भीमशक्तिभट्टाचार्यरचित संचाल्यम्. pp  
281, 288, 3, Km 2-
- 404 — Engl Transl 1-4-
- 405 आश्वर्यचूडामणि (मन्त्र) Iy -2-
- 406 आश्वर्ययोगरत्नमाला (पञ्च) Iy  
-4-
- 407 आश्वर्यपादांति ज्येष्ठशान्त (कर्म)  
Vy -2-
- 408 आपादमहासंस्थामृतमान Gn -8-
- 409 आर्येयकल्पसूत्र of (सामवेद)  
text ed. w. notes etc by Dr. W  
Caland. Gr 5-
- 410 आर्येय ब्राह्मण of सामवेद by Ca  
land W Gr 10-
- 411 आर्येयब्राह्मणसूत्र सामवेदीय by सत्यजन  
भट्टाचार्य 1892 80 pp 191 Cc 2-
- 412 आर्यसंज्ञासूत्रम् (जैन) ed and  
transl by F. Schel. R. Gr 2-
- 413 THE ASHRAMA IDEAL by Dr  
G. S. Arundale Being the open-

आ

- ing lecture of the second ses-  
sion of the Brahmanavidya Ashra-  
ma 1923 Ad -3-
- 414 आदिती an essay, see—An  
essay on आदिती
- 415 ANDHRA DYNASTY, the coins  
of, see—The coins of Andhra Dy-  
nasty.
- 416 ART, the national value of,  
see—The national value of art.
- 417 ARCHITECTURAL DRAWINGS,  
the portfolio of, see—The port-  
folio of Architecture drawings
- 418 ARCHITECTURE OF GUPTA  
STYLE AND शिवर, the origin of,  
see—the origin of the Architec-  
ture of Gupta style and शिवर.
- 419 ARCHITECTURE OF INDIA,  
ancient and medieval see—The  
Ancient and medieval architec-  
ture of india
- 420 ARCHAEOLOGY, a Museum at  
मथुरा शर्मा, and सारनाथ see,— a  
Museum of archaeology at  
मथुरा, शर्मा and सारनाथ.
- 421 Archaeological survey of India  
the memoirs of see,—the memoirs  
of the Archaeological survey  
of India
- 422 ARCHITECTURAL WORKS IN  
INDIA, a review of, see—a review  
of architectural works in India
- 423 ARCHAEOLOGICAL RELICS in  
the museum of V. R. Society, a  
catalogue of, see,— A cat. of

- इ  
Archaeological Relics in the  
museum of V. R. society.
- 424 ARYAN RESEARCH, a method  
of, *see*—The method of Aryan  
Research.
- 425 ARYAN RULE IN INDIA, the  
History of, *see*—History of  
Aryan Rule in India.
- 426 ARYANS, IN ASIA, ancient  
history of, *see*—Ancient History  
of Aryans in Asia.
- 427 ARYANS, a history of origin  
and expansion of, *see*—History  
of Origin and Expansion of  
Aryans.
- 428 ARYAN MEDICAL SCIENCE,  
a short history of, *see*—A short  
History of Aryan medical  
science.
- 429 ARYAN NATIONS, mythology  
of, *see*—The mythology of  
Aryan nations.
- 430 आर्यावर्त, The Heart of, & —  
A Heart of आर्यावर्त.
- 431 आर्या the wisdom of, *see*—  
The wisdom of the आर्याs.
- 432 आश्वलायन, गोभिल, पारस्कर शा-  
खायन सूत्राः—a list of words in,  
*see*—A List of words in आश्वलायन,  
गोभिल पारस्कर *sutras* &c.
- 433 इदमभा of अमाजत by Rosen F  
Gr 3-
- 434 इन्द्राक्षोस्तोत्र मूल Vy 1-
- 435 — मूल Bo 1-3-
- 436 इतिहाससमुच्चय मूल Vy 1-
- इ  
137 हृस्वनीतिकथा Pt. 1 & II,  
pt. I contains stories 1 to 60  
& Pt II, 61 to 120 N -8-
- 438 ईशोपनिषत् Text, Engl.  
Transl. and orig. Comm. w full  
explanation. by भुवरी हरजन  
Ls -8-
- 439 — Text and Paraphrase  
and word-for word Transl. Engl.  
rendering and comments by  
रामो शर्मा. Ad -6-
- 440 — Ed. by भरदिन्द वेप, 1-8
- 441 — w. a new comm. by  
ब्रह्मन्, transl. into Engl. with  
introd. by J. T. ब्रह्मन् w.  
foreword by Arthur Avalon.  
Text in देवनागरी. St 3-
- 442 — Text and transl. w.  
comm. by K. चटोपाध्याय Ad -4-
- 443 — Text w. चटोपाध्याय transl. by  
चि. ग. भातु, 1911. 8vo pp. 2, 218  
1-8
- 444 — with प्रकाशिका of श्रीहर-  
नारायण & editor's बालबोधिका by  
वाटकशास्त्री. 1923 8vo pp. 2, 34,  
2, Ca 1-
- 445 — सूटीक शास्त्रभाष्योक्ता, उवराचार्य  
कृतमीशावास्यभाष्यम्, आनन्दभट्टभाष्यम्  
कृतमीशावास्यभाष्यम्, अनन्ताचार्यकृतमी-  
शावास्यभाष्यम् च, ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृत  
मीशावास्यभाष्यम्, शकरीनन्दकृत ईशा-  
वास्यदीर्घिका, रामचन्द्रशङ्कितकृत ईशावा-  
स्यविश्लेषः। Aa -14-
- 446 — Transl. into Engl. with  
comments of श्रीहरनारायण and श्री-



- ६  
आनन्दाचार्य and notes from the  
Tikas of आनन्दगिरि, उद्योत्तार्य,  
शंकरानन्द, रामचन्द्र पण्डित, आनन्दभट्ट,  
by श्रीरामचन्द्र वसु Rr -12-
- 447 — with the भाष्य of श्रीशंकराचार्य  
and टीका of जयतीर्थस्वामी and with  
the gloss of रघुनाथतीर्थ. Mr I-4
- 448 — with the भाष्य of श्रीशंकराचार्य  
faithfully transl. into Engl.  
with explanatory foot notes  
from ज्ञानव्यासि by प्रो. शिरिजिन्ना  
cr. 8Vo Vp -6-
- 449 — with notes and meanings  
by R. राममुगुणशर्मा 8vo pp 14 Tr
- 450 ईशारात्प केन and मुण्डक with  
Sankara's comm. transl. by  
सितारामशर्मा 1905 cr. pp 156  
Nr 2-4-
- 451 ईशकेनकठप्रश्नमुण्डमाण्डूक्यानन्द-  
बहुभिरूपनिषद्ः। तासु रामानुजमतार्थ-  
यामिनारायणकृतप्रकाशिकासमेतमीशोपनि-  
षद्भिरामानुजविरचितप्रकाशिकासमेता  
केनादिमुण्डकान्ता । रामानुजमतार्थ-  
यामिनारायणविरचितप्रकाशिकोपेता माण्डू-  
क्योपनिषत् । रत्नरामानुजविरचितप्रकाशिका  
कोपेते आनन्दपद्मोभूषणविरचिता । Aa  
2-8-
- 452 ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक & माण्डूक  
with माधवा's comm. transl into  
Engl. w copious explan. notes  
by R. B. कर्तारचन्द्र 3rd ed.  
Pp 7-8
- 453 ईशकेनकठोपनिषद् । दिगम्बरानुवर-  
रितचिन्ताप्रकाशान्वयव्याख्यानमेता ।  
Aa 1-
- ६  
454 ईश, केन and मुण्डकोपनिषद्  
Text and Transl. into Engl.  
with Sankara's Comm. by  
सीतारामशर्मा Ad 2-8-
- 455 ईशानशिवगुरुदेवपदतिः (तन) by  
ईशानशिवगुरु देवमिश vol 1-4 con-  
taining सामान्य, मन्त्र, क्रिया, योग-  
पाद, respectively. Tr 14-19
- 456 ईशानविचार द्वयप्रशिक्षाख्य (जेन)  
Yp
- 457 ईशरगीता Transl into Engl.  
by L. K. Mal 1924 8Vo pp  
v, 62, 4, Mr. 1-8-
- 458 ईश्वरप्रत्यभिज्ञ विमर्शिणी -(वेदान्त)  
Text by उत्पलदेव, Comm. by मणि-  
नरगुप्त, Demonstrates the existence  
of God to counter-influence the  
nihilistic teachings of the Bau-  
ddhas. Is the philosophy pro-  
per of the Trika system or the  
Recognition School of Kashmir.  
With preface and introd. Engl.  
in vols 1. 11 Km. 8-
- 459 ईश्वरप्रतिपत्तिप्रकाशः-(वेदान्त) by  
श्री मधुसूदनसरस्वती. Ir -4-
- 460 ईश्वरसत्त्वक (स्तोत्र) सटीक अथवा  
कविप्रणीत. Km9 1-
- 461 ईश्वरसाहिता. Sw 7-8-
- 462 ELEMENTARY GRAMMER OF  
THE संस्कृत LANGUAGE w. मराठी  
Transl. prepared by विपद्मनकर-  
शर्मा 1864 cr. pp. 82, 2ed. 8-
- 463 ELEVEN ATHARVANA UPANI-  
SHADAS, with Dipika by Col.  
G. A. Jakob, 2nd ed. Rp 1-8

३

- 164 ELEMENTS OF HINDU ICONO-  
GRAPHY by गोपीनाथ 3 vols  
Md 40-0
- 465 ELEMENTARY SANSKRIT  
GRAMMER w. DHATUKOSH by  
Thibaut 8vo. pp. 255 Cu 2-
- 466 ENGL. SANS. DICT (practical)  
by Borooah A. 1877 15-
- 467 ENGL. SANSKRIT DICT. by  
V. S. Apte. 6-
- 468 ENGL. SANSKRIT DICTIONA-  
RY by V. G. Apte On 4-
- 469 ENGL. MARATHI DICT. by  
Molesworth and Candy.  
Gu 12-
- 470 ENGL-TIBETAN DICT. by  
Lama Dawsamdup Kazi, Roy.  
8o pp. 1003. Cu 15-
- 471 ENGL-FRENCH and French-  
Engl. Dict. by Wessely. 3-8-
- 472 ENGL-GERMAN and German  
Engl. Dictionary, by We-  
ssely, F.— . . . 2-8-
- 473 ENGL.—Spanish and Spanish  
—Engl Dict. by Wessely 3-8-
- 474 ENGL.—SWEDISH AND Swe-  
dish—Engl. Dict. by Wessely  
3-8-
- 475 EPIC MYTHOLOGY by Hop-  
kins W. Gr 18-
- 476 EPIGRAPHIA Indo-moslemi-  
ca ed. by J. Horoviz 1909-  
10, 1911-12 10-
- 477 EPIGRAPHIA INDICA AND

३

- RECORD OF THE ARCHAEOLOGI-  
CAL SURVEY OF INDIA Ed by  
कृष्णशर्मा pts II, IV, V,  
VI, IX, X, XI, to XVIII  
each 3-
- 478 Epigraphica Indica Vol III  
in 1-6 parts & 8th part vol IV  
in 8 parts, Vol V in I, 3 to 8  
pts Vol VI 1-5 pts Vol VIII  
7 & 8 pts, Vol. IX 1-8 pts  
Vol X 1-8 pts Vol XI, 3 to 8  
pts. Vol XII 1-7 pts Vol XII  
1-4, 6-8 Vol XIV 2-8 pts Vo  
XV 1-5, 7 & 8 Vol XVI 1-7  
pts. Vol XV.I 1-7 pts Vol  
XVIII 1-5 pts. Prices on In-  
quiry. each pt. Cu
- 479 EPIGRAPHICAL CONTRIBU-  
TIONS, the Inscriptions of Asok  
on pillars & Rocks 8 parts, 1 by  
Liders II. Gr 3-
- 480 ETHICS OF INDIA. By E.  
WASNBURN HOPKINS. 8vo  
(8 x 5'), pp. xiv Of 10-8
- 481 ETHICS OF THE HINDUS by  
S. K. Maitra. 1925 cr. pp. 40,  
XVII, 311, 78 Cu 4-
- 482 ETHICS OF THE KORAN, by  
M. A. Buch. 1921 cr. pp. III  
2, 129 cloth Ba 2-4-
- 483 ETHIC—manual of Hindus  
by G. Chandavarkar On 1-4
- 484 ESSENTIALS OF HINDUISM, a  
Symposium. Ad -8-

इ

- 485 EVOLUTION OF INDIAN POLITY, by R. Shama Sastri, 1920 8vo pp 192 Cu 6-

Contains a connected history of the growth and development of political institutions in India compiled mainly from the Hindu Sastras. The author being the famous discoverer and translator of the Kautilya Arthashastra it may be no exaggeration to call him one of the authorities on Indian Polity

- 486 EVOLUTION OF LAW, by Nareschandra Sen Gupta, Roy 8vo pp 191 Cu 2-8-

- 487 EVOLUTION OF MAN series of lectures delivered by Lull, Ferris Parkar, Angell, Keller and Conblin ed by Bartsell Roy pp X, 202 Yu 12-

- 488 Index Verborum to the published text of अथर्ववेद by W D Whitney 25-

- 489 Index Verborum of the Fragments of the Avesta, by M SCHUYLER 9-8-

- 490 Index Verborum to the published texts of कौटिल्य अर्थशास्त्र Vol I-III Br 7-4-

- 491 Index Verborum to कालकलत्र by Rudolf Gr 12-

- 492 Index to Bothlingk's Indische Spruche by S Blau A 1893, 8vo pp 109 Gr 2-

इ

- 493 INDEX TO महाभारत Separately Mi 5-

- 494 —to महाभारत by Sorensen 1 to 12 parts 100-

- 495 Index to Pāṇini's Sūtra, Dhatupatha, &c Po 1-8-

- 496 A (Descriptive) Index to the names in the रामायण by म-म नाथ राय S85

- 497 Index to Sabara's भाष्य by the late Col J A Jacob Sh 6-

- 498 INDICES of the first fifty Vols of Indian Antiquary compiled by Miss L M Anstey—Vol I part I Indian authors 4-  
Vol II part II Subject Index part III list of illustrations 5-

- 499 The Indic Alphabet called Nagari, in which Sanskrit is commonly printed A brief manual for beginners by C R Lanman Ho

- 500 The Indo-Aryan Races in English By R B Ramprasad Chanda 1916, pt I Roy pp XIII, 274 Vr 5-

- 501 The Indo German, their spread Original Home & culture (Die Indogermanen,) by Hirt H Vol each Cr 10-

- 502 INDIA AS KNOWN TO THE ANCIENT WORLD by G BANER

₹

JEE. 1921. 8 vo ( 8½ × 5½ ). pp  
ii + 74. Of 3-

503 INDIA, OLD AND NEW. By  
SIR VALENTINE CHIROL 8vo.  
Mm 7-8-

504 INDIA OLD AND NEW by  
Hopkins E. 1902 8vo pp. VII  
312 15-

505 INDIA FOR INDIANS by:  
Das, Chitta Ranjan. Pl 1-

506 INDIA IN THE SEVENTEENTH  
CENTURY, by J. N. Das Gupta  
(Oxon) 8Vo pp. 258 Cu 3-8

The condition of India in respect  
of its political, social, and economic  
aspects, in the early years of  
the East India Company, has been  
described in this volume with the  
help of the narratives of European  
travellers and foreign observers  
who were drawn to this land by  
their love of adventure, the fasci-  
nation of romance, and the call of  
the East.

507 INDIA BY FLORENCE STRELL  
An up-to-date edition of one of the  
standard works on India and the  
Indians. With 32 Full-page Illus-  
trations by MONTAGU MENZIES.  
Large Crown 8Vo. M 5-12

508 INDIAN ANTIQUARY. Journal  
of Oriental Research in Archaeo-  
logy History, Literature Languages  
Philosophy, Religion Folklore &c  
&c. 54 Vols. each 20-0

₹

509 INDIA Architecture accor-  
ding to Manasara Silpasastra  
by Dr. P. K. Acharya Of 10-  
"The book gives an account of the  
architecture of the Vedic, the  
Buddhist, and the classical pe-  
riods of India up to the Moha-  
mmadan age."

510 INDIAN Architecture with  
Numerous Illusts. ed. by  
Ananthaswami A Rao. Vol. I.  
Parts I to VI Roy. pp. VIII  
96, 112, 72 Mf 76-

511 Indian Art and Art-Crafts, by  
Dr. Stella Kramrisch, R. Shrin-  
ivasan, Krishnaswami Pillai and W.  
D. S. Brown. 1st 2-

512 The Indian Buddhist Iconography  
mainly based on the Saddanisma  
and other cognate Tantrik Texts of  
Rituals by B. Bhattacharya 1924  
4 to (10 into 7½) pp. xxiv + xxx +  
220, with 69 plates and frontispiece  
Of 3-

513 INDIAN CHRONOLOGY (Solar,  
Lunar and planetary) A practical  
Guide to the Interpretation and  
verification of Tithis, Nakshatras,  
horoscopes and other Indian time-  
records B. C. to A. D. 2000 by L. D.  
Swami Kanna Pillai 1911 Roy. pp.  
II 12, 213, XII Mf 1-

514 The Indian and foreign chro-  
nology by Kotkar V. B.  
1923. B. B. R. A. S. 4-1

515 Indian Coins by E. J. Rap-  
son with Indices 1894  
Gr 6-

६

- 516 THE INDIAN COLONY OF CHAMPA, by R. C. मुकुन्दर. 15-
- 517 THE INDIAN COLONY OF CHAMPA, by Babu कर्णान्दनाथ बोस of the विश्वभारती, शान्तिनिकेतन Ad 2-  
An interesting and informing work of research dealing with the colonisation by Indians in the Early Christian Era at Champa in Further India—a great kingdom that existed in the land, now comprising the southern portion of Annam or French Indo China
- 518, THE INDIAN COLONY OF SIAM by Prof. Phamindra Nath Bose to-gether with a foreward by Dr Bagehi with 6 plates Mt. 3-8-0
- 519 THE INDIAN CORONATION Ode in संस्कृत by व रत्नमन सूरि 1911 Roy pp 10, 21 Md 1-
- 520 THE INDIAN CORONATION SONG by व कृष्णमाधव, 1911. Kt 1-
- 521 INDIAN DRAMATURGY, by P N Patankar. Sb. 3
- 522 INDIAN DRAMA, by Korow S Gr. 9-
- 523 INDIAN DICTIONARY (कोश) by Zacharia, T Gr 5-
- 524 INDIAN CULTURAL INFLUENCE IN CAMBODIA by Dr Bijendra Chatterjee. Cu 6-
- 525 INDIAN IDEALS in Education Religion, Philosophy and Art,

६

- being the Kamala lectures for 1924-25 by Mrs Basant. 8vo pp 70 Md 1-8-
- 526 INDIAN LITERATURE ABROAD (China) by Probhat Kumar Mukherji Co 1-
- 527 INDIAN LOGIC AND ATOMISM An Exposition of the Nyaya and Vaisesika Systems, by A. B KEITH, 1921 Crown 8vo (7½ x 5½) pp. 292 Of 6-8-
- 528 INDIAN MATERIA MEDICA or Taleef shireef transl from the orig by G Playfair, 1833, 8vo pp. 8, 189 Gr. 20-
- 529 INDIAN MEDICINAL PLANTS, by K R Kirtikar & Major M D Basu, 2 vol Cu 275-
- The book contains botanical description, names in vernaculars, properties and uses of over 1,300 Indian plants. Neatly printed on thick art paper (1419 pages) with clear illustration in above 1000 royal 4 to-sized lithographic plates. A very rare and valuable work of reference to Botanists, medical men, manufacturers of Indigenous Drugs and Agricultural and Forest Departments
- 530 INDIAN MYTHOLOGY ACCORDING TO महाभारत by Fausboll V 1903 Vol 1 9-
- 531 INDIAN PAINTING, by Percy Brown, Principal of the Government school of Art, Calcutta

₹

- With 17 Plates. Crown 8vo. Paper. As. 1-8-
- 532 INDIAN PAINTING UNDER THE MUGHALS A. D. 1550 to A.D. 1750 by Percy Brown 1924. Quarto (11½ x 15) pp. 204, with 72 plates, 4 in colours Of 80-
- 533 INDIAN PALEOGRAPHY with 17 tables (Grundriss S.) by Bühler G. Gr 21-
- 534 INDIAN PANDITS in the Land of Snow by S. C. Das. Ed. by N. G. Das. 1893. 8vo. pp. VIII, 92 VII 28 5-
- 535 INDIAN PHILOSOPHY by Strauss O. 7-
- 536 INDIAN POETRY AND INDIAN IDYLLS by Arnold Kp. 8-  
Containing "The Indian Song of Songs" (from the Sanskrit of the Gita Govinda of Jayadeva), two Books from "The Iliad of India" (Mahabharata). "Proverbial Wisdom" (from the Shlokas of the Hitopadesa), and other Oriental Poems.
- 537 INDIAN PHILOSOPHY by Radhakrishnan S. Vol. I and II. 33-6-
- 538 THE INDIAN PROBLEM by C. F. Andrews et. pp. 128, Nl. 1-
- 539 INDIAN PRIMER OF PHILOSOPHY सनस्कृतभाषा.
- 540 THE INDIAN SECT OF THE JAINAS by Bühler, J. 1903. 3-

₹

- 541 INDIAN SERPENT LORE OR THE NAGAS in Hindu Legend & Art by J. Vogel with 30 plates 1936. . Nl 31-8-
- 542 INDIAN TEACHERS OF BUDDHIST UNIVERSITIES, by Phandranath Bose. Ad 2-8-
- "Too little is known to the general public about the ancient Indian seats of learning, and about the great scholars that proceeded from these "Universities," as they may well be called, Phandranath Bose of Viswabharati, Santiniketan, has therefore done good service by collecting, in this well written little volume, all the available materials on the work done by Indian Pandits in the Buddhist Universities of Nalanda, Vikramasila, Odantapura and Jagaddala.
- 543 INDIAN THEISM, From the Vedic to the Muhamadan Period, by NICOL MACNICOL, 8o. cloth Of 5-8-
- The various ways in which Hindu thought has approached theistic ideas and practice are most sympathetically considered in this volume. CONTENTS: Introduction. Part I: History.—I. The Theism of the Rigveda.—II. Theistic Elements in the Popular Religion in the Period of the Brahmanas and the Upanishads.—III. The Theism of the Upanishads.—IV. Theism within Buddhism.—V. The Theism of the Mahayana.—VI. Theism during the Mahabharata Period.—VII. The Theism of the Vedant Sutras and

₹

of Pamayana—VIII Later Vahsh-  
navite Cults—IX Kabir & Nanak—  
X Siva Bhakti—XI The Sakta  
Sect Part II Theology—Part III  
Criticism and Appreciation—Ap-  
pendices

544 INDIAN TEACHERS IN CHINA  
by कपीन्द्रनाथ शर्मा 1923. M. 1-8-

545 "INDIAN WISDOM" by M.  
Williams 1898 8o. pp. 575 22-

546 INDUS VALLEY IN THE VEDIC  
PERIOD by R. B. Ramprasad  
Chanda. G. 8-

547 INSCRIPTIONS OF ASOKA, by  
Prof. D. R. Bhandarkar and  
S. N. Majumdar 1920 Cr.  
8vo. pp. 104 Cu 4-4-

The various texts of the rock pillar  
cave and other inscriptions are  
given in parallel lines to enable the  
student to compare the different  
readings at a glance

548 INSCRIPTIONS OF ASOKA—  
Corpus Inscriptionum Indica-  
rum Vol. I. New edition with 55  
plates by E. Hultzsch. G. 80-

549 INSCRIPTIONS, SOUTH INDIA,  
see—South Indian Inscriptions.

550 INFLUENCE OF ANALOGY IN  
SANSKRIT by V. S. Ghatge 8vo  
pp. 339-355 -8-

551 INSTITUTIONS OF HINDU LAW  
on the ordinances of मनु according  
to the gloss of Culluca transl  
from the orig.-Sansk. by W.  
Jones 1794 Roy pp. vii, 366  
G. 45-

₹

552 INSTITUTIONS OF VISHNU by  
J. Jolly. Of 9-8-

553 INTERNATIONAL LAW AND  
CUSTOMS IN ANCIENT INDIA, by  
Pramathanath Banerjee, Roy.  
8vo. pp. 170. Cr. 4-

In this interesting book the author  
demonstrates the elaborate code of In-  
ternational Law and military usages  
which existed in Ancient India,  
and a cursory glance will show that  
the Ancient Indian usage in this  
matter was much more elaborate and  
much more humane than that fol-  
lowed by all nations of antiquity and  
even by nations of Modern Europe  
Contents—Sources of International  
Law International Status of Persons  
in International Law—Intercourse  
of State The Essential Rights and  
Duties of States—The Theory of  
Balance of Power—Treaties and  
Alliances—War Character Grounds  
The Law relating to Enemy Persons  
and Enemy Property—The Agents  
Instruments and Methods of War  
fare—Neutrality

554 INTERCOURSE BETWEEN  
INDIA AND THE WESTERN  
WORLD to the Fall of Rome,  
by H. G. RAWLINSON, 2nd  
Ed Demy 8vo Mm 6-8-

555 AN INTERPRETATION OF  
ANCIENT HINDU MEDICINE by  
Chandra Chakrabarty 1923.  
cr pp. xvi, 599, 15 8-

556 INTER-STATE RELATIONS IN  
ANCIENT INDIA, Part I. by Dr

६

Narendranath Law 1920. cr. pp.  
X, 99, 2. Co 2-

557 AN INTROD. TO ADVAITA  
PHILOSOPHY. Shankar School  
of Vedant as taught by मधु-  
सूदन सरस्वती by K. S. Vidya-  
ratna. pp. XV 194, 1924 Cu 8-

558 INTRODUCTION TO ADVAITA  
PHILOSOPHY by केशिदेवराजी  
thoroughly revised and en-  
larged. 8vo. pp. 230. Cu. 4-

The work is a brilliant exposition  
of the Shankara-School of the Ve-  
danta Philosophy. The most strik-  
ing feature of the work is the full  
consideration of various altogether  
new issues such as—(1) whether  
Shankara has denied the reality of  
the objects of the universe. (2)  
whether individuality has been  
resolved in his system of Philoso-  
phy into mere relations and actions  
and whether the Ego cannot be  
held to be an active power. (3)  
whether Vedants advocates inertia,  
emptying of the human mind rather  
than its expansion. (4) whether  
Sankara's Theory can be called  
Pantheism, (5) what is the relation  
between Being and Not Being, and  
between Infinite and Finite (6)  
what is the place of Ethics and  
Religion, (7) what is the correct  
view on Vedantic Mukti, and such  
other valuable topics. The work  
will prove an indispensable com-  
panion for the thorough and correct  
understanding of the great Maya-  
Vada in its various aspects. Copious  
authoritative quotations from

६

Shankara's commentaries on the 10  
Upanishads, Brahma-Sutra and  
Gita have been given in the foot-  
notes enhancing the value of the  
work, which are an invaluable mine  
of information, on the subject. The  
author attempts also to clear up  
various misinterpretations and  
misrepresentations of the Shankara-  
Vedanta, giving a correct and right  
exposition.

559 INTRODUCTION TO भगवद्गीता by  
Garbe (Transl. from the Ger-  
man) by Utgikar. 1-8-

560 — TO भगवद्गीता by Maacki-  
khan. -12-

561 — TO THE GRAMMAR  
of the Sanskrit Language for  
the use of Early Students by  
H. H. Wilson 1847, 2nd Ed.  
8vo pp. XV, 499 10-

562 — TO THE GRAMMAR  
of the Tibetan Language with  
the texts of Situ Samtag, Dag-je  
Salwai, Mdong & Situ Shul-  
Lang, by S. O. Das, 1915, Roy.  
pp. 2, 2; XXVII. 62 10-

563 — TO History of Indian  
Buddhism part I by Burnouf  
E.— Fr 20-

564 — TO INDIAN ART,  
by Dr. A. K. Coomaraswami,  
with 34 Plates. Ad 3-8-

565 — TO THE HINDU SYS-  
TEM OF PHYSIQUE by K. J.  
Sarkar. 3-



- ६  
566 — TO INDONESIAN LINGUISTICS, transl. by C. O. Blagden and Brandstetter R. 1916. 8vo 7-8
- 567 — TO MAHAYANA BUDDHISM with special reference to Chinese and Japanese phases, by Dr. McGovern, W. M. 8vo. *Kp.* 6-
- 568 — TO THE *संस्कृत* *Ri.* 6-
- 569 — TO MATERIA MEDICA for India including preparations of British Pharmacopocia 1898 by C F. Ponder & D. Hooper 1901 8o. pp. III. 236 *Ce.* 5-
- 570 — TO THE MINYAMA SUTRAS by P. Mohanlal Sandal Roy pp. VI. *Pa.* 4-
- 571 — TO THE पञ्चतन्त्र AND अहिर्बुध्न्य संहिता. Introductory Remarks—Part I: The Literature of the Pancaratras; Part II: the Philosophy of the Pancaratras; Part III: The Ahirbuddha Samhita; Appendices and Indices, pp. 178. *Ad.* 3-
- 572 — TO प्रकृत. by A. C Woolner, pp. xvi+219. *Pr.* 4-  
It is the only book in English for mastering Prakrits—Two parts bound in one volume
- ६  
573 — TO THE STUDY OF HISTORY by Langlois & Seignobos. 1923. 3 Impr. 7-8
- 574 — to the study of language. A critical survey of the history and methods of comparative Philology of the Indo-European languages by Delbrueck B. *Gr.* 5-
- 575 — to the study of language by Bloomfield L. 9-
- 576 — to the Study of the Yoga Aphorisms of पतञ्जलि *Ri.* 4-
- 577 — TO YOGA By Annie Besant. Theosophical Convention Lectures of 1907 Contents The Nature of Yoga, Schools of Thought, Yoga as Science, Yoga as Practice Cloth. *Ad.* 1-8-
- 578 IS INDIA CIVILISED? Essays on Indian Culture, by Sir John Woodroffe, 1918, Cr. pp. x 276. *Ni.* 3-
- 579 IS ARTHASASTRA SECULAR? by V. R. R. Dikshitar, 1925, Roy. pp. 615-631, *Mi.* 2-
- 580 INSTITUTIONS OF विष्णु by J. Jolly. *Of.* 9-8
- 581 THE IMPERIAL GAZETTES OF INDIA. New edition, 1909. Twenty-six vols. 8vo (8½ x 6), pp. cccxiv 11328. *Of.* 92-
- 582 ETHICS, an outline of the history of, *see*—An outline of the History of Ethics.
- 583 INDONESIAN LINGUISTICS, an introd. to, *see*—An Introd. to Indonesian Linguistics

- ३  
584 INDO-ARYAN RESEARCH, Ethnography, Encyclopedia, see—Encyclopedia of the Indo-Aryan Research, Ethnography.
- 585 INDO-GERMANIC ASIA, the world contemplation of, see—The world contemplation of Indo-Germanic Asia.
- 586 INDO-GERMANIC LANGUAGES, a comparative grammar of, see—A comparative grammar of Indo-Germanic Languages.
- 587 INDO-IRANIANS, the early history of, see—the Early History of Indo-Iranians.
- 588 ईश्वरकृष्ण, the सायणकारिका of, see—the सायणकारिका of ईश्वरकृष्ण.
- 589 INDIA VEDIC, embodied in the ऋग्वेद, see—वेदिक India embodied in the ऋग्वेद.
- 590 INDIA, ANCIENT, see—Ancient India.
- 591 — — an essay on the history of Drama, see—An essay on the History of Drama in Ancient India.
- 592 — — Corporate Life in, see—Corporate Life in Ancient India.
- 593 — — the Chronology of, see—The Chronology of Ancient India.
- 594 — — & अर्थशास्त्र, diplomatic theories of, see—Diplomatic theories of Ancient India and अर्थशास्त्र.
- ३  
595 — — discipline of consequences in, see—Discipline of consequences in Ancient India.
- 596 — — Economic life and progress in, see—Economic Life and Progress in Ancient India.
- 597 — — Hellenism in, see—Hellenism in Ancient India.
- 598 — — A history of education in, see—A History of Education in Ancient India.
- 599 — — international law and customs in, see—International law and customs in Ancient India.
- 600 — — interstate relations in, see—Interstate relations in Ancient India.
- 601 — — the lays of, see—The lays of Ancient India.
- 602 — — Lectures on the economic condition of, see—The Lectures on economic conditions of Ancient India.
- 603 — — Local self-Government in, see—Local self Government in Ancient India.
- 604 — — the magic of, see—The Magic of Ancient India.
- 605 — — Men and Thought in, see—Men and thought in Ancient India.
- 606 — — Philosophy of, see—The Philosophy of Ancient India.

- 607 — — Political History of, *See*—Political History of Ancient India
- 608 — — Sources of Law and Society in, *See*—Sources of Law and Society in Ancient India
- 609 — — Studies in the Medicine of, *see*—The Studies in Medicine of the Ancient India
- 610 — — Theory of Government in, *see*—Theory of Government in Ancient India
- 611 — — theism in, *see*—Theism in Ancient India
- 612 — — the town planning in, *see*—The Town-planning in Ancient India
- 613 — — Vedic Brahmana period of the religion in, *see*—The Vedic Brahman period of Religion in Ancient India
- 614 — — the weapons, army, organisation and political maxims of, *see*—The Weapons, Army Organisation and political maxims of Ancient India
- 615 — — the Women in the witchcraft of *see*—The women in the Witchcraft of Ancient India
- 616 INDIA ANCIENT. Women in epos of, *see*—The women in, the epos of Ancient India
- 617 — — and Mediaeval, *see*—Ancient and Mediaeval India.
- 618 — — and Mediaeval, Geographical dictionary of, *see*—The Geographical dictionary of Ancient and Mediaeval India
- 619 INDIA, MEDIAEVAL under Mohammadan rule, *see*—Mediaeval India under Moham-maden Rule
- 620 INDIA-PRE-HISTORIC *see*—Pre-Historic India.
- 621 INDIA, PRE-MUSLIMAN, *see*—Pre-Mussalman India.
- 622 INDIA, DRAVIDIAN *see*—Dravidian India
- 623 INDIA, SOUTH, and her MUHAMMADEN INVADERS *see*—South India and her Mahommeden Invaders.
- 624 — South, the Village gods in, *see*—Village gods in South India.
- 625 — SOUTHERN, Hints for coin collections and coins of, *see*—The coins of southern India and hints for coin collections
- 626 — and Ceylon, a history of fine art in *see*—A History of Fine Art in India & Ceylon
- 627 — and Western World, an intercourse between, *see*—An intercourse between India and Western world
- 628 — the Archaeological survey of, *see*—The Archaeological Survey of India

- ६  
629 — the Brain of, see—The Brain of India.
- 630 — the Coins of, see—The Coins of India.
- 631 — the Early History of, see—The Early History of India.
- 632 — the Early Travels in, see—the Early Travels in India.
- 633 — the Ethics of, see—The Ethics of India.
- 634 — the Gold Legends of, see—The Gold Legends of India.
- 635 — the Heart of, see—the Heart of India.
- 636 — the History of the British Empire, see—The History of the British Empire in India.
- 637 — the History of the caste in, see—The History of the Caste in India.
- 638 — the Early History of, see—The Early History of India.
- 639 INDIA, a history of, from the earliest times, see—The History of India from the earliest times.
- 640 INDIA, Hindu and Mahomedan period in the history of, see—The History of Hindu and Mahomedan period in India.
- 641 — the Imperial Gazetteer of, see—The Imperial Gazetteer of India.
- ६  
642 — Linguistic Survey of, see—Linguistic Survey of India.
- 643 — a literary history of, see—A Literary History of India.
- 644 — a list of published Mahomedan inscriptions in, see—A List of Published Mahomedan Inscription in India.
- 645 — maxims of worldly wisdom in, see—The Maxims of Worldly Wisdom in India.
- 646 — memoirs of the archaeological survey of, see—The Memoirs of the Archaeological Survey of India.
- 647 — myths and Legend, of, see—The Myths and Legends of India.
- 648 — the music of, see—The Music of India.
- 649 — natural religion in, see—The Natural Religion in India.
- 650 — North-East, social organisations in, see—The Social Organisations in North-East India.
- 651 — an outline of the religious literature of, see—An Outline of the Religious Literature of India.
- 652 — Office Library, a catalogue of, see—A Catalogue of India Office Library.

- ६  
653 — an original Sanskrit texts on the origin and progress of the religion and Institutions of, see—Original Sanskrit Texts on the Origin and Progress of the Religion and Institutions of India
- 654 INDIA'S PAST, a survey of her Literature, Religions, Languages and Antiquities by Macdonell, 1927 7-8
- 655 INDIA, a peep into the early history of, see—A peep into the early History of India
- 656 — the peoples of, see—The peoples of India
- 657 — primitive culture of, see—The Primitive Culture of India
- 658 — the religion of see—The Religion of India
- 659 — the renaissance in see—The Renaissance in India
- 660 — A Review of Architectural works in, see—A Review of Architectural works in India
- 661 — the Rural Problems of, see—the Rural Problems of India
- 662 — a Short History, from the earliest times to the present day, see—A Short History of India from the earliest times to the present day
- ६  
663 — a Short History of the Frontier States of, see—A Short History of the Frontier States of India
- 664 — Yuan Chwang's Travels in, see—Yuan Chwang's Travels in India
- 665 INDIAN Alphabets, old & new tables of, see—the old and new Tables of Indian Alphabets
- 666 — Art, an Introduction to, see—An Introduction to Indian Art
- 667 — Art, a Hand Book of, see,—A Hand Book of Indian Art
- 668 — Art the Himalayas in see—the Himalayas in Indian Art
- 669 — Art the Ideals of, see—the Ideals of Indian Art
- 670 — Architecture, Modern see—Modern Indian Architecture
- 671 — Antiquary, an Index to see—An Index to Indian Antiquary
- 672 — ANTIQUITIES, photographic negatives of, see—The Photographic Negatives of Indian Antiquities
- 673 — BRAHMI ALPHABET an origin of the, see—An Origin of the Indian Brahma Alphabet

- 674 — — **BUDDHISM**, an introduction to, see—An Introduction to Indian Buddhism.
- 675 — — the Legends of, see—the Legends of Indian Buddhism.
- 676 — —, A Manual of, see—A Manual of Indian Buddhism.
- 677 — —, the Original and Developed Doctrines of, see—The Original and Developed Doctrines of Indian Buddhism.
- 678 — Citizen, Rights and Duties of, see—Rights and Duties of Indian Citizen.
- 679 — Classics, the Gleanings from, see—the Gleanings from Indian Classics.
- 680 — ancient, Colonies in the far East, Champa, see—Ancient Indian Colonies in the far East, Champa.
- 681 — Ancient, Customs about the Funeral, see—Ancient Indian Customs about the Funeral.
- 682 — Culture, some Contributions of South India to, see—some Contributions of South India to Indian culture.
- 683 — Culture, the Dravidian Elements in, see—the Dravidian Elements in Indian Culture.
- 684 — Drama and -Veda Akhyana.
- 685 — Drama, the Beginnings of, see—the Beginnings of Indian Drama.
- 686 — Drugs, a Catalogue of, see—A Catalogue of Indian Drugs.
- 687 — and Eastern Architecture, the History of, see—The History of, Indian and Eastern Architecture.
- 688 — ANCIENT, EDUCATION, see—Ancient Indian Education.
- 689 — Erotic, an Essay on, see—An Essay on Indian Erotic.
- 690 — Ancient, Fables and Stories, see—Ancient Indian Fables and Stories.
- 691 — History, a text book of, see—A Text Book of Indian History.
- 692 — —, Sources of Coins in, see—The Sources of Coins in Indian History.
- 693 — — and Culture, some Studies in, see—Some Studies in the Indian History and Culture.
- 694 — Ancient, Historical Traditions, see—Ancient Indian Historical Traditions.
- 695 — Institute of Philosophy a Journal of, see—A journal of the Indian Institute of Philosophy.
- 696 — Jainism Studies in South, see—Studies in South Indian Jainism.

- ६  
697 — Literature, some Problems of, see—some Problems of Indian Literature.
- 698 — Literature the History of, see—The History of Indian Literature
- 699 — Logic, a History of the Mediaeval school of, see—A History of the Mediaeval school of Indian Logic
- 700 — Logic, a History of, see—A History of Indian Logic
- 701 — Medicine, the History of, see—The History of Indian Medicine
- 702 — Museum, the coins in, Calcutta see,—The coins in the Indian Museum, Calcutta
- 703 — Music, the History of, see—History of Indian Music
- 704 — Nationalism, the significance of, see—The significance of Indian Nationalism
- 705 — Ancient, Numismatics, see—Ancient Indian Numismatics.
- 706 — Philosophy, an outline of, see—An Outline of Indian Philosophy
- 707 — Philosophy, a Study of, see—A study of Indian Philosophy.
- 708 — Philosophy, the studies in, see—The studies in Indian Philosophy
- उ  
709 — Philosophy, A History of, see—A History of Indian Philosophy.
- 710 — Philosophy, the six systems of, see—The six systems of Indian Philosophy.
- 711 INDIANS, the secret Philosophy of, see—The secret Philosophy of Indians.
- 712 INDIAN Poetry, the Foundations of, see—The Foundations of Indian Poetry
- 713 — Poetry, anthology of modern, see—Anthology of Modern Indian Poetry
- 714 — Ancient Polity, Aspects of, see—The Aspects of Ancient Indian Polity.
- 715 — Polity, the Evolution of, see—The Evolution of Indian Polity.
- 716 INDIANS, Post Vedic Philosophy of, see—Post Vedic Philosophy of Indians
- 717 — Ancient Thought, and formal training see,—Ancient Indian Thought and formal Training
- 718 — Tibet, Antiquities of, see—Antiquities of Indian Tibet
- 719 — Ancient Tribes, see—Ancient Indian Tribe
- 720 उद्भववर्गीयमणि ( जैन ) N
- 721 उद्भववर्गीयमणि ( जैन ) VI 2-
- 722 उद्भववर्गीयमणि ( जैन ) श्रीकृष्ण मणि  
संस्कृत लि. by V. R. 8vo  
pp. 27 Gu 4-

उ

- 723 उत्सर्जनोपाकरणविधि ( कर्म )  
( कृपेक्षा भाषी ) 8vo 27, *Gu.* -4-
- 724 उत्तमकुमारचरित्र श्लोकवद्ध ( अत्र )  
of चारुचन्द्रजी. *Jb.* -12-
- 725 उत्तरकाशीमहात्म्य, मृदु *Py* -3-
- 726 उत्तरगीता । ( वेदान्त ) गौडपाद्विद्वा-  
पिकाख्यव्याख्यायुता माधव्यादभ्रीसंकराचा-  
र्याणां परम्परुभिर्भाष्यकानायाणां च शिष्य  
श्रीगोडपादाचार्ये प्रणीतेष्वव्याख्येयितान-  
रकथनमलमस्त्य माह्वानमवगमयितुम् ।  
8vo pp. 4. 31 *Gu.* -3-
- 727 — Being the Initiation  
of भर्तुन by श्रीकृष्ण Transl. by D.  
K. Laheri. *Ad.* -4-
- 728 — Being the Initiation of  
भर्तुन by श्रीकृष्ण into योग and ध्यान.  
*Ri.* -4-
- 729 — with the comment of  
श्रीगोडपाद्विद्वा. Cr. 8vo. 74. -6-
- 730 उत्तरचम्पू, A poem, containing  
Prose and verses on उत्तररामायण  
by सुबह्मण्यकरि with preface of  
author ed. and publ. by the  
same, 1920 8o pp. 86 *Me.* -12-
- 731 उत्तरचम्पू, शास्त्रिकवरश्रीसाम्बशिव-  
शास्त्रिणा विरचितान्णिकविज्ञाना.  
*Ag.* -12-
- 732 — सन्ध्याप्रारम्भ  
733 उत्तरचरितम् ed. by हरिश्चन्द्र द्विष्टास्त-  
गणित *Sd.* 2-
- 734 — ed. by हरिश्चन्द्र नटोपाध्याय  
*Sd.* 2-9-
- 735 — सटीक ed by सुभाष  
साम्बशिव *Sd.* 3-4-
- 736 उत्तररामचरित (नटक) भाष्यवर्तिकाद्वय,  
वीरराघवकव्यविशेषित. *V.* 1-

उ

- 737 — of भवभूति. with the  
comm. of वनदाम, ed. with full  
introd. dealing with the Personal  
History of भवभूति ; the date of  
Bhavabhuti's Works, his Lite-  
rary estimate and full notes, etc.  
by P. V. कणे, and Literal Engl  
Transl. by G. N. जोशी. 8vo pp.  
IV. 12, 192, 60, 50, 8, 8/1. 4-
- 738 — with सप्तत Comm. by प.  
भट्टजीशक्ति together with Engl.  
transl. notes, copious vocab.  
of difficult words, the texts &  
introd. by V. S. पटवर्धन. 8vo pp.  
IV, 12, 192, 50, 8o *Bo.* 3-
- 739 — with Comm. of वीरराघव,  
Engl. notes, & transl. by कट्टे.  
8vo pp. 38, 184, 80, 12.  
*Gu.* 4-
- 740 — or Rama's Later History.  
An ancient Hindu drama by  
भवभूति. 1915 Roy. 8vo. pp. 190.  
*Ho* 10-
- It is critically ed in the orig sans-  
krit Prakrit with an introd & Engl  
transl and notes & variants by Prof.  
S. K. Belvalkar
- Part 1 Introduction and transl (Printed)  
is a convenient synoptic analysis of  
the play The introd. treats of  
Bhavabhuti's life and date and  
works and includes a summary of  
the Ramayana story as given by the  
Ramayana commentators with an essay  
entitled "A method for editing Sans-  
krit dramas" The method is very  
simple and practical
- Part 2 The text, with index & glossa-  
ries etc Each Sanskrit speech, is



४

followed by the Sanskrit version in immediate sequence.

- 741 — Sanskrit text, ed. by Dr. वेदवल्कर. 1921, 8vo pp 4, 2, 107. *Oa* 1-4-
- 742 — ed. with notes and explanations by ईश्वरचन्द्र विद्यासागर 1876 3 ed. 8vo. pp. 39, 246. *Oc* 9-
- 743 — मराठी Transl. by Dr. Belwalkar 1915 8vo pp. 13, 68, 2, 279. *Oa* 2-
- 744 — by परशुरामपत गाडगेले. 1-8-
- 745 उत्तररामचरितसार र विचार, मराठीत भाषांतर र व्याख्यावर काही विचार by लेले, 1902. Roy. pp 2, 87. -10-
- 746 उत्तररामचरितखण्ड :- निष्पत्तीसमन श्रीचक्रदेवतीविरचित. *Gn*. 1-
- 747 उत्तरनाशपणमही (कर्म) *Fg* -8-
- 747a उत्तरपक्षावली (व्याकरण) *Kg*. -1-
- 748 Uṭṭarpara speech by श्रीभारविद् भोज publ. by रामेश्वर डी 1922 *Or* pp. 29 -4-
- 749 उत्तराध्ययनसूत्र (त्रैलोक्य) कमल-सयमी दंडादुतम् Pt 1 3-8-
- 750 — Prakrit text in Sanskrit characters with introd and full commentary in Engl by Prof. J. Charpentier. 1931 22-
- 751 उद्वेगानि (कर्म) आपस्तम्ब प्रयोगादित. *N*. 2-
- 752 उद्वेगानि-शतकविद्या—(कावेरी) *V*. -1-
- 753 उदयमुन्दरीक्या a romance ( Campa, in prose and poetry )

५

by Soddhala, a contemporary of and patronised by the three brothers चविशराज, नागार्जुन, and मुमुक्षुराज successive rulers of काव्य composed between A. D. 1026 and 1050 : ed. by C. D. Dalal and कृष्णमचार्य 1920.

*Go*. 2-4-

- 754 उदारराघव ( नाटक ) छटिपण श्री. कविमहाचार्यस्य. *Gn*. 1-8
- 755 उद्धटसागर ( काव्य ) by दूर्णधर दे. *Sd* 2-
- 756 उम्मताराघवमैत्राणिक (नाटक) भास्कर-कविपिरचित *N*. -3-
- 757 उपदेशकरपंचली (जैन) of इन्द्रसीमणा with the comm. of मन्मथि 2ed *Jb*. 1-8-
- 758 उपदेशचिन्तामणीनटीक (जैन) of जयशङ्कर श्री Pt. 1 to 4 *Jb*. 19-8-
- 759 उपदेशपरिभाषा of महामन्त्र ग्रन्था रूपे 1 प्रार्थना, 2 धर्मप्रसार, 3 निगमा गमनरूप. 4 उपदेशमार्ग. 5 काव्यकला लता. 8vo pp 3, 84, 4, -8-
- 760 उपदेशमालातटीक (जैन) of धर्म-नाथगर्ग with the Comm. of राम दिव्यगर्ग. *Jb*. 11-
- 761 उपदेशसूक्तक (काव्य) गुमानिक करिडत *Kmg*. 1-
- 762 उपदेशम्भार (त्रैलोक्य) गवयवातिक 2ed *H* 4-8-
- 763 उपदेशसाहस्री ( गजयद्योगयोगा मिका ) अष्टवेकान्तविरचित सप्तहस्तोऽय निरन्ध्र श्रीमज्जिमवक्तादाचार्यप्रणीतो विर-चित । अष्टहृदय परिशीलननामद्वैतवेदान्त ज्ञान मन्त्राचार्य व्यास । अन्य प्रथम गव-

- उ  
याग — ययभागम सूत्रमुद्रितवास्ता ।  
साम्प्रत प्राक्पत्नीकययिकेयेयोगय मुद्रित-  
मस्ति. N. 1-8-
- 764 — बामचंद्रराचार्यहृता राम-  
तीर्थकृतपद्योजनिहासहित । विषयानुक्रम-  
णिका, संज्ञानुक्रमणिकाया, नेष्कस्येतिदि-  
शुल्लोकप्रदर्शनेन अभ्योदाहितपद्यान्तरसंख्या-  
क्यानुक्रमणिकाया, शुद्धिदिश्या च सहिता ।  
Ed. by D. V. Gokhale *Gm.* 1-8-
- 765' — of श्रीशंकराचार्य Text with  
मराठी transl. by फरक publ. by  
वेहापद. 1911 cr pp. 2, 2. 4.  
247 1-
- 766 उपनिषद्: By P. Max Muller  
vols 1-15. each of 12-
- 767 उपनिषद्प्रकाश with the chief  
Comments of different schools,  
in Marathi ed by वि. न. माध  
Dc. 22-
- 768 उपनिषदाष्टावली ed. by D. V.  
Lalakar & publ. by गति. 8vo.  
pp. 2. 282, 12. -12-
- 769 Upanishads, the minor, in  
5 Volumes (All the five vols.  
if bought together) *Ad* 25-  
see—Minor Upanishads.
- 770 उपनिषदावयवोक्त A Concor-  
dance to the Principal Upanish-  
ads and भागवतज्ञात by Col. G. A.  
Jacob. 25-
- 771 उपनिषत्संग्रह-संक्षेपभाष्यानुसार  
[ मूळ मुद्रित भाष्यार्थ, संस्कृतान्, त्रदेक  
उपनिषत्संग्रह हिंदुभाष्येन संक्षेप ] ईश-  
वर-कठ-इन्द्र-मुण्डक-माण्डूक्य-तेजोपास्त-  
ऐतरेय-उपनिषद्-संक्षेप-संग्रह-संक्षेप-  
संग्रह-संग्रह-संग्रह.
- उ  
772 — मुमुक्षुशी with Sansk.  
Comm and मराठी transl. by  
ज्योत्सु रामचंद्र. 1886 cr. pp. 38 -8-  
774 उपनिषद् संपुष्पय । II च श्री-  
नारायणशस्त्रानन्दविरचितदेशीकृतसमेताना-  
मर्थवैशिष्ट्याना इतोपनिषद्वन्तानां ह्यभि-  
सम्मिताना भवति । *An.* 6-12-  
इह संपुष्पयसृष्टीतानामुपनिषदा पणानुक्रमतो  
गम्यन्त्यर्थे प्रिण्टन्ते—  
1 अथर्वशिखा 2 अथर्वशिखा 3 अमृतनाथ  
4 अमृतविन्दु 5 आत्म 6 आरुण्य 7  
कथ्य 8 कान्तिका 9 छुरिका 10 गर्ग  
11 गोपालकृततापनीय 12 गोपालोत्तरता-  
पनीय 13 ब्रह्मिका 14 जाबाल 15 तेज-  
विन्दु 16 प्यानविन्दु 17 नाशिक 18  
नारद 19 परमहंस 20 विण्ण 21 प्राया-  
सिद्धोद 22 मय 23 मयविन्दु 24 मय-  
रिया 25 मयि 26 योगतप 27 योग-  
शिखा 28 रामरतापनीय 29 रामोत्तर-  
तापनीय 30 सत्यास 31 सरी & 32 हेम.
- 773 Upanishad series, ईश, कठ, केन,  
तेजोपास्त, मय, मुण्डक and माण्डूक्य.  
Texts with Engl. transl. and  
notes by रामभाई शर्मा. *At.* 4-
- 774 उपनिषत्संग्रह-संक्षेपभाष्यानुसार (जेन) of  
विहार publ. by दशरथमहर्षि. *No*
- 775 उपनिषत्संग्रह of गीता ed by गव-  
यन साभासर्मा. *Ch.* 1-5-
- 776 उपनिषत्संग्रह (मराठी) मराठीभाष्या-  
नुसार विरचित *Kp.* -8-
- 777 उपनिषत्संग्रह-संक्षेपभाष्यानुसार  
(मराठी) *Ch.* -1-
- 778 उपनिषत्संग्रह [ भाष्य ] गवयन व भाषा  
*Sp.* -10-
- 779 उपनिषत्संग्रह ( कथ ) *Sp.* -12-

उ

780 उपाक्रमपराश्रम (वेदान्त) of अण्णय  
दीक्षित. An essay ed. by लक्ष्मणगोपी  
उद्दिष्ट. Br. 3-

781 उपाधीपरीक्षाप्रश्नावली (काव्य)  
ed. by अमरकाशित. Sd. -12

782 उपाधीवाङ्-गङ्गाधरस्य. (न्याय)  
Su. 1-14-

783 उभयाभावादिवाक्यपरिष्कारः सटीकः  
Gh. -12-

784 ————— श्रवा-  
सध्याख्यासहित. -12-

785 उभयाभिन्नसारिका २०० चतुर्भाषा.

786 उर्ध्वपुङ्गुसार्तद्वय 17. -1-

787 Urvusia fabula : Kalidasia  
Latin by Lenz R. 1833. 9-

788 उवासकदशावली The Religious  
profession of an Uvasaga, ex-  
pounded in Ten Lectures, being  
the Seventh अङ्ग of the Jainas.  
The Prakrit text with the Sans-  
krit Commentary of अमरवन्द्य. Ed.  
and transl. by A. F. Rudolf  
Hortale. (1885-1890). The  
work is only sold in com-  
plete sets with the exception  
of fascs. 4 to 6. 4-6

789 Usarika, dawn-rhythms by  
भाग्यन्द A. 1-6

790 उपाहरण by Trivikrama  
Panditacharya (1 to 4 cantos)  
with the commentary of Su-  
matindra Swamin, a high class  
kavya, treating the marriage of  
उग्र—the daughter of राजाधर,  
and अनिरुद्ध. M. 1-4

ऊ

791 उपनिषद्स the wisdom of, see—  
The wisdom of the upanishads.

792 उपनिषद् The philosophy of,  
see—The Philosophy of the  
Upanishads.

793 उपनिषद्. philosophical teach-  
ings in, see—The Philosophical  
teaching, in the Upanishads.

794 Upanishadic philosophy, a  
constructive survey of, see—A  
constructive survey of the upa-  
nishadic philosophy.

795 Upanishadic texts (four) un-  
published see—unpublished, four  
Upanishadic texts

796 ऋग्वेदसंहिता (वेद) मूलमात्र. 8vo.  
pp. 658. Am. 4-

797 — — — Rt. 5-

798 — — — परिभाषा-ऋग्वेद-  
नवतुल्यमन्त्राकार-विभिन्नकोशाद्वय.  
N. 3-

799 — सूक्त (वेदिक) Vy. 3-8

800 ऋग्वेदमूल (श्रुतिबोध) पद्याद्वयसहित.  
अटक 1 to 5 8vo. pp. 1214, 10-

801 ऋग्वेदमन्त्रसंहिता (वेद) Vy. 1-8-

802 — — — N. -14

803 ऋग्वेदसंहिता or the sacred  
hymns of the Brahmans with  
sanskrit comm. of सायणाचार्य, ed.  
by Max Muller. Complete text  
and comm. both in orig. संस्कृत

5 vols. 400-

2nd. 4 " 250-

804 ऋग्वेद 2 Vols. (Transcription)  
by Aufrecht. 2-

ॐ

- 805 ऋग्वेद by मन्वाचार्य on the  
1st. 40 sukta of 1st मण्डल of  
ऋग्वेद. *Ms.* -10-
- 806 ऋग्वेद टीका or सन्वत्सरीयिका by  
श्रीजयतीर्थानन्द with the gloss of  
चण्डाचार्य. This is a commentary  
on the above ऋग्वेद. *Ms.* 5-8-
- 807 ऋग्वेद Sayana's comm. on,  
passages supplementing those  
contained in Macdonell's *Vedic  
Reader*, ed. by पण्डितनाथशास्त्री  
1921. Crown 8vo (7½ x 5), pp.  
198. *Of* 1-4-
- 808 ऋग्वेदभनुक्रमणिका *Am.* 1-8-
- 809 ऋग्वेदसारसंग्रह by शिवनाथ आशि-  
तामि. *Sd.* 3-
- 810 ऋग्वेदी देवे (देव) *N.* 1-
- 811 ऋग्वेदीनिरूपणिका (वर्म) *N.* -5-
- 812 ऋग्वेदीप्रश्नवर्मपञ्चसूचय (वर्म)  
*N.* 2-12-
- 813 ऋग्वेद सप्तम *Sp.* -2-
- 814 ऋग्वेद An Engl. transl. by  
Wilson H. The first अष्टक or  
Book 1850, rare. *Gr.* 10-
- 815 — The second अष्टक or Book  
1854, rare. *Gr.* 10-
- 816 — The third & fourth अष्टक-  
takas or Books 1875, rare.  
*Gr.* 20-
- 817 — The fifth अष्टक or Book  
1866, rare. *Gr.* 10-
- 818 — The sixth & seventh  
Ashtakas or Books each. 10-
- 819 — Complete in 5 Vols origi-  
nally ed. Available separately.  
125-

ॐ

- 820 — German edition by  
Kaegi. 8-12
- 821 — Comprehensive and  
condensed manual of Vedic  
Research, authorised translations  
with additions to the Notes by  
R. Arrowsmith by Kaegi. A—  
1186. 10-
- 822 — Translation with critical  
and explanatory notes. by  
Grawnsen vol II *Gr.* 36-
- 823 — By Geldner vol I &  
II. 4-
- 824 ऋग्वेद transl. into मराठी by कोल्ह-  
टकर & पराशर 8vo. pp. 1244 10-
- 825 — transl. into मराठी by  
विद्यावशास्त. 12-
- 826 — transl. into Engl. and  
मराठी by S. P. पण्डित, 1 to 8 मण्डल.  
(वेदापेक्ष) 75-
- 827 — Bengali transl. by H.  
C. 2 vols 8o. *Gr.* 20-
- 828 — The hymns of, transl.  
into Engl. by Ralph T. Griffith  
2 vols. *Gr.* 16-
- 829 — The hymns of, transl.  
into Engl. by Macdonell *Ad.* 2-
- 830 — The hymns from, in-  
trod. to metre and textual  
history by Oldenberg *Gr.* 25-
- 831 — Hymns of, by Hillebr-  
andt A. *Gr.* 10-
- 832 — or sacred hymns of ऋग्वेद  
with Comm. and Introduction.  
by Ludwig A. 6 vols. *Gr.* 100-

- ८३३ ऋग्वेद Forty hymns in नागरी with notes and transl by Macdonell A A
- ८३४ — The Hymns of, संहिता and पद texts by Max Muller 1869 1st Mandala. 18-
- ८३५ — The Hymns of, the संहिता & पद texts by Max Muller F 1877 2ed. 2 vols. Gr. 40-
- ८३६ — The selections of hymns from, with सारनमास्य and notes by Dr Peterson 1st series Bp. 2-
- ८३७ — The selections of hymns from, with सारनमास्य by Dr Peterson and enlarged by Dr R Zimmermann second series Bp 5-8-
- ८३८ — The Vedic hymns from, transl into Engl by Edward J Thomas Jm 2-12-
- ८३९ — The Vedic hymns from, transl into Engl by F. Max Muller and H Oldenberg vols I & III Of 45-
- ८४० — The Vedic hymns from, transl into Engl by H. Oldenberg 1897, 8vo pp. १, ५००, ३ mandals I to V 11-8-
- ८४१ ऋग्विधान By Mayer Dr Rud 1879 Gr 3-
- ८४२ — श्रीमद्भिरशौनसप्रणीतम् । कथ्य-  
गीतकस्यप्रकाशका अनिदुर्लभप्रणयनस्य VI -12-
- ८४३ ऋग्वेदव्याख्यान Hindi by रा  
मदास 1-4-
- ८४४ Rigveda, India as princi-  
pally embodied in the by  
Z A Ragozin with 36 illustr.  
and maps Fu 5-10-
- ८४५ Rigvedic Culture (वेदन्त)  
with illustrations and maps, by  
Abinas Chandra Das Ad 10-12-
- ८४६ Rigvedic India by अनिनाथचन्द्र  
दत्त 1927, 2ed. 8vo pp. XXII  
616 10-
- An outline of the Early History  
of India as depicted in the Rigveda  
examined in the light of the results  
of modern geological Archaeologi-  
cal & Ethnological investigations  
and drawn from a comparative  
study of the civilisations of the  
Deccan Ancient Aryans Babylonia  
Assyria Phoenicia Asia Minor and  
Pre historic Europe
- ८४७ Rigveda, The God वसुमन्त्र, by  
Griswold Gr 3-8-
- ८४८ — The lectures on, by  
Dr Ghate, 2ed Or 8-
- ८४९ — Mysticism and Mimamsa  
in, by Schroeder Gr. 10-
- ८५० — on some river names  
in, by stein 8vo pp 21-38  
-4-
- ८५१ — The principles to be  
followed in translating, by  
Macdonell 8vo pp 19 vol -8-
- ८५२ — The Religion of, by D  
Griswold 8vo cloth ed As 8-
- CONTENTS I The Antecedents of  
the Rigvedic Age II The Rigvedic  
Age—III The Rigvedic Book—IV

न

The Vedic World of Gods and Demons—V Varuna the Ethical God—VI Agni the Priestly God—VII Indra the Warrior God—VIII Soma the Deified Sacrificial Drink—IX Uras and the Asvins—X The Minor Gods of the Vedic Pantheon—XI The Eschatology of the Vedas—XII The Rigveda and Later Hindu Developments—XIII The Fulfilment of the Religion of the Rigveda

853 — or sacred hymns of Brahman with comm and introd by Ludwig A. 6 Vols *Gr* 100-

854 — Repetitions ed by M Bloomfield 1916 Two vols not sold separately Part 1 Text pp xx and 487 Part 2 Commentary. Part 3 Lists and indexes pp iv and 488 to 690 *Ho* 31-

856 — Similarities and Metaphors in, by Hirzel *Gr* 5-

857 ऋग्वेद Text, criticism, and notes by Oldenberg, 1 to 10 mandals. 2 vols 60-

858 ऋग्वेदविशेष्यम् with a commentary based on that of उवत which has been given here in a popular and intelligible form with copious references Ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with the assistance of चित्तहरण चक्रवर्ति 8vo pp ii, 252, 10 *Se* 3-

859 — GERMAN & NAGARI by Max Muller — 35-

न

860 — (वेद) of शौनक With the Comm of उवत ed & annotated by Pandit सुग्रीवकिशोर and Pt प्रमुदतशर्मा *Bn* 6-

861 ऋग्वेदभाष्य-लेख्य & कोपीतकी of the Rigveda transl from origin सङ्कृत by A H Keith 1920 Pp xii+556 *H* 34-

862 ऋग्वेदभाष्योपनिषद् by सायनाचार्य, ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with English Notes and introd 1925, 8vo, pp 278 90 -12-

863 Der Rigveda in Auswahl by Geldner K Glossar vol I (German) *9* 25-

864 ऋग्वेदसिंहानी by Scheftelowitz J. 15-

865 Rigveda, Dictionary of, by Grassmann H *Gr* 60-

866 — by Nesser, part 1 10-

867 ऋतुसंहार (काव्य) - कालिदासकृत, मगिरामकृत टीका with शुभातिशय काव्य *N* -6-

868 — Id with सङ्कृत comm वाचस्पति by B D गजेन्द्रगह्वर and A B गजेन्द्रगह्वर with introd notes & appendices 1916 8vo pp XXVI, 202 1-4-

869 — with notes and Engl transl by सिताराम अय्यर 1897. 8vo pp, IV, 20, 43 *Gn* 1-2-

870 — with चरितपञ्चातिका *V* -10-

871 — F4 with an introd dealing with the date of Kalidasa Kalidasa the man & Poet, Critical Estimate of the Ritus-

क

- samhar, Various Readings, Exhaustive Notes, Literal English Transl. and Important Appendices by B. G. Kher, and V. R. Nerurkar. *St.* 1-
- 872 — With new full Comm. by शशी व्यस्ताय उपाध्याय with Prose Construction, Exhaustive Notes, Literal Engl. Transl. and Introd. by M. R. Kale, *St.* 1-
- 873 — or The seasons by कालिदास orig. सप्ततन्त्राय ed. with preface of Sir William Jones, by Herman Kreyenberg. 1921 Hannover, pp. 10, 163. 7-8-
- 874 कथमप्यज्ञादिका of धनपाल. *King.* 1-
- 875 कथम्, Analysis of the contents of, sec—The Analysis of the contents of कथम्
- 876 कृष्णाय the life of, *N.* 1-
- 877 — by Justice Abbote. 2-
- 878 कृष्णाय by Franke H. *Gr.* 1-
- 879 कृष्णायसिंहस्य दृष्ट दिग्गोपह. *Vy.* 10-
- 880 कृष्णायसिंहस्यसिंहस्यसिंहस्य (वर्ष) जय-  
सिंहस्यसिंहस्यसिंहस्य. *Vy.* 1-
- 881 कृष्णायसिंहस्य with मराठी transl. by महिपतिमहाराष्ट्री. 1-
- 882 — by Arthur Avelon 1913. *Ti.* 2-
- 883 कृष्णायसिंहस्यसिंहस्यसिंहस्य with मराठी transl. by सिद्धसिंह. 1-
- 884 कृष्णायसिंहस्यसिंहस्यसिंहस्य वादिसिंहस्यसिंहस्य *Km.* 1-

ख

- 885 Age of the वेद translated from Winternitz's Geschichte der indischen Literatur, by Utgikar N. B. Part 1, 2ed Leipzig 1904 pp. 246-258 -6-
- 886 Ages ( periods ) of East Indian Archaeology by Mueller J. *Gr.* 12-
- 887 THE ANCIENT EAST by Hogarth D. G 1914. 2-
- 888 Ancient Home of the भार्यस्य and their migration to India, by A. C. गंगोपा. *Sh.* 5-
- 889 ANCIENT ROMIC CHRONOLOGY by H. Bruce Hannah, Law. Roy. 8vo. pp. 60 *Cr.* 1-8-
- The book deals with the method of embodying some orig researches of Mr H B Hannah in the domain of Chronology and computation of time in Ancient Egypt, as well as other connected matters the process being shown through various internal evidences
- 890 ANCIENT HISTORY of भट्टकारशास्त्र by Nobel J. 1-8-
- 891 ANCIENT HISTORY of the भार्यस्य in Asia, Iran & Turan by Branhhofer. *Gr.* 10-
- 892 ANCIENT GEOGRAPHY and Civilization of महाराष्ट्र (Repr'nt) by P. V. कणे. 1917. 8vo. pp. 45. 1-
- 893 ANCIENT MONUMENTS IN BURMA. *Gr.* 5-
- 894 ANCIENT INDIA. to the 1st Century. by E. J. Rapson. *Cr.* 8vo. 5s. *Vm.* 3-12

ॠ

The Vedic World of Gods and Demons — V Varuna the Ethical God — VI Agni the Priestly God — VII Indra the Warrior God — VIII Soma the Deified Sacrificial Drink — IX Usas and the Aśvins — X The Minor Gods of the Vedic Pantheon — XI The Eschatology of the Vedas — XII The Rigveda and Later Hindu Developments — XIII The Fulfilment of the Religion of the Rigveda

853 — or sacred hymns of Brahman with comm and introd by Ludwig A. 6 Vols *Gr* 100-

854 — Repetitions ed by M Bloomfield 1916 Two vols not sold separately Part 1 Text pp xx and 487, Part 2 Commentary Part 3 Lists and indexes pp iv and 488 to 690 *Ho* 31-

856 — Similarities and Metaphors in, by Hirzel *Gr* 5-

857 ऋग्वेद Text, criticism, and notes by Oldenberg, 1 to 10 mandals 2 vols 60-

858 ऋक्सूक्तिशास्त्रम् with a commentary based on that of उपर which has been given here in a popular and intelligible form with copious references Ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with the assistance of चित्तरत्न चरकवर्ति 8vo pp ii, 252, 10 *Se* 3-

859 — GERMAN & NAGARI by Max Müller — 35-

ॠ

860 — (वद) of शीनक With the Comm of उपर ed & annotated by Pandit दुर्गाकिशोर and Pt प्रभुदत्तशर्मा *Bn* 6-

861 ऋग्वेदमाह्वण-लेख & कीर्तिका of the Rigveda transl from origin सङ्कत by A B Keith 1920 Pp xi+556 *Hi* 24-

862 ऋग्वेदभाष्योपक्रमिका by ताद-नाचार्य, ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with English Notes and introd 1925, 8vo, pp 278 90 -12-

863 Der Rigveda in Answabl by Geldner *K Glossar vol I* (German) *St* 25-

864 ऋग्वेदखिलानी by Scheftelowitz J. 15-

865 Rigveda, Dictionary of, by Grassmann H *Gr* 60-

866 — by Neisser, part 1 10-

867 ऋतुसंहार (काव्य) — कालिदासकृत, मणिरामकृत टीका with दुर्गासहितक काव्य *N* -6-

868 — Ed with सङ्कत comm वाङ्मयपिन्दी by S D गजेन्द्रगङ्गधर and A B गजेन्द्रगङ्गधर with introd notes & appendices 1916 8vo pp XVVI, 202 1-4-

869 — with notes and Engl transl by दीनाराम अय्यर 1897 8vo pp, IV, 20, 43 *Gn* 1-2-

870 — with चरमयज्ञादेवका *V* -10-

871 — Ed with an introd dealing with the date of Kalidasa the man & Poet Critical Estimate of the Ritus-



- ॐ  
sambar, Various Readings, Exhaustive Notes, Literal English Transl. and Important Appendices by B G. Kher, and V. R. Nerurkar. *St.* 1-
- 872 — With new full Comm. by शास्त्री व्यंकटाचार्य उपाध्याय with Prose Construction, Exhaustive Notes, Literal Engl. Transl. and Introd. by M. R. Kale, *St.* 1-
- 873 — or The seasons by काळिदास orig. सप्तकृतकाव्य ed. with preface of Sir William Jones, by Herman Kreyenberg. 1921. Hannover, pp. 10, 163. 7-8-
- 874 अथभष्यशास्त्रिका of धनपार. *Rmg.* 1-
- 875 अग्नय, Analysis of the contents of, sec—The Analysis of the contents of अग्नय *Gr.* 12-
- 876 अकनाथ the Life of, *N* 4-
- 877 — by Justice Abbote. 2-
- 878 अकनुष by Franke H. *Gr.* 1-
- 879 अकादशीमाहात्म्य सूत्र टिप्पणीमह. *Vg.* -10-
- 880 अकादशीतिथिधर्मनिरणय (धर्म) जय-सिंहक-पदुमकृत. *Vy* 4-
- 881 अकाक्षरकोष with मराठी transl. by मल्लिकार्जुनशास्त्री. 1-
- 882 — by Arthur Avelon 1913. *Tr.* 2-
- 883 अकाक्षरनामावली with मराठी transl. by विश्वशम्भू. 1-
- 884 अकीभावस्तोत्र वादिराजप्रणीत *Km.* 1-
- ॐ  
885 Age of the वेद translated from Winternitz's Geschichte der indischen Literatur, by Utgilar N. B. Part 1, 2ed Leipzig 1904 pp. 246-258. -6-
- 886 AGES ( periods ) of East Indian Archaeology by Mueller J. *Gr.* 12-
- 887 THE ANCIENT EAST by Hogarth D. G. 1914. 2-
- 888 Ancient Home of the आर्य and their migration to India, by A. C. गंगोली. *St.* 5-
- 889 ANCIENT ROMAN CHRONOLOGY by H. Bruce Haanah, Law. Roy. 8vo. pp. 60 *Cr.* 1-8-
- The book deals with the method of embodying some orig. researches of Mr H B Haanah in the domain of Chronology and computation of time in Ancient Egypt, as well as other connected matters the process being shown through various internal evidences
- 890 ANCIENT HISTORY of अठकारशास्त्र by Nobel J. 1-8-
- 891 ANCIENT HISTORY of the आर्य in Asia, Iran & Turan by Brunnhofer. *Gr.* 10-
- 892 ANCIENT GEOGRAPHY and Civilization of महाभारत (Reprint) by P. V. कणे. 1917. 8vo. pp. 45. 1-
- 893 ANCIENT MONUMENTS IN BURMA. *Gr.* 5-
- 894 ANCIENT INDIA. to the 1st Century. by E. J. Rapson. Cr. 8vo. 5s. *Vm.* 3-12

५

- 895 ANCIENT INDIA by Prof. U. N. Ball 2 ed. 2-8-

A comprehensive study of the social political and economic history of ancient India from the earliest times to the Muhammadan conquest based upon all available sources, traditional, literary and archaeological. Every material has been critically examined in a scientific spirit and an attempt has been made to present it the Indian point of view in simple language.

- 896 THE ANCIENT INDIAN COLONIES in the Far East, Champa, with one map and several plates by Dr. H. C. कुमुदर vol. I. Roy. 8vo pp 525. Du. 15-

- 897 ANCIENT INDIAN CUSTOMS about the funeral by Caland D. Gr. 10-

- 898 ANCIENT INDIAN EDUCATION by F. D. Keay. 1918 Crown 8vo (7 1/2 + 5 1/2) pp 192. Of. 3-8-

- 899 ANCIENT INDIAN FABLES AND STORIES. by Stanley Rice Wc. 3-

- 900 ANCIENT INDIAN GENEALOGIES—Are they trustworthy by F. E. Pargiter 8vo. pp 107-113 -8-

- 901 ANCIENT HISTORY OF THE DECCAN, transl. from the French into Engl. by रामनाथ शिंदे . 1921. Roy pp 114 4-

- 902 ANCIENT INDIAN HISTORICAL TRADITION, by F. E. Pargiter

५

- 1922 8vo. (9 1/2 + 6). pp. viii + 368 Of. 10-

- 903 ANCIENT MEDICAL MANUSCRIPTS from Eastern Turkestan by A. F. R. Hoernle, 8vo pp 415-432.

- 904 ANCIENT INDIAN NUMISMATICS—(Circusiel Lectures, 1921), by Prof. D. R. Bhandarkar. 8vo. pp. 211. Cu. 4-14-

This book contains a course of lectures on Numismatics a part of Archaeology, delivered by the Prof. in 1916. The subjects of the lectures are as follows:

I Importance of the Study of Numismatics II Antiquity of Coinage in India III Karshapana its Nature and Antiquity IV Science of Coinage in Ancient India V History of Coinage in Ancient India

- 905 ANCIENT INDIAN TRIBES—the Bhutas, by नरसिंहम. 1915 8vo pp 33 1/2 1-8-

- 906 ANCIENT INDIAN TRIBES by सिमन्तम. 8vo pp 189, 4, 3 5-8-

- 907 ANCIENT GEOGRAPHY OF गुप्त, the notes, by Hargreaves. 2-2-

- 908 ANCIENT MID-INDIAN TRIBES by Dr. Bimala Charan Law. Cu. 8-

- 909 ANCIENT AND MEDIEVAL INDIA by Mrs Manning 2 Vols. 1869. 30-

- 910 THE ANCIENT AND MEDIEVAL ARCHITECTURE OF INDIA. A

१

Study of Indo-Aryan Civilisation. With numerous Illustrations, by Havell E. B. 1928 Roy 8vo. *Im* 25-

911 ASIATIC RESEARCHES OR TRANSACTIONS OF THE SOCIETY instituted in Bengal for inquiring into History, Antiquities Arts, Sciences and Literature of Asia London vol I to VII, 3, 4 & 5th ed 8vo XVI, 483 each vol. 20-

912 ECONOMIC CONDITION OF ANCIENT INDIA, by J. N. Samaddar, pp 186 cu 3-

A brilliant study which embodies a reconstruction of economic data and of economic theories in Ancient India from treatises and from scattered references in early Hindu and Buddhist literature. This is the first systematic attempt to deal with this important subject. The author in course of his six lectures lays bare to us the underlying spirit and principles of the great Hindu Civilisation. He has taught us to look not merely at the actions of the Ancient Indians and their glorious achievements in the domain of Economics and Politics but he has unfolded the environments in which they were wrought; the motives which impelled them and the ambition which inspired them. The book has been highly praised by Dr. Sylla, Dr. Levi, Dr. Jolly, Prof. Winternitz, Dr. John, Dr. B. H. Dr. A. Marshall, Prof. Hopkins, Prof. Telang, Dr. Keith and many other distinguished savants.

१

913 ECONOMIC DEVELOPMENT Snap-shots of World-Movements in Commerce, Economic Legislation, Industrialism and Technical-Education by Prof. Benoy Kumar Sarkar, 1926 8vo pp xxvii, 428 *Pl* 8-

It is commended by the Calcutta University for use in Commerce and in Allahabad University as a reference book.

914 ECONOMIC LIFE AND PROGRESS IN ANCIENT INDIA (being the outlines of Indian Economic History) by नारायणचन्द्र बतजी 8vo. pp. 325+XVI "Cc. 6-

This book contains a systematic and detailed account of the growth of economic life in ancient India from the earliest time to the rise of the Maurya empire. At the end of each period a chapter dealing with Indian economic theories and ideas has been appended.

915 THE ENCHANTED PARROT Being a selection from the सुक-सप्तति or the seventy tales of a parrot, transl. from the *सप्तत* text, by Wortham B. 1911. 3-8-

916 AN ESTIMATE OF THE CIVILISATION OF THE VANARAS as depicted in the *वन्दन* by समन्तराय 8vo 1-8-

9161 An Essay on Aditi, by Hillebrandt A. 1-8-

917 ESSAY SANSKRIT-ENGL. On the Art, style and verification of the *सप्तम* by P. K. मणि

- 1916 publ. by लियोन महाभारत  
कृतकोटी. 8vo. pp 365-386. -8-
- 918 — ON THE DOCTRINE OF  
the unreality of the world, in  
अद्वैत-सूत्र अद्वैत.
- 919 — ON THE HISTORY OF  
IRAN by Hertel. 6-8
- 920 — CONCERNING HUMAN  
UNDERSTANDING by Locke —  
1912 5-
- 921 ESSAYS ON INDIAN EROTIC,  
by Schmidt Gr. 20-
- 922 Essay on मातृ-रूति ( com-  
mentary on *samkhyaparikha*  
by मातृ) ed. by डॉ. बेलवन्तर.  
1924. Roy. pp. 36. Ba. 1-
- 923 — ON THE PHILOSOPHY  
OF RELIGION, Personality and  
Atonement by A. G. Widgery.  
1918. Roy. pp. 46 1-8-
- 924 — ON THE RELIGION OF  
THE HINDUS by Wilson, 1882,  
2 Vols, each 15-
- 925 — ON SANSKRIT Literature  
collected and edited by Dr.  
Reinhold Rost. Wilson H. and  
Cowell E. 1865. 15-
- 926 — ON THE SACRED LAN-  
GUAGE, Writings & Religion of  
the वाक्पति by Haug M. Kp. 9-1-
- 927 — by Max Mueller, chips  
from a German workshop.  
Gr. 24-
- 1 — on the science of Religion  
Vol. I 1867
- 2 — on Mythology, Tradi-  
tions & customs, II. „
- 3 — on Literature, Biogra-  
phy & Antiquities. Vol. III 1870.
- 4 — on science of language.  
Vol. IV. 1875
- 928 AN ESSAY ON SEMANTICS by  
Breal Michel. Gr. 3-
- 929 — The superman by श्रीम-  
द्वेद वेद 2ed. Cr. pp 28 Cc. -6-
- 930 ESSAYS, MISCELLANEOUS, by  
Colebrooke H. T. 1837 vols. I  
& II. 50-
- 931 ETHNOGRAPHY ( Encyclop-  
edie of Indo-Aryan research),  
by Baines. A— 18-
- 932 EXPLODED MYTH OF मन्त्रिकुल  
by C. V. वेद. 1942 8vo. pp. 10  
4-4-
- 933 EXCAVATIONS AT तक्षशिला by  
Sir J. Marshall. Gr. 11-
- 934 EXTRACTS OF विद्वान्. Text.  
& transl. by Scriba. (German) 7-
- 935 ANCIENT HINDUS, on the  
weapons, army organisation  
and political maxims of, see—On  
the weapons, army organisation  
& political maxims of Ancient  
Hindus by Oppert. 12-
- 936 ANCIENT WORLD, India as  
known to the, see, - India as  
known to the Ancient world.
- 937 ANCIENT GEOGRAPHY OF वाक्पति  
the notes on, see—The notes on  
the Ancient geography of  
वाक्पति.
- 938 ASIA, Indo-germanic, the  
world contemplation of, see, -the

- ८  
world contemplation of Indo-germanic Asia.
- 939 — The Cultural unity of, see—The Cultural unity of Asia
- 940 — First outlines of a systematic anthropology of, see,—First outlines of a systematic anthropology of Asia
- 941 ASIATIC SOURCES, Eastern, Mediaeval Researches from, see Eastern, Mediaeval Researches from Asiatic sources
- 942 EDITION religion, philosophy and art, Indian ideals in, see,—Indian ideals in Education Religion Philosophy and Art
- 943 ETHNOGRAPHY, LECTURES, on, see,—Lectures on Ethnography
- 944 ऐतरेयब्राह्मणम् (वेद) सूत्र A 1-
- 945 — भीमहाषणाचार्यविरचितभाष्य-समस्त 2 vol Aa 10-10-
- 946 — Transl into Engl by M Haug. in 2 parts Po 9-
- 947 — and नरयणाचन of the ऋग्वेद with the comm of सायनाचार्य by सत्यवत सागभमा 2 vols Bt 17-
- 948 — महाइक्ष्वि by विश्वनाथ कृष्ण जोशी Bp 4-
- 949 ऐतरेयब्राह्मणम् (वेद) सायणाचार्य-विरचितभाष्यसमस्त 1 4a 7-
- 950 ऐतरेयोपनिषद् अरण आध्यात्मिक N 4-
- 951 — सदाशिवशरभाष्यापना, विद्या रम्यविरचिता दीपिका Aa 1-4
- ओ  
952 — With the Bhashya of and gloss of ताम्रपर्णी M. 7-
- 953 — Text in orig संस्कृत with मराठी transl & comm by वाण्ट साक्षी 1920, 8vo pp 6, 2, 289, Aa 1-8-
- 954 — Text in orig संस्कृत with मराठी transl and comm by वाण्टसाक्षी 8vo pp 32 A/
- 955 — शाकरभाष्यसमता, Text, transl. into मराठी by C. B भाट्ट 1914 8vo pp 109, 24 Ds 2-8-
- 956 — and तैत्तिरीयापनिषद् with the comm of मन्व transl into Engl by भीमचन्द्र Po 6-
- 957 — Text transl into मराठी with शाकरभाष्य by सीतारामशास्त्री Or pp 230 cloth Ad 2-8-
- 958 — Text in संस्कृत, transl. into मराठी with शाकरभाष्य O G भाट्ट 1914. pp 3 109, 24 Ds 2-8-
- 959 ऐन्द्रस्तुति चतुर्विंशतिका (जैन) A religious book useful to the Jains by वडभट्ट, 1928 N. 4-
- 960 ऐन्द्र SCHOOL OF संस्कृत GRAMMARIANS—Their place in the संस्कृत and subordinate Literature by A C Barnell Roy pp VIII 120 15-
- 961 ऐन्द्रमहास्य sixty verses on the mystic significations of the syllable ऐ with ऐन्द्रनाथ मराठी verse paraphrase by G N मुर मुर 1914
- 962 OMAR KHAYYAM THE POET. By T Hr WEIR, Wc 2-2-

ओ

- 963 OCEAN OF STORIES, by N. M. Penzer with a forward by Sir R. C. Temple 1924, 10 Vols. each 31-8-  
 . Being C H Lawney's transl. of Somadeva's Kathasaritsagar or (ocean of streams of story) now ed with introd. fresh explanatory notes and terminal essay.
- 964 THE OCEANIC LANGUAGES by Macdonald. D. 1907 10-
- 965 THE ORION ( 'वदिक ) Researches into the Antiquity of the वेदा by B. G. टिळक publ. by टिळक प्रदर्श.
- 966 ORIENT PEARLS : INDIAN FOLK-LORE. By Shyama Devi et. 8vo 16 2-
- 967 ORIENTAL COINS, a Catalogue by S. Lane-Poole. 1875-1891, 8vo. with autotype plates. Vols. I-VIII. out of print; Vol. IX ( additions to Vols. I-IV. ) 1889 21s net; Vol. X ( additions to Vols. V, VIII ) 1891. 25s net. Part 1-4 & 5-8 Of 28s.
- 968 ORIENTAL CONFERENCE ( all India ) summaries of papers 1924. Roy. pp. XIII, 211, L Mid 7
- 969 ORIENTAL AND LINGUISTIC STUDIES ( The Veda, the Avesta, the science of language ) by Whitney W. 1873. 15-
- 970 ORIENTAL MEMOIR. A narrative of seventeen years resi-

ओ

- dence in India, by Forbes, J. 1834 2 Vols. 45-
- 971 THE ORIGIN OF BENGALI SCRIPT by सनजी. 1913 8vo. pp. 122. Cu. 3-
- The book gives a history of the development of the Bengali alphabet. It is a valuable contribution to Indian Pallography
- 972 ORIGIN & GUILT OF नार by Pt. हिरानन्दशास्त्री. Gi 2-4-
- 973 ORIGIN OF THE वज्रयन वेदा by Arthur Avalon. Ti. -8-
- 974 ORIGINAL AND DEVELOPED DOCTRINES OF INDIAN BUDDHISM, by R. Kimura. Sup. Roy. 8vo. pp. 82. Cu. 3-
- It is a comprehensive manual of charts, giving an explicit idea of the Buddhist doctrines, as promulgated in diverse ways by diverse Buddhist Philosophers
- 975 ORIGINAL SANSKRIT TEXTS on the origin and progress of the Religion and Institutes of India, collected, transl. into Engl and illustrated with notes by J Muir 1838 ;pt. I. 21-
- 976 ORISSA IN THE MAKING, by सिद्धचन्द्र मुकुन्दरा with an introductory Foreword by Sir Edward A Gait 1925. Cr. 8vo. pp. 247. Cu. 4-8-
- This work which has no rival in the field presents a mass of new facts relating to the early history of Orissa, and sets out the hitherto unnoticed courses of events which

ओ

culminated in the emergence of Orissa as a distinct national and linguistic unit. How the author has executed this work successfully after having been engaged for many years in his research work in Orissa has been notified by Sir Edward A Galt in the introductory Foreward spoken of above

977 ORIENTAL LIBRARY, catalogue of संस्कृत Manuscripts in see—A catalogue of संस्कृत Manuscripts in the Oriental Library

978 औचित्यविचारदर्पणं हेमचन्द्र रचितं  
Km 1-

979 औपपत्तिकसूत्र or the first उपाह of the जैनस, text, ed with notes and glossary by Dr F Lenmann very rare 1832 8vo pp 50 Gr 20-

980 — by भागवतलाल लखनवा

981 OUTLINES OF INDIAN PHILOSOPHY by John Beames G 1868 Cr pp VIII 96 5-

982 AN OUTLINE OF THE RELIGIOUS LITERATURE OF INDIA by J V Farquhar 1920 8vo ( 8 x 5 ) pp xxviii+452 of 13-8

983 OUTLINE OF THE वेदान्त System of Philosophy according to Shankara by Paul Deussen transl by J H Woods & C B Runkle Cr 8vo ( 7 x 5 ) pp x+46 O 3-8

984 OUTLINES OF THE HISTORY OF ETHICS by Sidgwick H — 1910 5-4-

क

985 OUTLINES OF JAINISM by J Jaini, ed. by F W Thomas Cr 8vo Mm 3-

986 OUTLINES OF INDIAN PHILOSOPHY by Deussen P 3-

987 ककारादिह्रस्वसहस्रनाम ( Silk-cover) Vy -10-

988 कटाक्षवातक ( काव्य ) मूकविभूत Gn -4-

989 ————— Vu -2-

990 कथाकोश or treasury of stories transl from Sk Mas with appendix, containing notes by Prof Leumann ed by Tawney O — 12-8

991 कथाकीर्तुक ( काव्य ) — पण्डितभीरु-विरचित N -12-

992 — of भीरु the history of Joseph in Persian Indian garb Sanskrit and German by Schmidt R — Gr 10-

993 कथारत्नाकर गद्यपद्य ( जैन ) of इमरिजयगण Jb 12-

994 — Transl by Johannes Hertel complete in 2 parts 30-

995 कथासरित्सागर ( काव्य ) by श्रीरामदेवमह with 194 entertaining stories N 5-4-

996 — Text ed by Brockhouse 2 Vols Gr 17-

997 A CONSTRUCTIVE SURVEY OF UPANISHADIC PHILOSOPHY by Prof R D सनह 1929 Roy pp 31 438, 2, 3 Oa 10-

998 कपिन्यामुपवास Fasting of the monkeys a short poem by ललित

- क  
चार्य शिरोमणि 1925 Cr. pp.  
278 -4-  
999 कमलनेत्रस्तोत्र Vy -1-  
1000 THE KAMALA LECTURES—  
on Indian Ideals of Education,  
Philosophy, Religion and Art,  
by Annie Besant, with a Fore-  
word by the Hon'ble Sir  
Ewart Greaves 8vo pp 135  
Cw 1-8-  
1001 — by Shastri 1-8-  
1002 — by Jha 1-8-  
1003 कमलनीकलहंस ( नाटिका ) by  
राजबंशमणी दीक्षित. 1917. pp 84  
Vr -8-  
1004 कर्णकुण्डल ( ज्योतिष ) ( सटीक )  
I v -12-  
1005 कर्णभूषण-(काव्य) श्रीगङ्गानन्दकवि-  
राजप्रणीत N -10-  
1006 कर्णसुन्दरी ( नाटिका )—महाकवि-  
विष्णुकृत N -8-  
1007 कर्पूरप्रकरसटीक ( जैन ) with the  
कथा of हरिमुनि and comm by  
जिनमहादेव. Jb 4-4-  
1008 कर्पूरमञ्जरी ( नाटक ) सटीक—  
श्रीराजशतरुद्र, वाग्देवकृत टीका and  
बालभारत नाटक N 1-  
1009 — Transl into Engl  
with introd and notes, by C  
H Lanmann 1901. Roy. 8vo  
pp 318 Ho 18-6-  
( drama for the first time )  
Kshara ( P & D ) critically ed  
in the orig ( Nagari letters ) with a  
glossarial index and an essay on  
the life and writings of the poet  
by Prof S. S. K. K. K.
- क  
A play of court-intrigue and  
the only extant drama written en-  
tirely in Prakrit. It presents inter-  
esting parallels with the Braggart  
Soldier of Plautus  
1010 कर्पूरदिस्तोत्राणि Text with  
introd & comm by विमलानन्दस्वामी  
Transl by and notes of Arthur  
Avalon Tr 3-  
1011 कर्मप्रदीप or छान्दोग्यपरिशिष्ट  
with the comm called परिशिष्टप्रकाश  
of म म नारायणपापाय ed by म. म  
चन्द्रकान्त वर्कालद्वार together with  
a comm by himself called प्रभा  
1909 Br 2-4-  
1012 कर्ममीमांसा By A B Keith  
Cloth Ar 1-8-  
In the Karma Mimamsa the expo-  
sition of the texts which ordain  
the Hindu sacrifices is worked out  
into a system which finally proved  
of considerable importance for  
logic philosophy and law In this  
brilliant booklet the system is of a  
rarely exposed and its history set  
forth in outline  
1013 कर्मयोग ( वेदान्त ) by स्वामी  
विवेकानन्द 1923 8vo pp 92  
Ar -12-  
1014 कर्मविपाक ( पद ) मू. नभ  
वरणवत Vy 1-  
1015 कर्मविद्वान्मार्गदर्शिका ( पद ) Vy -2-  
1016 KARMA, THE CONCEPTION  
OF AND REINCARNATION IN HINDU  
Religion & Philosophy by Paul  
Yarrow 8vo pp 120 4-  
1017 कर्णकुण्डल सटीक ( ज्योतिष )  
भास्करपापायसिंह सदा स्वामिनी  
सहस्रतीर्थासहित I v -12-



- क  
1018 करणसौख्य (ज्योतिष) कृष्णदेव-  
विरचित *An* -9-  
1019 करणप्रकाश (ज्योतिष) by ब्रह्मदेव  
ed with comm & Theory of  
Numbers by सुभाषर द्विवेद.  
*Cf* 1-8-  
1020 CORRELATIONS OF THE HINDU  
STATES OF RAJPUTANA by  
Webb W —1893 20-  
1021 करणें दुग्धोत्तर (ज्योतिष) *Hy* -6-  
1022 करणें पञ्चमहावली (ज्योतिष)  
*Hy* -6-  
1023 करणपुष्परीकम् (उद्) 8vo.  
pp. 129 3-  
1024 करणालहरी (काव्य) गणित जग-  
द्विज *Km* 1-  
1025 करणावज्ञायुधम् (अन) श्रीवत्स  
चन्द्रविरचित -8-  
1026 करिष्यमाणम् महर्षिदत्तवर्मणी-  
सम् by जगन्नाथ 1890, 8vo  
pp 6, 132, 3 *Ce* 1-4-  
1027 CULTURE AND KULTUR,  
RACE ORIGINS OR THE PAST  
UNVEILED by H H Hannah  
8vo pp 158. *Cu* 3-12-  
Besides other cognate matters the  
book generally deals with race origins  
race-developments and race move-  
ments & differentiates not only be-  
tween Barbarous Races & cultured  
Races but also between Barbarous  
Races that were or are civilized and  
those that were or are uncivilized  
1028 Cultural Unity of Asia, by  
James H Cousin *Ad* 2-  
1029 CULTURAL, LINGUISTIC and  
LITERARY HISTORICAL gleanings

- क  
from the कोटिख एंग्लि Transl  
from H Jacob's German book  
by N B उपाध्याय 1-8-  
1030 कलियुगाचार्यस्तोत्र *Vy* -1-  
1031 कलिविहङ्ग (नाटक) पिप्पली  
कुतम् श्रीनीलकण्ठस्य *An* -2-  
1032 — *Km* 1-  
1033 — *Vt* -2-  
1034 कल्याणनाम (काव्य) शम्भुशक्ति-  
विरचित. *Km* 1-  
1035 कलियुगप्रतापवर्णन *Vy* -1-  
1036 A Collection of Eccentric  
Writings of T सुभाषर *Rt* -2-  
1037 THE COLLECTED WORKS OF  
SIR R G Bhandarkar Vol.III  
ed by N H Ugrakar with an in-  
trod text comm running Largely Histo-  
ry of the Deccan and Miscellane-  
ous Historical Essays pp 18, 4-8  
Vol IV Vaisnavism—Satanism  
& d Wilson Philological Lectures —  
will be out in 1909 but the first work  
is issued separately for use in Vol I &  
3-6 Vol II 'Literary Religious  
and Social Essays.' nearly ready  
Vol I Miscellaneous writings is in  
the press  
1038 कल्पद्रुमकोश standard work on \*  
संस्कृत Lexicography by केशव, ed  
by द सुभाषरदासना *Go* 10-  
1039 कल्पलता श्रीदत्तमोहनाचार्य-  
(याकृष्ण) श्रीकृष्णमित्रविरचित *Mu* 2-  
1040 कल्पलतासमुच्चय (पत्र) *Vy* 1-  
1041 कल्पलताश्रवणिकादीका (अन) of  
निबन्धनजय उपाध्याय *Jb* 8-  
1042 — (German) with in-  
trod text, remarks, transl and  
glossary by Schubring W.  
*Gc* 2-8-

क

1013 कल्याणकल्पद्रुम ( संगीत ) रोचक  
सन्दर्भ वेदान्त मानस धर्म रामायण.  
Pg -4-

1044 कल्याणमन्दिरस्तोत्र सिद्धराज  
विशारदगीत. Km. 1-

1045 कल्याणसौगन्धिकम् ( नाटक )  
कविनीलकण्ठविरचितम् Mc. -8-

1046 — ( An old play ) Ed.  
with an easy संस्कृत Comm. by  
M. V. चक्रवर्त्यशास्त्री together  
with Foreward by Dr. L. D.  
Barnett. 1927. Ps 1-

1047 कविकल्पता ( अलंकार ) A work  
on rhetoric by देवेशर together  
with his own comm. ed. by  
हरचन्द्रशास्त्री. 1913. B. 1-8-

1048 कविकण्ठाभरणम् ( काव्य ) श्रेष्ठ-  
कविकृत. Km. 1-

1049 कविकल्पद्रुमः ( वातुपाठः ) by छाल-  
मोहन विद्यानिधि. Sd -8-

1050 — ( व्याकरण ) सटीक by  
शिवनारायण शिरोमणी. Sd 1-8

1051 — ( जैन ) -4-

1052 कविचित्तप्रमेदिक ( काव्य ) सटीकः  
श्रीरविगोविंदविरचितः Gn -4-

1053 कवितामयी ( काव्य ) ज्ञानीरामकृत.  
Pg -6-

1054 कविरहस्यम् ( काव्य ) लिप्या सेम-  
सम्प्रदायप्रत्यय. Gn -8-

1055 — भट्टकल्लोदस्य, Ed. by  
केमकरशास्त्री 1891. publ. by श्री-  
सागर. 8vo. pp. 4, 8. 40. -8-

1056 कवीन्द्रकाव्यभरणम् ( काव्य )  
सटीकं विदेशरहितप्रमाणम्. Km. 1-

1057 कवीन्द्रवचनसमुच्चय ( काव्य )  
A Sanskrit Anthology of

क

verses. Ed. with introduction  
and notes by T. W. Thomas.  
1812. Br 2-4-

1058 कवीन्द्राचार्यसूक्तिप्रथम् List of  
संस्कृत works in the collection of  
कवीन्द्राचार्य, a Benares Pandit  
( 1656 A. D. ) : ed. by R. अनन्त-  
कृष्णशास्त्री with a foreword by  
Dr. संगानाथ झा 1921. Gc -12-

1059 Coins of the Andhra dynasty,  
the Western Kshatrapas, the वेङ्ग-  
क and वेणी dynasty, by E. J.  
Rapson. 1903. 8vo. with map &  
autotype plates. Of 19-

1060 — of the गुप्त dynasties &  
of राजाक by John Allan. 1914.  
8vo ( 3½ x 5½ ) pp. 324, with  
twenty-four plates. Of 18-12-

1061 — of INDIA by C. J.  
Brown. With twelve fullpage  
plates of reproductions of  
Coins, and eleven illustrs. of  
Coin-legends. Cr. 8vo, cloth  
As 1-8-

1062 — IN THE INDIAN MUSE-  
UM, CALCUTTA, a Catalogue.  
1906-8 Royal 8vo, with collo-  
type plates. Vol. I by V. A. Smith,  
30s. net; or in parts. Vol. II, by  
H. N. Wright (a section by Sir  
J. Bourdillon) 30s. net. Vol.  
III. by H. N. Wright. 40s.  
net. Of 75-

1063 — of THE MOGHUL  
EMPERORS by S. Lane-Poole  
1892. 8vo. with autotype plates  
Of 27-

क

- 1064 — IN THE PUNJAB MUSEUM, LAHORE, a Catalogue in two vols by R. B. Whitehead 1914 Roy. 8vo vol I, 20 plates Vol II, 21 plates and a map Part I & II. *Of* 40~
- 1065 — sources of Indian History by Rapson E. J., *Gr* 6~
- 1066 काव्यीमाहास्यम् (पुराण) *Sh* 1-12~
- 1167 काठकोपनिषद्। शटीका द्वयसंस्कृतभाष्यपता। *Aa* 1-4~
- 1068 — by श्रीअविद घोष. 2nd ed *Pl* 4~
- 1069 — by श्रीअज्ञानी पाठक 1919, 8vo pp 9, 183, *On* 2~
- 1070 — With मध्यमाध्य and with the gloss of वेदसतीर्थ and व्यासतीर्थटीका *Mb* 1-8~
- 1071 — Text transl into Engl with Sankara's comm by M हिरिअण्णा *Ad* -12~
- 1072 — Text and transl. by स्वामी शर्वानन्द. *Ad* -12~
- 1073 — with शाकरभाष्य, faithfully transl into Engl by हिरिअण्णाशाली 1915 *Cr* pp xvi, 137 *Vv* 1-4~
- 1074 — with the sanskrit text, Anvaya, vritti and meaning, transl. with notes and index into Engl by S C Vase, 1905 *Cr* pp 191 6 34 *Po* 1-8~
- 1075 — Text transl into मराठी with द्वैताद्वैतभाष्य by चि ग मान्

क

- 1912 *So* 3, 2, 280-294 *Jy* 5~
- 1076 कठ अ मय Text and transl with Sankara's Comm by S सीतारामशास्त्र Cloth *Ad* 2-8~
- 1077 काठकगृह्यसूत्र with extracts from three comments, an appendix & index ed for the first time by Dr. W. Caland 1926. *Dv* 7~
- 1078 काठकगृह्यसूत्राणि समाख्याणि *Km*
- 1079 काठकसंहिता of Katha by Schroeder with index, 3 Vols 40~
- 1080 कणादसिद्धान्तचन्द्रिका (न्याय) by गणार हृति *Tr* -12~
- 1081 काण्वशास्त्रीयशतपथब्राह्मणम् ed. for the first time by Dr Caland containing full introd and part of text pp II IV, 120, 95 *Pr* 10~
- 1082 काण्वशास्त्रीयशतपथब्राह्मणम् 1-
- 1083 काण्वसंहिता (वद) of the ऋग्वेद with सायनभाष्य 1 to 20 chapters ed by माधवशास्त्र. *Ks* 6~
- 1084 कातम्बम् दुर्गसिंहविरचित याज्ञवल्क्यसंहिताम् *Bs* 6-8~
- 1085 — With the comm of दुर्गसिंह ed with notes and indexes by J Eggling 6-12~
- 1086 — Text with transl by B. Laebach 1919 *Ur* 5~
- 1087 कातम्बसंहितायाम् एव चन्द्रकान्त वर्णनकार *Sd* 2-8~
- 1088 कर्तव्येतिहासिका श्रोतव्यमपद्धति (कर्म) दत्तपूर्णमासपद्धति by परमहंस पतितानन्द *Ks* 1~

- क  
1089 कात्यायनीसूत्रेण (कर्म) मूल.  
Vy -2-  
1090 कात्यायनीशान्ती (कर्म) -2-  
1091 कात्यायन and पतञ्जलि by  
Kielhorn— Gr 5-  
1092 कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्यम् (कर्म)  
With a comm. by श्रीकृष्णचारी ed.  
by मनमोहन पाठक and छुल्लसून  
of कात्यायन with the भाष्य of  
उवाच्यार्य. Ch 9-  
1093 कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्यम् Kt  
30-  
1094 कात्यायनसर्वानुक्रमणि of the  
अग्नेय with extracts from सुबुद्ध  
शिष्या's comm. entitled वेदार्थ-  
दीपिका ed. with critical notes  
and appendices by A. A. Macdon-  
nell. 1886. pp. xxii+226.  
Of 18-12-  
1095 कथबोध. (Dattatraya System  
of thought) with the comm.  
of साजनी, ed by Pt. मनुजदास-  
शास्त्री. K's -8-  
1096 कर्द्वरी by बाण and his Son,  
Vol. I Text, Vol. II, Notes and  
Introduction, by Dr. P. Peter-  
son. Bp 10-  
1097 — बाणभट्टकृत, बाणवन्दन व  
सिद्धवन्दन टीकासह. N 6-  
1098 — उत्तराय An Engl. transl  
by V. R. मेहरकर. 1-8-  
1099 — of बाण, transl. by  
Ridding C. 1896. D. T. F.  
Vol. VII. 10-8-  
1100 — पूर्वमि मदीकम् by हरिदास  
सिद्धान्तमीन. Sd 2-

- क  
1101 — ed. with introd. notes  
and appendices by P. V. बान.  
1911. 8vo. pp. xxxiii 106.  
2, 282. 3-  
1102 — महत्त्वमयवादम्बर्षा अति-  
लघुसमयः आगलपदार्थसमेता. Md -6-  
1103 कादम्बरीसार Being an abrid-  
gement of Ban's Kadambhari,  
copious explanatory notes, a  
full glossary and an abstract  
of the tale. by M. S. अप्पे. 4th ed.  
revised and improved Bb 1-12-  
1104 — By M. S. अप्पे. 1915,  
4ed. 8vo pp. III, 17, 208  
126. Bb 3-  
1105 — कथासर (काय) श्रीमद-  
गिनान्तक. N -8-  
1106 — समग्र by प. कृष्णमाचार्य  
or भगिनन्धर बाण, ed. by श्रीविराट  
बन्नाच. सियर 1924, 3ed. cr. pp.  
VIII, 202. 2-  
1107 काम्तिरवतृप्तिहयिषय Bv.  
1108 कामकल्पविलास (वेदान्त) by  
कृष्णानन्द with comm. Explain-  
ing what श्रीमद symbolically re-  
presents K'm 1-4-  
1109 — (मन) कृष्णानन्दरि-  
षित मदनमन्त्रिषितय चिद्विद्-  
व्याख्यासमग्र 1918 Cr. pp. 126.  
Bm 1-4-  
1110 — A, Tantrik Prak-  
arana of the Kashmir School by  
Punyananda with comm. by  
मदनमन्त्रिषित ed. by मन्मथमिश्र. Com-  
plete Translation by and notes  
of Arthur Avalon. Ad 3-

क

1111 — A तंत्रिकप्रकरण of the Kashmir School by इयानन्द with Comm. by Anantanatha. Ed. with Introd. by जगदीशचन्द्र चतर्जी. 77 5-

1112 कामघटकथा गय ( जैन ) 76 -12-

1113 — ( जैन ) शुभसर्वे-  
गणीकृत. 1-

1114 कामसूत्रं ( कामशास्त्र ) by वासवा-  
यन मुनि with a comm. called जय-  
महाज Ed. by शमोदरलाल गोस्वामी.  
Ks -8-

1115 — of वासवायन (German  
Transl.) by Schmidt. Gr 15-

1116 कामन्दकीयनीतिसार or the  
elements of Polity ( in Engl. )  
ed & publ by M N. Dutt  
1906 8vo pp. VI, 254. Cc 5-

1117 कामाक्षीस्तुतिशतक ( काव्य ) मूक.  
कविवृत्त. 74 -4-

1118 — Gu -4-

1119 COMPOSITION (MUSICAL) of  
मामनाय critically ed. with a  
table of notations by Simon  
R. 5-

1120 COMPOSITION AND STYLE,  
by Blackman R. 1923 3-8-

1121 कारकयाचार्थ ( व्याकरण ) जय-  
रामपण्डितप्रणीत Vy -3-

1122 कारकसन्दर्भप्रभा ( व्याकरण )  
hy राघवाचार्य ed. by श्रीरत्नचन्द्रवि-  
भक्तिनयनमहापात्र 8vo pp 22 1912  
La -4-

1123 कारकसन्दर्भप्रकरणम् ( व्याकरण )  
मूक. राघवाचार्येण निरचितम् Mu -4-

क

1124 कारकोद्घातः ( व्याकरण ) By भरत  
महर्षि. A small metrical very  
useful to the beginners of  
Sanskrit Grammar. 1924 8vo.  
pp. 6, 10. Ss -2-

1125 कारिकावली ( न्याय ) सिद्धान्तमुक्ता-  
वलीसहित. N 10-

1126 — न्यायमुनावलीसहितता, दिन-  
करीयाख्या-रामकरीयाख्यासहिता. N 3-8-

1127 — ( सिद्धान्तमुक्तान्तर्णीकसहिता )  
—न्यायवैशेषिक-दर्शनयोः प्रामाण्यसूत्रा कृते  
प्रणीतेषु प्रकरणग्रन्थेषु सिद्धान्तमुक्तावली  
समुदासिता पूर्वनिर्दिष्टेष्वपि न विदुषां  
वेमाय कितुवन्न कीचित्कृतं दृश्यते निवेक-  
संख्या सत्तेषुतः ध्वस्तनमानामधानामुपनि-  
बद्धनया प्रायः सिद्धान्त न-न्यासछात्राः,  
इति तेषामुपकारायस्माभिः प्रायः सार्धं विष-  
मसंश्लेषवितेष्टतां सहा सुशोभा च  
द्विषया पण्डितजीवितमहाशयिभिः कारयित्वा  
तथा सहा इदतरेषु सुविशेषेषु विषयस्थाना-  
मस्तुतिता । सार्वभौमिकप्रामाण्यसूत्रा  
सर्वसिद्धिभ्यामालीयन्ता मूलेन वितरामः ।  
1923 8vo. Gu. -10-

1128 — मुक्तावली-प्रभा-मञ्जरी-दिन-  
करीय-रामकरीय-गङ्गारामजटीयसहिता ॥  
अस्मिन् पुस्तके कारिकावलीयाख्या मुना-  
वली, न्यायख्या प्रभा, मञ्जरी, दिनकरीय  
दिनकरीययाख्या रामकरीय, दिनकरीय-  
सम्बन्धन गङ्गारामजटीयं च सम्पादितम् ।  
1913 Roy. pp. 6, 2, 886  
Bm 1-

1129 — दिन० राम० म० सन्दर्भ-  
सहा मुनिविरचित दिनकरीय मङ्गलहोमश्राव-  
य. श्रीरत्नचन्द्रविभक्तिनयनमहापात्रासहिता Kq 6-

1130 — दिनकरीय रामकरीयसहिता.  
hy विश्वनाथ पञ्चानन महापात्राय with

- क  
दिनकरप्रकाश by महादेवभट्ट and दिनकर-  
भट्ट and a comm called रामकृति-  
तरङ्गिणी by रामहृदभट्टाचार्य & न्याया-  
चरण पं. श्रीराजशेखरशास्त्री *Ks* 6-
- 1131 — न्यायचन्द्रिकासहिता with  
two comm सिद्धान्तमुक्तावली  
of विश्वनाथन्यायपञ्चानन and न्याय-  
चन्द्रिका by पं. श्रीनारायणतार्पे. ed. with  
notes by पं. पुण्डरीकशास्त्री *Ks* 1-8-
- 1132 — दिनकरीयरामहृदयसाहिता  
गुणानेखनगमकरणस्य *Ky* 3-
- 1133 — प्रज्ञमनारामसरलसंस्कृत  
व्याख्यासहिता. *Mi* -6-
- 1134 — मुक्तावली दिनकरी रामहृदय  
*Vy* 3-8-—
- 1135 — — — — — 2-
- 1136 — मुक्तावली *Vy*
- 1137 — of निष्पनाथ transl.  
into German by Hultsch  
E. *Gr* 1-8-
- 1138 कार्तवीर्यार्जुनोपासनाध्याय (मन्त्र)  
*Vy* 2-
- 1139 कार्तिकमाहात्म्यमूलमात्र पद्यगुणा-  
न्तर्गत. *Vy* -12-
- 1140 — सटीक स्कन्दपुराणान्तर्गत  
*Vy* 1-1
- 1141 — — — — — *Gn* -8-
- 1142 कार्णिकपञ्चभरण (काव्य) गौपालदाम  
विरचित संस्कृतटीकातथ्यटिप्पणीसहित  
*Vy* -8-
- 1143 CORPUS · INSCRIPTIONUM  
INDICARUM ( Gupta Inscrip-  
tions ) by J. F. Fleet. Vol III.  
*Gt* 25-
- 1144 CORPORATE LIFE IN ANCIENT  
INDIA by R. C. मुकुन्दर 8vo pp,  
XIV, 414. 7-8-
- क  
1145 KARLIMA RANI by Anand  
A. 3-
- 1146 कार्यधिकरणवाद ( वेदान्त ) Part  
I & II. *Su* 1-10-
- 1147 कार्यधिकरणतत्त्वम् ( वेदान्त )  
*Su* -14-
- 1148 कालकर्म by Anand Swami. 6-
- 1149 कालमाधव ( धर्म ) by मञ्जुनाथ,  
ed by प. रत्नगोपाळभट्ट. *Ks* -2-
- 1150 — ( धर्म ) सटिप्पण. *Vy* 2-8-
- 1151 — — — — — *Ky* 2-8-
- 1152 कालविवेक ( Text with notes )  
A treatise on Hindu Law and  
rituals by जीदत्तवाहन ed. by  
प्रमत्ताय तर्कभूषण. ( 1905-1911 )  
*Bt* 5-4-
- 1153 कालसार of गदाधर राजगुरु Being  
a portion of गदाधरपद्धति ed. by  
म. म. सदाशिवमिश्र 1900 1904  
*Bt* 5-4-
- 1154 कालशानविरुपणाध्याय by हरि-  
कुण्ड स्वकटराय. *Vy* -3-
- 1155 कालिदास and भलकारसाख By  
हरिचन्द्र. 8vo. pp. XIV, 252, 104.  
IV. *Fr* 10-
- 1156 कालिकापुराण मूल *Vy* -5-
- 1157 कालिदाससंज्ञा ed. by वासुदेव-  
चरणतर्कतीर्थ with Engl. Introd.  
by Arthur Avalon *Ty* 2-
- 1158 कालिकासंहजनाम. *Vy* -5-
- 1159 कालीतन्त्रम् with commentary  
& transl The work bearing  
the name already published  
from Bat-tala, Calcutta is not  
regarded as genuine, as verses  
attributed to the Kalitantra in  
works like Tantrasara and

क

- Shyamarahasya are not found in the latter though they are present in the work published by the Parishad. 8vo. pp. 2, 59  
12. *Ss* -10-
- 1160 कालीदाहरिजगदीश्याः पञ्चल-  
लक्षण्याः (न्याय). *Kg* -3-
- 1161 कालीदाहरिसिद्धान्तलक्षणस्य न्याय-  
शास्त्र. *Kg* 6-10-
- 1162 काव्यशाकिनी of गगनानन्द कवीन्द्र  
ed. with Introd. by जनकप्रसादी  
and कविराज. 1924 8vo. pp 2, 2,  
59. *Ss* -11-
- 1163 काव्यदर्पण By राजचूडामणी रीक्षित  
ed. by सुमहोदयशास्त्री with his own  
Introd. 2 vols. vol. I. Ullasas  
1 to 6, cr. 8vo, *Vv* 2-8-
- 1163, काव्यप्रकाश. (अहंकार) भीमशङ्कर-  
चन्द्ररिचिनसंस्कृतसमस्तः । *Au* 2-4-
- 1164 — of मम्मट Ullasas I, II.  
& X with Zalkikar's Sanskrit  
Introduction (available separat-  
ely) 3-
- 1165 — Ullasas I and II  
(available separately) -10-
- 1166 — With a Comm. by  
शमनानन्द शङ्कराचार्य (out of Series)  
*Bp* 6-
- 1167 — With the comm  
संस्कृतटीका. *Bs* 3-8-
- 1168 — Treatise on Rhetoric  
transl. into Engl by डॉ. गगनानन्द  
शा. *Lz* 5-
- 1169 — by मम्मट with a comm.  
called माधेश्वरी by Pandit

क

- हरिश्चन्द्रसर्ग. Ed. by Nyayopad-  
hyaya Pt. शुद्धिराजशास्त्री. 4-
- 1170 — (टीकासमेतः) ed by  
महेशचन्द्र न्यायसूत्र. *Sd* 4-
- 1171 — By श्रीमम्मट with a  
comm. सुभाषागरी by भीमसेन दीक्षित,  
ed. by Pt. नारायणशास्त्री तिल्ली.  
*Ch* 7-
- 1172 — of मम्मटभट्ट with two  
comments. the सप्तशतिकाशिकी  
of Sri Vidyachakravartin  
and the साहित्यचूडामणी of Sri  
Bhattagopala. *Ti* 3-
- 1173 — Ullasas I & II. Ed.  
with an Introd Explanatory  
Notes, and Transl. in Engl.  
by H. D Velankar, 8vo. pp.  
IV, IV, 120 1910. *St* 1-4-
- 1174 — Ullasas I & II—Ed.  
with an introd. Explanatory  
Notes and Transl. in Engl.  
by P. P. Joshi *St* 1-
- 1175 — Ullasa X—Ed with  
Introd Explanatory Notes and  
Transl. in Engl. by P. P. जोशी.  
*St* 2-8-
- 1176 — or A treatise on संस्कृत  
Rhetoric by मम्मटभट्ट with expla-  
natory illustrated notes by  
डॉ. न्यायसूत्र 1866, 8vo pp. 24,  
11, 370, 4 *Cc*
- 1177 — Ed by his pupil कवि-  
सूत्र 1886, 2nd ed 8vo pp 22, 4  
23, 336. 8 *Cc* 5-
- 1178 — डॉ. सिद्धचन्द्र गिलानामक-  
संस्कृतटीकासहित. *Vy*

क

1179 — उद्भास I&II with corresponding portions of the काव्यप्रदीप of गौरीश & the उद्योत of नागोजीभट्ट ed. by प्रो. चांदोरकर 1898. 8vo. 2, 2, 46, 86. 1-8-

1180 — उद्भास VII काव्यप्रदीप व उद्योत सङ्गृह्यटीकासह, ed. with Engl. notes by प्रो. चांदोरकर 1895 8vo. pp. 6, 4. 80, 109, 2 -8-

1181 — उद्भास X by प्रो. चांदोरकर. 8vo. pp. 3, 3, 4. 2, 167, 182, 25, 3. 2-

1182 — ( काव्यप्रकाशस्य प्रतिष्ठापनायाख्या ) श्रीमद्गोविन्दकृष्ण-प्रणीतः । श्रीमद्गोविन्दकृष्णारिभट्ट ग्रन्थे ये ये विषया निरूपितास्तेषामीदृशक्रमः-काव्य-प्रयोगजनकण्ठस्यमेवनिस्तम्भम्, शब्दाय-विभागाप्यव्यञ्जनायाचकशब्दमतभेदभिन्नसंके-तितायम् । लक्ष्मणैकमूलव्यञ्जनागिरागमि-त्यावनेकविषयेऽसमलङ्कृतः स च रामशा-स्त्रिभागवताचार्येण परिशोधितः Ls 3-6-

1183 — म. म. गोविन्दविरचित, तत्सङ्-पाल्यवैद्यनाथकृतटीकासहित. 8vo. pp. 6, 472, .11 N 2-4-

1184 — गोविन्दगङ्गाकृत प. शिव-वसकृतशिक्षानामक संस्कृतटीकासहित Vy

1185 काव्यभूषणशतकम् (काव्य) श्रीकृष्ण-पद्मनप्रणीतम् Km6 1-

1186 काव्यमञ्जरी (काव्य) पद्मनदासकृत. Pp 1-8

1187 काव्यमाला-प्रथमगुच्छकः N 1-

1 अमृतलहरी by जगन्नाथ प

2 श्रीचिन्मयविचारचर्चा, by श्रेमन्

■ कलाविलास by श्रेमन्.

4 प्राणाभरणम् by जगन्नाथ प.

क

5 महाभरणपतिस्तोत्रम् ( सटीकं ) by राधरचितम्.

6 मुकुन्दमाला by कुलशेखरविरचित.

7 राजेन्द्रकर्णपूर by शम्भुमहाकवि.

■ वक्रोत्तिपद्याशिका, by रत्नाकर.

9 वैराग्यशतकम् by अप्पम्बरीशित.

10 शिवस्तुति by लक्ष्मण.

11 श्यामलदण्डकम् by कालिदास.

12 सुधासहस्री by जगन्नाथ प.

1188 काव्यमाला-द्वितीयगुच्छकः N 1-

1 अन्योत्तिस्तुतालता, by शम्भु-महाकवि.

2 आनन्दमन्वाकिनी by मधुसूदन-सरस्वती.

3 अयाष्टकम् (सटीकं) by शंकरा-चार्य.

4 उपदेशशतके, by गुमानिक.

5 कल्याणलहरी by जगन्नाथ प.

6 चारुचर्चा by श्रेमन्.

7 नेमिदूतकाव्यं, by विक्रम.

8 मायाविलास by कृष्णवि.

9 मुकुन्दसुतावली, by शंकराचार्य.

10 लक्ष्मीलहरी, by जगन्नाथ प.

11 विष्णुपादादिकेशान्तरचर्णन-

स्तोत्रम् by शंकराचार्य.

12 श्रेयश्रेयकोपदेशः by श्रेमन्.

13 सुवृत्ततिलकः " "

1190 काव्यमाला-तृतीयगुच्छकः N. 1-

1 कुट्टनीमत्तम्, रामोदरगुप्तप्रणीतम्

■ दाचलाकीकाव्यं, माधवविरचितम्

3 धन्वस्तवी, गोकुलनाथविरचिता

4 शिवशतकम्, —

5 शृंगारतिलकं, रुद्रमङ्गलम्

1191 काव्यमाला-चतुर्थगुच्छकः N 1-

1 कविकण्ठाभरणम् श्रेमन्कृतम्

2 चण्डीशतकम् श्यामलविरचितम्



क

क

- 37 नयरत्नमाला कलिदासकृता.  
 4 भट्टराजतकम् भट्टराजकृतम्  
 5 भाष्यरातकम् नागराजप्रणीतम्  
 6 रसिकरत्नसंग्रहकम् रामचन्द्रकृतम्  
 7 सभाजनशातकम्-नीलकण्ठ  
 8 ताराशाशाक-श्रीकृष्णरवि  
 9 स्वाहामुधाकर नारायणभट्टकृतम्  
 1192 काव्यमाला-पद्यमगुच्छक N 1-  
 1 अन्योक्तिशातकम् वारेणकृतम्  
 2 कलिविद्वान् नीलकण्ठदीक्षितकृतम्  
 3 कोटिविरह नारायणभट्टकृतम्  
 4 चतुर्वर्गसंग्रह भट्टकृतम्  
 5 नक्षत्रमाला शिवरामविष्णुकृता  
 6 पञ्चरासी मूलकविद्वान्  
 7 भृगुवैराग्यतरङ्गिणी राम-  
 प्रभाचार्यकृता  
 8 सहृदयलीला-राजानकरव्य  
 1193 काव्यमाला-पद्यमगुच्छक N 1-  
 1 भक्त्यापदेशशातकम् नीलकण्ठ  
 दीक्षितप्रणीतम्  
 2 काव्यभूषणशातकम्-कृष्णवर्म  
 3 जानकीचरणचामर श्रीनिवासा  
 चार्यविरचितम्  
 4 दर्पदलम् भट्टकृतम्  
 5 दीनाशब्दस्तोत्रम् लालनिमित्तम्  
 6 रसरत्नहारमटाक शशराम त्रि-  
 पाठीप्रणीतम्  
 7 शान्तिविलास-नीलकण्ठ  
 8 शिवकेशादिपादान्तवर्णनस्तोत्रम्  
 श्रीशङ्कराचार्यकृतम्  
 9 शिवपादादिकेशान्तवर्णनस्तोत्रम्  
 शङ्कराचार्यकृतम्  
 1194 काव्यमाला-पद्यमगुच्छक N 1-S-  
 1 आत्मनिर्वाणम्  
 2 कर्पमपञ्चाशिका, वनपाटप्रणीता  
 3 गङ्गाभास्स्तोत्रम्, वादेराज

- 4 कल्याणमन्दिरस्तोत्रम्, सिद्धसेन-  
 विष्णुप्रणीतम्  
 5 गीतमस्तोत्र, of जिनप्रभसूरी  
 6 चतुर्विंशतिजिनस्तव-जिनसूरी  
 7 चतुर्विंशतिजिनस्तुति ( सदि-  
 णणी ) शोभनमुनिप्रणीता  
 8 जिनचतुर्विंशतिका, मृगशकवि  
 9 जिनशातकम्, जम्बूगुहवि  
 10 प्रभोत्तर-रत्नमाला विष्णु  
 11 पार्श्वनाथस्तव जिनप्रभसूरी  
 12 पार्श्वस्तव " "  
 13 भक्त्यामरस्तोत्र, मानसगाचार्यवि  
 14 महावीरस्वामीस्तोत्र ( संस्कृत  
 प्राकृत ) जिनवल्लभसूरिविर.  
 15 " " हेमचन्द्राचार्य-  
 विरचित अन्ययोग्यरत्नद्विक्रान्ति-  
 सिंहाख्य  
 16 " " " अयोग्यरत्नद्वे-  
 विक्रान्तिसिंहाख्य.  
 17 विषादपहारस्तोत्र, धनञ्जय  
 18 वैराग्यशातक, पद्मानन्दकवि  
 19 श्रीवीरस्तव, जिनप्रभाचार्य  
 20 श्रीवीरनिर्वाणकल्याणस्तव, जिन-  
 प्रभसूरिविरचित  
 21 सिद्धिप्रियस्तोत्र, देवानन्दि  
 22 सिद्धान्तागमस्तव जिनप्रभसूरी  
 23 सुक्ति-मुक्तावली, शोभनप्रभाचार्य  
 1195 काव्यमाला-पद्यमगुच्छक N 1-  
 1 कवचन्द्रकर्णाभरण सटीकम्,  
 श्रीविश्वेश्वरपण्डितप्रणीतम्,  
 2 प्रबोधसुधाकर  
 3 सुगंधोपदेश भीमदण्डप्रणीत  
 4 रामात्रयशातकम्, श्रीविश्वेश्वर  
 5 सुदर्शनशातकम् श्रीहरनारायण-  
 कविप्रणीतम्  
 6 सुभाषितगीति वेदान्ताचार्यभा-  
 वेदुटनायप्रणीता.

क

1196 काव्यमाला-नवमगुच्छकः N 1-4-

- 1 अन्योपदेशशतकम् मधुसूदन-  
कविप्रणीतम्.
- 2 ईश्वरदातकम्, जयन्तारकवि
- 3 कौन्तेयवृत्तम् विद्यावागीश-  
कविरचितम्.
- 4 मीतिशतकम् श्रीगुन्द्राचार्य-  
कविनिर्मितम्.
- 5 चण्डीकुचपञ्चाशोक्त लक्ष्मणा-  
चार्यप्रणीता.
- 6 चतुःपञ्चपञ्चारमानसपूजा-  
स्तोत्रम् श्रीशंकराचार्यनिरचितम्
- 7 त्रिपुरसुन्दरीमानसिकोपचार-  
पूजास्तोत्रम् श्रीमच्छंकराचार्य-  
भगवत्पादविरचितम्.
- 8 त्रिपुरसुन्दरीमानसपूजनस्तोत्रम्  
जीतामराजदीक्षितनिरचितम्.
- 9 देवीशतकम् आनन्दवर्धनाचार्य  
कृतं ( कल्पद्रुत टीकया समेतम् )
- 10 शिवस्तुति सटीका श्रीनारायण-  
पण्डिताचार्यविरचिता.
- 11 सुन्दरीशतकम्, उत्प्रेक्षाकवि-  
वल्हभनिरचितम्.

1196a काव्यमाला-दशम गुच्छकः N 1-

- 1 धातुकल्पम्, टीकया समेतम्.
- 2 रामाष्टप्रासः त्रैलोक्यीनिरचितया  
टीकया समेत. रामप्रभदीक्षित-  
विरचितः
- 3 रुक्मिणीस्तवराजम्, दुर्गादेविर.
- 4 वासुदेवविजयम्, वासुदेवकवि-  
निरचितम् सकृत् टीकया समेतम्

1196b काव्यमाला-एकादशगुच्छकः N 1-

- 1 आनन्दसागरस्तवः श्रीकण्ठ-  
दीक्षितप्रणीतः
- 2 पद्मशतकम् सटीकम्.
- 3 त्रिपुरमहिमस्तोत्रम्, त्रिवेणन्द-

क

विरचितया व्याख्यया समन्वितम्  
गीर्वाणानिरचितम्.

- 4 रामकुण्डविलोमकाव्यम् देवत-  
श्रीरूपकनिरचितं सकृत् टीकया  
समेतम्.
- 5 लौकिकमुक्तावली, श्रीदीक्षणा-  
मूर्तिनिरचिता.
- 6 शृंगारदातकम्, श्रीपुतपोत्तमी-  
जगद्गुरुभट्टप्रणीतम्.
- 7 हरिविजयस्तम्, श्रीलोलिम्बराज-  
विरचितम्,

1197 काव्यमाला-द्वादशगुच्छकः N 1-

- 1 भिक्षाटनकाम्यं-उत्प्रेक्षा वल्हभ-  
कविरचितम्.
- 2 रामचापस्तव, श्रीरामभट्ट-  
दीक्षितविरचितः
- 3 रामयागस्तव-श्रीरामभट्ट-  
दीक्षितनिरचितः
- 4 शृंगारशतक, कविरामराजी-  
विरचित.

1198 काव्यमाला-त्रयोदशगुच्छकः N 1-

- 1 गङ्गास्नानम् गिरिवरविरचितम्
- 2 दूतकर्मप्रकाशः पण्डरीकविश्वनाथ-  
कविरचितः
- 3 नीतिधनदम् } श्रीधन-  
धरगणधनदम् } राजकवि-  
निरचित.
- 4 पवनशतकाम्यम् श्रीमद्भाद्र-  
विरचितम्
- 5 विन्दनकाम्यम्, विन्दनकवि
- 6 मनोवृत्तम् ( सङ्ख्यदृष्टान्ता-  
नापरन्तमम् ) त्रैलोक्यनाथ-  
विरचितम्.
- 7 परमेश्वरस्तोत्रम् श्रीभद्राभट्ट-  
दीक्षितनिरचितम्.

क

- 8 वैराग्यशतकम् गोस्वामीजीनामन-  
भट्टमणीतम्.
- 1199 काव्यमाला-चतुर्दशमुच्छ्रित N 1-
- 1200 काव्यमोमांसा (भट्टकार) A work  
on poetics by राजशेखर ( 880-920  
A. D. ) ed. by इलाह & अनंतकृष्ण-  
शास्त्री 1916. Ho-issue. 1924.  
Go 2-4
- This book has been set as a text-  
book by the Ban. and Patna  
Universities*
- 1201 काव्यविलास of चिंजीवमहाचार्य  
ed. with introd. by कविराजशर्मा  
& होसिंगशास्त्री 1925, 8vo pp. 10,  
7, 56, 2, 2, Sb 1-12-
- 1202 काव्यसंग्रह कतिपयटीकासमेत: publ.  
by दीनानाथ न्यायतन 8vo. pp.  
104, 24 Cl 1-
- 1203 कान्वादर्श ( भट्टकार ) of वण्डिन्  
With a new Comm. ed. with  
Notes by प्रो. बंशबलकर and र रक्षि-  
शास्त्री Paris I and II publ. Part  
III in Press Part II only  
available separately Bp 5-
- 1204 — Sk Text & Transl. by  
Dr. बेलचकर 1924 8vo pp.  
VIII, 184 Oa 3-
- 1205 — (टीकासमेत) ed by ब्रह्म-  
चन्द्र तर्कवागीश St 2-
- 1206 — श्रीगण्डाचार्यविरचित,  
'कुसुमप्रतिभा' मसूहृतन्यायणा तथा  
टिप्पणसहित. M 3-
- 1207 काव्यानुशासन ( भट्टकार ) आचार्य  
हेमचन्द्रविरचित, स्वायत्तकारचूडामणि-  
संज्ञकवृत्तिसहित. N 2-4-

क

- 1238 — श्रीमद्भागवतविरचित, सङ्कत-  
टीकासह. N -7-
- 1209 काव्यालंकार ( भट्टकार ) वदकृत,  
नमिसाधुमटीकासहित. N
- 1210 काव्यालंकारसारसंग्रह of उद्ध with  
the comm. लघुवृत्ति of रघुनाथ ed with  
Introd Notes, Appendices etc.  
by N. D. बनहरी 229. Bp 2-8-
- 1211 काव्यालंकारसूत्रवृत्ति of रामन with  
the comm. कामधेनु of गोरेन्द्रटिप्पणसह.  
Roy. 8vo. pp. xviii-201 Cloth.  
Iv 2-8-
- 1212 — Text with extracts  
from कामधेनु by N. N. कुदकणी.  
1928, 8vo. pp. 126, Oa 1-8-
- 1213 — Engl. Trans. by Dr.  
Jha. 2ed Oa 1-8
- 1214 काव्यालंकारसूत्राणि (भट्टकार) with  
Gloss by र रामन and a comm.  
called काव्यालंकारकामधेनु by भीमो-  
बेन्साचिद्वरधरशास्त्रा ed. by रत्नगो-  
पालभट्ट. Bn 2-
- 1215 — ण्विहितरामनविरचितानि.  
N -12-
- 1216 वाशिका ( व्याकरण ) A Comm  
on पाणिनी's Grammatical Apho-  
risms by र रामन and जगदिश्वर्याचार्य  
ed by Pt. गंगाधरशास्त्री and र. रत्न-  
गोपालभट्ट. Ks 6-
- 1217 — पाणिनीयव्याकरण-  
सूत्रवृत्ति, ण्विहित जगदिश्वर्याचार्य, ता,  
रानडे उपाध्येन पं० बालकृष्णशास्त्रिणा परिशोधिता,  
सङ्गृहीतं हस्तलिखितं पुस्तके लिखितं pp.  
8vo. 830. Lj 6-8-
- 1218 — Two cantoes transl.  
Gr 1-

- क  
1219 काशिकावृत्ति—सूत्रा. *Ku* 6-  
1220 काशिकाविवरणपत्रिका or Nyasa  
by जिनन्द्रबुद्धि ed. by प्रो. श्रीशचन्द्र  
चक्रवर्ति. Complete in 3 Vols. with  
Introduct., etc. Vol. I (अध्याय  
1-4), Rs 9-/. Also available  
in 4 separate parts. Vol. II.  
Pt. I (अध्याय 5), Rs 2/8-  
Vol. II. Pt. II (अध्याय 6),  
Rs 5/-. Vol. III S. M. Series  
(अध्याय 7 & 8), Rs. 6/8.  
(Introduct. and title pages of  
Vols. I & II now available  
(complete set). *Vr* 23-  
1221 काशीखण्ड (पुराण) सटीक स्कन्ध-  
प्रकाशनागत. *Vy* -8-  
1222 काश्मीरसौविज्ञम्, Brief introd. to  
history, literature & doctrines  
of the अद्वैतसौविज्ञ philosophy of  
काश्मीर in Engl. *Km* 2-8-  
1223 काश्यपशिल्पम् । महेशरोपदिष्टम् ।  
*Ac* 3-1  
1224 Kosmographische Der Index.  
or the geography of the Indian  
Puranas by Kirfel W. 4vo.  
pp. 8, 26, 001.  
1225 Kosmographische Grundriss  
Uebersichten in नववर्णशास्त्र by  
John. W. 1-4-  
1226 किरणवल्लीप्रयोगसंग्रह (कर्म) पुरा-  
णिक. *Vy* -10-  
1227 किरणावली By उद्बन्धनाचार्य with  
the comm. of वसन्तोपाध्याय, ed. by  
M. M. शिवचन्द्र सर्वभरण (1911-  
12) Fasc. 1-3. *Br* each 2-4-
- क  
1228 किरणावलीभास्कर of पद्मनाथमिश्र.  
A comm. on Udayan's किरणावली,  
ed. with introd. by G. N. कविराज.  
8vo. pp. II. 10, 184, 8.  
*Sh.* 1-12-  
1229 किराताहर्षनीयम् (काव्य) Text of  
cantos I-III of किरातहर्षनीय, the  
great poem of भारवि with मल्लि-  
नाथ's comm. prose order of the  
श्लोक, notes, transl. into Engl.  
& ed. by M. R. काळे. 1928, 3rd ed.  
cr. 16 mo. pp. 200. *Br* 1-10-  
1230 — भारविभूत मल्लिनाथकृत-  
पञ्चापयटीकासहित. *N* 2-  
1231 — with the comm.  
शब्दार्थदीपिका of विश्वनाथ (सर्ग 1-3).  
*Vy* 2-8-  
1232 — with Engl. Transl.  
by L. R. Pangarkar, cantos  
I-X, R. pp. 109. *Gn* 1-12-  
1233 — (सटीकाङ्कावली) ed.  
by शुद्धनाथ रियासिनिधि. *Sd* 3-  
1234 — (सटीकम्) ed. by  
शशिधर चट्टोपाध्याय. *Sd.* 2-8-  
1235 — or अर्जुन's combat  
with the किरात, transl. from the  
original Sanskrit into German,  
and explained, by Prof. Carl  
Cappeller, 1912 Roy. 8vo pp.  
232. *Ho* 15-  
The subject-matter is taken from  
the great epic of India, the Maha-  
Bharata. Like the Ajax of Hephoc-  
les compared with the Ajax of  
Homer, this poem is an instructive  
example for the student of literary  
evolution or literary genetics. For

- centuries it has been acknowledged in India as one of the six *Mahakavyas* or most distinguished specimens of artificial poetry, a master piece of its kind
- 1235 — Cantoes 1-III with the comm. of मद्रिनाथ, Prose order of the Shlokas, Critical Notes, Literal Engl. Transl. and an Introd. fully touching the important points in the text by M. R. काळ *Si* 1-8-
- 1236 — कोलाचलमझिनाथप्रतिविरचितया षण्ठापथसमाख्यव्याख्यया सटीक संपुणम्. *Ch* 1-12-
- 1237 — ( सर्ग १-३ ) कोलाचलमझिनाथप्रकृतया षण्ठापथव्याख्यया, प श्रीकमललक्ष्मीकृतया भाषार्थदीपिनीव्याख्यया च सहस्रसहितम् *Ch* 4-
- 1238 — ( सर्ग १ते३ ) प. गणापरमिश्रकृतकौटोत्तरव्याख्या, व्याकरण, समास, केवहारार्थ-भाषाये सक्षिप्तकथानक समन्तकृतम् *Ch*
- 1239 — सटीक, सर्ग 1 & 2, publ by का. ग. भादिकर 8vo. pp 20 19, 22, 2. *Ba* 1-
- 1240 — Transl into Engl by P N वाटणकर. 1907, cr pp 36. -12-
- 1241 KEY, TO ARTE'S ससृष्ट Composition *Gn* 1-
- 1242 KEY, TO ARTE'S GUIDE *Gn*
- 1243 कुचिमारतन्त्र ( कामशास्त्र ) श्रीकुचिमारमुनिप्रणीतम् ed by म म मधुरा प्रसाद दीक्षित 1922 8vo pp 17. *Wl* 4-
- 1244 कृष्णद्वयाख्या ( काव्य ) ॥ ४२-श्रीकौरी विस्तृतव्याख्या *Vy* -6-
- 1245 कुट्टिनीमतम् ( कामशास्त्र ) *Gn* -6-
- 1246 — ( काव्य ) दामोदरगुणप्रणीतम्. *Km J* 1-
- 1247 कुट्टमुद्र ( देवक ) सर्गक सस्कृत. *Vy* -3-
- 1248 कुण्डरगनावली ( सटीक ) १४ भाङ्गी-सह *N* 1-4-
- 1249 कुण्डलियरामायण सटीक *La* -10-
- 1250 कुट्टिलिखान्तमार्तण्ड मयूखस्वामी रगाचार्यप्रणीत *Vy* -10-
- 1251 कुसकण्डिकाभाष्य ( कम ) मूल. *Vy* 4-
- 1252 कुन्दमाला by Dingnaga ed. by रामकृष्ण शेर and रामनाथशास्त्री. 1923 8vo. pp VI. 3, 84 *Oa*
- 1253 कुमारदास and his place in सस्कृत Literature by G. R. नरसिंकर 1908, 8vo. pp. xxxix
- 1254 कुमारपालचरित्र महाकाव्य ( जैन ) of जयसिंहहस्तरे. *Jb* 4-8-
- 1255 कुमारपालप्रतिबोध ( चरित्र ) A biographical work in प्राकृत by सोमप्रभाचार्य composed in Samvat 1241 or A. D. 1995 by हुन-जिनविजयजी 1920. *Ga* 7-8-
- 1256 कुमारसंभव ( काव्य ) -कालिदासकृत ( सर्ग १-७ ) सीतारामकृत ( सर्ग ८-१७ ) सजीवनीटीकासहित. *N* 1-
- 1257 — टीकाद्वयोपेतम्. *Kg* 2-
- 1258 — with two comm प्राशिका of अरुणशिरिणाथ and विवरण of नारायणपण्डित ( Part III Sar- grs 6th, 7th & 8th ) *Tr* 8-8

क

- 1259 — Text and Translation,  
by M. R. Kale, cantoes  
I-VIII complete. *Ad* 3-8-
- 1260 — सर्ग 1 by K. V. लडिकर  
*Bo* -12-
- 1261 — सटीक *Vg* 1-12-
- 1262 — (सर्ग 1 to 7) सटीकानुवादम्  
ed. by गुरुनाथ काश्यपः *Sd* -8-
- 1263 — (सर्ग 7th only) ed. by  
मैत्रेयचन्द्रकव्यागीश. *Sd* 1-8-
- 1264 — (सर्ग 1 to 7) चन्द्रिकासहित ed.  
by हरिदास चटोपाध्यायः *Sd* 1-8-
- 1265 — (सर्ग 1 to 7) सटीकम्.  
*Sd* -8-
- 1266 — (सर्ग 1 to 7) सटीकम्  
सटीकम्. *Sd* 1-8-
- 1267 — (सर्ग 1 to 7) सटीकम्  
ed. by हरिदास सिद्धान्तवागीशः *Sd*.  
1-8-
- 1269 — With two com-  
ments in संस्कृत (1) संज्ञावर्णा of  
मङ्गिनाथ 1 to 8 cantoes and 9 to  
17 cantoes by सीतारामकवि (2)  
शिबुहितैर्गर्ग. 1 to 17 cantoes of  
चरित्रार्थ 8th chapter. संज्ञा-  
वर्णा of सीतारामकवि and शिबुहितैर्गर्ग  
9 to 17 cantoes by कनयाशङ्क ठाकुर-  
*Ka* 1-8-
- 1270 — With the comm. of  
मङ्गिनाथ. Engl. notes and transl.  
by कृष्णमोक्षचर्य 1902, 8vo. pp. 2.  
21, 14, 4. *Md* -12-
- 1271 — Cantoes 1 & 2. *Vg* -2-
- 1272 — or Birth of the War god  
by कविराज, Rama Narayana. 2-

क

- 1273 कुलक्षेत्रमाहात्म्यम् *Vg* -2-
- 1274 कुलक्षेत्र or the Moral Nature  
of the Holy War to which the  
मनमोहा calls Mankind Cr. 8vo.  
pp. 56. *Vr* -6-
- 1275 कुलक्षेत्रमन्द. (अलंकार) चन्द्रालोक  
& अलंकारचन्द्रिकाटीका & वर्णक्रमकोश-  
सहित. *N* 1-
- 1276 — सटीक वं. जयदेवविरचित-  
चन्द्रालोकव्याख्यानस्य, अलक्ष्यदीप्तिविर-  
चित तथा वैयासकृत अलंकारचन्द्रिकानाम-  
टीकासहित. *Vg* 2-
- 1277 कुलक्षेत्रमन्दकारिका (अलंकार)  
(आशापदभट्टप्रणीतव्याख्यासहित) *A*-8-
- 1278 — or the memorial verses  
of अलक्ष्यदीप्ति, ed. and explained  
with an Engl. comm. and transl.  
by P. R. शर्मा 1903 Very rare.  
8vo. pp. VIII, 173, III 2-
- 1279 कुलक्षेत्रमणिनिर्माणा ed. by गिरि-  
सचन्द्रवैद्यनाथतीर्थ with an Introd.  
by अश्वमेधमार मित्र *Ti* 2-
- 1280 कुलक्षेत्रमन्द ed. by ताराशङ्क विद्या-  
रतन with Introd. in Engl. by  
Arthar Avalon. *Ti* 2-
- 1281 कुलक्षेत्रमण्डितम् (काव्य) *Gn* 5-
- 1282 कुसुमाञ्जलि Handful of flowers,  
easy सहस्र stories for high  
school standard IV. with expla-  
natory notes in Engl. by A. K.  
जगल, 1923, Pt. I 2ed. *Ka* 2-
- 1283 कुसुमाञ्जलि. (न्याय) श्रीमद्भारुचचार्य.  
विरचितम् श्रीहरिदासविरचितम् श्रीमद्भारुच-  
देव श्रीमद्भारुचविरचितम् विरचितम्  
श्रीमद्भारुचविरचितम् *Lh* -8-

- क  
1284 कुसुमाञ्जल्योपनिषी (न्याय) comm. on उद्दन's theistic Tract, Nyaya - Kusumanjali by Varadarsja - 80 pp. X 141 X. Sb 2-  
1285 धर्ममहापुराण (एक) Vy 3-8-  
1286 केतकीपरिशिष्टम् (गणित) रङ्गजन्म- गणितम् publ. by V. B. केतकर. - 8vo. pp. 10. -4-  
1287 केदारकरुण ( उपपुराण ) इन्द्रायामक- यान्तगत. Vy 2-  
1288 केदारखण्ड (पुराण) मूल, स्कन्दपुराण- न्तगत. Vy 6-  
1289 केदारमहात्म्य मूल. Vy 3-  
1290 केनोपनिषद् : सटीक शांकराचार्य- वाक्यभाष्योपेता । शंकराचन्द्रहस्ता केनोप- निषद् टीका, नाथयन्त्रातिरिचिता केनोपनि- षद् टीका च । Aa 1-  
1291 — Text, Engl. Transl. and original Comm. by K. चट्टो- पाध्याय. pp. 60. Lr -4-  
1292 — Transl. into Engl. with Shankara's Comm. by M. त्रिरिभन्ना. 1912. 8vo. pp. xiii 65. Vc -6-  
1293 — Text and Translation by स्वामी शर्मानन्द. 1919. 8vo. pp. 20. Ad. -6-  
1294 — With notes & mean- ing by K. H. शर्मा. 1920. 8vo. pp 12. Ad -6-  
1295 — Orig. मरुहू Text with मरुहू transl by V. K. लले, 1913 8vo. pp 10, 5, 135. 6-  
1296 — Orig. संस्कृत Text with मरुहू transl. and Comm. by G.  
क  
G. मल्ल. 1912. 8vo. pp. 2. 277. Ds 1-  
1297 केन & कठ Upanishads with the Comm. of शंकर, रामानुज & बाल- नोबिनीटीका by Pathak Ehastri. 1919. 80 pp. 88. O. 3-3-  
1298 केदारकरुण ( पुराण ) इन्द्रायामक- यान्तगत. Vy 2-  
1299 CHEMISTRY AND TOXICOLOGY OF NERIUM ODORUM with des- cription of newly separated active principle by दुर्गिजाल बोस. 1912. 8vo. pp. 38. Cu 1-12-  
1300 केरलमतप्रभञ्जनसंग्रह ( ज्योतिष ) Vy 5-  
1301 केवलानन्दययी शिरोमणि टीका, आगदीश- विरुति, अगदीशकृतटीका. Cc 1-  
1302 कैफियतवादी Containing His- torical Accots. of certain famili- es of renown in Deccan & S. M. Country under the Mahomedan & Maratha Govts selected by Late G. C. वाड, P. V. मावकी, & D. B. परतनीस. 1908 Roy. pp. 2, 264. Bo 5-  
1303 केवलयोगनिष्पत्त सटीक. Vy -1-  
1304 केवलयोगनिष्पत्तुः or पञ्चादध्य- विवेचक श्रीकृष्णदेवविरचित Mc 5-  
1305 केवलपरमलम्, भगवद्गीताप्रमाणोक्त- यनानामद्वैतवेदान्तशास्त्रानां पञ्चह, तत्रप्रवृत्ता श्रीमद्भागवतग्रन्थानुविता कर्तव्यम् साहित्य- दर्शनाधारकम् यान्त्रिकुपायग्रन्थमशास्त्रिणा पञ्चोपनिषद् । pp 143. Lz 1-  
1306 कोकसार ( वेद्यक ) Vy 2-  
1307 कोविन्दसन्देश Mn -4-

- क  
1308 कौटिलिह ( काव्य ) नाटयणभट्ट-  
Km5 1-  
1309 THE COURT PAINTERS OF  
THE GRAND MOGULS, by Lau-  
ronce Binyon with historical  
Intro. and notes by T. W.  
Arnold 1921, 8vo. ( 10+1 )  
pp. 86. and 40 Plates. 3 of  
which are in colour. Of 64-  
1311 कौटिलीयार्थशास्त्रपदसूची 3-4-  
1312 कौटिलीयम् अर्थशास्त्रं—म. म. गण-  
पतिशास्त्रिनिरचितं श्रीमन्नारूपय्यास्वोपेतम्  
Pt. 1 to 3. each. Tr 10-  
1313 — Transl. into Engl.  
by R. Shamashastry with intro-  
ductory note by Dr. Fiecol. 2ed.  
Md 6-  
1314 — with Intro. transl.  
& remarks in German, by  
Meyer J. 6 Paris, each Gr 12-  
1315 — नयनचन्द्रिका नामक प्राचीन-  
टीकाया टिप्पण्या च सहितः उत्तम-  
संस्करणस्य. Ch 10-  
1316 — साधारण संस्करणस्य. Ch 10-  
1317 — अर्थशास्त्रस्य अति प्राचीनो ग्रन्थ-  
कौटिल्यप्रणीतः । Part I & II. 3fr 4-  
1318 — Original texts prepared  
with the help of Munich ( Ger-  
man ) Mus; ed. with an extensive  
historical introd. of 47 pages,  
and Engl. notes by Dr. J.  
Jolly, and Dr. R. Schmidt. The  
ancient comm. Nayachandrika  
of Madhvaraja with various  
notes is also added. Vol. I con-

- क  
taining text and introd. Vol. II  
Comm. and notes. Mt 9-  
1319 कौन्तेयवृत्त ( काव्य ) दिवावागीश-  
वृत्त. KmD 1-  
1320 कौमुदीमित्रमिन्दनाटक ( जैन )  
श्रीरामचन्द्रपणीत. Bo 1-  
1321 कौमुदीमुधाकरम् ed. by चन्द्र-  
कान्त तर्कालंकार. Sd 1-  
1322 कौलोपनिषत् 2 अद्वैतभानुपनिषत्,  
3 अङ्गीपनिषत्, 4 कलिकोपनिषत्,  
5 त्रिपुराभोगोपनिषत्, 6 तारोपनिषत्,  
7 भवभूयोपनिषत्, & 8 भानुपनिषत्, ed.  
by संतारामशास्त्री with an introd.  
by Arthur Avalon. Tr 3-  
1323 कीर्तिकस्तुत see—अर्धवेद.  
1324 कीर्तिपत्तिका & मिथुपनिषत् with  
शंकरानन्दा's Comm. in Engl.  
Po 6-  
1326 कन्दर्पचूडामणी ( वैद्यक ) श्रीराम-  
देवविरचित. Yl 3-  
1327 क. दर्पचूडामणी ( वायुशास्त्र ) श्रीराम-  
प्रणीत पं० रामचन्द्रशस्त्रीकृतसंस्कृत-  
टीकासहित. Ml 1-  
1328 कंसवधनाटक—महाकविमीशेन-  
कृष्णकृत. N 8-  
1329 COMPANION to संस्कृत Gram-  
mar by K. G. शर्मा. 1895. cr.  
Pl. VI, 368. 1-6-  
1330 COMPARATIVE DICTIONARY  
OF THE LANGUAGES OF INDIA &  
High Asia with a dissertation  
by W. W. Hunter. 1868. Roy.  
pp. 218. Kp 10-  
1331 COMPARATIVE GRAMMAR OF  
THE DRAVIDIAN OR SOUTH-



- क  
INDIAN Family Languages, by Rev. J. L. Wyatt, and T. Ramakrishna Pillai. 8vo. Kp 14-
- 1332 COMPARITIVE GRAMMAR OF THE INDO-GERMANIC LANGUAGES by K. Brugmann; transl. into Engl by Conway & Rouse. Vol. I-V, including index. 110-
- 1333 COMPARATIVE HINDU MEDICINA MEDICA. by चन्द्रकान्त. 1923. cr. pp. ii. 198, ii, 6, 2, Cc 5-
- 1334 COMPARATIVE RELIGION. (Stephanos Nirmalendu Ghosh Lectures 1923 published in July, 1925) by Prof. A. A. Macdonnell. Roy. 8vo pp. 194. Cu 3-
- The work is the first course of lectures on Comparative Religion delivered under the auspices of the Stephanos Nirmalendu Ghosh foundation. The author has given a survey, in eight lectures, of all the important religions of antiquity, including an introductory one on 'Primitive Religion'. They embrace Confucianism, Zoroastrianism, Brahmanism (including Buddhism), Greek religion, Judaism, Muhammadanism and Christianity. These religions are treated objectively, not from the point of view of any particular one. It has been shown what they have in common, and to what extent each approaches universality, to the outlook of a world religion.
- 1335 COMPARISON OF THE CONTENTS OF ऋग्वेद, राजसूनेय, तैत्तिरीय and अथर्ववेदप्रातिशाख्य by मंगलदेवशास्त्री. Sbs 5-
- 1336 — of the गायत्र्यस्य शास्त्र, रामानुज केशवकाशमीरि & वल्लभ on some Crucial Satras. by Dr. R. D. Karmarkar. 1920. 8vo. pp. 63. Ca 1-8-
- 1337 COMPLETE WORKS OF स्वामि-विरेगनन्द. All the Vols. are of uniform size. 7 pts. each As 3-8-
- 1338 COMPLETE COLLECTION OF THE POEMS OF तुलसीदास, ed. by V. P. शिवदत्त & the life of the poet by J. S. गाडगीळ. 1869. Roy. pp. 742, 2 vols. 20-
- 1339 COMPLETE CATALOGUE OF THE LIBRARY, of B. B. R. A. S. Part I Authors, up to the end of 1915. 7-  
Part II—Subjects, up to the end of 1917. 9-
- 1340 कुर्यरत्नाकर (कर्म) मूल Pt 6. Vy 6-
- 1341 — of चण्देवर ठाकर, ed. by कमलकान्त लुहरीतल. 1921-25. B. 6-
- 1342 कृत्यसारसमुच्चय (धर्म) भट्टनाथ-विरचित व्रतादिनिर्णय. Vy 1-
- 1343 कृष्णजन्माष्टमी, or Birth of Lord Krishna. Text. ed. with various notes, transl. indexes and pictures by A. Weber. v. scarce, 1858 Gr 10-
- 1344 कृष्ण, A study in the theory of Avatars by Babu Bhagavan Das. Ad 1-

क

- 1345 कृष्ण and the 'पुराण'. An essay on origa and development of Vaishnavism by सीतानाथ तलङ्गण. publ. by श्रीगुरुनाथ संघ. 1926. cr. pp. IX. 134. Cr-1-4.
- 1346 कृष्णकर्मसूत्र (साध) of सीतानाथ with the comm. called सर्वज्ञसूत्र by पादपाद्मावधरि with an Introd. by K. Sundarama Aiyar. Cr. 8vo. Vb 1-8-
- 1347 ————— Vy -8-
- 1348 — प्रथमसूक्त in मराठी with comm.
- 1349 कृष्णपञ्चवेदीयकाण्डसंहिता, In 4 parts of the Black Yajurveda ed. with text, notes, introd. by L. V. Schroeder with a complete Index verborum by R. Simon. 4 vols. Cr 45-
- 1350 — तैत्तिरीयब्राह्मणः
- 1351 — तैत्तिरीयसंहिता. Kg 4-
- 1352 — संहिता. M -1-
- 1353 कृष्णनाटकम्. Mp -12-
- 1354 कृष्णमन्त्रिचण्डिका. (काव्य) Gn 5-
- 1355 कृष्णलीलावृत (काव्य). Vb 5-
- 1356 — with संस्कृत व्याख्या by भगवत्पाद मोहर, canto 1, cr. pp. 150. 2-
- 1357 कृष्णविलास (काव्य) of हनुमानचरित with comm. Sargass 1-4. Vc -12-
- 1358 — भगवद्गीतापरिनिर्वाचितम् रामपतिप्रभुविरचितं विष्णुसिन्धुव्याख्यासहितं हनुमान. Chn -12-
- 1359 — (सप्तसप्तशतम्) 1-4 हर्षः -10-

क

- 1360 — (1st class) Mp 1-4-
- 1361 — (2nd Do) Mp -2-
- 1361a — (3rd Do) Mp 1-
- 1362 कृष्णानन्दकहरी (काव्य) संस्कृत-मोक्षलाघ्यासहित. Vy -2-
- 1363 कृष्णमृततरङ्गिका सर्वाका. Vy -6-
- 1364 कर्मदीपिका (वेद्यवत्तन्त्र) By काश्मीरक केशवभट्ट with a comm. by श्रीगोविन्दभट्ट. Ka 1-8-
- 1365 — (स्तोत्र) म. म. केशवभट्ट विरचित विष्णुविनोदश्रीगोविन्दहार्दयादि-कृतविरचितेता भाग 1 सम्पूर्ण. Bu 4-8-
- 1366 कृष्णतट्टीमुखसिवाचक्रीडिका (न्याय) Kg -8-
- 1367 THE CROWN OF HINDUISM, by J. N. Farquhar, 1913 A D, 8vo. (8½ x 5½) pp. 470. O/ 6-
- 1368 CHRONOLOGY OF ANCIENT INDIA (From the times of the Rigvedic King Divodasa to Chandra-Gupta Maurya with glimpses into the Political History of the period) by Sita Nath Pradhan Roy. pp. XXIV, 291. Ch 6-
- 1369 — of Ancient India by गोपाल भट्ट 1901 cr. pp. VII 90, 1st & 2nd series. Nd 3-
- 1370 विद्याकंद, Hindi transl. by उमापाद रायचन्द्रजी-गणेशी अनुमर्तित. cr. pp. 42. -3-
- 1371 ORATION—according to Tantra, by Sir. John Woodroffe. 77 1-8-

\*

- 1372 CRITICAL EDITION OF THE MAHABHARATA Fascicule I pp 60). 2-4- The price of the complete set is to be 175 (bound) & 165 (unbound), the price being reduced to 150 and 140 respectively if paid in advance Bp
- 1373 CREST-JEWEL OF WISDOM OF श्रीशङ्कराचार्य by M M Chatterji and श्रीशङ्कराचार्य of Sri Shankaracharya by J N Parmanand. Rr -8-
- 1374 CRADLE—LAND of Arts & Creeds by Charles J Stone 1880 pp XX, 419. 15-
- 1375 THE CRADLE OF MANHIND- LIFE IN EASTERN KURDISTAN By W A Wigram D D and Sir Edgar Wigram With 18 Page Illustrations Demy 8vo 10s 12-
- 1376 नौवपत्रसंग्रह ( न्याय ) or critical notes on अनुमानभाष्यशास्त्र and अनुमानभाष्यशास्त्र of श्रीकार्तिकहरिमिश्र-द्वारा ed by म म व निम्बकर-प्रसाद द्विवेदी, व रामचरण भट्टाचार्य and बुद्धिराज शास्त्री Ch 12-
- 1377 THE CALENDAR FOR 1924, University of Madras vol II List of High school-recognised, Affiliated Institutions Endowments Graduates & tabular statements 1924 cr pp X, 583 M1 2-
- 1378 CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE By A M Keith 1923 Crown 8vo ( 711 5 ) pp. 154 Of 1-14-
- 1379 Classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion, Geography, History and Literature. By Prof John Dowson M R A S Sixth Edition Kp 8-
- 1380 CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE Crown 8vo Cloth As 1-8-
- 1381 CLIMATIC CHANGES, THEIR NATURE and cause by Huntington E and Visser S-1922 15-
- 1382 CALLIGRAPHY SPECIMENS OF CALLIGRAPHY in the Delhi Museum Gil 5-2-
- 1383 A Catalogue of the Archaeological Relics in the Museum of the Varendra Research Society Raychaudhary Compiled by Prof Radhagovinda Basal, and Prof Dinesh Chandra Bhattacharya Vr -12-
- 1384 A CATALOGUE, (DESCRIPTIVE), OF MSS IN THE CENTRAL LIBRARY, BARODA vol 1 (veda Vedakalpa and Upanishads), compiled by G K शर्मा and K M Ramaswami Shastri, with a Preface by Dr Bhattacharya, Ph D 1923 Gs 6-
- 1385 — OF THE PROVINCIAL CABINET OF COINS EASTERN, BENGAL & ASSAM Gs 5-

- 1386 — OF THE PROVINCIAL  
CABINET OF COINS ASSAM  
(supplement) *Gi* 12-
- 1387 — OF COINS IN THE  
PROVINCIAL MUSEUM, LUCKNOW  
by O. J. Brown. Coins of the  
Mughal Emperors. in two  
volumes. pp. xvi + 90 + iv + 468,  
map and 22 plates. Published  
for the U. P. Govt. *Of* 40-
- 1388 — OF INDIA OFFICE  
LIBRARY. *Gi* 80-  
Vol. II part II Hindustani Books  
by Blumhardt 4-  
Vol II part III, Hindi, Panjabi,  
Pushtu & Sindhi 4-  
Vol II part IV, Bengli, Uriya &  
Assamese. 4-  
Supplement 1926—1929 Bengali  
Books. 16-  
Vol II part V Marathi & Gujrati  
Books. 4-  
Arabic Mss. by O. Loth 11-8-  
Mandalay Mss by Fausboll 1897  
1-10-  
Pali Mss by H. Oldenberg 1892 4-  
Two collections of Persian & Ar-  
abic Mss 4-  
Sanskrit Mss by J. Eggeling parts  
1—7 (1897 to 1904) each 8-
- 1389 — OF INDIAN DRUGS  
with मराठी transl. revised, ex-  
amined and reported on by W.  
Dymosk. 1883, 8vo pp. 32.
- 1390 — YEARLY, OF THE LIBRA-  
RY OF THE B. B. R. A.  
SOCIETY. each. -8-
- 1391 — OF THE LIBRARY OF  
THE INDIA OFFICE, HINDUSTANI  
BOOKS by Blumhardt. J.—  
1900. 15-
- 1392 — ( DESCRIPTIVE ) OF  
MSS. IN THE GOVERNMENT MSS.  
LIBRARY at the B. O. R. In-  
stitute, Vol. I part I, Samhitas  
and Brahmanas. *Br* 4-
- 1393 — ( DESCRIPTIVE ) OF  
MSS. IN THE JAIN BHANDARS  
AT PATTAN; edited from the  
notes of the late Mr. O. D.  
Dalal, by Pandit L. B. Gandhi  
2 vols. *Co*
- 1394 — OF ORIENTAL LIBRARY  
संस्कृत MANUSCRIPTS. *Br* -12-
- 1395 CATALOGUS CATALOGORUM,  
An Alphabet Register of  
संस्कृत works and authors, by  
Aufrecht. *Bu* 75-
- 1396 — संस्कृत MSS. in the  
R. A. S. with an Appendix by  
F. W. Thomas, ed. by M.  
Winternitz. 1902. *Ra* 5-
- 1397 — OF संस्कृत MSS. LEIP-  
ZIG UNIVERSITY. *Gr* 30-
- 1398 — OF संस्कृत MSS. IN  
MYSORE AND COORG, COMPILED  
for Govt. by L. RICE. 1884.  
Roy. pp. 2, 2, 327. 15-
- 1399 — OF संस्कृत MSS. IN THE  
LIBRARY OF HIS HIGHNESS THE  
महाराजा OF बिकानेर compiled by  
राजेन्द्रनाथ मित्र. 1880, 8vo. pp  
XII, 745. *Ct* 5-

- 1400 — DESCRIPTIVE OF मसूत  
AND पाठ MANUSCRIPTS in the  
Library of the B. R. A.S.  
by H. D. देवगकर. Vol. I 5-
- 1401 — OF संस्कृत- and पाठि  
books in the British Museum.  
by HAAS E. 1875. 25-
- 1402 KANARESE LITERATURE by  
E. P. Rice, 2nd ed. CROWN  
8vo. As 1-8-
- The fruit of patient work on the  
part of a small number of pains  
taking scholars who have laboriously  
pieced together the scattered infor-  
mation contained in inscriptions on  
stone and copper and in the colo-  
phons and text of palmleaf manu-  
scripts
- 1403 QUESTIONS OF मिलिन्द by Bhi-  
kku Nyanatiloka. 6-
- 1404 THE QUESTIONS OF KING  
MILINDA, from the Pali, by T.  
W. Rhys Davids Vols. I-II  
Of 31-8-
- 1405 CASTS IN INDIA, HISTORY of,  
see—The History of casts in  
India.
- 1406 CHRONOLOGY, INDIAN & FO-  
REIGN, see—Indian and Foreign  
Chronology.
- 1407 COMPARATIVE LANGUAGES,  
a grammar of, see A Grammar  
of Comparative Languages
- 1408 — RELIGION, LECTURES ON,  
see—Lectures on Comparative  
Religion.
- 1409 — Philosophy, a short  
manual of, see—A short manual  
of Comparative Philosophy.
- 1410 COPPER PLATES & INSCRIP-  
TIONS in V. R. Society, a dis-  
criptive list of, see—A des-  
criptive list of copper plates  
and Inscriptions in the V. R.  
Society.
- 1411 CONCEPTION OF कर्म, see—कर्म  
the Conception of.
- 1412 CONFACIANISM, THE TEXTS  
of, see—Texts of Confacianism.
- 1413 कम्बोडिया, Indian cultural in-  
fluenco in, see—Indian Cultural  
Influence in कम्बोडिया.
- 1414 कपिल, साख्य Philosophy of,  
see—The साख्य Philosophy of  
कपिल.
- 1415 कर्मयोग, The ideal of, see—  
The ideal of कर्मयोग.
- 1416 काठकसहिता, An index Ver-  
borum to, see—An index Ver-  
borum to काठकसहिता
- 1417 काठेवाड, प्राकृत and संस्कृत in-  
scriptions of, see—प्राकृत & संस्कृत  
inscriptions of काठेवाड
- 1418 कालिदास, the birth place  
of, see—The Birth-Place of  
कालिदास.
- 1419 कालिदास and विक्रमादित्य, the  
Date of, see—The Date of कालि-  
दास and विक्रमादित्य.
- 1420 KILWAED, HISTORY OF, FROM  
ARABIC manuscripts, see—A

क

History of Kilwaed from Arabic Mes.

1421 KING MINDEN, The pageant of, see—The Pageant of King . Minden.

1422 कोसल, THE SAGE and the King in, see—The Sage and King in कोसल.

1423 कुराण, ETHICS of, see—The Ethics of कुराण.

1424 कौटिल्य, the historical gleanings from, see—The Historical Gleanings from कौटिल्य.

1425 खड्गदासक ( काव्य ) सर्दीक

*Km. II 1-*

1426 खण्डनखण्डलाद्यम् (वेदान्त) by श्रीहर्ष with the comm. खण्डनकर्मिकविन-  
शान by आनन्दवर्ण with extracts  
from the comments of विश्वसू-  
शकरमिश्र & रुद्रनाथ, ed. by Dr. गंगानाथ  
शा & व. हरमणशास्त्री प्रवीर. *Ch 14-*

1427 — (The Sweets of Refuta-  
tion) Translation by गंगानाथ शा  
- Vol. II *Alt 5-*

1428 — Engl. Transl by Dr.  
Thibaut and Dr. Ganga Nath  
Jha, 5 vols. *Lt 10-*

1429 — ( वसंति ) edited by  
६. बाबू मिश्र 8vo. pp. 217 *Ch 2-*

The book is an astronomical work  
by the great scholar Brahmagupta.  
It contains the commentary called  
*Varaha Bhaskara* by Amerasia

1430 खण्डनपरिशिष्ट ( वेदान्त ) श्रीनारा-  
यणशास्त्रिणा विरचितम्. *Ch -8-*

1431 खण्डनोद्धारः अर्थात् श्रीहर्षकृतखण्डन-  
सूत्रभाष्यस्य समाधान, श्रीवाचस्पति-

ग

मिश्रविरचितः पण्डितविन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवे-  
दिना ढकपाठशालीयन्यायशास्त्राध्यापकेन  
न्यायाचार्योपाधिधारिणा श्रीवामाचरणभट्टा-  
चार्येण च ससूतः pp. 182. *Lz 24-*

1432 खगोलचित्रम् (ज्योतिष) by काली-  
नाथ मुखोपाध्याय. *Sd 3-*

1432<sub>at</sub> खरोष्टी Inscriptions discover-  
ed by Sir Aurel Stein in China-  
so Turkestan, Part I. Text of  
Inscriptions discovered at the  
Niya Site, 1901. Transcribed  
and edited by A. M. Boyer,  
E. J. Rapson, and E. Senart.  
1920. super Roy. pp. viii+154,  
with six separate plates.

*Of 22-8-*

1433 खाश्रीगृह्यसूत्र वररुद्रनाथसह. *De 1-*

1434 खालिडजा AND INDIAN देस  
- by B. G. रिडक, 8vo pp. 9-15

*-E-*

1435 गणकलसमह ( संगीत ) *Vj -10-*

1436 गणकारिका ( वेदान्त ) A work  
on Philosophy ( पाण्डुपतमत ) by  
भारतर्षा who lived in the 2nd  
half of the 10th century, ed.  
by O. D. दान 1921. *Go 1-6-*

1437 गणदर्पण ( व्याकरण ) रामनाराण  
शिरोमणि *Sd 1-8-*

1438 गणपरमार्थज्ञानक सर्दीक ( जैन ) of  
जिनरत्न रुद्रि. with the comm. of  
सर्वसागरणी. *Lb 2-1-*

1439 गणरत्नमार्गदर्धि । *II*

1440 गणपथधर्मपरिचर्य ( वेदान्त ) *N -2-*

1441 गणपतिस्तोत्र. *N -5-*

1442 गणेशगीता ( वेदान्त ) *N -4-*

1443 — ( Silk cover ) *-6-*

- ग  
1444 — नीलकण्ठविरचितटीकासमेता।  
Aa 2-  
1445 गणेशपुराण (Loose) Gn 6-  
1446 गणेशसहस्रनाम N -8-  
1447 गणेशसहस्रनामावली. N -3-  
1448 — मूल. Vy -3-  
1449 गणेशायर्चनार्थम् । (वेदान्त)समाख्यम्।  
Aa -2-  
1450 गणेशाष्टक ( स्तोत्र ) N -8-  
1451 गद्गनिग्रह. ( वेपक ) भीमोदलवैद्य-  
निरचितः । अथ प्रयोगसङ्ग्रहप्रथमो  
भागः । अस्मिन् सङ्ग्रे पुनरेकचूर्णमुद्रिका-  
सुवाक्येहाख्याः बहुविकाराः सन्ति । द्वितीय  
संस्करणम् । Yf 2-  
1452 गद्गनिग्रहस्य द्वितीयो भागः—काव-  
चिक्रिता शब्द-शालाख्यभूततन्त्र-कोमार-  
भूत्यागस्तम्भ - रत्नायन-वाजीकरण-वज्र-  
कर्मविध्याख्यनवसङ्ग्रहप्रथमः । Yf 4-8-  
1453 गद्यपद्यमुक्ताहार ( काव्य ) with  
copious Engl. notes and Exha-  
ustive glossary by भवानीशकर सुत-  
टणकर, 1915, pt.1 cr. pp 3, 4,  
180, 70. Gn -9-  
1454 गद्यसर्मह ( काव्य ) ed by महेन्द्र-  
चन्द्र व्याकरण. Sd 1-  
1455 गद्यसाहाय्य. Vy -8-  
1456 गद्यायात्रापद्धति (कर्म) Vy -4-  
1457 गर्गसंहिता (रतिहास) मूल, Vy 6-  
1458 — भद्रमेघसङ्घ. Vy 1-4-  
1459 गरुडपुराण—( सटीक ) शारदा-  
N -14-  
1460 गरुडमहापुराण सङ्ग्रहम्. Vy 7-  
1461 — संस्कृतटीकासमेतम्. Vy 1-4-  
1462 — Engl Transl by M.  
V. दत्तात्रेय. 1908, 8vo pp X,  
VI, 784. G 10-  
ग  
1463 GUIDE TO THE BUDDHIST  
RUINS of सारनाथ by R. B. Daya  
Ram Sahani Gt 13-  
1464 — To the Observatories  
at दिल्ली, जयपुर, उज्जयनी and बनारस,  
by G. R. Kaye. Gt 2-4-  
1465 — TO LEARNING संस्कृत  
COMPOSITION by A. C. दत्त and  
R. K. महापात्र. 1912, cr. pp. 132.  
Cc -8-  
1466 — TO SANSKRIT COMPOSI-  
TION—being a Treatise on  
Sanskrit Syntax, for the use of  
Schools and Colleges by V. S.  
भाष्ये. cr. pp. 136. St 2-12-  
1467 — TO SANSKRIT SANDHI-  
ES. Gn -2-  
1468 — TO SECOND BOOK OF  
संस्कृत By R. G. भाष्यारकर.  
Gn -1-8-  
1469 — TO FIRST BOOK OF  
संस्कृत by R. G. भाष्यारकर. Gn 1-  
1470 THE GODS OF NORTHERN  
BUDDHISM. Of 63-  
Their History Iconography, and  
Evolution through the Northern  
Countries, by Alice Getty with  
a general Intro translated from  
the French of J. Deniker and  
illustrations from the collection  
of Henry II Getty 1914 Demy  
Quarto ( 11x9 1/2 ), pp 246 with ten  
plates in colour (nine by Demoulin  
of Paris) and fifty-four in black  
and white.  
1471 गायामस्तवती (काव्य) भीमदत्तवाहन-  
निरचिता, गद्यपरमपद्धतिकाव्यविद्या-  
N 3-

- य  
1472 गादाधरीपञ्चलक्षणी (न्याय) चिन्ता-  
मणि-दीपिते-गादाधरी-कृष्णमदीय-न्याय-  
रत्नेति न्यायपञ्चम्यासयहः सिंह्याव-  
लक्षणसार्वभौमपरिभाषावेतः । N 1-8-
- 1473 — Su -8-
- 1474 गादाधरी-चतुर्दशलक्षणी,  
Su 1-14-
- 1475 गान्धार by Foucher. Gt 22-
- 1476 — The notes on the  
ancient geography of, (a com-  
mentary on a chapter by Hsien  
Tsang.) Transl. by H. Har-  
greaves 1915. Gt 2-2-
- 1477 गान्धर्वमञ्जरी ( संगीत ) गोपिका-  
गीत. Mp -2-
- 1478 गायत्रीतन्त्र श्रीमच्छंकरभुवनिनिः-  
सृतम्. Ch -8-
- 1479 गायत्रीतन्त्र, Orig. संस्कृत with  
Hindi transl. by बलदेव प्रसादजी  
हस्तार्नदजी मिश्र. 1916, cr, pp.  
109, 3. Vy -8-
- 1480 — शंकरभुवनिनिःसृतम्. Vy -8-
- 1481 — पटल ( स्तोत्र ). Vy -2-
- 1482 गायत्रीपुराणपद्धतिः 1 श्रीमच्छं-  
कराचार्यद्विरचित्ता चारं शब्दनामकमि-  
तिरचित्ता च At 1-8-
- 1483 गायत्रीरामायणम्. Rm -1-
- 1484 THE GOSPEL OF LIFE by  
F. T. Brooks. An introd. to the  
Study of the भगवद्गीता and the  
उपनिषद्स. Vol. 1, pp. 400 Fr 1-8-
- 1485 गिरिशालोत्तर चरित्रपतिस्तुति.  
Vy -1-
- 1486 गीतगोविन्द (काव्य) महाकवि श्रीजय-  
देवद्विरचितः शुभद्वयतिप्रतिपादिकविद्या-
- य  
न्याय्या, म. म. संहारविरचितरत्नमञ्जरी  
न्याय्यासहित. N 1-2-
- 1487 — otherwise known as  
गणपती by श्रीजयदेव. Pt. I & II  
cr, pp. 22. Vy -8-
- 1488 — Vy -6-
- 1489 — मूलभाष्य. Vy -3-
- 1490 — French Transl. by M.  
G. Courtillier. 2-
- 1491 गीता—( वेदान्त ) रामानुजभाष्य-  
सह. Vy 2-
- 1492 — सुप्रोपमरार्ता, नाकरभाष्या-  
नुसार ( अवतरण, मूलशेष. अन्वय,  
सरल व सुप्रोपमार्थ, साधकानुवृत्तिव-  
लोकन. ) शरीररूप व चतुर्भुज भक्तिव्य  
चित्रसहित. pp. 390. Ak 2-
- 1493 — and gospel by J. N.  
Farquhar. 1917, cr, pp. 2,  
106. Gt -6-
- 1494 गीतार्थसंग्रहः ( वेदान्त ) रत्नभाषितः  
Su -6-
- 1495 गीतातात्पर्य ( वेदान्त ) By  
शंकराचार्य, and its comm. न्याय-  
दीपिका, by श्रीजयदेवस्वामि. श्रीमन्ना-  
चार्य wrote two भाष्याs or comm-  
ents on the भगवद्गीता, 1 गीताभाष्य  
and 2 गीतातात्पर्यनिर्णय. This न्याय-  
दीपिका is again the comm. on  
गीतातात्पर्यनिर्णय with the gloss  
तात्पर्याव. At 7-
- 1496 गीताभाष्य ( वेदान्त ) A study  
in Analytical Ethics and socio-  
logy by B. R. सन्यासे, pt I, cr.  
pp. 18. 3-
- 1497 — ( वेदान्त ) श्री मन्नाचार्य with  
the टीका प्रथमद्वयिका by जयदेवस्वामि



- and with the gloss भवत्लकोष by  
भासुमनोन्द्रस्वामा and गीताविहृति,  
an orig comm of भगवद्गीता  
according to मध्वाचार्य *Mo* 7-8-
- 1498 गीतारहस्यम् (वेदान्त) or वृत्त-  
दर्शनम् by महाराष्ट्रिय 1922 *Itoy.*  
pp 76 1-
- 1499 गीर्वाणपुस्तकसंस्कृत-महादेश ed &  
publ by J. V अक्ष 1915 8vo  
pp 25, 638, 16, 3 5-
- 1500 गीतिशतक (काव्य) श्रीसुन्दरचार्य  
द्वय *Km J* 1-
- 1501 गुणस्थानकमारोहवृत्ति गद्य ( जैन )  
of रत्नसालक्ष्मी *Jb* 1-8-
- 1502 गुप्त STYLE OF ARCHITEC-  
TURE and the origin of शिल्प  
by E H Havell, 8vo. pp.  
44. 416 *Bp* -8-
- 1503 गुप्तसाधनतन्त्र Original संस्कृत  
with Hindi Transl by चन्द्र प्रसाद.  
1917, or pp 100. *Vy* -6-
- 1504 गुर्वचली ( जैन ) -4-
- 1505 गुरुपरंपराचरित्र सर्वाङ्ग *Vy* -10-
- 1506 गुरुपरंपरास्तोत्राणि मू., मूक्तवि-  
हृतानि *Ft* -2-
- 1507 गुरुप्रसादमहीमादर्श ( स्तोत्र ) मू.,  
by भादृष्णशास्त्रा -1-
- 1508 गुरुसातनाकराष्टम by हरिकृष्ण  
*Vy* 1-5-
- 1509 गुरुपादुकास्तोत्र ( याग ) शिवायक-  
विनिर्गतदुगादासभट्टाचार्यकृतकाव्यसहित  
*Cc* -3-
- 1510 गुरुवंशद्वय of लक्ष्मणशास्त्रा with  
his own comm called भाववाचिनी.  
A very rare work treating of  
the line of जगद्गुरु in the १०-११
- ग  
मठ beginning from श्रीशंकरभगवत्पाद  
ed. by नन्दाचरणशास्त्रिण cantos  
1-7 *Vv* 1-8-
- 1511 गूढार्थदीपिका ( वेदान्त ) A comm  
on रासपञ्चाध्यायी of भागवतदर्शनसम्बन्ध  
by धनपतिश्रि and रसबाल्या ( शुद्धा-  
द्वैतवेदान्त ) by जगन्नाथशर्मा, ed. by  
रत्नगोपाळभट्ट. *Bn* 4-8-
- 1512 — A comm on भगवद्गीता  
of the Tenth chapters of  
श्रीमद्भागवत of धनपतिश्रि, ed. by  
रत्नगोपाळभट्ट *Bn* 1-8-
- 1512a — प्रवरगीत *Kg* 1-8-
- 1512b — रासपञ्चाध्यायी *Kg* 4-8-
- 1513 गोवर्णमाहात्म्य *Vy* -2-
- 1514 गोप्रप्रवरनिबन्धकद्वय ( कर्म )  
*Vy* 3-
- 1515 गोद्विरीमाहात्म्य or गीतमीमाहात्म्य  
मू. *Vy* 2-
- 1516 गोदास्तोत्र or लक्ष्मीस्तोत्र. *Vy* -3-
- 1517 — तथा श्रीनृसिंहसहस्रनाम  
विशालाष्टक. *Vy* -3-
- 1518 गोपदेवचन्द्रिका ( स्तोत्र ) -2-
- 1519 गोपध्यायसंस्कृत text ed by  
Gaastra D 1919 8vo *Br* 10-
- 1520 गोपालचम्पू श्रीगोविन्दोत्तमप्रणीत.  
वृत्तान्त 10-
- 1521 गोपालचण्ड ( स्तोत्र ) *Vy* -3-
- 1522 गोपालविशेक सर्वाङ्ग ( रा रा )  
*Vy* -6-
- 1523 गोपालसहस्रनाम-गोपालचण्ड तथा  
गोपालस्तोत्राञ्ज *N* -3-
- 1525 — *Vy* -7-
- 1526 — मन्त्र राधास्तोत्रसहित *Vy* -2-
- 1527 — पार्थ सर्वाङ्ग. *Vy* -5-

- ग  
1528 गोभिलगृह्यम् (वेदिक) ed. by  
by M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार  
with his own comment, 2nd  
edn. (1906-1908).-1 & 2 Vol.  
Bi 6-12-
- 1529 गोभिलगृह्यसंग्रह An appendix  
to the गोभिलगृह्यम् with the  
commentary by the editor.  
M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार. Bi 1-8-
- 1530 गोभिलपरिशिष्ट (Appendix) con-  
taining हस्त्यश्विन, स्तनधन-  
परिशिष्ट, भाद्रकल्प, भाद्रकल्पपरिशिष्ट  
with भाष्य, by M. M. Chandra-  
Tarkajankar. (1909). Bi 2-4-
- 1531 गोरक्षसिद्धान्तसंग्रह ed. with in-  
trod. by कविराज. 1925; 8vo. pp.  
2, 80, 2. Sd -14-
- 1532 THE GOLDEN LPOENY OF  
INDIA, or Story of India's  
God-given Cynosure (Sunas-  
hepha-Devarata) Lu 7-8-
- A Vedic theme of human life and  
divine wisdom ordained to be reho-  
arsed at coronations of Indian  
kings. A faithful paraphrase in  
Engl verse side by side with a lite-  
ral transl Illustrated by copious  
Notes, by William Henry Robinson.
- 1533 GOLD-TOUCKER'S PAMINI.  
(Reprint). Po 5-
- 1535 गोल्डबोयः (ज्योतिष) बन्दितभामोता-  
रामसर्महृतः, सप्तसुखाद्यष्टोत्तराष्ट्याद्यान्यं  
द्वारा गोष्ठीपतिदिदि साधुर्वचन, बन्दि-  
नस्य च भाष्येनोद्दिष्टम्. Gb -8-
- 1536 गोल्डपिपि (ज्योतिष) by वसुधा.  
Tr -4-
- म  
1537 गोलीयरेखागणितम् (ज्योतिष) ५.  
गोल्डमन्त्रविश्वचितम्, परिशिष्टविशेषक-  
गोलीयरेखागणितसहितम्, पं. श्रीराजवंशी  
श्री मेघिलकृतविकारिकाएवमोपनि-  
वीक्यसहितम् । तथा गोलीयरीलागणितम्  
म. म. पं. श्रीमुषाकर द्विषदि हृतम् । पं. श्री-  
राजवंशीश्रीश्रीयटीकासहितम् । तथा गोल्ड  
बोधः पं. श्री. सतिराय हृतः तैत्तिरि विर-  
चितटीकासहितः Ch -12-
- 1538 गोयर्दमसुरिप्रभाष—( रा. सा. )  
कृष्णनरसामा पुष्करपासा स्तोत्र संपद.  
Vy -4-
- 1539 गोविन्दाष्टक मूक, श्रीसंकरभगवत्पा-  
दाचार्यकृत. Vy -5-
- 1540 — तथा हृष्याष्टक. Vy -6-
- 1541 गोविन्दय गंगाप्रसादमरठीकृत.  
Vy -2-
- 1542 गौडयय (प्राकृतकल्प)राजययविरच्य  
संस्कृतटीकासहित. 5-8-
- 1543 गौडलेखमाला Inscriptions  
of the Chandra, Varman  
and Sena Dynasties of Bengal.  
Text in Nagari character with  
plates, English transl. Introd.  
and notes etc., by N.G. हनुमन्तर.  
Vol. III. Vr.
- 1544 गौडीयधामप्रकाशमहाविष्णु  
(कर्म) एव. Vy 4-
- 1545 गौतमयुद्ध (चरित). As 1-8-
- A brief biography of the founder  
of Buddhism accurate sympathetic  
imaginative, and suggestive An  
excellent manual for the beginner,  
but also a readable and inspiring  
volume for the advanced student

म

A biography (Based on the Canonical Books of the Theravada) by K J Saunders

- 1547 गौतमतेज गौतमप्रणीत. Vy 1-8-  
1548 गौतमपुच्छावृत्ति ( जैन ) जयशेखर-  
विरचित. Jb 24-  
1549 गौतमसुधम् ( धर्म ) हरदत्तहृत्तमि-  
ताक्षरादीकाश्रमेतत्. Aa 2-8-  
1550 — मत्स्यो भाष्यसह. B 3-8-  
1551 गौतमप्रणीतन्यायसूत्राणि । गस्त्या-  
यनभाष्यविश्वनाथवृत्तिसमेतानि । Aa 4-8-  
1552 गौतमस्तोत्रम् जिनप्रभहुरिभिरवि-  
तम्. Km 1 1-  
1553 गौतमीयतन्त्र (मन्त्र.) महावैष्णव-  
प्रणीत. Vy 1-8-  
1554 गौडहो of काली. A Prakrit  
Historical poem originally ed.  
by S. P. पण्डित Re-edited by  
N. B. उदगीकर. pp. 422. 5-8-  
1555 गीरिकामालिकातन्त्र—संस्कृतम्  
with Hindi Transl. by बन्धु मिश्र.  
cr. pp. 4, 82.  
1556 गीरीस्वदेवमञ्जरी (काव्य) Vy 3-  
1557 गंगावतरणम् A Kavya by नील-  
कण्ठ दीक्षित. in 8 cantos. Cr 8vo.  
Illustrd Vi 8-  
1558 — श्रीनीलकण्ठदीक्षितविरचितम्.  
N 8-  
1559 गंगामहात्म्यम्. Vy 3-  
1560 गंगालहरी (काव्य) मृ. N 1-  
1561 — पद्मपुराणे व्याख्यासहित  
N 7-  
1562 — ( स्तोत्र ) मृ. पण्डित जग-  
न्नाथकृत. Vy 2-  
1563 गंगामहत्त्वनाम. सुश्रुत. Vy 4-

ग

- 1564 गंगतन्त्रादि by L. Rice. 8vo. pp.  
237-248.  
1565 गङ्गिकाखेलनम् गीतिकावृत्तम्.  
Km 18 -1-  
1566 गन्धोत्तमनिर्णयतन्त्र ( मन्त्र ) इसमे  
भवका विवेचन हे. Vy 8-  
1567 गृह्यसूत्र (वेदिक) by पारस्कर with  
इतिहास. Vy 2-  
1568 गृह्यसूत्राणि by H. Oldenberg.  
Vol I & II. Of 22-8-  
1569 — Indische Honsregeln  
by Loth Otto. G 2-1-  
1570 ग्रहशास्त्रि ( कर्म ) शुद्धयज्ञवैद्यक.  
Vy 10-  
1571 गृह्यसूत्रम् ( जैन ) ज्ञानचन्द्रजी  
महाराजकृत. -6-  
1572 — ( जैन ) by श्रीविजयधर्म-  
खरि, publ. by प्रेमचन्द. रतनजी and  
चन्द्रनाथ पुनमचर 1922, cr. pp. 19.  
1573 ग्रहकावच ( ज्योतिष ) गणेशदेवक.  
विरचित प. सुभाकरद्विवेदीकृतसंस्कृत  
टीकासहित Vy 4-4-  
1574 ग्रहकावचकरण ( ज्योतिष ) गणेश  
देवककृत प. सुभाकरद्विवेदीकृतटीकासहित.  
4-4-  
1575 ग्रहकावचमारणी ( ज्योतिष ) Vy 1-8-  
1576 — Vy 1-  
1577 — by गंगाधरमर्मा.  
1923 Roy. pp 84 Vy 1-4-  
1578 ग्रहगणितम् ( ज्योतिष ) or the  
tables of the Sun, Moon and  
the planets with precepts for  
their use and theory by केनकर.  
1914 -8vo. pp 3, 163. On 2-  
1579 — by केनकर. 1899. 8vo.  
pp 2, 83. On 1-

ग

1560 ग्रन्थमाला. प्रेम न मोट by डो ग.  
दा. रईकर. 8vo pp 46 -6-

1581 GRAMMAR OF COMPARATIVE  
LANGUAGES with index by Bopp  
Γ 1859. 3 Vols each G, 40-

1582 — OF THE TIBETAN LAN-  
GUAGE by H. Bruce. Harish  
Roy. 8vo pp 416 C<sub>u</sub> 11-4-

1583 GRAMMAR OF प्राकृत LAN-  
GUAGES by Pischel G, 28-

1584 — of शाकदयन with comm  
प्रक्रियासङ्घ of अभयहानसूरी 1893,  
8vo. pp XIV, 160, 364  
M<sub>d</sub> 12-

1585 — of the संस्कृत Language  
by H. L. Colebrook. 1805  
Vol. I Roy pp XXII, 369, 4.  
C<sub>c</sub> 34-

1586 — of the संस्कृत Language  
on a new plan by W Yates  
1820. 8vo pp xxviii, 427.  
C<sub>c</sub> 5-

1587 — of the Hindi language  
by Kellagg H 1876 15-

1588 GREEK AND संस्कृत A compe-  
rative study by प्रो. R D सनडे  
1915 8vo pp 137-775 -8-

1589 GREATNESS OF शिव महिम्नस्य  
of उग्रहट with the comm of  
जगन्नाथ चक्रवर्ति. H 1-8-

1590 GARIAND OF LETTERS,  
Studies in the Mantra Shastra

This book is an attempt now  
made for the first time to explain to  
the Engl speaking readers an un-  
doubtedly difficult subject by  
Arthur Avelon H 7 8

ग

1591 GLRANTICS FROM INDIAN  
CLASSICS, ed by M. N. दत्तगार्ग.  
1911, 3rd edn. cr pp. xxv, 192  
C<sub>c</sub> 1-8-

1592 GLORIES OF गङ्गा by प्र. J  
N Samaddar 2nd edn. revised,  
enlarged and brought up to  
date with 26 plates C<sub>c</sub> 8-

1593 THE GOLDEN LEGEND OF  
INDIA by William Henry  
Robinson 1911 8vo pp xviii,  
148 7-8-

1594 गुजराथ, MUHAMMADAN ARCHI-  
TECTURE in, see—the Muhamma-  
dan Architecture in गुजराथ.

1595 गुप्त FRA AND मिहिरकुल, a new  
light on, see—A new light on गुप्त  
FRA AND मिहिरकुल

1596 गुप्त DYNASTY, THE COINS  
of, see—The Coins of the गुप्त  
Dynasty

1597 GODDESS, THE HYNES to,  
see—The Hymns to Goddess.

1598 GRAND MOGULS, THE COURT  
PAINTERS of, see—The Court  
Painters of the Grand Moguls

1599 GRAMMAR OF THE संस्कृत  
LANGUAGE, an introduction to,  
see—An introduction to the  
Grammar of the संस्कृत Language.

1600 — of the Tibetan Lan-  
guage, an introduction to, see—  
An introduction to the grammar  
of the Tibetan Language

1601 GREEKS, THE PHILOSOPHY  
of, see—The Philosophy of the  
Greeks

ग

- 1602 GREAT BRITAIN & IRELAND, Centenary Volume of the R. A. Society, see—The Centenary Volume of the R. A. Society of Great Britain & Ireland.
- 1603 गौडामा, THE बुद्ध OF THE BURMESE, THE LIFE OR legend, see—The Life or legend of गौडामा, the बुद्ध of the Burmese.
- 1604 गौतम, THE LIFE OR LEGEND, see—The life or Legend of गौतम.
- 1605 गोरखपुर, सरण and गाजीपुर, a report of the tours in, see—A report of the tours in गोरखपुर, सरण & गाजीपुर.
- 1606 गोरक्षनाथ, THE SYSTEM OF CHAKRAS ACCORDING to, see—The System of Chakras according to गोरक्षनाथ.
- 1607 गौरीशंकर भोक्त, THE BOOK OF the cave, see—The Book of the cave—गौरीशंकर.
- 1608 घटकर्कराज्य. Vy -2-
- 1609 घेरण्डसंहिता A treatise on हट-योग transl from the orig संहिता by S. C बहू 1895. cr. pp. xxiv 54, 4, 47. Ri -12-
- 1610 — Being a treatise on the हट and राजयोग, printed with संहिता Text and an Appendix containing extracts from Engl works of authority, describing the समाधि taken by the गुरु हरिदास at the Court of ग्याजिनसिंह in Punjab. Ri -8-

च

- 1611 — A treatise on Hata Yoga Text, & English Transl. by श्रीज्ञानचन्द्र बसु Ad -12-
- 1612 चन्द्रदत्त (वेदक) श्रीशिवदाससहित सत्त्वचन्द्रिकाशास्त्रासकलित Mi 5-
- 1613 — शिवदाससहितपाचीनसंहिता व्याख्यासमेत Mc 4-
- 1614 चत्रावलीसमाहासदाय Vy 2-4-
- 1615 चतुर्भाषी by रत्नहृन्म कवि, publ. by D. G. शर्मा. 1922. Roy. pp. VI, IV, 28, 31, 15, 48 2-
- 1616 चतु स्तोकीभाष्यवत (वेदान्त) N -4-
- 1617 चतुर्थीसुबोध पाठ्यवली or the fourth course of easy संहिता Readings, by M. P. ओक, 1923 3rd edn cr pp. 2, 124 -10-
- 1618 चतु. पदगुणचारमानसपूजास्तोत्र. शंकराचार्यविरचित Km 9 1-
- 1619 चर्यटपञ्जरी मूल Vy -2-
- 1620 — स्तोत्र. Vy -8-
- 1621 चरकसंहिता ( वेदक ) सूत्रस्थान सम्पूर्ण. An Engl. transl. publ. with introd. by A. C. कविराज. Roy pp. VIII. 443 8 Cc 10-
- 1622 — मूलमात्र N 4-
- 1623 — with comm. of चक्र-वाचिदत्त. ed by A. C. कविराज pts. 1-4 and 6 & 7. Cc 2-
- 1624 — मन्त्रिक-चक्रवाग्विदित-व्याख्या सहिता. N
- 1625 — चक्रवाग्विदित-संहिता-माह्न। Mi 10-
- 1626 — मूल अष्टुनम गुरुका. Mi 4-
- 1627 चरणयूहपरिशिष्टमुद्रम् श्रीमहातुनि श्रीनकोनम् । श्रीमहातुनिपरिशिष्टमुद्रमाह्न-साहसम् Cu -8-

च

- 1628 चरियापीठिका Pali Text ed. in देवनागरी Characters with an Engl. Introd. by Dr. B. C. Law. 1924. 1-
- 1629 चतुर्लिंगतोमर (कर्म) N -1-
- 1630 चतुर्वर्गसंग्रह, हेमचन्द्रकृत. Km5 1-
- 1631 चतुर्विधपुरुषार्थविचार. श्रीपादाचार्य रितवित. Ch -8-
- 1632 चतुर्विंशतिजिनस्तवः (जिन) जिन-प्रभावरीतिरवित. Km7 1-
- 1633 चतुर्विंशतिजिनस्तवः (स्तोत्र) त-टिप्पणी शोभनमुद्रित. Km7 1-
- 1634 चतुर्विंशतिमत्संग्रहः (धर्म) By व. भट्टाजी दीक्षित. ed. by वं. वेदीरत्नराजुनी. Bn 3-
- 1635 चाणक्य by Monsieure L. 5-8-
- 1636 चाणक्यकथा by रीतिरत्नक with Bengali transl. by T. C. Law, and ed. with prepratory notes by N. N. Law. 1921. 8vo. pp. iii, 32, 38. 1-
- 1637 — by ईश्वरचन्द्रशास्त्री. Sd -10-
- 1638 — राजनीति. विषयवद्वयः सन्ति (मिश्रनीय) by ईश्वरचन्द्रशास्त्री. Sd -14-
- 1639 — राजनीतिशास्त्र with a learned foreword by Johan Van Manen 1926, 2nd edn. 8vo. pp. XX. 72. Co -11-
- 1640 — शतकम् (काव्य) by चाणक्य पण्डित ed. with full comm. by श्रीमान्द्र विद्यासागर. 1907, 4th edn. 8vo. pp 30 C -10-
- 1641 चातुर्मास्यमहात्म्य सूत्र. Vn -12-

च

- 1642 चांमार by G. W. Briggs. 1920. pp. 270, with 13 illustrations. Of 4-8-
- 1643 चार्वाकदर्शनसार (सप्तदश) Text in orig संस्कृत with मराठी transl. by नायडशास्त्री. 1915, 12th edn. 8vo. pp. 65. AK -4-
- 1644 चारपण्डित (1 जगन्नाथराय, 2 जय-देव, 3 प्रह्लाद, and 4 माय) orig. संस्कृत with मराठी transl. by केम-कर शास्त्री. 1888. Roy. pp. 98-123. 44, 30, 28. 1-
- 1645 चारद्वयम् (नाटक) of भास, ed. by T. गणपतीशास्त्री. Tr -12-
- 1646 चारद्वयम् (काव्य) हेमचन्द्रकृत. Km5 1-
- 1647 चारोपदेशसंहिता सूत्र. Am 7-8-
- 1648 चारोपदेशकीर्तनचमणिका Am 3-
- 1649 चित्रसेनपद्मावतीचरित्र शंकरद, (जिन) of राजवन्धन उपपाध्यायजी, 8rd edn. Jb 2-
- 1650 CHIPS FROM A GERMAN WORKSHOP by Max Mueller. 4 vols. Gr 21-
- 1651 चिकित्सासमूह. (वेदक) Vy 1-4-
- 1652 चिकित्सासमूह. (वेदक) Vy 2-8-
- 1653 चित्रमीमांसा, (अन्कार) श्रीम-दण्णदीक्षितविरचितम् योगेश्वरमहाशयिणा स्वचरितेरे दिव्यया संन्यासीविरचितेण संशोधितम् । इह लघु काव्यप्रकाशभाषाया-ः प्रस्तावनादध्यायानां समस्तानां तावद्वन्द्वितं कार्यं 'न कान्तमपि निर्भूतं विधानं मनितानन । विदुःकविशायारसुमादृशतीति हस्तितः लघु बहुशोऽन्यथाः सोऽहं तावद्वन्द्वितं भाष्यं-इति हस्तितम् । इति भाष्यं ।

च

- प्रायशो लक्षणाणां लक्ष्य समन्वयमात्रपर्यव-  
सन्नतया न भवेदतीव प्रमोदो मीमांसारसि-  
कानां प्रगल्भधिरामिति समुपकान्त किञ्च  
प्रार्चाननवीनमतव्यवहृदपुरस्सरमुपनिबन्धुं परेण  
सत्ताहनाय चिन्तामीमासाणां भकाऽऽद्वयस्य न्यो-  
नितिलक्षणाध्यायारदृशनास्यतन्त्रप्रहेन तन्-  
मयता भण्यदीक्षितेन pp.128 L- 1-4-
- 1654 — श्रीमदण्वदीक्षितप्रणीत। चित्र-  
मीमांसाव्यवहृदं—गणितराज जगन्नाथ-  
विरचितम्. N 1-
- 1655 चैतन्य AND HIS AGE ( *Ram-  
tany Lecture Fellowship Lec-  
tures for 1919 and 1921* ), by  
R. B. Dineschandra Sen with  
a Foreword by Prof. Sylvain  
Levi. 8vo. pp. 453. Cu 6-
- The book gives a complete and  
consistent history of Chaitanya, his  
religious views and of the sects that  
follow his religion, with an account  
of the condition of Bengal before  
the advent of the great subject of  
the memoirs. Everything dealt with  
in the book is based on old authority
- 1656 — AND HIS COMPANIONS  
by Rai Bahadur दिनेशचन्द्र सेन.  
8vo. pp. 341. Cu 2-
- The book presents short life—ske-  
tches of Sri Chaitanya and his Bhak-  
tas with a general history of the  
Vaishnava doctrine and a compara-  
tive study of mysticism (occidental  
and oriental )
- 16567 — MOVEMENT, by M. T.  
Kennedy. 1925 Pp xii + 270  
18 illustrations. Of 4-8-
- 1657 चैतन्या's Pilgrimages and  
Teachings by T. सहाय Cc 3-

च

- 1658 चैतन्यचन्द्रोदय (नाटक)—श्रीशिव-  
कर्णधरिविरचित- N 1-4-
- 1659 चोमासीव्याख्यान तथा होलिकाव्याख्यान  
(जैन) of कल्याणजी. 4th edn. -10-
- 1660 चौरपचक्षिका (काव्य) of पवि-  
त्रिहण. Gn 1-4-
- 1662 चीर्षासीप्रबन्ध गद्य (जैन) of  
राजशेखरधरि. Jb 4-
- 1663 चंगकविरकाः—चंगदासेन विरचितः  
सबोधोद्गमः । चंगकारिका इति प्रतिद्वः  
सनायाकरणातुत्तरीप्रबन्धः । स्वीकृत-  
सहितः पद्यात्मकः । 8vo. pp. 77. Vz 6-
- 1664 चण्डिकामहात्म्य मू. -2-
- 1665 चण्डीकचपञ्चदशिका (काव्य) लक्ष्म-  
णचरितम्. Km 9 1-
- 1666 चण्डीशतकम् of बाणभट्ट.  
Km 4 1-
- 1667 चन्द्रचूडनसर (गोपातात्कारा-  
कीर्ति.) ed. by D. V. भाषे & publ.  
by D. V. पंतसर & G. N. मुकुन्दार.  
1920. 8vo. pp. 3, 3-9, 174,  
15- 3-
- 1668 चन्द्रप्रभाचरितम् (कान्) श्रीशैलान्दि-  
विरचितम्. संग १८. N 1-
- 1669 चन्द्रप्रभा-सैमकीमुदी (जैन) A  
treatise on grammar by मेघविज-  
योभाष्य. 1828. Roy. 8vo. pp.  
512 N 5-
- 1670 चन्द्रदीप्तम् edited by चन्द्रकान्त  
तर्कसार. Sd 2-
- 1671 चन्द्रन्याकरय by चन्द्रशेखरि. Text  
in Roman character with orig.  
comun ed. by B. Leblach in 2  
vols. Gr 15-

- 1873 — Vyākarna, an essay  
by Liobich. Gr 1-
- 1874 चन्द्रव्याकरण by Liobich. Gr 9-
- 1875 चन्द्रालोकः (अन्तर) श्रीधरचरण-  
जयदेवकविरचितोऽष्टकाख्यः । पापगुण्डो-  
पाद्वैयनाथ (बाळभट्ट) विरचितमाख्य-  
व्याख्यासहितः । 8vo. pp. 10, 22,  
5. Gn -10-
- 1876 चन्द्रिकाशब्देन्दुसहस्रव्याख्या.  
(व्याकरण). Mn -10-
- 1877 चन्द्रभारतम् भोलण्डे इत्युपाध्वना-  
थनारिविरचितटीकासहितम् । Gn 2-
- 1878 चान्दुरामायण (काव्य) भोलोजयना-  
थविरचित (पञ्चमकाण्डपर्यन्तं), लक्ष्मणविर-  
चितोक्त (चतुष्काण्डपर्यन्तं), रामचन्द्रचरित-  
विरचितव्याख्यासहित. N 2-
- 1879 चंदा State, the antiquities  
of, see—The Antiquities of चंदा  
State.
- 1880 चन्द्रगोमिन् & कालिदास, the  
time of, see—The time of चन्द्र-  
गोमिन् and कालिदास.
- 1881 Chess. A history of, see—  
The History of chess.
- 1882, चंदा, THE ANCIENT INDIAN  
COLONIES in the far east, see—  
The Ancient Indian Colonies  
in the far East, चंदा.
- 1883 उद्दालकः Vy -4-
- 1884 उद्दालकः निरुक्तः. As 1-5-
- 1885 उद्दालकः 3d ed by दुर्गाधर का-  
र्य. St -8-
- 1886 उद्दालकः (उद्दालकः) दुर्गाधर का-  
र्य. Vy 2-2-
- ज
- 1887 ज्ञानदेवोपनिषत् आनन्दगिरिदास-  
शास्त्रभाष्येता । An 5-
- 1888 — स्वरामानुजविरचितप्रकाशको-  
षेता । An 3-12-
- 1889 — नित्यानन्दकृतमिताश्रयाख्या-  
समेता । An 2-
- 1890 — with मध्वाचार्य transl.  
into Engl. With copious ex-  
planatory notes, by श्रीधरच-  
रियास 3rd edn. Pn 14-
- 1891 — Text in orig. संस्कृत  
with Engl. transl. by गणनाथ सा.  
1923. 4 edn. cr. pp. 309. Mt. 3-
- 1892 — Text in orig. संस्कृत  
transl. into मराठी with शास्त्रभाष्य  
by C. G. नाथ. 8vo. pp. 450. Pn 5-
- 1893 — म. म. देव गणनाथविरचिता,  
मुद्रनाथविरचिता विष्णुधर्मार्थमुद्रनाथ-  
समवेष्टिता, चण्डीदास । cr. pp. 13,  
212. Cr -12-
- 1894 छान्दोग्यसमन्वयभाष्यम्—of शुभारिष्य  
whose interpretation of the  
ritual mantras is valuable in-  
asmuch as we get here a pro-  
Bryanian interpretation of some  
of the Vedic mantras. Se
- 1895 जगन्नाथसहाय्य भवता दुर्गाधर  
सहाय्य, सहाय्यभाष्येता. Vy 1-8-
- 1896 — जगन्निर्वाण. Vy -6-
- 1897 जगन्नाथसहाय्य (काव्य) भोलोजयना-  
थविरचित. Vy -5-
- 1898 जगन्नाथसहाय्य Vy -1-
- 1899 जगन्निर्वाण (जगन्नाथ) कविराज  
काव्य. Vy -6-



- ज
- 1700 जटापटलम् टीकासहितम् by Thibaut C.— Gr 2—
- 1701 जन्ममरणविचार (वेदान्त) of राम-वेत्. Km 1-4—
- 1702 जन्मदिनपूजापद्धति(धर्म) Vy-2—
- 1703 General introduction and Philosophy of Veda upto Upanishadic period by Deussen Paul. Gr 5—
- 1704 जपप्रथ (वेदान्त) प साधुसिद्धजीवन Lt 1—
- 1705 जयमत्राया or the साख्यसमिति टीका, a newly discovered comm. on Isvara-Krishna's famous compendium the साख्यसमिति by Prof H. Sharmā with an Introd. by गोपिनाथ कविराज. 8vo. pp 13+69. Co 2—
- 1706 जयसिद्धकल्पद्रुम ( धर्म ) मूल, श्री-रत्नाकरदीक्षिणकृत. Vy -8—
- 1707 जयन्तविजय ( काव्य ) श्रीभभय-दशविरचित. N 1—
- 1708 जयन्तीमहाराज्य ( राम, कृष्ण, रामानन्द ) Vy -5—
- 1709 जयारण्यसहिता ( पञ्चरात्र तत्त्वज्ञान ) an authoritative Pancharatra work ed by व वृष्णमाधव of Vadtal Co
- 1710 जयानन्दकेवलीचरित्य साख्यद ( जैन ) of मुनिमु. गच्छर Jb 10—
- 1711 JOURNAL OF THE ANTHROPOLOGICAL SOCIETY Bombay 1873 Vol 1 & II, each contains nos. 1 to 8. Cu
- ज
- 1712 — OF THE DEPARTMENT OF LETTERS ( Eighteen volumes published ) Cu 172-12—  
Each volume contains learned essays on various literary subjects by reputed scholars.
- 1713 — OF THE INDIAN INSTITUTE OF Philosophy. Vol. 1 nos 1, 2 & 3. Ar 1—
- 1714 — OF THE DEPARTMENT OF LETTERS, (भारतसहिता), सस्कृत Text 1921. vol VI. Roy pp u 8, 272. Cu 9—
- 1715 जलैभद् सर्गम् VI 1—
- 1716 जलाशयोरसगर्भकाश ( धर्म ) Vy 2-8—
- 1717 जगदीश ( व्याख्यान ) A comm on अनुमानविस्तारमणो दीक्षिणि by शिरोमणी ed by सामनापासाध्याय Ch 19 8—
- 1718 जगदीशदीपलक्षणो सिद्ध्यामलक्षण-सहिता श्रीजगदीशतर्कालकारप्रणीता Ch -3—
- 1719 जगदीशदीपलक्षणो सिद्ध्यामलक्षणोद्देश्ये श्रीजगदीशतर्कालकारप्रणीतम्. Ch -3—
- 1720 जगदीशदीपमिद्वान्तलक्षणस्य श्रीजगदीशतर्कालकारप्रणीतम् Ch -10—
- 1721 जगदीशदीपसामान्यनिरूपित विज्ञानव्याप्तिमूल दीक्षिणि सहित । Ch 1—
- 1722 जातक together with its comm being tales of the anterior births of गौतमभूद Vol. III IV V VI each. 21—
- 1723 — or Stories of the Buddha's Former Births.transl

ज

from the Pali. 6 vols. Roy. 8vo. 21s each. Index vol. 10s 6d. — (Cam) 105-

Vol I Transl R Chalmers  
Vol II. Transl. W H D Rouse,  
Vol III Transl H T Francis,  
and R. A. Neil, Vol IV.  
Transl W. H. D. Rouse, Litt  
D. Vol V. Transl. H T Francis,  
Vol. VI. Transl. E B Cowell and  
W. H. D. Rouse.

1724 — Selected and Edited  
by H. T. Francis, and E. J.  
Thomas. 8 Parts. Roy. 8vo.  
(Cambridge) Mm 12-

1725 — सप्तह (जैन) Transl. into  
मराठी. by धर्ममन्त्र कोतापी. 1924.  
cr. pp. 8. 4. 256. 1-8

1726 जातकतत्त्वम् (ज्योतिष) KJ 2-

1727 जातकपद्धति (ज्योतिष) श्रीकेशदेवरा-  
विरचिता, देवराविराकरवृत्तश्रीमनोरमात्म-  
भ्याल्लघुविरचिता, ५ श्रीशमनाचार्येण परितो-  
विता : pp. 142 Ls -12-

1728 जातकपरिजात. (ज्योतिष) by  
देवनाथशर्मा. ed. with notes by  
माधवशास्त्री गायडारी. Ch 2-

1729 ——— 2-

1730 जातकमाला Stories of Buddha's  
former incarnations by भार्गवहरि  
Ed. in Nagari [Nagari letters] by  
Prof. Hendrik Kern 1891  
Second issue, 1914 Roy. 8vo  
Pages, 270. Ho 17-

A masterpiece as to language and  
style and metrical form of Bud-  
dhist literature of the Northern

ज

Canon. By the Honorable (Arja)  
Sura Stories used as homilies in  
old Buddhist monasteries, Edition  
princeps Kern (1833-1917), long  
the honoured Dean of the Dutch  
Orientalists, thought that Sura  
flourished not far from 600 A D  
or earlier

1731 — or Garland of Birth  
Stories, by भार्गवहरि. Transl. from  
the Sanskrit by J. S. Speyer.  
1895, 8vo. Of 10-

1732 जातकसंग्रह (ज्योतिष) मूल.  
VJ -14-

1733 जातकसंग्रह, (ज्योतिष) मूल.  
VJ 1-

1734 जातकामरणम् (ज्योतिष) मूल, सप्त-  
द्विष्टशतप्यायसहितम्. VJ 1-

1735 जातकामरणम् (ज्योतिष) मूल, पुष्टि-  
राजवृत्तम्. Lu -6-

1736 जातकालंकार, (ज्योतिष) गणेशदेवरा-  
विरचित. Ch -8-

1737 ——— VJ -7-

1738 — सप्तह टीकासहित. VJ -6-

1739 जामव. चरणधामरम् (काव्य) श्री.  
निवाहाचार्यविरचितम् Km2 1-

1740 जामवीपरिणय (काव्य) by चक्र-  
कवि. Tr 1-

1741 जामवीहरण of कुमारतान Cantos  
I to X ( in two parts ) with a  
संग्रह comment by निगूढरत्नाश्री &  
ed with exhaustive Engl Notes  
and Literal Engl. Transl. by  
K. M. जोगटकर. 1911, 8vo. pp.  
10, 110, 48, 78 St 4-

1742 — with copious notes, -  
Various Readings and Introd

ज

- determining the Date of Poet, with Literal Engl. Transl. Appendices also. कुमारदास & his Place in Sans. Literature, by नरणाकर. 8vo. pp. 6, 8.3, 155. *Gn* 3-2-
- 1743 — Ed. and publ. with comm. Engl. Transl. and copious notes by N. S. जोड़ुर. 1911. 8vo. pp. 34, 30. *Ry* 2-
- 1744 जिनशतकम् ( जैन ) जयगुरुविरचितम्. *Km* 7 9-
- 1745 जिनचतुर्विंशतिका. ( काव्य ) बालकविप्रणीता. *Km* 7 1-
- 1746 जानकीशतसाई ( अलंकार ) *Vy* -6-
- 1747 जीव-सूत्रविवेकः श्रीमद्विष्णुसूत्रव्याख्यानमिषिरचितः भाषानुवादसमेतः *Ky* 3-
- 1748 जीवन्मुक्तिविवेकः ( केराल ) or the Path to Liberation in the Life by स्वामिनिधिरामसरस्वती rendered into Engl. by मणिनाथ द्विवेदी. *R* 1-4-
- 1749 THE GEOGRAPHICAL DICTIONARY OF ANCIENT AND MEDIEVAL INDIA by Nundalal Day Second revised and enlarged edition. Demy quarto. pp. 262. *Co* 9-
- 1750 उपेक्षमहालय मूल. -6-
- 1751 उपेक्षाशान्ति ( धर्म ) उपनिषद्जन जननादिशान्ति *Vy* -2-
- 1752 जैनजातकाः OR LORD RISHABH'S PURVASHRUVAS. Being an Engl. Transl. of Book I (Canto I of हेमचन्द्रजी's त्रिपिटिका)

ख

- गुरुचरित्र, orig. transl. for the first time by Prof. अमृत्यचरण त्रिपाठ्य, revised and ed. with notes, historical Introd. bfe of श्रीहेमचन्द्र, Jainas cosmography etc. by प्रो. बनारसदास जैन. 1925. Roy. pp xxiv, 118. *Ps* 4-1-
- 1753 जैनतत्त्वज्ञानम् by विजयधर्मसूति. cr. pp. 18. *Jb* -8-
- 1754 जैनतत्त्वार्थ. by प. आत्मारामजी आनंद. 2nd edn. Roy. pp. 4, 16, 596. *Bo* 6-
- 1755 जैनदर्शनसार ( ससंज्ञ ) orig. संस्कृत with मराठी transl. by बापट शशी. *Al* -4-
- 1756 जैनधर्मविमर्शक व रथान. ( बर्माच्या बुलनामक शाबाद ) by K. L भोगले. cr. pp. 28.
- 1757 जैवनिस्त्वपाटसंग्रह. ( स्तोत्र ) *N* 1-
- 1758 जैवभानु by श्रीपद्मन विजयजी 1910. 8vo. pp 103, 3. *Lu* -5-
- 1759 जैनमहाकथा *Vy* -5-
- 1760 जैनचर्तिकम् जैनमतप्रदर्शकः शास्त्राचार्येण जैवसायं मोमेनाविरचितो ग्रन्थोऽत्यन्तं सार्वतया परमनिरालम्बनपूर्णः स्वसिद्धान्तात् प्रख्यापयति । प्रमद्विषय बहवो विषया अत्रोपनिबद्धाः न केवलं जैनामां किन्तु तद्विरोधामपि सोपानां साधिकां ध्युत्पन्नमादधानोऽयं ग्रन्थः लोकांतरेषु अत्युच्चं ख्यातमोदति । विद्वत्साधिका महता परिक्रमेण संपादयन्. 1 pp. 168. *Lz* 1-12-
- 1761 जैनतर्कवार्तिक—शास्त्राचार्य—टीकायुत. *Li* 2-
- 1762 जैनधर्मांतरमय. *Km* 7 1-4-

- ज  
1763 जैनसाहित्यसंशोधक. A monthly Magazine ed. by सुनिराज ज्ञानिज-यजी Issues 1-4. 1-8-
- 1764 जैनरत्न of मयुरा by V. A. Smith. Gs 14-8-
- 1765 जैनस्तोत्ररत्नाकर (स्तोत्र) श्रुता-वरसायनायी 1903. cr. pp. 40. N 4-
- 1766 जैनस्तोत्रसंग्रह—इच्छाणमदिरस्तोत्र, एकीभानस्तोत्र, शिवायहारस्तोत्र तथा जिनचतु-विंशतिका N 4-
- 1767 जैनद्वयकारणम् दशनन्दिर्विरचितम् अभयमभिमर्गविरचितयादौक्यासहितम् । Pt. I & II. pp. 372 Ls each 4-4-
- 1768 जैमिनीयामृत ( ज्योतिष ) ग्रन्-थम्प्रीतिवित. N 1-
- 1769 जैमिनि-पाणिनीयज्ञानसार (समतथेद) In मराठी by बापटशर्मा. Ak 4-8-
- 1770 जैमिनीयउपनिषद्ग्रन्थसंग्रह text, in देवनागरी characters with indexes, Ortel's edn. by Pt. रामदत्त with an introd. on the History of सामवेद's Literature by भगवद्दत्त. 1891. 8vo. pp. 144, 10. Dv 4-8-
- 1772 जैमिनीयगृह्यसूत्रम् or the Domas-lic ceremonies according to the school of जैमिनी, original text in Devanagari Character ed. with extracts from the orig. comm. संश्लेषिनी, list of Mantras Notes, Introd and for the first time transl. into Engl. by Dr. Caland. 1922, Roy. pp. II. 80, 62, 2. Ps 6-
- ज  
1773 — Sanskrit Text and Dutch transl. by Gaastra D. 10-
- 1774 जैमिनीयन्यायमाला ( न्याय ) ed. by रेवतीकान्तगह्वर्य. Sl 1-8-
- 1775 जैमिनीयन्यायमालाविस्तार (न्याय) श्रीमन्माधवप्रणीतः । Aa 8-
- 1776 जैमिनीयधीप्रसूत्र ( with an Essay on the knowledge of Vedic Ritual) by Gaastra 1906. 8vo G, 10-
- 1777 जैमिनीयसंहिता ( with an in- troduction on सामवेद literature ) by Dr. Caland. D. G, 12-
- 1778 जैमिनीयसूत्र ( ज्योतिष ) सटीक नीलकण्ठकृतसुबोधिनीभाष्यसप्ततटीकासहित. Vg 7-
- 1779 जैमिनियग्रहसूत्रि. (मीमांसा) सुबोधिनी नाष्टिका श्रीमत्परमकाशमिश्रो भगवाद् जैमिनि आधिपतिर वैदिककर्मकलावधुप्रणय संवा- विषय्य यदप्रामाण्य व्यवस्थाप्यद्रावक्ष- ण्यातर्धमध्यजामाययत् । यस्याश्च दुरवग- म्यतया मन्मतीना ततोऽन्यत्रोपमालोच्य भास्करादयस्तो व्यचक्षत । भाष्यकाराभि- प्रायमजातानां मन्त्रतमानां सुनाक्षरार्थ उभु- त्वनाक्षरकाराण्य सुबोधिनीयाण्या वृत्तिमश्वि श्रीरामेश्वरसूत्रिः-1-p. 728. Ls 4-8-
- 1780 जैमिनीयाधमेध ( इतिहास ) ग्रन्-थः Vg 2-8-
- 1781 जोगविहारकरचक्रम् (संगीत) Vg 6-
- 1782 ज्योतिर्निबन्ध । ( ज्योतिष ) सप्त- महाद्वीपशिवराजविरचितः । Aa 3-15-
- 1783 ज्योतिर्विज्ञानस्तोत्र तथा शिवमानस-पूजा. N 8-

ज

- 1784 ज्योतिर्विद्याभरणम् महाकवि श्रीका-  
लिदासविरचितम् भारनविरचितसुसन्तोषिका  
रीकासमेतम् *Ch* 2-8-
- 1785 ज्योति शास्त्रनिघण्टु ( ज्योतिष )  
नभनादिसहपदार्थानिसज्ञावाचक *Tr* 2-
- 1786 ज्योतिषदिक्षक or Astrology  
Instructor by डॉ R N जोशी  
1926, cr pp 4, 3, 254 1-8-
- 1787 ज्योतिषमिदं तत्समग्रह A collec-  
tion of Ancient Hindu Astrono-  
mical works containing समय, नक्ष,  
पितामह & इन्द्रनासिष्ठसिद्धान्त ed by  
म म विश्वनाथसाहस्रिदा *Bn* 2-4-
- 1788 ज्योतिषसिद्धान्तसारसंग्रह प सूर्य  
नारायण सिद्धान्तीकृत *La* -5-
- 1789 जयमित्र astronomical obser-  
vations of, see—The Astronomi-  
cal observations of जयमित्र
- 1790 JOURNAL OF THE R A Society  
of great Britain and Ireland,  
centenary supplement to, see—  
Centenary supplement to the  
journal of the R A Society  
of great Britain & Ireland
- 1791 जहांगीर The memoirs of, see—  
The memoirs of जहांगीर
- 1792 The joint teachers of अक्षर,  
see—अक्षर, the joint teachers of,  
8vo pp 265-276
- 1793 JAINA The Indian sect of,  
see—The Indian sect of jains
- 1794 JAINISM, The outline of,  
see—The outlines of jainism
- 1795 JAINISM, The heart of, see—  
The Heart of Jainism

ट

- 1796 FALLES OF OLD AND NEW  
INDIAN ALPHABETS (*Dutch*),  
by Holle K 10-
- 1797 TEACHINGS OF नानाज्ञा transl  
from Chinese Text by Wal-  
lesser M *G* 6-
- 1798 TEMPLE of शिव at भमर by  
R D Banerji *Gr* 6-6-
- 1799 THE TEN जातका by Fausboll  
V 5-
- 1800 TEXT-BOOK OF INDIAN  
HISTORY by Rev G W Pope.  
1880 3rd edn cr pp VII  
574 10-
- 1801 TEXTS OF CONFUCIANISM,  
by J Legge Vol 1-4 of 57-
- 1802 THE MONASTICS OF LAMPORN  
FORT by J Vogel *G* 55-
- 1803 TIME OF चन्द्रगमन & कारिका  
by Isach B -12-
- 1804 TIME ANALYSIS OF सप्तम  
Phys by Jackson A 1-8-
- 1805 TOWN PLANNING IN ANCI-  
ENT India by विनायकसाहस्र 8-8-
- 1806 TRANSLATION OF विष्णुसंहिता  
(*Span* of) by Ayuso D 1-8-
- 1807 TRANFORMED HINDUISM, the  
Monotheistic religion of beauty  
in 2 volumes *At* 5-4-
- 1808 TRAVELS IN THE MONGOL  
EMPIRE A.D. 1656-1663 By  
Francois Bernier transl and  
annotated by A Constable  
1891 revised by J A Smith  
1916 pp int+300 of 6-2-
- 1809 TREATISE ON THE HINDU  
LAW OF INHERITANCE by B

४

- G. Grady 1864, 8vo. pp. LXX  
IV, 493. 20-  
1810 TREATISE OF THE योग Philo-  
sophy by N. G. वाठ. *Ad* -5-  
1811 THE TREASURE OF THE  
MAGI, by James Hope Moulton.  
Demi 8vo. *Of* 5-6-

A brilliant and most readable  
volume which tells the whole story  
of Zoroastrianism, & sets the teach-  
ing of Zoroaster and the work of the  
Magian priests in clear relation to  
Christ and His teaching.

CONTENTS —Introduction. Book  
I Zoroastrianism —I Zoroaster and  
the Parsis —II. The Teaching of  
Zoroaster —III. After Zoroaster  
—IV Zoroaster and the Out-  
side World —V. The Religion of  
the Later Avesta. Book II : I The  
Country —II The Priesthood.—III  
Ceremonial Life Temples & Tow-  
ers of Silence —IV. Ceremonial  
—(Outside the fire Temple —V. Ortho-  
doxy and Reform.—VI. Parsi  
Picty.—VII. The Parsis and Chri-  
stian Propaganda —VIII The crown  
of Zoroastrianism —Index of Pass-  
ages Translated —General Index

- 1813 THE TRIUMPH OF कविर्षी  
from the Bengali of H. P  
शास्त्र, ed. by H. Sen. 10-  
1815 TWELVE PRINCIPAL UPA-  
NISHADAS ( 1 ईग, 2 ऐतरेय, 3 कठ,  
4 केन, or सख्यार, 5 कोटिली भाष्य,  
6 छांदोग्य, 7 तेतिथिय, 8 प्रश्न, 9 मुण्ड-  
कोप, 10 माण्डूक्य, 11 मुण्डक, and  
ब्रह्मसूत्र.) Engl. transl. and  
notes from the comments of  
शंकराचार्य and the gloss of  
आनन्दगिरि. 5-

४

- 1816 TWO CANTOS OF कश्मिरी,  
transl; by Leibich B. *Gr* 1-  
1817 TWO संस्कृत INSCRIPTIONS EN-  
GRAVED ON STONE, the orig. text,  
with transl. and comments by  
Hall F. 1851. (J. A. O. S.) 8-8-  
1818 TERMINALIA अर्जुन, the thesis  
on, see—The Thesis on Termina-  
lia अर्जुन.  
1819 PTOLEMY'S GEOGRAPHY, RE-  
SEARCHES on, see—The Research-  
es on Ptolemy's Geography.  
1820 TWICE BORN, THE RIGHTS  
of, see—The Rights of the  
Twice-Born.  
1821 DAILY PRAYERS OF THE  
Brahmans ( सप्तरात्र ) by S. M.  
गोपाचर्य. *Ad* -12-  
1822 DATE OF. THE भगवद्गीता.  
An essay by C. V. देव. 1925.  
Roy. pp. 144-158. *Ad* -8-  
1823 DATE OF कश्मिरी by K. चहे-  
राचार्य. 1926. Roy. pp. ii. 79-  
170. 1-8-  
1824 DATE OF कश्मिरी and विष्णु-  
दत्त. by K. K. हेतु & S. K. शर्मा.  
1922. Roy. pp. 137-220. -4-  
1825 — of शंकराचार्य's मधुकरि by  
K. G. भट्टराय. pp. 367-374. -12-  
1826 THE DEFINITION OF POETRY  
by नाट्यशास्त्र-विद्वत् मित्र. *See*  
1827 DEMOCRATIC HINDUISM by  
कृष्णशास्त्री. 1921. cr. pp 72 INX.  
— *On* 2-  
1828 THE DESCENT OF MAN by  
Darwin C. 1877. 13-

४

- 1829 DESCRIPTIVE CATALOGUE OF THE संस्कृत Mss. in the Adyar LIBRARY, by F. O. Schraoder. Vol. 1—Upanishads. Ad. 7-8

The collection described in this volume comprises 1322 MSS distributed among 345 works Devanagari and Engl Roy 8vo. pp xi 315

- 1830 DESCRIPTIVE LIST OF COPPER-PLATES AND INSCRIPTIONS in the Museum of the Varendra Research society, by नीरजन सप्तार्थ. V-

- 1831 DIABETES, THESIS for M. D. Examination by G. M. मलिक. 1910 Cu 3-12-

- 1832 A DICTIONARY OF HINDU ARCHITECTURE by Dr. P. K. भाचार्य. Of 23-

This is an Encyclopaedia of Hindu Architecture It deals with some three thousand terms relating to architecture, sculpture, and cognate arts

- 1833 DIPLOMATIC THEORIES OF ANCIENT INDIA and अर्थशास्त्र by कनिष्कदास नाग Fr 5-

- 1834 DISCIPLINE OF CONSEQUENCES in Ancient India by G. L. सिंह Sb 4

- 1835 DOCTRINE OF SACRIFICE in the शास्त्र by Levi S. Fr 15-

- 1836 DOGMA IN MODERN SOUTHERN BUDDHISM by Wallace M. Of 5-

- 1837 DOWNFALL OF HINDU INDIA by C V. Vaidya 1926, Vol. 3. 8vo IV, IV, 503. Cl 7-8-

४

- 1838 DRAMATIC DIVERTISSEMENTS by श्रीनिवास अप्पगार. 1921, cr. pp. III, 200 Md 2-

- 1839 DRAWING OF GEOMETRIC PATTERNS IN SARACENIC Art. Gl 4-

- 1840 DEPARTMENT OF LETTERS, a journal to, see—A journal to the Department of letters.

- 1841 DICT. OF ANCIENT & MEDIAEVAL INDIA (GEOGRAPHICAL) see - Geographical Dict. of Ancient and Mediaeval India.

- 1842 DICT. ENGL-SANSKRIT FOR STUDENTS. see—no 467.

- 1843 — ENGL-SANSKRIT. see—no. 466, 468

- 1844 — ENGL-FRENCH & VICE VERSA, see—no 471.

- 1845 — ENGL-GERMAN, see—no. 472.

- 1846 — ENGL-SPANISH and VICE-VERSA see—no. 473.

- 1847 — ENGL-SWEDISH and VICE-VERSA, see—no 474

- 1848 — ENGL-TIBETAN, see—no 470.

- 1849 — ENGL-MARATHI, see—no 469.

- 1850 DICT. MARATHI ENGL. see—मराठी Engl Dict.

- 1851 DICT PALI-ENGL. see—पाली Engl Dict

- 1852 DICT SANSKRIT-ENGL see—संस्कृत Engl. Dict.

- 1853 DICT. TELUGU-ENGL. / see—తెలుగు Engl Dict.

८

1854 THE DOCTRINE OF THE UN-  
REALITY of the world, see—An  
essay on अद्वैत.

1855 DOCTRINES OF THE नायस,  
SOME ASPECTS OF THE HISTORY  
of, see—A History of some aspects  
of the doctrines of the नायस.

1856 DELHI MUSEUM, ASTRONOMI-  
CAL instruments in, see—Astro-  
nomical instruments in Delhi  
Museum.

1857 तत्त्वकीमुदी(साह्य) of वाचस्पती मिश्र.  
Text and translation by गणनाथ  
शा. 8vo pp. XXXII, 114, 2, 8,  
82, 2, 2. *Ri* 3—

1859 — (साह्य) सटीक by कृष्णनाथ-  
न्यायप्रकाशन. *Sd* 1-8 —

1860 तत्त्वकीमुदी by भट्टोजीदीक्षित.  
*Vi* 8—

1861 तत्त्वचिन्तामणी (न्याय) A trea-  
tise on न्याय (Indian Logic)  
by गणेश उपाध्याय with the com-  
ments of मयुरानाथ तर्कवागीश, नयदेवमिश्र  
गदाधरभट्टाचार्य and वृष्णकान्त विद्या-  
वागीश and with the “आख्यात-  
नाय” and the “न्यायनाय” of  
M. M. रघुनाथ शिरोमणी ed. by  
M. M. कमलकान्त तर्कवागीश. (1888  
1907). *Bi* 4-8—

The division of this work into  
Volumes and Parts is somewhat  
irregular. In the above division Vol  
I contains the first or Pratyaksha  
Khanda, Vols II and III together  
contain the second or Anumana  
Khanda, vol IV contains the third  
or Upamāna Khanda, vols. V and

९

VI [ called Part IV. vols. 1 and 2 ]  
contain together the fourth or Sabda  
Khanda.

1862 तत्त्वप्रथमम् (वेदान्त) विशिष्टाद्वैत .  
by श्रीलोकानाथस्वामी with a comm.  
of वल्लभ & भाट्टभाषाप्रकाश. *Ch* 3—

1863 तत्त्वदीपनम् (वेदान्त) A comm.  
on पञ्चपादिकाविवरण by अभयानन्द,  
ed. by रामसाहू तेलंग. *Bu* 12—

1864 तत्त्वदर्शनम् or The Mind-Aspect  
of Salvation—This might also  
be entitled: “ Mental Equi-  
poise ” or द्वन्द्व इति or “ The Art  
of Perceiving Essential Unity  
beneath the Mask of Seeming  
Contrast. ” *Vi* 6—

1865 तत्त्वनिर्णय (वेदान्त) देववेण्णवराहः  
*Su* 4—

1866 तत्त्वनिर्णयप्रसाद ( जैन ) by द्विजा-  
नन्दशिर, 1902. Roy. pp. 740. *Bo* 4—

1867 तत्त्वचिन्तामणिदिधीक्षितप्रकाश by  
भवानन्द सिद्धान्तवागीश with तत्त्वचिन्ता-  
मणि & दीपित, ed. by M. M. गुरु-  
चरण तर्कदर्शनतीर्थ. (1910-1922) In  
progress *Bi* 4-8

1868 तत्त्वप्रकाश (आगम) by श्रीभोजदेव  
with the comm. तात्पर्यदीपिका of  
भट्टाचार्य. *Tr* 4—

1869 तत्त्वप्रकाशिका, तत्त्वप्रग्रह तथा तत्त्व-  
निर्णय ( आगम. ) or 8vo. *Vu* 1—

1870 तत्त्वप्रदीप ( ज्योतिष ) *Vu* 3—

1871 तत्त्वप्रदीपिका-चिन्तामणी-वेदान्त )  
श्रीमद्विष्णुसुखाचार्यमुनिविरचिता, परमहम-  
प्रत्यक्षप्रमाणविरचिता मदनमोक्षानन्दोपाध्याय  
विरचिता. *N* 3—



त

- 1872 तत्त्वबिन्दु, -सर्वतन्त्रस्वतन्त्रश्रीवाचस्पति  
मिश्रकृत शब्दबोधकारणशरणम् म. म.  
आगद्वापर शास्त्रिणा त्रिषमस्वधर्मिण्यानिव  
शनपुरस्सर सहायित । *Lz* 6--
- 1873 तत्त्वबोध by श्रीशंकराचार्य with  
Hindi transl by प्रेमपति शर्मा 1918.  
cr pp 48, 14
- 1874 तत्त्वमुक्ताकलाप -( वदन्त ) भाषा  
यनीयार्थसद्धान्तानुसारागिशद्विदितब्रह्मनि  
रूपणपर प्रकरणम्, भाषेदन्ताचार्यविरा  
मिषन परिवताककसारणा सर्वतन्त्रस्वतन्त्र ।  
मिषणेन श्री ६ बहुदनाध्वजाणा प्रणत  
भारामानुषमतावन्मन्नामातीरपुत्रवदम  
pp 744 *Lz* 5-10-
- 1875 तत्त्वमञ्जरी ( वदन्त ) by भाराधरद-  
रशमि, an excellent and easy  
comm for the अनुभाष्य of मन्वा-  
चार्य *M* 1-
- 1876 तत्त्वशेखर ( वदन्त ) निशिद्धित by  
लाकाचार्य ed by रामानुजदास and  
तत्त्वमय सुदृष्टमय *Bu* 1-8-
- 1877 तत्त्वत्रयचतुष्टयग्रह ( वदन्त ) by  
भारद्वज्जु ed by महनाथ *Bu*
- 1878 तत्त्वमग्रह ( वदन्त ) बुद्धतत्त्वज्ञान  
A Buddhist philosophical work  
of the 8th century by शान्तरहित  
a Prof at नागद with पञ्जिका  
टीका by his disciple स्मरशील,  
also a Prof at नागद, ed by Pt  
Embar Krishnamachary with a  
Foreword by Dr B भट्टाचार्य  
2 vols *Go* 24-
- 1879 तत्त्वमाध्यायनटीका ( वदन्त ) by  
श्रीनयतीर्थस्वामि with the gloss of  
श्रीसत्यवर्मताय *M* 1-8-

त

- 1880 तत्त्वज्ञानतरङ्गिणी काव्यपद ( जैन )  
of श्रीज्ञानभूषण *Jb* 1-4-
- 1881 तत्त्वार्थधिगमसूत्र A treatise on  
Essential principles of jainism  
by आत्मास्वामिआचार्य, ed with in-  
trod transl notes & comm  
in Engl by L. जैन Roy pp  
xxviii, 210 6-8-
- 1882 तत्त्वार्थदीप ( वदन्त ) श्रीवल्लभाचार्य  
विरचित, तनेव कृतयाप्रकाशाख्यन्याख्यवा  
सहित, गारगभा भाषितारजीमहाराज-  
कृतऽऽवरणभङ्गारदतिलकसमलङ्कृत,  
( प्रथमद्वितीयप्रकरणसंपूर्णम् ) *Ky* 7-8-
- 1883 सभागतगुह्यक or गुह्यसमाज The  
earliest and the most authorita-  
tive work of the Tantra School  
of the Buddhists ed by Dr  
B भट्टाचार्य *Go*
- 1884 सप्ततीसवरणम् ( नाटक ) by कु-  
मरसरमा with the commentary of  
सिवराम *Tr* 22-4-
- 1885 तरङ्गिणी A khandana of अद्वैत-  
सिद्धि which is a criticism on  
न्यायमित्र *M* 9-
- 1886 तत्त्वचकारउपनिषद् or केनापनिषद्  
with the भाष्य of मत्स्य, विद्वत्पनिषदा  
and व्यासतार्थका *M* 12-
- 1887 — or जैमिनायउपनिषद् भाष्य text  
of सामदर in द्रव्यगते character by  
Dr Caland W *D* 2-8-
- 1888 — In Roman characters  
by Ortel *As* 8-
- 1889 तर्ककौमुदी ( -शास्त्र ) लीलाभिभास्कर-  
कृत 1907 8vo pp 20 *N* -2-
- 1890 — *Fy* -2-

त

1891 तर्कसाङ्ग by व्यासराजस्वामि in 9 parts. 2 parts are ready.

*Mo* 3-

1892 तर्कपदरत्नावली. *ly* 1-

1893 तर्कभाषा. (वेदान्त) श्रीमत्केशवमिश्र विरचित, श्रीमद्विश्वकर्माविश्वरूपान्याय-  
क्षीपाव्यटीक्यासहिता, प श्रीसुबेन्द्रलालमा-  
स्वामिना संस्कृत pp. 180. *Lz* 1-12-

1894 — संस्कृत Text only by N. N. कुलकर्णी, 1924, 8vo. pp. 88. *Os* -8-

1895 — Engl. transl. by Dr. गगनाध झा. 1924. 2nd edn. 8vo. pp. ii, 74. *Or* 1-4-

1896 — of केशवमिश्र. An Indian primer of philosophy, transl. from the orig. संस्कृत with an introd. and notes by Tuxen. P. 1914. 3-

1897 — W. गोरधनदीक्षा, ed. with an introduction & notes, critical & explanatory by S. M. पराजपे 2nd edn 1917. pp. 6, 5, 113, 86, 2. 2-

1898 तर्कसार: *Mo* -6-

1898a — An essay treatise on Tarka Sars. *Mo* -6-

1899 तर्कसंग्रह—(न्याय) न्यायवेधिविनी पदव्याख्यानपाणिनी. *N* -6-

1900 — लघुभाषिणी. *N* -8-

1901 — सिद्धान्तचन्द्रोदयाख्यटीक्या सहितः अज्ञाननिवर्धिततर्कसंग्रहस्योपरिबद्ध प्र-  
तीकाः सन्ति। तत्र 'न्यायवेधिविनी'  
'दीपिका' 'सिद्धान्तचन्द्रोदय' इत्यादयः  
प्रसिद्धास्तानु न्यायवेधिविनी न्यायशास्त्र प्रवि-

त

विज्ञाना पारिभाषिकान्धमात्रुर्वावतिदुर्वाभा  
सथैव दीपिकायि दुष्प्रवेशा, सिद्धान्तचन्द्रो-  
दये तु सर्वविषयाणामतिसरलतया व्याख्यान  
कृतं. अतोऽस्माभिः न्यायशास्त्रं प्रविशिक्षणां  
जनानामुपकाराय शीघ्रं मद्धान्त प्रयास-  
मात्माय मुदितः। *Gu* -10-

1902 — A work on Philosophy (refutation of वैज्ञानिक theory of atomic creation) by भानुदत्ताय or आनन्दगिरि, the famous commen-  
tators on the न्यायशास्त्र of शङ्कराचार्य who flourished in the latter half of the 13th century, ed. by T. M. शिपाडी 1917. *Gu* 2-

1903 — न्यायवेधिविनी, वाक्यवृत्तिः नि-  
रुक्तिः, पद्मागिरामदिपणी, तर्कसंग्रहदी-  
पिका, गीतरूपप्रकाशिका, रामकर्मिया,  
मुनिहृदयप्रकाशिका, पद्मागिरामप्रकाशिका चैत्य-  
तैर्वनभिरन्यायशास्त्राविवृतः। 1920, 8vo.  
pp. 2, 436, 5. *Ba* 3-4-

1904 — श्रीनरभट्टप्रणीतः। दुपिमार-  
योग्यभाषाविवरिततया न्यायवेधिविनीया  
मनीषिप्रकाण्डचन्द्रजसिद्ध कृतेन पदव्याख्यान,  
न्यायवेधिविनीया प. श्रीदुष्टिद्वाराशास्त्रे विर-  
चिततया विरलयाच सहितम्। *Ch* -6-

1905 — with critical notes &c. by K. O मेहेंदरे. Revised & enlarged with introd. & new comm. by D. G. दत्त 1908. 8vo pp. 2, 82, 122. *Bo* 1-8-

1906 — by Hultzsch D. 4-

1907 — गुणाधेदीर्घाविवरितः *Mo* 1-8-

1908 — with दीपिका and न्याय-  
वेधिविनी ed with Notes etc. by Y. V. आठवले and M. R. मोदस. 2nd edn. *Bo* 3-

- त
- 1909 — न्यायबोधिनीपदकृत्याविलोपेतः  
Kg -8-
- 1910 — न्यायबोधिनी व पदकृत्य टीका  
मराठी Transl. by N. N. कुलकर्णी  
1-8-
- 1911 — with टीलिका, in मराठी by  
Prof. S. M. पराजपे. 1-8-
- 1912 — मू. Vy -1-
- 1913 — न्यायबोधिनी—पदकृत्यटीका-  
सहित. Vy -6-
- 1914 — लघुबोधिनीटीकासहित Vy-8-
- 1915 तर्कसंग्रहसूत्रिका—( म. म. श्री-  
मद्वैतसूत्रतर्कसंग्रहशास्त्र ) व. सुकुन्द-  
शर्मकृत. -6-
- 1916 — दीपीका नान्दकृष्णटीका-  
सहित. Vy -12-
- 1917 तर्कसंग्रहसार Text & मराठी  
transl. ed. & publi. by बापटशास्त्री.  
1914, 8vo. pp. 2,282. Ak 5-
- 1918 तर्कसंग्रहसर्वस्वम् by कृष्णदत्त  
श्रीरामशास्त्री. 1924 cr. pp. 4,2,III  
42, 10. 2-
- 1919 तानिकनीलकण्ठी ( न्याय ) सूटीक.  
N 1-
- 1920 — श्रीनिधिकण्ठदेवताविरचित श्री-  
विष्णुवाक्यदेवताविरचितसोदाहरणसूत्र टीका  
विरचिता व. श्रीसुतारामशास्त्रीविरचित गणित-  
विषयावधान संहिता । Ch 1-4-
- 1921 — निधिविरुपातदेवताविरचनसूत्र-  
सोदाहरणसूत्रटीकासंहिता, तथा व्यो.  
भा. व. श्रीसुतारामशास्त्रीविरचितगणितविषयो-  
पर्यायविधिगणितसंग्रह, Gl 1-8-
- 1922 — सरसूत्रटीका तथा पूर्वोक्तसंहिता-  
कारिप्रतिभा. Vy 1-6-
- 1923 — नीलकण्ठाचार्यविरचित वि-  
वादेवज्ञकृतसंस्कृतटीकासंहिता । तन्त्रत्रया-  
त्मका. Vy 1-6
- 1924 TANTRIK ORDER WITH SEVE-  
RAL SEXUAL ILLUSTRS. M 10-
- 1925 तत्पर्यचन्द्रिका by व्यासराज स्वामि,  
An explanatory gloss on तत्पर्यका-  
शिका though a commentary it  
is in itself a keen argumenta-  
tive—The masterpiece of व्यास-  
राजस्वामि, with the gloss of तत्पदे-  
स्वामि, only two भाष्याs. Mo 18-
- 1926 तार्किकरक्षा भीमराजकृता, कोशाचल  
महिनापसुगिरिविरचितयाटीकयासंहिता। 8vo.  
pp. 432. Lz 3-3-
- 1927 तारातन्त्र text in नागरी chara-  
cter, ed. by व. गिरिशचन्द्र देवान्त-  
रीय with an Engl. introd. by  
अक्षयकुमार मिश्र. Vr -8-
- 1928 ताराशास्त्रोक्त ( काव्य ) श्रीहृण्ण कवि-  
यणीत Km 1-
- 1929 तालमान or Iconometry by T.  
A. गोविन्दाशरा G 4-8-
- 1930 तिङ्-तान्त्राणवितरणिः ( व्याकरण )  
Vj 10-
- 1931 तिथिनिर्णय ( पक्ष ) Vy -2-
- 1931 : तिलकमञ्जरी ( काव्य ) भद्रादित्य  
जैनशास्त्राधिका. A 2-8-
- 1932 तिलकमञ्जरीसंग्रह by कृष्णशास्त्री.  
1909. cr. pp. 60. V, -3-
- 1933 TIBETAN PRIMER (No 2) by  
Lama Wargden, edited by S C.  
विद्याभूषण. 1902, 8vo. pp. 53.  
Gc -8-

त

1934 — (No 3 & 4) by Lama  
U Gya-tsho 1923 3rd edn cr  
pp. 54. 2-

1935 TIBETAN TALES, DERIVED  
FROM INDIAN SOURCES. 8vo  
Kp 9-6-

Translated from the Tibetan of  
the 'halagur by F A von Schöf-  
ner, and from German into English  
by W R S Ralston New edition  
with a Preface by C A F Rhys  
Davids

1936 TIBETAN MYSTERY (three)  
PLAYS AS PERFORMED IN THE  
TIBETAN MONASTERIES cr 8vo.  
Kp 5-12-

Translated from the French by Jac-  
ques Barot (with an Introduction  
Notes and Index) and into English  
by H I Wolf with numerous  
illustrations from native artists by  
A Golobov

1937 तीर्थक्षय by आश्वभाषि, ol  
by D H भाट्टाकर & केदारनाथ  
साहिवकर, (1923) It -12-

1938 तीर्थचिन्तामणि A treatise on  
श्रुति by वासुदेव मिश्र, ol by कम-  
लधर श्रुतिरत्न 1912 It 3-12-

1939 तीर्थमाला भरतचन्द्रान्तर्गत तीर्थों की  
संक्षिप्त वर्णन -6-

1940 तुलसीदासचरितोत्तर तुलसीदास  
चरितोत्तर, राधाकाशव तथा भीमराज  
Vy -2-

1941 तुलसीदास रामायण (राधाकाशव) चर-  
Vy 9-

1942 — — Vy 7-

1943 — — Vy 3-

त

1944 — — Vy 2-

1945 — — Vy 1-12-

1946 — — Vy 1-1-

1947 तुलसीविवाहविधिपद्धति (कर्म)  
चतुर्थालंकारजीकृत Vy -3-

1948 तुरीयमीमांसा, (वसन्त) सप्तमशार्द-  
वर्षतन्त्रसूत्रपाठितस्वामिशरामभिषयाक्षिप-  
णीता । अस्या किल भाष्येणादिजातीनां  
सर्वेषामपि सन्दातग्रहणाधिकारः शास्त्रतो  
मुक्त्याच ग्रन्थक्रीतेन परिभ्रमण प्रति-  
पाद्यत इव च तुरीयमीमांसा विद्वद्भिरैक-  
वामस्यार्थवर्णनार्थे— L- 1-8-

1949 TELUGU ENGL DICT by  
Philip C. Brown 1852 40-

1950 तैत्तिरीयारण्यकम् सायनभाष्यसहितम्  
Pt I & II An 9-1-

1951 तैत्तिरीयोपनिषद् । शंकरभाष्येयता,  
आन्ध्रिचिरीकण्ठा शरानन्दकृता वीथिभा-  
षा । An 1-12-

1952 — श्रीमच्छ्रुतभाष्यसहितभाष्य-  
णन्दश्रुतिरत्नगीतादुता तैत्तिरीयविषय-  
कात्ता न सहिता । ed by D. V.  
सायन, An 1-

1953 — with the भाष्य of महाशार्द  
and the gloss of भीमिशरतीर्थ and  
शास्त्रादीनाम् An 2-8-

1954 — containing (मिया, बह-  
रावा, मुमु) with मराठी trans by  
बापटभाषा, Ak 1-

1955 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्य of श्रीशंकर  
गवतशार्द with the commentary  
called वनमाला by मधुराध्यायदीर्घ  
Roy 810 pp 80-270  
(loth Pt. 4-

1956 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यपरिचय । मुने-  
श्वरशार्दक सप्तमः । An 2-2-

स

- 1957 — Text, in देवनागरी character Transl. & सकार Commentaries, etc. by Pt. A. महोदयशर्मा Ad 5-
- 1958 — Text and Translation by स्वामी शर्मानन्द Ad -14-
- 1959 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्य VI 1-
- 1960 ————— Vv 3-
- 1962 तैत्तिरीय, ऐतरेय, & श्वेताश्विनोपनिषद्: Translated by G. R. S. Mead and J. O. चटोपाध्याय. Ad -8-
- 1963 तैत्तिरीयब्राह्मणम् । कृष्णवज्रसंस्कृत-साधनाचार्यविरचितभाष्यसमेतम् । Vols. 1 to 3. Aa 4-8-
- 1964 — with the comm. of मङ्गलभास्कर with स्वराज अष्टका. I, II, III, with parts I & II. Bv 12-12-
- 1965 तैत्तिरीयप्रतिशाख्य Text Transl. and Notes with its comm. the निरुक्तभाष्य by W. D. Whitney. 1868. (J.A.O.S.) 36-2-
- 1966 तैत्तिरीयसंहिता ( कृष्ण वज्रसंस्कृत ) Transl. into Engl. by A. B. Kiehl in 2 Vols. 36-9-
- 1967 — ( १६ ) सप्तपाठा, साधनाचार्यविरचितभाष्यसमेता । Vols. 1 to 9 Aa 48-10-
- 1968 तन्त्र THE PRINCIPLES or, by शिवचन्द्र निमार्णव महाचार्य महोदय, Pt. I, & II by वारदहान्न महाचार्य with an introd. by Arthur Avalon. Tt 20-
- 1969 TANTRA OF THE GREAT LIBERATION ( महाविमर्श तन्त्र ) A Transl. from the मङ्गल with Introduction and Comm. by Arthur Avalon. Tt 8-

त

- 1970 तन्त्ररहस्यम् A work on the प्रभाकर school of पूर्वमीमांसा by रामा-दुजाचार्य ed. by Dr. R. रामाशास्त्री. 1923. cr. pp. Go 1-8-
- 1971 तन्त्रराज ( Kalamata ) Ed. by छत्रमणशास्त्री दण्डि with full Summary in Engl. by Arthur Avalon Pt. I. Tt 3-
- 1972 तन्त्रवैदिकान्तिका by अभिनवगुप्त, Bound in one. Km 1-4  
( 1 ) Tells how liberation from worldly trammels is obtained through the right realisation of the Highest Self ( 2 ) gives instructions with regard to the awakening of the serpent force and its passage through various life centres in the body. ( 3 ) is a brief resume of the Tantraloka by the author himself
- 1973 तन्त्रवार्तिकम् ( मीमांसा ) by मङ्गलभास्कर. A gloss on शाबरभाष्य on the मीमांसा Sutras from the 2nd. part of the 1st अध्याय upto 8th part of the 3rd. अध्याय, ed by द. पुण्डरीकाग्रत धर्मविरचयि and म. म. द. गणपतरावर्मा. Bv
- 1974 — A commentary of Sabara's Bhasya on the पूर्वमीमांसा Sutras of जेमिनी Translated into English by म. म. गणनाथ शा ( 1903-1914 ). Bv 25-
- 1975 तन्त्रमुद्रम् ( तन्त्र ) by महारक शिवदेवानन्द. Tr 4-
- 1976 तन्त्रसार Epitome of the voluminous तन्त्रशास्त्र by अभिनवगुप्त with preface in Engl. Km 2-8-
- 1977 तन्त्रसमुच्चय. ( तन्त्र ) by भारद्वाज with the comm. विमर्शनी of

- त  
 भाषकर Part I and II each containing १ to 6 & 7 to 12 respectively. Tr 6-12-
- 1978 तन्त्राभिधान with वीजनिषण्ड and मुद्रानिषण्ड. A Tantrik Dictionary, ed. by तारानाथ विचारन with an Introd. in Engl. by Arthur Avalon, vol. I. Tr 2-
- 1979 तन्त्रालोक. Vols. 1-8 Km 30-
- 1980 तृतीयासुबोधपाठावली. The third course of easy sanskrit readings, with Grammatical exercises in संस्कृत at the foot of each lesson, collated from Various sources by M.P. भोक्. 1928, 5th edn, crown. 16 mo. Ga -6-
- 1981 श्रवोद्देशमुक्त (दिगंबर जैन): N 1-
- 1982 त्रिकालसंध्या (कमे) ज्ञानेदिवा. N -2-
- 1983 — दिव्यकेशावा. ( भाव-स्वरीया ). N -1-
- 1984 — यजुर्वेदीया. -1-
- 1985 त्रिकाण्डमण्डन or भास्तरवृत्त जनितादिकारिका by त्रिकाण्डमण्डन भास्कर मिश्र, a son of बोधिबुद्ध कुमार स्वामी, a सोमराजी being an exposition of the शेषमार्ग Aphorisms of भास्तर with an anonymous commentary, ed. by म. म चन्द्र-कान्त सर्वकार मद्रास. 1903. Fasc 1-3 Bt 2-4-
- 1986 त्रिकाण्डशेष (कोर) सारार्थचन्द्रिका नामकसंस्कृतटीकाप्रवृत्ति. Vh 3-
- 1987 त्रिकोणमिति संज्ञी जीमनमन्त्र सटी-पत्र. Kg 2-
- त  
 1988 त्रिपुरमहिमास्तोत्र नित्यानन्द वि-चित्राव्याख्यासहित. Km 11 1-
- 1989 — दुर्गासङ्कृत Km 11 1-
- 1990 त्रिपुररहस्यम् (ज्ञानकाण्ड) ed. with Introd. by गोविनाथ, कविराज, Pt. I, 8vo. pp. 2, 80, Pt. II. 8vo. pp. 232, 2, 3, 2, 1, 1925. Sb
- 1991 — महात्म्यसङ्गम Ch
- 1992 त्रिपुरसुन्दरीमानसिकोपचारपुजास्तोत्र श्रीशक्त्याचार्यविरचित. Km 9 1-
- 1993 — मानसपुजास्तोत्र श्रीशमराज वीक्षितविरचित. Km 9 1-
- 1994 त्रिविधनामावली. Vt 1-4-
- 1995 त्रिवेणिक by भाषापरमहं, ed. with introd. by B. N. रामा & G. N. कविराज. 1922. 8vo. pp. 18, 29, 2. Sb -14-
- 1996 त्रिपाटिस्तोत्रपुराणपरित—(जैन) of the great जैनचार्य श्रीहेमचन्द्र. It contains the history of 63 eminent persons transl. into Engl. with an historical introd. by Prof. B. रात जैन. Vol. I. 4-8-
- 1997 त्रिमुक्ता ( वेद ) N -1-
- 1998 त्रिरथलीसेतुः ( पद्म ) नारायणमह-विरचितः। An 3-12-
- 1999 त्रिभुवनसिंहकुमारपरिचय ( जैन ) गव. Jb 1-4-
- 2000 त्रैलोक्यमोहनकवच (स्नान) सटीक N -2-
- 2001 त्रैलोक्योष्ठी गव, ( जैन ) of मुनि-सुन्दरपुरि. Jb 1-8-
- 2002 महाशक्ति, The excavations, at, etc—Excavations at तपुर्वीरा.
- 2003 त्रिपेट, THE RELIGION of, etc—The Religion of त्रिपेट.

त

2004 TIBETAN LANGUAGE, A GRAMMAR of, see—A Grammar of the Tibetan Language

2005 तुकाराम, A COMPLETE collection of poems, see—A Complete collection of the poems of तुकाराम.

2006 TURKEY LANGUAGE, A SKETCH of, see—A sketch of the Turkey Language

2007 विचनपट्टी, A SHORT HISTORY of, see—A short History of विचनपट्टी.

2008 THE THEORY OF ADOPTION, by प. दुर्वाण्ड श्रीरामशास्त्री. 1909 8vo, pp. 59. Cu 3-12-

It discusses the Origin & Merits of the theory of adoption in a Hindu family

2009 — OF GOVERNMENT IN ANCIENT India (Postvadic) by देविप्रसाद with a foreword by Prof. A. B Keith 8-8-

2010 — OF INDIAN MUSIC AS EXPOUNDED by सोमनाथ ed by K B. दत्त, publ from the separate print of सङ्कत by प. L. कुतकोटि 1916 Research Vol. I no. 3&4, 8vo. pp. 241-308. Oo -8-

2011 THE THEORY OF SOVEREIGNTY, by शाशकजीवन रे 8vo pp 360. Cu 10-

The work is the thesis by the author for the Degree of Doctor of Law The author has sought to formulate a correct theory of Law

य

by critically analysing the conception of Sovereignty and investigating the entire history of the theory of Sovereignty. The work has been divided into three books Book I deals with the Origin of Law and the State, Book II treats of the Manifestation of Sovereign Power in the Different Systems of Polity and Book III presents a Critical Exposition of Sovereignty

2012 THEISM IN ANCIENT INDIA, by गौतमाय कविराज. Sb 3-

2013 — IN MEDIEVAL INDIA. (Hibbert Lectures) by Estlin Carpenter. 1919 pp. XII, 552. 15-

2014 THREE GREAT ACHARYAS, शङ्कर, रामानुज and मध्व. Their life, Times and Philosophy cr. pp. 344 Ni 2-

2015 THREE DIALOGUES BETWEEN HYLAS AND PHILONOUS by Berkeley G. 1916. 2-

2016 THESIS OR TARMINALIA ARJUNA by लाल मोहन दास. 1909. 8vo pp. 7 Cu -12-

2017 THIRD सङ्कत COURSE FOR MATRIC-STUDENTS by M. S. गोळे. 1912. Revised. 3rd edn cr. pp ii, 112. Do -8-

2018 THIRTY MINER उपनिषद्वाक्यः (1 अथ्याय, 2 अथ्वेनाद, 3 अथ्वेनाद-उ, 4 आत्मबोध, 5 कश्चित्तत्त्व, 6 कश्चित्तत्त्व, 7 गर्भ, 8 तारका, 9 ताराविन्दु, 10 ध्यानविन्दु, 11 नादविन्दु, 12 नादद्वारे-नाजक, 13 नादपत्र, 14 निरात्म्य, 15 वेद, 16 मध्व, 17 निष्ठक, 18 मन्द-

य

- माहण, 19 मुक्ति, 20 मेनेन, 21 योग-  
कुण्डली, 22 योगतत्त्व, 23 साण्डिल्य, 24  
शरीरक, 25 अन्नसूचि, 26 राह, 27 स्कन्ध,  
28 सर्वसार, 29 सुख & 30 हंस.)  
Transl. into Engl. by मारायण  
स्वामि अय्यर. *Ad* 3-8-
- 2019 THOUGHTS FROM THE वेदान्त.  
A popular presentation by R.  
वृष्णस्वामि अय्यर. Crown 8vo. xix  
181. *Vv* 1-8-
- 2020 THOUGHTS ON INDIA, by a  
Brahmin, 1881. 8vo. pp. IV,  
344, 4. *Bn* 3-
- 2021 THOUGHTS AND GLIMPSES by  
अरविन्द घोष. cr. pp. 21. *Cc* -8-
- 2022 THEATRE OF THE HINDUS,  
SELECT SPECIMENS of, see—  
select specimens of the theatre  
of the Hindus.
- 2023 THEOSOPHY, THE PURPOSE  
of, see—The Purpose of  
Theosophy.
- 2024 THIRD ORIENTAL CONFE-  
RENCE, the proceedings of, see—  
The proceedings of the third  
oriental conference.
- 2025 दत्तकर्ममासा (पर्व) पञ्चाय-  
प्रमाणपारावरपारिषद् धर्मोपिकारीवन्द्य बाण्डत-  
विराजिता. *Ch* -8-
- 2026 दत्तकचन्द्रिका (धर्म) (पद्धति-  
सहिता). ed. by लालितमोहन काव्यतीर्थ.  
*Sd* -8-
- 2027 — दत्तकर्ममासा (पद्धति)
- 2028 — सितोमणीद्वन्द्विका च ed.  
by यशोधर गदाधर्य. *Sd* 1-12-

द

- 2029 दत्तकाम्बुलहरी (स्तोत्र) मूळ.  
*Vy* -11-
- 2030 दत्तदासतपोचित्संग्रह by T. G.  
काले and publ. by V. G. विजापुर-  
कर 8vo. pp. 125. *1-*
- 2031 दद्यादयसहस्रनामावलि. *N* -4-
- 2032 दद्यादयसहस्रनामावलि (स्तोत्र) by भीम  
व्यकटेश्वर. *Md* -8-
- 2033 दद्यादयसहस्रनामावलि (स्तोत्र) by भीम  
व्यकटेश्वर. *Md* -8-
- 2034 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2035 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2036 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2037 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2038 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2039 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमन्दकृत.  
*Km* 1-
- 2040 — (काव्य) of दण्डिन *Closely*  
Transl. into Engl. by M. R.  
काव्य. and V R नेरुरकर *Gn* 2-4-
- 2041 — Part II, by Dr. Peter-  
son, reedited with Notes in one  
Volume, by G. J. भागवत.  
*Bp* 4-6-



- २  
2042 — ed. with different Readings and glossary of difficult words & phrases and a comprehensive lucid comm. in samskṛta by G. K. अवैदकर. 1895. 8vo. pp. 78, 11 Bo -12-
- 2043 — ed. with samskṛta comm. बाळमोषिनी by S. D. गजेन्द्रगडकर notes, Introd and Appendices by A. B. गजेन्द्रगडकर. 8vo. pp. VIII, 166, 136 उच्छ्रिता I & II. 3-8-
- 2044 — सप्तम टीका तथा टिप्पणिसह. Vy 1-8
- 2045 — (मटीक) ed. by गुणनाथ कायतीर्थ. सर्ग 1 & 2 Sd 1-14-
- 2046 — ed by रेवतीकान्त महाचार्य. सर्ग 1 & 2. Sd 1-4-
- 2047 — ed by हरिदास सिद्धान्त-धारीश. सर्ग 1 & 2. Sd 1-4-
- 2048 — ed by हरिपद चटोपाध्याय सर्ग 1 & 2. Sd 1-8-
- 2049 दशरूपकम्.—The book is an able and authoritative essay on Hindu Theatre by the poet बर्हिर्न. It contains a commentary called अवलोक by धनजय and a commentary called प्रभाव्य by व सुदर्शनचार्ड Roy. 12 mo Gu 1-
- 2050 THE DASARUPA, a Treatise on Hindu Dramaturgy by Dhananjaya, edited and translated by G. C. O. Haas. 1912. pp 440. Of 11-4-
- 2051 द्वादशस्कन्ध ( दुराण ) अविताय प्रकाशिकाभ्यासासह. 5-
- ३  
2052 दशवैकालिकसूत्रसटीक ( जैन ) of सत्यमताचार्य with the comm. of समयसुदा उपाध्यायनी. Jb 6-
- 2053 दशस्त्रोकी ( वेदान्त ) by निंबार्काचार्य with a comm. called लघुमन्त्रा by गिरिधर प्रसाद. Ch 4-8-
- 2054 दशावतारचरित ( काव्य ) श्रीतेने-म्वृत्त. N
- 2055 दशोपनिषद्—(1 इत, 2 ऐतरेय 3 कठ, 4 केन, 5 छांदोग्य, 6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 मुण्ड, 9 मुण्डक, & 10 माण्डूक्य. ) with the भाष्य of महाचार्य and टीका & glosses of various authors Mo 34-8-
- 2056 — ( 1 इत. 2 ऐतरेय, 3 कठ, 4 केन, 5 तैत्तिरीय, 6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 मुण्ड, 9 मुण्डक, & 10 श्रुताश्रय ) ed with मन्त्र Text, Annotations and transl. by सीतानाथ तत्त्वभूषण. Ad 3-
- 2057 — स्वामि श्री १०८ भास्करानन्द विरचितभाष्यसहित Kd 4-
- 2058 — ईत ८९, केन ८८, काठक ८१२, प्रश्न ८१०, मुण्डक ८८, गीतपादीय कारिकासह माण्डूक्य ९१६ तैत्तिरीय ९११ ऐतरेय ९११, छांदोग्य ९११, बृहदारण्यक ९११, या द्वा उपाधिवाचा—मूढ भुवि, अर्थ, शोकरभाष्य व त्याचा सखे सहाकरणासह अर्थ, सोसह—सेत एकदम धनरास २०६ Ad 250-
- 2059 दहरविद्याप्रकाशिका श्रीमच्छाशिव-महोदयगुरुवर्यसिष्यमन्त्रस्वामीप्रणीता । अतीव सरण्या हृदयमया सरण्या दहरतत्त्व वेदबर्हि । अस्मिन् ग्रन्थे ह्युपलब्धिर-मभ्यस्त्येव उपास्यते सिद्धान्तात्मन् । इतरेषां दशानां तदुपासकत्वं च व्यरस्तादितम् । ed.

- and published by चन्द्रशेखरशास्त्री.  
1925.cr. pp. 2, 84. Md 2-8-
- 2060 दाढावंसो—*or* A history of the tooth relic of the Buddha—Pali text ed. and transl. into Engl. by Dr. Bimala Charan Law, The history of Ceylon would be incomplete without the Dathwamsa. 8vo. pp. 4, 66, 2, 2. Ps 4-
- 2061 दानचन्द्रिका (धर्म) मू. Vy 10-
- 2062 दानप्रकाशश्लोकवद्ध—( जेल ) of कन्दुसालगणी. Jh 1-6-
- 2063 दानमयूख is an exposition of the doctrines of charity, gifts, religious & otherewise prevalent among the Hindus. ed. by V. R. लक्ष्मी 1924. 8vo. pp. 3, 300. Gu 1-
- 2064 — ( धर्म ). Ky 1-8-
- 2065 दानलीला ( कान्य ). Km 2 1-
- 2066 दानसमष्टि ( धर्म ) मू. Vy 2-8-
- 2067 दामद्वयप्रहसनम् ( An old Play in one Act ) Ed. with text and transl. by Pt. V. व्यकुटरामशास्त्री. 1916, 8vo. pp. 2, 56. -6-
- " In matters of diction phraseology and plot, it bears a comparison to the 13 works of so-called Bhassa and to Bhagavadgita, Mattarila Prabhasa and Kalyana-saundaryika. It is called as the 14th play of Bhassa "
- 2068 दिग्दर्शनोक्त ( मीमांसा ) महाभक्ति-साधनप्रकार म. म. गुणवत्तुविशेषविनिर्दिष्टा अथवा मीमांसायाः लक्षणेभ्यो, दिग्दर्शने कथं
- मवर्तित्वेतिप्रतिपादनं तर्मीचीनतया कृतमस्ति, ज्योतिर्विदामनस्यमेव भाट्टयोग्या वर्तते । pp. 54. Lz -10-
- 2069 दिव्यसुरिचरितम्—गुरुद्वाराहणपण्डित-कृतम् । 2nd edn. Vz
- 2070 दीनार्पणद्वन्द्वस्तोत्र, लोटक निमित्त. Km 7 1-
- 2071 दीपवंश AN ANCIENT BUDDHIST HISTORICAL RECORD. by Oldenberg. H. 1879. 16-12-
- 2072 दीपवंश and महावंश. Text ed. in Roman character by Geiger W. Gr 10-
- 2073 दीर्घवृत्तलक्षण ( ज्योतिष ) कं. मुभाकर द्वितीयकृत. Vy -8-
- 2074 दु(डु)पयिका (मीमांसा) by भट्ट कुमारीन. A gloss on the शास्त्रभाष्य मीमांसा from 4 th to 12 th अध्याय. ed. by म. म. कं. गणपतिशास्त्री. Bn 6-
- 2075 दुर्गासप्तशती, दुर्गापदीप गुप्तशती, चतुर्पदी, ज्ञाननदी, नागोजीमणी, जगन्मन्त्रिका तथा वसोद्वार दीनारसहित Vy 4-
- 2076 — शास्त्रनदीदीक्षा, सटीकाद्वयक. तथा सभाष्य वैश्विक शास्त्रादिक साहित्य. Vy 1-12-
- 2077 — नागोजीमणि इति संस्कृत दीक्षा-सहित. Vy 1-4-
- 2078 — ( मन्त्र ) संपूर्ण पवित्र, Vy 2-
- 2079 — Vy 1-10-
- 2080 दुर्गोपासनाद्वयप्रभु ( दुर्गागोविन्द-वात्तमेव ) by कं. हरिप्रभ. Vy 5-
- 2081 दुर्घटवृत्ति ( व्याकरण ) Vy 2-
- 2082 दुर्गवर्णन ( नाटक ) of भाट्ट ed. by गणपति शास्त्री with सहाय्य commentary. Tr -8-

द

2083 दूताङ्गद्वया (नाटक) श्रीसुभट-  
कविविरचित N -3-

2084 दूतिवर्मप्रकाश, पदरी विद्वज्जित.  
Km 13 1-

2085 दुर्लारामकथासार (काव्य)—राजा-  
नकमहाशयविरचित. N -6-

2086 देवकृपितुर्पण (कर्म) Vy -1-

2087 देवकोश, अमरकोश Lr 4-

2088 देवीपञ्चस्तोत्री (स्तोत्र) कालिदासविर-  
चित. Vt -2-

2089 देवीपुराण with देवीभागवत.  
Gu 2-

2090 देवीभागवत Complete transl  
by स्वामि विज्ञानानन्द & publ by S  
N Roy. pp 1192, Po 23-

2091 देवीघातकस्तोत्रम् by आनन्दवर्ण  
with the comm of कश्यप  
Km 8 1-

2092 देवीसहस्रनामावली Vy -3-

2093 देशी राग ed by P C Roy,  
or pp 72 Cr 1-8-

2094 देशोपदेश or नमोऽग्रा by समेन्द्र  
Bound in one Km 1-8-

Describe a vivid picture of  
the moral and political evils  
rampant in the day of the  
author and thus give a short glimpse  
into the history of Kashmir in the  
medieval ages With Preface and  
intro in Engl

2095 देवालयप्रामाण्य (ग्रन्थ) मू-  
लपुराणान्तर्गत Vy 1-8-

2096 दैवम् (व्याकरण) by देव with  
प्रवक्तार of कृष्णार्णव मुलमुनि Tr 1-

2097 दैवज्ञकामपेन — (A Treatise on  
Astrology) By the very vener-  
able भन्मन्मथि स्वराज महास्वामी of

द

the Hastavangriya Parivena,  
Ceylon Ed by the Very Rev  
C. A. शीनरुण्ड स्वामि of the  
“शैलविम्बराय” Vibhar Dodan-  
duwa, Ceylon and छीतारामस्वामी  
उपाध्याय. Bn 4-8-

2098 दोहोत्सवदीपिका (सर्गात्) Vy -4-

2099 द्रव्यगोष्ठविधि see—अथर्ववद

2100 दृष्टांतमञ्जूषा (नीति) Vy 1-4-

2101 दृष्टान्तरत्नावली पद्य (जैन) of गरि-  
मङ्ग, 2nd edn Jb 1-2-

2102 दृश्यवस्तुमाननिरासवाद — (बौद्ध)  
माध्वकारणतत्त्वज्ञानम् Su -4-

2103 द्रव्यगुणसंग्रह (देवक) द्रव्यगुणसंग्रह  
व्याख्यासहित N 1-12

2104 — सिद्धेश्वरविरचित व्याख्या  
Mt -12-

2105 द्रव्यसंग्रहवृत्ति & द्रव्यसंग्रह (जैन)  
by हेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ति with  
comments by बह्मदर ed with  
Intro transl notes and ong  
comm in, Engl by S G रामाज  
Roy pp 123, 103, LXXXIII  
78-

2106 DRAVIDIAN INDIA by Prof.  
T R Aiyangar 4-

2107 THE DRAVIDIAN ELEMENT  
IN INDIAN CULTURE by Ben  
Slater G 1914 10-8-

2108 द्वाहायनगृहसूत्रवृत्ति । (देव) द्र-  
व्यसंग्रहीतम् Aa 1-

2109 द्रौपदीपरिणय (नाटक) चक्रवर्तिविर-  
चित

2110 द्रौपदीस्वयंवर (नाटक) चक्रवर्तिविर-  
चित

2111 द्रुपदचरित (जैन) चक्रवर्तिविर-  
चित Vy -8-

द

- 2112 द्वाभयकाव्य of हेमचन्द्र by Prof. A. V. कायवंदे. Vol. I, (Cantos I—X). Bp 9—  
 2112a — with the commentary of अभयतिलक by Prof. A. V. कायवंदे, Vol. II, (Cantos XI—XX). Bp 9—  
 2113 द्वार्धिशतुत्तलिकासिंहासनम् or A life of विहम by जीवानन्द with comm. अभिनव by श्रीबाबुनोब रिया धरण. 1916. 8vo pp. 255. Cc 2—  
 2114 द्वादशमहापायवाचिषाणम् Vy 4—  
 2115 द्वारकामहाराज्य, मूल, स्वप्नप्रतापतर्गत. Vy 1-4—  
 2116 — सूत्र, गर्गसंहितातर्गत Vy 5—  
 2117 द्वादशदिगातीभद्र (कर्म) (गीत. Vy -1—  
 2118 द्विरूपकोशः—बीहर्षदेवभूतो लघु-निबन्धः। 2nd edn. 1½ 1-4—  
 2119 द्वितीयानुबोधपाठावली. Second course of easy sanskrit readings collated by M. P. ओर from various sources. 1928, 6th edn. crown 16 mo pp. 40 Ga -4—  
 2120 द्विजयानम् of धनंजय ed with comm. of बहुरीश by व. शिवदत्त, & K.P. पत्र 1895. 8vo. 16 N 1-8—  
 2121 धनंजयविजय (काव्य) काबनाचार्य-विरचित. N -3—  
 2122 धनदत्तचरित्र गण. (जैन) of भाव-चन्द्रपुरि. Jb -11—  
 2123 धनिष्ठापञ्चकस्तोत्र. Vy -3—  
 2124 धनुर्वेदाध्यायः by हरिश्चन्द्र. Vy -4—  
 2125 धनुर्मासाध्यायः by हरिश्चन्द्र. Vy -3—

घ

- 2126 धनुर्वेदसंहिता (ज्योतिष) महर्षि-वसिष्ठमुनिवर्णीता. Vy -10—  
 2127 ————— Sd 1-8—  
 2128 घञन्तर-यनिघण्टु (वैयक) Aa 6-4—  
 2129 घञमपद Text, Engl. Transl. notes & Introd. 1923. cr. pp. xxxvi, 115. Oa 2—  
 2130 घञमपद Original Text, transl. into गुजराती with Introd notes etc. by प्रो. धर्मानन्द कोसावी. 1914. cr. pp. 156. 1—  
 2131 घञसंगति by Mrs. Rhys Davids. 1923. 2nd edn. Ra 18-12—  
 2132 DHAMMA & BRAHMAN (German) by Geiger W. 2—  
 2133 धम्मपद & सुत्त-निपात, Engl. transl. from the Pali. by F. Max Muller and V. Fausboll. Of 8—  
 2134 (धर्मद्वयम्) मय्यार्थविरह. An explanation of sanatana dharma as the basis of all religion and Philosophy in Hindi ed. and publ. by स्वामि रिक्कानन्द. Vol. I & VI Roy. pp. IVI, 6, 1155. 1—  
 2135 धर्मद्वयथा (जैन) Jb 1-4—  
 2136 धर्मनिर्णय (धर्म) धर्मोपनिषत्तिसार. Vy -6—  
 2137 धर्मप्रदीप. (धर्म) द्वारकामहाराज-तर्गित तिथीनां सप्रमाण निर्णय. Vy 7-8—  
 2138 धर्मप्रदीपोत्पत्तिपत्रनिराकरणपर-मम्. A booklet establish- ing that the animal to be

- घ  
killed on sacrificial occasions,  
was originally intended to be  
made of floor by H. R. इरोहित.  
1923. foolscap, 8vo, V<sub>1</sub> -1-
- 2139 धर्मप्रचारसोपान. Hindi translation, cr. pp. 84. K<sub>g</sub> -3-
- 2140 धर्मरत्नकरण्डक सटीक ( जैन ) of  
वर्मानसूति. Pt. I & II. Jb.  
each 7-5-
- 2141 धर्मरत्नमञ्जूषा भय ( जैन ) of  
वैद्यजिजयणी Pt. I, II, & II  
Jb 10-
- 2142 धर्मराजकालखा ( धर्म ) Vy -11-
- 2143 धर्मविजयम् ( नाटक ) श्रीगुरुवशु-  
रिचितम् छायासमेतम्. Vy -8-
- 2144 धर्मधर्माभ्युदय ( काव्य ) महाकवि-  
भीहरिचन्द्रविरचित. सर्ग 21. N 1-
- 2145 धर्मशास्त्रसंग्रहः ( धर्म ) छात्रचरण-  
प्रसादजी संमहीत नवपञ्चाशत स्तुतीनाम्नारः  
Vy 10-
- 2146 धर्मशिक्षणचालोनामा. In marathi  
by श्रीराम, publ. by इ. वि. वझे.  
cr. pp 79. -12-
- 2146a धर्मशिक्षणमाला संस्कृत with  
marathi transl. by S. विज्ञानशशी.  
1926. pp. 2, 16. -2-
- 2147 धर्मसंख्यापुरतकमाष्टय ( धर्म ) हनु-  
मानसमर्पणमिति. 1 स्तुतिविधि. ॥ भोजन-  
विधि. -4-
- 2148 धर्मसंगीत ( संगीत ) राधाकृष्णजी-  
मिश्र समर्पित. Vy -4-
- 2149 धर्मसिन्धु ( धर्म ) मूढ Vy 3-
- 2150 धर्म & Life by K. सुदरम् अण्णर.  
Pt. I & II. Vy 4-
- घ  
2151 धर्माभूतम् of व्यासस्य vol. II.  
B<sub>1</sub>
- 2152 धर्मानुबन्धिलोकचतुर्दशी. 8vo.  
pp 5, 45. Pp 1-
- 2153 धर्माभूतम् A series of disser-  
tations on the रामायण of वाल्मिकी  
by ज्यम्बकदाय मणि who flourished  
in the 17th century at the Court  
of King एकोजी of Tanjore. Pub-  
lished in parts of 200 pages  
each. Royal 8vo. Vy each. 1-
- 2154 — ज्यम्बकदाय दीक्षितकृत. Pt.  
I & II. Vy 1-
- 2155 धातुसंज्ञा सटीक वाचस्पत्यकविविरचित.  
Km10 1-
- 2156 धातुपाठः ( व्याकरण ) पाणिनिमुनि-  
प्रणीतः (with foot-notes) Vu -6-
- 2157 — सटीकश्च पै. श्रीकनकलाल  
शर्माकृतवा भातयर्ष प्रकाशिकयण्डिणव्या-  
समालङ्कृतः CH -2-
- 2158 — of हेमचन्द्र with the  
author's own commentary. (Ger-  
man) by Kirste J. 1901. 16-
- 2159 धातुप्रदीप ( व्याकरण ) A work  
on Paniniya Dhatupatha (Sanskrit verbal roots) by मेनेरे रसित,  
ed. by Prof श्रीराधचन्द्रचक्रवर्ति.  
Vr 1-3-
- 2160 धातुरूपकल्पद्रुमः ( व्याकरण ) by  
गुणनाथ कायर्तपे. Sd 3-
- 2161 धातुरूपवलि ( व्याकरण ) N -3-
- 2162 — K<sub>g</sub> -1-
- 2163 — लघुपाठासहित. Vy 3-
- 2164 धातुवृत्तिसारः or The material  
portion of—गुणसिंह's ( कालचक्र-  
वर्ति )

- ध
- 2165 धातुव्यक्तिनिर्णयध्यायः by हरिकृष्ण  
Vij 1-1
- 2166 धार्मिकलक्षणमहात्म्यम् (H) 6-  
2167 धीमयोतीति ( नीति ) संस्कृत टीका-  
सहिता. Vij 2-  
2168 ध्यानमञ्जरी ( स्तोत्र ) श्रीअय्यस्वामि-  
कृता. Vij 1-1  
2169 ध्वन्यालोक. अलोकनामक. N 5-  
2170 नदेशविजयम् ( काव्य ) A Kavya  
by धर्मदत्तश्रीराम शोषित in 10 cantos.  
Roy. 16 mo. Illustrated. Fv 8-  
2171 नमस्कारमहात्म्य, योगप्रदीप ( जैन )  
of सिद्धेश्वर. Jb 12-  
2172 नर्मदासहाय्य-नेत्रालय स्कन्दपुरा-  
णान्तर्गत. Vij 4-  
2173 नर्मदाष्टक ( स्तोत्र ) शारदाचार्यकृत.  
N 4-  
2174 नर्मदाष्टक or देशोपदेश by शंकर.  
Bound in one. see—no 2091.  
Km 1-8-  
2175 नरनारायणनन्द ( काव्य ) A poem  
on the Pauranic story of अर्जुन  
and दृष्टा's rambles on Mount  
गिरिजा by वास्तुवाक Minister of  
King श्रीविजय of पेशवा composed  
between Somvat 1277 and  
1287, i. e. A. D. 1221 and  
1231, ed. by C. D. दत्त and H.  
अनन्तदत्तशर्मा. 1916 Co  
2176 नरनारायणनीय ( काव्य ) सदीप.  
Vij 12-  
2177 नरपतित्रयवर्णन ( ज्योतिष ) स्वर्गद्वय  
तथा जयश्रीमीनाम सप्तशतीका तथा अहिम-  
रारि चकारहित. Vij 2-8-
- न
- 2178 नरवर्माचरित्र काव्यबद्ध, ( जैन ) of  
चरित्रसुन्दर. 2nd edn. Jb 1-  
2179 नरेश्वरपरीक्षा. Km  
2180 नलचरित्रम् ( नाटक ) नीलकण्ठ-  
रीक्षित प्रणीतम्. Bm 1-  
2181 ————— Vo  
2182 नलदम्पत्ययिम् ( नाटक ) by  
K. तर्काचार्य. 8vo. pp. 145. Ss 1-4-  
2183 नलपाक ( नैयक ) मूळ, नलचरित्रित.  
Ca 1-8-  
2184 नलविलास ( नाटक ) of रामचन्द्र वर्मा,  
pupil. of इमचन्द्रशर्मा, describing  
the Pauranic story of नल and  
इमयाति ed. by G. K. श्रीगोवर्धन  
and L. B. गायी. 1926. Co 2-4-  
2185 नलप्रभुदय. ( काव्य ) by रामचन्द्रशर्मा.  
2nd edn. Tr 4-  
2186 नलौदयः ( काव्य ) by कविशर्मा,  
वाङ्मयविद्यालयवाचस्पत्यसंस्कृतः ed. &  
publ. by J. गिरिधर. 1895, 8vo.  
pp. 91. Cl 8-  
2187 नलौदय ( काव्य ) वैष्णवटीकासहित.  
Vij 1-  
2188 नलोपाख्यान—( काव्य ) Story  
of Nala, an episode of the महा-  
भारत Sanskrit Text, with Engl.  
Transl. ed. by Monier Williams  
2nd revised edn. 1879. Roy. 8vo.  
( 9½ x 6½ ), pp. xii + 171 + 175-  
230 ( Vocab. ). Of 11-4-  
2189 नवमहाभारतविधि ( कर्म ) Vij 4-  
2190 नवमहाविधानपद्धति ( कर्म ) Vij 6-  
2191 नवरात्रिपदीप by नन्दशर्मा. 8vo.  
pp. 3 115, 4, 1. Ss 2-  
2192 नवरात्रिमाता ( काव्य ) by कविशर्मा.  
Km 1-

न

- 2193 नवरत्नरासविद्यास (संगीत) Vy 1-  
 2194 नवीनसंस्कृतयाह्योपिषो for use  
 of beginners in देवनागरी लिपी  
 by T. K. रामचन्द्रराव. 1922. 8vo.  
 pp. IV. 78. Md -8-  
 2195 नक्षत्रमालासटीका (काव्य) by  
 सिंदराम त्रिपाठी. Km 4 1-  
 2196 NATURAL RELIGION in India  
 by Lyall, A. 1891. 3-  
 2197 नवाखण्डनचालीसी (नीति) कला-  
 रामसागर संन्यासीकृत. Vy -2-  
 2198 नटप्रणामाहरीवर्णिका (न्योतिष) गण-  
 प्यात्मकदीका तथा पञ्चाङ्गदीर्घिकासहित  
 Vy 4-  
 2199 नागरसर्वस्वम् by Pt. प्रमोद for  
 private circulation.

A very rare and old work on  
 Indian erotic, or the science of love  
 as known to the ancient Indians  
 with a commentary by Jagat Jyo-  
 tirmalla Bhupa, a former King of  
 Nepal and explanatory notes by  
 Tansukhran M. Tripathi. It is a  
 very rare work of its kind Gn 4-

- 2200 नागरसमुच्चय (कर्मण) नागराज्ञानजा-  
 ह्न. Vy 1-  
 2202 नागानन्द मुन्दरदासशास्त्रिजितसर-  
 स्वदीर्घमिषीनामकसंस्कृतटीकासहित  
 सहस्रावलीसंग्रहानन्द, इत्यादिबस्यार्हता।  
 2nd edn. अनाङ्गारक. 1-8-  
 2203 — (नाटक) by श्रीहर्षदेव with  
 the comm. नागानन्दविमर्शिणी of  
 सिंदराम. Tr 3-8-  
 2204 — edited by M. R. वाळ. Gn 3-4-  
 2205 — ed by R.D. बरमकर. 3-4-  
 2206 — ed by K.M. जोगेंद्रकर. 3-4-

न

- 2207 — ed. by M. R. वाळेंदे. 2-8-  
 2208 — with notes. 8vo. pp.  
 72, 16, 84, 117, 70. Md 2-8-  
 2209 — By Bergaigne. French  
 translation. 2-  
 2210 नागेशोक्तिप्रकाशः (व्याकरण) श्री-  
 हृद्दिक्षितशर्मज मेपिडेन विनियोजितः शब्देन्दु-  
 शेखरव्याख्यानचतुस्तोत्रपर्यन्तः Ch 4-  
 2211 नागेशोक्तिनिर्णय (व्याकरण) Vy  
 2212 नाटकाटयहसस्य (नाटक) सटिण. Gn -6-  
 2213 नाट्यदर्पण (dramaturgy) by  
 रामचन्द्र खुर with his own comm.  
 ed. by L. R. Gandhi and G.  
 K. Shrigondekar. Go.  
 2214 नाट्यसंज्ञा of भरत with the  
 comm. of अभिनवगुप्त of Kashmir  
 ed. by M. रामचन्द्र कवि. 4 vols.  
 vol. I, illustrated, 1926. Go 6-  
 2215 नाटीविभानम् (द्वेषक) कणाकप्रणीत  
 सटीकम्, जीवाचारद्विधासागरमहाचार्य  
 विरचितम् व्याख्यया समग्रकृतम्। 1887.  
 8vo. pp. 44. Cu 1-  
 2215a — गंगाधरतिलकव्याख्या-  
 सहितम्. Md -6-  
 2215b नाटीविज्ञानम् तथा एकविंशतिरुक्त-  
 व्याख्यासहितम् Vy 4-  
 2215c — Sd 4-  
 2215d नाट्यमुखधाद (कर्म) Vy -2-  
 2215e नाट्यार्थनिर्णयः (कोर) by  
 केदारनाथ. Part I to III. सङ्ग 3-  
 4, 5 & 6. Tr 5-  
 2215f नामदेव The saint, N 4-  
 2215g नमस्सिद्धान्तसामयम् (कोर) by  
 भगवत्सिद्ध with the comm. टीका-  
 हर्षस्य of कनकचर्चक हरानन्द. vol.  
 I-IV. Tr 8-

न

- 2215<sup>h</sup> नामलिङ्गानुशासन of अमर W.  
अमरकोशोद्घाटन of शीरस्वामि, ed. by  
K. G. जोर. 1913. *Oa* 3-8-
- 2216 नामार्थदीपिका—भराठी अर्थावद्ध.  
with विष्णुसहस्रनामव्याख्या. by P.  
T. गोदबोले. 1886. Roy. pp. 113,  
19. *Bo* 1-
- 2217 नारदगीता ( वेदान्त ) *Vy* -5-
- 2218 नारदपञ्चरात्रम् ( ज्ञानसंहिता )  
transl. into Engl. by स्वामिनिहा-  
नानन्द alias इतिप्रसन्न चतुर्जी. 1920.  
Roy. pp. 2, IV, 256, XVI.  
*Po* 6-
- 2219 नारदपञ्चरात्र ( कर्म ) ( भाष्यज्ञ-  
संहिता ), संस्कृतटीकासहित. *Vy* 1-4-
- 2220 — मूल. सङ्ग्रह. *Vy* -12-
- 2221 नारदपुराण मूल. *Vy* 8-
- 2222 नारदसंहिता ( ज्योतिष ) by नारद.  
*Ks* -6-
- 2223 ————— *K7* -8-
- 2224 नारदीयगणितकौमुदी by द. वरा-  
हर द्विवेदी. *SLI*
- 2225 नारदीयशिक्षा सामान्य, ed. by  
S. सामान्य. 8vo. pp. 28. *Ce* -10-
- 2226 नारायणसम्प्रदाय ( कर्म ).  
*Vy* 1-3-
- 2227 नारायणपर्व मूल. *Vy* -3-
- 2228 नारायणसंस्कृत ( अ. सं. ) सामा-  
न्यसंस्कृत, भाष्यसंस्कृत, सामान्य-  
संस्कृतसार इत्यादि. *Vy* -6-
- 2229 नारायणसंहिता—भाष्य with भराठी  
transl. by देवदत्तसहाय. 1-
- 2230 नारायणोपनिषद् ( वेदान्त ).  
*Vy* 1-8-

न

- 2231 — संस्कृत Text with भराठी  
transl. by नाथशास्त्री. *Al* -11-
- 2232 नारीदेहलक्ष ( वेद्यक ) *Vy* -10-
- 2233 NORTH PANCALA DYNASTY  
( from the J. R. A. S. April )  
by Pargitar. 1918. 1-8-
- 2234 नासिकपञ्चवटीमहात्म्य—मूल. पञ्च-  
पुराणान्तर्गत. *Vy* -6-
- 2235 नासिकेतोपाख्यान ( दुराण ) मूल.  
*Vy* -8-
- 2236 निगोदपद्धतिशिक्षा ( जैन ) of राम-  
सिंहजी. *Jb* -8-
- 2237 निघण्टु & निरुक्त ( कोष ) The oldest  
Indian treatise on Etymology  
Philology and Semantics, criti-  
cally ed. and transl. for the  
first time into English by  
Lakshman Sarup. Ph. D. 8vo.  
( 10 x 6 $\frac{1}{2}$  ). Translation and  
Notes, pp. 260. *Of* 15-12-
- 2238 — The Oldest Indian  
treatise on etymology, Philo-  
logy and semantics, Sanskrit—  
Text Critically edited from the  
original Mss. with an appendix  
showing the relation of the  
Nirukta with other Sanskrit  
works, by Dr. Lakshman Sarup  
*Pu* 4-8-
- 2239 — Introduction by Lak-  
shman Sarup. *Of* 5-4-
- 2240 — By Skold, Part I, II.  
*Of* 13-8-
- 2241 निघण्टुसंस्कृत ( कर्म ) *N* -2-
- 2242 निघण्टुसंस्कृतसार ( कर्म ) *Vy* 1-



न

2242 नित्यकर्मतन्त्रम् Orig. संस्कृत with  
हिंदी transl. by व. मलदेवप्रसाद मिश्र.  
1902. 2nd edn. cr. pp. 4 199,  
5. Bo

2243 नित्यशिक्षाध्यायः by हरिकृष्ण.  
Vy -3-

2244 नित्याचार्यप्रदीप A treatise on  
सृष्टि by नरसिंह बागपेवि. ed. by विनोद  
विहारी महाचार्य. (1903-1911).  
Bt 9-12-

2245 — पद्धति (Text) A treatise  
on सृष्टि-by विद्याकर बाजपेयि. ed. by  
विनोद महाचार्य. vol. I. 1903. Bt 7-

2246 नित्याह्निकम् (कर्म) सत्तरम्.  
Ch -8-

2247 — or The Daily Rites  
of Every Brahmin. Ve -8-

2248 नित्यानुष्ठानिणी, समाख्यया निशाह-  
रामहृत व्याख्यया समल्लङ्घना, सूत्र सम्बन्ध  
पाठ तथा संस्कृतव्याख्ययासहित.  
Mc 1-8-

2249 नित्यापोहशिकर्णवः । (कर्म) राम-  
केशरतन्त्राश्रितं मेनुव्याख्यासंस्थासहितः ।  
Aa 3-8-

2250 निदान (वेद्यक) A system  
of Pathology with Engl. transl.  
& संस्कृत passages by R. L. गुप्त.  
1912. 8vo. pp. II, 270 Cc 5-

2251 निदानदीपिका (वेद्यक) वेदुदेश कृष्ण  
काशीकर भाग्यस्कन्दिवसंवर्धता.  
Ch 4-

2252 निदानसूत्रम्-सामनेरीयम्, ed. by  
सत्यवतसर्मा 8vo. pp. 169. Cc 2-8-

2253 नित्यादिषट्शतश्लोकी (वेदान्त) श्रीहरी  
व्यासदेवहृत कुसुमाञ्जली व्याख्यया सहित.  
Vy -4-

च

2254 निन्दासंग्रहाध्यायः by श्रीकृष्ण,  
Vy -5-

2255 निर्माणकान्य ed. by गोपीनाथ कवि-  
राज. vol I Pt. I. Sb II

2256 निर्णयसिन्धुः (धर्म) of कमलाकरभट्ट  
with a commentary of कृष्णभट्ट,  
ed. with notes by व. गोपादशास्त्री  
नेने. Ch 19-

2257 — सूत्र, टिप्पणीसहित.  
Vy 3-8-

2258 निर्णयार्णव, VI -4-

2259 निर्णयामृत (धर्म) सूत्र. Vy 2-

2260 निर्वाणाष्टक (वेदान्त) सूत्र. Vy -1-

2261 निरुक्त अथवा निघण्टु [वैदिक कोष]  
दुर्गाचार्यहृत व्याख्यासहित व. शिवरत्नजी-  
शामिहृत टिप्पणीसहित. Vy 8-

2262 निरुक्तम् (वेद) दुर्गाचार्यहृत टिप्पणीसहित  
तस्य पूर्ववद्व्याख्यकः प्रथमो भागः ।  
Aa 8-12-

2262.1 — उत्तरवद्व्याख्यको द्वितीयो  
भागः । Aa 7-8-

2263 निरुक्त (वेद) of वाल्क with  
Durga's Comma. ed by H. M.  
महद्वयकर. Vol. I. Bp 2-8-

2264 — (Old edition). With  
the commentaries of देवराज etc.  
Edited by सत्यवत सामाजमि. (1582-  
1884) Vol. iv. Bt 12-

2265 — (2nd edition). With  
the commentaries. Edited by  
सत्यवत सामाजमि. Thoroughly re-  
vised by his son & pupil.  
द्वितीयत सामाजान्त (1911-12).  
Bt -11-

2266 निरुक्तसुविबुद्धि (व्याकरण) सत्य-  
वद्वि. N -14-

- ने  
2267 निरोधलक्षणम् सूचीकम् VI 1-  
2268 — of पद्मभाचार्य with पदवि-  
वरण. transl. into गुजराती & ed. by  
M. T. तेलीवाङ्गा. 1916, Roy. pp.  
60, 7, 22, 2. Bo 1-  
2269 निवेदिता and कुमारत्वर्मा. Myths  
of the Hindus and Buddhists." 8-  
1910. 8-  
2270 नीति-चन्द्रिका by स्वामि दयानन्द.  
1922, 8vo. pp. 88, 14, Kg -8-  
2271 नीतिधनदम् (काव्य) by पनजय-  
कवि. Kms 1-  
2272 नीतिमयूख—(धर्म) नीलकण्ठकृतः।  
अत्र राज्याभिषेकप्रयोगोऽभिव्यक्त्य कर्तव्यं  
समुपयोगितया च राज्याङ्गादि निरूपितम्।  
Gu 1-4-  
2273 नीतिमनोरमा (नीति) Vy -10-  
2274 नीतिधास्यामृतं (काव्य) सटिपणम्  
शीतोमदेनद्वेः। Gn 1-  
2275 — (जैन) of सोमदेनश्रि.  
Orig. संस्कृत with जैन translation  
with the comm. of ज्ञानपण्डित. cr.  
pp. 33, 417. Bo 1-12-  
2276 नीतिशातक (काव्य) by मुन्दराचार्य  
कवि. Km 9 1-  
2277 — भट्टहरिद्वज इण्णशास्त्री महावल-  
कृतटीकासह. N -6-  
2278 — with notes & Engl.  
transl. by M. C. अडसिंगाचार्य.  
1915, 8vo. pp. 112. -14-  
2279 — With Sanskrit comm.  
Engl. transl. & notes, Vd -8-  
2280 — With Engl. Transl. &  
Notes, Vy -8-  
2281 नीति and वैराग्यनारायण of भट्टहरि  
ed. with notes & comm. in
- न  
Sanskrit & an English transl.  
by M. R. काळे. cr. pp. XV, 52,  
96. Gn 1-12-  
2282 नीतिवैराग्यशृङ्गारशतक(काव्य) of  
भट्टहरि. Vy -6-  
2283 नीतिसारः (नीति) by कामन्दक with  
the comm. of शंकरराय. Tr 3-8-  
2284 THE NEAR EAST FROM WITH-  
IN, by Cassell, 1915. 10-  
2285 नीलकण्ठविजयः (चम्पू) श्री-  
नीलकण्ठदीक्षितप्रणीतः व्याख्यातमन्विताः।  
Bm 2-  
2286 — Vy  
2287 नीलमत्तपुराणम् An original  
text, ed. with an English Preface,  
an index to the verses and 9  
English appendices by Prof.  
R. L. कानजीकाठ and Prof. J. D.  
झाहशास्त्री. P's 5-  
2288 नीलामयसिंघगोलीयंरत्नागणितम्—  
पण्डितप्रभोराजवंशीका मेधिलविरचितया  
'विकासिका' नामाख्यटीकया, तत्पुस्तकसिद्धेन,  
विशेषोक्तयोर्नामरेखागणितेन च सहितम्।  
अन्ते चार्थविक्रमणायपुस्तकेण छात्रद्विवे-  
शार्थं कतिचन प्रभाष्य समर्पिताः सन्तीत्य-  
लम्बिकप्रशस्तया अतीवमुन्दरपनाक्षर पुस्त-  
कम्। Gld.  
2289 नूतनगृहप्रवेनपद्धति (कर्म) कलश-  
स्थापनपद्धति, सर्वतोभद्रमण्डल, अष्टद-  
शक, नवग्रहस्थापनकोटक, सोडशमातृका-  
स्थापनकोटक तथा मन्त्रादि वेदस्थापना इत्यादि.  
Vy 1-8-  
2290 NEW LIGHT ON गुप्त-ERA &  
निदिपुत्र, orig. संस्कृत with Engl.

# CATALOGUE OF PUBLICATIONS DEALING IN SANSKRIT

- न  
transl by K B पाठक 8vo pp  
195-222 -8
- 2291 New भविष्यसूत्र by G N कवि  
राज Sbn
- 2292 नैमिषतकाय विवम विरचित  
Kms 1-
- 2293 नेत्रोद्यातनत्र Km
- 2294 A NATION IN MAKING Being  
the Reminiscences of Fifty Years  
of Public Life in Bengal By S  
बानर्जी 1915 8vo pp xvi+110  
with a portrait Of 10-8-
- 2295 NATIONS OF INDIA at the  
battle between the राष्ट्र &  
कौरव by Pargiter 1908 On 3-
- 2296 NATIONAL VALUE OF ART  
by अरविंद घोष 1911 cr pp 68  
12-
- 2297 NATIONALISM IN HINDU  
CULTURE by राध कृष्ण मुखर्जी  
Ad 3-8-
- 2298 नैषधीयचरित—आर्षवर्णित नैषध  
यमराजराजनायकायकाव्य \ 6
- 2299 — काय (पूर्वोक्त मगधम्) ed  
by ममचन्द्र तर्कसामा ९/ 4-
- 2300 — of आर्षवर्णित with प्रह्लादका  
by रामनाथ तटकर and ed by P  
T गहवाले 1869 canto 1 8vo  
pp 4, 236 4 1-12-
- 2301 नैषधकाव्यम् म म खोद्यन्महि-  
नायकविरचित जायतुमनाय चरित  
सहितम् ( सर्ग १-२ ) Ch 3-4-
- 2302 नैषध मन्त्रिणां वार्त्तासंग्रहम् cat  
tos 1 to 6 & 7 to 12 Bm 3-4-
- 2303 — माहनाय, cantos 7 to  
12 \ 1-12-
- न  
2304 — व्याख्यानसहित  
2305 नैषध and आर्षवर्णित by नाटकमल  
महाचार्य Sbz
- 2306 नैषधसिद्धि ( वेदान्त ) A trea-  
tise on नैषध by सुरेश्वरचार्य with a  
comm called चरित by नानात्म-  
मिश्र ed & annotated by ए राम-  
शास्त्र मनरथ Bn 4-
- 2307 — with comm and notes  
and index 2nd edn revised with  
the addition of an Intro and  
explanatory Notes by Prof  
हिरिकणा Bp 3-
- 2308 NOTES ON THE ANCIENT GEO-  
GRAPHY of भारत see-No 1476
- 2309 NOTES ON ANCIENT HINDU  
SHIPPING by R मुखर्जी 8vo pp  
447-455 5-
- 2310 NOTES ON THE OLD MONGO-  
LIAN CAPITAL OF SHANGTU by  
Bushell S 1-8-
- 2311 NOTES ON A STUDY OF THE  
PRELIMINARY Chapter of महा  
भारत by व्यङ्गाचन्द्र अय्यर 1922.  
8vo pp 10 145 \ V Md 5-8-
- 2312 NOTES AND QUERIES—  
VIRGIN Worship by गायनाथ  
कायराज Sb
- 2313 नन्द The Pariah saint his  
life and teachings cr pp 56  
\ 4-
- 2314 नृसिंहचरित Vy -3-
- 2315 नृसिंहपुराणम् आचार्यसहित निष्पन्न  
ग्रन्थ On 2-8-
- 2316 — नृ Vy 2-8-
- 2317 नृसिंहमहमनाम Vy -5-

न

- 2318 नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषत् ।  
श्रीमच्छंकराचार्यविरचितपूर्वतापनीयभाष्य-  
विधारण्यप्रणीतोत्तरतापनीयदीपिकाभ्या  
मेताः. *Aa* 1-12-
- 2319 न्यायकलिका of जयन्त ed with  
introd by G N झा 1925 8vo  
pp. 3 2, 202 *Sb* -14-
- 2320 — By आडव्यनाचार्य with  
the comm of धर्ममान and the  
gloss of रुचिदत्त, ed by व लक्ष्मण-  
शास्त्री प्रदीप *Ks* 6-
- 2321 न्यायसुसुमाञ्जलि (न्याय) सटीक  
संक्षिप्ता *Kq* 6-
- 2322 — (English translation)  
by G N. कविराज. *Sb* 3
- 2323 — हरिदासटीकाटिप्पणीयुत  
*Gbt* -8-
- 2324 न्यायकोष of Pandit भीमाचार्य  
हृदयकर being a systematic  
dictionary of the technical terms  
of Indian Philosophy The  
second edition of this well-  
known work of reference was  
long out of print A thoroughly  
revised and considerably enhan-  
ced third edition is now ready  
pp over 1100 "An indis-  
pensable reference-book for  
all Oriental scholars and Insti-  
tutions " *Bp* 15-
- 2325 -यावतात्वप्रबंधिनी (दर्शनम्) ed  
by हरिनाथ तर्कसिद्धान्त *Sl* -2-
- 2326 -यावतात्वप्रबंधिनी (न्याय) or the  
comment on न्यायसार of भास्कर by  
जयसिंह धरि, ed by सतीशचन्द्र  
रिपार्जन. 1910 *Bt* 3-

न

- 2327 न्यायदर्शनम् (न्याय) by गौतम with  
वार्त्तयानभाष्य accompanied by two  
orig comments in संस्कृत (1) the  
भाष्यचन्द्र of रघुनाथ upto 3-2-11ch.  
and the सवेन by डॉ गंगानाथ झा,  
Elucidated with टिप्पणी by व  
अनादास शास्त्री, & ed by गंगानाथ  
झा, & पुण्डितराज शास्त्री. *Ch* 10-
- 2328 — (न्याय) आभारानुनि गौतम-  
प्रणीतम् । भाष्यश्रवणवृत्ति सहितम् । श्रीम-  
तपुण्डितप्रवर श्रीमान्पुण्डितमित्रविरचित  
चतु र्वर्षावतार्यजिह्वाच समतम् । *Ch* 1-
- 2329 — with the भाष्य of वात्स्या-  
यन and वृत्ति of विश्वनाथ ed by व  
L द्रवाक्षशास्त्री & रामशास्त्री भाण्डारी. 3-
- 2330 — सभाष्यविश्वनाथवृत्ति साहित  
*Kq* 4-
- 2331 — विश्वनाथवृत्तिटिप्पणीविशुद्धियुतम् ।  
*Gb* 1-4-
- 2332 -यामप्रकाश (दर्शनम्) सटीक ed by  
पुण्डितनाथ न्यायप्रधान *Sl* 1-12-
- 2333 -यायप्रदीप व गंगासहाय *ly* 1-
- 2334 न्यायप्रवेश (न्याय) (Sanskrit  
Text) on Ballist Logic of  
विज्ञान, with comm of हरिप्रद-  
हरि and वार्धेर Part I ed by A.  
B युग *No*
- 2335 — (Tibetan Text) Part II  
ed with introd notes, appen-  
dices, etc. by Pt शिखेतर गडाचार्य  
1927. *Go* 1-8-
- 2336 न्यायपरिमुद्धि (वेदान्त) रामानुज  
Philosophy by श्रीमद्वेदानाथ with a  
comm called न्यायसार by व अनिरा-  
साचार्य, ed with notes by राम-  
नाथ *Ch* 7-8-

- न  
2337 न्यायबिन्दु (न्याय) by धर्मकीर्ति  
with the comm. of यमात्रराचार्य,  
ed by प. चन्द्रसेखरशास्त्री with his  
own संस्कृत notes, Preface & हिंदी  
transl. *Ks* 1-8-
- 2338 — (मीमांसा) It contains a  
collection of all Adhikaranas  
of पूर्वमीमांसा with a logical com-  
mentary known as सङ्ग्रह by म. द.  
विद्यानाथ. *Gu* 1-4-
- 2339 — A Bilingual Index of  
Sanskrit and Tibetan words  
Edited by M. M. S. C. विद्याभूषण.  
1917, *Bt* 2-
- 2340 — टीका (न्याय) of धर्मराज-  
ाचार्य : to which is added the  
न्यायबिन्दु, edited with critical  
notes by Peter Peterson 1889.  
fasc 1-2. *Bt* 2-
- 2341 न्यायबोधिनी (न्याय) मायूरस्य कामाक्षी  
समहिता । publi. by कामाक्षीभण्डा.  
1912. 8vo. pp 76 *Mt* -10-
- 2342 न्यायभास्करखण्डनम् (वेदान्त) मल-  
चम्बिका खण्डनच. प. भारामुखब्रह्मणा  
विविचरितम् *Ch* 1-8-
- 2343 न्यायभाष्य (दर्शनम्) — पण्डित-  
मुद्ररत्नाचार्यप्रणीतया प्रसन्नचन्द्रारयन्यायव्या-  
सहितम् । *Gu* 9-
- 2344 न्यायमञ्जरी Pt. I and II  
*Vi* 22-
- 2345 न्यायमकरन्द - प्रमाणमाला (वेदान्त)  
A treatise on the बङ्गल Philosophy by मानन्दबोध महाचार्य with a  
comm. by चित्पुत्रमुनि प्रमाणमाला &  
-वायदीपावली by A. B. महाचार्य 6-
- न  
2346 न्यायरत्नमाला (मीमांसा) By प.  
पार्थसारथीमिश्र, ed by प्रो. गंगाधर  
शास्त्री. *Ch* 3-
- 2347 न्यायरत्नामणि. (न्याय) मण्यारादीशित  
कृता ed. by T. गणपतीशास्त्रा *Vv* 5-
- 2348 — (वेदान्त) श्रीमदण्णव्यदीक्षित  
कृत ब्रह्मसूत्रपथभाष्यादन्तर्वा. *Bm* 5-
- 2349 न्यायलीलावती (वेदान्त) A trea-  
tise on the वैशेषिक Philosophy  
by वल्लभाचार्य, ed. by प. त्रिनेश्वरा  
प्रसाद द्विवेदि. *Bn* -8-
- 2350 — (तर्क) आनन्दल्लभाचार्य विर-  
चिता *N* -12-
- 2351 न्यायवार्तिकम् (न्याय) A Criti-  
cal Gloss on न्यायदर्शन & वास्तव्यन-  
भाष्य by भारद्वाज उद्योतकाय ed with  
preface by म. म. प. विन्ध्येश्वरी प्रसाद  
द्विवेदि. *Ks* 6-
- 2352 — (न्याय) श्रीभारद्वाजोद्योत-  
करविरचितम्, भूमिका सहितम् । *Kg* 6-
- 2353 न्यायवार्तिक सारपर्यटीका (न्याय)  
of भावाचल्यमिश्र, ed by प. राजे.  
श्वरसाधु दवाड. *Ks* 6-
- 2354 न्यायवार्तिकतात्पर्यपरिशुद्धि (न्याय)  
by उद्योतनाचार्य with a gloss called  
न्यायनिबन्धप्रकाश by वर्धमानाचार्य, ed  
by Vinodyesvari Prasan Divedin  
and Lakshmana Shastri Dravida  
(1911-1914.) *Bt* 6-
- 2355 न्यायसर (वेदान्त) A rare Brah-  
manic work on medical logic by  
भारद्वाज together with the comm.  
called न्यायनन्तर्यसंग्रहिका by जयसिंह  
खुरि ed by म. म. सतीशचन्द्र विद्या-  
भूषण. 1910. 8vo pp 12, 428.

- न  
2356 — श्रीमहादेवपाण्डितनिरचितः, नागेश्वरपन्तर्णमोषिकारिणा संशोधितः। pp. 248. *Lz* 1-8-
- 2357 — with commentary and notes in Engl. by M. M. अय्यंकर & प्रो. देवर. 1922. 8vo. pp. 6, 98. *OJ* 28-
- 2358 — of उल्लासचार्प with the comments of वर्धमानोपाध्याय, शंकर मिश्र & भगीरथ ठाकुर, ed. by पं. हरिहरशास्त्री. *Ch* 3-
- 2359 न्यासादेश by श्रीवल्लभाचार्य. संस्कृत with हिंदी transl. by भट्ट श्रीरामनाथ शास्त्री. 1916. *Bo* -8-
- 2359a ————— *VI* -3-
- 2360 न्यायसिद्धांशनम् (वेदान्त) भगवद्वैपायनमतामुनार्तिना रामकृष्णभट्टाचार्यमित्रपरार्यनिरूपणपरं प्रकरणम् । श्रीवेङ्कटनाथदेसिकेन प्रणीतम् । प. स्वामिनाममिश्र शास्त्रिणा ह्युपाचार्य परिचर्याये परिशोधितम् । भवन्ति चात्र ग्रन्थे षट्प्रकरणानि अहमभ्यपरिच्छेदः, जीवपरिच्छेदः, निगमि 'तिपरिच्छेदः, बुद्धिपरिच्छेदः, पञ्चभास्वरपरिच्छेदः, 1 pp. 196. *Lz* 1-8-
- 2361 न्यायसिद्धांशस्तदर्थः (न्याय) श्रीसहायचार्पनिरचितः, शंकराचार्यचार्पकृतटीकासहितः, विन्येर्वरप्रताप शर्मणा परिशोधितः। pp. 652. *Lz* 5-
- 2362 न्यायसिद्धांशस्तमञ्जरी, (न्याय) जानकीनाथभट्टाचार्यकृता, यादवाचार्यकृतटीकासहिता, सा च पं. ज्ञाननाथमिश्र संशोधिता। pp. 298. *Lz* 2-4-
- 2363 — भट्टाचार्यचूडामणि जानकीनाथनिरचिता । पं. जीनीउकण्ठकृत-हितपरिच्छेदहस्तपत्रकाशास्त्रिपात्राव्याख्यानम्. *Ch* 1-8-
- न  
2364 न्यायसिद्धान्तमाला by जयसम. 8vo. pp. 2, 71, 8. *Sb* 1-2-
- 2365 न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (न्याय) कारिकावली सहिता, पं. नृसिंहदेव शास्त्रिकृत संस्कृत टिप्पणी " सौभाग्यवती " नामक अत्यन्त सरला विवृति। *Mc* 1-8-
- 2366 — प्रभा नामा संस्कृत व्याख्यासहित पं. नृसिंहदेवशास्त्री विरचितः। *Mc* 4-
- 2367 न्यायसुधातन्त्रवार्तिकटीका (मीमांसा) A comm. on तन्त्रवार्तिक by पं. सोमेश्वरभट्ट, ed. by पं. मुकुन्दशास्त्री. *Ch* 24-
- 2368 न्यायसूत्रम् (न्याय) श्रीमहावैश्वीतमप्रणीतम् । श्रीविश्वनाथनाथपञ्चानननिरचितद्वयसमुदासितम्। pp. 212. *Lz* 1-10-
- 2369 — of गौतम with English transl. by H. C. विद्याभूषण. Vol. II and III Roy. pp. xvii, 63, 175, xi, xiv. *Po* 3-
- 2370 — पाठ श्रीगौतममहासुनिर्णीतः *Ch* -8-
- 2371 न्यायसूत्रभाष्यवार्तिकम् An Engl. transl. of न्यायसूत्रभाष्य by Dr. मयानाथ हा. vol. I II and III together. *Po* 11-
- 2372 न्यायसूत्रविवरणम्, (न्याय) श्रीराधामोहन विद्यारायणसहित गोस्वामिभट्टाचार्यनिरचित श्रीमुनेन्द्रलाल गोस्वामिभट्टाचार्येण सङ्कृतम्। pp. 408. *Lz* 3-
- 2373 न्यायसूत्रम् ( वेदान्त ) A Criticism or Advaita philosophy, by न्यायसूत्रार्थ with the gloss of श्रीनिवासरत्नोप. *Me* 20-
- 2374 NAMES & SUBJECTS, ANALYTICAL index of, see—An analytical index of names and Subjects.

न

- 2375 NATHAS, SOME ASPECTS OF THE HISTORY and doctrines of, see—some aspects of the History & Doctrines of the Nathas.
- 2376 नागरी, ARCHAEOLOGICAL REMAINS & Observations at, see—Archaeological remains & Observations at नागरी.
- 2377 नागार्जुन, The teachings of, see—The teachings of नागार्जुन
- 2378 नायकाः of मद्रास, THE HISTORY OF, see—The History of the नायकाः of मद्रास.
- 2379 KNOWLEDGE, THE FIRST PRINCIPLES OF, see—The first Principles of knowledge.
- 2380 NORTHERN GUJRATH, ARCHITECTURAL ANTIQUITIES OF, see—Architectural Antiquities of Northern गुजरात
- 2381 निर्वाण, The way to, see—The way to निर्वाण.
- 2382 न्यायवैशेषिक Literature, a History & Bibliography of, see—A History and Bibliography of न्यायवैशेषिक Literature
- 2383 पतञ्जलिचरित ( काव्य ) श्रीरामभद्र दीक्षितप्रणीत. N 1-
- 2383<sub>1</sub> पतञ्जलि for western Readers. The Yoga Aphorisms of Pantanjali paraphrased and modernised from various English Translations and Recensions by Daniel R. Stepten Ad 2-
- 2383<sub>2</sub> PATANJALI'S YOGA APHORISMS Engl. Transl with notes by W. Q. Judge Ad 4-6-

प

- 2384 पञ्चमार्गदीपिका. Vy 4-
- 2385 पत्रिकाप्रशस्ति ( काव्य ) श्रीबालकृष्ण विपाठाकृत. N 3-
- 2386 पद्मचरित्र महाकाव्य ( जैन ) of शुभकर्षण गणी. JB 3-4-
- 2387 पद्मचन्द्रकोष ( सङ्कृत-हिंदी ) By प. गणदासगाली pp. 600, Mc 7-
- 2387<sub>a</sub> पथ्यापथ्यम् ( वैयक ) ( वरणीधरकृत बहुशुद्धादिक ) अमरकृतम्. Sd 1-
- 2388 पद्मपुराणम् सूत्र. Vy 20-
- 2389 — Vol. 1-4. Aa 20-
- 2390 ——— Po
- 2391 — by Prof H. शर्मा with a Foreword by Dr. M. Winternitz It shows that शर्मा has drawn materials for his शाकुन्तल and सुवंश from the portion of the पद्मपुराण edited here 8vo pp lx+100 Co 2-
- 2392 पद्मसम्मम — ( Garman ) By Gruenwedel A Gr 5-
- 2393 पद्मावती of Mallik Muhammad Jaisin Hindi Edited with a commentary, translation and critical notes by Grierson G. A. and M. M. शुभाकर द्विवेदी (1896-1911) Fao. 1-6. B: each 2-
- 2394 पद्मचरणा ( काव्य ) N
- 2395 पद्मचरणाकर ( न्याय ) Su 2-8-
- 2396 पदार्थतत्त्वनिर्णयम्, ( धर्म ) ब्रह्मराज वैश्वनरकृतसिद्धपदार्थानां सङ्ग्रह । एतन्नाम महाचार्यविरचित । श्रीपद्मचरणाकरेण विरचितया टीकाया तथा श्रीरामभद्रहार्दभीम विरचितया टीकाया च समन्वितम् । pp. 136 Lz -14-

- प
- 2397 पदार्थदीपिका—( व्याकरण ) म. म. कोण्डभट्ट विरचिता. *Ch* -7-
- 2398 पदार्थधर्मसंग्रह (वैशेषिक) प्रसस्तपाद-भाष्य on the वैशेषिक sutras of कणाद,—along with the व्यासकण्ठलि. श्रीधर's comm. on the भाष्य, Engl. version. Transl. into Engl. by. Dr. गमानाथ झा. 8vo. pp. 668. *Lz* 10-
- 2399 पदार्थरत्नमाला ( व्यास ) श्रीधुनाथ निरमिता । नानेकापन्तधर्माधिकारिणासंश्लेषिता । pp. 62. *Lz* -8-
- 2400 "PUBLIC WORSHIP". A Study in the Psychology of Religion by Hylan J. 1901. 2-
- 2401 परमार्थदीपिनी—( जैन ) धर्मपाल's comm. on the Thorigatha, ed. by Möller E. 1893. 8vo. pp. xxviii, 319. *Pl* 15-
- 2402 THE PURPOSE OF THEOSOPHY by Mrs. A. P. Sinnett. *Rl* -4-
- 2403 परमलघुमन्त्ररूप ( व्याकरण ) श्रीमन्नाथेशभट्ट विरचिता । म. म. पर्यतीय वं. निर्यामन्दपन्थेनटिप्पण्यापरिष्कृत्यसंश्लेषिता । *Ch* -8-
- 2404 परमात्मप्रकाश ( जैन ) by योगीन्द्राचार्य, transl. into Engl. with crit. notes by R.D. जैन, with introd. by C.R. जैन. 1915. Roy. pp. 15, 60, VII *Ar* 2-
- 2405 परमार्थसार (विद्वान्) of अभिनवगुप्त. Explains in a lucid & easy way the elements of Kashmiri Shaivism. Comm. by योगीन्द्र. Cloth. *Km* 2-8-
- 2406 — By मन्त्र आदिशेष with the commentary of उपमानन्द. *Tr* -8-
- प
- 2407 परशुरामकल्पसूत्र ( तन्त्र ) A work on तन्त्र with comm. by रामेश्वर and पदलि by उमानन्द ed. by A. महादेव-शास्त्री. 1923. Vols. 2. *Go* 11-
- 2408 परमेश्वरसतक ( स्तोत्र ) *VH* -6-
- 2409 परमार्थशिक्षा ( भाग्य ) comm. by अभिनवगुप्त in glorification of परासक्ति. *Km* 3-6-
- 2410 पराप्रवेशिका (वेदान्त) by हेमराज bound in one, (1) is a brief description of the 36 Shiva categories, (2) is a devotional poem, and (3) elucidate the highest *Shaivistic* Philosophy (4) as the title implies is a primer of the *Philosophy of Kashmir*. *Km* 1-7-
- 2411 पराशरस्मृतिः ( धर्म ) वं. श्रीविनायकधर्मभिकारिहृदयिहन्मनोहराण्यव्याख्यया सहिता, पण्डितनाथेश्वरपन्तधर्माधिकारिणा संश्लेषिताच. pp. 426. *Lz* 3-8-
- 2412 — उत्तरखण्ड. *VH* -4-
- 2413 — with the gloss of मध्वाचार्य. Ed. with notes by M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार. (1890-1899) Fasc 1-5. *Bz* 10-
- 2414 पराशरधर्मसंहिता (धर्म) Ed. with the comm. of सायनमाधवाचार्य by वामनराज्ञी इत्यामपुरकर. Vol. I, II & III, each with Pt. I & II. *Bp* 36-
- 2415 परिणयमीमांसा ( कर्म ) श्रीलक्ष्मी-साधिणा विरचिता. *Ch* -12-
- 2416 परिभाषा (व्याकरण) ed. by गङ्गाधर कविराज. *Sl* -8-
- 2417 परिभाषापाठः (व्याकरण) *Ch* -6-



प

2418 परिभाषाभास्कर (व्याकरण) परिषाण्डु  
शस्त्रसम्पदनम् । आशेषादिनाथविरचितमूलम् ।

*Mu* 1-

2419 परिभाषावृत्ति (व्याकरण) A treatise on Sanskrit grammar by आ  
देव, ed by प हरिद्व द्वे *Bn* 2-

2420 — By नालकण्ठदासिन  
*Tr* -8-

2421 परिभाषेयुशस्त्र (व्याकरण) म म  
श्रीनाथसमूहविरचित । म म तस्याशास्त्रम् ।  
परामिषान श्रीरामकृष्णशास्त्रिणा निर्मितम् ।  
वृत्ति नामक तिलकन विभूषित । *Ch* 3-

2422 — प जयद्वमिषाविरचितविजया  
टीकासहित *Ch* 5-8-

2423 — By म म नेरविमि with  
तत्त्वप्रकाशका, ed by लक्ष्मणशास्त्रा  
निपाठा *Ks* 3-

2424 — देवनाथमदनकृतयागकार्य  
व्याख्या सहित । *Mu* 2-8-

2425 — देवनाथकृतयागकार्यसहित ।  
*As* 2-6-

2426 — Text with notes &  
translation by Dr Kjelborn F  
Complete Pt. 4 *Bp* -8-

2427 — गदासहित । *Bn* 2-8-

2428 — विश्वनाथमहाया । Pt. I Roy  
pp 56

2429 परिशिष्टापिका । (पर्म) अस्मिन् ग्रन्थे  
“नानाविधपरिभाषा” कुण्डलमण्डपनिमित्त  
प्रकार सङ्गोपसङ्गितप्रयोग हेतुविरचित  
प्रयोग इन्द्रादानप्रयोग सन्निधानप्र-  
योग । श्रव्यादिप्रयोग श्रवणप्रयोग सुव  
र्णप्रयोगदिशामहादानप्रयोग मन्त्रादिप्रयोग  
प्रयोग सहास्रगुणितगुणितप्रयोग सुवर्ण-  
प्रयोग सुवर्णप्रयोग गव्यादानप्रयोग सुवर्ण-  
रत्नादिदानप्रयोग गव्यादानप्रयोग सुवर्ण-  
रत्नादिदानप्रयोग गव्यादानप्रयोग सुवर्ण-

प

याग मूलशान्तिप्रयोग आशेषाशान्तिप्रय-  
मार्चदन्तशान्तिप्रयोग पितायकनशा-  
जननशान्तिप्र विकृतसप्तशान्तिप्र यमलजन  
नादिशान्तिप्रयोग चतुर्दशपिजननशान्तिप्र  
योग जलशयान्तर्गमप्रयोग एतावदथा प्राप्ता-  
कृत्यम् । 2-

2430 परिशिष्टपर्व (जैन) By आहमचन्द्रा-  
चार्य, ed by दुषसिंहजी and सट वीर-  
चन्द्र 1912 pp 117 *Bn* -12-

2431 PARISTAS of the अथर्ववेद,  
see—अथर्ववेद

2432 परीक्षामुख-सूत्रम् (जैन) A Digam-  
bara Jaina work on Logic-Nyaya  
by मणिक्यनन्दि together with  
the comm called ‘परिषामुखकडु  
वृत्ति’ by अनन्तरार्य, ed by M M  
सत्ताचार्य रिषाभूषण 1909 *B:* 2-

2433 पवनदूतम् (काव्य)—by पति, a  
court-poet of लक्ष्मणसम of Bengal  
Ed with critical & historical  
introd variants, Sanskrit notes  
etc It will be of interest alike to  
students of History & Sanskrit  
literature pp IV, 35 36 H  
*Ss* -12-

2434 — By वाङ्मय *Km* 19 1-

2435 पवमानपचमसम् (कर्म) *N* -4-

2436 पञ्चार्थममितासा (भामाशा) सरस्वता-  
भूषणकिञ्चनकराज्ञासमन्ताभिराश्रिता ।  
*Aa* -10-

2437 पञ्चता-गदाधरी (न्याय) *S:* 1-

2438 पाकद्वयम् (पाकशास्त्र) by महा  
गज नर *ed* by पञ्चमकरन महाचार्य

2439 पाण्डुरगीता (स्तोत्र) *Vy* -3-

2440 — (वेदान्त) *N* 1-

प

- 2441 पाण्डवचरित्र महाकाव्य (जिन) of शुभ-  
दर्शनगणी. *Jb* 2-9-
- 2442 पाण्डवविजयम् by हेमचन्द्राय. 1916, cr. pp. 100, 2. 1-
- 2443 पाणिनी—( सस्कृत-इंग्लिश ) His place in सस्कृत Literature—*Po* 5-  
An investigation of some Literary and chronological questions which may be settled by study of his work by Goldstucker, 1914 Roy. pp. VII, 235.
- 2444 पाणिनी (German) by Liebich. *Gr* 10-
- 2445 — By राजनीकान्त in Bengali. *Cn* 1-8-
- 2446 पाणिनीप्रदीप. (व्याकरण) *Gss* -8-
- 2447 PANDIT'S GRAMMAR ( German, by Bothlingk O. *Gr* 25-
- 2448 पाणिनीतन्त्रकोट्यपराणि (व्याकरण) Pt. I & II. *Ch* 3-
- 2449 पाणिनीतन्त्रवादनश्रवणमाला (व्याकरण) by अण्णय दीक्षित. *Mu* 1-8-
- 2450 — *Kg* 2-
- 2451 — By R. V. कृष्णन्नाचार्य. 1910. Pt. II, 8vo. pp 119. *Mu* 1-
- 2452 पाणिनीयादि शिक्षासंग्रह — ३२  
( Science of Vedic Phonetics )  
A collection of 32 शिक्षा by वाङ्महर्ष्य and others with comm. on some of them, ed. and annotated by बृगडकिशोर व्यास. *Bn* 5-
- 2453 पाणिनीयमिताक्षरा ( व्याकरण ) A gloss on पाणिनी's grammatical Aphorisms by अन्नमह, ed. by जगन्नाथस्वामि and his son मदननाथस्वामि. *Bn* 15-

प

- 2454 पाणिनीयदशपाठसंग्रह. (व्याकरण)  
( 1 पाणिनीय शिक्षासभाष्य, 2 अष्टाध्यायी  
सूत्रपाठः 3 गणपाठः 4 वार्तिकपाठः 5 परि-  
भाषापाठः 6 पाठुपाठः 7 लिङ्गानुशासन ८  
उणादिसूत्रपाठः 9 किट्टसूत्राणि, and 10  
नवात्रिकभाष्य वार्तिक पाठश्च ). *Ch* -8-
- 2455 — *He* -12-
- 2456 पातञ्जलदर्शनम् (योग) with the  
comm. of मनन्तपरिहित. *Vv* -6-
- 2457 — with a gloss called  
मणिप्रभा by रामानन्दपति ed. by प.  
दामोदरलाल गोस्वामी. *Bn* 1-
- 2458 — योगसङ्कनभाष्यछायापत्राति-  
सहितम् । न्यावरत्नभञ्जीवनाभामिनेण परिशो-  
धितम् । *Lz* 2-12-
- 2459 — 1-
- 2460 — अनन्तपरिहितप्रणीतया पञ्च-  
विंशत्ययं व्याख्याऽस्मिन् । *Un* -8-
- 2461 पातञ्जलयोगदर्शनम् श्रीमद्भोजदेव-  
विरचितया राजमार्तण्डाख्यपाठुत्पासमञ्जित  
टिप्पणीसहिता. *Kg* 1-
- 2462 — बालरामस्वामिभट्टदीपगो स-  
हित. *Kg* 2-
- 2463 पातञ्जलयोगसूत्रम् With the  
comm. of व्यास and gloss of राज-  
स्वति मित्र transl. by राममहाद, with  
introd from बहू 1924. Roy. pp  
XII, 320 *Po* 7-8-
- 2464 — With the Scholia of  
व्यास and the commentary of  
वाचस्पति and the वृत्ति of नागार्जुनभट्ट  
by राजारामशास्त्री बोंदर and बासुदेव  
शास्त्री अय्यकर. 2nd edn. *Bo* 3-8-
- 2465 — ed. by रोहिणीकान्त वि-  
द्यान्त वार्मा. *Sd*
- 2466 — भोजवृत्तिरहितम्. 1-

प

- 2467 — मातागणेशवृत्ति-नागोजीमोडि-  
वृत्तिसहित *N* -14-
- 2468 पातञ्जलयोगसूत्राणि । (योग) वाच-  
स्पतिवृत्तटीकासदलितव्यासभाष्यसमेतानितया  
भोजेन्द्रविश्वरूपितवृत्तिसमेतानि । *As* 3-
- 2469 पातञ्जलयोगसूत्रपाठ — ( योग )  
*Ok* -3-
- 2472 पातञ्जलमहाभाष्य [नवाहिक] कैयट-  
वृत्तप्रदीप, नागेशवृत्तउद्योत-यस्यसहित  
तथा पायगुडेवृत्तछायासहित । *Pt. I N* 5-
- 2473 — विश्वरूपम् । प्रथमाध्याय-द्विती-  
याद्यादिद्वितीयाध्यायस्त । कैयटप्रणीतप्रदीप  
तथा नागेशवृत्तउद्योतसहित. *Pt. II.*  
*N* 4-8-
- 2474 पातञ्जलसूत्रवृत्ति by मारायणशास्त्री.  
pp 232 *Le* 2-12-
- 2475 पातञ्जलम् (काव्य) छटीकम् ed. by  
कृष्णनाथ नारायण. *Sd* 6-
- 2476 PANTUS TO INDUS (Essay) by  
Brunnhöfer. *Gr* 10-
- 2477 PSALMS OF MARATHA SAINTS,  
by Nicol Macnicol.  
*Cloth. As* 1-8-
- 103 Poems, chiefly of the lyrical  
type known as *abhangs* chosen from  
the writings of six Maratha poets,  
and transl. into Engl. verse
- 2478 पारदयोगशास्त्र—(देवक) गिराज  
योगीन्द्र विरचितम्— *Mt* -8-
- 2479 पारस्करगृह्यसूत्रम्—(धर्म) चरकटीकायाम् ।  
(1) श्रीकृष्णदाय (2) जयराम (3) हरिहर  
(4) गदाधर—(5) गङ्गनाथप्रणीत-भाष्य-  
पञ्चकममञ्जुतम्—नामधर्मसंयमहितवा-  
प्यादिनिर्वाहकानिचममहरिहरभाष्या  
पेनधानमन्त्र—*कई*—गदाधरवृत्तभाष्य—कृष्ण-  
मिश्रवृत्तभाष्यादिनामकानि आद्यसूत्र-भाजन-  
धर्मशास्त्राणिमहित ॥ *Gn* 6-8-

प

- 2480 — With काव्यायनश्रौतब्राह्मण,  
शौच, ध्यान, भोजन and कर्म. ed by  
सुकुन्दरान्त वृणतवेकर. *Ks* -8-
- 2481 — With two comments  
called हरिहरभाष्य and गदाधर.  
*Ks* 3-
- 2483 — काव्यायनसूत्रीयभाष्य-शौच.  
*Kg* -8-
- 2483 पाराशर्यविजय (देविक) प्रथमाध्याय-  
प्रथमपाद । *Su* 4-
- 2484 PARTS OF नल and हितोपदेश  
IN ENGLISH LETTERS. Prepared  
by C R. Lanman. 1889 Roy.  
8vo. pp. 50. *Ho* 2-
- A reprint of the first 44 pages  
of the Reader translated from  
the Oriental characters into English  
letters It corresponds page for  
page and line for line with its  
original, so that the references of  
the Vocabulary and Notes of the  
Reader apply exactly to this reprint  
With the Grammar and Reader and  
this reprint the student is enabled  
to acquire a knowledge of the struct-  
ure of the Sanskrit and to do some  
reading without first learning the  
Oriental letters
- 2485 पार्यपराश्रम ( नारक ) A drama  
describing भर्तृहरि's recovery of the  
cows of King गिराज by Prahlada-  
nadeva, the founder of पालनपुर and  
the younger brother of the परमार,  
king of चन्द्रावति (a state in Mar-  
war) and a feudatory of the  
kings of गुजरात who was a गुजराज  
in Samvat 1220 or A. D. 1164,  
ed by C D. दास 1917.  
*Go* -6-

प

- 2486 पार्वतीपरिणय ( नाटक ) By नाग-  
भट्ट. with a critical Introd.  
and footnotes and half-tone  
frontispiece. Demy 8vo. pp.  
18-71. Vc -8-
- 2487 — कर्तृत्व विमर्शः कृष्णमाचार्येण  
विरचितः । Md -8-
- 2488 — N 5-
- 2489 पार्वतीपरिणय. कुमारसम्भवस्य नाय  
सर्गसंग्रहः १०८ श्लोकात्मकः आर्य टि-  
प्पणीसमेतः । Mu -3-
- 2490 पार्श्वनाथचरित्र-पद्य ( जैन ) -3-
- 2491 पार्श्वनाथ The life of by M.  
Bloomfield. 12-
- 2492 पार्श्वनाथस्तव ( स्तोत्र ) जिनमण्डूकि  
विरचित. Km7 1-
- 2493 परिजातहरण (चम्पू) महाकवि श्री-  
शेषकृष्णविरचित N 7-
- 2494 PALI Eng. Dict. by Rhys.  
Davids. 1925. 85-
- 2495 PALI COURSE by the Rev.  
Suriyagoda Sumangula. 1913.  
pp. XVI, 244, 4. 6-
- 2496 पाट्टी & संस्कृत by Franke.  
II O. 1902, 8vo. VI. Gr 6-
- 2497 पाट्टिपाठावली By मुनि जिनविजय.  
8vo. pp. 8, 107. Gptm -14-
- 2498 PALI BOOK-TITLES and their  
brief designations. (proceedings  
of the American academy of  
arts and sciences) by Janman.  
1909. vol. XIV. No. 24. 2-
- 2499 PALI NOUNS, verbs & papers  
for stds. VI & VII, cr. pp. 82.
- 2500 PALI LITERATURE and lan-  
guage. by Geiger. 1916. 14-

प

- 2501 PALI READER with notes  
& Glossary by Anderson D.  
1901-7. 2 pts. in 3 Vols.  
G, 20-
- 2502 — Selections by धर्मानन्द  
कोसारी. 1914. pt I. cr. pp. V.  
139. Pt. II. 2-
- 2503 PALEOGRAPHY as means for  
the language research in Ger-  
man by Lepsius R. 1840. very  
rare. 10-
- 2504 — Notes by V. S. सुब्रह्म-  
ण्य. 8vo. pp. 309-322. -8-
- 2505 PALLAVA ARCHITECTURE—  
(Early period) part I G, 6-8-
- 2506 — by A. Rea. G, 11-8-
- 2507 POSITIVE BACK GROUND OF  
HINDU SOCIOLOGY. by Prof.  
B. K. हरकार. Book II Part 1 & 2  
Po 6-
- 2508 PICTURE RAMAYAN or चित्र-  
रामायण. in मराठी By श्री. बाळासाहेब  
पत. 5-
- 2509 — Telugu. 16-
- 2510 — Tamil. 16-
- 2511 — Kanaree. 16-
- 2512 — Bengali. 16-
- 2512a चित्पदविता (कर्म) by भविष्यद्वक्ता.  
Guru of ब्रह्मसंन. S, 1-14-
- Edited by Pt. Dakshina Charan  
Bhattachary It is a work on Srad-  
dha etc of the Samavedins. It  
shows that even at the time of  
Ballalasena Sradddhas were perform-  
ed in the presence of Saganika  
Brahmanas instead of their symbolic  
substitute.

प

- 2513 A Peep into the early History of India from the foundation of the मौर्य Dynasty to the downfall of the Imperial गुप्त Dynasty by R.G. भाण्डारकर with a preface by H G Rawlinson 1920. cr. pp IV, 74. 2-
- 2514 THE PEOPLES OF INDIA. By J D. ANDERSON with 8 illustrations & 11 maps (Cam) 114-
- 2515 पुरुषोत्तमदीपिका सटीक ( जैन ) of ललितमूर्ति 16 -8-
- 2516 पुण्यसारचरित्र नव, (जैन) of भाव चन्द्रचरि 7b -12-
- 2517 पुराक्षरणीदीपिका ( मन्त्र ) By प काशिनारायण. cr pp 48 Vy -3-
- 2518 PURANAS IN THE LIGHT OF MODERN SCIENCE, by K नागपण्णस्वामी अम्बर cr pp XV, 294. Ad 1-8-
- 2518a पुराणपञ्चलक्षण by Kirfel 1927 Roy pp 5, 93 Gr 35-
- 2519 PURANA TEXT OF THE DYNASTIES OF KALI AGE by Pargiter. Mi 3-12-
- 2520 पुरुषसूक्तम्—( वेद ) सायणाचार्य-प्रणीतभाष्यापतम् । Aa 4-
- 2521 — सूक्तम् N -1-
- 2522 — सायण-महीधर-मङ्गल-निम्बार्क—भाष्यसहितम् । Ks 4-4-
- 2523 पुरुषसूक्तभाष्यम् । Su 1-
- 2524 पुरुषार्थचिन्तामणि । (कर्म) विष्णु-महकृत । A: 4-
- 2525 — (वर्म) श्रीमद्विरामहृण्यपट्टभट्ट-विष्णुमङ्गल N 2-8-

प

- 2526 पुरुषोत्तमसहस्रनाम, N -3-
- 2527 पुरुषोत्तमनामसहस्र सटीक VI -10-
- 2528 पुरुषोत्तममहालय मूल. Vy -8-
- 2529 पुष्करक्षेत्रमहालय मूल. Vy -2-
- 2530 पुष्पवाणविलास, (काव्य) By ( श्री-कालिदास ) ण्डितवर श्रीवैकुण्ठार्चमोमविरचित व्याख्यासह. N 4-
- 2531 पुष्पसूत्रम् ( वेद ) सामप्रतिशाख्य by पुष्पवि, with a comm of भजान-शुक्ल ed by लक्ष्मणशास्त्री शर्मा Ch 4-8-
- 2532 पुष्टिमार्ग (निबन्ध) चतुर्थवैष्णवपरिचय VI 4-
- 2533 पुष्टिमार्गीयबृहत्स्रोत्रसारितसागर १३७ स्तोत्राणि VI 5-
- 2534 — तत्त्वस्तोत्र ( १० स्तोत्राणि ) VI -3-
- 2535 — VI 4-
- 2536 पुष्टिप्रवाहमर्यादा सटीक. VI 1-
- 2537 पूजा orig संस्कृत with मराठी transl by S चिन्नाम्नाक्षी. 1927. pp 16, 32. -3-
- 2538 पूजासमुच्चय ( कर्म ) ९९ पूजा तथा १३ नामावली १०५ N 1-
- 2539 पूर्णप्रज्ञदर्शनम् श्रीमदानन्दतीर्थ भगवत्पुण्यपाद विरचित भाष्यसमेतम् । श्रीनवचन्द्र शिरोमणिनाथ ससोपिनम् । 1886, 8vo pp 181. Cc 3-
- 2540 — Engl transl Ts 3-8-
- 2541 पूर्णप्रज्ञदर्शनम् orig text with मराठी transl by नागशास्त्री 1914 8vo III 70. Ak -5-

५  
2542 पूर्वपञ्चावली (आकरम) Ed. with  
Notes by ५. गोपाळशास्त्री नेने.

Rs -3-

2543 ————— Ch -3-

2544 — तवा उत्तरपञ्चावली. Vy -4-

2545 पूर्वमीमांसाअधिकरणकौमुदी—

(मीमांसा) म म. ५. रामकृष्णभट्टाचार्य  
विरचिता नेने इत्युपाख्य गोपालशास्त्रिणा  
परिसिद्धाधिकरणनिस्तुणार्थक दिव्यग्या परि-  
ष्कृत.

Ch -3-

2546 पूर्वोत्तरमीमांसावदनक्षत्रमाला by  
अण्णयदीक्षित. or. 8vo V. 2-8-

2547 PAGEANT OF KING MINDON  
by O. Duroiselle G. 7-6-

2548 PERIPLUS OF THE ERYTHRA-  
EAN SEA

Travel and trade in the Indian  
ocean by a merchant of the fifth  
century Translation from the  
Greek and annotated by W H  
Seoff 8vo 1912 2-

2549 POEMS BY INDIAN WOMEN.

Selected and rendered by vari-  
ous Translators and edited by  
Margaret Macnicol. With Col-  
oured Frontispiece from the  
original in the Indian Museum.  
Crown 8vo pp. 98. As 1-8-

This anthology brings together  
over one-hundred selections rendered  
into English from the work of  
fifty six women poets of India dat-  
ing from 1000 B. C. to the present  
day. Fourteen languages are repre-  
sented and twenty-five translators  
have lent their services. The poems  
are divided into Vedic India, Early  
Buddhist Days, Medieval India

५  
and Modern India, while an intro-  
duction describes the characteristics  
of women's poetry in each of these  
periods, and studies in detail the  
contributions of the various vernac-  
ulars.

This little volume, it is hoped,  
may help in some measure to reveal  
the outlook of women at different  
stages of India's history, to show  
with what their minds were filled,  
what their deepest longings were,  
and what the chief concerns of their  
daily lives.

2550 THE POLITICAL INSTITU-  
TIONS AND THEORIES OF THE  
HINDUS. A study in the compa-  
rative politics by B सरकार. 12-

2551 POLITICAL HISTORY OF AN-  
CIENST INDIA (From the Accos-  
sion of परिक्रित to the extinction  
of the Gupta Dynasty) by इम-  
चन्द्रराव चौधरी. Roy. 8vo. pp  
416. On 7-8-

Dr Hachaudhuri's work in the  
domain of Indology is characteri-  
zed by a rare sobriety and by a con-  
stant reference to original sources  
and this makes his contributions  
specially valuable. We have here  
probably the first attempt on a sci-  
entific line to outline the political  
history of India of the Pre-Bud-  
dhistic period from about the 10th  
Century B. C. and the work is one of  
great importance to Indian history.

2552 PORTFOLIO OF ARCHITEC-  
TURAL DRAWINGS. part I G. 2-

2553 POST VEDIC PHILOSOPHY OF  
INDIANA by DAWSON P. Or 10-

प

- 2554 POSITION OF WOMEN IN HINDU LAW, by दशरथनाथ मिश्र. 8vo. pp. 738. Cs 12-

The work is a thesis approved for the Degree of Doctor of Laws in the University of Calcutta. It is generally based on original research as well as on the results achieved by previous writers on Hindu Law. It traces historically the various stages in the development of the position of women in Hindu Law

- 2555 वीराणिकद्वयम्. ( कर्म ) प. शिव-शंकर शास्त्रिण निरचितम् । Cs 7-8-

- 2556 पौरोहित्यकर्मसार ( कर्म ) Col-lected with notes by प. पद्मनाभशास्त्री, ed. by प. दत्तशरणशास्त्री. Ks 4-

- 2557 वीरभक्त्यध्यायम् ( नाटक ) By pt. लक्ष्मणशर्मा with introd. by राम-स्वामि शास्त्रि 1914. Mf 3-

- 2558 पौरोहित्यसूत्रम्, Vy -6-

- 2559 पञ्चतन्त्र ( कथा ) श्रीविष्णुशर्मसं-कलित. N 1-4-

- 2560 — प. जीवराजजी व्याख्यायित-संस्कृतटीकासहित । pp. 434. Mf 1-8-

- 2561 — With introd, copious notes and transl. by M. R. काठे. तन्त्रा I to 5 St 2-

- 2562 — Tantra I st—with a short com. explaining all difficult compounds, and difficult verses, various readings and copious notes giving a literal transl. of almost all the difficult श्लोका and prose passages and containing useful information of various kinds

प

- Book I, As 12 Book II, III, IV, V. Gr each -10-

- 2563 — Book II, III, IV and V. ed. with Notes, by Dr. G. Bahler. Bp -8-

- 2564 — Book I Ed. with Notes, by Dr. Kielhorn. Bp -6-

- 2565 — Reconstructed. An attempt to establish the lost original Sanskrit text on the basis of the principal extant versions by Franklin Edgerton. 1924 Med. 8vo. ( 91+61 ) 2 vol. I Text in Roman letters. pp. xx+410 ; 2, Introduction & Translation, pp 1+406 27-

- 2566 — Reconstructed By Edgerton. Sanskrit text in देव-नागरी लिपि with introd. तन्त्र. I-V 1929. 8vo. pp 9. 47. Os 1-8-

- 2567 — Tantra I, Sold separately for -12-

- 2568 — A collection of an- cient Hindu tales, in the recen- sion ( called Panchakhyanska, and dated 1199 A. D. ) of the Jaina monk एतच्छ्रुति critically edited in the original Sanskrit [ in Nagari letters ; ] and, for the sake of beginners, with word-division by Dr Hertel. 1908. Roy. 8vo pp 346.

- 2569 — Text of Purnabhadra with critical Introduction and list of variants by Prof. Hertel. 1912. Roy 8vo. pp. 246.

प

2570 — Text of Purnabhadra and its relation to texts of allied recension, as shown in Parallel specimens. by Prof. Hertel, 1912. pp. 10; and 19 sheets mounted on guards and issued in atlas-form. Roy. 8vo. Price of all three together, Ho 12-

2571 — A collection of ancient Hindu tales, in its oldest recension, the Kashmirian entitled Tantrakhyayika. The orig. Sanskrit text [in Nagari letters] editio minor. reprinted from the critical editio major by Prof. Hertel. 1915. Roy. 8vo. pp. 166. Ho 6-

2572 पञ्चदशी (वेदान्त) विचारण्यवृत, राम-कृष्णविरचित टीकासीद्धत. N 1-

2573 — English Translation by B. पान्गो. R 2-8-

2574 — — — टीका. T 2-8-

2575 — श्रीमद्भारततीर्थप्रणीत. with Marathi transl. by वासुदेवशास्त्री. 1906. cr. pp. 4, 4, 550, 5. D 2-

2576 — सुबोध मूळ-अन्यार्थ स्पष्टीकरण ग्रंथक प्रकरणाना मतितार्थ परतावना-सविस्तर अनुबन्धिका. pp. 1200 Al 1-

2576a — Text in Nagari with Engl. Translation explanatory notes and summary of each chapter by M. S. Rao and प्रत्यक्षाभी आप्प. 1912. 8vo. pp. xv, 629. V 4-

2577 पञ्चपदिक set—अ. वेदे.

प

2578 पञ्चपक्षी ( ज्योतिष ) टीका.

Vy -10-

2579 पञ्चपञ्चासिका ( ज्योतिष ) टीका, Vy -3-

2580 पञ्चपादिका By पञ्चपादाचार्य ed. by रामशास्त्री. 1891. Roy. pp. III, 9, 100. Vj 3-

2581 पञ्चपादिकाविवरणम् of प्रकाश-नम् with extracts from भावदीप & तत्त्वप्रकाशिका ed. by रामशास्त्री 1882, Roy. pp. 4, 5, 247. Vj 5-

2582 पञ्चयज्ञ सङ्कतटीकासह. V 11 -5-

2583 पञ्चरत्नगीता—भगवद्गीता, विष्णु-सहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुसूति तथा गौरीमोक्ष. (Silk cover) V 1-8-

2584 — ( Silk cover ) pp. 32 N 1-

2585 — सार्धा, मध्यमाक्षरा. pp. 32. N -12-

2586 — दशमाक्षरा. pp. 64 (Silk cover) N -8-

2587 पञ्चरात्रम् of भाग with the comm. सुप्रभा. ed. with introd. Engl. transl. notes, & glossary by W. G. S. 1920. 4-

2588 — of भाग ed. by T. गव-पतीशायी. Tr 1-

2589 पञ्चलक्षणीसर्वस्वम् By इन्दुगणि श्रीरामशास्त्री. 1926. cr. pp. 15, 150. तेजनी. 2-

2590 पञ्चविधानसूत्र By Richard Simon. 1913. Roy. pp. 81.

2591 पञ्चरात्री ( स्तोत्र ) सङ्कलित. Km 7 1-

2592 पञ्चरात्री ( स्तोत्र ) सङ्कलित. Mid 1-



प

- 2593 पञ्चसंग्रह ( जैन ) of चन्द्रविमहतर  
with the comm मलयगिरजी. pt.  
1 to 4. *Nb* each. 7-8-
- 2594 पञ्चसायक— ( कामशास्त्र ) कवि-  
शेखर ज्योतीश्वराचार्यप्रणीतमटिप्पणम् । सदा-  
नन्द शास्त्रिणा परिशोधितः । *Mt* 3-4-
- 2595 पञ्चस्तवी ( काव्य ) गोकुलनाथकृत.  
*Km* 3 1-
- 2596 — स्तोत्र *Vy* -3-
- 2597 पञ्चीकरण ( वेदान्त ) of श्रीशंकरा-  
चार्य with two comments in संस्कृत  
(1) वातिक of जुरेश्वराचार्य with वातिक  
भाष्य and (2) विवरण by आनन्दगिरि  
with सत्वचन्द्रिका by श्रीरामनार्थ.  
*Ks* -8-
- 2598 पृथ्वीचन्द्रचरित्र श्रीरुद्र, ( जैन )  
of लक्ष्मिशागरधरि. *Nb* 1-8-
- 2599 पृथ्वीराजचन्द्राणचरितम् ( संस्कृत )  
*S.B.R.* 1-8-
- 2600 पृथ्वीराजविजय A संस्कृत epic by  
चान्दकीवि with the commentary  
of जोनराज, ed. by Dr. S. K. वेल्-  
वकर. ( 1914-1922 ). *Bt* 2-4-
- 2601 प्रकरणपञ्चिका ( मीमांसा ) of प्रभा-  
कर school by शान्तिनाथ with  
मीमांसासार संग्रह *Ch* 5-
- 2602 प्रनियाकौमुदी ( व्याकरण ) रामचन्द्रा-  
चार्यविरचिता । भट्टोजीदीक्षितवृत्त सिद्धात-  
कौमुदीयमूला । सविषयक नाम प्रथमभागः ।  
*Demy* 8vo. 24, *Vz* -8-
- 2603 — ed. by K. P. त्रिनेदी  
Vol 1. *Bp* -10-
- 2604 प्रचंडपाण्डव ( नाटक ) orig text  
ed with notes by Cappeller. 4-
- 2605 प्रणयमाधव ( नाटक ) *Vy* 1-8-

प

- 2606 प्रतापरद्रुकल्याणम् ( नाटक ) सटि-  
प्पणम्—श्रीविद्यानाथविरचितम् *Gn* -8-
- 2607 प्रतापरुद्रयशोभूषण of विद्यारत्न  
with comm. of रत्नापण of कुमारस्वामि  
ed. by K. P. त्रिनेदी. *Bp* 11-
- 2608 प्रतापरुद्रीयम् ( अलंकार ) विद्यानाथ-  
प्रणीतम् । महिनायधनुना कुमारस्वामिना  
विरचितया रत्नापणाख्यया व्याख्यया सम-  
न्वितम् । अलङ्कारशास्त्रजिज्ञासूना अद्युपना-  
रकोऽव्यावश्यकश्चाय ग्रन्थः । अस्मिन् पुस्तके  
नव प्रकरणानि सन्ति । नायक—काव्य—  
नाटक—रस—दोष—गुण—शब्दालङ्कार—  
—धर्मालङ्कार—मिथ्यालङ्कार प्रकरणानीनि ।  
अलंकारशास्त्रसमावेष्टय यान्तो विषया  
ज्ञातव्याः सर्वेऽपि तावन्तः । नितरा सम्यगेण  
रमणीयया पण्डितद्वयपालादिन्या सरण्या  
उपपदिता । 1914 *Bm* 1-8-
- 2609 प्रतापसिंहचरितम् ( संस्कृत ) by  
हयकर. *Sbr* 1-1-
- 2610 प्रतिष्ठामयूख ( धर्म ) सर्वदेवप्रतिष्ठापना-  
वर्णनविधि . *Vy* 6-
- 2611 प्रतिभाबोधकम् ( ज्योतिष ) म. म.  
प. श्रीशुभाकरद्विवेदी निरचितम् । प. श्री-  
गङ्गाधरमिश्र मैथिली कृतावर्षितलसूत्रक तिल-  
केनामलङ्कृतम् । *Hs* -8-
- 2612 प्रतिष्ठा—( नाटक ) of मात्त with  
introd. transl & notes by  
Prof. S. M. वराजप. 1927. 8vo  
pp. XX, II, 188. *O* 3-
- 2613 — ed by T. गणपतिशास्त्री.  
*Tr* 2-
- 2614 प्रतिसांवत्सरिकश्राद्धप्रयोग.—( धर्म )  
*N* -6-
- 2615 प्रतिष्ठामयूख ( धर्म ) *Gu* -8-
- 2616 प्रतिजययोगंधरायणम् ( नाटक ) of  
माह ed. by गणपतिशास्त्री. *Tr* 1-8-

प

2617 प्रत्यक्षशरीरम् (वेदक) A Text book of Human Anatomy in संस्कृत with Engl. and संस्कृत introd. containing a short history of आर्यवेद literature by म. म. कवि-राज रामनाथसेन. 1918. Pt. I and II, Roy. pp. 2, 6, 17, 147, 4. Ct 11-8-

2619 प्रत्यभिज्ञानकारिकावृत्ति By हनुमत् द्वेन. Bound in one. Km 3-  
Represent briefly the doctrines of the Recognitive School expounded by Somananda with preface and introd. in Engl

2620 प्रत्यभिज्ञासूत्रम् (वेदान्त) Summary of the doctrines of the Advaita Shauva Philosophy of Kashmir by हेमराज. Km 1-6-

2621 प्रत्येकबुद्धचरित्रावली (जैन) of रत्न-हंसगण. 2nd. edn. Jb 1-

2622 प्रसूनाम्बुदधम् (नाटक) by रवि-वर्मा सू. Tr 1-

2623 — शोकघ्न. Jb 6-8-

2624 प्रदीपनिबन्धन (जैन) By श्रीरत्नाङ्क. Jb 3-8-

2625 प्रपञ्चसारतन्त्र ed. by रामनाथ विचारान with an introd. in Engl. by Arthur Avalon. Ti 3-

2626 प्रपञ्चसारविषयक (धर्म) Vy 1-

2627 प्रपञ्चसूत्रम्. (हन्त) Tr 1-

2628 प्रपञ्चपरिभाषा (वेदान्त) Su 4-

2629 प्रपञ्चसूत्र सू. (स. शा.) Vy 4-

2630 प्रपञ्चसूत्रलतिका (essay) ed. by गौरीशङ्कर महापात्र. Si 1-

2631 प्रपञ्चविन्यासम् (कथा), or Winking-eye of Narratives

प

composed by मेरुदुर्गाभाचार्य. Transl. into Engl. from the orig. Sansk. by C. H. Tawney. (1894-1910) Bi 4-12-

2632 प्रबोधचन्द्रिका—(व्याकरण) वैजलम्-मुपहृता । अर्थ चोहमनवन्धः । इषात्मकोदं । Roy. pp. 16 mo. 48. Vz 4-

2633 प्रबोधचन्द्रिका (नाटक)—भीम-वृष्णविजयतिथिरचित, नागदेहनाथप्रमुखि-रचित (1) चन्द्रिकाटीका तथा शीतिल-रामदासविरचित (2) प्रकाशटीकासह. N 1-4-

2634 — A Drama on the con- flict between the higher and lower nature of Man, ultima- tely ending in the triumph of the former : and श्रीशंकराचार्य's आत्मसौख्य. Translated by Mr. Taylor. Ri 8-

2635 — सटीक. Vy 1-4-

2636 प्रबोधमुभाकर—(काव्य) Km 8 1-

2637 प्रभाकरविदधम् (मीमांसा) A short but illuminating exposition of the doctrines of the प्रभाकर school of मीमांसा philosophy by मदीश्वर, ed. by A. R. रामनाथशास्त्री. 1926. 8vo. pp. 8, 18, 102. Si 1-4-

2638 प्रभाकरविरचित—( जैन ) N 1-8-

2639 प्रभाषणवृत्ति (वेदान्त) by श्रीजयदीप्यो चार्य with the gloss of जगद्गुरुभट्ट. Mf 1-10-

2640 प्रभाषणवृत्तिटीका (वेदान्त) or भाष्य. चन्द्रिका by जयदीप्योचारीय with the gloss of शारङ्गधरशास्त्री. Mf 1-8-

2641 प्रमेयकर्मप्रामाण्यम्—( धर्म ) याज्ञ- प्रभाचार्यविरचित. N 4-

प

- 2642 प्रमेयरत्नार्णव (वेदान्त) of श्रीबाल-  
कृष्णमहर्षि ed. by रामगोपालमहर्षि. Ch 1-8-
- 2643 प्रयागमहात्म्य मूल. Vy -7-
- 2644 प्रयोगपारिजत ( कर्म )-तृप्तिहोयस्य  
प्रयोगोद्देशात्कारकाण्डानि with the  
meanings of the मन्त्राः. N 4-
- 2645 प्रयोगरत्न ( कर्म ) नारायणभट्ट उत्तर-  
नारायणभट्ट-अथेष्टि समग्रक. N 2-
- 2646 ————— Vy 1-8-
- 2647 प्रवचनसरोद्धार सटीक ( जैन ) of  
भेमिचन्द्रचरि with the comm. of  
सिद्धतेनचरि. Jb 32-
- 2648 प्रशास्त्रावभाष्यम्-(वैशेषिक) With  
an unpublished comm called  
सूक्ति by the famous Naiyayika  
जगदीश तर्कालंकार and a new com-  
on सूक्ति and Bengali elucidation  
by the author. 8vo. pp. 4, 8, 23,  
222. Ss 2-
- 2649 — ( वैशेषिक ) by प्रशास्त्रदेवा-  
चार्य with three comments (1)  
सूक्ति, by जगदीश तर्कालंकार, (2) तद्गु-  
by वचनाभिमिश्र and (3) व्योमावती,  
by व्योमशिवाचार्य, ed. by व गोपी.  
माध कविराज and व. बुद्धिपूजशास्त्री.  
Ch 7-8-
- 2650 प्रशास्त्रभाष्यटीकासंग्रह (वैशेषिक) A  
collection of comments on the  
प्रशास्त्रभाष्य and कणविरहस्य by श्रीशंकर  
मिश्र and reviews on the प्रशास्त्रभाष्य  
(समानोचन) and तर्कालंकार भाष्यपरीक्षा  
ed. by व. विन्धेचरिप्रसाद त्रिवेदी and  
बुद्धिपूजशास्त्री. Ch 3-
- 2651 प्रशास्त्रिकाशिका—( स्तोत्र ) बाउ  
कृष्णस्य. Gn 6-

प

- 2652 प्रथममार्ग ( ज्योतिष ) Revised  
and ed- with explanatory foot-  
notes by P. N. नीलकण्ठशर्मा. 1926.  
अध्याय 1-16. 8vo. pp. 4, 10, 327,  
52. Vt 4-
- 2653 ————— Bm 4-
- 2654 प्रथमचिन्तामणिगद्य. ( जैन ) of  
श्रीरविजयजी. Jb 4-
- 2655 प्रथमवैष्णव ( ज्योतिष ) श्रीमन्मारा-  
यणदाससिद्धविरचित. Ch -8-
- 2655a प्रथमोपनिषत् । सटीकशास्त्रभाष्योपेता,  
शंकरानन्दविरचितप्रथमोपनिषद्दीपिका च ।  
Aa 1-
- 2656 — Text and Engl. Transl.  
by स्वामी शर्मानन्द Ad -12-
- 2657 प्रथमैतरेया सटीक ( जैन ) of  
विमलाचार्य with the comm of  
देवेन्द्रचरि. Jb 13-
- 2658 प्रथमैतरेयब्रह्मसंहिता ( वेदान्त ) सर्वका-  
शकरानन्दस्य. Gn 1-4-
- 2659 ————— Vy -2-
- 2660 प्रथमैतरेयपयोनिधि—( वेदान्त ) बड-  
रामदासमुनिविरचित. N -3-
- 2661 प्रथमवर्ण ( ज्योतिष ) ed. by हरि-  
पद चट्टोपाध्याय. Sd -8-
- 2662 प्रसंगाभरण ( काव्य ) Gn 3-
- 2663 प्रसन्नराघव ( नाटक ) श्रीजयदेवकवि-  
विरचित N -12-
- 2664 — श्रीरघुसम्भवन, स्वयंविशदे  
सुगन्धककनकरसंग्रहितम् । pp. 168.  
Lz 1-4-
- 2665 प्रसूतिचन्द्र—( वैद्यक ) श्रीरामनि-  
मृष्यविरचित. Ml 2-
- 2666 प्रस्तावकचन्द्रिका ( निबन्ध ) व. तृप्तिह-  
ोयस्यविरचित. Mc 1-8-

प

2667 प्रस्तावप्रभाकर कुशलापरनामकेन  
रामचन्द्रशास्त्रिणी निमित्तः । गणेशदत्त  
शास्त्रिभिः संशोधितः । 1918. 8vo. pp.  
5-52.

2668 प्रस्तावदत्तक सटीक (जैन) of  
केसरसिंह. *Jb* 12-

2669 प्रस्थानभेद (वेदान्त) by मधुसूदन-  
सरस्वती. Roy. pp. 16. *Pv* -3-

2670 — In मराठी By G. V. छेले.  
1914. or. pp. 2, 8, 256, 2. 1-4-

2671 प्रस्थानरत्नाकर (वेदान्त) शुद्धाद्वैत  
Philosophy by गोस्वामि भोगुरुचेलमजी-  
महाराज, ed. by रत्नगोपाळभट्ट. *Cb* 3-

2672 ————— *Vy* 1-2

2673 प्रहस्तबाध सटीक. *VI*

2674 प्रज्ञानानन्दप्रकाश श्री १०८ मत्सर-  
महस प्रज्ञानानन्दसरस्वतीस्वामिद्विरचिता ।  
भावाव्यक्तौद्धर्दीक्षा । प्रज्ञानानन्दपरिनि-  
ष्टान्ता । भावाधुरादेनसहितम् । *Ch* 3-

2675 ————— *Sd* 3-

2676 प्राकृतकथासंग्रह (जैन) ed. by  
हृनिजिनविजय. 1921. 8vo. pp. 72.

*G.p. 1st* -12-

2677 प्राकृतवक्त्रपद by Barua and  
S. N. Mitra. 8vo. pp. 322.

*Cu* 5-

A new edition of the *Dutruil de Rhins Kharmakhi Ma* of the *Dhammapala*, of which an edition was published in the *Journal Asiatique* in 1897 by M. Senart. The joint editors have reconstructed whole passages from minute fragments not utilised by M. Senart, and they have brought in the results of their vast and deep Pali Studies in establishing the text. The importance of the *Dhammapala* as a world classic need not be emphasised too

प

much In the Introductory essay, there is an able study of the question of the literary history of this work.

2678 प्राकृतप्रकाशम्, (व्याकरण) of वसुधि-  
with two comments (1) of  
वसन्तराज and (2) of सदानन्द. Part I  
8vo. pp. 4, 171, Part II 185 to  
405, 14. *St* 5-

2679 — with the text of मामह and  
notes by उदयशमशास्त्री. *Ks* 1-4-

2680 — ed. by वसन्तकुमार चट्टो-  
पाध्याय. *Sd* 1-8-

2681 — ed. by देवतीकान्त मल-  
चार्द. *Sd* 1-

2682 — वरचरित्रतृप्तभाषां मामह-  
कृतव्याख्या सतिषण. *Kp* 2-

2683 प्राकृतपिङ्गलम् — (छंद) A  
treatise on Sanskrit Prosody.  
with the commentaries of विश-  
नाथप्रधान वनविषाद, कृष्ण and चार्द-  
वन्त्र. Edited and supplemented  
with a complete index and  
glossary of all Prakrita words  
in the text by चन्द्रमोहन घोष.  
*B* 6-

2684 प्राकृतपिङ्गलसूत्राणि—श्रीमद्भाष्य-  
विरचित, लक्ष्मीनाथटीकासह. *N* 1-

2685 प्राकृतमञ्जरी (व्याकरण) श्रीमत्साक्षा-  
तगणनिर्णयतत्त्वसहितसंप्रवृत्ति. *N* 6-

2686 प्राकृतमार्गोपदेशिका (जैन) 1-4-

2687 प्राकृतव्याकरणम्—( व्याकरण ) A  
Prakrit grammar based on the  
शर्मकरम्. 8-12-

2688 — of विरहान. The text in  
Nagari characters with notes

- प  
 introd and index by Hultzsch  
 E 1903, 8vo R 7-12-
- 2689 प्राकृतभाष्यम् ( व्याकरण ) B; -  
 बालाद, ed by रत्न माला भगवार्दे  
 1923 cr pp 2, 23, 6 39 1-
- 2689.2 — or clanda's grammar  
 of the Ancient Prakrit (Archa)  
 ed by Hoernle II Pt I 15-
- 2690 प्राकृतभाष्यम् ( व्याकरण )  
 बालाद, ed by रत्न माला भगवार्दे  
 प्रथमाध्यायः 8vo pp 136 V<sub>2</sub> 1-
- 2691 — by B G दोषा publ  
 by V M काशी 1905 8vo pp  
 353 G p 1, 4-
- 2692 — With an Engl transl  
 by व का काशी 1883 8vo pp  
 V, 160 Mc 2-
- 2693 प्राकृतसंस्कृतम् of माकड्य, ed  
 by पदमहताध्याय 1927 Pt I  
 8vo pp 127 3-
- 2694 प्राकृत and संस्कृत inscriptions  
 of कपिलेश्वर publ by H H the  
 महाराजा of मारवा pp 233 20-
- 2695 PRACTICAL GRAMMAR OF  
 THE संस्कृत Language for the  
 use of early students by Jh  
 Benfey London 1803 Roy  
 pp XVII 228 5
- 2696 — — of the प्राकृत Lan-  
 guage by S Duroisel 1921  
 3rd edn cr pp 1 IX 345 7-8-
- 2697 प्राचीनदेशमाग Pt 1 to 3  
 N 3-
- प  
 2698 प्राचीनगुरुवर्यकाव्य A collection  
 of old गुजराती poems dating from  
 12th to 15th centuries A D  
 ed by C D 1920 Go 2-4-
- 2699 प्राचीनसाहित्य By रत्न माला भगवार्दे  
 Transl into गुजराती by M H  
 इरार्दे & N D इरार्दे 1928 cr  
 pp 5 125 G p 1 m -12-
- 2700 प्राणामरम् ( काव्य ) By व  
 जयकाव्य Kmt 1-
- 2701 प्रातस्मरण ( स्तोत्र ) By -2-
- 2702 THE PROBLEM OF to be, by  
 Walleser M Gr 1-8-
- 2703 THE PROBLEM OF BU-  
 DHISTIC PHILOSOPHY by Rosen-  
 berg D 10-
- 2704 PROBLEMS OF RURAL INDIA  
 by नाथेश्वर नाथ Cu 2-4-
- 2705 — of the साख्यकारिका by  
 भाष्यकाराचार्य वाडक 1903 Roy pp 5  
 -8-
- 2706 प्राभञ्जन मारतशास्त्र साहित्य VI 7-
- 2707 — मू. VI 4-
- 2708 प्रमाण्यवाद — (वाय) S 3-9-
- 2709 प्रायश्चित्तकर्म (म) K 8-
- 2710 प्रायश्चित्तनिर्णय (धर्म) अग्निपुराणात्  
 Vy -2-
- 2711 प्रायश्चित्तप्रकरण of महामन्त्र, ed  
 by Pt गिरिशङ्कर वेदान्ततार्क्य  
 Vr 2-
- 2712 प्रायश्चित्तमयुक्त — (धर्म) Gu
- 2713 — Text with मराठा transl  
 by T B रेनाट्ट publ by A M  
 महाना 1914 Roy pp 433 429  
 3-4-

प

- 2714 प्रायश्चित्तमनोहरः षड्विंशप्रश्नेन  
श्रीकान्हुमिश्रशर्मणाविरचितः । श्रीआनन्द-  
मिश्रभाष्यस्मृति रत्नसरोजोपेतः । 8vo  
pp. 90, 7.
- 2715 प्रायश्चित्तमनुशेखरः (पर्य) Vy -12-
- 2716 Primer of Hinduism, by  
J. N. FARQUHAR. 1912. 2nd  
edn. revised and enlarged. pp.  
222, with forty nine illustra-  
tions, Of 1-4-
- 2717 PRIMER OF PHONETICS by  
Jespersen O. 5-
- 2718 प्राहृष A commentary on  
the सायनिकद्वय in Tibetan by  
महाश्वेत, ed. by D. M. Wallisser.  
1914. B 1-
- 2719 Prolegomena to a History  
of Buddhist Philosophy, by  
B. M. Darna, (Lond.) Roy.  
8vo. pp. 52. Cu 1-8-
- The book embodies the results of a  
scientific enquiry by the author,  
from the historical standpoint, into  
successive stages in the genesis and  
increasing organic complexity of a  
system of thought in India, suppos-  
ed to have evolved out of a nucleus  
as afforded by the discourses of  
Gautama, the Buddha.
- 2720 Prospectus to a New and  
Critical Edition of the महाभारत  
also containing an up-to-date  
History and Review of work  
done hitherto on the महाभारत by  
N. B. उद्दक. 1914 Roy. pp.  
VI, 42 Bp -8-
- 2721 विद्वत्सुन्दरसूत्रम् of विद्वत्पाद  
with the comm. सुन्दरसूत्र of

प

- श्रीहलायुध. 8vo. pp. 5, 6, 239. Cl 1-8-
- 2722 — Ed. by रेतोभ्रान्त भट्टाचार्यः  
Sd 1-8-
- 2723 प्रियंकरचरित्र (जैन) उदयगिरस्तोत्र  
माहात्म्यस्त. 2nd edn. Jb 2-
- 2724 प्रियदर्शिका (नाटिका) of श्री हर्ष.  
An old सङ्कृत love drama, text,  
annotations, transl. into Engl.  
by R. P. सायने. 1928 2nd edn.  
Roy, 12 mo pp. 216. Jb 2-8-
- 2725 — A Sanskrit Drama  
of the Seventh Century A. D.  
Transl. into Engl. by G. K.  
Narjuran, A. V. W. Jackson,  
and O. J. Ogden. with an in-  
trod. and notes by the two lat-  
ter, together with the Text in  
Transliteration 1923. pp. cxlii +  
138 with frontispiece, Cl 9-
- 2726 — with comm. and श्रवित.  
Demy 8vo. pp xlviii-97 V, 1-
- 2727 — French transl. by  
Strehly G. 1888. cr. pp. 63. 2-
- 2728 The short comedy of प्रहर्ष  
ed with an introd. notes trans-  
lation and appendices by N. G.  
सू. 1928 crown 16 mo. pp.  
229. 2-
- 2729 PRELIMINARY LIST OF मयन  
AND मयन MANUSCRIPTS. 1910  
8vo pp. 279. Ad
- 2730 Pre-Historic India, by एच.  
नन सि. 8vo. pp. 300 (with 30  
coloured plates) Cl 6-

प

One of the pioneer works on Indian pre-history by a young Indian scholar who is well posted in the latest work in this subject

2731 PRE-MUSSALMAN INDIA by M. S. नेटसन. 1917. cr. pp. XVI, 138, X *Md* 1-

2732 PREPARATION PAPERS IN सङ्घत for Matric Candidates by M. P. भोक्त. 1928. 8vo pp. 32. *Or* -8-

2733 Primitive culture of India, (lectures delivered in 1922 at the school of Oriental Studies) by Hodson C (James G. Forlong Fund) Vol 1. *5-4-*

2734 PRINCIPLES OF TANTRA. The Tantratattva of श्रीशिवचन्द्र विद्यालन, महाश्वर्य महोदय, ed with an introd. and comm by Arthur Avalon. Part I. *Tt* 8-

2735 — Part. II. with an introd by वरदकान्त हनुमन्तर, ed by Arthur Avalon. *Tt* 12-

2736 THE PRINCIPLES OF HINDU Ethics by M. A. Buch 1921 cr. pp 18, XI, 600 10 *Bd* 7-

2737 — *Sb* 6-4-

2738 PRINCIPLES OF INDIAN सिद्ध-शास्त्र together with the texts of मयशास्त्र by Prof कृष्णचन्द्रनाथ वेद of विश्वभारती Univ with a foreword by Dr. James H. Cousins cloth *3-8-*

2739 PRINCIPLES OF हिंदु & Moham-  
maden Law by the late sir W. H. Macnaughten, ed by H

प

H. Wilson. 1882. 2nd edn cr. pp. xxx, 240 *7-*

2740 PRINCIPAL TWELVE उपनिषदाः (1 ऐतरेयब्राह्मण, 2 कठ, 3 कौषी-  
तकीब्राह्मण, 4 छान्दोग्य, 5 तन्त्रकार,  
6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 बृहदारण्यक, 9  
मुण्डक, 10 मन्त्रादिग माहण, 11  
वाजसनेयिसंहिता and 12 अथर्वतर)  
transl by oriental scholars and  
ed by Max Muller. *Of* 12-

2741 प्रेक्षकल्प (German) in गृह्यसुराग  
with नन्दिम's सारासारशेका by E.  
Abegg 1921 8vo pp. X, 272. *4-*

2742 प्रेमसत्तर or OCEAN OF LOVE.  
Being the literal Hindi transl  
of Lalit Lal Kauras, ed by late  
Prof Eastwick fully annotated  
& explained grammatically, etio-  
metically and exegetically by  
Frederick Pincot 1897 8vo.  
pp xx 327, 16

2743 प्रेमासृत or AMOURISM by  
R S दाक्षी 1922 cr pp. 16,  
254 *Bo* 2-

2744 प्रेमासृत परिवृद्धाष्टक VI -8-

2745 THE PLACE AND IMPORTANCE  
OF JAINISM in the Comparative  
Science of religion by O. Pertold. *-8-*

2746 THE PLAYS ASCRIBED TO मात  
their Authenticity and Merits  
by Prof देवर् 1927 8vo pp.  
68. *Or* 1-

2747 PROCEEDINGS OF THE FIRST  
ORIENTAL CONFERENCE Vol I &  
II Roy pp XII, 470 *13-*

य

- 2748 — of the Second Oriental Conference Vol II 10-  
 2749 PROCEEDINGS of the 3rd. Oriental Conference. 1915 Roy pp. LXX. 745. 10-  
 2750 — of the 4th Oriental Conference 2 Vols 13-  
 2751 प्रौढमनोरमाख्यारण्यवृत्ता । ( व्याकरण ) श्रीहृदयमित्रवृत्ता, अष्टादीशार-पथिता । Ch 3-  
 2752 प्रौढमनोरमाख्यारण्यवृत्तं, ( व्याकरण ) प० श्रीचक्रपाणिदत्तविरचितं, प० विन्ध्येश्वरीप्रसाद-द्विवेदिनः, प० श्रीगणपतिशास्त्रिणा च शोधितम्, pp. 140 L- 1-4-  
 2753 प्रौढशेष ( व्याकरण ) In marathi By R. B. जोशी, 1900 3rd edn. rare cr. pp. XII, 553 2 2-12-  
 2754 PERSIA ANCIENT, THE LIGHT OF, see—The Light of Ancient Persia  
 2755 PATHOLOGY, A SANSKRIT System of, see—A SANSKRIT System of Pathology.  
 2756 PUNJAB MUSEUM, LAHORE, the COINS in, see—the Coins in the Punjab Museum, Lahore  
 2757 PARASISTAS OF अथर्ववेद see—अथर्ववेद No 25  
 2758 पितृशेखर. THE EXTRACTS OF, see—THE EXTRACTS OF पितृशेखर.  
 2759 PRE - BUDDHISTIC INDIAN PHILOSOPHY, the HISTORY OF see—THE HISTORY OF THE PRE BUDDHISTIC INDIAN PHILOSOPHY  
 2760 PRINCIPAL UPANISHADS AND भगवद्गीता, Recurrent and parallel

य

- passages in, see—Recurrent & Parallel Passages in Principal उपनिषदाः & भगवद्गीता  
 2761 PROVINCIAL CABINET OF COINS in Eastern Bengal and Assam, a Catalogue of, see—A Catalogue of Provincial Cabinet of Coins in Eastern Bengal and Assam,  
 2762 PROVINCIAL CABINET OF COINS, —Assam, a Catalogue of, see—A Catalogue of Provincial Cabinet of Coins Assam.  
 2763 PROVINCIAL MUSEUM, LUCKNOW, A CATALOGUE OF, see—A catalogue of Provincial Museum, Lucknow  
 2764 गृह्य, An introduction to see—An introduction to गृह्य  
 2765 गृह्य, LANGUAGES, the GRAMMAR of—see—The Grammar of गृह्य Languages  
 2766 गणिनीय सूत्रा-संग्रहात्, an index to, see—An index to गणिनीय सूत्रा-संग्रहात्  
 2767 गणिनीय by GOLDSTUCKER, see—Goldstucker on गणिनीय.  
 2768 गणितशतिका. A STANZA FROM, see—A stanza from गणितशतिका.  
 2769 गणनशास्त्र, the STUDY OF, see—The Study of गणनशास्त्र  
 2770 गणनशास्त्र, the योग Aphorisms or, see—The योग Aphorisms of गणनशास्त्र.  
 2771 गणनीय LANGUAGE, the PRACTICAL GRAMMAR OF, see—The





फ

- 2797 — of सकाचार्य by M A Buch publ by A G Widgery 1921 cr pp 276 Bd 3-
- 2798 — of वेष्म RELIGION (With special reference to the Krishnite and Gaurangite Cult) by Prof गिरिन्द्र नारायण मलीक 8-
- 2799 — of the ब्रह्मन्त in its relations to the occidental Metaphysics by Dr Paul Deussen Ad -2-
- 2800 — of उपनिषद् by Deussen Paul, transl into Engl by Clark Mt 14-
- 2801 — of the उपनिषद् with foreword by श्रीमन्नाथ दागोर and introd by Edmond Holmes, ed. by राधाकृष्ण 1924 5-
- 2802 — AND HISTORY, by G H Langley 1926. Roy. pp 21
- 2803 PHILOSOPHICAL TEACHINGS IN THE उपनिषद् Po 3-
- 2803a विनीतियम् (Essay), in French on the History, Antiquity of the Mediterranean. 5-
- 2804 FOOD & DRINK IN RAMAYANIC AGE by M N Roy Sb 1
- 2805 THE PSYCHOLOGY AND ETHICS OF BUDDHISM by Bohn W Gr 9-
- 2806 PHENICIANS (French) by Autran C 6-
- 2807 FOLK TALES OF HINDUSTAN Wt 4-8-
- 2808 FOLK UNPUBLISHED UPANISHADIC TEXTS (संस्कृत, उपास्य और

फ

- द्वैतोनक) tentatively ed. & transl for the first time पर्यंकविद्या (केदारपुरनिषद् chap, Text & Transl 1925. Roy pp 34. Md 1-
- 2809 PHOTOGRAPHIC NEGATIVES OF INDIAN ANTIQUITIES at Simla. 4-
- 2809a ————— 9-
- 2810 पतेपुरावर्षी, Mogul Architecture of see—Mogul Architecture of कतेपुरावर्षी
- 2811 PHILOSOPHY of वेदान्त, see—The वेदान्त Philosophy
- 2812 PHILOSOPHY, AN OUTLINE of THE वेदान्त SYSTEM of, see—An outline of the वेदान्त System of philosophy
- 2813 PHILOSOPHY (Contemporary) The reign of religion in, see—The reign of religion in the contemporary philosophy
- 2813a PHILOSOPHY of RELIGION an essay in, see—An essay in the philosophy of religion
- 2814 PHILOSOPHY, INDIAN, an outline of, see—An outline of the Indian Philosophy
- 2815 PHILOSOPHY of वेद upto Upanishadic period A general Introduction to, see—A general introduction to the Philosophy of वेद upto Upanishadic period
- 2816 PHONOTICS, a Primer of, see—The Primer of Phonotics
- 2817 FIRST ORIENTAL CONFERENCE The proceedings of, see—The

प  
proceedings of the first oriental  
conference

2818 *FOURTH ORIENTAL CON-  
FERENCE* the Proceedings of, see—  
The Proceedings of the fourth  
Oriental Conference

2819 बर्निनारयणमहोदय सूत्र Vy -8-

2821 THE BIRTH PLACE OF बालिष्ठस  
with notes, references and  
appendices, by Pt मन्मथार  
काशिक शम्भू 1926 Roy 8vo pp  
III, 165 Du 1-8-

2822 Birth of the War-God (कुमार  
सम्ब) A Poem by कालिदास, transl  
from the संस्कृत into English ver-  
se by T H Griffith 1879 Roy  
pp V, 80 Ai 2-

2823 बालभट्टाचार्य शक्तिवद- ( जल ) of  
कुम्भकर्षणगा 2nd edn Jb -10-

2824 बालभट्टाचार्य by आनन्दमह ed by  
हरप्रसादशास्त्री (1904) Bi -10-

2825 बाण AND HIS MUSE by अर्जुननाथ  
पणित 1917 Roy pp 20 La 1-8-

2826 बाणभट्ट An essay in मराठी by  
P. G. पारसनामा 1905 2nd edn  
8vo pp 11 4 180 2 1-

2827 बाणभट्टाचार्य ( न्याय ) Su -15-

2828 BOMBAY IN THE ELEVENTH  
CENTURY by H शास्त्री 8vo pp  
249-254

2829 बाणभट्टाचार्य of माह transl into  
German by Weller H 4-

2830 बाणभट्टाचार्य स्याक VI -6

2831 बालभट्टाचार्य A comment on the  
मिताक्षरा (= treatise on हिन्दु Law)

ब  
by बालभट्टाचार्य. Corrected and ed by  
भाविदत्त (1904-1907)

2832 बालभट्टाचार्य (काव्य) भामहभट्टाचार्य  
विरचित Bi 2-4-  
N 3-4-

2833 बालभट्टाचार्य AND प्रबोधपाण्डुर (नाटक)  
N 1-

2834 बालभट्टाचार्य (नाटक) कविचन्द्रसहस्रराज  
राजवरप्रभातम् । अथ कवेरिदाजी कर्तु-  
मन्वर्थ, बालभट्टाचार्य, विद्वत्सामञ्जिकेति  
ग्रन्थमयुक्तमस्ति । एतन्नाम कवे प्राचीनत  
रुद्रमन्व । श्रीरामचन्द्रस्य बाल्यवृत्तान्तस्य  
समग्रचरित विवृणुतदुशाह्वयितमपूर्व  
बालभट्टाचार्य नाटकमकरोत् । एतन्नाटकमपि  
श्रीरामचन्द्रस्य । स्वभावशये भृगुचरितद्वयस-  
म्बन्धितं चास्ति । cr pp 328 L- 2-

2835 बालभट्टाचार्यभट्टाचार्यजीवनवृत्तान्त cr.  
8vo pp 328, 40 L- 3-

2836 बालभट्टाचार्यप्रभातम् [भाषाण]  
Vy -10-

2837 बालभट्टाचार्यप्रभातम् OR THE SCIENCE  
OF POLITICS ACCORDING TO  
THE SCHOOL OF बालभट्टाचार्य Original  
text in संस्कृत ed with an  
introd notes and Engl transl by  
Dr F W Thomas together  
with an historical introductory  
remarks and indexes by Pt  
मन्मथदत्त Po 2-8-

2838 BOWER MANUSCRIPTS by A.  
Hoernle Gt 32-8-

2839 Bibliotheca Buddhica—  
—Complete set available Nos I  
to xxv each fasc for Rs 11  
only of these some Books  
are in Devanagari characters

- only, others in Russian. Tibetan and Turkish.
- 2840 BIBLIOGRAPHY OF संस्कृत DRAMA, with an introductory sketch by M. Schuyler 1906 pp. xii+106. *Kol* 9-8-
- 2840a BRIEF SUMMARY OF THE दृष्ट of the glorious age exhibited by Sir Charles Elliott. 1895 8vo pp 25, xvii *Br* 1-8
- 2840b BRIEF SKETCH of धर्मशास्त्र system by P. V. काग 1924. Roy. pp 39 1-
- 2841 विज्ञानस्य निष्कर्षनिरूपित *Kmis* 1-
- 2842 BEGINNINGS OF INDIAN PANTHEISM by Lauman. 1-8-
- 2843 THE BEGINNING OF INDIAN DRAMA by Hillebrandt 1-
- 2844 श्रेयसिधित्तमयत्तमयत्त वा—(Elements of Algebra) of भास्कराचार्य with expository notes and illustrative Examples by Pt सुवर्ण-दिनेश, ed with further Notes by P. सुवर्णमहापात्र. *Bn* 2-
- 2845 श्रेयसिधित्तमयत्तमयत्त वा—Part I & II *Ch. arch.* 2-
- 2846 — — ed by रामचन्द्र-चरणचन्द्र *Sit* 2-
- 2847 BOOK OF THE BALANCE OF WISDOM, an Arabic work on the water-balance, written by Al Khazini in the 12th century & ed by Khankhoff C. 1-57. 5-
- 2848 THE BOOK OF THE CAVE—गौरीसङ्गृह्य by आनन्दचर्य Cr. 8vo. *Kp* 4-
- 2849 THE BOOK OF THE KINDRED SAYINGS (Sanyutta-Nikaya) or GROUPED SUTTA Pt I Kindred Sayings with Verses (Sagatha-Vagga) transl. by Mrs. Rhys Davids. 1917. pp xii+322 *Of* 7-8-
- 2850 — of the Kindred Sayings (Sanyutta Nikaya) or Grouped Suttas Part II Nidana Book (Nidana Vagga) transl. by Mrs Rhys Davids assisted by F H. Woodward 1922 Pp xvi+206 *Of* 7-8-
- 2851 — of the Kindred Saying (Sanyutta-Nikaya) or GROUPED SUTTAS. Pt III transl. by Woodward ed. by Mrs Rhys Davids 1925. pp. xii 222. *Of* 7-8-
- 2852 THE 19 BOOKS OF महाभाष्य by Holtzmann 10-
- 2853 सुवर्णचन्द्र of king रघु with Introd. Notes etc by Prof. H D वैद्यनाथ. The work is ascribed to Ling स्वामी, son of the Great सिद्धार्थ pp 106 1-8-
- 2854 वृत्त हिम, हिम TEACHING His Order together with the History of the Buddhism by M. N हय 1971. Cr. pp. ii 11. *Lvm* 279. *C* 10-

ब

- 2855 बुद्ध by Oldenburg Gr 10-  
 2856 बुद्धचरित of अश्वमेध with a comm.  
 by दत्तात्रयशास्त्री निगुडकर. Edited  
 with an introd. dealing with  
 all important points full Notes  
 and literal Engl. transl. by K.  
 M जोगेकर Contos. I to V. Sr 2-  
 2857 — Ed. with comm Engl.  
 transl. and notes by N S. लोहर  
 1911 Pt 1 to 8vo, pp 38, 95.  
 Bg 2-4-  
 2858 — Ed with introd.  
 comm. Engl transl. notes and  
 appendices by नरहरि. 1919  
 Pt 1 to 5 8vo pp. 10, 144, 97,  
 152-XII. 2-  
 2859 ———— Slr 1-  
 2860 — A short catechism  
 of the annotations on it Cantos  
 I-V by N V. उपाधे 1912 cr,  
 pp. II, IV, 60 Bo -4-  
 2861 बुद्ध His LIFE, His DOO-  
 TRINES AND HIS ORDER by Dr.  
 H OLDENBURG transl. from the  
 German by W Hocy 1927.  
 8vo pp. iv 154 Cc 17-8-  
 2862 बुद्ध स्तोत्रसंग्रह A collection of  
 Buddhist Hymns—by गिद्युसर्वाङ्ग-  
 मित्र of काश्मीर. with the संस्कृत  
 comm. of जिनरहित of विक्रमसील to-  
 gether with two Tibetan versions. Edited by M M सतीशचन्द्र  
 विद्यासागर 1918 Bt 3-  
 2863 बुद्धजीवनचरितसंग्रह गुजरती transl  
 by धर्मानन्द कोसला. cr. pp 23, 395  
 Gpt n 2-8-

ब

- 2864 बुद्ध and his religion by Saint  
 Hilaire cr 8vo 5-  
 2865 THE BUDDHA & HIS RELI-  
 GION by Saint Hilaire J. B cr.  
 8vo, 3-8-  
 2866 THE BUDDHA'S "WAY OF  
 VIRTUE" A Transl of the  
 Dhammapada, by W O D,  
 Wagniswara and K. J. Saunders.  
 2nd Impr. Wu 2-12-  
 2867 BUDDHA'S PATH OF VIRTUE,  
 by F L Woodward. Ad 1-8-  
 2868 BUDDHISTIC ANTHOLOGY  
 extracts from Pali scriptures  
 ed with transl by Neumann  
 E 1892 8vo Br 5-4-  
 2869 BUDDHIST Birth—Stories  
 (Jataka Tales,) with the com-  
 mentary, introd. entitled Nida-  
 na Katha or the Story of the  
 Lineage. transl. from Prof.  
 Fausboll's Pali text New and  
 revised edn by Mrs Rhys  
 Davids. cr. 8vo Kp 6-  
 2870 BUDDHIST CONCEPTION OF  
 SPIRITS by Dr. विमलचरणलाल with  
 a Foreward by Dr. हज्जलसामी  
 अवगार Ch 4-  
 2871 BUDDHIST ILLUSTRATED  
 MANUSCRIPTS IN BURMESE by  
 H Baynes 1895 Roy pp 129-  
 139 1-  
 2872 BUDDHIST LEGENDS transl  
 from the orig Pali text of the  
 Dhammapada Comm. by W.  
 Burlingame, fellow of the Am-

व

- erican Academy of Arts and Sciences and Lecturer on Pali in Yale University 1921 Roy 8vo pp 366+370+378-1114 Not sold separately Ho 70-
- 2873 **BUDDHIST MAHAYANA TEXTS**  
The उद्भवति of अश्वमेध transl from गृह्य by C B Cowell 1894 Vol XIX. Pt 1, 8vo pp xiii, 208, 8 Of 20-
- 2873<sub>2</sub> **BUDDHIST NYAYA** tracts (six) Bt 1-8-
- 2874 — **PSYCHOLOGY** by Mrs Rhys Davids 1914 3-
- 2875 **BUDDHIST RECORDS** of the Western World by Si-yu-ku transl from the Chinese of Hsien Tsiang by Beals 8vo New edn Kp 8-
- 2876 **BUDDHIST RECORDS** for the Western World 9-4-
- 2877 **BUDDHIST RELIGION** by I-Tsing as practised in India and the Malay Archipelago ( 617-695 A.D ), translated by J Takahashi 1896 with a map Crown 4 to (9+8.), pp lxi+210, Of 10-8-
- 2878 — **SCRIPTURES** a selection transl from the Pali with Introd by F I Thomas Wn 2-10
- 2879 — **STORIES** transl from the Pali by F L Woodward Cloth Al 1-8-

व

- This modest but attractive little volume contains a store of most interesting Buddhist Parables. He (the author) has wisely chosen to preserve the simplicity of language of the orig and has thus preserved ungarnished the teaching of Buddhist ethics which the stories contain
- 2880 — **AS A RELIGION**, its historical development and its present conditions from the German, revised and enlarged by Hackmann H 1910 Gr 7-8-
- 2881 — **IN TRANSLATIONS** — Passages selected from the Buddhist sacred books and transl from the orig Pali into Engl by Henry Clarke Warren 1896 Sixth issue 1915 Roy 8vo pp 540 Ho 15-
- 2882 — **its history & Literature** by Rhys Davids Put 7-8-
- 2883 — **AND ITS PLACE IN THE MENTAL LIFE OF MAN** KIND by Paul Dahlke 8vo Mm 8-
- 2884 — **AND BUDDHISM IN SOUTHERN ASIA** by Prof K J Saunders cr 8vo Mm 3-8-
- 2885 — **BUDDHISM IN CHINA** by L Hodous D D Cr 8vo Mm 4-4-
- 2886 — **AND SCIENCE** by Paul Dahlke, transl by सुप्रसन्न 8vo. Mm 7-8-

व

- 2887 THE BEGINNINGS OF BUDDHIST ART and other Essays in Indian and Central Asian Archaeology. by Foucher. Revised by the Author and translated by L. A. and F. W. Thomas 1917 Roy. 8vo (10 + 7½) pp xiv+316. with 30, collotype plates Paper Cover. Of 27-
- 2888 Beitrage Zur Lite (German) or commemoration volume for the anniversary of 75th birthday of Hermann Jacobi. publ with Indices by Kerfel W. 20-
- 2889 बोधचरितम् of अभिनवगुप्त. Km
- 2890 बौद्धमतः (A treatise on Buddhism) by नरहरी, with a comm by the author's pupil Pt दिगकर. ed by राममिहयानन्द Bn 15-
- 2891 बोधिचरितम्नारपञ्चिका, महाकारमती's comm to the Bodhicaryavatara of शान्तिदेव. A Buddhist religious treatise, ed with indices by Louis De La Vallee Poussin (1901-1914) Bt 5-4-
- 2892 बौद्धचरितम् (संस्कृत) with मराठी transl. by बालगंगाधर Al -6-
- 2893 BAUDHAYANA RITUAL SUTRA by DR CALAND. Mf 2-
- 2894 बोधायनब्रह्मसूत्र संपादितम् ed by R राममहोपाध्याय 1920. 8vo pp xviii, 503. Bt 2-8-
- 2895 बोधायनब्रह्मसूत्र भाष्यम् of सायणम् 8vo. pp xi 392, 107 5-

व

- 2896 बोधायनब्रह्मसूत्र with Dutch transl. by Raabe C 4-
- 2897 बोधायनब्रह्मसूत्रम् (संस्कृत Text and Dutch Translation by Raaderch. 4-
- 2897a बेजामिन ब्रह्मसूत्रम् (संस्कृत Text and Dutch Translation by V B मोह, publ by V G विद्यासागर. 8vo pp. 36. 2-
- 2898 BENGALI RAMAYANA by रा ब विद्यासागर. 8vo pp. 335. Cu 7-8-
- In this book the author advances certain theories regarding the basic materials upon which the Epic of Valmiki was built and the ideals presented therein as also the sources of the Bengali Ramayanas and the principles contained in them.
- 2899 — RELIGIOUS LYRICS, SHAKTA Selected and Transl by Edward Thompson, and A M. Spencer Cr 8vo Paper, Cloth, A 1-8-
- A selection of over a hundred lyrics from the Shakta literature of Bengal, translated into English prose, with explanatory notes. An introduction traces the development of Shaktism, the worship of the female energy in nature, as personified in Durga and Kali, and suggests reasons for the prevalence of this worship in Bengal and for the popularity of the literature which it has produced. An interesting and sympathetic study is given of the work of Ramprasad. See below poems in this selection out number those of all other writers these

य

poems, ' says the translator, ' have gone to the heart of a people as few poets' work have done. Such songs as the exquisite ' This day will surely pass, Mother, this day will pass ' I have heard from coolies on the road or workers in the paddy fields I have heard it by broad rivers at sunset, when the parrots were flying to roost and the village folk thronging from marketing to the ferry. ' At the end of the selections are fifteen Agamas and Vijaya songs taken from different writers and arranged to form a drama of welcome and farewell

- 2900 बौधयनसंस्कृतम् Belonging to the तैत्तिरीयसंहिता. A treatise on the Ved's ed. by Dr W Caland. (1904-1919) Bu 11-12-  
 2900a — भैतयन belonging to the तैत्तिरीयसंहिता ed. by Dr Caland vol I-III Bt 16-8-  
 2901 बृहदारण्यकोपनिषद् with शास्त्रभाष्य and आनन्दगिरिटीका Aa 8-  
 2902 — रघुसमाप्तमरिचिचतकाशिकीर्तिता । Ia 3-4-  
 2903 — श्रीमिरयामन्दमुनिविरचिततामितासप्तटीका । Aa 2-12-  
 2904 — भाष्य of श्रीहस्ताचार्य, faithfully transl into Engl by M हरिभंगा. Part I cr pp xx, 123 Bt 1-4-  
 2905 — with the भाष्य of श्रीमध्याचार्य and the gloss भाष्य of श्रीपुतमहर्षी. Ma 7-  
 2906 — with the comm of श्रीहस्ताचार्य, transl into Engl from the original महर्ष्य by

व

- Dr E Roer 1905 cr 8vo. pp 595. Cc 4-  
 2907 — with मध्याचार्य's comm. translated into Engl by S. C. तय्य. Po 15-  
 2908 — Text and transl. with Madhya's comm by श्रीशङ्करिष्याल Ad 15-  
 2909 — मराठी transl by K B. मराठे Roy. pp 8 -8-  
 2910 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य orig संस्कृत text with मराठी transl by V. V. बापटसाक्षी 1917. At 3-  
 2911 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य. तिसरं । with शास्त्रभाष्य and आनन्दगिरिटीका दोरा Vol 1-3. At 22-8-  
 2912 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य (विशाल) by श्रीमिरयामन्दमुनि with a comm called लघुसह by मधेश्वरीय and ब्रह्मसूत्र-लघुसह by श्रीरामशोक बति, a pupil of श्रीगुणानन्दमुनि Ch 15-  
 2913 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य (संस्कृत) श्रीमिरयामन्दमुनिविरचित N 3-12-  
 2914 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य, संस्कृत text by Lacote P 3 vols each 10-  
 2915 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य (ज्योतिष) महात्माचार्य-सहजगीतसहित उपनिषद्भाष्यसंग्रहस्य सत्यसिद्धसंस्कृतभाष्यभाष्यकारादितर्फी मतसामस्यसंस्कृतभाष्यभाष्यकारादितर्फी विषयस्य भाष्यसंस्कृतम् । Gd 3-  
 2916 — श्रीरामशोकविरचितम् । श्रीमहोपाध्यायसंस्कृतम् । श्रीमिरयामन्दमुनिविरचितम् । Ch 2-  
 2917 — Translated by N. विष्णुभाष्य Ad 4-8-



य

This very popular astrological treatise which has been out of print for some time has now been reprinted

- 2918 — दशाध्यायी सटाक Vy 2-3-  
2919 — दशाध्यायीविक्रममेतम्।

Li 4-

- 2920 — टीकोपेतम्। ed by प  
हनुमानगर्मा 1912 Roy pp 4, 172,  
5 Vy 2-8-

- 2921 बुधदेवता (attributed to शौनिक) A  
summary of the deities and my-  
ths of the ऋग्वेद, critically ed in  
the orig Sanskrit [ Nagari ]  
letters with an introd and  
seven appendices and trans into  
Engl with critical and illustra-  
tive notes vol 6 by Prof A A  
Macdonell 1904 Roy 8vo  
pp 234+350 = 584 Not sold  
separately Ho 21-

The Great Dasy (book) hardly la-  
ter than 400 B C. is one of the  
oldest books ancillary to the Rig  
Veda. It includes very ancient epic  
material so the story of Urvashi, the  
nymph that loved a mortal (whence  
Kalidasa's great drama Urvashi).  
Text is ed ted in a way that meets  
the most rigorous demands of exact  
philological criticism. The typo-  
graphic presentation of text version  
and notes (critical and expository)  
is a model of convenience.

- 2922 — Text, an index to the  
Gods of the ऋग्वेद by गीतिकाचार्य, ed-  
ited by राजेन्द्रनाथ (1899 1923)  
Bt 3-

- 2923 बुधमण्डल A collection of  
Hindu mythology and traditions.

य

edited by M M हरमसाद्वामी  
(1888-1897) Bt 4-8-

- 2924 बृहद्वातुरपास्य by T R कृष्णमा-  
चार्य ed by Pt सुमन्तपण्डिता  
1924 8vo pp xxii, 618

Mad 4-8-

- 2925 — (Calico Bound) Vd-4-8-

- 2926 बृहच्छतकृत्यायि Compiled by प  
T. R कृष्णाचार्य 1922 cr pp 21,  
96 67 Ut -8-

- 2927 बृहत्सिद्धन्तत्त्व Pt 1 to 8  
Vy 40-

- 2928 बृहत्सारासंस्कृतम्—( म )  
Vy 1-8-

- 2929 बृहत्संहिता ( म ) Pt I & II,  
V, -12-

- 2930 बृहत्संहिता by बराहमिहिरा with  
comm of बृहत्संहिता ed by M M  
मुषाकरद्विषेदि 1890 part 1 sup  
Roy pp 27, 661 V, 5-

- 2930a — Ed by मुषाकरद्विषेदि  
1897 Vol I pt. II sup Roy.  
pp VII 26, 643-1263 V, 5-

- 2930b बृहद्वातुरपास्य ( वेदांत ) नारदपञ्च  
रात्रान्तर्गत। Ad 1-12-

- 2931 बृहद्वातुरपास्य ( व्याख्यान )  
Vc 1-8-

- 2932 बृहद्वातुरपास्य ( व्याख्यान ) विम-  
लमन्त्रिचिता। Vols I & II,  
Ad 10-12-

- 2933 बृहद्वातुरपास्य—( व्याख्यान ) A  
treatise on संस्कृत grammar by प  
कादम्बर, ed by म मन्मथरासा  
alias नारदाचार्य पण्डित Bt 6-

व

- 2934 बृहद्वाङ्मयपरिचयः (काय) भीमन्मा  
यकविनिर्मितम्, । श्रीरत्नभवेवद्वतवासन्वेह  
विशेषविध्याख्यया, । भीमन्मायकविनिर्मितम्  
सर्वद्वयाभ्याससमस्तम् । *Ch* 3-8-
- 2935 बृहद्वाङ्मयपरिचयः Containing the  
traditions of the स्वयम्भुव in  
नेपाळ, ed by M. M हरप्रसादशास्त्री  
(1891-1900) *Bi* 4-8-
- 2936 बृहद्वाङ्मयपरिचयः orig संस्कृत with  
हिंदी transl ed by हरिप्रसाद. 1913  
Roy. pp 2,3,71 1-8-
- 2937 बृहद्वाङ्मयपरिचयः illustrated,  
part I containing 256 and part  
II 257-416 respectively.  
1927. 2nd edn cr pp 16, 471  
15 46b *Gu* each 1-
- 2938 बृहद्वाङ्मयपरिचयः (स्तावः 182)  
paper cover *N* -14-
- 2939 — सचि (स्तावः 182)  
cloth cover *N* 1-
- 2940 — सचि (स्तावः 182)  
silk cover. *N* 1-4-
- 2941 — स्तावः 144 *Vy* 1-8-
- 2941a — स्तोत्राः 151, cloth  
cover *Vy* 1-
- 2942 बृहद्वाङ्मयपरिचयः ( स वा ) Pt I  
to 3 *Vy* 4-8-
- 2943 BRAHMA (German) New LIFE  
—राजयोग the secret study of  
India for acquiring a better life  
by Mahatma Akaja 1-
- 2944, बृहद्वाङ्मयपरिचयः—परिचयः—(विषय  
३८८). *N* 2-12-
- 2945 — दिरण्यवेणी—(विषय ३८८)  
रणीतमहलासहित *N* 3-8-
- 2946 — यजुर्वेदी—यजुर्वेदसंहिता  
कर्मकाण्डप्रदीप *N* 5-

व

- 2947 ब्रह्मचर्य First step to world-  
Salvation, the true builder  
of man by रमेशचन्द्र चक्रवर्ति.  
*Ad* -4-
- 2948 ब्रह्मचर्यसंग्रह in हिंदी cr pp  
51 *Kg* -3-
- 2949 ब्रह्मचर्यसंग्रह or An inquiry  
into the philosophical basis of  
theism, transl into Engl from  
the orig Bengali by सितानाथ तत्त्व-  
भूषण cr pp iv, ii, 255 *Ce* 1-8-
- 2950 ब्रह्मचर्यसंग्रह—(वेदान्त) by  
सदाशिवगुरुस्वामि *Tr* 2-4-
- 2951 ब्रह्मचर्यसंग्रह and पञ्चतन्त्रसंग्रह of  
अणयचक्रवर्ति. with his own comm  
and an Engl introd by R कृष्ण-  
स्वामिशास्त्री *Vt* 1-
- 2952 ब्रह्मचर्य or INTUITION OF THE  
ABSOLUTE An introd to the  
Study of Hindu Philosophy by  
आभासचक्रवर्ति with portrait cr  
8vo *Min* 3-8-
- 2953 ब्रह्मचर्यसंग्रह—( वेदान्त ) शान्ताकुश  
अथवा रामचन्द्र रामायण *Vy*
- 2954 ब्रह्मचर्यसंग्रह Engl. transl by  
R N सेन. all parts 17-  
1 Part प्रकृति & गणराज्य 6-  
2 Part II fasc I pp 1-176 3-  
3 Part II „ II pp 177-282  
1-8-
- 4 part II „ III completing  
the work 7-
- 2955 ब्रह्मचर्यसंग्रह—( वेदान्त ) A  
comm on ब्रह्मसूत्राः called वेदान्त-  
परिभाषासंग्रह by श्रीनिवासाचार्य, ed  
by प्रो विन्सेन्टीप्रसादद्विवेदी  
*Ch* 1-8-

- २  
-2957 मद्रास श्रीहरिरावजीकृतसटीक  
VI -3-  
-2958 मद्रास by Annie Besant  
1922 Ad 1-8  
The six inaugural lectures of the  
Brahmavidyashram with a Preface  
by S. Subramanya Iyer A survey  
of the field of synthetical study as  
differential manifestations of the  
Cosmic Life Chapter I Mysticism  
God Manifesting as will Chapter  
II Religion God Manifesting as  
Love Chapter III Philosophy  
God Manifesting as Understanding  
Chapter IV Literature and Art  
God Manifesting as Beauty Chapter  
V Science God Manifesting  
as Knowledge Chapter VI Social  
Organisation God Manifesting as  
Society  
-2958a मद्रासमरणम् (वेदान्त) A comm.  
by श्रीदानन्द on सप्तमाध्याय of भागवत  
ed by हरिहरशास्त्री. अप्याय 1-4-  
Roy pp.2, 17, 819 Am: 10-  
-2959 मद्रासपत्र or Endeavours after  
the life divine by सीतलानाथ तत्त्व-  
दर्शन cr. pp 172, XX Cc 1-8-  
-2960 मद्रासपत्रम् (वेदान्त) मूल VI -4-  
-2961 — श्रीमदानन्दतीर्थविरचित  
माध्वभाष्य, ज्योतीर्यमुनि विरचिततत्त्वप्रका-  
शिकाटीकासहित V<sub>h</sub> 5-  
-2962 — शास्त्रभाष्य without टीका  
(अहर्कर's edn) Ad 3-  
-2963 — Text with notes only  
Ad 2-4-  
-2964 — With the comm of  
शंकराचार्य transl into Engl by  
K M शानजी. 1870 1 Fac-B: 1-

- २  
-2965 — With a comm by  
मत्स्यराचार्य ed by १ विवेकशमप्रसाद  
दिवेदी Bn 4-8-  
-2966 — With a comm called  
सिद्धान्तजोद्धरी—( तरङ्गा 1-2 ) by  
शंकेराचार्य and a sub-commentary  
called द्वैताद्वैतसिद्धान्तसेतुका (तरङ्ग १)  
by सुन्दरभट्ट, ed by राजगोपाळभट्ट  
and दशरथजी by निम्बार्काचार्य with  
a comm called लघुमञ्जुषा by  
गिरिवर प्रसाद Ch 4-8-  
-2967 — of श्रीकृष्णद्वैपायन original  
संस्कृत transl. into मराठी with the  
comments of शंकर, रामानुज, मध्व,  
and वल्लभ by G G मानु. 1912  
8vo pp 2, 16, 840 D: 6-  
-2968 — in Bengali ch with  
the Bhagavatabhāṣya and its  
Bengali translation by Pt.  
Haridas Vidyavagusa Bhagavat  
cārya. 8vo pp 277 Co 2-8-  
For the first time it has been  
shown that the *Brahmaṣāstras* have  
their parallels in the *Śrīmadbhāṣya*  
and that the latter is a commentary  
on the former  
-2969 — श्रीमद्द्वैपायनवर्णितान्वयानन्द-  
गिरिकृतटीकासहितशास्त्राचार्यभाष्यस-  
मतानि। vol I & II Ad 12-  
-2970 मद्रासप्रभाष्यम् श्रीकण्ठाचार्यवर्णित। श्री  
मद्रासप्रभाष्यविरचितगिरिवरभट्टविर-  
चितभाष्यभाष्यसहित। १२२० अदिप, ७मि  
द्वयनागरिदिभिर्मुद्रित। देशदेतद्वय प्रची-  
नमिदमाध्वमतीवसरस्य च। Sm 18-  
-2972 — (वेदान्त) with a comm  
विज्ञानमित्र, by विज्ञानमित्र ed by ६  
सुन्दरजी Ch 9-

- 2973 — of श्रीहराचार्य, with भावतो of वाचस्पतिमिश्र, कल्पतरु of जमजानन्द and परिमल of जयवन्तसिंह, published in pts, each part containing Roy 8vo pp 80 each part V. 1-0
- 2974 — by मध्वाचार्य, with तत्त्वप्रकाशिका by जयसिंहराय and मन्वद्वन्द्व by श्रीतपेन्द्रराय This is a commentary on मध्वाचार्य's मन्वद्वन्द्व At 13-
- 2975 — with दृष्टान्त in the beginning, by श्रीमन्वाचार्य pocket edn At 1-6-
- 2977 — with तात्पर्यवार्त्तिक (वाचस्पतीय) vol 1 to 4. Bs 13-8-
- 2979 ब्रह्मसूत्रव्याख्यानम् Text with notes and English translation by Dr वेदवत्सल 1923 8vo pp 226. MIXT On 6-
- 2980 — बहुत सुश्रीर्यन्त, पूर्णान्वय-व्याख्यासहित, रत्नप्रकाशसहितम्। Ch
- 2981 — शाकरभाष्यसहित, गार्ग्यश्रौतसूत्र-रत्नप्रकाशसहितम् वाचस्पतिमिश्र, कृत भावतो, आनन्दविरचितकृत्यायविरचितम् Vg 12-
- 2982 — Orig with मराठी transl by काशीनाथभास्करले अष्टाव 2-4. 8vo pp 427, 549 20-
- 2983 — शाकरभाष्यानुसार (वैवाहिकन्यायमा-ल्लह) मन्वद्वन्द्व अधिकरणाने माग-सूत्रे-सूत्रार्थे विषय-मन्वद्वन्द्व परीक्षामणि, हिदास्त वैवा-हिकन्यायमाल्लह, अन्वयार्थ इत्यादिना, चरित्तर अनुसमिका ed. by वायट्कार्सी 1923 pp 530 Ak 3-
- 2984 — (सूत्र सूत्रार्थ, शाकरभाष्य, व्यवहार, स्पष्टीकरण तथा भावतादि टीका-करणा विस्तृत टीका) ed & transl. into मराठी by V V वायट्कार्सी 1924 अष्टाव I part I 8vo pp 17, 37, 824 At 5-
- 2985 ब्रह्मसूत्रव्याख्यानम्। सुप्रसिद्ध-विरचितम्। Aa 4-4-
- 2986 ब्रह्मसूत्रव्याख्यान (वेदान्त) of श्रीमुनिरा-गन्ध and तत्त्वानुसंधान (वेदान्त) by महादेवानन्द, edited by रामशास्त्री तन्त्र Bn 3-
- 2987 ब्रह्मसूत्रव्याख्यानम् (वेदान्त) of भैरवसर्मा टिळक, ed by Pt B K विपारी and काशीनाथभास्कर 1917 8vo pp 84. Lz 1-8-
- 2988 ब्रह्मसूत्रव्याख्यान (वेदान्त) with मन्वद्वन्द्व by a pupil of श्रीहराचार्य ed by गान्ध 1914 8vo pp 4, 143 Gs -12-
- 2989 — or महातत्त्वप्रकाशिका, by वसु-धिराजवन्तसिंह with a life sketch in Engl and half tone portrait of the author or 8vo pp 329 cloth V. 2-8-
- 2990 — भाष्यप्रकाशिका, श्रीकृष्णचरण-कृत (प्रथमाष्टाव) V. 1-
- 2991 — हरिदीक्षितविरचितम्। Aa 2-7-
- 2992 — भाष्यप्रकाशिका, प्रथमाष्टाव. Kg 1-8-
- 2993 ब्रह्मसूत्रव्याख्यान—(तन्त्र) शाकराचार्य-कृत N -8-
- 2994 मन्वद्वन्द्व, अष्टाव and वैवाहिकन्याय-Text and transl At -7-

- व
- 29947 BRAHMA AND THE BRAHMA  
NAS by Martin Hing. 1871  
pp 48 G1 3-
- 29950 ब्रह्मसूत्रम् of ब्रह्मसूत्रम् नमोऽस्तु ed  
by रामानुजा तन्म 1904 8vo pp  
74 Bn
- 2996 ब्रह्मसूत्रवर्णिका (वर्णिका) A comm  
on the ब्रह्मसूत्रम् by रामानुजा तन्म  
स्वामि, ed by प्र नानन्दस्वामि  
Ch 6-
- 2996a ब्रह्मसूत्रम् (essay)-Javanese  
by Dr Juyō Boll 8vo pp 271  
282 1-
- 2997 BRAHMA-KNOWLEDGE AN  
OUTLINE OF THE PHILOSOPHY  
OF THE VEDĀNTA, as set forth by  
the Upanishads and by Shankara  
ed by L D BARNETT 3rd edn  
Vn 2-12-
- 2998 BRAHMI LANGUAGE—introd  
and grammar Part I  
G1 2-8-
- 2999 ब्रह्मसूत्रम् (वार्ता) आनन्दविशिष्टा  
वार्ता हन Vn -8-
- 3000 ब्रह्मसूत्रम् (ग्रन्थ) मल Vy 1-
- 3001 ब्रह्मसूत्रम् मल Orig text  
transl into Engl with com  
mentary by V 1228 1916 Roy  
pp x 8vo F1 1-8-
- 3002 — English translation  
Vn 1-8-
- 3003 BRAHMANA QUOTATIONS IN  
निर्दिष्ट by Prof I D शुभ 8vo  
pp 43-53 -8-
- 3004 ब्रह्मसूत्रम्—(वार्ता) ब्रह्मसूत्र  
हान Ch 3-
- व
- 3005 BRITISH BEGINNINGS IN  
WESTERN INDIA 1579-1657  
An Account of the early days  
of the British Factory of Surat  
with ten full page illustrations  
and three maps by H G RAW-  
LINSON 1920 8vo (5+6) pp  
vi+158 Of 7-14-
- 3006 The Brain of India by  
अरविन्द चार 1927 cr pp 47  
Cn -8-
- 3007 Burma, ANCIENT MANU-  
MENTS in, see Ancient manuments  
in Burma
- 3008 Bible the philosophy of,  
see—the Philosophy of the  
Bible
- 3009 Brahman Text the world  
view of, see—The world view  
of ब्रह्मन् Text
- 3010 Brahmanism the women  
in, see—The women in Brah-  
manism
- 3011 Brahmanical सन्तानन्दन, the  
philosophy of see—The Philo-  
sophy of the Brahmanical  
सन्तानन्दन
- 3012 ब्रह्मन्, the daily prayers  
of, see—The daily prayers of  
the ब्रह्मन्
- 3013 ब्रह्मन्, the doctrine of sa-  
crifice in, see—The doctrine  
of sacrifice in the ब्रह्मन्
- 3014 Bombay University matric  
sanskrit papers of, see—संस्कृत  
Papers of the Bombay Uni-  
versity matric examination

व

3015 British Empire in India, the history of see—The History of the British Empire in India

3016 British India a history from the earliest English intercourse, see—A History of British India from the earliest English Intercourse

3017 ग् the sayings of, see—The sayings of बुद्ध

3018 बुद्ध, the life and early history of his order, see—The life of बुद्ध and early History of his order.

3019 बुद्धो, THE LIFE AND WORK OF, see—The life and work of बुद्ध

3020 BUDDHIST ART THE BEGINNINGS OF, see—The beginnings of Buddhist Art

3021 — DRAMA THE SELECTIONS FROM see—The selections from Buddhist drama

3022 — HISTORICAL RECORDS ancient-बुद्धचरित, see—Ancient Buddhist Historical records—बुद्धचरित

3023 — ICONOGRAPHY—INDIAN, see—Indian Buddhist Iconography

3024 — LITERATURE THE MANUSCRIPT REMAINS OF, see—Manuscript remains of Buddhist Literature

१

3025 — RUINS OF सतनाय, — a GUIDE TO, see—A guide to the Buddhist ruins of सतनाय

3026 BUDDHIST UNIVERSITIES—INDIAN TEACHERS OF see—The Indian teachers of the Buddhist Universities

3027 BUDDHISTIC PHILOSOPHY, A MANUAL OF see—A manual of Buddhist Philosophy

3028 — PHILOSOPHY, PROLEGOMENA TO A HISTORY OF see—Prolegomena to a History of Buddhist Philosophy

3029 — PHILOSOPHY the problem of—see—The problem of Buddhist Philosophy

3030 — THOUGHT THE SYSTEM OF see—The system of Buddhist thought

3031 BUDDHISM AND THE BUDDHIST school, the spread of the early history of see—The spread of the early history of the Buddhism and Buddhist school

3032 — THE CENTRAL CONCEPTION OF see—The Central conception of Buddhism

3033 — THE HEART OF, see—The Heart of Buddhism

3034 — INDIAN THE LEGENDS OF, see—The legends of Indian Buddhism

3035 — INDIAN, original AND DEVELOPED DOCTRINES OF, see—

- व  
original and developed doctrines of the Indian Buddhism
- 3036 — A MANUAL OF, see—A Manual of Indian Buddhism
- 3037 — THE MANUAL OF, see—The Manual of Buddhism
- 3038 — the message of, see—The Message of Buddhism
- 3039 — Modern-Southern, the dogma in, see—The dogma in the Southern Buddhism, Modern
- 3040 — Northern, the Gods of, see—The Gods of Northern Buddhism
- 3041 — The Psychology and ethics of, see—The psychology and ethics of Buddhism
- 3042 — the soul theory of see—The soul theory of Buddhism
- 3043 BUDDHISM the story of, see—the Story of Buddhism
- 3044 BENGALI Script the ORIGIN of, see—the origin of Bengali Script
- 3045 BENGALI LANGUAGE, the history of, see The History of the Bengali Language
- 3046 BODLEIAN LIBRARY MOHAMMADAN COINS IN, see the Mohammadan coins in the Bodleian Library
- 3047 भगवद्गीता ( जैन ) कथासुक्त of मानदुह्यरि, with the comm of युगकरड्वि *Jb* 3-
- भ  
3048 — गानतुहाचारनिराचन *Km* 1-
- 3049 भक्तिचन्द्रिका A comm on गण्डित्व's भक्तिसुत्र by नारायणताथ ed with introd &c by G N कविराज 1924 8vo pp 2 117 *Sh* -15-
- 3050 भास्करप्रकाश—अथगणननाद इशविश भक्तिर्णन सदावरण *V*, 1-4-
- 3051 भास्करप्रदीप ( स्तव ) by H H स्तति श्रीराममर्मा *Tr* 1-
- 3052 भास्करप्रदीप ( स्तव ) भास्करमी श्रीराम-अथजीमहाराजपरचित *VI* 2-8-
- 3053 — भास्करप्रदीप भास्करमहाराज निरचित प्रथमा भाग । *Gu* 1-4-
- 3053a — भास्करप्रदीप महाप्राज्ञत त स्तव-दीप भास्करमहाराजत *pt* I & II *Ch* 7-8-
- 3054 भास्करयोग by स्वामि विष्णुनाथ 1922 5th edn or 8vo pp IX, 140 *At* -12-
- 3055 भास्करप्रदीप of भास्करप्रदीप with चतुर्दशाविवृति ed and publ by M T ललितान्ध 1917 Roy pp 3, 100 *Bo* 2-
- 3056 भास्करप्रदीप, सकलभास्करप्रदीप-काशक श्रीनारायणप्रदीपनिरचित। भास्करप्रदीप स्वसंस्कृतपाठशास्त्राध्यापन पण्डित भास्कर. पण्डितानिशापरचित । pp. 282 *L* 2-
- 3057 भास्करप्रदीप Containing द्वादश of नारद and गण्डित्व and भक्ति-वर्णन of विष्णुपुराण transl into Engl by नन्दकाठ सिंह *1a* 7-
- 3058 भास्करप्रदीप ( वेदान्त ) or the works of भास्करप्रदीप निरचितनर नृसिंहभास्करप्रदीप the late जगन्महो

- म  
मुग्गेर with several half-tone ill-  
ustr. (edn. de Luxe) 10-  
Ordinary. *Pl* 2-8-
- 3059 भक्तिप्र or the Aphorisms of  
शाण्डिल्य, with the comm. of  
रघुनन्द on the Hindu Doctrine of  
Faith, transl by M. B. Cowell.  
1878 *B* 2-
- 3060 भक्तिहस—(टीकानुवापेत) *Pl* 14-
- 3061 भक्तिहेतुनिर्णय— *Pl* -10-
- 3062 भगवद्गीतासुक्तमणिषा— (वेदान्त)  
गीताशतमनप्रत्यक्षोकारममालिका.  
*N* 1-
- 3063 भगवद्गीता (वेदान्त) मूल, रुक्लासुर.  
(1000 sheets.) *N* -12-
- 3064 — (भाष्यविन्यासवाचकमण्डिता)  
3065 — शकटाभ्युदयिकासह सुक-  
सर्ज *N* 2-8-
- 3066 — श्रीधरीटीकासह सुकसर्ज ।  
*N* 1-
- 3067 — रूक्मासह (silk cover.)  
*N* 1-
- 3068 — शाङ्करभाष्योपेतम् । *An* 2-
- 3069 — आनन्दगिरिहठटीकासकलितशा-  
स्त्रभाष्यसमेता । *Aa* 6-4-
- 3070 — श्रीमद्भुक्तनगररत्नाविरचितया  
पञ्चार्थैरिषिकाख्यया व्याख्यया तथा भाष्य-  
स्वामिरचितयत्नोपिष्ठाख्यव्याख्यया  
समेता । *Aa* 1-8-
- 3071 — श्रीमद्भुक्तनगररत्नाविरचितया  
पञ्चार्थैरिषिकाख्यया व्याख्यया तथा भाष्य-  
स्वामिरचितयत्नोपिष्ठाख्यव्याख्यया  
समेता । *Aa* 6-4-
- 3072 — तात्पर्यचान्द्रिकाटीकासमेत ।  
रामानुजभाष्यसहिता । *Aa* 1-4-
- 3073 भगवद्गीतासुक्तटीकोपेत । प्रथमः गुच्छ. ।  
Roy. pp. 4, 6, 5, 820. *Gu* 12-
- य  
(२) श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितभाष्यम् (२)  
आनन्दगिरिहठ टीकाभाष्ययाख्यासह, (१)  
आनन्दगीर्णाय (भाष्य) भाष्यम् (४) जय-  
तीर्थविरचिता प्रमेयदीपिकादीनां (५)  
रामानुजभाष्यम्, (६) भक्तमार्गशास्त्राचारिणी  
सुलोत्तमजीकाशिता अष्टताराङ्गिणी, (७)  
नीलकण्ठविरचितो भारतभाष्यप्रदेशः—  
एते समवा शेकावर्णानुवचमणिकया शोकाग्न-  
विषयानुवचमणिकयाच सज्जिता, मञ्जुलेताय  
साक्षरमुद्रिता ।
- 3074 — अष्टटीकोपेत । द्वितीयो गुच्छ-  
(१) निम्बार्कमतानुयायिभाष्येशानकादमैरि-  
भट्टाचार्योपनिषिता—तत्त्वप्रकाशिका  
(२) श्रीमद्भुक्तनगररत्नाविरचिता—पञ्चार्थैरिषिका.  
(३) श्रीमद्भुक्तनन्दप्रणीता—तात्पर्यप्रदीपिका.  
(४) श्रीमत्स्वतन्त्रविरचिता—सुलोत्तमी (५) श्री  
सदानन्दविरचित—व्याख्यप्रकाश (६) भाष्य-  
पतिविरचित—भाष्यैरुपदेशिका (७)  
वेङ्कटपण्डितश्रीरुक्मिरचित—परमार्थप्रकाश (८)  
पूर्णपञ्चमतानुयायिभाष्यविरचित—परमार्थप्रकाशः  
इत्येतामिषांस्वामिः सहिता । अत्र श्रीका-  
रमुद्रितमार्गशेकासह रचनासरोमुद्रिता, पुद्गा  
मा वेशितपतेति । Ed by गोसले, पाके  
and जीवराजभाष्य. 1915. Roy, pp.  
1825. *Gu* 10-
- 3075 — with the comm. called  
'अष्टमन्वन्ति' of गुरुदेव in ex-  
cellent Advaitic comm. or. 8vo.  
pp 614 Cloth *V* 4-
- 3076 — With easy सहस्र  
annotations literal Engl transl.  
by सोतानाथ तत्त्वज्ञान & श्रीशङ्कर  
वेङ्कटपण्ण. 1929 8vo. pp 18,  
xxviii, 336 *Cc* 2-8-
- 3077 — मोक्षसिद्धिपानधना २०  
हस्तपत्रार्थ प्रणीतया मनप्रपभाष्यार्थ



भ

प्रकाशिकया भगवद्गीतास्यार्थव्याख्यानस्य  
व्याख्या सारिता। ed by T N रघु-  
सभाचार्य. 1926 अध्याय 1-6 Roy  
pp 561 Tan 5-

3077a — With easy संस्कृत anno-  
tations and literal Engl. transl.  
by सितानाथतत्वभूषण. and अश्विचन्द्र-  
बेदान्तभूषण. 1921 8vo. pp 18.  
LXXXIII, 336 Cr 2-8-

3077b भगवद्गीता मूल, सचित्र Mc 6-

3077c ————— मूलम्. Mp 4-

3078 — Text alone in bold  
Characters. Printed on fine  
white paper. Very useful for  
पारायण. Roy 3vo. pp 100. -8-

3078a — विशिष्टद्वितीयमतानुयायी with  
संक्षेपसुवर्णनाम संस्कृतटीका & Hindi  
translation Vy 4-

3078b — मधुसूदन सारस्वतीहृदय गूढार्थ  
दीपिका नामक संस्कृत टीकासहित  
Vy 2-8-

3078c — मदानन्द रसमिहृदय भावप्र  
काश नामक श्लोकचन्द्र संहृत टीकासहित  
Vy 4-

3079 — विष्णुसहस्रनामसहित  
(with cover) Vy 10-

3079a — — — — — Vy 1-

3079b भगवद्गीता and गीतार्थसंग्रह of महर्षि  
गोमिहृदय ed by Pt K T श्रीनिवास-  
चार्य with a preface and Engl  
foreward by Dr सुब्रह्मण्य अय्यर.  
1917 cr Md 1-

3079c — with the भाष्य of श्री  
शंकर भट्टनाथचार्य ed by A. महा-  
देवराय & K. रंगचारी 1835 Roy  
pp 24, 446, 2. Rs 2-12-

म

3080 भगवद्गीतास्यार्थव्याख्यान, in हिंदी by  
सत्येशचारी -2-

3080a भगवद्गीता with मराठी trans-  
lation & comm by B G टिळक.  
1915 8vo pp. 601, 854

3080b भगवद्गीताविष्णुचरित—गीता, विष्णु-  
सहस्रनाम, भाष्यस्वराराज, अनुसूति तथा  
गजानंदमोक्ष Vy 1-6-

3080c — (Pocket size.) Vy -10-

3081 — द्वादशस्कन्ध, contains,  
1 मधुसूदनचक्र, 2 अनुसूति, 3 अष्टाव-  
शोर्गीगीता 4 चतुर्श्लोकीगीता, 5 गजेन्द्र-  
मास, 6 गीता, 7 गीतामहात्म्य 8  
गीतार्थसंग्रह, 9 श्रीपद्मस्तोत्रराज 10 विष्णु-  
सहस्रनाम 11 शापमोचन, and 12 सप्त-  
गीता

3081a भगवद्गीता Text, one inch in  
length and breadth. Curiosity  
of the world. The smallest book  
of the world M 1-

3081b — देवनागरी Text. Engl.  
transl notes and annotations  
by the late तुकारामतात्या R 1-12-

3082 — Translated into Engl  
with the संस्कृतगीता and अनुगीता  
by K T तेलंग. Of 9-6-

3083 — A fresh study. Being  
a plea for the historical study  
and interpretation of the गीता  
by Prof. D D पादकर. O 1-

3084 — with the भाष्य of श्रीरामा-  
नुज and the तात्पर्यचन्द्रिका of श्री  
बेदान्तदशिक, ed. by रंगचारी M  
Parts 16. Cr 8vo pp. 40 8-

3085 — With an English trans-  
and explanatory notes from

म

all the three मायान by K S  
रामस्वामिशाम्भ Vol I Chapter  
I-II *Vv* 2-

3086 — ed with द्वावन्तरा Text Engl  
transl and comm of भागवतपुराण  
by Pt A महादेवशास्त्री 1918  
4th edn cr pp VII 592

*Md* 5-

3088 — Transl and comm in  
Engl according to श्रीमद्भागवत  
by S सुमन्त 1906 8vo pp  
Lxxviii, 317, VI *V* 3-8-

3089 — Engl transl with  
comm and references to the  
Bible etc by M V नरका 3-8-

3090 — Engl transl by स्वामि  
परमानन्द 1-12-

3091 — द्वावन्तरा text literal Engl  
transl comm and under by  
स्वामिपरमानन्द 1923 3rd edn cr  
pp xiii 418 *Av* 2 8-

3092 — भाजपरामर्शविचारविमर्श  
शास्त्राचार्यकामेश्वर स्वामि  
हरिदासहृदयकृतवैदिकविमर्शिता ।  
*Lc* 2-

3093 — श्रीमद्भगवद्गीतासहित  
ed by Pt नरका हरिवन्त शर्मा  
1916, Roy pp 41, 280  
*Vy* 2-8

3094 — The text of by A V  
पटवर्धन 1920 pp 72 Double  
Dcm 2-

3095 — अमृतसरणिस्तोत्र  
*Vi* 2-8-

म

3096 — गातार्थसंग्रहसहिता । *Sv* 2-

3097 — रत्नसुखिन्याय्यामहिता ।  
*Su* 2-4-

3098 भागवद्गीता श्रीबालकविष्णुस्य टाक्या  
समय 1893 8vo pp 6 347  
*Bo* 1-

3099 — Devanagari Text and  
Free English translation Lite-  
ral transl and introd on संस्कृत  
grammar by Mrs Besant  
and मंगलदास *Ad* 1-

3100 — Engl transl by Annie  
Besant *Ad* 4-8-

3101 — Devanagari Text and  
Engl transl by Ann Besant  
*Ad* 4-

3102 — English transl by  
Annie Besant *Ad* Paper 6-  
Cloth 1-

3103 — Engl transl by Annie  
Besant *Ad* Cloth 1-

3104 — (The Song Celestial)  
Pocho Engl transl by Sir  
Edwin Arnold Cloth 1-12-  
Leather *Ad* 3-8-

3105 — (The Lords Song) by  
L Barnett *De* 1 2-

3106 — Notes and index to  
the by K Browning 12-

3107 — Text and transl by  
by F T Brooks art wrap  
pers 1-4-

अ

- 3108 — Engl transl by F T Brooks -12-
- 3109 — Transl with criticism of age, original size etc by Garbe R (German) 6-
- 3110 — Engl transl by W. Q Judge (*New York*) 4-8-
- 3112 — Sansk text in Roman character and preface in French by Michalski W *Fr* 3-
- 3112a — ed. with संहृत text, पदच्छेद, word meaning Engl transl notes & comm by राधा-चरण *Po* 2-
- 3113 — or Dialogues between कृष्ण and अर्जुन transl into Engl with notes by Wilkinson, 3rd edn publ with संहृत text by उपेन्द्रनाथ दास 1896 cr pp.134 2-
- 3114 — Transl by Mr Charles Wilkins New edn revised and enlarged with two learned introd's by Prof मणिमाल द्विवेदी and नादिनचन्द्र नादजी *Ri* -12-
- 3115 — or Song of the Blessed one India's favourite Bible, in interpreted by F Edgerton *Op* 8-12-
- 3116 — *Shri Gitamrita* Bodhini, compiled by Vana-pati Rama Prapanna Das alias Lt Henry Wabab -4-
- 3118 — मधुसूदनी टीकासाहस *Ch* 1-8-
- 3119 — अमृतनरसिंही व्याख्येयसहित *Kg* 2-8-

य

- 3120 — संहृत with मराठी transl by C G भातु pt I अध्याय 1 to 3 8vo 443 *Ds* 3-8-
- 3121 — Orig. with मराठी transl by C G भातु pt II अध्याय 4 to 6 8vo pp 372 3-
- 3122 — Orig with मराठी transl by C G भातु 1909 pt II अध्याय 7 to 12 8vo pp 282 *Ds* 3-
- 3123 — Orig. with मराठी transl by C G भातु 1910 pt III 8vo pp 437 *Ds* 3-
- 3124 — उपनिषद् in मराठी with orig संहृत by C G भातु 1910 pt IV 8vo pp 626 *Ds* 2-
- 3125 — With मराठा transl by K V लल्लुभाई 1913 5-
- 3126 भगवद्गीताभाष्य—सूक्तश्लोक, अन्वयार्थ, शास्त्रभाष्य, भाष्यार्थ, सरळ व सुचारु अन्वयसहित अर्थ, गीतासहित परीक्षणा मकारान्तुतटारा प्रस्तावना, शास्त्रसंविधानानुक्रमिका, वादप्रस्तुत अन्वयार्थशास्त्राचार्योक्त parts I and II pp 1340 *Al* 10-
- 3127 — Orig with हिंदी transl and comm by स्वामी विवेकानन्द संह 1st and अध्याय II, with 100 श्लोक 8vo pp 136 8 1-
- 3128 — सतसर्ष प मुद्रार्णवाचार्यशास्त्रा प्रणाला हिंदीभाषानिबन्ध *Ch* 4-
- 3129 — With हिंदी transl by सत्यसत्त्वामि cr pp 13 *Kg* -2-
- 3130 — An English Essay by C Jinarajadasa -2-

- भ  
3131 — An Essay on the,  
by श्रीअरविंदोप Vol 1, 11 12-
- 3132 — An introduction to  
for English readers, and com-  
ments on British connection  
with India by W L Wilmshurst  
1-8-
- 3133 — Introd to the  
text and Engl transl by  
V K रामानुजाचार्य with a general  
introd and notes according  
to विशिष्टाद्वैत Philosophy 3-
- 3134 — An introd to, by  
Garbe, transl from the Ger-  
man into Engl by N B उदगीकर.  
1918 Roy pp 35. 1-8-
- 3135 — An Introduction to  
by D S शर्मा 1-
- 3136 — and the उपनिषद् an in-  
troduction to the study of  
( the Gospel of Life ) by F T  
Brooks Vol 1 pp 400 cloth  
Wrappers Vv 1-
- 3137 — The Divine path to  
God, by K S रामस्वामिशस्त्री 1-
- 3138 — Class Lectures on the  
Hindu Philosophy of conduct,  
by M Rangacharya Vols  
( all out ) 5-
- 3139 — Four Lectures deliver-  
ed in Engl with the apprecia-  
tion of Dr Subramania Aiyer  
by T Subramania in 1886  
Cloth Av 1-8-  
Board — 2-8-
- भ  
3140 — Lectures on by Pt  
मनोी शंकर -12-
- 3141 — Hints on the study  
of—Four Lectures by Mrs Be-  
mont, 1905. Cloth 1-8-  
Boards New edn 1-2-  
Wrapper -14-
- 3142 — Message of the—A  
message of Karma in Engl by  
लालजयसराय -12-
- 3143 — Philosophy of the—  
An exposition by Chhaganlal  
Kaji (2 Vols) Boards 5-8-  
At Cloth 6-8-
- 3144 — A study by V G म्,  
publ by L B जडार 1924 cr  
pp 86 1-4-
- 3145 — A synthesis of, 1-
- 3146 — Thoughts on the, by  
a Brahmin F T S A series  
of 12 lectures read before the  
K. T S 8-
- 3147 — And our Social Pro-  
blems by K S रामस्वामिशस्त्री  
Vv -4-
- 3148 भगवद्गीतासर्वप्रकरण विमलसहस्रनाम-  
संपूर्ण १९०० Vv 5-
- 3149 भगवद्गीतासर्वप्रकरण By बाबावनवासी,  
ed. with commentary, critical  
notes & introd by भगवद्गीताचन  
and preface by Prof M Wint-  
trantz 1925 8vo. pp. LXVI, 98.  
2-4-
- 3150 भगवद्गीतासर्वप्रकरण (स.स.) Vv 1-

म

- 3151 भगवद्गीताभाष्य (वेदान्त) with a commentary by A V गणपत चरित्यर *11* -6-
- 3152 भगवत्पादाभ्युदयम् A Kavya in cantos 9 by M M लक्ष्मणभूति *Vb* -10-
- 3153 भगवत्कीलारत्नप्रदम् (पुरा कवि) *Vy* 1-4-
- 3154 भट्टिकाव्य भट्टिहृत, जयमङ्गलानिरा- साहत 8vo pp 7, 24, 479 *N* 3-
- 3155 — Ed with notes by N K कलकर and V G अष्ट 1896 or pp IV, 47 9 -12-
- 3156 — Ed with the comm of माह्वाय, by K P विश्वी vol I & II *Bp* 15-
- 3157 — Edited by गुरुनाथ काव्य- ताप (सर्ग 1 to 22) *Sd* 3-
- 3157a — (चन्द्रिकासह) Ed by हरि- पद चटोपाध्याय (सर्ग 1 to 8) *Sd* 4-
- 3158 भणिकाव्य (सटाकाव्यादम्) ed by सारदारजनराय (सर्ग 1) *Sd* -12-
- 3159 — Ed by गुरुनाथ काव्यतार्थ सर्गाऽ 2-8 *Sd* 3-8-
- 3159a भणसार Ed by B K डाकोर in गुजराती *Sd* 2
- 3159b भद्रबाहुसहिता (जैन) Text with transl, & appendix containing full text of important judgement in a jaina case by orig side of High Court of judicature, Indore by J L जैन or pp XI 129 *Ar* 7-1-
- 3160 भरतचरितम् (काव्य) by कृष्णकवि *Tr* 1-
- 3161 भट्टकवचनम् भट्टकृत *Kms* 1-

म

- 3162 मयमूर्ति AND उत्तरगामकवित्र with some thoughts in मराठी by रगाचार्य रवी 8vo pp 28
- 3163 भवान्सहस्रनाम *Vy* -5-
- 3164 मविष्यपुराण — *Vy* -12-
- 3164a मविष्यपुराण (German) by बन- पाल A Jain legend in अपभ्रंश ed by Jacob J 1916 Roy pp 226 *Ar* 10-
- 3165 — or पञ्चमासहा A romances in अपभ्रंश language by बनपाल (circa 12th century) ed by C D बडाल and Dr P D गुण 1923 *Go* 6-
- 3166 भस्मधारणविचार (कर्म) *Sw* 2-
- 3167 भृगुसाम्बलमात्र *Gd* 1-4-
- 3168 — *Ch* 3-
- 3168a भगवत् मूल silk cover *Vy* 3-
- 3169 — भगवत्पाद प्रकाशिका ध्यायवा सहित *Vy* 20-
- 3170 — नरीनयुगविभवा दाका सहित *Vy* 20-
- 3171 — भारती दान तथा दिव्यसाहाय *Vy* 20-
- 3172 — मध्यमाधर *Vy* 6-
- 3173 — (silk cover) *Vy* 7-
- 3174 — In easy Engl prose A new transl according to the भट्टेय comm extracts with notes from सिद्धि जैन and द्वैत comments, publ by Pt T R इत्याचार्य 1916 vol I स्तम्भ 1-7 Roy pp 2 160 2 *Id* 7-8-
- 3175 — The text of भावर with द्वैत and विशिष्टद्वैतवाद ed and

म

- publ by Pt. T R. कृष्णाचार्य 1916  
vol II स्कन्ध 8 to 12 Roy pp.  
45, 44, 91, 116, 61, 25 *Ms* 7-8-
- 3176 — A prose Engl transl.  
ed & publ by M. N. दत्त 1896  
vols I-II स्कन्ध 1-12. 8vo pp.  
ii 95, 414, 137 70. *Cl* 12-
- 3177 — Translated into easy  
English prose by ■ सुमरान.  
This translation is quite differ-  
ent in style and contents from  
that of Mr. सम्मन्नाथ दत्त of happy  
memory The commentaries of  
श्रीधरस्वामि, श्रीधररायचचार्य and श्रीरजय  
चजतीर्थ are also represented 25-
- 3178 — With comment of श्रीधर  
printed on good thick paper, in  
large types (Unbound) *Gn* 5-
- 3179 — With comm of श्रीधर  
and with notes of महेश्वरभट्ट well-  
known annotator of अमरकोश and  
also with चर्किका printed on thick  
paper, in large types. ( Unbou-  
nd ) *Gn* 10-
- 3180 — With the comm of  
विजयभट्ट printed on good thick  
paper, in large types (unbound)  
*Gn* 10-
- 3181 — Text, big type with  
the readings of the three Hindu  
Schools of philosophy. Paper  
Bound ■ Vol *Mf* 6-
- 3182 — FIRST THREE PARTS  
(Royal 8vo pp 480) *Ts* 1-8-
- 3183 — English Translation  
by सुमरान. *Ts* 2-8-

म

- 3184 — by Burnouf M. 5vols.  
100-
- 3185 — प्रथम स्कन्ध with सुबोधिनी  
टीका by बल्लभाचार्य *Vl* 2-
- 3185a — द्वितीय स्कन्ध with सुबोधिनी  
टीका *Vl* 2-
- 3185b — तृतीय स्कन्ध with सुबोधिनी  
टीका. *Vl*
- 3185c — दशमस्कन्ध with टिप्पणी
- 3185d — — उत्तरार्ध *Vl*
- 3185e — दशम स्कन्ध जन्ममकरण with  
सुबोधिनीटीका and टीप्पणी *Vl* 4-8-
- 3186 भागवतचम्पू रुद्रिण्य *Vy* 1-8-
- 3187 भागवतचूर्णिका (उरण) *Vy* 18-
- 3188 भागीरथीचम्पू *Gn* 1-4-
- 3189 भाट्टश्रीधरा (मीमांसा) vols III  
and IV *Bs* 15-5-
- 3190 भाट्टभाष्यप्रस्ताव (मीमांसा) by  
श्रीनारायणभट्ट ed by M M नामि  
भागीरथीचचार्य *Ch* 3-
- 3191 भाट्टरहस्यम् (मीमांसा) *Su* 1-8-
- 3192 भाट्टवेत्तामणेन्तान्पाद (मीमांसा)  
by M M Pt गणपट्ट ed by Pt  
रामचण्डिकासी पदवर्णन alias हात्पाशासी  
पदवर्णन *Ch* 3-
- 3193 भाट्टश्रीधरा (मीमांसा) (Text) A  
work belonging to the Purva  
Mimamsa School of Hindu Phi-  
losophy by सुबोध, ed by M M.  
चन्द्रकान्त तर्कालकार and M M  
धर्मनाथ तर्कभूषण (1900-1912) *Bs*
- 3194 — भाण्डारकर Commemora-  
tion vol containing 40 essays.  
1917 Roy pp. viii, 455  
*Os* 12 and 16-

म

- 3195 माडपडमाममहात्म्य सूत्र Vy -8-  
 3196 मामनि (वदन्त) A gloss on  
 शरत्तचार्य's commentary on the  
 अम्हृत्वा's by वाचस्पतिमिश्र, ed. by  
 वाङ्मयजी 1880 B. 5-  
 3197 मामद and शृङ्गेरु their age and  
 position in Poetry by Jacobi. 1-  
 3198 मामिनीविलास (काव्य) सूत्र Vy -6-  
 3199 — पहिन जगन्नाथविरचितो  
 अक्षुण्णरायकृतयाज्ञवल्कराशास्त्रव्याख्या  
 सहित 8 vo pp 172 N 1-  
 3200 — Comprising text with  
 सहस्रत, transl and copious notes  
 in Engl various readings, life  
 of the author &c by शेखात्रि  
 अय्यर 8vo 1-8-  
 3201 — ed with introd transl  
 and critical notes by Prof S.  
 M. पराज्ये 1895 1-8-  
 3202 भारद्वाजचम्पूटिप्पणीसमेता Gn -8-  
 3203 — सटिप्पण. IV -8-  
 3204 भारतवर्षीयसंयोगसंग्रह, मराठी  
 अहवाल, चित्र-भाष्य. शके १८३१ 8vo  
 pp. 127 1-8-  
 3205 — श्रमसंग्रहचतुष्टय, मराठी, शके  
 १८३५ 8vo pp 82 1-8-  
 3206 — पञ्चम-संग्रहचतुष्टय, मराठी, शके  
 १८३० 3-  
 3207 — षष्ठ-संग्रहचतुष्टय, मराठी, शके  
 १८४० 4-  
 3208 भारतवर्षीय (काव्य) महासवि अक्षेपमन्त्र  
 कृत. N 5-  
 3209 — The Text based  
 upon old Ms with lucid  
 comm by सहस्रवत्सल मोमाचार्य  
 राज्ञी, and ed with exhaustive

म

- introd. critical, grammatical  
 and explanatory notes, & Lite-  
 ral Engl. transl by M S.  
 माण्डारे. 8vo pp. 2, XIV, II, 136,  
 282, 853. 3 St 4-  
 3210 भारतवर्षीय Essays and Address-  
 es on Hindu Dharma and Na-  
 tional Education by Sir John  
 Woodroffe. It 1-8-  
 3211 Bharata Readings Easy  
 and interesting stories from the  
 Mahabharata in the orig. Sans-  
 krit Printed in Roman letters,  
 with a literal English version,  
 by C R LAMMAN. Ho  
 These show to the beginner how ex-  
 ceedingly easy the epic texts are  
 They are chosen with common  
 sense and good taste and are pur-  
 ged of long winded descriptive pas-  
 sages They are in simple unstilted  
 language entertaining, full of swift-  
 moving action and incident. Among  
 them are the story of Shakuntala  
 (heroine of the matter)  
 3212 भारते रामायणसूत्रीय समाजविपरी.  
 An essay in मराठी by P. V. काले.  
 8vo. pp. 53. -8-  
 3213 भारतीयमाध्याय—हर्ष by N B  
 काली. in मराठी 1893. pt. I cr.  
 pp. 233 2-  
 3214 भारतीय ज्योतिषशास्त्र अथवा भारतीय  
 ज्योतिषशास्त्राचा प्राचीन आणि अर्वाचीन इतिहास  
 by S K दास. 10-  
 3215 भारद्वाजचम्पूटिप्पणी The Domestic  
 Ritual according to the school  
 of Bharadwaja, ed. in the orig  
 Sanskrit with an introd and

भ

- lst of words by Salomons. 1913 8vo Br 7-  
 3216 भावविवेका A प्राकृत comm in श्लोक by भासाचार्य अष्टपुत्रे. 1860  
 3217 भावप्रकाश, मूलमात्र M 2-  
 3218 — शब्दरत्नटीका Kg 3-8-  
 3219 — of शास्त्रातनय An ancient work on Dramaturgy, ed by रामस्वामिशास्त्री, and His Holiness यमुगिरिचितिराजस्वामि 1-  
 3220 भावविलास रुद्रकविरचित Km 1-  
 3221 भावसूत्र (काव्य) Gn 1-  
 3222 भावसूत्र (काव्य) भागवतजयन्ती Km 1-  
 3223 भावनाविवेक—by Mandan Misra with a comm by Banita Umdeka in 2 parts Sb 1-8-  
 3224 भावार्थरामायण by श्रीरङ्गनाथ, publ by G C देव 1910 Part I & II Roy pp 180, 171 15-  
 3225 भावोपहार of श्रीधरप्रसादशर्मा by चक्रपाणिनाथ with the comm of रामदेवमह, ed with notes by व सुकुन्दशास्त्री. 1881 Km  
 3226 भावपरिच्छेद — प्रथम-मुकुन्दनाथजीत काविकोषावली तथा अर्थव्याख्यानसहित 8vo pp 90 N -10-  
 3227 भावप्रकाशनाम by Dr T K लक्ष्मी publ by म ना कुलकर्णी 1915 8vo pp 787, 192, 133, 135 (Sansk Research) 4-  
 3227a — Reprint by कर्तव्येय -8-  
 3228 भावप्रकाश व्याख्यान भाषा by K P कुलकर्णी Oa 2-  
 3229 भावप्रसन्ननाम Vj 6-

भ

- 3230 भास AND THE AUTHORSHIP OF THE thirteen त्रिवेन्द्रम plays, by हिरानन्दशास्त्री Gt -14-  
 3231 BHASA STUDIES An essay on the history of the drama of ancient India by Landenau 3-  
 3232 भासा's plays orig संस्कृत with Engl transl A critical study by T गणपतिशास्त्री 1925 8vo pp II, 124 1-  
 3233 भासा's works A criticism by A कृष्ण Pishardy, transl from रतिकरञ्जय, publ by N केसर पिल्ले 1925 Roy. pp 48, 20 7, -12-  
 3234 भास्वरूप- (न्याय) तर्कसंग्रह द्विपत्र-प्रकाश नीलकण्ठ व्याख्या. N 1-  
 3235 — Gd -8-  
 3236 भास्वरूपविषयम् A short but illuminating exposition of the doctrines of the प्रभाकर school of मीमांसा philosophy by नन्दाश्वर, ed. by Anant Krishana shastra and पद्मपतिनाथ शास्त्री Ss 1-4-  
 3237 भास्वरूपी of प्रकाशोपनिषद् A treatise on Sanskrit Grammar with the comm of श्रीधरनाथ ed by गिरिश चन्द्र त्रिवेन्द्रतीर्थ (1917) Bt 9-10-  
 3238 — A comm on panini's grammar by प्रकाशोपनिषद्, ed. by Prof. श्रीधरचन्द्रनाथ. Vr 6-  
 3239 भास्वरूपीप्रकरणम्-संस्कृत भाषाद्वयीका-साराणी. Kg 2-  
 3240 भिन्नानवयव उल्लेखसहितभट्टविरचित. Km 1-  
 3241 भविष्यतपितिरा by हंसराज. 1909 pp 119, 74, 35 -6-



अ

- 3242 **भूमि** A great work on Hindu Religion. His life and teachings. cloth 8vo. pp. 400 3-
- 3243 **सुतसूक्तोपाधि श्रीशक्राचार्यकृत.** Vp 2-
- 3244 **सुतसूक्तोपाधि श्रीशक्राचार्यकृत गय (जैन) of हंसगयी. 2nd edn** Jb 3-
- 3245 **भेदविचारः—(वेदान्त) by श्रीजु- सिङ्गमसुनी with a comm by the author's pupil नारायणस्वामि and उपक्रमपत्रम् (वेदान्त) by अण्णयरीसित, ed and annotated by Pandit लक्ष्मणशास्त्री द्विवेद.** Bn 3-
- 3246 **भेदादः (वेदान्त) तत्रतुल्याविचार.** Sw 6-
- 3247 **भेदोज्जीवन (वेदान्त) by व्यासराज स्वामि with टिप्पणी.** Mv 1-
- 3247 **भेदमाहिता (वेदक) Roy. 8vo pp. 236** Cu 9-  
It contains the complete text (in Sanskrit) of the Bhela Samhita, one of the most ancient and valuable treatises on Indian medicine.
- 3248 **भैरवपरम्पराटी—तत्रविशेषप्रमाणकृत संहिताटीकासहित** M 2-
- 3249 **भैरवी शब्दरत्न व्याख्याकारकान्त (व्याकरण)** Kg 1-
- 3250 **भैरवसहस्रनाम—** Vy -2-
- 3251 **भोजप्रबन्ध (काव्य) दृष्ट** Vy -12-
- 3252 — An Engl transl. by सुन्दरनाथदानजी 1917, 2nd edn or pp 161. Cc -10-
- 3253 **भगवद्गीता** Recurrent and parallel passages in, see—Recurrent & parallel passages in भगवद्गीता
- 3254 **भगवत्पुरुष, the date of, see—the Date of भगवत्पुरुष**

अ

- 3255 **भूमर AND राहुरि, antiquities of, see—the Antiquities of भूमर and राहुरि.**
- 3256 **भूमर The temple of शिव at, see—the temple of शिव at भूमर.**
- 3257 **BOTHLINGERS indesche sprichen, an index to, see—An index to Bothling's indesche sprichen.**
- 3259 **भक्त्यरति श्रीराममहर्षिनाम, न्यायमञ्जरी.** Vy 3-
- 3260 — तथा रकारादि श्रीराममहर्षिनाम, न्यायमञ्जरी Vy -6-
- 3261 **भक्त्यरति श्रीराममहर्षिनाम (जैन) of भाव- चन्द्रपुरि. 3rd edn** Jb -8-
- 3262 **MATERIA MEDICA OF THE HINDUS by W. C. दत्त. 1922 8vo pp. xx, 356.** 6-  
A glossary of Indian plants by George King, revised edition with additions and alterations by K. B. हेन and K. F. हेन.
- 3263 **MATERIA MEDICA OF MADRAS by M. S. सान्निहासुर. 1891. vol. I. Roy pp. x, 161.** 1-8-
- 3264 **MATERIALS for a critical edition of भरत's नाट्यशास्त्र [Reprint] by Dr. S K वेदप्रकाश 1915. 8vo pp. 37. 44.** -8-
- 3265 **मर्कटचरितं [न्याय सङ्ग्रहचरितं] by राजबुद्धामर्णमासेन** Tr 1-1-
- 3266 **मणिमत्तरी A revised edn by नारायण पण्डितभाष्य, treating the lives of श्रीराम, श्रीकृष्ण, & progress of Buddhism.** Mn -7-
- 3267 — Ts -2-

- म  
3268 मणिसार. [न्याय] अनुमानसण्ड, by  
मेपिनाथ. Tr 1-8-
- 3269 मतवेलासप्रहसनम् ( नाटक ) by श्री  
महेन्द्रविक्रमरायणी. Tr -8-
- 3270 मत्स्यपुराणम् । श्रीमद्विपाकनसुनिष्णी-  
तम् । An 6-
- 3271 — (Book size) Kq 5-
- 3272 — Transl. into Engl.  
Parts I and II. Po 30-
- 3273 — श्रीमत्देवव्यासप्रणीतम् Vy 7-
- 3274 मधुराधलक्षणम् (न्याय) मधुरानाथीय  
व्यसिपञ्चकटीकायाः कोट्यप्रम् । श्रीकार्त्त-  
माहुर प्रणीतम् । Ch 3-
- 3275 मदनपारिजात A treatise on  
Hindu Law by मदनपाळ, ed by  
मधुवन सहािताल. 1898. B 8-1-
- 3276 मरालसाधनम् निबिडमहत्त. 1881.  
Roy pp. 84. 2-
- 3277 मन्दाम्बिताष्टकम् मुरुकविहृतम्.  
Fo -2-
- 3278 मधुराधकम् with वरविभूषि by  
श्रीवल्हमाचार्य, ed. by M. T. ठेठवाल.  
1918, Roy. pp. 52. N 1-
- 3279 — Fl -8-
- 3280 — -4-
- 3281 मदिभूतकृतम् श्रीशकटेश सरय्याहृतम्.  
Vo -2-
- 3281a मय्यनयायोग & पञ्चरात्रम् (नाटक)  
of मात ed. with introd. full  
transl. explanations, questions,  
answers & illustrative notes, by  
G. L. राग्वेद. 8vo. pp. 172. 1-6-
- 3282 — ( नाटक ) of मात, ed. by  
T. गणपतिशास्त्री. Tr 1-9-
- म  
3283 मध्यसिद्धन्तकौमुदी (व्याकरण) श्रीवर-  
दराजकृत. N 1-1-
- 3284 — Vy 1-
- 3285 मध्ववेजय. Ts -8-
- 3286 — with meanings. Ts 3-
- 3287 मध्वाचार्य A sketch of his life  
& times by C. N. कृष्णस्वामि अय्यर,  
and his Philosophical system by  
सुभारत.cr. pp. 74. Vi -12-
- 3288 मनुस्मृतिमुद्रकमहत्तटीकया साहिता,  
ग्रन्थान्तरं मनुनामोल्लिखितेतिदानीन्तनमनु-  
स्मृतिपुस्तकेणमुपलभ्यमानैः श्रुतिः । पयाना  
वर्णाश्रमकोशेन, विष्णुश्रुतमेव च साहिता  
सूयेशिकया संश्लेषिता च । Gu 2-4-
- 3289 — (परी) कल्लुकमहत्तटीकासह.  
Vy 3-
- 3290 — कल्लुकमहत्त मन्वर्षदुका-  
यली टीकासह । 8vo. pp. 4, 18, 490.  
2d. N 2-8-
- 3291 — Translated into English  
by G. Buhler. Of 16-
- 3292 — ed. with 7 comments,  
( 1 कल्लुक, 2 गोविन्दराज, 3 मंदन, 4  
मेपतिथि, 5 रामचन्द्र, 6 रायपालम्, &  
7 सर्वज्ञारायण ). by मण्डलिकः  
3 vols. 30-
- 3293 — With the भाष्य of मेपतिथि  
transl. into Engl. by गणनाथ हा.  
vols 1 to 5, each with two parts.  
Cu 67-8-
- 3293a — Notes in Engl. by  
मंदनाथ हा. in 3 vols. Cu 27-
- 3294 मनुवेदिता ( काश्याचन्द्र टीका ) by  
हरसम्भनाथ महाचार्य. Sd 6-8-
- 3295 मनुदीपसंह ( Text ). Being a  
series of copious extracts from

म

six unpublished commentaries of the code of Manu. Bo 3-

(A) Medhatithi's Manubhasya (B) Govindaraja's Manutika. (C) Narayana's Monavatha vivruti (D) Raghavacanda (E) Nandana (F) Kashmirion author

2296 मनुष्यजातय, सस्कृतटीका समरसिंह प्रणीता । तथा भीरसर्माकृता संस्कृत टीका-समेता । Vy 1-4-

2297 मनुष्याख्यचन्द्रिका (शिल्प) Tr -8-

2298 मनोदूत (सहस्रसहस्रव्याख्यानपरमात्मक सटीक.) Km15 1-

2299 मनोरमा (चरित्र) An interesting new सस्कृत romance by V. P. ताडके. 1898. vols I, & II. 8vo. pp. 175. Bt 3-

2300 मनोरमा (व्याकरण) शम्भरलसहिता सङ्पूर्णा. Kp 15-

2300a — शम्भरलसहिताऽप्यथीभाषान्ता सहस्रपत्र. Kp 4-

2301 मरठी—ENGLISH DICTIONARY by Molesworth and Candy On 30-

2302 मरुतमय्या इतिहासाची साधने १७५०-१७९१ by V. R. राजवाडे. 1898. सङ्द. 1. 8vo. pp. 409, 2. 25-

2303 — शिवकालीनचरणी, ed. by V. K. राजवाडे 1915. सङ्द 20. 8vo. pp. 2, 476. 3-

2303a Maratha History the main currents of by G. S. मलेसाई. 1926. 8vo. pp. iv 184. 2-

2304 Maratha History (Rise of the Maratha Power) by Justice M. G. रानडे. Bound in cloth, with gilt letters. 2-

म

In 12 Chapters dealing with the Importance of Maratha History How the Ground was prepared, how the Seed was sown, how the Seed thrived, the Tree blossoms, the Tree bears fruit, Shiwaji as a Civil Ruler, the Saints and Prophets of Maharashtra, Gungi how order was brought out of Chaos, Chouth and Sardeshmukhi Marathas in Southern India, Gleamings from Maratha Chronicles

2305 मध्यसुन्दरीचरित्र (जैन) of जय-तिलकचरित्र. Jb 4-

2306 मलमासमहात्म्य मूल पञ्चपुराणतर्गत Vy -8-

2307 महामाणपतिसूत्रेणम् सटीकम् राध-वैतन्यविरचितम् । Km1 1-

2308 महार्थमञ्जरी In Prakrit by मो-रारानन्द with the author's comm. interesting description of the principles of Kashmir Shaivism in Arya metre. Km 1-12-

2309 — (दर्शन) with the commentary परिमल of मोरारानन्द. Tr 2-4-

2310 महानपप्रकाश A work on Kashmir Shaivism in Prakrit, interesting from the philological point of view. by राजानन्द शीतिकावन्त. Km 1-12-

2311 MAHANARAYANA UPANISHAD edited by Ool. jacob. -7-

2312 महाविष्णुस्तवम् Ed. with prose Engl. transl. by M. N. दत्त. 1900. 8vo pp. 2, 10. xxxii, 315. Cc 10-

- म  
3312<sub>a</sub> — In देवनागरी character.  
ed. by Various Authors, pt. I-IV.  
B<sub>1</sub> 30-
- 3313 महाभारत ( निबंध ) A criticism  
by C. V. देव. GR 2-8-
- 3314 — Its origin, contents  
and form by Oldenberg. 6-
- 3314<sub>7</sub> — According to North  
Indian recension by Holtzmann.  
10-
- 3314<sub>b</sub> — In East and West by  
Holtzmann A. 10-
- 3314<sub>c</sub> — As epochs and Law  
book, by Dahlmann I. G. 15-
- 3315 महाभारत-विराटपर्व, ed. with eight  
comments (1 भावदीप, by नीलकण्ठ,  
2 श्रुतिदा by अर्जुनमित्र, 3 चतुर्विंश-  
तिश्रीका, 4 दुर्वाचप्रकाशिका, 5 विनायक-  
भक्तानां, 6 भागवतप्रकाश by सर्वज्ञ  
भास्कर, 7 विमलप्रकाशिका, & 8 दत्ता-  
त्रेय ) and numerous readings  
by M. G. वाडे 1915. sup Roy.  
pp. 204. Gu 3-8-
- 3316 — दशमस्कंध, ed with five  
comments (1 भावदीप by नीलकण्ठ,  
2 श्रुतिदा by अर्जुनमित्र, 3 दुर्वाचप्रकाशिका  
by विनायक, 4 भागवतप्रकाश, by  
सर्वज्ञभास्कर, and 5 दत्तात्रेय by  
सर्वज्ञभास्कर ) and with numerous  
readings by M. G. वाडे. 1910.  
sup. Roy. pp. 492. Gu 8-8-
- 3316<sub>a</sub> महाभारत-विराटपर्व, critically ed  
with various readings, notes and  
introd by N. B. उदयका. 1923  
Roy. size 15-
- म  
3317 — Abridged by C. V.  
देव. 1921. 4th edn. 8vo. pp. ii,  
506. 3-4-
- 3318 — कर्ण and विराटपर्व in un-  
bound parts. Mr 6-
- 3319 — कर्ण, द्रुपद and सौप्तिकपर्व  
in parts. Mr 5-
- 3320 — श्री and आश्विपर्व in  
unbound parts. Mr 6-
- 3321 — अद्वैतानन्द, अथर्ववेदिक, आत्म-  
वाचिक, महाप्रधानिक, मंत्राल & स्वर्ग-  
रोहणपर्व in unbound parts,  
Mr 5-
- 3322 — According to South-  
ern Recension with readings  
and footnotes (and its *Alphabe-  
tical Index* with preface in  
Engl. contents, narrative stories  
for important names and events  
by T. R. कृष्णचारी, 1914. Roy.  
pp 3, 56, 41, 80, 4, 200.  
Mr 100-
- 3323 — (1 आदि, 2 भीष्म, 3 कर्ण,  
and 4 द्रोण) transl. into Engl.  
prose by P. C. राव. 1888. 8vo.  
pp. 622, 448, 308, 696. G 30-
- 3323<sub>1</sub> महाभारत or the great epic  
of India, the first critical & ill-  
ustrated edition, ed. by Dr.  
कृष्णचारी to be out in fasc.  
Subscription price. 175-
- 3324 — The greatest epic of  
the world transl. into Engl. from  
the orig. मूल by P. C. राव. and  
revised by S. L. राय. parts. 30,  
each 1-

म

- 3325 — Translated into Engl prose by M N Dutt Vols I & II पत्रां 1-18 Roy 8vo Cc 35-  
3326 — (1 अदि 2 सभा, 3 वन, 4 विराट्, 5 उद्योग, 6 भाग्य, 7 द्रोण, & 8 कथ) transl into Engl, prose by M N दत्त, 1830 vol I and II Roy pp 316 108, iv, 453, 79 267, 215, u, 375, in 194, Cr 25-  
3327 महाभारत the selections from ed by Johnson F 1842 Roy 8vo pp xiii 265 8-  
3328 — With comm of श्रीकण्ठ in large type on thick good paper (Loo's seals) G" 70-  
3329 — सङ्ग्रह original, (1 अदि 2 सभा, 3 वन, 4 विराट्, 5 उद्योग, 6 भाग्य, & 7 द्रोण) with मराठी transl by K V कृष्णाक्ष Roy pp 25-  
3330 महाभारतमहाकवि by रामभाकमित्र pp 288 Lc 2-4-  
3331 महाभारततत्त्ववर्णिका by महाभारत. A trical synopsis of the महाभारत भागवत and रामायण M 3-4-  
3332 महाभारततत्त्वप्रकाश भागवतमहाभारतद्वारा । भागवतमहाभारतविरचित । सङ्ग्रहटीका साहित्य L 3-13-  
3333 महाभारतप्रसंगिका-न्यायप्रकाश and सारिसंग्रह with introduction and notes by P V काश 1912 cr pp u 156 Mc 1-  
3334 महाभारत टीका (नवम्) A treatise on Panini's grammar by नाम्नाभट्ट ed by बृहन्नरेश्वरी 1901 (in progress) B 31-8-

म

- 3335 MOHAMMADAN COINS in the Bodleian Library, a catalogue by S Lane Poole 1888 4to. Of 2-6-  
3336 MUHAMMADAN Architecture of अहमदाबाद Part 1 and II O 45-  
3337 — — of गुजरात by Bor- gess G 17-  
3337a — — in गुजरात G 16-  
3338 महायानिर्णयानम् by द ग्वाला- प्रकाशिन 1912 8vo pp 8 184 Vy -12-  
3339 महायान doctrines of salvation by Schayer 1923 2-8-  
3340 MANAYANA Texts, from the Sanskrit by Cowell Max Muller. and J Takakusu ' Of 15-12-  
3341 महायानमूलप्रकाश (Sh & Fr) by Levi S 2 vol 20-  
3342 महायानमूलप्रकाश S 20-  
3343 महायानमूलप्रकाश मराठी-कवितावद्ध contains (1 विष्णुवाच भगव 2 गीतासार वक्रवर्णित, 3 गीतासार पुष्पवर्णित 4 उपदेशावली 5 सङ्कट प्रणाली 6 निवि- कल्पय ) publ by K O महायान 1914 8vo pp 170 -12-  
3344 महायानमूलप्रकाश (वदन्त) श्रीम- त्त्वामहेश्वर (आमकाचार्य रामचन्द्रविरचित N 3-  
3345 महायानमूलप्रकाश and सङ्ग्रह, forming the sacred and histo- rical Books of Ceylon by Uphan E 1835 (rare) 8-  
3346 महायानमूलप्रकाश (न्याय) A work on न्याय philosophy by महायान who

म

lived about A. D. 1210 to 1274,  
ed. by M R वेङ्कट 1920

Go 2-4-

3347 महादेवचरितम् (नाटक) मयूरीकृत,  
चरितपरवृत्त टीकासह. N 1-8-

3348 — ed with संस्कृत comment  
and संस्कृत Engl. glossary by A  
Borook 1871. 8vo pp xii 300  
8, 2 Cc 5-

3348a MAHAVIRA—CHARITAM, A  
Drama by the Indian Poet  
*Bhavadhiti*, ed with critical  
apparatus, introd. and notes  
by the late *Todar Mall*, revised  
and prepared for the press by  
A. A. Macdonell, 1928 Roy  
8vo. pp lv+352 Of 18-

Prof Macdonell in his Preface  
writes: Any scholar examining the  
Author's introduction which treats  
of the Author's manuscript material  
and various cognate matters as well  
as his critical foot notes will easily  
be convinced that no classical  
Sanskrit text has ever been so ex-  
haustively prepared by an Indian  
scholar. Thus eighteen Sanskrit  
manuscripts have been collated in  
preparing the text.

3349 — सार व विचार in मराठी by  
M. V. हेड्गे 1901 Roy. pp 2, 87.  
-10-

3350 महादेवचरितम् (नाटक) मयूरीकृत (अन)  
of जिनचरितम् टीकासह Jb 14-

3351 महादेवचरितम् (नाटक) मयूरीकृत  
टीकासह टीकासह, समकालीन विचार  
Kms 1-

3352 महादेवचरितम् Part I-III each 5-

म

3353 महादेवचरितम् (अन) A treatise  
on Astronomy by अर्धभट्ट, ed  
with his own comm. by M M  
यथाकरद्विवेदि Bn 3-6-

3354 महादेवचरितम् (अन) मयूरीकृत  
टीकासह V -6-

3354a — केवलाचार्यचरितम् मयूरीकृत  
टीकासह N -2-

3355 — or A Hymn to शिव.  
Text and translation by Rev  
K. M. चान्नी. R/ -2-

3356 महादेवचरितम् व्याख्यापर्यायपत्रम् by  
पुणवन्ताचार्य, with a comment of मयू-  
रीकृत टीकासह and five other com-  
ments of प नारायण पतिशर्मा प्रपाटी,  
also with शक्तिमहिमा Stotra &  
Preface Ks 1-

3358 — शक्तिमहिमा by पुणवन्ता  
शक्तिमहिमा by पुणवन्ता Vt -4-

3359 — (Greatness of Siva)  
by Arthur Avalon S/ 1-8-

3360 महादेवचरितम् R/ -2-

3361 महादेवचरितम् काव्यरत्न (अन) of  
चरितचन्द्र 2nd edn Jb 1-4-

3362 योगव. the Glories of, so -no  
1592

3363 योगव. or योगव. टीकासह  
(अन—शक्तिमहिमा) Vy 4-

3364 योगव. टीकासह Vy -10-

3365 महादेवचरितम् and date of महादेवचरितम्  
by Dr S. K. चरितचन्द्र 8vo pp.  
171-184 -8-

3366 — An essay by Dr S K  
चरितचन्द्र 1921 Roy pp 36 1-

3367 MODERN INDIAN ARCHITEC-  
TURE by G. Sanderson G, 9-

म

3368 MODERN LANGUAGES OF THE  
EAST INDIES by Cust R 1878  
25-

3369 MODERN REVIEW A month-  
ly Review and miscellany, ed  
by रामानन्द चतर्जी 1923 Jan  
Dec vol xxxiii, no 1-12-8 8-

3370 माण्डूक्यायानपद् with गौडपादिका  
and शांकरभाष्य transl into Engl  
by M. N द्विवेदी 1909 8vo pp-  
XI, VI, 137, X Po 1-8-

3371 — Translated with Shan-  
kara's commentary by M. N  
द्विवेदी Ad 2-

3372 — with मरानि transl and  
comm by C G माध 1913 8vo  
pp 4, 194, 3-

3373 मानसूत्रम् Km

3374 मानसूत्राणि ( गजलक्षण ) by नारद  
कण्ड Tr -10-

3376 मण्डूक्यपञ्चलक्षणम् Kg -3-

3377 — Gss -3-

3378 मारगनिर्णय (वेपक) कृष्णकृष्ण  
भट्टकविरचित मनुकोशव्याख्या भातक  
दर्पणव्याख्या च सनापाकृतम् । N 3-

3379 — मन्त्रमाम pp 429  
Mc 1-8-

3380 — मनुकावतथा भातकम्  
टाकासहित Mt 2-

3381 — सत्सुत टाकासहित । Vg 5-

3382 मारगनिर्णय (वेपक) नामगान्धर्व  
बादुनभाषाचार्यसंस्करण सामावन्तार्थार्थ  
विवचिता, सामावन्तार्थार्थार्थार्थार्थ  
विवचिता । Lz 7-8-

3383 माण्डूक्यपञ्चलक्षणम् by L. Poushad  
Fac. I-VII each Fac 5-

म

3384 मानसूत्रम् A work on Vedic  
ritual ( domestic ) of the यजुर्वेद  
with the भाष्य of अश्वक, ed by  
प रामकृष्ण हर्षजी with introd by  
Prof B C डे 60 2-

3385 — (german) with comm-  
entary by Knauer F 10-

3386 — — — म् It 1-

3387 मानसूत्रम् ( चम ) The code  
of यजु Original Sanskrit text  
with critical notes by Jolly J  
1887 15-

3388 मानसूत्रम् (चम) Devanagari  
Text by Geldner J -super Roy  
pp 22 3-

3389 मानसूत्रम् भाष्यार्थार्थार्थार्थार्थ  
सत्सुत with द्विवेदी transl by सत्सुत-  
कर 1919 cr pp 48, 2 -3-

3390 मानवेयोदय ( सामावन्त ) by नारा-  
यणम् and नारायण पण्डित Tr 1-4-

3391 मानसूत्रम् (चम) by विश्वनाथ -पाय-  
पञ्चानन 8vo pp 3 4, 2, 29  
-12-

3392 मानसूत्रम् or अभिनिर्णयविविधता  
An encyclopaedic work divided  
into one hundred chapters  
treating of one hundred differ-  
ent topics by सामवन्त, a चातुर्वेद  
king of the 12th century ed  
by G K. शर्माकर 1925 vol I  
Go 2-12-

3393 — or Abhulashitarthachin-  
tamam ed by G K Shringonkar.  
vol II

3394 MINOR UPANISHADS Con-  
taining अथर्ववेदकेन्द्रम् & मन्त्र Part II  
At -7-

म

- 3395 MINOR UPANISHADS. containing (1 असुतविन्दु, 2 अरुणेयि, 3 आत्मा, 4 केवल्य, 5 तेजोविन्दु. 6 बह्व & 7 सर्व) ed by Schroeder. 12-
- 3397 MINOR LAW—books, by J Jolly (नारद वृहस्पति) Of 9-6-
- 3398 MINOR TIBETAN TEXTS—  
(Text, translation,—notes)  
the song of the Eastern Snow Mountain by Johan van Manen 1919 B: 1-4
- 3399 मायापुरीमहालय, सूत्र Vy -12-
- 3400 मारण्डवद्वय Transl into Engl prose by M. N दत्त, Ad 7-
- 3401 — Engl transl. by F. D. Pargiter (1888-1905) 9 fasc B: 9-
- 3402 — सप्तशती-साम्प्रतगी-टीका-समत. Vy 4-
- 3403 मार्गर्गपेनशास्त्र सूत्र स्वयंपुराणा-नर्गत Vy -8-
- 3404 MARTIN LUTHER by Gustav 1697 cr pp 128 1-8-
- 3405 मागदिशमिमिर (नाटक) कालिदास द्वारा, काव्यमहत्त टीकासह 8vo pp 108. N -12-
- 3406 — श्रीमद्भुजमणिदशरूपशास्त्रवित्त 'विदुषः'अव्याख्य प्रतिपदव्याख्या सहित 1 8vo. pp 286 Vz -8-
- 3407 — with the comm of काव्यम, amplified by the editor, with an introd. on the model of शाकुन्तल Lateral Engl transl. exhaustive critical explanotry and grammatical notes and various readings on the model

म

- of शाकुन्तल by M. R. काळे. Gn 3-8-
- 3408 — Ed. with notes by S. P पट्टि. 1869 8vo pp. xxxviii, 164. 2. rare 5-
- 3408a — Ed with सङ्कृत, comm. सरला by भारगवर्मा Introd translation of all verses, & notes &c by R. D. कर्मकर 1918 8vo pp. 2, xxiii, 176 117, 12 .2. 5-
- 3409 — Ed with introd Engl transl. and critical notes by S. M. परानये 1918, cr pp 18, 109, 79 2-4-
- 3410 — With the comment of नीलकण्ठ. and काटवर्षेय and an Engl introd 8vo pp. xxviii-155 V: 1-
- 3411 — Ed with the comm चालवोचिनी by नाण्यशास्त्री राशिचंदकर. 1902. 4-
- 3412 — Ed. by गुरुनाथ काव्यतीक्ष्ण-सटीकम् Sd 1-8
- 3413 — Ed by प्रतापचन्द्र देवदासपुराण St -12-
- 3414 — Ed by देवतीकांत महाचार्य 1-4-
- 3415 — Ed by इंदिरास सिद्धांतगोपात. 1-4-
- 3415a — Ed by इंदिरास चट्टपापाचार्य. 1-
- 3415b — French translation, by G. Strehly 1885 cr. size. pp XI, 274 2-
- 3416 मागदिशमिमिर (नाटक)—मरभूतिहृत, निरुपारिहृत टीका, नाट्यदर्शन टीका तथा



म

- जगद्धरकृतटीका सहित । pp 2, 124 3.  
N 2-4-
- 3416a मातृमीमांसव with the comm  
of जगद्धर ed with a literal  
Engl transl. notes & introd  
by M R काळे. 1928. 2nd edn  
pp 40, 2, 219, 4, 100, 109,  
Gr 4-8-
- 3417 — With the comm of  
जगद्धर. ed with critical notes  
etc. by Dr. R. G. बागडारकर 2nd  
edn Bp 4-4-
- 3418 — (सर्गक) Ed by कृष्णविहारी  
तर्कसिद्धान्त Sd 2-8-
- 3418a — Ed by हरिदास सिद्धान्त  
वार्गीश Ad 2-8-
- 3419 — French translation by  
Foucault. 1877. crown size  
pp XI 198. 2-8-
- 3420 — मार प विचार in मराठा  
by M V ले. 1900 Roy pp  
84 2 -10-
- 3421 माग्निर्विज्ञप्ति Important भाग-  
मशास्त्र on the Agni system of the  
Kaṇva Śrautism with preface  
and elaborate introd in Engl  
Cloth Am 3-8-
- 3422 माग्निर्विज्ञप्ति By अभिनवभट्ट,  
is a gloss on the माग्निर्विज्ञप्ति  
Cloth Km 3-
- 3423 मातृमीमांसव मरद्वारं परम्याच इतिहास.  
by G S. सरद्वार. इतिहास. (A) 5-
- 3424 मातृमीमांसव ( समतम ) मरद्वार.  
by बागडारकर 4A 5-
- 3425 MAGIC OF ANCIENT India by  
Henry V. Fr 4-

म

- 3426 MIDDLE AGE by Deussen  
paul 5-
- 3427 MYTHS AND LEGENDS OF  
INDIA, by Macfie J. 1924 3-
- 3428 MYTHICAL AND LEGENDARY  
Accounts of CASTE with orig  
संस्कृत and Engl. transl 8vo. pp.  
x 204 Gr 12-
- 3429 मित्राणाम ( वर्यस्वतुवाद् ) ed by  
गुणनाथ काव्यतीर्थ Sd 1-4-
- 3430 वित्तप्रण-मागुक्ष्यकारिण्याया-  
( वेदान्त ) A gloss on गोदादाचार्य's  
मागुक्ष्यकारिका by स्वयमकाश चरसोत  
स्वामि and मागुक्ष्योपनिषद्पिका of  
सम्पन्न, ed by Pt रत्नगोपाळभट्ट.  
Ks 1-4-
- 3431 वित्तप्रण (A treatise on succes-  
sion of विज्ञानेश्वर. by Orienne  
Tr 3-4-
- 3432 THE MYSTERIOUS KUNDALINI.  
The physical basis of the  
"Kundali (Hatha) Yoga" Ac-  
cording to our present know-  
ledge of Western Anatomy and  
physiology by Dr V S Rele,  
with a foreword by Arthur  
Avalon, illustrated with orig.  
diagrams and photogravure  
plates Tar 3-8-
- 3433 मीमांसवप्रणालि ( मीमांसा ) लिंगादि  
मन्त्रकेशवोपनिषत्तर्गशा सहित Ch 1-
- 3434 मीमांसवप्रणालि, (मीमांसा) A thesis  
on मीमांसा by D. T. तानाचार्य सितो-  
मणि 1925 cr pp 10, 16, 78. 3-
- 3435 मीमांसवप्रणालि ( मीमांसा ) by  
मदनमिश्र, with an orig. comm.

म

- मीमांसाग्रन्थ, by म म गणानाथ झा,  
ed by प पुट्टिजानसारी Ch 1-8-
- 3436 मीमांसारामनुष (मीमांसा) An ex-  
haustive commentary of जैमिनी-  
युक्ता by लखदेव, ed by वेदविशारद  
चित्रस्वामिशर्मा Ch 9-
- 3437 — Part I IV & V to  
gether Su 4-
- 3438 मीमांसाग्रन्थ शारदाय्यसहितम्—  
(मीमांसा) of जैमिनीयुनि with the  
comments of शारदाय्य अय्याय्य  
1-12 Ks 10-
- 3439 ————— Kg 12-
- 3440 मीमांसान्यायप्रकाश (मीमांसा) by  
आणंदर with a comm called महा-  
लकार, by Pt अनन्तदेव, ed by Pt.  
M. M लक्ष्मणशास्त्री प्रवीर, and Pt.  
सिताधामशर्मा Ch 5-
- 3441 — नारायणेमीतहित (मीमांसा)  
of आणंदर ed with an orig संस्कृत  
comm by वेदविशारद Pt. A चित्र-  
स्वामिशर्मा alias ध्वजदुसुम्हन्त्यशर्मा  
A+ 2-
- 3442 — आणंदरहित —अनन्तदेवहित—  
महालकाराख्य टीकासहित —(इतिवृत्त)  
Gu 1-
- 3443 — आणंदरहित Ch -8-
- 3444 — काशीसधरणारायणशर्मा  
व्याख्यायुक्तमीमांसकप्रकरणकामिषयमि-  
दमाहासार्थनिर्मिता निष्पन्ना सनाथ  
उपाध्यायश्रीपद्ममेका आर्यगणनाथ "मन्त्र  
परिच्छेद । Ir 2-
- 3445 — आणंदरहित सावित्राश्रित-  
व्याख्यता गणित । Kr 3-
- 3446 — of आणंदर ed by प म  
चण्डीरामशर्मा अय्याय्य Rp

म

- 3447 मीमांसापरिभाषा—(मीमांसा) श्रीकृष्ण  
यज्ञकृता । म म पर्वताय प मीनित्वायान्द  
पन्तन लघुटिप्पण्या परिष्कृत सशोधिता ।  
Ch -4-
- 3448 — श्रीमत्कृष्णायन्यप्रणीता, pp 4,  
6, 32 N -4-
- 3449 — श्रीमद्भगवद्गीतायां वेदविद्येन  
पारलक्षिता । Ls -6-
- 3450 — ed by अमरनाथशास्त्री  
Sd -4-
- 3450a — (सटीक) ed by रेश्मीकान्त  
महापात्र Sd -8-
- 3451 मीमांसाप्रकाश । (मीमांसा) Sw -7-
- 3452 मीमांसाचालप्रकाश (मीमांसा) by  
महेश्वर, ed by Pt मुकुन्दशर्मा  
Ch 3-
- 3453 — Br 3-
- 3454 मीमांसा ग्रन्थि of जैमिनि transl  
by Pt वेदविशारद शर्मा (Chapters  
I-XII) Fo 20-
- 3455 मीमांसामातृप्रकाश (मीमांसा) Sam-  
mary of Mīmāṃsā topics in  
easy verse) ed by शरदभट्ट  
Pt मुकुन्दशर्मा Cl 5-
- 3456 मीमांसाग्रन्थ (मीमांसा) श्री-  
महर्षि जैमिनीयमहायुनिप्रणीत । Ch 6-
- 3457 मीमांसाग्रन्थसहितम्—(मीमांसा)  
by मुकुन्दभट्ट, with the comm  
called न्यायप्रकाश by शारदाय्यमिश्र  
ed by रामशर्मा लक्ष्मण 11 15-
- 3458 — Part I Tr 2-
- 3459 मीमांसा rules of interpreta-  
tion as applied to Hī Law by  
किशोरीशर्मा शर्मा 1920 Roy.  
pp xiv 529 xli 40-

म

3460 MEETING OF THE EAST AND West, by C जिनराजदास Ad 2-

3461 मुक्ताफल by गोपदेव with the comm of हेमाद्रि, in 2 pts, with a learned Foreword by Dr N Law, pp xiv + 361 Co 6-  
It is a compilation of about 1000 slokas culled out from among the 18000 slokas of the Bhagavata executed in such a way as to bring out establish, explain and illustrate in its several chapters those subjects that were calculated important by Bopadeva from the Vaisnava standpoint. It contains topics which are treated nowhere at all in Vaishnava literature.

The commentary *Kaivalya-dipika* of Hemadri, the famous author of the encyclopaedic treatise *Chaturvarga Chintamani* is a brilliant exposition of the aforesaid slokas of the Bhagavata arranged by Bopadeva.

3462 — (वरान्त ed by ईश्वरचन्द्र शास्त्री) Sd 3-

3463 मुक्त्यङ्गीमुभाषित (अङ्कार) Vy -2-

3464 मुक्तिवाद (न्याय) सटीक भागवतपर महाचार्य विरचित । न्यायाध्याय ९ शुद्धि-राज्याश्रयणाद्वृत्तया विवर्तयतामनुकया चोदकाख्य विवृत्यात्मकम् । Ch -12-

3465 — by गदाधर महाचार्य, ed by Pt कान्तिशङ्करजीवाय, with a learned introd two comm and Bengali elucidation. It describes the theory of emancipation according to the *Naiya*

म

(modern) *Naiyayika School* cr. pp. vi 66, 153, 3. Ss 2-

3466 मुक्तिकोषनिबद्ध शृङ्खलार्थदीप with हिंदी transl. by Pt हरिश्चकर शर्मा 1896. cr pp. 2, 64, 7.

3467 मुह्यन्मात्र (काव्य) कुलशेखरानुषरित-चित. Km 1-

3469 मुह्यन्मुह्यन्वलि (काव्य) शंकराचार्यविरचित Km2 1-

3470 मुह्यन्मनोभाषण—मीकाशपिलीविरचित. pp 74, 20. N -8-

3471 मुग्धाञ्जलि (काव्य) By ताताचार्य सिरामणि 1925 cr. pp 2, 7, 1-

3472 मुग्धोपदेश (काव्य) जयदण्डवृत्त. Km8 1-

3473 मुग्धोपदेशाकरण By वापदेव, with the comm of रामतर्कवागीश, ed with notes by शिवनारायण शिरोमणि & भाजतनाथ न्यायरत्न (1911-18) B: 4-8-

3474 मुह्यन्नेपनिबद्ध शंकरभाष्यभाषानन्द-गिरिटीकापता, नारायणविरचिता दीपिकाच । Au -10-

3475 — with शंकरभाष्य, editor's शब्दार्थविनिर्देशटीका and an exhaustive introd in संस्कृत by पाठकशास्त्रिन्. 1925 svo pp 75 Oa 1-

3476 — With गेडगार's कारिका at the मध्य of शंकर transl. into Engl. by मणिनाथ N. द्विवेदा Kt 2-

3477 — Text with शंकरभाष्य & भाषानन्दगिरि टीका ed by J Hertel with introd of 67 pages Gr 8-

3478 मुह्यन् & Text मण्डूक्योपनिषद्

य

- & transl. by स्वामी श्रवणानन्द. 1920.  
- cl. pp. 72, 19. Ad -12--
- 3479 मुद्राराक्षस(नाटक) of विशालदत्त-With  
the commentary of पुष्टिमित्र, ed.  
with an Engl. transl. critical  
and explanatory notes, an ex-  
haustive introd. dealing fully  
with the history of the drama,  
general remarks, and various  
readings by M. R. काळे, 3rd re-  
vised edn. 8vo. pp. XLIV, 154,  
2, 92, 103. St 3-8-
- 3480 — Complete text with  
exhaustive, critical, grammati-  
cal & explanatory notes, trans-  
lation and masterly introd. by  
Prof. K. V. भण्णकर. 1-8-
3481. — or the Signet Ring.  
critically ed. with explanatory  
notes transl. introd. appendices  
& indices by Prof. ध्रुव, 1929  
8vo pp. Ca 4-
- 3482 — भावबोधिनोटीका-विरचितसमा-  
लेचनसहितम् । Gbd 2-8-
- 3483 — (In the plan of Uttar-  
charitam) with an orig Sansk.  
comm. Engl. transl. critical  
and explanatory notes and an  
elaborate introd. by S. R.  
Ray. 2nd edn. 3-1-
- 3485 — Ed by खेतविकान्त भट्टाचार्य.  
Sd 2-1-
- 3486 — Ed by हरिपद चटोपाध्याय.  
Sd 1-8-
- 3487 — प. श्रीकनकलाल शर्मणाविर-  
चितया भावबोधिण्या व्याख्यया समन्वृतम् ।  
Ch 2-1-

॥

- 3488 — Text ed from Mss.  
provided with notes and an index  
of all prakrit words by Prof. A.  
Hillebrandt. 10-
- 3489 — गुजराथी transl. by  
K. H. ध्रुव. 1912. 8vo. pp. 36,  
110, 7. 3-2-
- 3490 MUDRAS: the ritual hand-po-  
ses of the Buddha Priests and  
Shiva Priests, of Klean Tyra  
with 60 full-page drawings and  
introd. by A. J. D. Campbell.  
4to Kr 12-
- 3491 मुनिपतिचरित्र गद्य (जैन) 4th edn.  
Jb 1-8-
- 3492 मुद्रुतचिन्तामणि-- (ज्योतिष) श्रमिद्  
गोविन्दविरचितपिड्यकाराख्ययाख्ययासहितः  
प. श्रीधनुषमिश्रकृत युक्तिमञ्जरीसनायका  
नवीन गणित विषयांशपर्याय विषय्या समु-  
हृतः । Ch 3-
- 3493 — श्रीवैद्यनाथमाचार्य विरचितः ।  
धेनेव इत्यादि श्रमिताक्षरा टीकासहितः । प.  
अनुपमिष विरचितया शुचिभूतारख्य विष-  
यासहितः । Ch 2-
- 3494 — श्रमिताक्षराटीकासमेतः । Gb 2-
- 3495 — श्रीधनुषारासहितः । Gbd 4-
- 3496 मुद्रुतमल्लहः (ज्योतिष) सटीक, श्रीम-  
तीशिक कुलकुमुद चन्द्रनारायण विरचित ।  
तत्त्वतयेव भावार्थद्वयभारख्यया व्याख्यया  
सुदृढीकृतः । Ch 8-
- 3497 सुतिषण्ढन ससूत (रा. सा ) Vy -2-
- 3498 मृदुगान्धारीये- सप्तहण्डः Sw 1-1-
- 3499 मृदुगमाफण, ध्रुवमात्र 2-
- 3500 Mutual relations of the  
four castes according to मानवधर्म-  
शास्त्र. by Hopkins G. W. 1881.  
Roy. pp. vi. 114. 3-

म

- 3501 MAKING OF THE संस्कृत POET  
by F. W Thomas 8vo. pp 375-  
386 -8-
- 3502 मेयारथेनिस and कौटिल्य (German)  
by Sten, O Gr 9-
- 3503 मेरूत (काव्य) कालिदासकृत मल्ली-  
नायकतसजिविनादिकोषः । 8vo pp 87,  
43 N -8-
- 3504 — With introduction  
notes & transl. by Prof शठक  
1918 2nd edn 8vo pp xxvii.  
114 Oa 1-4-
- 3504a — Text with comm.  
of मल्लिनाथ, and notes in Engl  
by G R बंदर्गिकर Gn 1-8
- 3505 — with the comm of  
मल्लिनाथ ed with various readings,  
full introd literal Engl. transl.  
copious, explanatory and gram-  
matical notes, five appendices by  
B G शेर & V R नेरुकर St 1-8-
- 3506 — A critical and up to-  
date edn with extracts from  
important and unpublished  
commentaries Ss
- 3507 — (सत्यक) Ed by शुक्रनाथ  
काव्यतीर्थ Sd 1-4-
- 3508 — Ed by लालभाइन  
विधानिधि Sd 1-
- 3509 — Ed by (ब्रह्मसूत्रादिसह) हरिदास  
निदाम्तनगीता Sd 1-4
- 3510 — (राकाचविक्रमसहितम्)  
ed by हरिपद चट्टापाध्याय Sd 1-
- 3511 — (In the plan of किरात-  
जुनायम् ed with malli's commen-

म

- tary, transl & critical notes &c.  
by S. Ray 2-
- 3512 — with comment of  
मल्लिनाथ हरि 8vo. pp 72. Md -12-
- 3513 — सटीक Vy -8-
- 3514 — साय cr pp 52 -8-
- 3515 — Ed. from Mss with  
the comm of वल्लभदेव and provid-  
ed with a complete Sanskrit  
English vocabulary by Hultzsch  
E 1911 8-12-
- 3516 — or cloud messenger,  
ed with the comm of मल्लिनाथ by  
K. S भाटवडेकर. 1866 8vo pp  
92, 29 rare 5-
- 3517 मेघसन्देश (काव्य) of कालिदास with  
the commentary प्रदीप of दक्षिणावत-  
नाथ Tr -12-
- 3518 — with the elaborate &  
critical comm विप्लवता by इण्ण-  
स्वति cr 8vo pp 209 Vt 1-8-
- 3519 मेरुसंदेशविमर्श (काव्यशुणादश) by  
R. कृष्णभाचारियर 1915. cr pp  
100. Vt 1-8-
- 3520 मेदिनीकोश — ( नानार्पकाय ) by  
मादनाकार 1-8-
- 3522 मेरुसन्ध—(स्तोत्र) Vy -8-
- 3523 मेरुशतशर्माख्यान (चैन) of क्षमा-  
कल्याणजा Jb -4-
- 3524 "Matrical translations from  
Sansk. writers ' with an introd  
and many prose parallel  
passages from classic authors,  
by Muir J 1879 (rare) 20-
- 3525 Medicine by jolly J 7-

- म  
3526 Media, Babylon and Persia, including a story of the Zend-avesta or religion of Zoroaster, from the fall of Nineveh to the Persian war, by Regozini Y. 4th edn. 8vo. pp. XXII, 467. 7-8-
- 3527 MEDIAEVAL INDIA under Mohammaden rule by Lane-poole S. cr. pp. VIII, 449. 7-8-
- 3528 MEDIAEVAL HINDU INDIA by C. V. Vidya Vols 1-3. 22-8-
- 3528a — Researches from Eastern Asiatic sources by Bretschneider E. 1888. 2 vols 15-
- 3529 MEMOIRS of the life, writings and correspondence of Sir William Jones by Lord Teign Month 1806. pp. xv 531. 20-;
- 3530 Memoirs of the Archaeological survey of India. भाष and authorship of the 13 विज्ञेयन plays by हिरानन्द शास्त्री. 1924. Sup. Roy. pp. iii. 31. Gt. -14-
- 3531 — of the Archaeological survey of India Hindu Astronomy by G. R. Kaye. 1924. No. 18. Roy. pp. ii. 134. Cr 3-
- 3532 — Of the Archaeological survey of India—The Indus valley in the वैदिक period by रामप्रसादचन्द्र. 1926. No. 31. Cr -8-
- 3533 — Of the Archaeological survey of India—Varieties of विष्णु Image by Pt. B. B. विद्याविनोद. 1920. No. 2. Roy. pp. pp. 23-33 Cc -12-
- 3534 — Of Jahangir. by Rogers A, ed. by H. Beveridge. 1909. vol. I, and II, Ra 9-8-
- 3535 THE MESSAGE of Buddhism the doctrine of बुद्ध, धर्म & धर्म by विष्णुभक्त. ed. by Ellam. Roy. 16mo. Kp 2-
- 3535a THE MYTHOLOGY of the Aryan Nations. by Cox G. 1903. 10-8-
- 3536 Method of Aryan research (German) by Hertel J. Gr 5-
- 3537 MEN AND THOUGHT IN ANCIENT INDIA. by Prof. रामप्रसादचन्द्र. Illustrated. cr. 8vo. Mm 6-
- 3538 MAIN RESULTS of the modern वैदिक researches by R. शेट. 1870. 8vo pp. 51, III. Cb 5-
- 3539 मेनेत्रे A story illustrating the theology and social life of Vedic Hindus. by Pt. सतीशचन्द्र शर्मा. Ad
- 3540 मेनेत्रेसमिति ( German ) by Laumann. 2-
- 3541 मेनेत्रेसंहिता edited with orig Sanks. Text, introd notes and full index of words by Dr. Schradre. vols. 4 Roy. pp. 169, 312 21-
- 3542 मेनेत्रे or मेनेत्रेसंहिता with the commentary of रामतीर्थ, ed.

- म  
by E B. Cowell, 2nd edn revised  
by M M सतीशचन्द्र विद्याभुषण  
(1913-1919) *Bi* 1-8-
- 3543 MOGHUL ARCHITECTURE OF  
फतहपुरशिको part I IV. *Gi* 74-
- 3544 MOGHUL COLOUR DECORA-  
TION by Smith PART I *Gi* 22-
- 3545 MOGHUL ADMINISTRATION  
by J N सरकार 1929 8vo pp  
VII 264 *Cu* 3-
- 3546 मोहपराजय An allegorical dra-  
ma describing the overcoming  
of King Moha [Temptation]  
or the conversion of कुमारपाद,  
the चाहक King of गुजरात to  
Jainism, by यशपाल an officer of  
King भोजपदेव son of कुमारपाल  
who reigned from A D  
1229 to 1232 ed by मुन चतु-  
विजयभा, with introduction and  
appendices by O D बल्लभ 1918  
*Go* 2-
- 3547 माह-मुद्रा or Panacea for  
distractedness of P शक्राचार्य with  
बंगाल हिदा, and Engl transl  
by D D Roy 1888, cr pp 16  
1-2-
- 3548 मोक्षमसारोद्धार मूल 1-10-
- 3549 महाधनपथम् (नाटक) म म श्रीपरवस्तु  
वैकटरगाचार्यविरचितं । सप्तकनाटक ।  
तत्पित्राण वक्तरगनायकश्रीमिनार्यवरगुरुणा  
कृतदा लघुलिपिण्या च छायेया च समत ।  
8vo pp 96 *Vz* 1-
- 3550 मन्त्ररामायण वैदिकमन्त्र *Vu* 1-
- 3551 मन्त्रमहोदधि सप्तकशटिण्ण, मातृक  
कार तथा अनुष्ठानिक यज्ञोत्तमेत । *Vy* 5-
- म  
3553 मन्त्रयोगसहिता with हिदा transl  
1915 8vo pp 2, 4, 154 6 1-  
3554 मन्त्रमहोदधि, सटीक  
5355 मन्त्ररामायण—श्रीत्रिविक्रमपट्टाक्ष-  
प्रणीता. *N* -10-
- 3556 मन्त्रार्थमञ्जरी—by राघवेन्द्रस्वामि  
An orig comm on the first 40  
sakhas of ऋग्वेद The purchase of  
कृष्णाप्यमूल & कृष्णाप्यटीका together  
is quite indispensable as each  
of them is a help to the other  
*Mu* 3-
- 3557 मन्त्रमितयतकम् (स्तोत्र) by दुर्वास  
*Vu* -2-
- 3558 मन्त्ररामचन्द्रचम्पू—शास्त्राणकविहृत  
8vo pp 10, 196 *N* 1-8-
- 3559 Man and the universe by  
Sir Oliver Lodge *Pl* 1-8-
- 3561 Manual of Hindu Pan-  
theism, the ब्रह्मसंहार translated  
with copious annotations by col  
Jacob 4th edn *Of* 10-8-
- 3562 Manual of Buddhist Philo-  
sophy by W M McGovern  
1923 (all out) *Kp* 7-14-
- 3564 — of Buddhism with  
introd by Prof Edmund Mills  
cr 8vo *Kp* 2-
- 3565 — of Indian Buddhism  
by Kern H (*Grundriss S*) 9-
- 3566 — of Hindu Ethics by रा  
चन्द्रावरकर 1925 cr pp III, XVII,  
160 *Oa* 1-4-
- 3567 MANUAL OF MUSALMAN  
Numismatics by Cordington  
1906 8vo *Ru* 7-4-

म

- 3568 MANUAL OF पद्य by C V. Joshi 1915 cr pp iv 154 2-
- 3569 MANUSCRIPT REMAINS OF BUDDHIST LITERATURE found in Eastern Turkestan Facsimiles with transcripts transl and notes ed in conjunction with other Scholars by A F R Hoerle. With twenty-two plates vol I parts I & II Manuscripts in Sansk Khotanese Kuchean, Tibetan and Chinese 1916 crown 4to ( 10 x7 ) pp xxxvi + 412  
Of 31-8-
- 3570 MAXIMS OF WORLDLY WISDOM OF INDIA (German) which are known as वाचस्पय्य with remarks on the collection of a phorisms in different recensions and a translation of one of them, by Krossler O Gr 2-8-
- 3571 MATRIC SANSKRIT PAPERS (1900-1917) of BOMBAY UNIVERSITY with solutions by गुरुकर  
Gr 14
- 3571a — by Kale 1862-1923 Shri Krishna 1-12-
- 3571b — by L R Radhakrishnan 1917-1926 Oa 1-
- 3572 THE MUSIC OF INDIA by Herbert A. Popley 1921 crown 8vo (7 x5) pp x+174 with 12 illustrations 2-8-
- 3573 THE MUSIC OF HINDOSTAN with fourteen plates, two tables,

म

- a portrait of Rabindranath Tagore, numerous musical examples & appendices glossary, and an index by A H Fox strangways 1914 8vo ( 9x6 ) pp 376 Of 16-8-
- 3574 MUSEUM OF ARCHAEOLOGY AT बाराणसी by Dayaram Sahani G 3-12-
- 3575 — of Archaeology at बाराणसी G 5-8-
- 3576 — of Archaeology at मथुरा G 3-8-
- 3577 मृगयानन्दम् Km
- 3578 मृच्छकटिक—(नाटक) आश्वकधर निरचित गुप्तसम्वत् दिकारहित pp 260 6 2 N 1-4-
- 3579 — Text with the comm of गुप्तसम्वत् and Engl notes by H मृगयानन्द and K P पर्व N 2-
- 3580 — With commentary, Engl notes and transl by M R काल G 5-4-
- 3581 — With Engl transl and notes by S V कालाकर and V S कालाकर 1919-20 cr pp 2 108 181, xii 3-
- 3582 — Edited with a संस्कृत comm by गुरुचरित्र द्वायद्वय and an exhaustive introd dealing with all important points about the author and the text and notes in Engl by V G पर्वते 1909 8vo pp 2, 24, 334, 5, 6, 95 12 Oa 3-8-



- म  
3583 — Ed by हरिवंश सिद्धान्त-  
वागीश Sd 2-  
3584 — ON THE LITTLE CLAY  
CART A Hindu Drama attri-  
buted to King Śaundraya Transl  
from the orig Sansk. and Pra-  
krit into Engl prose and verse,  
by A. W. Ryder 1905 pp  
xxx+177 Ho 12-12-  
3585 — French Transl by P.  
Regnaud, 1877, pocket size 4  
parts 4-  
3586 मृत्युमञ्जरी V, -2-  
3587 मयूर the मयूर poems of see  
The मयूर poems of मयूर  
3588 मराठा, the administrative  
system of, see—The Administra-  
tive system of the मराठा 12  
3589 — the history of see—  
The history of the मराठा  
3590 मयूर Power, the rise of see—  
The Rise of the मराठा Power  
3591 — People a history of,  
see—A History of मराठा People  
3592 — Saints the psalms of,  
see—The Psalms of मराठा saints  
2177  
3593 महाभारत an essay on the  
art, style and varification of,  
see—An essay on the art style  
and varification of महाभारत 917  
3594 — An index to, see—An  
Index to महाभारत 461, 493  
3595 — the 19 books of see—  
The 19 books of महाभारत 2952  
3596 — a history and criticism  
म  
of, see—A history and criti-  
cism of महाभारत  
3597 — Indian Mythology ac-  
cording to, see—Indian my-  
thology according to महाभारत  
530  
3598 — Prospectus to a new  
and critical study of, see—  
Prospectus to a new and criti-  
cal study of महाभारत 2720  
3599 — the selections from  
see—The selections from महाभारत  
3600 महायान Buddhism, an introd  
to, see—An introduction to  
महायान Buddhism 567  
3601 — Buddhism and ईशान, a  
historical study of the term  
in, see—A historical study of  
the terms in महायान Buddhism  
and ईशान.  
3602 महात्मा Ancient Geography  
and Civilisation, of, see—Ancient  
Geography and Civilisation of  
महात्मा 892  
3603 मयूर, the glories of, see—The  
glories of मयूर 1592  
3604 मयूर, A literal Engl trans-  
lation of see—A literal English  
translation of मयूर  
3605 मयूरवृत्ति, an essay, see—An  
essay on मयूरवृत्ति 932  
3606 MODERN INDIAN POETRY,  
the anthology of, see—The An-  
thology of modern Indian Poe-  
try  
3607 MODERN SCIENCE, the प्रगति  
in the light of see—The प्रगति

- म  
in the light of modern science.  
3608 Manasara silpashastra, Indian architecture according to, see—Indian Architecture according to Manasara silpashastra. 509.  
3609 MAGI, the treasure of, see—The treasure of Magi. 1811.  
3610 मंगल Empire, the travels in, see—The travels in मंगल Empire. 1808.  
3611 — Numismatics, historical studies in, see—The historical studies in मंगल numismatics.  
3612 — Indian painting under, see—Indian painting under the मंगल. 532.  
3613 — Emperors, the coins of, see—The coins of मंगल Emperors. 1063.  
3614 — India, the studies in, see—The studies in मंगल India.  
3615 MEDIAEVAL SCHOOL of Indian logic, a history of, see—A history of mediaeval school of Indian Logic  
3616 MEDICINAL PLANTS, Indian, see—Indian medicinal plants. 529.  
3617 MEDIAEVAL Hindu India, a history of, see—A History of Mediaeval Hindu India.  
3618 MUSALMAN numismatics, a manual of, see—A manual of Musalman numismatics. 3567.  
3619 MANUSCRIPTS in the central
- य  
Library Baroda, a descriptive catalogue of, see—A descriptive catalogue of manuscripts in the Central Library. 1384.  
3620 MID-INDIAN क्षत्रिय tribes, ancient, see—Ancient mid-Indian क्षत्रिय tribes. 906.  
3621 यजुर्वेद अनुक्रमणिका. *Am* 1-  
3622 — *Am* -8-  
3623 — ( *Whole* )—transl. by T. H. Griffith. *Lx* 4-  
3624 यजुर्वेदसंहिता (वैदिक) वाजसनेयी. *Vy* 4-  
3625 यतिधर्मसंग्रहः । (धर्म) विश्वेश्वरसरस्वति हृतः । *Aa* 1-12-  
3626 यतिछिगलसमर्पणम् । (वेदान्त) *Sw* -4-  
3627 यतीन्द्रमतदीपिका । (वेदान्त) अम्यकरोपाधवासुदेवशास्त्रीविरचितप्रकाशाल्पव्याख्यासमेत । *Aa* 1-4-  
3628 — or the light of the the school of श्रीरामानुज, translated by A गोविन्दाचार्यस्वामि. 1912. cr. pp. xxiv, 175. *Ms* 8-  
3629 यमुनायक—(स्तोत्र) श्रीशंकराचार्यकृत. *N* 4-  
3630 — सटीक *VI* -6-  
3631 यमुनासहस्रनाम *Vy* -3-  
3632 यशस्तिलक (जिन) श्रीसोमदेवद्वीविरचित, श्रीसुतसामर्थ्यकृतन्याख्यासहित. एवं and उदात्तपण्ड. *N* 6-8-  
3633 यशोधरचरित्र (जिन) of माणिक्यधर. *Jb* 2-  
3634 यज्ञ by Boyer M. *Fr* 1-8-  
3635 याज्ञवल्क्योपनिषद्—( उपोनिषद् ) सोमाकर मुपाकर भाष्यसहित । आचर्य्योपनिषद् मुपा-

य

- करमायेण तल्लघूविषयेन च सहित । म म  
सूधाकरद्विवेदिसंशोधितम् । *Lz* 1-4-
- 3636 यात्राप्रबन्ध ( गय ) समस्तगुणवर्णित  
विरचित *N*
- 3637 यादवाभ्युदय—(काव्य) of आवेकान्त  
देशिक with the comm of अपय  
दीप्ति 2 vols *Vv* 3-
- 3638 याज्ञवल्क्यस्मृति (धर्म) With two  
comments (1) मित्रमिश्रा's वीरमेघोदय  
and (2) विश्वानेश्वर's मिताक्षरा ed by  
Pt नारायणशास्त्री सिस्ते and Pt.  
अण्णापशास्त्री होसिंग *Ch* 7-
- 3639 — मिताक्षरानाम व्याख्यासहित ।  
pp 4, 21, 402, 29 *N* 2-8-
- 3640 — अपराकं व्याख्यासहित  
vols I & II. *Aa* 13-
- 3641 — With the comm बाळ-  
कीडा of विश्वरूपाचार्य *Tr* 7-12-
- 3642 — orig संस्कृत with Engl  
transl by B O बच् and comm  
of विश्वानेश्वर called मिताक्षरा and  
gloss of बाळमङ्ग Roy 8vo  
*Po* 1-8-
- 3643 — 1 Achara Adhyaya  
with the commentary Mitak-  
sara and notes from the gloss  
of Balamhathi, transl for  
the first time into Engl with  
copious explanatory and critical  
notes by the late R B श्रीरामचन्द्र  
दियारल *Po* 15-
- 2-प्रायश्चित्त अध्याय, with the comm  
entary Mitaksara, transl into  
Engl 10-
- 3-अवशातध्याय, *Dayabhaga* (Inheri-  
tance) with the commentary,

य

- Mitaksara and gloss Balam  
bhathi, transl into Engl toge-  
ther with word meanings and  
summary of cases decided in  
law courts by श्रीरामचन्द्रदियारल  
and मोहनलाल सण्डाल 3-
- 3644 — मिताक्षरा त्रयरीकारणा ।  
*Vj* 10-
- 3645 YAJNAVALKYA'S GESETZBUCH  
Sanskrit and German heraus-  
gegeben von Prof Dr Stenzler  
1849 8-
- 3646 YUAN CHWANG'S TRAVELS  
by Watters ed by T W Rhys  
Davids and S W Bushell  
1904-5 vols 2 *Ra* 19-
- 3648 युक्तिरूपक of king राज ed.  
by Pt ईश्वरचरणशास्त्री with a for-  
ward by N N Law 8vo pp  
31 238 *Co* 2-8-
- The work deals with diverse subjec-  
ts of secular interest such as a few  
topics relating to polity construc-  
tion of buildings and selection of si-  
tes therefor articles of furniture  
precious stones ornaments weapons  
draught and other animals vehicles  
ships ship building etc
- 3649 युक्तिमञ्जरी by श्रीशिवाराजस्वामि  
with the comm of सुर्योत्तमतार्थ the  
brother of the author This is a  
very interesting metrical work  
dealing with the teachings of  
the सूत्रमार्ग etc from the stand-  
point of the ordinary experience  
*Pu* 12-
- 3650 यदिसन्तिक ( 60 verses of

य

- don't's transl. from chinese texts)  
by Schnaeffer P 6-  
3651 युगलपुष्पम् । ( कथा ) Su 4-  
3652 योग and its object by श्रीअरवि-  
घोष 8  
3653 — As Philosophy and  
religion by सुव्रणाथ दासगुप्त. 8-9-  
3654 — दर्शन By गणनाथ झा 1-8-  
3655 — Lessons for develop-  
ing spiritual consciousness by  
सुकर्मी 3-12-  
3656 — Lower and Higher by  
K नारायणस्वामि अय्यर. 1-8-  
3657 — A study of the Mysti-  
cal Philosophy of the Brahmins  
and Buddhists by J F C  
Fulcr 4-8-  
3658 — Methods how to prosper  
in mind, body and Estate  
by R D Stoeuer 1-2-  
3659 योगसारसंग्रह of विद्यानाथशु Text  
and Translation by गणनाथ झा  
Ad 1-  
3660 योग Aphorisms of पतञ्जलि,  
transl. into German by Dr. F  
Hartmann 7, 2-  
3661 — Aphorisms of पतञ्जलि  
An interpretation by W R  
Judge 1920. cr pp xx 74 5.  
Cc  
3662 योग aphorisms of पतञ्जलि,  
द्वारा in Roman ch with german  
transl by Dr Oesperman 1908  
Roy pp 8, 64 Leipzig 2-  
3663 योगउपनिषदः Sanskrit-Deva-  
nagari ( 1 अद्वैताख्य. 2 अमृतानन्द  
३ अमृतविन्दु, 4 त्रिशिखमाह्वय, 5 तेजो-

य

- विन्दु, 6 दर्शन, 7 ध्यानविन्दु, 8 नाशविन्दु,  
9 पाशुपततन्त्र, 10 मन्त्रविद्या, 11 मण्डल-  
नाम 12 महावाक्य 13 योगकुण्डलि,  
14 योगब्रह्मणि, 15 योगतत्त्व, 16 योग-  
विज्ञा, 17 वराह, 18 शांतिद्वय, 19 हस  
& 20 ध्रुविक, ) edited with श्रीउप-  
निषत्तन्त्रवागी's commentary by  
Pandit A Mahadeva Shastri  
This Volume contains the twenty  
out of 108 Upanishads which treat  
especially of Yoga of various kinds.  
The commentary is lucid and full A  
full analysis of contents and an  
index Cloth with gault letters demi  
octavo pp 630 Ad 5-  
3664 योग Philosophy a treasure  
on the Ad -8-  
3665 — — explained with the  
help of the modern sciences by  
Dr Paul R/ -8-  
3667 — as philosophy and  
Religion by S N Dasgupta  
8vo pp x, 200 open 7-10-  
3668 योगचिन्तामणि by श्रीमच्छिष्यानन्द  
सरस्वती, ed by श्रीहरिदासविद्यावागीश  
भागवत्तार्क 8vo pp 282 Cc 3-  
3669 योगतत्त्वसंग्रह(मराठी) of वा चि गोपाळ,  
publ by श्री श्री गोपबेकर 1897  
अध्याय 14 8vo pp 3, 10 322 3-  
3670 योगदर्शनम् । ( योग ) दृग्यपादभागवत्त-  
न्त्रानुसृतपञ्चमितीतम् । श्रीमद्भाष्यसहितमि-  
तिरचिततत्त्ववेत्तारय्यास्वामिपुत्रित । महर्षि  
कृष्णद्वैपायनप्रणीत भाषाकृतम् । दृग्यपाद-  
स्वामि श्री २०८ बाल-रामोदासीन विरचित  
विषयस्थल टिप्पणी सप्तमं कृतम् । ( rare )  
Ch 8-  
3671 — With a commentary

य

called योगमिन्दुलचन्द्रिका by स्वमि  
नारायणतीर्थ. *Ch*

- 3672 — The सूत्रा- of पतञ्जलि  
with the भाष्य of व्यास transl in-  
to Engl with notes from, 1 वासपति  
मिश्रा's तपविशारदि, 2 विनानभिधु's  
योगमार्तिक and 3 भोजा's गजमानन्द by  
गगनाय झा 1907 8vo pp. xiii  
161, 2 *Ri* 1-8-

- 3673 योगशास्त्र-शिरसाहिता Orig with  
Engl transl by S C बन्य 1914  
Roy pp 87. *Po* 1-8-

- 3674 — A Jam work, with  
the commentary called रसोपज्ञा-  
विवरण, ed by दिजयचम्रेसुरि (1907-  
1921) 6 fasc *Bi* 7-8-

- 3675 योगसारमण्ड भाविज्ञानभिधुनिराचित ।  
*Ch* -8-

- 3676 — or the Philosophy of  
योगशास्त्र being one of the rare  
treatises by विज्ञानभिधु the great-  
est authority on the शास्त्र and  
योगशास्त्र with Engl transl by  
गगनाय झा *Ri* 1-4-

- 3677 YOGA—SYSTEM OF PATAN-  
JALI, or the ancient Hindu  
doctrine of concentration of  
mind embracing the mem-  
oric rules, called Yoga sutras  
of Patanjali, and the comment  
called Yoga bhasya, attributed  
to Veda Vyasa, and the explana-  
tion, called Tattva-vacarana  
of Vachaspati Misra, translated  
from the original Sanskrit by  
Prof James Haughton Woods

य

1914. Roy 8vo pp 422

*Ho* 18-

- 3678 योग सूत्रा of 'पतञ्जलि transl. by  
Prof मणीमोहन N द्विवेदी with notes  
explaining fully the meaning  
of each सूत्र with the help of व्यास's  
comm and other works by sub-  
sequent writers He has also  
brought to bear on the subject  
the light of modern research  
wherever necessary *Ri* 1-

- 3679 — *Be* 4-

- 3680 योगसूत्राणि, भाषागणेशश्रुति, नागार्जुन  
भट्टविरचित *N* 14-

- 3681 — or a treatise on prac-  
tical योग consisting of (1) An  
introd. to योग philosophy (2)  
शिरसाहिता and (3) वरण्डसाहिता with  
the original text and Engl  
translation by R B श्रीरामचन्द्र  
विचारल. *Po* 7-

- 3682 योगसूत्रपाठ, श्रीपतञ्जलि महाशुनि  
प्रणीत । *Ch* 3-

- 3683 योगसूत्रश्रुति (योग) named योगसूत्रा-  
कृत by भासदशमेन्दुसरस्वति with a  
life sketch in संस्कृत crown 8vo  
cloth *Pt* 1-8-

- 3684 योगसूत्रावर (वैयक) *Aa* 5-

- 3685 योगवृत्तिसङ्घ—(वेदात्त) वासिष्ठमहा-  
रामायणतत्त्वप्रकाशव्यासविरचित. 2 vol-  
s. 4, 4 771 *Li* 14-

- 3686 — With comm printed  
in large types, unbound loose  
leaves *Gn* 13-

- 3687 — लघु, Engl transl by  
K नारायणस्वामि जगन्मय *Ad* 2-4-

- य  
3688 योगवार्तिकम्, सकलतन्त्रविषये. सा-  
ख्यप्रचनभाष्यकोविदानभिधुमि सवितर  
योगवार्तिकनामव्यासभाष्यस्य व्याख्यानसु-  
पनेत्यम् । य रामकृष्ण शास्त्रिणा य  
कदाशक्तिविद्या च सशोभितम् । L- 3-
- 3689 योगनिर्द्दयदीपिका By अमृतानन्द,  
being a comm on योगनिर्द्दय, a  
वामकेश्वर Tantra, in two parts, ed  
with introd by G. N. कनिराज.  
8vo pp 6, 161 308 Sb 2-2-
- 3690 Yogic साधन (Reprinted) ed.  
by the उत्तरायोगी 1920 cr. pp 56,  
vii. -12-
- 3691 योग an introd to, see-An  
introd. to योग. 577.
- 3692 — the aphorisms of,  
see-The aphorisms of योग 152
- 3693 — philosophy, a treatise  
on, see-A treatise on योग Philoso-  
phy 1810
- 3694 योगसूत्राणि of पतञ्जलि an in-  
troduction to the study of, see-  
An introduction to the study of  
योगसूत्राणि of पतञ्जलि. 576
- 3695 रङ्गादि श्रीरामसङ्गन्धनम्, महामा-  
नन्द Vj -3-
- 3696 रघुवरा (काव्य) काण्डासङ्गत, महिनाथ-  
कृत सर्जनी टीकासहित सङ्ग्रह  
N 2-4-
- 3697 — सूत्रमक्षर pp 276 N 1-4-
- 3698 — महिनाथकृत सज्जित्या समेतम् ।  
8vo pp 338 Md 1-
- 3699 — with commentary, Engl.  
notes and transl by M R कटि-  
cantos VI-X. Gn 3-8-
- 3700 — with commentary, Engl
- य  
notes & transl by M R कटि-  
cantos I-V Gn 3-8-
- 3701 — Ed with the comm-  
entary सर्जनी of Mallinath, with  
aliteral Engl transl copious  
notes, and various readings, in  
संस्कृत & Engl by M. R. कटि  
1924 cantos XI-XV  
Shri Krishna 3-8-
- 3702 — महिनाथकृत-सर्जनी  
समाख्यया टीका सहितम् 1880 2nd  
edn 8vo pp 700 Cc 3-8-
- 3703 — ब्रह्मगिरीनाथ-सर्वानसहि-  
तम् सर्गो 1-6 Vd 2-
- 3704 — with a comm called  
(1) सर्जनी by महिनाथ (2) and  
भावोपनिषद् विषया by य कनकलाल  
ठाकुर complete, ed by य रामतीजा  
पाण्डे. Ks 1-4-
- 3705 — With two comments.  
(1) सर्जनी by महिनाथ and  
(2) भर्षप्रकाशिका by Pt कनकलाल  
ठाकुर (1 to 5 सर्गो). Ed. by Pt  
कनकलाल ठाकुर A. -12-
- 3706 — दण्डानन्दन महिनाथकृत सर्जनी-  
व्याख्यानरूपा च समद्वन्द्वितम् । (सङ्ग्रहम्)  
1914 3rd edn सर्गो 1-19 8vo  
pp 299, 4 Gu 1-4-
- 3707 — दण्डानन्दन महिनाथकृत सर्जनीविषया-  
रचनारचनासहितम् । (पञ्चसर्गात्मकम्)  
Gu -8-
- 3708 — सर्गो 1-19 each Vv -3-
- 3709 — Text containing trans-  
lation, etymological, explana-  
tory, lucid & orig. notes, full  
introd. & a map at the time of

- र  
कालिदास by Prof N H प्रन्नेर.  
1925 3-
- 3710 — Ed with marginal  
foot notes, summary of each  
canto list of unfamiliar sans-  
krit words 'Likely questions  
on text and questions on general  
study of text with solutions  
literal transl of verses, extracts  
from the comm of Mallinath and  
metres by तादकर 1925 cantos  
I V cr pp iv, 96 55 74  
Bd 2-12-
- 3711 — Explanatory notes in  
English and sanskrit ( cantos  
1 to 15 ) and Har-hacharita  
by K D शास्त्रा 1883 8vo pp  
Bn 1-
- 3712 — सटाक cantos 1 to 10  
Pt I and II Vy 1-8-
- 3713 — Text with Engl trans-  
lation cantos 1-V Roy pp  
118, 32, 24 Oa 1-8-
- 3714 — सटाकाशुक्ताम् by नवानचन्द्र  
विचारन भट्टर्ग Sd 2-
- 3715 — Ed by नवानचन्द्र सगा  
10-13 Sd 1-
- 3716 — (सटाकाशुक्ताम्) ed by  
शारदारणजनराय सर्ग I Sd 1-4-
- 3717 — (चन्द्रिकासह संग्रह) ed by  
हरिप्रद चट्टपाध्याय Sd 2-8-
- 3718 रघुशर्मिण—( काव्यगुणादर्श ) by  
R कृष्णस्वाचाय 1908 cr pp ix  
143 Vv 1-
- 3719 रघुवीर्यायम् गुरुद्वयक by व  
कृष्णस्वाचाय 1911 Tm -4-
- र  
3720 रघुश and दशरूपचरितम् the  
geographical data, by M collins  
2-
- 3721 रघुवीरचरितम्—(कार) Tr -14-
- 3722 रघुनाथ त्रिजयचरु (चर) Gn -10-
- 3-23 ——— Vj -8-
- 3724 रघुनाथद्वयद्वय by दुर्गाध काव्य  
तीर्थ Sl 1-8-
- 3725 रत्नवय, भोगशरिका नादशरिका  
मोक्षशरिका and परमाभिरामशरिका  
(जागम) with Commentary cr 8vo  
Vl 1-8-
- 3726 रत्नपञ्चन or मोषानपञ्चन सभाष्य,  
विद्वद्भगवानन्दद्वय or शिवानन्दद्वय,  
भक्त्योर्वीसारस्तवह कार्पाणरञ्जन एको  
विष्णुरितिपद्यस्य श्रीनिवासायन व्याख्यान  
by श्रीशकटाचार्य N -3
- 3727 रत्नशेखरचरित्र गण पत्र ( जैन ) of  
दयाचन्दनगणी Jb 1-2-
- 3728 रत्नावली—( नाटक ) सगा of श्री  
हृदयेश रत्नावली—प्रभास्यव्याख्यासंस्कृत  
8vo 4, 8 202 2 A 1-4-
- 3729 — with an original com-  
mentary transl notes etc, by  
B R विद्यावन्दे Ad 2-14-
- 3730 — With an introd  
transl notes and appendices  
by C R दक्षर and N G दुर्गा  
1925 2-8-
- 3731 — Ed with an original  
commentary translation notes  
an elaborate introduction by  
S Ray Cc 2-14
- 3732 — Ed with notes Engl &  
Bengali transl by S T

- र  
निवास 1903 8vo pp 6 1  
XXI, 79, 81 104 Gc 2-
- 3733 — Ed with exhaustive  
introd = new sanskrit comm.  
various readings a literal  
Engl transl copious notes &  
useful appendices by M R  
काठ 1921, 8vo pp XXX 4  
2, 113, 2 60 84 St 3-4-
- 3734 — With notes in Engl  
Acts 1-4 8vo pp 3, 83, 17, 2.  
Mt 1-8
- 3735 — ( टीकासहिता ) ed by  
कृष्णनाथ व्यासपञ्चानन St 1-4-
- 3736 रतिनीतिमुद्रक, संस्कृत with मराठी  
transl by केमकरशास्त्रा 1-
- 3737 रतिमन्मथ— ( नाटक ) छायासमस्तम् ।  
पंडित जगन्नाथ निरचित । Gn -10-
- 3738 रतिरत्नप्रदीपिका—( कामशास्त्र ) of  
दत्तराज Text with Engl transl  
by रंगस्वामि भयनगर 1922 cr pp  
2, 45, 58 5-
- 3739 रतिरहस्यम्—( कामशास्त्र ) or the  
secret of sexual pleasure by  
श्रीरामदास with notes & comm  
दीपिका by कश्चिनाथ 1912 8vo  
pp 5 228 Mt 4-
- 3740 रतिविजयम्—( नाटक ) A Sanskrit  
Drama by K S रामस्वामी खसी-  
गं cr 8vo V<sub>2</sub> 4-
- 3741 रतिसिद्धान्तमञ्जरी ( ज्योतिष ) of मधु-  
रानाथ शर्मा, ed by विश्वम्बर ज्योतिष-  
रत्न 1911 B<sub>1</sub> -12-
- 3742 रवीन्द्रनाथ टागोर, Poet, patriot and  
philosopher by K S रामस्वामी
- र  
शास्त्री. crown 8vo pp 250-  
cloth V<sub>1</sub> 1-
- 3743 — His life and work,  
by Edward Thompson, Reader  
in Bengali, University of Ox-  
ford with portrait cover crown  
8vo pp As 1 8-
- 3744 रसभाष्य ( वैयक ) भाषिपरम्पर हानचन्द्र  
सर्मणाधिरचित । इय हि रसकौमुदा ग्रन्थ-  
कारेण चतुर्भिर्द्विभक्तौ समपिता । अस्या च  
प्रथमे द्विभक्तौ रसात्पत्ति सविस्तर निरूपिता ।  
द्वितीये द्विभक्तौ च पारदर्शना तद्वाचस्पतीय-  
कोषाया नव सकारा प्रवर्णिता । तृतायेऽ  
त्रिभक्तौ च लोहपाशाण्यन्धकाप्रकाशिता  
सोधनमारणम् । सर्वपाषाणीसत्त्वपातनम् । विविध  
वर्णाधारका क्षतमारणप्रकारा इत्येवमादयो  
त्रिविधा निरूपिता । चतुर्थे द्विभक्तौ च जग  
न्मोहन — बण्डुख सार्वभौम — नवप्रथ लोको-  
त्तर बहुलैर्गुणैः पञ्चपाण — प्रप्राञ्च त्रैलोक्य  
चिन्तामणि महाकाण्डा नवद्वया रक्षा प्रपञ्च  
वृत्तकला प्रतिपादिता । Mt 1-
- 3745 रसगोप्य—( अलंकार ) A treatise  
on the art of poetical composi-  
tion by प जगन्नाथ with a com-  
mentary called गुह्यमर्मप्रकाशिका by  
नगनाथ ed with notes by प.  
गंगावरदासा Bn 4-8-
- 3746 — महाकवि श्रीजगन्नाथपण्डित  
राधाधिरचित, महामहोपाध्याय नान्दसमस्तकृत  
टीकासाहित N
- 3747 रसप्रदीप ( काव्य ) by पंतीय प.  
विश्वेश्वर पाण्डे, ed by पं विश्वप्रसाद  
खण्डासरे Kg 1-
- 3748 रसतर्कसिद्धि ( अलंकार ) द्विपञ्चासमेता ।  
Gn -10-
- 3749 — प सदानन्द विरचित, मूल.  
Mt 5-



- 3750 — श्रीमानुमिष्यविरचित, orig.  
संस्कृत with हिन्दी transl by ओव-  
नाथजी भोसा. 1914 8vo pp. 184.  
Vy 1-8-
- 3751 रमपद्मो (वेपक) श्रीचिन्दुविरचिता,  
मीमांसादेवविरचितदीक्याहर्हिता, तथा—  
लोहसर्वतन्—श्रीसुरेश्वरविरचितम् एतद्ग्रन्थ-  
द्वयमकश्रवणमपारम्भते। Yl 1-8-
- 3752 रसशायवेद (वेपक) चूडामणि वैद्य-  
संविता. उपानरणपाद-सप्तममहापाद-स-  
वितापाद इति। Vol. I&II Bo 10-
- 3753 रमप्रदीप of श्रीप्रभाकरमह, ed.  
with introd. &c by N S तिल्ले  
and G. N कविराज. 1925 vol 12  
8vo pp 12 14 Sb 1-2-
- 3753a रमप्रकाशमुपाख्य श्रीविश्वेश्वरविरचित,  
तथा रममतेनरलिका-काव्यस्य चामुण्डवैद्य  
विरचिता, एतद्ग्रन्थद्वयमेकत्र बद्धमेवोपलभ्यते,  
द्वितीय मस्करणम्। Bo 2-
- 3754 रमप्रकाशमुपाख्य तथा रममतेन  
कविरा (वेपक) Mt 2-
- 3755 रममञ्जरी (अन्तर) by मातृभट्ट  
with the comments श्यामार्कमुदी  
of अन्ननपण्डित and प्रकाश of नागेशमह,  
ed by रामशास्त्री तेलंग Bn 3-
- 3756 — सनाक 1926 cr. pp  
180 Gn 1-4-
- 3757 — बालागिनिशयवैद्यविरचिता, संस्कृत  
Text, transl into हिंदी by व.  
मुकुन्दराम. 1906 8vo pp. 5, 189
- 3758 रममल्लसमुच्चय (वेपक) Aa 3-12-
- 3759 — मूल सप्तुर्ग Mt 3-8-
- 3760 रममल्लद्वार सटीक निबन्ध विद्यादीकृत.  
Km6 1-
- 3761 रममदनभाष्य, दुवराजकविविरचित। pp  
60 N -8-
- 3762 रससार of मट्टवादीन्द्र, ed with  
introd. &c by G. N. कविराज  
1922. 8vo. pp. 8, 104, 2.  
Sb 1-2-
- 3762a रसार्णवम् on the ocean of  
mercury and other metals and  
materials, ed. by प्रफुल्लचन्द्र रे. and  
Pt हरिप्रसाद कविराज. Bt 10-
- 3763 रसप्रपञ्च—मुग्धावबोधनिर्दिष्टिका  
सहित. Yl 2-
- 3764 रसार्णवमुपाख्य (अन्तर) by सिंग  
मुपाख Tr 3-
- 3765 रमार्णवसू(तन्त्र)शास्त्रादिविरचितपर-  
विषयकम् Mt 4-8-
- 3766 रमापनमह (वेपक) निरपनायासिद्धत.  
Mt -8-
- 3767 — रसरत्नाकरान्तर्गतसहस्र्य.  
Oa 8-
- 3768 रसातल or the underworld by  
Nando Lal Dey. Crows 8vo pp.  
171 Co 1-
- In this book the author has  
tried to show that Rasatala the Sap-  
taSagaras the Rakshasas the Garu-  
das etc are not the products of  
mere imagination but realities over  
which the lapse of time has thrown  
a thick coating of fanciful stories  
by which they have been defaced  
beyond recognition He has tried  
to identify the countries and their  
inhabitants so far as the present  
materials allowed
- 3769 रसिकाष्टक (काव्य) नारायणमह शर्मा  
करकृत N 1-
- 3770 रसिकरत्न, सटीक, रामचन्द्र कविकृत.  
KM# 1

र

- 3771 रसेन्द्रमुद्रामणि (नेपथ्य) मूलमात्र, *Mt*  
3772 रत्नेश्वरिवरतकम्—(काव्य) *Kg* 4-  
3773 रत्नमहलानि (कर्म) *N* 10-  
3774 RISE OF THE MARATHA POWER BY M G सनदे 2-  
3775 RISE A poem by the author of the पद्मसूत्र चिन्तामयी. or studies in Indian Philosophy. cr. pp 6, 67, 4, 2-  
3777 RIGHTS AND DUTIES OF THE INDIAN Citizen by V S श्रीनिवास शास्त्री. 1927 8vo pp. x, 116 *Cc* 1-8-  
3778 THE RITES OF THE TWICE BORN by Mrs Sinclair Stevenson 1920 8vo (8" x 5"), pp. xxiv x 474. *Of* 16-  
3779 रागतत्वबोध (संगीत) of श्रीनिवास, ed by सुखटणकर 1918 -8-  
3780 रागतसङ्गिणि (संगीत) of लोचन प A tract on the modes of music, ed by सुखटणकर 1918  
3781 रागानिरूपण (संगीत) of नारद A metric description of 140 musical notes ascribed to नारद ed by D K. जोशी 1914 Bombay-Poona pp 24. 1-  
3782 रागमन्जरी (संगीत) of पुण्डलिक विहल. A metrical tract on modes of music, ed by B S सुखटणकर. 1918 See no 3779  
3783 रागमाला (संगीत) of पुण्डलिक विहल A metrical treatise on the modes of music, ed by N G रतन-जकर बर्ष 1914 pp. 25 40 -4-

र

- 3784 रागलक्षण (संगीत) of रागकवि. A treatise on the modes of music in verse, ed by D K जोशी 1914. pp, 7 68. -3-  
3785 रागाविबोध (संगीत) Musical composition of सोमनाथ. Verses 37 to 166 in the 5th chapter of his रागाविबोध 1904 pp. 4, 33 *Gr* 5-  
3786 राघवपाण्डवीय (काव्य) सटीक rare *N* 1-4-  
3787 — कविराजविरचित, शशधरकृत (पकास) टिकाबद्धित *N*  
3788 राजतरङ्गिणि of कल्हण under revision by Prof. गजेन्द्रगडकार  
3789 राजनिषण्ड—नारद विरचित, मूल. *Mt* 2-8-  
3790 राजनीतिरत्नावली (नीति) of चण्डेश्वर ठाकुर A manual of polity, ed by जयशङ्कर 1924. pp. 20 7 87, Patna 5-  
3791 राजमार्तण्ड — श्रीभाजमहाराजविरचित नारीपरिधा श्रीपण्डिता, वैराग्यनिरमा-भीकालिदासविरचिता, तथा वराहमिह इत्यादयश्चतुष्टयमेकत्रयस्यैव भाष्यतः। द्वितीय प्रकरणम्। *Oa* 1-8-  
3792 राजयोग (योग) or conquering the internal nature by स्वामी विवेकानन्द 1923 8vo pp, iii 189. 2nd edn *Ht* 1-4-  
3792a राजसिंहासनासन Hindi transl or pp 49 *Ky* -3-  
3793 राजशेखर His life and writings by V, S भास्करे 1886 8vo pp 3, 54 *Oa* 5-  
3794 राजस्थानसतीवत्सदा S B R

- ३  
3794a राज्यारोहण by ग ज भागश  
1912 सर्ग 1-5 cl. pp ix, 64  
Bo 1-
- 3795 राजन्द्ररंणूर ( काव्य) राममहावि-  
विरचित Km1 1-
- 3796 राधामाधवविलामकम् of जयराम  
पाण्ड It is a description in  
prose and verse of the loves  
of कृष्ण and राधा, कव्हास 1 to 5  
and of the court life of गहाजी  
भास्कर, कव्हास v to XI, ed with  
मारठा introductory essay on the  
origin and rise of the Marathas  
and their kingdoms, by V K.  
राजराव 1922, pp 8vo vi 279 5-
- 3797 रीधामिनाद (नाटक) सटीक Gn 2-
- 3798 रामहृणविलामकान्न अक्षिपेकमि  
विरचित संस्कृत टीकासहित Km2 1-
- 3799 रामहृणविडोमकान्न Vy -3-
- 3800 रामगाना (वेदान्त) forming part  
of तत्वसाधन The occult philo-  
sophy taught by the great  
sage भारद्वाज, ed with an appen-  
dix by G इण्णसास्त्री 1902 8vo  
pp iv, 103, xxxi, Ad 3-
- 3801 — सन्तुन Text with Hindi  
transl by विजयसिंह 1921 Roy.  
pp 2, 26 206, 17 Ag
- 3802 — अध्यात्म रामायणात्मक 1-
- 3803 — मद्भाग्यपुराणान्तर्गत 1-
- 3804 — of योगानन्द with मराठा  
transl by कमकरसाहो 1886 Roy  
pp 38 -10-
- 3805 — रामगीतामहात्म्य च।  
N -1-
- 3806 रामचरित्र नृसिंहपुराणोक्त Vy -6-
- ३  
3807 — रामपुराणोक्त Vy -6-
- 3808 — of अभिनन्द court poet  
of इतरसं (cir 9th century A D )  
ed by K. S रामसामि शास्त्री  
Go
- 3809 रामचन्द्र the Ideal king  
Ad 1-8-
- Some lessons from the Ramayana  
for the use of Hindu students Com-  
panion volume to the story of the  
Great War
- 3810 रामचन्द्रिका—(व्याकरण) संस्कृत शब्द-  
कोषाणि गुणाकारकृत A -5-
- 3811 — सटीक, कवि कदाचिदास मणीता।  
Vy -3-
- 3812 रामचरणस्तव, रामभट्ट रीक्षित विरचित.  
Km12 1-
- 3813 रामनाथनाथनिरत with comm  
by रामकौस्तिक 8vo. pp 2, 33, 16  
181. Sb
- 3814 रामशसस्वामिचरित्रम् by मधुरकर  
Sbr 1-8-
- 3814a रामशस A sketch of his life  
& teachings 8vo 48 Nt -4-
- 3815 रामपञ्चाध्यायी (श्रुतान्) Vy 2-8-
- 3816 रामचरणस्तव ( स्ताव ) रामभट्टरीक्षित-  
विरचित Km2 1-
- 3817 रामरत्नस्तोत्रम् — ब्रह्मलार्थविरचित-  
टीकासहित साटण्ण । चारणाव रामभट्टरत्न-  
सहितम् । Gu -13-
- 3818 — साटण्ण, प. निर्याकन्दसाक्षिणा  
संशोधितम् । 8vo pp 43, 2 Kg -8-
- 3819 — ब्रह्मलार्थविरचितटीकासहित ।  
चारणाव रामभट्टरत्नसहित । -13-
- 3820 रामचरित्र by इशानचरण कविरत्न  
Sd

- र
- 3821 — ( नाटक ) Acts, 1-13. Vy 2-
- 3822 Rama Legend and Rama Relief in Indonesian by W. Stater-crheim. Text with 230 full plates describing the whole of Ramayana as found in Java in 2 Vols. 1625. Gormny Ml 50-
- 3823 रामचरितकम् । Ml -4-
- 3824 रामसङ्क्षेपम्. Vy -2-
- 3825 रामस्तवराज (स्तोत्र) सटीक. हरीयाचार्य स्वामिकृतभाष्य. 8-
- 3826 रामहृदय-(स्तोत्र) Vy 3-
- 3826a रामानुजाचार्य A sketch of his life & times by S. K. अयंगर & his philosophical teachings by T. राजगोपाळ चरित्र with an account of रामानुज & वैष्णविज्जम् by Prof. M. रंगाचार्य. 2nd edn. 8vo. pp. 109. Nl -12-
- 3827 रामाश्रमेय (इराण) मू. Vy 2-8-
- 3828 रामायण of भावार्थमीकी, रामकृष्ण लिखक टिकासहित. N
- 3828a — (सुहृन्मित्र) चित्रपाठोपयोगी. N
- 3829 — A Metrical Translation of राममीकी, by Ralph T. H. Griffith, in pica type. Crown. 4to. Lc 10-
- 3830 — Translated into Engl. verse by R. T. H. Griffith. Ad 15-
- All the above translations by R. T. H. Griffith, are complete and contain very valuable commentaries and indices.
- र
- 3831 — By P.V. जगदीशभट्ट with Foreword by Prof. K. सुन्दरभट्ट Ad -12-
- 3832 — A critical edition with गोविन्दराज's commentary in full and extracts from 9 other commentaries. (1) माधेश्वरतीर्थीय, (2) रामतिलक, (3) काठक, (4) सत्यधर्म तीर्थीय, (5) शिरोमणि, (6) विष्णुपद विवृति, (7) रामानुज, (8) शतश्लोके, and (9) सुनिभावरकाविका. in 28 parts Ml 20-
- 3833 — The epic of Rama, Prince of India, condensed into Engl. verse by रमेशचन्द्रदत्त. cr. [p. 194. Dent & Co. 10-
- The Photogravures from orig illus. trated designed from Indian sources by E. Stuart Hardy-
- 3834 — With comm. of राम, Printed on good thick paper, large types (unbound loose leaves). Gn 1-
- 3835 — French transl. 2 Vols. bound in one pt. Fauche P H. Fr. 20-
- 3836 रामायणम् टीकासहितम् । (१) सर्व-तन्त्रशक्तिभेन शम्भेन्दुरेश्वरविद्याना निरूप-द-श्रेयसाधिमन्त्राग्रेसरमहेन्द्रराशिधरस्य सती जीवि-कामपातुः शुद्धचैतन्यराशिधरस्य वरमनेः श्रीराम-राजस्य नाम्ना प्रणीतया रामायणतिलकाख्यया टीकया, (२) पण्डितश्रीवतीधर-राशिधराश-याभ्या प्रणीतया रामायणश्रीरोम्यमख्यया टीकया, (३) श्रीगोविन्दराजप्रणीतया भूषणाख्यया टीकया च सहितम् । pp. 3082. Gu 31-
- 3837 — ( बालकाण्ड १ अध्यायाकाण्ड ३ अरण्यकाण्ड ४ किष्किन्धाकाण्ड ५ सुन्दर-

- र  
काण्ड & १ सुन्दरकाण्ड) with Engl translation The Volumes are published in such a way as to form companion volumes to the Sansk-Text published in the Pocket Sanskrit classic Series. All Volumes. *Vi* 10-  
each Kanda is also sold separately
- 3839 — बृहत्काण्ड ed with various readings full notes and translation of difficult portion by M N भाण्डारे *St* 3-12-
- 3840 — बालकाण्ड २ सुन्दरकाण्ड, & ३ अथाप्याकाण्ड with 8 commentaries *Mr* 1-
- 3841 — critically ed with various readings from the orig Mss by १ रामरामम्बा 8vo pp 297, 400 *Dn* 1-8-
- 3842 — of वात्स्याकि abridged by O V. वैद्य 1921 3rd edn 8vo pp 2, 300, 10 *3-4-*
- 3845 रामायण of तुलसीदास transl into Engl from the orig Hindi by F G Growse. *4-*
- 3845a — अनक प्राचीन पुस्तक सवोधन समुद्घेतन बहुपाठभेदेन सहितम् pt I *Lz* 33-
- 3846 — बृहत्काण्ड ed with various readings exhaustive notes and literal Engl transl by C N जारी and K L आगल cantos 36-77 *St* 2-
- 3847 — अथाप्याकाण्ड by N W Recension Fac 1-1 *Dv* 6-
- र  
3848 — सुन्दरकाण्ड, ed and transl into Engl prose from orig सङ्कृत by M N दत्त 1892 8vo pp 873 *Cc* 5-
- 3849 — सुन्दरकाण्ड, Silk bound *GBd* 1-
- 3850 — रामायणनिरीक्षण, सङ्कृत text with मराठी notes by ३३ गु काळे 1914 cr pp 2 4, 218, 28, 6 *1-8-*
- 3851 रामायणमञ्जरी (काव्य) क्षमन्निराचित *N* 3-4-
- 3852 रामायणानन्तरचे महाभारत Ane<sup>a</sup> ay in मराठा by मंगो अयकर 1901 cr pp 4 2 16<sup>a</sup> *-8-*
- 3853 रामायणचरित्र—(कम) परमहंसमुन्दवनशिष्यानन्दवनप्रयाता *A* 1-
- 3854 रामायणचरित्र—(समतभद्र) Text in सङ्कृत with मराठा transl ed by बापटशास्त्री 1924 8vo pp 6 98 *Al* -7-
- 3855 रामायणचाप A sketch of his life & times by कृष्णस्वामी अयगर His philosophical system by १ राज गोपाल चारवर with an account of रामयुग Vai bhavism by M M रगाचार्य cr pp 109 11 2nd edn *Nt* -12-
- 3856 रामायणप्रसन्न by राममन्त्राभित with the comments of सेतुसाध्व *Km* 10 1
- 3857 Rama's Later History or उत्तररामचरितम् see—उत्तररामचरित्र
- 3859 रामायणतम । *Bm* -4-  
*M* d-4-
- 3860 रत्नगुणसुतीय (वाक्य) काश्मीरि आभ-हमामनिराचित *N* 1-4-

र

3861 रत्नप्रदीप by प्रभाकरिन्द, 8vo.  
pp. 12, 41, *Sd* 1-2 -

3862 रत्नपत्राध्यायीप्रकाश. *Vi* 1-0-0

3863 रत्नमाला Hindoo Annals of  
the Province of Goozerat in  
Western India. by A. K.  
Rawlinson, ed. with historical  
notes and appendices by 1, pp.  
xxiv+144, with 12 illustra-  
tions, II, pp. viii+160, with  
8 illuats and a sketch-map

*Of* 24-6-

3864 रत्नसार. A comm. on उदयना's  
विरणायलि by महाविनाद. 8vo. pp. 8,  
104, 2. *Sb* 1-2-

3865 रत्नार्पणुच्छ *Gn* -2-

3866 रत्नपाठपरिपुच्छ by L. Finot,  
Fasc. 1. *5-*

3867 राष्ट्रदेव (महाकाव्य) An histori-  
cal poem describing the history  
of the राष्ट्र of मद्रुगिरि from राष्ट्रेश,  
king of कनोज and the originator  
of the dynasty, to नाचयणसहा of  
मद्रुगिरि by हर्षकवि composed in  
Shaka 1518 or A.D. 1596 *Go*

3868 राक्षसकाव्य राक्षसकविकृत *N* -1-

3869 REASON and Bellel by Sir  
Olivese Lodge. *Pl* 1-4-

3870 RECURRENT and parallel pa-  
ssages in the principal उपनिषद्  
and the मगधगीता by. Haas G.  
1922. 8vo. pp 43. New-yark  
city. *Oa* 1-6-

3871 REDEMPTION, HINDU AND  
CHRISTIAN by Sydney Cave.  
1919. 8vo. (8<sup>1</sup> x 5<sup>1</sup>) pp. xii,+  
264 *Of* 7-14-

र

3872 RELIGION of the वेद by Olden-  
berg. 1894. pp. ix, 620. *15-*

3873 RELIGION of कृषेव, see—अवेद.

3874 RELIGIONS OF INDIA by A  
Barth, translated by Rev. J.  
Wood. 5th edn. 8vo. pp.

*Kp* 9-4-

3875 RELIGION OF THE SEMITES.  
by W. R. Smith, 3rd edn.  
revised and enlarged by S. A.  
Cook. Demy 8vo. *Mm* 9-8-

3876 RELIGION OF TIBET A. Study  
of Lamaism. by L. E. Filam.

*Wu* 2-8-

3877 Religions & moral sentiments  
metrically rendered from संस्कृत  
writers with an introd. and an  
appendix containing exact trans-  
lations in prose by Muir J. 1875.

2-8-

3877a Reports of tours with maps in  
गोरखपुर, सन and गाझीपुर in 1877,-  
78, 79, & 80 by Carlleyle. 1885.  
Roy. pp. iv 122 vols xxii.

*Cc* 14-

3878 Researches in the वेद by रसेत.

5-

3879 RESEARCH INTO EARLY Ira-  
nian history from the epics of  
India by E. Ardesar रसेत. 8vo.  
pp. 76,

3880 — on Ptolemy's Geography-  
Further India and the Indo-  
Malay Peninsuala, ed. by Gerini  
G. E. 1909. 8vo. *Ra* 12-

- ८  
3881 REPORT of the संस्कृत Manuscripts ( 1895-1900 ) by M. M इमसाद शास्त्री 1901 sup Roy. pp 25-
- 3882 — of Sanskrit MSS 1872-3, 1874-5 5-
- 3883 — of second tour in search of Sanskrit MSS made in Rajputana & central India in 1901-5 & 1903-6 by S R भाण्डारकर. Roy. pp 100 5-
- 3884 Review of Architectural work in India 1918-21 Gr 5-
- 3885 RITUAL literature-Vedic-sacrifice and magic by Hillebrandt Gr 17-
- 3886 रत्नाय—(वद) by ध्वनन्ताय Vr -12-
- 3887 रत्नविद्यनपद्धति—(कम) Vy -6-
- 3888 रत्नाध्याय—(वेद) मायणाचार्यभट्टभास्कर प्रणीतमाध्याय्या सवर्णित । Aa
- 3889 रत्नाभिषेक—(लघुन्यासयुत) समग्रक तथा साधार. Sp -6-
- 3890 रत्नमणीपदिका (नाटक) श्रीरामचन्द्र-चरित्रनराजद्वय pp 52 N -6-
- 3891 रत्नमण्डिरणम् (काव्य) An abduction of रत्नमणा A poem by Ray H C cr pp 3 72, 4 -8-
- 3892 रूपकचक्रम् (नाटक) Six dramas by बरहनाज, minister of परमरविदेव of कलिङ्गर who lived between the 2nd half of the 12th and the 1st quarter of 13th century ed by C. D दलाल 1918 Go 2-4-
- 3893 रुक्मचरित्रम्—(जैन) 3rd edn Jb 1-8-
- ८  
3894 रूपान्तर (व्याकरण) of धर्मसिद्धी, ed. with additions & commendations for the use of college students by रत्नाचार्य 3 vols. N/ 10-
- 3894a Roots, Verb forms, and primary derivatives of the Sanskrit language (Roman) by Whitney W D 1885 8vo. Gr 12-
- 3895 रत्नमणितथ्येन्द्राद्य-द्वयगव्याय, व्या-तिविद्धर श्रीकृष्णदत्तसमस्तटीकासहिती, सवि-शालिणीसमस्तटीकी । Gbd -12-
- 3896 — Kg -10-
- 3897 — by H. H. ह्यु and K P. त्रिवेदी vol 1&2 Bp 21-
- 3898 रत्नसङ्ग्रहनाम (मन्त्र) N -6-
- 3899 THE REIGN OF RELIGION IN CONTEMPORARY PHILOSOPHY by Prof S तपास्वय 8vo Mm 6-8-
- 3900 The Renaissance in India by भरविन्ददास 1920 cr pp 87 2-
- 3901 Reminiscences of विजयधर्म धुरी (जैन) 2-8-
- 3902 रोमान्तिष्ठकम् by त्रिवेदीर पण्डित. Km8 1-
- 3903 Romantic legend of शाक्यबुद्ध from the Chinese Sanskrit by Beal 8vo pp xii 1875 395 7-
- 3904 रोहिणीभोगोत्तरकथा शाक्यबुद्ध (जैन) by कनककुसुमगणा Jb -5-
- 3905 रजत, the early history of, see—The early history of the रजत.
- 3906 रत्नमण्युग्मोर, the philosophy of see—The philosophy of रत्नम-नाथ टापोर

- ३९०७ राजपुत्रान्त, the currencies of Hindu States, see — The currencies of Hindu States in राजपुत्रान्त  
 ३९०८ राजयोग philosophy, a compendium, of, see—A compendium of the राजयोग philosophy.  
 ३९०९ राजस्थान annals and antiquities of See—The Annals and Antiquities of राजस्थान 134  
 ३९१० रामकृष्ण the life of, See—The life of रामकृष्ण  
 ३९११ रामायण, the antiquities of, see—The Antiquities of रामायण 188  
 ३९१२ — an index to the names in, See—An index to the names in रामायण 496.  
 ३९१३ रामायुज, the life of, See—The life of रामायुज  
 ३९१४ RAMAYANIC AGE, the food and drink in, See—The food and drink in Ramayanic age 2804  
 ३९१५ Royal Asiatic society, the centenary volume of, see—The centenary volume of the Royal Asiatic society  
 ३९१६ Religion an essay in the philosophy of, see—An essay in the philosophy of Religion 923  
 ३९१७ — an essay on the science of see—An essay on the science of religion  
 ३९१८ — of Hindus an essay, see—An essay on the religion of the Hindus 924  
 ३९१९ — the Parliament of, see, The Parliament of Religion  
 ३९२० — a study in the psychology of, see—A study in the psychology of religion  
 ३९२१ Religious literature of India, an outline, of See—An outline of the Religious Literature of India 982  
 ३९२२ Rig-Veda, the diet of See—The dictionary of ऋग्वेद 865  
 ३९२३ RIG-VEDA THE GOD वर्ण in, see—The god वर्ण in ऋग्वेद 847.  
 ३९२४ — the hymns translated. See—ऋग्वेद  
 ३९२५ — the lectures on, See—The lectures on ऋग्वेद 848  
 ३९२६ — Mysticism and mimic in See—ऋग्वेद 849  
 ३९२७ — the principles to be followed in translating, See—ऋग्वेद 850  
 ३९२८ — Sayana's Commentary on, See—ऋग्वेद 851  
 ३९२९ — the similarities and Metaphors in, See—ऋग्वेद 856  
 ३९३० छत्राय निर्वि-वाक्य (ग) by देव शङ्कर भट्टाचार्य 81 -2-  
 ३९३१ छत्रायुषः A sanskrit grammar by वरदास with Engl version, comm & references by J. K. Ballantyne 5th edn Roy. pp 377, xxvii 6-  
 ३९३३ छत्रायुषः, वरदासवृत्त Ls -3-  
 ३९३४ छत्रायुषः, by वरदासवृत्त, ed. by इतिहासक pub. by साधनाश्रम अय्य. 1893 Roy pp 3 4, 643  
 4ms 7-8-



- 3935 लघुचाणक्यम्—( नेति ) Senlenze  
Indiane pp 50 *Pt* 5-  
3936 लघुचुक्रिका—( व्याकरण ) Critical  
notes on वैरिभाष्येनुशेखर by Pt रघुनाथ  
शास्त्री, ed by अनन्ताशास्त्री फडक  
*Ks* -8-  
3937 लघुवासुदेवमननम् Aclear synop-  
sis of the अद्वैतवदन्त with an Engl  
introduction by R वृष्णस्वामी अव्यर.  
*V* 1-4-  
3938 लघुसमायणम् ed by गारिन्दनाथ गुह  
or pp 410 *C* 3-4-  
3939 लघुयोगवासिष्ठ -आ मनुसंहृत वासिष्ठ  
चम्पिकाटीकासहित । *N* 5-  
3940 लघुविभक्त्यधेनिणय ( व्याकरण ) मैनि  
कीकृष्णसहित । *Gu*  
3941 लघुसायनानुशासनसम म म चन्द्ररत्नाचार्य  
गुरा इति । अष्टपु सस्करण । पण मकम् ।  
*Vz*  
3942 लघुशब्ददूषोदर—( व्याकरण वापसाङ्गीका  
समेत अव्ययीभावान्त by श्रीनिगेश भट्ट with  
a comm called वीरिका by Pt निवा-  
नन्वन्त ed. by Pt. गोपाळशास्त्री भेने  
*Ks* 4-8-  
3943 — ( व्याकरण ) भेरवीसहित by  
नगेशभट्ट with a comm called चन्द्र-  
कला or भेरवि by भेरवामिश pt II from  
समान to डिगानुशासनप्रकरण, ed with  
notes by Pt गोपाळशास्त्री भेने *Ks* 8-  
3944 — नानाविधग्रन्थनिर्माणपुरीण म म  
श्रीमन्नगेशभट्टाविश्वचित । भारद्वाज नारा  
यण शास्त्रिणा च सशोधित । *Lz* 4-  
3945 — शास्त्रीव्याख्या *Kg* 1-  
3946 — टिप्पणसहित अव्ययीभावान्त  
*Kg* 4-8-  
3946a — सटीकसंक्षिप्त,सङ्घर्ष *Kg* 14-  
3947 — अव्ययीभावान्त *Kg* 2-8-  
3948 — सटीक । अव्ययीभावान्त ।  
*Ka* 6-  
3949 — सटीक । तदुत्तरप्रश्नासाधारण्य  
इदन्तान्त । *Ka* 10-  
3950 — व्याख्या, शास्त्री ed by भा  
वसन्तव्रतरी or अभिनवभट्टाचार्य 1910  
pt I. 8vo pp 58 *Tan* -12-  
3951 लघुमण्ड ( ज्योतिष ) by श्रीमान्नारायण  
*Ch* 1-  
3952 लघुसिद्धान्तरीमुक्षी ( व्याकरण ) श्रीन्यासराज  
विश्वचिन्तामणिशास्त्रित सूत्राद्या 8vo pp  
738 3, 20 -8-  
3953 — by वरदराज भट्टाचार्य with  
रसतिकपाठ, १ परिभाषापाठ २ धातुपाठ ३  
पाठ ४ पाठोपनीयसिद्धि and an index  
with notes by कनकलालशर्मा. -12-  
3954 — रणछाहशास्त्रावरचित सारवा  
चिनीनाम विस्तृत वा सरलसंहृत नास्त्वा-  
समेत । *Mc* 1-  
3956 — Ed with orig sansk.  
comm Engl transl copious  
critical and explanatory notes  
dy V V मिश्रसि 1928 Pt 1 pp  
2, 125, 6 2-  
3957 लघुस्तवराज by श्रीनिवासाचार्य with  
the comm हस्तनकिमन्वन्तिना by  
बुरुवात्तमदास 4-8-  
3958 लघुमुक्ति -( स्तोत्र ) by श्रीलघुभट्टाचार्य  
with the comm of ब्रह्मविवानन्द  
*Tr* -8-  
3959 लघुमोक्षाधि of नालकण्ठ दीक्षित con-  
taining कलिचिन्मन, समारम्भनशतक वैराग्य  
शतक, शान्तिविलास अन्यायदशशतक, आनन्द-  
सागरस्तव and शिवोक्थमञ्जरा *Vz* -12-

- 3660 लक्ष्मीनारायणसुखम् (नाटक) सप्तम  
विरचितम् pp 30, 2 N -5-

3961 ललितविस्तर of शाक्यबुद्ध Sansk  
Text ed with variants, metres  
& an index by Dr L Lefman  
in 2 Vols 60-

3962 — A memoir of the early  
life of शाक्यबुद्ध transl from  
the orig Sanskrit into Engl-  
by राजन्महाल मित्रा (1881-1886)  
Br 5-

3963 ललितविस्तरनाम V, -4-

3964 ललितविस्तर, सप्तमोऽध्यायः  
भाष्यसहित N 1-12

3965 — V, -4-

3966 ललितविस्तर, नामानुसंगीत-  
च सहाय । Br -3-

3967 — with the comm of  
श्रीशारदाधररायणरायण or 8vo V, -8-

3968 — दुर्गाविरचितम् 10 1-

3969 — (लाल) दुर्गाविरचितम् V, -2-

3970 ललितविस्तरमणिमाला-(वम) N -4-

3971 लक्ष्मीनारायण(न्याय)न्यायार्थार्थमिश्र-  
विरचिता, शेषशार्ङ्गधराधर्मविरचिता न्याय-  
मुद्रणस्थानस्थान टीकासहितम् । pp 84  
L -12-

3972 ललितविस्तर, सप्तमोऽध्यायः  
अध्याय ५ N 1-4-

3973 लक्ष्मीनारायणम्, लक्ष्मीनारायणविरचितम् ।  
दुर्गाधर्मनामा सप्तमोऽध्यायः ।  
Br 1-8-

3974 लक्ष्मीनारायणसुखम् 10 1-

3975 लक्ष्मीनारायण transl into मराठा  
with orig मराठा by कमलराम  
3976 — By जगन्नाथ पाण्डित Km21-

3977 लक्ष्मीनारायण V, -4-

3980 — Su -5-

3981 Lakshmi Stotras—a miscell-  
any V, -4-

3982 लक्ष्मीनारायणम् तथा नारायणहृदयम् ।  
silk-cover N -6-

3983 लक्ष्मीनारायणसुखम् Sansk Text in  
द्विभाषित ed by B Nanjo  
1923 Japan 26-4-

3984 लक्ष्मीनारायणम् -(वेदान्त) Philo-  
sophical sayings of the prophet-  
Lalla of Kashmir with Sanskrit  
gloss by राजानक भास्कर Am -6-

3985 Law & Custom by jolly  
(Grundriss S) 14-

3986 लक्ष्मीनारायणम् edited by GREEN-  
SON G A and BARNETT D D.  
1920 Ra 9-8-

3987 Life of the Buddha and the  
early history of his order de-  
rived from Tibetan Works in  
the Bksh-Hgyur and the Be-  
tan-Hgyur transl by Rockhill  
Post 8vo Kp 9-4-

3988 — and teachings of बुद्ध  
by अष्टादिक धर्मपाल 2nd edn.  
8vo pp N -12-

3989a — as legend and history,  
by E-J Thomas with four  
plates and a map Roy 8vo,  
Kp 10-

3989 — of बुद्ध by अष्टादिक transl  
from संस्कृत into Chinese by  
चमरसह & from Chinese into Engl  
by Samuel Seal 1883 8vo pp.  
xxxvii, 380 15-

- 3990 — and work of बुद्धदेव by Dr. विमलचरण लॉ with a foreword by Mrs. Rhys Davids. Co 9-
- 3991 — or Legend of Gautama the Budha of the Bahn Annotations, the Seven wars to Neih ban and notice on the Phongyies or Burmese Monks, by the Rev. P. Bigandet. Ks 8-
- 3993 — of Hsien Tsiang by S. Hwal Li, introd containing account of the works of I-tsing. 8vo. Kp 8-
- 3994 — life and growth of language by Whitney. 1902. 10-
- 3995 — of रामरत्न 8vo. pp. 774.  
A comprehensive chronological account of the master's wonderful life based on Swami Sharadananda's great Bengali work on the subject and supplemented by important facts and conversations called from the Gospel of Shri Ramakrishna in Bengali by M., and other authentic sources with a foreword by Mahatma Gandhi 6-8
- 3996 — of रामानुजाचार्य, the exponent of the विशिष्टाद्वैत Philosophy by A. Govindacharya. Ad 2-12-
- 3997 — of स्वामी विवेकानन्द in four volumes by his Eastern and Western disciples about 460 passages in each vol. 8vo.
- 3998 — of नैरिटर सारकर by चित्रगुप्त. Roy. pp viii, 144. Pl. 1-8-
- 3999 Light on Life. Six spiritual discourses. by बाबाभारति. Ad 1-
- 4000 The Light of Ancient Persia. by M. B. Pithawalla. Ad 3-
- 4001 लिङ्गनिर्णयप्रणयम् (व्याकरण) Su -2-
- 4002 लिङ्गानुशासन (on grammar,) by जयन who lived between the last quarter of the 9th century: ed. by C. D. ब्रह्म. 1918. Go -8-
- 4003 — of हेमचन्द्र with comments and transl. by Franke. 3-
- 4004 — शाकटायन, हर्षवर्धन, and बाल्मिकि by Franke. Gr 12-
- 4005 — Ed. by रघुवीरानन्द महापात्र. 8d -8-
- 4006 Linguistic Geography by Danzert A. Fr. 2-8-
- 4007 Linguistic Survey of India compiled & edited by Sir G. Grierson.  
Vol I Introductory pt 1 2 13-12-  
" II Mon-Khamer. 6-8-  
" III Tibeto-Burman 3 pts. 19-8-  
" IV Munda & Dravid. 6-8-  
" V Indo Aryan Family. 2 pts 15-  
" VI Hindi 6-8-  
" VII Marathi. 6-8-  
" VIII Sindhi, Dardic of Pansheel 2 parts each 6-8-  
" IX Hindi, Panjabi, Rajasthani, Gujarati, Bihl, Pahari, 4 pt 11-  
" Iranian family 6-8-  
" Gipsy languages 6-8-
- 4008 Linguistic studies from the हिमालय by T. Grahame. Ra 11-4-
- 4009 Literary history of India by Frazer R. Roy. pp. XIII, 470. 18-
- 4010 Literature of the सिंधुद्वीप by Geigar with Indices. 1901. grandriss. 5-

- 4011 List of Sansk. Mss discovered during the year 1876 & 1879 prepared by Nesfield J. C. with the assistance of pt देविप्रसाद & ed. by राजनन्दगाल मि 8vo pp 37 & 63 respectively, each. *Cc* 5-
- 4012 — of Mss collected for the Govt Mss Library by the Prof of Sanskrit at Deccan & Elphinstone Colleges since 1895 and 1899 and compiled by the B O R. I Roy pp 94 (1895-1915) 1-8-
- 4013 — of Sansk. Jain & Hindu Mss. purchased by order of Govt & deposited in the Sanskrit college Benares during 1910-11-12 and 15-16. Roy pp 16 20 each 1-
- 4015 — of संस्कृत & हिंदी Mss deposited in the Sansk. college at Benares during the year 1912-13 *Ag* 1-
- 4016 List of words in the Grihya Sūtras of आश्वलायन, वात्सकर, शारदायन & गोमिथ by Stenzler. *Gr* 10-
- 4018 — of Bibliotheca Indica &c, according to works & Nos by Sieg 1-
- 4019 — of new Mss added to the Manuscripts Library of B O R I (1895-1915) *Bp* 1-8-
- 4021 LITERATURE and language of Sighalese by Gauger (*Grindres S.*) *Gr* 6-
- 4022 LITTLE CLAY CART (Minchakatika) — A Hindu Drama attributed to King शुक्र, translated into English prose and verse by Arthur William Ryder *Ad* 6-12-
- 4023 LITERAL Engl. transl. of माघ's सिद्धपालवध by S K नाडकर्णी 1920 cantos IV V & VI. *Bo* 10-
- 4024 LITERARY history of India by Frazer R. 1920 4th impression 18-
- 4025 Literary History of Sanskrit Buddhism (From Winternitz S Levi, Huber) by G K. नरियन 2nd revised edn 1925 Roy pp VIII, 393. *Mt* 10-
- 4026 श्रुतावली—( गणित ) A treatise on Mensuration, by वात्सराजाय, ed with notes by M M pt शुभाकर त्रिवेदि *Bu* 1-8-
- 4027 — ( ज्योतिष ) श्री वात्सराचार्य कृत । द. श्रीधरालीभरतकुमारहल शिलावती वासना पविरीष्टप्रदनादिस्तवित । *Bh* 2-8-
- 4028 — सटीक *Sd* 1-8-
- 4028a लीलावती An Engl transl. by Colebrooke with notes by H C वानर्जी 1901 2nd edn. 8vo pp VII 116 *Book Company* 7-8-
- 4029 — orig संस्कृत with मराठी transl by V P शास्त्री. 1897. 8vo pp 3 4, 230 2 2-
- 4031 Legends of Indian Buddhism, transl from 'L' introd. a 'Histoire du Bouddhisme Indien' of Eugene Burnouf, with an

८

Introd. by W. STEPHENS.

Wu 2-10-

- 4032 Lectures on the Study of  
भगवद्गीता, being a help to students  
of its philosophy by T. सुभाष. *Ri* -10-

- 4033 Lectures on comparative reli-  
gion by A. A. Macdonell. 1925.  
Roy. pp. 193. *Cu* 3-

- 4034 Lectures on the economic  
condition of Ancient India by  
J. N. Samaddar 1922. 8vo pp  
xiv, 165. *Cu* 3-

- 4035 Lectures on Ethnography, by  
R. B. अनन्तहर्षण अय्यर. Roy. 8vo.  
pp. 302. *Cu* 6-

The materials gathered for the prepa-  
ration of the lectures are mainly  
from a first hand study of the people  
of South India in general and of  
Malabar, Cochin and Travancore  
in particular. The lectures have  
been properly illustrated by photo-  
graphs taken from different parts of  
South India

*Cover* — Anthropology, Ethnogra-  
phy and Ethnology—Race—Racial  
history of Malabar Cochin and  
Travancore—Caste—Sex and Mar-  
riage—Family, Kinship and Social  
Organisation—Magic Sorcery and  
Witchery—Evolution of Taste in  
Dress and Ornaments—Village Com-  
munity in South India

- 4036 Lectures on Hindu Religion,  
Philosophy and Yoga by K.  
चक्रवर्ता योगशास्त्री 1893. 8vo pp  
158. *Cc*

९

- 4037 Lectures on ज्ञानयोग by स्वामि-  
विवेकानन्द. 1915. 2nd edn. 8vo.  
pp. 2, 337. *Ar* 1-12-

- 4038 — on the origin and growth  
of religion by Max Muller.  
1878. Roy. pp. xv, 394.

- 4039 Lectures on the Science of  
Language by Max Muller in  
two vols. 1880. *24-*

- 4041 Lectures on Ancient Indian  
numismatics, delivered by D. R.  
भाण्डारकर. 1921. 8vo pp. xii 229.

- 4042 Lectures on the origin and  
growth of religion as illustrated  
by some points in the history of  
Indian Buddhism (Hibbert lec-  
tures) by Rhys Davids T. 1906.  
4th edn. *10-8-*

- 4043 Lectures on the ऋग्वेद contain-  
ing discussion on the question  
of (1) ऋग्वेदस्य being a recension  
and (2) About attribution of its  
authorship by भगवद्भक्त 1920. pt  
I 8vo. pp 6, 86. *Pa* 2-4-

- 4044 लेखापदानि A collection of mo-  
dels of state and private docu-  
ments dating from 8th to 15th  
centuries A D ed. by दत्त.  
and श्रीगोविंदकर 1925 *Go* 2-

- 4045 Lays of Ancient India, Selec-  
tions from Indian Poetry rend-  
ered into Engl. verse by मधु-  
चन्द्र दत्त. Post 8vo. *Kp* 8-

- 4046 Later Hindu civilisation  
by R. C. Dutt. 1890 8vo. pp.  
XI. 207. *Ct*

- 4047 Later Mughals Vol I (1707-1720 and II(1714-1734) ed by Y N सरकार 1922 Co 16-
- 4048 Later philosophy from Descartes upto Schopenhauer by deussen 10-
- 4049 Local History of Poona and its Battlefields by Col L W Shakespear 8vo Mm 5-
- 4050 लोकप्रकारवाक्य- ( जैन ) सम्पूर्ण by विजयजी उपाध्यायजी Jb 30-
- 4051 Local Government in ancient India by राधाकृष्ण सुकजी with foreword by the Marquess of Crewe, revised and enlarged 1920 8vo ( 9×6 ) pp xxviii+338 2nd edn Of 9-6-
- 4052 कानोकिमुल्लवति by दक्षिणायति Km2 1-
- 4053 Lotus (Indian) of the mahayana ed by K Saunders, translator and editor of "the Heart of Buddhism" etc Hk 1-4-
- 4054 Languages, its nature, development and origin by Jespersen 1925 14-
- 4055 Land of seven rivers by N G सरदार 8vo pp 93-95 -8-
- 4056 Language, an essay on the science of, see-An essay on the sciences of Language 927
- 4057 LANGUAGES modern of the East Indies, see-The modern languages of the East Indies
- 4058 — of India & High Asia, a contemporary dictionary of, see-A contemporary dictionary of the languages of India & High Asia.
- 4059 — the history of, see-The History of the Languages.
- 4060 — oceanic, see-Oceanic Languages 364
- 4061 — the life and growth of, see-The life & growth of Languages.
- 4062 LAND OF SNOW, Indian Pandits in see-Indian Pandits in the Land of Snow 534
- 4063 LITERARY पार्श्व the home of, see-The Home of literary पार्श्व
- 4064 लक्ष्मी fort tile mosaics of, see-The tile mosaics of लक्ष्मी fort.
- 4065 (बरोलिखित- (अरार) by राजानक कुमल with his own commentary A treatise on Sanskrit Poetics, ed with critical notes and introd. and resume by Dr S K Dey 2nd edn revised and enlarged Co 3-8
- 4065a बरोलिखित- (अरार), लक्ष्मी by लक्ष्मी Km2 1-
- 4065b बरोलिखित A prakrit poetical work on rhetoric, ed by Dr Julius Laber (1915-1923). B. 1-8-
- 4065c बरोलिखित- (अरार) by Weber A. 3-
- 4066 कलकृति Plants and plant-life as in Indian Treatises and traditions by G P. सुनुमदार 8vo pp 254. Co 3-12-

- व
- 4066a वरर्यचि by R कृष्णम्माचार्य. 1915.  
2nd edn cr. pp. 24 *Ml* -8-
- 4066b वरर्यचि by वरर्यचि with  
his own comm. and an Engl.  
Intro. by A. V गोपाळचारी. 1-  
4067 — सूत्र -2-
- 4067a वरर्यचि (कर्म) Vedic ritual  
(domestic) of the वरर्यचि ed  
by Dr. R. शर्मा. *Go* -12-
- 4067b वरर्यचि (वराण). Ed by कर्म  
चारी. 1893. Fasc. 2-14  
*B*, each -10-
- 4068 — Engl transl *Po*
- 4069 Varendra Research Society's  
Monograph No 1—The Naland  
Copper-plate of देवराज, by N  
G गुप्त. *Vr* 1-
- 4070 World view of Brahmana  
Texts by Oidenberg *A* 20-
- 4071 World - Contemplation of  
Indo Germanic Asia by Nege-  
lein *Gr* 7-
- 4072 The World's Eternal Reli-  
gion. *Al* 5-8-
- 4073 THE WORLD IS POWER  
by Sir John Woodroffe *Ti*  
(a) world as Causality and  
Continuity 2-8-  
(b) — Consciousness 2-  
(c) — Life. 2-  
(d) — Matter 2-8  
(e) — Mind 2-  
(f) — Reality 2-
- 4073a वर्णमालास्तोत्रम् by रामचन्द्र वरर्यचि  
*KmIS* 1-
- व
- 4074 वर्णमाला The synthesis of  
science, philosophy, religion,  
sociology and politics Cr pp. x  
148, VI -12-
- 4075 वर्णमालाचरितम् *Sbr*
- 4076 वर्णमालाचरितम्—(जन) of राज-  
कालिन्ध. *Jb* 6-
- 4077 वर्णमालाचरितम् of गोविन्दचरित-  
कृष्णचार्य ed by कमलान्तस्मृति-  
मुखा *Bd* 5-4.
- 4078 वर्ण & मित्र (essay) in Ger-  
man by a Hillebrandt 1877  
Breslau 4-
- 4079 वर्णभर्तृनारायण—समस्तभेद ed by  
बापटराजी 1914. 8vo pp 3, 66  
*Al* 4-
- 4080 वर्णमालाचरितम्. *Sbr* 2-
- 4081 — A sketch of life &  
teaching. 8vo pp 41 *N* 4-
- 4082 वर्णमालाचरितम् (महाकाव्य) An his-  
torical poem describing the life  
of राजा and the history of  
गुजरात by बालचन्द्र (from Mo-  
dheraka or Modhera कडिग्राम  
Baroda State) contemporary  
of वास्तुपति, composed after his  
death for his son, samvat 1296  
(A D 1240) edited by C D  
बाल *Go* 1-8-
- 4083 वर्णमालाचरितम्—(वर्म) श्रीमद्भक्तिचरितम्  
निरचितः 1915 Roy. pp 232  
*Vy* 2-
- 4084 वर्णमालाचरितम्—(न्याय) नमो  
महर्षिभक्तिचरितम् *Ch* 2-
- 4085 — वर्णमाला ed. with notes  
by Dr A. A Fuhrer. 2nd edn.  
*Bp* -12-

य

- 4086 वाक्यतत्त्वम् *Ms* -6-  
 4087 वाक्यपरिचय — ( व्याकरण ) A treatise on the philosophy of संस्कृत grammar by भट्टहरि W. a comm. by सुन्दरराज on the 1st & 2nd काण्डs and हेमराज's comm. on the 3rd काण्ड, ed. by व. रामकृष्णशास्त्री. alias ता.पाशास्त्री पदवर्धन. and गंगाधर-शास्त्री मनमोहनी. vol. 1 face. 1-3.

*Bn* 7-4-

- 4088 वाक्यवृत्तिः ( विद्वान्तः ) विश्वेश्वरविरचित दिनासमेता । श्रीमच्छङ्कराचार्यकृता ।

*Ac* -8-

- 4089 वाक्यरुपा by श्रीगङ्गाचार्य Text and transl. with notes by मनीषाङ्ग द्विवेदी, and वेदान्तसार of सदानन्दसिंहमि transl. by N. Ward. *Atl* -6-  
 4090 वाक्यार्थचन्द्रिका नागेशभट्टविरचिता परमहंसविरचितसंस्कृतभाष्ये भागवताचार्य पाण्डित श्रीहरीशम्भिरविरचिता ed. by K. रामशास्त्री. 1890 Roy pp. 247 1/2. 10-  
 4091 वाग्मय ( an essay on ) by Cordier P. (French) 1-  
 4092 — संस्कृत सूत्र मगडी भाषांतरासह. *At* 10-  
 4093 वाग्मयार्थसार (अलंकार) मूल *Vy* 4-  
 4094 — ( जैन ) श्रीवाग्मयप्रणीत, सिंह-देवगणिविरचित टीकासह. *N* 8-  
 4095 — प्राज्ञभनारजनी संस्कृतसंस्कृत व्याख्यासहित *At* 12-  
 4095<sub>1/2</sub> वाङ्मयविषयकनिबन्ध in मराठी by निष्ठाशास्त्री चिपळूणकर. 1923. 2ed 8vo pp. 215. *Cha* 12-  
 4096 WAS SHANKAR THE PROPAGATOR of a new system of thought by T. सुवाराव *Sk* Rese-archd. 8vo pp. 119-13 -8-

य

- 4097 वाजसनेयिसंहिता ( विद् ) उद्भवमदीधर-भाष्योपेता—of the शुक्लयजुर्वेद with the comm. मन्त्रभाष्य by उक्ताचार्य and वेददीप by महिषराचार्य. *Ks* 8-  
 4098 वाणभिरुपजम् — ( छन्दः ) श्रीदामोदरामिम कृत. *N* -8-  
 4099 वायुह्यायनप्रकरण. with the वृत्ति of भक्तशास्त्रिणाद् Short study of the 13 occult practices conducive to the happy union with the transcendental vitality known as 'Anulata.' Said to have been received from the monastic deities by the sage *Vatulanatha* with foreword and transl. in Engl *Km*- 1-  
 4100 वास्तुशास्त्रः कृष्णाचार्यकृतः *Gy*  
 4102 वाचावली — *V/* 1-8-  
 4103 वादार्थसंग्रहः ( व्याकरण )—अत्र शेष-कृष्णकृत स्तोत्रतत्त्वनिरूपणं । श्रीकृष्णमोनि-कृता स्तोत्रतत्त्वचर्चिका, गौडपौल्लेकृत 'प्रतिपदिक सहाय्यः', वाक्यसहः । हरिप्रशोभिषकृता वाक्यवैयर्थ्येति पद्य ग्रन्थाः सङ्कलिताः । पण्डितानां श्रौतच्छास्त्राणां बहुतराङ्गप्रकाशः । Ed by बाळेशास्त्री. 1913 8vo. pp. 2, 26, 2. *Gy* -6-  
 4104 — ( द्वितीयो भागः ) अत्र महा-नन्दसिद्धान्तप्रार्थितस्य पदकोरकविवेचनस्य जयरामभट्टाचार्यकृत कारकवादः समाप्त-वादश्च, एवकारवादप्रतिचलारो ग्रन्थाः सन्ति । Ed by M. G. बाळेशास्त्री. 1914. 8vo pp. 68 *Vy* -6-  
 4105 — ( तृतीयो भागः ) अत्र कृष्णा-चार्यकृतः 'वाङ्मयाकरः मोनिगीकृष्णकृतः 'लघुनिबन्धनिर्णयः', रामकिशोरकृता 'शब्द-व्येपप्रकाशिका' चेति शाब्दिकानां त्रयो ग्रन्थाः



- व  
सन्ति। Ed by बालकृष्ण 1915  
8vo pp 102 *Gu* -8
- 4106 — (चतुर्था भाग) *Gu*
- 4107 वादिनेन्द्र-(न्याय) ed by Dr  
Ganganatha Jha 1915 *Roy*  
pp 73 *Po* 1-
- 4108 वचनसंग्रह (unbound) *Gr* 4-
- 4109 — Engl transl *Po*
- 4110 वापुष्यगण व्यासप्रणीत *Vy* 6-
- 4111 — व्यासप्रणीतम् (प्राण) *At* 4-12-
- 4112 वारहसिंहसूत्र (व्याकरण) with the  
comm वापप्रकाश by नारायण *Tr* 8-
- 4113 वामिनीश्रियामयण वाचकाण्ड and  
नवोपस्थाकाण्ड edited by T R कृष्णा-  
चार्य and व्यासभट्ट 1911 Part  
3 & 4
- 4114 वासवदत्ता A sanskrit Romance  
by सुवर्ण translated with an  
introduction and notes by L  
H Gray 12-8-
- 4114a — of सुवर्ण (संस्कृत) with  
a full and exhaustive comm by  
Pt R V कृष्णम्माचारियर cr 8vo  
pp v lxxvi 359 cloth *V* 3-
- 4114b वामनवल्गा(नाटक)प्रप्रामाण्यवल्गा being  
a transl of anonymous Sansk  
drama attributed to वास, ed by  
सुखदेव 1923 8vo pp (8 x 5)  
VI, 91 *Of* 5-
- 4115 — of वास Italian transl by  
Belloni Filippi 3-12-
- 4115a वामदेवमननम् A compendium of  
अर्द्धत philo ophy transl into Engl  
from the orig संस्कृत by नारायण
- व  
स्वामी अय्यर and सुरेश्वर अय्यर 1918.  
cr pp viii, 144 *Id* 1-2-
- 4115b वासुदेवचरित्र by वासुदेवकार with  
his own comment *Km* 10 1-
- 4116 वाचनवचनप्रकाशकानेमात्रम्—  
(लोपपत्तिक) *Gbd* 1-
- 4116a वास्तव्यविधिप्रमाणम्भट्टा-(योतिष)  
म म प आमुचाकर द्विवेदिना विराचिता।  
*Ch* 1-
- 4116b वाचस्पति—(शिष्य) *Tr* -12-
- 4117 वासुदेवचरित्र—(योतिष) काजिनाथ  
भट्टिन विराचिता। *Ch* 12-
- 4118 विजयचरित्रकथारवट्ट—(जेन) 4th  
edn *Jb* 3-4-
- 4119 — By Pt R V कृष्णमा-  
चारियर or अमिनवभट्टाण 1922 2nd  
edn cr pp 52, 12 *Vd* -6-
- 4120 — By T, C वृत्तिहाचार्य  
1914 8vo pp 44 *Ta* -6-
- 4121 — (परिचयबद्धावृत्तिम्) *Un* 4-
- 4122 — S व्यसदेवराजशास्त्रा *V* 1 8-
- 4123 वरमाहचरितम् of कनिष्कहर्षण, रामा-  
वतार शर्मण संस्कृतम् 1928 वर्ग 1 18  
8vo pp 1 2 153 *Kg* 1 8-
- 4124 विक्रमा's ADVENTURES, or The  
Thirty two Tales of the Throne,  
A collection of stories about  
King विक्रम, as told by the Thir-  
ty-two statuettes that support-  
ed his throne Edited in four  
different recensions of the San-  
skrit original (Vikrama charita  
or Sanhasana-dvattrinsika) and  
transl into Engl with an in-  
tro by FRANKLIN EDGESTON.  
Yale University *Of* 34-



- व  
4149 विदूरनीति (नीति) विषयपदटिप्पणसमेता  
श्रीमद्विष्णु उपाध्यायान्वितप्रज्ञापरमं  
महाबुद्धिमता विदुरस्य राजान धृतराष्ट्रस्य  
सद्व्यवस्था । अत्र सर्वसाधारणी नीतिनियम  
क्षेपत उपादिशति । cr pp. 4, 68  
Gu -6-
- 4150 विश्वसवकमासिक वर्षपत्र  
अंक 1-12. Oa 1-4-
- 4151 विधानमाहा वृद्धिमह विरचिता.  
Aa 4-4-
- 4152 विधानपारिजात of अनन्तमह ed by  
ताराप्रसाद विपारतन Vol I-III  
Bt 15-
- 4153 विश्वविषय (न्याय) आचार्यमहान  
मिश्रविरचित । दूयवादीमहाव्यतिमि-  
मनिसिद्धता न्यायकणिकाख्या व्याख्यया-  
सम्पन्नं तेन रामशास्त्रीणाद्विरचित ।  
Lc 3-8-
- 4154 विधिरसायनम्-(मीमांसा) by भण्ड  
विरचित ed by प्रमुखाश्रम Ch 3-
- 4155 विधिविज्ञानविषय or an investiga-  
tion into the authorities for  
the marriage of the Hindu wi-  
dows in refutation of the views  
of बनारस Pandits by V P शास्त्री  
181b 8vo pp XI 5, 1113, 4  
3-8-
- 4156 विद्वत्सामञ्जय of राजेश्वर ed  
with the comm of नारायण दक्षिण,  
explanatory & critical notes, va-  
rious readings by H R. अत्र &  
कृतमहर्षि with close Engl transl  
and various readings by K  
माधवे 1867 8vo 2-6-
- 4157 विषयपदरेखाचरित्र transl into  
गुजराती by वसुदेवजी -6-
- व  
4158 VINAYA TEXTS, from the  
Pah, by T W RHYDS DAVIDS  
and H OLDENBERG, Vols 13,  
17, 20, out of print
- 4159 विनयपत्रमहात्म्य मूल -8-
- 4160 विमलवर्धनविषय -(व्याकरण) by  
गिरिधरमहाचार्य ed by जीवनाथ मिश्र  
न्यायतार्य Ch 7-8-
- 4161 विमलनाथचरित्रभाष्य (जैन) of  
ज्ञानसागरचरित्र Jb 9-
- 4162 विमलनाथचरित्रभाष्य, (जैन) of  
इन्द्रहसनग Jb 1-
- 4163 विपण्य of the महामात.  
critically edited on the basis  
of 18 mss and published  
as a tentative edn illustra-  
ting the principles of textual  
criticism to be followed in the  
definitive edition Has received  
the assent and approval of all  
scholars ed by प्रो वदनीकर 15-
- 4165 विष्णुपञ्चाङ्गिका-(वेदान्त) by  
विष्णुपञ्चाङ्गिका with the comm of  
विष्णुपञ्चाङ्गिका Tr -8-
- 4166 विष्णुपञ्चाङ्गिका of विजयनगर with  
Engl transl by B K. अरमार.  
8vo pp 255-264
- 4167 Wilson's Philological Lectures  
in Sansk and the derived  
Languages, delivered in 1877  
by Sir R G भाट्टाकर 1914  
Roy pp 2 303 2-8-
- 4168 गीति-चन्द्रमहाचार्यविरचित-  
माय Gu 2-
- 4169 विरजोपन्यास(वेदान्त) A treatise  
on a comm on विरजोपन्यास by  
रामानन्द सरस्वती, also वाक्यमुद्रा-By

व

- वसिंकराचार्य. with a comm. by  
महानन्दभारति, ed. by दामोदरशास्त्रि  
सहस्रबुद्धे. Bn 3-  
4170 विवरणप्रमेयसंग्रह of माधवाचार्य, ed.  
by रामशास्त्री सेलम. 1893. Roy. pp.  
7, 18, 266. Kg 5-  
4171 — I 4-8-  
4172 विवाहपद्धति, सूत्रमात्र. M. -10-  
4173 विवाहसूत्रान्तर्गत, केदारदेवविरचित  
विवृतसहित. M. 1-8-  
4174 विवाहसूत्राकर by चण्देश्वर ठाकुर,  
ed. by वैदनाथ विपाकेन्द्र (1885-  
1887). B. 6-  
4175 — on inheritance, transl.  
into Engl. by सतीशचन्द्रशास्त्रि. 1898.  
Roy. pt. II, 3, vii, 106.  
M. 3-  
4176 विविध यज्ञसूत्र (जैन) गद्य  
Jb 1-8-  
4177 विवेकमञ्जरी (जैन) of आनन्द with  
the comm. of काञ्चनसूत्रि.  
Jb 5-8-  
4178 विवेकसूत्रावलि: by श्रीशङ्करभगवत्-  
पादशास्त्रि. Text alone. 1919.  
pocket edn. F. cap. 8vo. pp.  
119. Jb 4-  
4179 — By श्रीशङ्करशास्त्रि. Text  
in Devanagari characters.  
with Engl. transl. notes and  
Index. pp. 258. by शास्त्रि माधवानन्द.  
Ar 2-

This is a most valuable compendium  
of Advaita Philosophy, quite indis-  
pensable to beginners, being a lucid  
authoritative treatise in delightful  
verse on this abstruse subject.

व

- 4180 विष्णुहोमपुस्तक:—(वर्म) Gn 2-S-  
4181 विवेकानन्दसामि, the complete  
works of, see—the complete wo-  
rks of विवेकानन्दसामि. 1337.  
4182 विभक्तिस्थानविचारसंग्रह:—(वेदान्त-  
जैन) of जिनहंसरी. Jh 4-8-  
4183 विवेकप्रदीपविवरणमाला—(वेदान्त) of  
पं. सुदर्शनाचार्य. A work on वेदान्त  
philosophy by रामानुज, compiled  
by Pt. S. पञ्जाबी. 1902. 8vo. pp.  
144, 3. 1-  
4184 विवेकमञ्जरी. Part 1. V/  
4185 विविधद्वैतमतविनयनाथ:—(वेदान्त)—नारद-  
पण्डित कृत: । अथ शिरोद्वैतमतो देवामोक्ष-  
पातिगृह्य सिद्धेन्द्रद्वैतेनोपनिषदा तात्पर्य-  
व्याख्यानमित् । G. 1-  
4186 विविधद्वैतविवरणमाला—पञ्चनदीमण्ड-  
लसुदर्शनाचार्यविरचिता । अथ अद्वैतसूत्रान्त-  
र्गतविवरण शब्दस्य च कर्मज्ञानद्वैतनामस्य ।  
हिरण्यगर्भादि ज्ञानानोपरमभेदविस्तारः योग-  
मतविस्तारः ब्रह्मणः प्रत्यक्षोपादानस्य च । सुद्धौ  
वैतन्यं स्मर्यते । पञ्चपातेमताविस्तारः । भाग-  
वतमतसंस्थापनाम् । इत्यादयो विवरणरामानुज  
मतेन सम्पन्नानि सन्ति । Gu 1-  
4187 विष्णुवाक्यसंग्रहः—वार्धक्यसिद्धि-  
नामक टीकासहित. pp. 10, 313, 9.  
Y 1-8-  
4188 विष्णुसूक्तसंग्रहः । संप्रदेश्यशास्त्रि-  
विरचितः । लघुसूक्तसंग्रहस्य सार-  
मयसंग्रहस्य व्याख्यानम् । Ch 2-  
4189 विष्णुसूक्तसंग्रहः by पञ्चनदी Km 7 1-  
4190 विष्णुसूक्तसंग्रहः—(सूक्तसंग्रह) Kg -8-  
4190, — पञ्चनदीम् । Kg -4-  
4191 विष्णुसूक्तसंग्रहः A prose Engl.  
transl. by M. V. शर्मा. 1912.  
2nd 8vo. pp. XII 464, C. 10-

व

- 4192 — A prose Engl transl  
= system of Hindu mythology  
by Wilson & Cowell vol I & II  
(1-94-1800) each 15-  
4192<sub>2</sub> विष्णुसाम्प्रदायः a treatise on Indian  
Painting, Image-making by S  
Kramrisch 2nd edn 1924, Roy  
pp 59, part 3 Cu 3-  
4193 विष्णुसाम्प्रदाय—मूळ Vy 10-  
4194 विष्णुसाम्प्रदाय दि केमालप्रगल्भतासम्पन्नम् सङ्ग  
by शङ्कराचार्य Km 1-  
4195 विज्ञानभरण (भरणम्,) A Treatise  
on the *Kashmir Shalva Yoj*  
with comm partly by शम्भु  
and partly by शङ्कराचार्य Ano-  
ther comm by आनन्दमठ Km 2-8-  
4196 विष्णुपादविशेषानुसन्धानम् आङ्ग्लसंस्कृत-  
कृतटीकासहित Vv -8-  
4197 विष्णुभक्तिसम्प्रदाय (काव्य) पुष्पलताम-  
नराचित, महीश्वरविरचित टीकासहित N -10-  
4198 विष्णुपदौ orig संस्कृत with  
मराठा transl by केमकरशास्त्रा  
4199 विष्णुसम्प्रदाय—plain : N -2-  
4200 — silk-cover N -5-  
4201 — Bold type N -6-  
4202 — Text in इतिहासी and  
Engl transl by R अनन्तकृष्णशास्त्री  
Al 2-8-  
4203 — Vy -7-  
4204 — शाङ्करभाष्यमहितः Vy -8-  
4205 — भाष्य of शङ्करभगवत्पाद  
चार with the comm of तत्त्वज्ञानम्  
Hoyal Svo  
4206 — Vy -5-

व

- 4207 विष्णुसम्प्रदायसंग्रहम् by A.  
छो 1913 cr pp 22 Bd 2-  
4208 विष्णुसंहिता—(तन्त्र) Tr 2-8-  
4209 Vision of वासुदेवा (स्वप्नवासुदेवा)  
ed with an introd Engl transl  
exegetical, critical, gramma-  
tical mythological and histori-  
cal notes by Dr लक्ष्मणसह्य Pu 4-  
4210 Vicissitudes of Aryan civi-  
lization in India (essay) which  
treats the history of the vedic  
& Buddhistic Politics, explaining  
their origin, prosperity & decline  
by M M कृष्ण 1880 Roy Svo pp  
550 20-  
4211 विष्णुसंहिता—शङ्कराचार्येण विरचित,  
ed by मुनिजिवविमल 1916 Svo pp.  
2, 702 1-  
4212 The Village Gods of South  
India by the Right Rev Henry  
Whitehead 2nd edn revised and  
enlarged 1921 pp 176 with  
18 illustrations 4-8-  
4213 वीतिपुष्पान्नोत्र, सङ्ग (जैन) of इमा-  
चार्य with the comm of विष्णु-  
राजहति Jb 1-4-  
4214 विष्णुसम्प्रदायः Mu -10-  
4216 विष्णुसंहिता—(काव्य) by महेश्वर ed  
by Pt. रत्नकराचार्य Ch 3-  
4217 विष्णुसंहिता of मद्रासनाथ शर्मा, ed  
by विष्णुभक्तिसम्प्रदाय and मद्रास-  
व्याससहित Bt 1-8-  
4218 विष्णुसंहिता—(काव्य) and मद्रास-  
by Pargiter R.A.S 1917. 1-8-  
4219 — and मद्रास by Pargiter  
1913 J R A S 1-8-

व

- 4220 विशेषावश्यकभाष्य सटीक. 2-  
 4221 विततिमात्रतासिद्धि of वसुवन्धु विसृति  
 त्रिशतिव, ed. by S levi संस्कृतमूलम्  
 cr. 1925 5-  
 4222 वीतयगस्तोत्र orig संस्कृत with  
 हिंदी transl 1915. crown pp 69,  
 4, 4 Dt -3-  
 4223 वीरमित्रोदये-आर्द्धप्रमाण -(वर्म) by  
 M. M. Pt. मित्रमित्र, ed by Pt.  
 निवानन्दपन्तर्वरीण. ch -3-  
 4224 वीरमित्रोदये-संप्रमाण -(वर्म) by  
 Pt मित्रमित्र, edited by Pt विष्णु-  
 प्रसाद भण्डारी ch 9-  
 4225 वीरमित्रोदये-परिभाषा-सत्याप्रमाण  
 (वर्म) by Pt मित्रमित्र, ed with  
 मापिण्डवरीपत्र—an independent  
 essay by M M pt निवानन्दपन्त  
 शर्मा. Ch 16-8-  
 4226 वीरमित्रोदये-राजनीतिप्रमाण -(वर्म)  
 by Pt. मित्रमित्र edited by विष्णु-  
 प्रसाद भण्डारी. Ch 7-8-  
 4227 वीरमित्रोदये-कथनप्रमाण -(वर्म) by  
 Pt मित्रमित्र edited by Pt विष्णुप्रसाद  
 भण्डारी Ch 10-8-  
 4228 वीरमित्रोदये-व्यवहारप्रमाण (वर्म) by  
 मित्रमित्र. edited by Pt विष्णुप्रसाद  
 भण्डारी Ch  
 4229 वीरमित्रोदये-व्यवहारप्रमाण -(वर्म) मित्र  
 मित्रमित्र विराचित, ed by जीवानन्द निवा-  
 तावर. 1875 8vo pp 712. Cr  
 4230 — पूजाप्रमाण (वर्म) by M.  
 M. Pt मित्रमित्र ed by Pt विष्णु-  
 प्रसादभण्डारी भण्डारी Ch 6-  
 4231 वीरमित्रोदये-विषय (विषय) सूच.  
 Mt 2-

व

- 4232 VIRGIN WORSHIP, notes and  
 queries of, see—The notes and  
 queries on virgin worship 2312.  
 4233 THE WISDOM OF THE ARYAS  
 by Bennett A Roy. 16mo. 2-  
 4234 THE WISDOM OF Upanishads  
 (German) by Hertel J Cr pp.  
 VIII. 79. Gr 4-  
 4235 THE WOMAN IN ANCIENT  
 INDIAN EPOS by Meyer J 15-  
 4236 THE WOMAN IN BRAHMA-  
 NISM by Winternitz Gr 3-4-  
 4237 THE WAY to Nirvana by L  
 DELA V Pousin Cr. 8vo  
 Cms 5-  
 4238 WAVE OF BLISS or आनन्दलहरी  
 transl. with comm Tl 1-8-  
 4239 वेणीरत्नार-(वाचक) of भट्टनारायण,  
 जगत्प्रह्लाद-रीकावह pp 216 N 1-4-  
 4240 — Ed by B T. दवीड  
 alias सेपाविजयम्बर with notes 1896  
 8vo pp 27, 117, 92 34, 11. 2-  
 4241 — with संस्कृत comm वाच-  
 कोविनी by अण्णाहोत्री रसिकवेकर &  
 Engl. notes by प्रो K. N दवीड.  
 1910 5-  
 4242 — publ by हयगुणरी.  
 1901. 8vo pp 195 Md -12-  
 4243 — Ed with the comm  
 of जगत्प्रह्लाद, curtailed and enlarged  
 as necessary; various readings,  
 a literal Engl transl. & critical  
 & explanatory notes in Engl.  
 by M. R. दवीड. 1919. Gn 3-



व

- 4263 वेदान्त—Its Doctrine of Divine Personality by K. सुन्दरगुप्त Cr. 8vo pp 200. *Vb* 1-8-
- 4264 The Vedanta Doctrine of शक्राचार्य, comprising of शक्राचार्य's दक्षिणमूर्तिस्तोत्राः 2 क्षेत्राचार्य's प्रणवस्तोत्रं & 3 दक्षिणमूर्ति उपनिषद् Text and transl. ed by महादेवशास्त्री 1920 or. pp Lxxv. 223. 4. 2nd edn. *2-*
- 4265 वेदान्त—Its Ethical Aspect by K. सुन्दरगुप्त, containing 23 chapters with an appendix on "गतिः How to understand it" Cr. 8vo pp. 400 *Ci* *Vb* 3-
- 4266 वेदान्ततत्त्वप्रयोग (वेदान्त) निबन्धिका, by भक्तानन्द, edited by Pt. रत्नगोपाल भट्ट. *Ch* 3-
- 4267 वेदान्तविमर्शिनः । *Vb* -2-
- 4268 वेदान्ततत्त्वप्रयोग—श्रीमत्परमहंसपरमहंस-काचार्येण वृत्तिहासमनिरचितः । तैत्तिरीयसं-प्रयोगेण संपादितः । -12-
- 4269 वेदान्तदीप — (वेदान्त) निशिष्टद्वैत. A gloss on ब्रह्मसूत्र by रामानुजाचार्य, ed by महादेवशास्त्री. *Bn* 4-8-
- 4270 वेदान्तसारसंग्रह. Pt. I 2 and 3 *Vj* 11-8-
- 4271 वेदान्तपरिभाषा श्रीमत्पराशरामहोदयविर-चिता । कृष्णनाथगिरिपरमहंसजीवितया-आशुपरोक्षेण संपादयता टीकासहितः । तेनैव संप्रकृता प्रकाशिता च । 8vo pp. 368 *Sd* 2-
- 4272 — with comm. परिभाषा प्रकाशिका by भक्तानन्दशास्त्री with a foreward by Prof. राधाकृष्ण. 1927. Roy. pp XII, 378 *Co* -6

व

- 4273 — By श्रीमत्पराशरामहोदय with the comm. अर्थविवेचिका by शिवदत्त पाण्डित, ed. with notes etc. by Pt. जयचरणशास्त्री *HS* 1-4-
- 4274 VEDANTA-PHILOSOPHY.—out line of the वेदान्त system of philosophy according to शक्राचार्य by Paul Deussen, transl. by Woods and C B. Runkle 2nd edn. 1915 8vo pp 56. *Ho* 3-8-
- This book, a translation of the summary given by Deussen at the end of his monumental work, *Das System des Vedanta* was first published in 1906. Since then thanks to the learning and enthusiasm of Charles Johnston the whole great work has been made accessible in an English version, nevertheless the small book was so inexpensive and practical, that a new edition was made in 1915. The summary, although brief and compact is yet so lucid and adequate, — in short so altogether admirable that it is not likely soon to be superseded by a better exposition of what has been to unfold millions at once a philosophy and a religion.
- 4275 वेदान्तसूत्रानुसारेण वेदान्तपरिचयः and explanatory quotations from उपनिषद्, भगवद्गीता etc. and their Engl. transl. by श्रीराम सुब्रह्मण्य. Barisal. *SI* 5-
- 4276 — Three lectures delivered by Max Muller *Lm* 5-5-
- 4277 — By M. विद्या. *Ad* -12-
- 4278 वेदान्तसत्यप्रमाण A comm. from the view point of विश्वकर्मा philoso-



- phy on the दशसोकी of श्रीनिम्बार्क-  
चार्य, by भागवत पुरुषोत्तम.
- 4280 वेदान्तसहस्रम्-(वेदान्त) वेदान्तवागीश-  
भट्टाचार्यविरचितम् । अत्राद्वैतमतसिद्धान्तो  
निरूपिताः । उपनिषद् प्रदर्शिता । भाषाति-  
सरला प्रोदा च । *Gu* 1-
- 4281 वेदान्तसार (वेदान्त) नृसिंहसरस्वतीस्वामि  
कृतमुनोपनिष्या, रामतीर्थविरचित-विद्वन्मनो-  
रञ्जनीटीकया, जे- १, जेकर एतेषामाहार  
दिपण्या पाठान्तरेष्व समलकृत । pp. 10  
2, 80 *N* 1-4-
- 4282 — of सदानन्द with the  
comm. of आपदेव and a critical  
Engl introd. by Prof. K सुन्दरम्  
भय्यर *Cr* 8vo cl. *V* 1-8-
- 4283 — Transl into Engl with  
introd and notes by Dr. Ballan-  
tyne 1898, 8vo, pp, iv, 136. 3-
- 4284 वेदान्तसार A work on वेदान्त  
philosophy, ed with introd and  
transl explanatory notes by  
मा विरिजण्ण 1929 8vo pp xx,  
62 *1-8-*
- 4285 — of रामानुज, ed by मरियण्ण  
भट्टाचार्य *Sd* 1-8-
- 4286 — By सदानन्दसरस्वती with  
पञ्चसमासटीका, ed by श्रीयोगानन्दयतिसिंह.  
1890 8vo pp. 10, 73, 2. -8-
- 4287 — In मराठी ( ओवीवद ) by  
सदानन्द सरस्वती 1890, 8vo pp -8-
- 4288 वेदान्तसप्रह(कृष्णप्रह) philosophical  
selections from the कृष्णप्रह, ed  
with a मराठी transl. and foot-  
notes by V G पवारजे 1928. 4-
- 1289 वेदान्त-सिद्धान्तसप्रह — (वेदान्त)  
Nimbarka Philosophy with a  
commentary by वनमाळो मिश्र and  
वेदान्तकारिकावली by पुरषोत्तमप्रसाद  
शर्मा, with a comm called अध्यात्म  
पुष्पातराशेण, ed by देवीप्रसाद शर्मा कवि.  
*Ch* 4-8-
- 4290 वेदान्तसिद्धान्तदर्श (वेदान्त) श्रीमोहन-  
लालाभिषेन साधुना वेदान्तीवृद्धद्वन्द्वेण  
प्रतिविशुण्ण कृते प्रणीत । *Ls* 1-
- 4291 वेदान्तसिद्धान्तसुधारणी (वेदान्त) of  
प्रकाशानन्द with Engl transl  
and notes by Late Col. Arthur  
Venus pp 108. *1-12-*
- 4292 वेदान्तसूत्रं रामानन्दसरस्वतीकृत ब्राह्मसूत्र  
वर्णिनी गतिसहित । *Ls* 3-4-
- 4293 Vedanta Sutras with ब्रह्मदेव's  
comm transl into Engl with  
copious explanatory notes by  
श्रीशचन्द्र विचारल *Po* 15-3
- 4294 — with Shankara's comm.  
transl into Engl by Thibaut  
vol I and II *Of* 2-8-
- 4295 — with the comm of  
रामानुज transl into Engl. by  
Thibaut G 1904 vol XLVII, 8vo  
pp. xi, 800, 8 *Of* 19-
- 4296 — with the श्रीभाष्य of श्रीरामानुज  
transl into Engl by M रामाचार्य &  
M II बरदराज भवगार 1899. 8vo.  
pp. iii, LXXV, 440 *Bs* 8-
- 4297 वेदान्तसुप्रह- (वेदान्त) पूरणदा भग-  
वद्व्यासमहामुनिकृत । *Ch* -1-
- 4298 वेदान्तसुप्रह- (वेदान्त) ब्रह्मानन्द  
सरस्वतीविरचिता । *Aa* 2-6-
- 4299 वेदान्तसुप्रह- (वेदान्त) श्री ५ दश-  
चार्य विरचित । *Ch* -4-

व

- 4300 वेदोक्तशिवाचन-( स्तोत्र ) सिनकूजा-  
विधान Vy -5-
- 4301 वेदन्तादृतसिद्धान्तशिष्या 1918 -8-
- 4302 Vedic Antiquities By G  
Jouveau Dubreuil Ad 1-
- 4303 VEDIC AKHYANA AND THE  
INDIAN DRAMA. Origin of Tragedy  
and the Akhyana by Keith A  
1912 ( 1 R A S ) each 1-8-
- 4304 VEDIC BASIS OF HINDU LAW  
by P V कान्ग 1922 8vo pp 57,  
82 -8-
- 4305 VEDIC BRAHMANA PERIOD  
of the religion of ancient India  
by Hardy E G 10-
- 4306 VEDIC CHRONOLOGY and  
Vedanga Jyotish by Tilak B G  
M 3-8-
- 4307 A Vedic Concordance, be-  
ing an alphabetic index to ev-  
ery line of the published Vedic  
literature and to the liturgical  
formulas thereof, that is an in-  
dex to the Vedic Mantras, with  
an account of their variations  
in the Vedic books, by M  
Bloomfield 1906 Royal 4to  
(12" x 10") pp xiv+1078, ha-  
lf morocco Hc 90-
- 4308 A VEDIC GRAMMER FOR  
STUDENTS by A A Macdo-  
nell 1916 Crown 8vo (7½ x 53)  
pp xii+508 Of 7-4-
- 4310 — by Macdonell with indi-  
ces 1910 New 1100 g Gr 24-

व

- 4311 VEDIC INDIA as embodied  
principally in the ऋग्वेद by z A  
Ragozin with 36 illustrations  
and maps Fu 5-10-
- 4313 वेदविशेष by हस्तज with an  
elaborate introd by भागदत्त, com-  
prising a concordance of all the  
etymologies meanings of the  
Vedic words attributes of differ-  
ent वर्तमान, scientific & moral pas-  
sages and other usefull mate-  
rial contained in the 15 printed  
भाष्यस of the वेद pt I. 8vo pp 4  
94, 699 Du 12-
- 4314 VEDIC MYTHOLOGY by Mac-  
donell A 15-
- 4315 — By Hillebrandt in  
German 3 vols each 30-
- 4316 Vedic Hymns transl from  
the ऋग्वेद by Thomas E J 1923  
or pp 127 Wc 2-12-
- 4317 VEDIC LAW OF MARRIAGE  
or the emancipation of woman  
by Pandit महाद्वयशर्मा श्रीनिवास  
वराहनाथ 3-
- 4318 Vedic Metro in its histori-  
cal Development by Arnold E  
V Demy 8vo Cam 18-
- 4319 VEDIC PHILOSOPHY WITH  
सामान्यतत्त्वविचार Text and Transl  
by हस्ताश्रय Id 2 8-
- 4320 A VEDIC READER for TU-  
DENTS containing thirty hymns  
of the Rigveda in the original  
Sambhita, Pada Texts with trans-  
literation, translation explana-

व

tory notes, introduction and vocabulary, by A. A. Macdonell 1897 Crown 8vo pp xxvii 264 Of 5-

4321 VEDIC RELIGION and CASTE by Pt महादेवशास्त्री श्रीनिवास वरदाचारि. Md -8-

4322 VEDIC & Sanskrit Syntax by Spayer J 1896 -8-

4323 वेदभूषणचरितम् A prose work by वामनभट्टराय with a sk introd by कृष्णम्माचारियर विद्यानिधी Cr 8vo pp xv=235 Cloth Ks 2-

4324 — by Pt K कृष्णम्माचारियर 1921 Or pp iv, 36 -4-

4325 वेदान्तसप्तमप्रश्न by वेदान्त Tr -8-

4326 वेदान्तसम्प्रदायसूत्रम् The domestic rules of the वेदान्त school belonging to the कृष्णयजुर्वेद, critically ed by Dr Caland 1927 8vo pp vii, 145. B 2-

4327 — Translated into Engl by Caland 4-4-

4328 वेदान्तप्रश्न, — the rituals of the जयदेवेन, see—no 48. 6-

4329 — see—no 49

4331 वैदिकधर्म A संस्कृत हिंदी magazine ed by S D सातवलेकर 1920 Issues 10 & 11 yearly 3-8-

4332 वैदिकशास्त्रमयम् by Pt केदारनाथ विद्याभरण -8-

4333 वेदमन्त्रमय- (वेदक) टिप्पणिसमेत । श्रीमन्मिश्रवरीधरप्रणीत Gn 5-

4334 वैदिकशास्त्रसंग्रह, ed with गुणगोपी transl by R C. रॉय Roy pp 15,431 Gplm 3-8-

व

4335 वेदजीवनम् (संस्कृत-हिंदी) भिषग्वयले लिखित चरित्रविरचितम्। ग्रामपतिवर्धकृतानन्द वृतयार्थपिकया टीकासहितम्। प मिश्रचन्द्र-कृतमाप्यवितुत्वा च समन्वितम्। 1920 Roy. pp 4,124 Vy

4336 वेदस्य सत्तिष्ठ - (कोश) Cc -10-

4337 वेदविनोद- (वेदक) मूक Mt 1-8-

4338 वेदातिरम्यायमाहाविस्तर - ( वेदन्त ) भारतीतीर्थमुनिप्रणीत । Aa 1-12-

4339 वेदाकरणभूषण of कोण्डभट्ट with the वेदाकरणभूषणसार and the comm. कामिका of हरिहर, ed. with notes by K P त्रिवेदी. Bp 10-

4340 वेदाकरणभूषणसार (व्याकरण) पण्डितकोपेत । Kg 4-

4341 — सारटीकासहित Ka 2-

4342 वेदाकरणसिद्धान्तवार्त्ता. - (व्याकरण) कोण्डभट्टविरचितवैद्याकरणभूषणसारस्यव्याख्यासमेता । भट्टाजीशसितविरचिता । Aa 12-

4343 वेदाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जरी - (व्याकरण) by नागेशभट्ट with two comments: 1 o (1) कुञ्जिका of दुर्वाचार्थ and (2) कला by बालभट्ट edited by Pt सितारामशास्त्री केडे Ch 15-

4345 वेदपण्यसूक्तम् of भट्टहरि Text and Translation, published by माधवानन्दस्वामि Ad -10-

4346 — भट्टहरिहृत, कृष्णशास्त्री महानन्दकृतटीकासहित N -6-

4347 — अण्वयदीप्तिवृत्त. Vy -3-

4348 — गोस्वामिजनादेनभट्टप्रणीत Km 13 1-

4349 — सत्यक, (जिन) of दुर्वाचार्थ Jb 1-8-

4350 — पद्मानन्दविरचित Km 1 1-

- ४३५१ वैश्वामित्रसंहिता, सटीक, स्कन्दपुराण  
नर्तन. Vy 1-
- ४३५२ — पद्मपुराणान्तर्गत सविण  
Py -12-
- ४३५३ वैश्वामित्रसंहिता (वैदिक) प्रस्तुतपाद भाष्य  
तथा श्रीकृष्णशास्त्रीनिर्मितटिप्पणीसहितम् ।  
Mc -12-
- ४३५४ वैश्वामित्रसंहिता । सटीक-प्रस्तुतपादभा-  
ष्योपस्काराभासप्रस्तुतम् । Rg 3-8-
- ४३५५ — श्रीकणादसुनि with उपस्कार,  
वृत्ति and भाष्य ed. by M G वाके-  
शास्त्री 1918 8vo. pp 4 402  
14 4. Ru 2-
- ४३५६ — सविणवर्णनाभाष्योपस्कारम्, of  
कणाद with a comm. called  
उपस्कार by कर्कानिबन्ध and प्रस्तुतपादभाष्य  
by प्रस्तुतपादभाष्य, ed with comm  
by Pt सुवर्णराजशास्त्री A's 2-8
- ४३५७ — with the commen-  
tary of प्रस्तुतपाद and the gloss  
called किरणवर्ती by उद्दयनभाष्य ed  
by Pt निवेद्यश्रीप्रसाद द्विवेदी Bu 6-4-
- ४३५८ कणादसुनिप्रणीत प्रस्तु-  
तपादभाष्यसहितम् । Ru 1-
- ४३५९ — (द्वितीयसहितम्) ed by जय-  
नारायण तर्कभाटन Id 2-
- ४३६० — (समाख्य) ed by चन्द्र-  
काय तर्कभाटन Sl 2-
- ४३६१ Vaishnka Philosophy, accord-  
ing to the दशरूपसंग्रह Chi-  
nese text with introd. and transl.  
and notes by H U ed by  
Thomas F W. 1917 Roy. pp  
xi 263. Ru 9-8-
- ४३६२ The Vaishnka system des-  
cribed with the help of the old-  
est texts, by FADDEGON B.  
1918 20-
- ४३६३ THE VAISHNKA Sūtras of  
कणाद with the comm. of शंकर-  
मिश्र and extracts from the gloss  
of जयनारायण and चन्द्रकाय transl  
by मन्महाद (सिंह. 2nd edn Roy. pp  
xxx, 335 Po 7-8-
- ४३६४ वैश्वामित्रसुनिबन्ध श्रीमहासुनिकणाद  
विरचित. Ch -8-
- ४३६५ वैश्वामित्रसुनोपस्कार-जयनारायण  
तर्कप्रधाननमन्महाचार्यविरचित. Gu
- ४३६६ वैष्णव धर्म-सौ-भाग्यपरम्, स्कन्द- and  
शाङ्ख-भाष्य-मार्ग by R G. माधवराज  
in Engl. 1913 Rp 3-8-
- ४३६७ वैष्णवधर्मपरिचय—(२ भाग्यक १ कठि-  
सत, २ कृष्ण ४ गुरु ५ नारायणसुतोत्तर-  
सविनि, १ शारदा ७ विद्याविभूतिमहा-  
नारायण ८ दत्तात्रेय ९ नारायण १० सु-  
सिंहसुतोत्तरसविनि ११ रामसुतोत्तरसविनि  
१२ रामसुतोत्तर १३ वासुदेव and १४  
द्वयवीर) ed by Pt A. महादेवशास्त्री  
with the commentary of श्रीमन्नारायण  
मन्महाचार्य 1923. 8vo pp 31, 407  
Ad 5-
- ४३६८ वैष्णवमहासुनि केवल जयमान विष्णु  
निति तथा श्रीवर्तीकासहितम् । Vy 7-
- ४३७० Vaishnavite Reformers of  
India Their lives and writings  
by T रामयोगेश्वर चारियर 2nd edn  
or pp IV, 128 Ni 1-8-
- ४३७१ The Vaishnava Literature of  
Medieval Bengal, by विवेकच-  
न्द्रसेन 8vo pp 312 Cu 4-6-
- The book contains a collected list-  
ing of the influence of Vaishnava

व

Literature of the Medieval Age on the development of Bengali Language, with concluding chapters on the relation between the Buddhist and Vaishnava creeds and similarity between Vaishnavism and Christianity. It clearly shows how religion once played a great part in the building up of our national literature

4372 ब्रह्मसंहिता-सामवेद-यम् 5-

4373 ब्रह्मसंहिता, — श्रीरामदास-विरचित N

4374 ब्रह्मसंहिता-सामवेद-यम् श्रीरामदास-विरचित N

4375 ब्रह्मसंहिता, orig संस्कृत with मराठी transl. by केमकर शास्त्री. 1-

4376 ब्रह्मसंहिता (छन्द) by श्रीनिवास-कोष. A treatise on sanskrit metre V. -2-

4377 ब्रह्मसंहिता (छन्द) सटीक, स्वामीश्वर. M. -7-

4378 — pp 3, 98 IV. N 1-

4379 — केदारभट्टेनविरचित । विरचित-टीका-प्रस्ताव-द्वयः समर्थकृत । ed. by रेवतीकान्त महाचार्य. cr Cr -10-

4380 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) श्रीमदात्म-दीक्षितप्रणीत N -3-

4381 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) गुणरत्नसुन्दरसहिता । VI -10-

4382 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) कुमुदसुन्दरसहिता-काव्यवर्णित Aa 6-12-

4383 — ( अष्टाङ्ग ) सिद्धयोग कण्ठदत्त व्याख्यासहित. Aa -12-

4384 ब्रह्मसंहिता-सामवेद, मूलभाषा I II -12-

4385 ब्रह्मसंहिता-सामवेद, संस्कृत with मराठी transl. publ. by V. D. गुरदरे. 1914 8vo अष्टाङ्ग 17. Bo -12-

व

4386 ब्रह्मसंहिता-सामवेद with मराठी transl. by केमकर शास्त्री. 1888 Roy. pp. 126.1-

4387 ब्रह्मसंहिता ( अष्टाङ्ग ) भाषावर्णित । श्रीमदात्मदीक्षितविरचित । श्रीमदात्मदीक्षितविरचित । Ch -3-

4388 ब्रह्मसंहिता- ( नाटिका ) श्रीमदात्मदीक्षितविरचित । N 5-

4389 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) श्रीमदात्मदीक्षितविरचित. Ch 6-

4390 — ( अष्टाङ्ग ) Vy 6-

4391 ब्रह्मसंहिता-सामवेद in Hindi ed by Pt. मदनमोहन शर्मा. 3-

4392 ब्रह्मसंहिता-सामवेद- ( अष्टाङ्ग ) महान-छन्द by नागेशभट्ट.

4393 ब्रह्मसंहिता-सामवेद- ( अष्टाङ्ग ) compiled by order of the महाराज of जयपुर, ed. with a prefatory notes by Pt. नारायणशास्त्री सिस्ती. & Pt. जगन्नाथशास्त्री होशींग. 1-8-

4394 ब्रह्मसंहिता-सामवेद orig संस्कृत with मराठी transl. by V. S. वाणे 1920. 8vo, pp. 5-2-

4395 ब्रह्मसंहिता-सामवेद- ( अष्टाङ्ग ) मूलटीका समेत. Vy -12-

4396 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) बापूदेवशास्त्री कृत सम्पूर्ण Ku 1-8-

4397 ब्रह्मसंहिता- ( अष्टाङ्ग ) by महिमाभट्ट with commentary Tr 2-12-

4398 ब्रह्मसंहिता-सामवेद ( अष्टाङ्ग ) An extensive comm. on ब्रह्मसंहिता, portion of मित्यासत्र, by विद्यानेश्वर, and by पाठ-समूह बापूगुण्डे, ed. by Pt. नित्यानन्दपन्त under the supervision of and with introd. by गोविन्ददास of दुर्गाकुण्ड Ch 16-8-

व

- 4399 — in orig. with Engl transl with references to *मिताक्षरा-वैततिमिश्रादयः*, *व्यवहारभाष्य*, *यमलकर* and *जामुतवाहन's* *दायभाग*, also the *राह-वक्ष्य* complete in orig with an Engl transl notes and an introd on the sources of, and appendices containing notes on various topics of *Hindu Law* by V N मण्डलक 1880 pt I and II Roy pp 16, 177, Lxxxvi 532.

Os 40-

- 1400 — A treatise on positive law by नीलकण्ठ भट्ट Engl transl with notes etc by J R पाट्टे 1924 pt II Roy pp xxxii 232

Bo 15-

- 1401 — with a short historical sketch of *भगवद्देश* in Hindi, by K शिवनाथसिंह ed by M G बाके & V R लेले. 1923 8vo pp 10, 156

Gu 1-12-

- 1402 — of नीलकण्ठ with notes, by Prof P V बाळ Bp 10-

- 1403 व्यवहारतन्त्र-(व्यवहारीय) भागदात्रनाथ विनिर्मित Ch -8-

- 4404 व्याकरणजोडपत्रम् । pt 1 & 2

Su 1-4-

- 4406 व्याकरणवैश्वरी (व्याकरण) Kg -8-

- 4407 व्याकरणप्रवृत्तिलाघी by कृष्णदासाय 1918

Mu -6-

- 4408 व्याकरणवैश्वरी वाणिज्यसूत्रम् ।

भारतमन्त्रिपालिका ॥ L- 8-8-

- 1109 व्याकरणसूत्रसंग्रह — सार्वभौमसिंह ।

Gut 2-

- 4410 व्याकरणमहाभाष्यसंग्रहसहित compiled by Pt श्रीधरनाथ पाटक and सिद्ध-

व

- श्रवणशी चित्रा "A monument of patient industry. No Oriental Library can afford to be without it" pp. 1150 15-

- 4411 व्याकरणमहाभाष्यम् । पूज्यपादमहाशय-  
स्महामुनिपुत्रादिप्रणीतम् । म म भाके-  
बरोपाध्याय—भागीर्ज भट्टाभ्या रचितभ्यां  
प्रदीपयोताएव विवरणाभ्या समुह्यतितैम् ।  
नृनादिकपर्यायतम् । प्रथमाध्याय द्वितीय  
पादवि समाप्तिपर्यन्त म न भाके-विरचित  
प्रदीपसहितम् । 25-

- 4412 — पूज्यपादमहाशयस्य कृतिप्रणीतम् ।  
केयटविररणासहितम् । नृनादिकपर्यायतम् ।

Ch 5-

- 4413 — of P'anjali by Dr. F. Kielhorn vol II & III 2nd edn (Text only) each Bp 9-

- 4414 — (पाकरण) केयटविरर-प्रदीप-  
सहितम् Kg 24-

- 4415 व्याकरणशास्त्रसूत्रम्—(German)  
Grammaticas Sanskrit, ed by  
Othmarus Franz. Roy pp xvi,  
2, 5, 218 G- 30-

- 1116 व्याकरणसिद्धान्तदर्पण—(व्याकरण) A  
Sanskrit grammar in English  
by Pt बचनराय 1899 pt I &  
II Roy pp II, 111 L- 2-

- 1117 व्याकरणसिद्धान्तसूत्रदर्पण—(व्याकरण)  
A comm of Panini-sutras by  
विश्वेश्वरसिंह, ed by का कर्ण and  
Pt भाष्यनाथी सहाय C- 15-

- 1118 व्याकरणशास्त्रम्, रसाम् च सुदाना-  
सहितम् Mu -12-

- 1119 व्याकरणशास्त्रम् । I / -1-

- 4420 व्याकरणशास्त्रनिर्णय—(सूत्रम्) by  
अनवर सिंहसिंह cr 8vo I, -8-

व

- 4421 व्युत्पत्तिवाद (न्याय) म म दण्डित  
भोजयेद मिमिरचित तथा जयनाम  
टीकाव्याख्या (द्वितीय विभागेनन्त ।
- 4422 — कृष्णभट्टादिकासहित । *Ag* 4-
- 4423 — — *Su* 2-
- 4424 Verb Inflection in Sanskrit  
by Avery J 12-
- 4425 Varieties of the Vishnu  
Image by Pt विश्वविनाय *Gr* -12-
- 4426 The Verbal system of अथर्ववेद  
see—no 34
- 4427 The view-point of न्यायैश्वरिका  
Philosophy by G N कविराज *Sb*
- 4428 Vocabulaire buddhique sanskrit  
chinoise, by Aarlez 1897
- 4429 Votive Inscriptions on the  
stupas at सार्वी *Gr* 1-6-
- 4430 विश्वामित्रादि the complete  
works of see—The complete  
works of विश्वामित्रादि 1337
- 4431 व्यक्त्यन्तरम् (काव्य) By पद्मनाभ  
शास्त्रा, ed by G V शर्मा -3-
- 4432 VARENDRA Research Society  
a catalogue of the archaeological  
relics in the museum, see—A  
catalogue of the Archaeological  
relics in the museum of V R  
Society 1343
- 4433 विजयपदसुखी reminiscences  
of, see—reminiscences of विजयपद  
सुखी
- 4434 विजयनगर, a forgotten em-  
pire of see—A forgotten empire  
of विजयनगर 2785
- 4435 VISHNU IMAGE the varieties  
of, see—The varieties of विष्णु  
Image

व

- 4436 मित्रनेश्वर *mitakshara* treatise  
on the succession of, see—The  
Mitakshara treatise on the suc-  
cession of मित्रनेश्वर 3131
- 4437 अतर्कत Philo-sophy, some as-  
pects of, see—some aspect of the  
विरिषेव Philosophy
- 4438 WILLIAM JONES *memoirs*  
of life writing and correspon-  
dence of, see—The memoirs of  
life, writing and correspon-  
dence of William Jones 3529
- 4439 वेद, the religion of, see—The  
religion of वेद 3872
- 4440 — upto Upanishadic peri-  
od, general introd and philoso-  
phy of, see—The general introd.  
and philosophy of the वेद upto  
Upanishadic period 1703
- 4441 वेदाः the Researches in see—  
The Researches in वेदाः 3878
- 4442 — The Artio home in  
the वेदाः, see—The Artio home in  
the वेदाः 377
- 4443 वेदान्त the aspect of see—  
The aspect of वेदान्त 278
- 4444 — An outline of, the  
see—An outline of the वेदान्त  
983
- 4445 — the philosophy of, see  
The philosophy of वेदान्त 2799
- 4446 — System of philosophy,  
an outline of, see—An outline  
of the वेदान्त system of philoso-  
phy 983

व

- 4447 — the system of ब्रह्मज्ञ according to, see—the system of ब्रह्मज्ञ according to वेदान्त
- 4448 — सूत्रा the studies in, see—The studies in the वेदान्त सूत्रा
- 4449 — thought and culture, the systems of, see—The systems of वेदान्त thought and culture
- 4450 VEDIC authors, the chronology of, see—The chronology of Vedic authors
- 4451 VEDIC period, Indus valley in, see—Indus valley in the Vedic period. 546.
- 4452 — Researches modern, main results of, see Main results of Vedic Researches 3538
- 4453 — sacrifice and magic, ritual literature of, see—Ritual literature of Vedic sacrifice and magic
- 4454 VEDANTISM, the studies in, see—The studies in Vedantism
- 4455 WESTERN India, British Beginnings in, see—British Beginnings in Western India
- 4456 वेदज्ञ religion, the philosophy of, see—The philosophy of वेदज्ञ religion 2793
- 4457 वेदज्ञिनिम्, early history in South India, see—Early history of वेदज्ञिनिम् in South India 216
- 4458 ब्रह्मसूत्र हिं text of कन्य पञ्चम-विन, critically ed by Pincoft. (see 7-

श

- 4459 शक्तिया, the companion of God, in Engl. by आनन्द-स्वामी 8vo pp. 141 Norway 3-
- 4460 शक्तिवाद by हरिनाथ तर्कसिद्धान्त. Part: I Sd -12-
- 4461 — भाष्यटीका. Kr 1-4-
- 4462 — मनुवादीका Ky 1-4-
- 4463 शक्ति and काव्य. ESSAYS AND ADDRESSES ON THE शक्तितन्त्रशास्त्र, by A AYALON pp vii-xii, 1-199. Ty 7-8-
- 4464 अमरचम्प by मनुहारि 1918 cr. pp 2, 74. Pt -8-
- 4465 — नीति, वेदान्त, and द्वापर by पद्मराजकवि Kn13 1-
- 4466 Shatakas or wise sayings of मनुहारि, transl into Engl from sansk with notes & introductory preface on Indian Philosophy by Kenney J M 8vo. pp 166. 6-8-
- 4467 SHATAKAS of मनुहारि transl. into Engl. from the orig संस्कृत by WORTHAM H 1886 cr pp. XII, 71, 52 Kr 10-
- 4468 शतश्लोकाः । Sn -8-
- 4469 शतश्लोकाः of श्रीकृष्णाय वक्षन्ताचार्य, ed by Pt. आनन्दचरणे दिवागिरिनाथ (1903-1904) 2 fasc B. 1-8-
- 4470 — Part 1, 2 and 3 together Su 11-11-
- 4471 शतश्लोकाः शिवप्रसादादिना, ed. by प्रतापचन्द्र पाण्डे. (1902-1914) Pta. I-II. 19 fascicles. B. 16-
- 4472 शतपथब्राह्मणम् in the भाष्यदिन-शतम् extracts from the (1)



- ग्र  
commentary of सायणाचार्य, (2)  
हरिस्वामि and (3) द्विरेवंग्गा, ed.  
by Dr. A. Weber. Complete  
Reprint. Gr 60-
- 4473 — Translated into Eng-  
lish by J. Eggling, complete  
in 5 Vols Of 56-4-
- 4473: — in the काशीवसतः  
Text ed, for the first time with  
an Engl introduction of 120  
pages by Dr. Caland. 1926  
part I. Mt 10-
- 4474 जनश्लोकीयमायण, सटीक. Vy -5-
- 4475 जनश्लोकी by श्रीशंकराचार्य, orig.  
महर्षि with मराठी transl. by बापट-  
शास्त्री. 1922 8vo pp 124. Ak 1-
- 4476 गन्धर्वस्तुम - (व्याकरण) by pt.  
भट्टोजी दीक्षित, ed. by विन्नेश्वरीप्रसाद  
द्विवेदि & गणपतिशास्त्री मोकोटे. 6fas. 9-
- 4478 गन्धर्वप्रकाश-स्तोत्रचन्द्रिका-(कांश)  
गन्धर्वप्रकाश एकाक्षरशेखरः । N -1-
- 4479 गन्धर्वप्रकाश-(व्याकरण) V: -6-
- 4480 — Bm -5-
- 4481 — अनन्तनारायण शास्त्रिणा सक्त-  
कित्ता (अनन्त-समाप्त-शतुमासिकासहिता)  
cr. pp 2, 132. Vd -5-
- 4482 — Glazed edn Vd -2-
- 4484 गणपतिपात्रि-(व्याकरण) गुजीकरवृत्त.  
N -2-
- 4485 — compiled by T, R  
कृष्णाचार्य 1927.cr. pp. xvi, 6. -8-
- 4486 — A collections of words  
of Panini-Grammar, ed. by Pt.  
श्रीकनकलालशर्मा Hs -2-
- 4487 — अर्थात् 100 सत्यकथाव्याख्याणि।  
Ch -2-
- श  
4488 गन्धर्वविप्रकाशिका (व्याकरण) by  
Pt. जगदीश तर्कालार. 8vo. Part I,  
pp 153. Cu 1-6-
- 4489 — श्रीकृष्णकान्नीयटीकासहिता ।  
Kg 4-
- 4490 गन्धर्वपद (विषय) अगस्त्यमहर्षि-  
श्रेष्ठोऽलुपितवृत्तश्रीशंकराचार्य विरचित स-  
यमिनामभाषिकाव्य लघुतरनिबन्धसहितः ।  
Vz -8-
- 4491 गन्धर्वचिन्तामणि (केत) by सुभा-  
नंद. Vol 4 Roy. pp. 3193 25-
- 4492 गन्धर्वगामनम्-(व्याकरण) by अम-  
चन्द्रहरी, publ by J. M. ईर्मा 1907.  
8vo pp. 12, 414, 74 Ko 3-
- 4493 शाकटायनव्याकरण शाकटायनाचार्य-  
विरचित भाष्यसोपार्म्याचार्यविरचितपाठ्यकोष-  
सूचम् इति सहितम् । ed. by सुभाष-  
जैनि. pp 9)7. 7-
- 4494 — श्रीमदभयचन्द्रवर्मा प्रणीत  
महिका सद्यः सहितम् । Ch 4-8-
- 4495 — यस्यमहताचिन्तामणौटीकासहितम्।  
(German) transl. of Satras and  
explanations by सुमदनकर. १. अध्याय  
, पाठ १ 2-
- 4497 गान्धर्वविहितम्-(वदन्त) सटीक.  
Vy 4-
- 4498 शाङ्खरी-(व्याकरण) श्रीशंकरमहर्षिविरचितः।  
लघुसन्देशेभिरस्य परिभाषा प्रकरण पर्याप्तम्-  
व्याख्यानम् । Ch 3-
- 4499 — कारकेश्वरव्याख्या Mc -6-
- 4500 गान्धर्व-(नाटक) of काटिहस  
with the comm of—राघवभट्ट,  
various readings, introduction.  
literal transl. exhaustive notes  
and appendices by M. R. काळे.  
1925. 6th edn. 8vo. pp. 67,

ग

- 220 83, 210 revised and enlarged *Gn* 4-8-
- 4501 — The Purer दशनागर, Text ed with Lateral Engl transl various readings : preface, full notes and appendices by P N पादणकर 1902 8vo pp 19 2 223, 86, 8, 16, 3 4-8-
- 4503 — French transl by Deveza G *Tr* 2-
- 4504 — (सटीकम्) ed by वृष्णनाथ व्यासपञ्चानन *Sd* 2-
- 4505 — Ed by हरिदास सिद्धन्तनागास *Sl* 3
- 4506 — Ed with comm copious notes, and introd by K M जोषाकर *Sl* 3-
- 4507 — Ed with a सङ्गत comm by S D गज-प्रसादकर and introd notes—critical & explanatory and appendices by Prof A B गज-प्रसादकर *Sl* 5-
- 4508 — with introd (German) text in Nagari and मङ्गल and notes by Cappeller 1909 2nd edn Roy pp 20 160 9-
- 4509 — सत्यव्ययम् *Ms* 1-8-
- 4510 — with a new & exhaustive commentary by H H राम-वर्मा and राम वि-मोहा *Ed* 1-12-
- 4511 — The Bengali recension critically ed in the orig मङ्गल and मङ्गल by Prof Richard Pischel, at the Univ of Berlin Roy 8vo pp 250 *Ho* 18-6-

घ

- As descendants of भरत the Hindus are called भारतास Their "continent" is called भारतवर्ष and their great epic is called the Great Bharata (Story or Fight) महाभारत शकुन्तला is the mother of भरत and the beautiful story of her birth and life is told in the Great Epic This play is a dramatization of that story, and is the masterpiece of the literature of India
- 4512 — पाक्षी size 1871 pp 48, अक्ष 1-7 *On* 2-
- 4513 — of श्रीदेव्यास—ed and publ by किङ्गदकरशास्त्रि 1923 or pp 31 4-
- 4514 — with the commentary of अश्विनाथ, with a critical Engl introd and several half-tone & colour Illustrations *Cr* 8vo pp 1 332 Cloth *V* 8-
- 4515 — A sanskrit drama ed with the देवनागरी Recension and Engl transl of all the metrical passages and notes by M Williams 1875 2nd edn 8vo pp xii, 310 *Of* 16-
- 4516 — सत्यव्ययम् अवलोकनिका टीका-वृत्त *Ed* 1-8-
- 4517 — in *Ms* critically ed with grammatical, idiomatic and exegetical notes by Pincofs 1876 Act 1-7 Roy *pp* xii, 137 *Len* 7-8-



- Afghanistan, Nepal and Burma  
 by J. S. Wheeler. 1884. 8vo  
 pp. xiv, 744 12-6-  
 4550 Short History of Indian  
 Literature by Horowitz. cr.  
 pp. xxiii, 188 5-  
 4551 शास्त्रदर्पण- (धर्म) मन्त्रादिस्मृति  
 भारत इतिहासेभ्यः श्रीमहापरशुरामिणा सङ्-  
 कृता । *Le* 1-  
 4552 शास्त्रदर्पण, a metrical treatise on  
 the मन्त्रशास्त्र by अमरनाथ, the  
 author of कदम्बक Crown 8vo.  
 Cloth. *Pt* 2-8-  
 4553 शास्त्रदीपिका प्रथमस्तंभः । *N* 1-8-  
 4554 : शास्त्रदीपिका— (मीमांसा) संपाद-  
 मीमांसा by पार्थसारथी मिश्र with the  
 comm. called दुर्निरेहप्रहारी by Pt  
 रामकृष्ण मिश्र, and ed. by लक्ष्मणशर्मा  
 प्रवीण *Ch* 5-  
 4555 : शास्त्रदीपिकासंपाद (मीमांसा) पञ्चमीय  
 पण्डितसुब्रह्मणाचार्यशिरमिणोत्तमप्रसादाचार्य  
 संहिता । *Ch* 5-  
 4556 : शास्त्रसिद्धान्तलेखनार्थसंग्रह— (वेदान्त)  
 A prooabridgment of अण्णदीक्षित's  
 सिद्धान्तलेखनसंग्रह. by रामदेवमहाशयसर-  
 स्वती, ed. by T. M. त्रिपाठी 1908.  
*N* -8-  
 4557 : शास्त्रसिद्धान्तलेखन सटीक. सटीक.  
 book size. *Kg* 3-  
 4558 — पञ्चमस्क, सटीक. *Kg* 3-  
 4559 शास्त्रसंग्रह, पञ्चमस्क in हिंदी. cr  
 pp. 48. *Kg*  
 4560 माधवरोय and नानार्थरत्नमाला by  
 इन्द्रकान्ति N. N. 1923 New edn.  
 revised. *Os* 2-  
 4561 सिद्धांतसंग्रह— (सिद्धांत) by श्रीधर.  
 Part I. *Tr* 3-4  
 4559 शिवकर्मसूत्रम्— (वेदान्त) by अण्ण-  
 दीक्षित. Cr 8vo. *V* -6-  
 4560 शिवकर्मसूत्रम्. *Cr* 5-  
 4561 शिवकर्मसूत्रम् by [श्रीधर] शिवकर्मसूत्र. A  
 historical poem in सङ्घर्ष on the  
 rise, greatness & fall of the Ma-  
 ratha Empire from the times  
 of शिवाजी the great to the ab-  
 dication of बाजीराव the II, ed.  
 by J B. मोडक. 1887. 8vo. pp.  
 126, 2, 4. *S*-  
 4562 शिवकर्मसूत्रसंग्रह by शङ्कर-  
 चार्य *Le* 1-  
 4563 शिवकर्मसूत्रसंग्रह publ. by अण्ण-  
 दीक्षित. *B.L.S.M* 4-  
 4564 शिवकर्मसूत्र— (वेदान्त) पञ्चमीय-  
 संग्रह । बालानन्दिनीयाचर्य संहिता ।  
*N* -8-  
 4565 — with the comm. of  
 परमशिवेश्वर सरस्वति. Part. I Chap-  
 ters. 1-3. *V* -8-  
 4566 शिवकर्मसूत्र by शिवकर्मसूत्र. 8vo.  
 pp 284. *Cr* 4-11-  
 A translation of the oldest syste-  
 matic biography in Marathi of the  
 great Maratha hero, the Sabharwal  
 Bakhur, with extracts from Chitais  
 and Shrivadigvijaya with explanatory  
 notes  
 4568 शिवकर्मसूत्रसंग्रह (सिद्धांतसंग्रह) by  
 अण्णदीक्षित publ. by V. सार्वभौम अण्ण-  
 दीक्षित. 1895 Roy. pp. 112 *Ar* 2-  
 4569 शिवकर्मसूत्र, ed. with introd notes  
 & transl by P N. गोय 1923.  
 8vo. pp. 37. *M* 2-  
 4570 शिवकर्मसूत्रसंग्रह— (वेदान्त) A com-  
 mentary on the शिवकर्मसूत्र by श्रीधर-  
 दीक्षित. Cr. 8vo. *V* -12-

- 4571 शिवताण्ड्यस्तोत्रम् मूल Vy -12-  
 4572 शिवताण्ड्य Km  
 4573 ताम्रपत्रात्मिका, संग्रह Gs -6-  
 4574 शिवनामसंग्रहालङ्कार of मास्कर-  
 राय with a comm by व्यंकटेश्वर, ed  
 by Pt भवानीशङ्कर 1911 Roy pp  
 2 82 1-  
 4575 शिवपारम्पर्य of कृष्णशास्त्रिक A  
 poem in the Kashmiri langu-  
 age, with chaya or gloss in  
 Sanskrit by M M सुकुन्दरामशास्त्री  
 ed by Sir GEORGE A GRIERSON  
 (1914-1925) 6 fascicles B: 5-4-  
 4576 शिवनाथ शास्त्री A sketch of his  
 life & teaching by S N ताम्रपत्र  
 1920 or pp 48 -8-  
 4577 शिवशास्त्रिकेचान्तवर्णनस्तोत्रम् by  
 शङ्कराचार्य Km6 1-  
 4578 शिवसुख, Engl transl Po  
 4579 — मूल 24000 Vy 10-  
 4580 शिवजलजम्ब (कल्प) of श्रीलालकण्ठ  
 दीक्षित with 8 half tone and colou-  
 red illustrations and an introd  
 by T B कुपलामाधवाजीराव or 8vo  
 pp 48-487 Cloth Vv 2-8-  
 4581 — Tr 2-  
 4582 शिवचरित by गङ्गुलीनाथ Km5 1-  
 4583 शिवसहित्य in संस्कृत with Engl  
 transl, by S C वरू & ed by  
 B D वरू 1914 Sep Roy pp  
 87 Po  
 4584 शिवसङ्ग्रहाम-मूल Vy -3-  
 4585 — मुद्रिक सन्दर्भग्रन्थान्तर्गत  
 शिवतापविनीनामसंस्कृत टीकासहित V: -6-  
 4586 — N -3-  
 4587 शिवसुखान्तर, शिवसुखान्तर, and  
 सन्दर्भग्रन्थान्तर्गत Bound  
 in one Cloth board Km 2-8-  
 4588 — by वरदराज ed with pre-  
 face & foreward by Pt मधुसूदन कौण्ड-  
 शर्मा Km 2-  
 4589 शिवसुखविनिर्णय of हेमराज, tranl  
 into Engl by P T S अयंगर 8vo  
 pp 33-48 Sl 1-8  
 4590 — Being the Sūtras of  
 यमुना with frontispiece preface  
 and introd in Engl and a comm  
 by समराज Km 3-  
 4591 शिवसुख by नारायण वाङ्मन 1: 1  
 4592 — by लक्ष्मण Km 1-  
 4593 शिवसुखोद्देश (Stotras) by उत्पल  
 दत्ताचार्य with the commentary of  
 भमराज ed by रामप्रसाददास मिश्र and  
 his son कालीचरण मिश्र Ch 3-  
 4594 शिवनन्दलहरी (वचन) with Engl  
 translation -8-  
 4595 शिवसुखोद्देश शिवायनादि विराचितसु-  
 दृष्टिकारहित । पारमार्थिकसमग्रशास्त्रा-  
 दितन वाराणसीस्थराजकायसंस्कृतवाटगो-  
 लार्यायकनन्दाचार्याचार्य शोधित । L 2-  
 4596 शिवान्तर by Y N सरकार Pl 5-  
 4597 — The Marathi has life  
 and times (1627-1680) By H  
 G RAWLINSON 1915 Crown  
 8vo (7<sub>2</sub>+5<sub>2</sub>) pp 126, 2 ill-  
 usts and map Of 4-4-  
 4598 शिवसुखान्तरपञ्चमनाम by शङ्कराचार्य  
 N -8-  
 4599 — by शङ्करभगवत्पात्राचार्य । Engl  
 transl Iv -2-

- 4600 — by शंकराचार्य transl in to Engl. by G C गुन्दरम् 1922 cr pp 3 20 38 विचुर -8-
- 4601 सिद्धपाठ्य—(काव्य) of माधव महि-  
नाथकृत सर्वकथा टाकासहित N 2-8-
- 4602 — सर्ग 1-2 Kg -8-
- 4603 — सर्ग 1-3 Kg -12-
- 4604 — published by गोंयलेकर 1890 सर्ग 1-3 1-4-
- 4605 — पञ्चमद्वन्द्वतयासन्देहविर्षा-  
वाधिव्याख्याया आ मङ्गिनाथकृतया सर्वद्वपा-  
ख्यपासमतम् सङ्गर्भम् । Ch
- 4606 — with the comm of महिनाथ, introd dealing with all important points, critical and explanatory notes and literal Engl transl by V R नेहरूकर & M S मण्डारे 1918 cantos 1 to 4 cr pp xviii 140, 55, 176 St 2-8-
- 4607 — भावित सर्गद्वयामक Gbd -6-
- 4608 — — Gl 1 -8-
- 4609 — ( संगीतम् ) ed by इति-  
वद चहीरापापाय St 3-
- 4610 — transl into Engl by P N पाण्डुर 1907 cantos 1-1 cr pp 34 Kg 1-8-
- 4611 सिद्धान्तिसापारमर्श ( व्याकरण )  
सदाक शिवमन्त्रपाठ, गणपाठ, वातिकपाठ,  
भाट्टपाठ, गणपाठ, परिभाषापाठ, उपा-  
दिभूषापाठ, क्रिदसूत्राणि पाठा मन्त्रादि मन्त्र  
Kg -12-
- 4612 सिद्धान्तिसि, सदीय Vl -1-
- 4613 सिद्धमसुख्य नागरी texted by O Bendall Fasc 1-4 20-
- 4614 SSKHIA-SAMUCCAYA A compendium of Buddhistic tea-  
ching, compiled by आतिदेव chiefly from early महायान सूत्रा transl from the Sanskrit by O BENDALL and W ROUSE 1927 Mm 18-6-
- 4615 शिक्षादिवेदपद्मानि-(वद) १ शिक्षा, २ ज्योतिष, ३ छद, ४ निषटनिरुक्त ५ श्रौतसूत्र गुह्यसूत्र तथा ६ अष्टाध्यायी N 1-4-
- 4617 शिक्षादिवेदगच्छुष्टयम्—१ शिक्षा, २ ज्योतिष ३ छद, ४ निषट N -4-
- 4617 THE SIKH RELIGION—the आदि ग्रन्थ by M A Macauliffe in 6 Vols Mi 47-
- 4618 शिष्यपुरचरितामृतम् Str
- 4619 शीतल A critical study based on orig sources by कालाकरजन अनङ्गः 1921 cr pp iv 452 Gc
- 4620 शिल्पप्रवास श्रेष्ठवद-(जित) by पद्म सागरणी J5 -12-
- 4621 शुनसप्तती(कथा) Sk Text ed by Schmidt Gr 7-8-
- 4622 शुनस-देग Mf -4-
- 4623 शत्रुनीति—( नीति ) transl by Prof विनयकुमार सरकार with an index by कुमारनरसिंह पाठ 1923 Roy pp 270, xxiii Po 6-
- 4624 शुननीतिमार orig Sk, Text with various selections by G Opdert 1882 Roy, pl xxii, 285 rare 10-
- 4625 शुनसप्तती or the white यजुर्द of ऋत & महीष, complete in 4 parts B: 8-

॥

- 4626 रुद्रयजुर्वेदोपनिषद् भाजसनेयि माध्यादिन-  
संहिता (राण्वशाखा पाठावश्वसंहिता ऋ-  
देवता सचिभारतकृता च) स्वाध्यायमण्डल  
स्थानिकपण्डितानां साहाय्येन तत्तद्विषयानि  
इत्यादिभित्तुत्तराणां पाठावश्वेन ed by  
S. D. Satavalekar Roy 8vo  
1927 pp 8 240 Oundh 2-8-  
4626a — transl into Engl with  
a popular comm by R T H.  
Griffith Lc 5 4-  
4627 रुद्रयजुर्वेदोपनिषद् भाजसनेयि माध्यादिन-  
संहिता. Rt 6-  
4628 — माध्यादिनायमसंहिता ।  
Rt 3-8-  
4629 — पदसंहिता । Rt 3-8-  
4630 — संहिता (पाथी सारज) 1915  
पृष्ठा 1-14 pp 187 Sp 4-  
4631 — माध्यादिनसंहिता याज्ञवल्क्य-  
सिन्धु, प्रतिज्ञापन, सर्वं शुद्धम् अनुवाक्य-  
तया सर्वं मन्त्राणां अकारादक्षणाक्रमकाश  
N 3-  
4631a — मन्त्रपाठना वर्णानुक्रमसूची,  
ed by श्री दा सातवलेकर Roy 8vo  
pp 118 1929 1-0 0  
4632 — संहिता — माध्यादिनभाजसने-  
विशाखीयाडोट — महाभारतभाष्यतथायजु-  
शाखीयाभाष्यपरिशिष्टसहित N 5 8-  
4633 शुक्लयजुर्वेद परब्राह्मणध्यायी — मूलपर  
N -5-  
4634 — वाण्यसंहिता — (संस्कृत) साय-  
णाचार्यभाष्यसंहिता । भाग १-२-३  
अध्याय २० KJ 10-  
4635 शुक्लयजुर्वेदसर्वोत्तरमन्त्रम् of कार्त्तवीर्य  
with the comm of याज्ञिकानन्द  
द्वे, ed and annotated by Pt  
शुक्लकिशोर Bn 4-

॥

- 4636 — इतरणसाहस, ed by  
S D सातवलेकर ओष Roy 8vo  
pp 101 1929. 1-0-  
4637 शुक्लयजुर्वेद प्राणिशास्त्रम् — (of the  
White Yajurveda) by कार्त्तवीर्य  
with the comm of उन्वट, the  
Prajna sutras with the comm.  
of अनन्तदेव the निरुद्धादिभाष्यादिना  
सुभाषा also with अनन्तदेव's comm  
Definitions of जग &c or Eight-  
fold permutations of Vaidik  
text with illustrations and  
comm The वसिष्ठ of Rik and  
Yajus, the Pari shtra sutras of  
the अनुवाक्यभाष्यादौ and शौनका's  
वरणयुक्तरसिंह sutras with exposi-  
tions of महाश्वर, ed by Pt शुक्ल-  
किशोर पाठक Bn 6-  
4638 शुद्धादितमसंहिता — (वदन्त) A  
compendium of philosophy by  
गोस्वामिगिरधरजामहाराज with a  
comm called प्रकाश by रामचन्द्र  
भट्ट and प्रवेष्टरसागर by बाबूचरणभट्ट,  
ed by Pt रत्नगोपाल भट्ट Ch 1-8-  
4639 प्रमथरसागर साहस । VI 1-8-  
4639 शुद्धादितमसंहिता VI -3-  
4640 शुद्धादितमसंहिता by गार्ग्यनान्दकवि  
कृष्णचरण ed by कमलानाथसहाय  
शुभ 1904-1905 Bn 3-12-  
4641 शुद्धादितमसंहिता — (धर्म) भावप्रदाभाषिण  
महाबाध विवेचित । Ch -8-  
4642 शुद्धादितमसंहिता । Gbd -8-  
4643 शुद्धादितमसंहिता पण्डितर ओषमसिंह  
शास्त्रिणा प्रकाशित । Kg 1-  
4644 शेषाचन्द्रभाष्यसहित — संहिताचरित,  
शुद्धादित, जगम आरम्भसहित Sp -8-

- श  
4645 SHAIIVISM and Vaishnavism and minor religious systems by Dr चाण्डाकर Bp 3-8-
- 4646 शिवेयनिपद (1अक्षमालिक 2अथर्वशिख  
■ अथर्वशिख, 4 कथाप्रसङ्ग, ■ कैवल्य, 6 गणपति, 7 जावाली 8 दक्षिणामूर्ति, 9 वज्र-  
मङ्ग, 10 बृहज्जायाल, 11 भस्मजायाल,  
12 रुद्रहृदय, 13 रुद्राक्षजायाल, 14 शरभ  
and 15 श्वेताश्वतर) edited by A  
महादेवशास्त्री. with the comm of श्री  
उपनिषद्मन्त्रयोगी 1925 8vo pp 175  
Ad 5-
- 4647 शरद्विजयम् by विद्याप्य with  
the commentary called हिन्दिम  
by पनपतिहरी cr 8vo V.
- 4648 शरद्विजयम् see 4712
- 4649 शरद्विजयम् by राजचूडामणि दीक्षित  
with the commentary of रामहृण  
सूरी V.
- 4650 शरद्विजयम् four episodes  
from the महाभारत 1866 8vo pp  
90 Ru -14-
- 4652 शङ्कराचार्य—his life and times  
in Engl by C N कृष्णरावमिश्र  
and his philosophy by Pt चैतन्य  
नाथ तत्त्वभूषण 5th edn 8vo pp  
109. N -12-
- 4653 Sankara's Select works with  
comm and Engl transl by S  
ब्रह्मदास 8vo pp V 290 At 2-
- 4655 Sankaracharya—the Great  
and his Successors in क. by  
ब्रह्मदास Ad 1-8-
- 4656 शरदापूजितम् by जयदासदास  
Songs to the goddess शरदा after
- श  
the गीतगोविन्द of जयदास ed by Pt.  
महाचार्य 8vo pp 3, 26 Sd -6-
- 4657 शङ्कराचार्य and रहस्यहार an essay  
in मराठी—संस्कृत by Dr S K.  
बेलवलकर with a reply by B G.  
टिळक 1918 Roy. pp. 29  
En -8-
- 4658 शङ्कराचार्य व त्यांचा संप्रदाय in मराठी  
by M R. बोडस cr pp 176 1-8-
- 4659 शृंगारतिलक by हर्षभट्ट. Km 1-
- 4660 शृंगारतिलक —( काव्य ) of महाकवि  
कालिदास. N 1-
- 4661 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत N -8-
- 4662 शृंगारतिलक (काव्य) of भट्टकविक्रम, कृष्ण-  
शास्त्रीमहावल्लभस्तीकाएव N -5-
- 4663 शृंगारतिलक of हर्ष and सद्गुरुजी  
of हर्यक by Pichol Gr 3-
- 4664 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत N -3-
- 4665 — By रामभट्टदीक्षित. 8vo pp.  
28 P's -2-
- 4666 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. publ. by A C मंगलदास  
1926 8vo pp. 8 At
- 4667 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. By रामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. Km 1-
- 4668 शृंगारतिलक By श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. Km 1-
- 4669 — By श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. Km 1-
- 4670 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. Vt 2-8-
- 4671 शृंगारतिलकभाष्य—श्रीरामभट्टदीक्षित-  
द्वृत. V -7-



- ॥
- 4672 आद्विपात्तौषरी-(वर्म) A treatise  
on स्मृति by गोविंदानन्दकाव ककणा-  
चार्य, ed. by कमलकृष्ण स्मृतिभूषण  
1904 fasc 1-6 *Bt* 5-8-
- 4673 अष्टमन्जरी-(कम) केळकरोपाह-  
बापुमह विरचिता । *Aa* 2-
- 4674 आदमपुत्र -(वर्म) नीलकण्ठमहर्षि ।  
आदमपुत्रद्विपदिपाधिकारिद्व्यादि निस्तगपरः  
ed. by M. G. वाकेशास्त्रा and V.  
R लेले 1920. 8vo. pp. 6, 161, 8.  
*Gu* 1-8-
- 4675 आदमार्तण्ड (कर्म) श्रीमार्तण्डसामयाजी  
विरचित । श्रीशुक्लयजुर्वेदीयकृतवशास्त्रीय । ed  
by चित्रनर रामचन्द्र देवह. 1932.  
8vo pp. 19 *Sp* 1-
- 4676 भावणमहारम्य *V* -12-
- 4677 आद्विधि सटीक, -गयगय, (जिन) of  
रत्नशरद्वरि. *Jb* 11-
- 4678 श्रीकण्ठचरित-(काव्य) of महर्षिकवि  
जोतगजकृतदाकासहित सर्ग ५ *N* 2-8-
- 4679 श्रीरघु, by S. चतर्जी, transl.  
by K. O. Sxn and T THOMPSON.  
Introd by E. J. T THOMPSON.  
1922 pp xii+176. *Of* 2-
- 4680 श्रीकृष्ण —his life and teach-  
ings by श्रीमन्नाराय पाठ *Ca* 10-
- 4681 श्रीकृष्ण of द्वारका and other  
stories by B A Kincaid 1920  
cr pp 96 *Tu* 1-8-
- 4682 — By H C पाठ 1-8-
- 4683 — the Lord of Love by  
बाबामाती 5-
- 4684 श्रीकृष्णविलासकाव्यम्, सुकुमारकवि-  
विरचितम्, रामपाणिपादाविरचितया विला-  
सिम्यास्यव्याख्यासमेतम् । *Ch* 12-
- ॐ
- 4687 श्रीकृष्णपट्टम्, सटीकम् -1-
- 4688 श्रीचरसमार-A Buddhist Tan-  
tra, ed. by Kazi Dan'amdup  
with a foreword on the  
वज्रायन by Avalon *Tt* 5-
- 4689 श्रीचन्द्रचरित्र श्लोकवद्ध-(जिन) 2nd  
edn. *Jb* 6-
- 4690 श्रीचर्मकल्पद्रुम-(सरहस-हिंदी) An  
exposition of सनातनधर्म as the  
basis of all religion & philo-  
sophy by श्रीस्वामी दयानन्द 1917.  
Roy. pp. iv, 215, 6 1-6-
- 4691 श्रीचरीया-(व्याकरण) प. श्रीधरशर्मा-  
विरचिता, लघुशब्दसंज्ञासंज्ञास्य प्रथमकार-  
कान्तव्याख्यानम् । *Ch* 1-
- 4692 श्रीजयनगरपञ्चरत्नम्-(काव्य) by  
महर्षि हरिवल्लभ गोरक्षकारा, कान्ताव-  
लोकसतोक्त्य, सुगारछन्द, दशधुमार-  
वशा, मुकुटसुकानि, देवीस्तोत्र, publ,  
by गुर्जर भूवर 1891 8vo pp ५,  
114. *Bo* 2
- 4693 श्रीनिवासचंद्र. *Gn* 1
- 4693a — *Vy* 1-
- 4694 श्रीनिवासविलासचंद्र-of व्यंज्येयकवि.  
वरीवाराकृतटीकासहित *N*
- 4695 श्रीपतमातकपद्धति-(व्योतिष)  
*Kg* -12-
- 4696 श्रीपरममति । *Mp*
- 4697 श्रीपालचरित्र- गय, (जिन) of जयर्का-  
तिधरि. 4th edn *Jb* 2-
- 4698 श्रीनार्य (वदन्त) of रामानुज ed.  
by Pt रामनाथ तर्करन (1881-1891).
- 4699 — ed. by बासुदेवसास्त्रि अन्यकर.  
Vol. I and II containing text  
and notes respectively. *Bp* 17-8-



- श  
-4723 — (वेदान्त) माधुरस्य कामार्हो  
विरचितयो सधितटिप्पण्यसमेतम्  
-4724 सुनिरुत्तरप्रदाग (वेदान्त) महर्षिभ्यश्च  
शास्त्रिवर्यभ्यः। Ch -12-  
4725 सुत्यन्तसुरद्वयः (वेदान्त) A Comm.  
on सविशेषनिर्दिष्टपट्टणस्तवराज of  
निम्बार्कचर्य by इन्द्रोत्तमप्रसाद सुति-  
सिद्धान्तमन्जरी (वेदान्त) A comm.  
on सविशेषनिर्दिष्टपट्टणस्तवराज of निम्बार्क-  
चर्य, ed. by रत्नगोपाळमहोदय Bn 4-8-  
4726 सूर्यपञ्चसूत्र- (वेदान्त) A comm.  
on सविशेषनिर्दिष्टपट्टणस्तवराज of नि-  
म्बार्कचर्य by इन्द्रोत्तमप्रसाद वेण्वा, ed.  
by Pt. गोपाळशास्त्रि नेने Ch 3-  
4727 शेषोपनिषद् भाष्यम् (जैन) of हेमाच-  
र्यजी. 2nd edn Jb 2-  
4728 श्रौतपदार्थनिर्वचनम्, -(होष) इह सखु  
वैदिकशास्त्रेण पदार्थान् ज्ञानविना मीमांस-  
परिशीलनं न कथमपि लभ्यते इति प्रसिद्धम् ।  
मीमांसाशास्त्रस्य गम्भीरतया वाक्यार्थज्ञाने-  
पदार्थज्ञानपदकारणतया तत्तत्सोमादिब्रह्म-  
पदार्थज्ञानस्य कारणत्वेन विना तद्विज्ञानं नैव  
भेदकवाचिदपि मीमांसायामधीकार इति  
विज्ञाय कीमता सोमगीपाब्द भागेश्वरशास्त्रिणा  
श्रौतपदार्थनिर्वचननामाय ग्रन्थो विरचितः ।  
1919 Roy pp 338, 2nd. edn  
Lu 6-  
4729 श्रौतसूत्रम्-(कर्म) सत्पादादिविरचितम्।  
(हिरण्यकेशिनः) 6 parts with com-  
mentaries An 15-12-  
-4730 — of लक्ष्मणसिंह, ed. by आनन्द-  
मन्द वेदान्त वागीश. 8vo pp. 4, 782,  
43, 118. Bt 25-  
-4730a श्रौतसूत्र of आपस्तम्ब belonging  
to the तैत्तिरीयसंहिता with the comm
- श  
of रुद्रदत्त, ed by R. Garbe. Vol.  
II (6-15 प्रश्नाः) Bt 25-  
4730b — of लक्ष्मणसिंह Part I, ed  
by I. N. Renter 1904 Lu 25-  
4731 श्रौतसूत्र काव्यायनेय, see—काव्या-  
यनीय मौलसूत्र. 1092.  
4732 — जमिनीय, see—जमिनीय  
संज्ञासूत्र. 1776  
4733 ज्ञानात्म्यम् ओफ. गुजरान-(जैन) on  
the literature of the ज्ञेताम्बर by  
Dr. Hertel 2-  
4734 ज्ञेताम्बर Text and Transl. by  
S. P. वर्माशास्त्री Ad 3-  
4735 ज्ञेताम्बरपदार्थनिषत् पट्टणपदार्थनिषया स-  
माख्या, तथा शक्रानन्दकृता ज्ञेताम्बरपदार्थ-  
निषत्पिका, वाचस्पत्यकृता ज्ञेताम्बरपदार्थनिषत्-  
पिका, विज्ञानभगवत्कृत विवरणं च।  
An 2-4-  
4736 — Transl into Engl by  
Prof. S. वर्माशास्त्री 1916 Roy. pp.  
xi, 120, iv. Po 3-  
4737 ज्ञेताम्बरपदार्थनिषत् of कुमारिलमहर्षि trans-  
lated into Engl. with extracts  
from the comments. of सुचरित्रमिश्र  
and वार्यहारधर्ममिश्र, by M. M. गंगा-  
नाथ शा. (1900-1905) Bt 10-  
(for Sk. Text see 3457.)  
4738 ज्ञानात्म्यम् (काव्य) by वागिशास्त्री.  
Km1 1-  
4739 — Bm -1-  
4740 ज्ञानपञ्चसूत्रम् (काव्यशास्त्रीय.) see—  
काव्यशास्त्रीयपञ्चसूत्रम् 1081  
4741 ज्ञानेन्द्रोत्तमप्रसादया व्याख्या शास्त्री, see —  
शास्त्री ज्ञानेन्द्रोत्तमप्रसादया व्याख्या 4, 498, -99.  
4742 ज्ञानपञ्चसूत्र, romantic legend  
from Chinese sanskrit, see—Ro-

- म  
mantic legend from Chinese sanskrit of शाक्यबुद्ध. 3903
- 4743 गंगट्ट, notes on the old mongolian capital of, see—Notes on the old Mongolian capital of गंगट्ट. 2310.
- 4744 शिवाजी, = chapter from the life of, see—A chapter from the life of शिवाजी.
- 4745 शिन्पशात्र Indian, the principles of, see—The principles of Indian शिन्पशात्र. 2748.
- 4746 शीख्स the history of, see—The history of the शीख्स.
- 4747 शुक्र's मृच्छकटिक, the date of, see — The date of शुक्र's मृच्छकटिक. 1825.
- 4748 शंकर, the philosophy of, see—The philosophy of शंकर. 2797.
- 4749 शंकराचार्य, the select works of, see—The select works of शंकराचार्य.
- 4750 पद्मदर्शनचिन्तनिका (वेदान्त) or Studies in Indian Philosophy, श्री-माधवादर्शनप्रतिष्ठान. orig. संस्कृत with मराठी and Engl. transl 1877. 8vo. pp. xv, 15, ॥
- 4751 पद्मदर्शनसमुच्चय (जैन) — 4—
- 4752 — A brief account of शैव व्यास, सांख्य, जैन, वैशेषिक and जैमिनी-दर्शन by हरिप्रसादश्री with a comm. called लघुनिवृत्ति by मणिप्रसाद, ed. by Pt. दामोदरलाल गोस्वामी. Ch 1-8—
- 4753 पद्मदर्शनग्रन्थानि सहस्रवर्षाभितानि—(मोक्षार्थ) श्रीमम्महर्षिजिज्ञासिनेर्मात्मकपादकविलसत्तन्त्रादि व्यासेः प्रतिपादितः । Ch 1-8—
- 4754 ————— K 7 1-4—
- 4755 पद्मविज्ञानग्रन्थम् विशापनभाष्यसहितम् । by Eelsingh H F. 12—
- 4756 पद्मशक्तिः—(वर्म) by आदित्याचार्य with a commentary, called शुद्धि चन्द्रिका, by नन्द alias विनायकपाण्डित वर्माधिकारी, ed. by देवनाथशास्त्री वरकले and लक्ष्मीवर वर्माधिकारी. Ch 2—
- 4757 पद्मचक्रनिर्णयम्. A work on the six centres of the body by दुर्गा-नन्दस्वामी with commentary of सकर. पादुकापञ्चकम्. ( "five-fold foot stool of the गुरु" ). with a commentary of काजीचरण and notes from the टीका of विद्यनाथ on the second पदल of कैवल्य-कालिकातन्त्र. pp. 154. Tr 2—
- 4758 श्रीपादुकापञ्चकम् by A. Avalon' vol II 17 2—
- 4759 पद्मविगतत्वसन्निहः—(जैन) with the comm by राजानक भानन्द, ed. with notes by Pt. मुकुन्दरामशास्त्री. 1918 Km
- 4760 पद्मवदनश्री—(काव्य) शंकराचार्यस्य टीकासमेता । Gu
- 4761 पद्मपद्मेपनिषद् with the भाष्य of मध्व and टीका of जयसीधरशास्त्री. and with महर्षिण विष्णुश्री. 11/ 12—
- 4762 पाम्पसिंहबुल, ed by K. G. मेहता 1912. Book 4, part 20 8vo pp. 2, 128, 3830, 25.
- B. I. S. m. 3-8—
- 4763 पाश्चात्त्यविद्या ज्ञानेश्वर अविनाश (German) by Laders H. 1—
- 4764 पौरोहित्यपत्रा—(गान्धर्व) by पुरुषोत्तम, ed. by श्रीकलभद्र मर्मा. 1917. 8vo. pp. 24. N -3—

प

- 4765 पौडगप्रन्धपुष्पत्रयम्. संस्कृत, जैन and हिंदी Ms., during the year 1911-1912 deposited in the संस्कृत College Benaras, 1913. Roy. pp. 18. -2-
- 4766 सखा—the comrade, by हंजामि श्रीमानन्दाचार्य, 8vo. pp 105. 2-
- 4767 सजलरत्न (काव्य) भातुपण्डित विराचित टीपणसहितः On
- 4768 सत्कार्यकारः causality in संस्कृत by G. N. कविराज Sb
- 4769 सत्यपहारः by केमररुचारी, containing (1) राजनीति मुद्रच्छेद छट्पणसू, (2) भद्रिहरतत्रापविषकम्, (3) भोनारायणाशु-कम्, (4) विष्णुवहरी, (5) सिद्धांतप्रयोगिणी प्राकृत टीकासह, (6) लक्ष्मीलहरी, (7) रामगीता, and (8) वृत्तमणिमाला with मराठी टीका. 1888 8vo pp 1-72. 1-50. 2-
- 4770 सद्यस्मत्तत्त्व—(जैन) 2nd edn Jb 4-
- 4771 सदाशिवभट्टा—(व्याकरण) सदाशिवभट्ट विराचिता । लघुशब्देन्दुशेखरस्य स्त्रीप्रत्यय प्रकरणपर्यन्तस्य व्याख्यानम् । Ch 3-
- 4772 सदाशिवेन्द्रमुनि—(रत्नात्र) रीतिरचित. Md -2-
- 4773 सदुक्तिकर्णामृतम् of अभिरदास, ed. by pt रामानाथ भार्ग. (1912-1921) 2 fasc. Bz 1-8-
- 4774 सद्दर्शनसूत्रिका. sansk. text, ed. by Profs H Kern and H Nanjio Fsc 1-5. each -5-
- 4775 — Transl. into English from the Sanskrit, by H. KERN. Of 12-

स

- 4776 सतमाई of तुटडीराय, edited. by विद्वान्निज चंदि. (1888-1897) fasc 5. Bz 3-12-
- 4777 सत्यनारायणकथा. मूठ सन्तुष्टराजान्त-गत अध्याय ५. Vy 3-
- 4778 — सविष्वाचर उपायान्तर्गत अध्याय ७ Iv 3-
- 4779 — मूठ अध्याय ७. -6-
- 4779a सत्यद्विषय (नाटक) सविष्वाचरकृत 8vo. pp 6, 15, 48 N -8-
- 4779b सत्यनिष्ठागदाधरी ( ) Mu -15-
- 4780 सप्रसागतत्वदीप. प्रकरणत्रय. VI 4-
- 4781 सनत्कुमारनीय—(वेदान्त) सभाष्यम् (A conversation between वृत्तराष्ट्र & सनत्कुमार mentioned in the उद्योग-पर्व of महाभारत. with भाष्य of भर्गु मगध पाद and a commentary by नीलकण्ठ, ed by Pt. भाऊगोत्री वझे. Ks 1-4-
- 4782 सनत्कुमारचरितम् (German) by Jacoba H. 1920. Sup Roy. pp. 164 7-
- 4782a सनत्'s and letters in मराठी selected by P V मारजी. and D. B पारसनीस. 1913.
- 4783 सनातनसन्ध्या मूलभाषा Mc -3-
- 4784 सप्तगतिम्, VI -8-
- 4785 सप्तपद्यो—(द्वैतवैक) by शिवाक्षिप together with its comm. वित्तभारिणी of माधवसरस्वती. Roy pp. 77- 81 Iv 1-12-
- 4786 — by राट with notes &c. 1919. 8vo pp. xi, 88. Or 1-8-
- 4787 सप्तगति pp 16. N 1-4-
- 4787a — Loose sheets N 1-
- 4787b — Silk-cover N -12-

5

4787c — N -9-

4787d — Silk-cover. *N* -8-

4787e — Very small edn.

4788 सम्प्रभंगितरगिणी-(जैन) *Sm* 1-8-

4789 सप्तशतकम् of इल. Text ed. by  
Weber. *M* 7-

4790 समयमदखः by नीलकण्ठभट्ट ed.  
by M. G. वाकेशाश्री. and v. B. सेठे.  
1918. 8vo, pp. 2, 187, 8

GR 1-4-

4791 समयमावृत्ता-(पाण्य) भीष्मेन्द्रविरचित.  
N -10-

4792 समजसाधुति of ४ वृषभरायण शिरो-  
मणि, unpublished gloss on the  
ब्रह्मसूत्र. 88

4798 हामसंस्थुतमाहृतमद्भिगव्यामिस्तोत्र  
by जितनरहभक्षिः. Km7 1-

4794 **सुनसद्गुण**. A work on Architecture, town planning and engineering by king भोज of पार (11th century) ed by M M T. ग्वादी गार्दी. 1921 vol. I and II.  
each Rs 5-

4795 समयोचितपत्राणि (कार्य) प्रसंगिक  
श्लोकचरणान्तः। पतितश्लोकानामष्टः। pp  
75. Y -8-

4796 SUMMARIES of papers read  
at the First Oriental conference,  
Poona. *Hb* 5-

4797 ममयवर्णन of हरिश्च, ed by  
col. Jacobi H. ( 1908-1923 )  
fsc. 8. B. 6-

4798 समानसदिता-(प्राकरण) Ck -1-

4799 सप्तमगुण्यह (जिन) अयोध्या  
काष्ठादि. N 1-1-

स

4800 सभाध्य व्यवहारस्यपञ्चमोद्देशः—  
(जैन) Principles of daily practice  
with annotations, pt 5. A. Jain  
religious book, by देवीसप्त छान-  
लल. 1928 Roy. 12 mo. pp.29.  
Dl -8-

4800a समाप्रतिपद अथवा कथा व संस्था  
 राजविण्याची माहिती.-मराठी by गजानन.  
 or. pp. 8, 89. -8-

4801 सम्म.रत्ननक्षत्रक By नीलकण्ठ.

Km-1-

4802 सम्राट्पुष्पवर्धन—(जैन) of म-  
होदयजी. Pt. 1, 2nd edn Jb 7-8-

4803 राजर्त्तनगणपद्यामित्रवा. अस्मिन्  
पुस्तके सप्तम्याशा वार्त्तिकानि गणप्य तत्र  
तत्र सप्तेश संयोजिताः। Bm -12-

4804 सयामचम्यान्त्रिका-(व्याकरण) द्वेषात्  
व्याकरणान्तर्गत, सरूत with मराठी  
transl. by जेमरगासी 1888. Roy.  
pp. 53. -8-

4805 सम्प्रज्ञातयकौमुदी गद्य (अंग) 2nd edn.  
./b 2-

4806 सर्वेन्द्रप्रतिष्ठासंग्रह-(धर्म). YD -4-

4807 समाधिषागमप्रम — (बुद्ध). Roy.  
pp 72.

4808 सर्वदुर्गेशिरोमणिः (वेदाङ्ग) *Su*

4803 सार्वभौमप्रद - ( वेदाङ्ग ) गृह of  
माधवाचार्य. Aa 2-

4810 — or Review of the different systems of Hindu Philosophy by *समन्वित*, ed. by Cowell E and Gough A. 1904. 4th edn. Roy. pp. ix, 281.

Ap 10-8-  
4811 — or an epitome of  
different systems of Indian phi.

स

loophy, transl into हिंदी by Pt  
w. n सिंह 1922 Sup. Rcy. pp  
10, 308 Bo 3-

4812 — with an orig comm  
in संस्कृत and exhaustive indices,  
by बाबुदेसाय अन्वयर pp 160-643  
10-

4813 सर्वमतसंग्रह — (वदन्त) Tr -8-

4814 सर्वमतसंग्रहविलस — (वदन्त) १ अद्वैत,  
२ विधिवादेत ३ ईत, ४ भाकण्डसिद्धान्त,  
५ पाञ्चरात्र, ६ ब्रह्म, ७ मरुतर, ८ नि  
ष्कार्क, ९ हास्य, १० योग, ११ वेद्योक्त,  
१२ व्याय, १३ शास्त्रसङ्गण १४ बुद्ध,  
१५ जैन, १६ चार्वाक, १७ भट्ट, १८ प्रमा-  
कर, १९ वैखानस, २० वायव्यमिश्र-एतत्स-  
र्वमतप्रक्रिया सन्ध्या मध्येन प्रशिता ।

Bm 1-

4815 सर्वमगलापरिहाराख्यया Mu-2-

4816 सर्वमूल A collection of all the  
works of मध्वाचार्य with their texts  
मगद्वीता &c Mi 13-8-

4817 सर्ववेदास सिद्धातमसंग्रह- (वदन्त)  
by आशान्न भगवत्पदाचार्य cr 8vo  
V, -8-

4818 सर्वसिद्धान्तप्रयैतिव प्रमवृत्तमविरचित  
Vy 4-

4819 सर्ववैश्वानराग्र — (ज्योतिष) Ch 1-

4820 — — मूल Vy 1-

4821 मर्गतमस्तात्र सटीक KI -6-

4822 सरलत्रिकाणमिति-चापिप्रादेशिकमणिते  
सविशेषासनासहिते तदुपपागमिनवाम  
सिद्धान्त-द्विद्वयसिद्धान्त-लघुव्याख्यित-  
सिद्धान्त-विविधप्रभाष्य समलङ्कृत एव  
गुणविशिष्टदीर्घसर्वजनसुभाय । Gbd

4823 सरस्वतीनटभरण- (अङ्कार) चारेवर-  
भीमोदयविरचित N 6-

स

4824 सरस्वतीविलास- (व्यवहारकांड) of  
श्रीमतापकृद् महादेव, ed by Dr शामा-  
शास्त्रा 1927 8vo pp xxxii,  
503. Be 2-8-

4825 SURGICAL INSTRUMENTS OF  
THE HINDUS, by Dr. गिरिदास  
सुफोरापाय 1909 Vol I and II  
8vo pp 476, 172 respectively  
each Cu 9-;

The book represents many  
years of laborious investigations—  
a work of real research and erudi-  
tion It is undoubtedly the most  
important work upon this subject  
which has yet been written in the  
English language It is full of in-  
teresting informations and is a valu-  
able contribution'

4826 THE SERPENT POWER (वृ-  
चक्रविरूपण and पादुकापञ्चकम्) Two  
works on लययोग, transl from the  
sanskrit with introd and com-  
mentary 20-

4827 SARASWATI BHUVAN studies  
vol I part I contains —

(1) studies in Hindu Law by Gan-  
ganath Jha (2) The view point of  
Nyaya Vaisheshika Philosophy by  
G N Kaviraj (3) Nirmanas Kava  
by G N Kaviraj — 5-

4828 — Studies Vol II 8vo.  
pp 200 contains — 5-

(1) Parshuram Murra alias Van-  
rasaka Pava, by G N Kaviraj (2)  
Index to Sabara's Bhasya, by the  
late Col G A Jacob (3) Studies  
in Hindu Law — 2 its sources by H  
N Jha (4) A New Bhakti Sutra, by  
G N Kaviraj (5) The System of  
Chakras according to Goraksha Nath,

H

by G. N. Kaviraj. (6) Thesis in Ancient India, by G. N. Kaviraj. (7) Hindu Poetics, by Batuknath Sarma. (8) A seventeenth Century Astrologer by Padmakar Divedi. (9) Some aspects of Vira Saiva Philosophy, by G. N. Kaviraj. (10) Naya Kusumajala English Translation by G. N. Kaviraj. (11) The Definition of Poetry, by Narayana Sastri Khiste. (12) Sondala Upadhyaya, by G. N. Kaviraj.

4829 — Studies. Vol III. 8vo. pp. 200 contains:— 7-8-

(1) Index to Sabara's Bhasya, by the late Col G. A. Jacob. (2) Studies in Hindu Law 2 - Judicial Procedure by G. N. Jha. (3) Theism in Ancient India, by G. N. Kaviraj. (4) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature by G. N. Kaviraj. (5) Nandha and Sri Hama by Nilkamal Bhattacharya. (6) Indian Dramaturgy, by P. N. Patankar.

4830 — studies vol IV. 8vo pp. 198 contains— 7-8-

(1) Studies in Hindu Law & Judicial Procedure by G. N. Jha. (2) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by G. N. Kaviraj. (3) Analysis of the Contents of Rigveda Pratishakhya, by Mangala Deva Sastri. (4) Narayana's caṇṭha kaumodī, by Padmakar Divedi. (5) Food and Drink in the Ramayanic Age, by Manmatha Natha Roy. (6) Satkaryavada Causality in Sankhya, by G. N. Kaviraj. (7) Discipline of Consequences, by G. L. Sinha. (8) History of the origin and expansion of the Arya by A. C. Ganguly. (9) Punishment in Ancient Indian schools, by G. L. Sinha. 3-

H

4831 — studies. vol V. 8vo. pp. 195. contains— 7-8-

(1) Ancient stone of the Aryans and their migration to India, by A. C. Ganguly. (2) A Satrap Coin, by Shamalal Meher. (3) An Estimate of the Civilization of the Vanaras as depicted in the Ramayan, by Manmatha Natha Roy. (4) A Comparison of contents of Rigveda, Vajassaneyas, Taittiriya & Atharvaveda Pratishakhya, by Mangala Deva Sastri. (5) Formal Training and the Ancient Indian Thought, by G. L. Sinha. (6) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by G. N. Kaviraj. (7) A Descriptive Index to the names in Ramayana by Manmatha Roy. (8). Notes and Queries - 1. Virgin Worship, by G. N. Kaviraj.

4832 — Studies vol VI in progress 8vo. pp. 191 contains.—

(1) Index to Sabara's Bhasya, by the late Col J. A. Jacob. (2) Some Aspects of the History and Doctrines of the Nathas, by G. N. Kaviraj. (3) Studies in Hindu Law. (4) Evidence by Ganganath Jha. 7-8

4833 सहस्रपत्नीय By राजनरसम्भक.

Km 5 1-

4834 सहस्रपत्नीय in sanskrit, ed. by R. कृष्णमाचारियर 8vo pp 59, 72, 17, 32 Vv 3-

4835 सहस्रपत्नीयम्—(काव्य) कृष्णानन्दकृत. सर्ग. 1-15. V 10-

4836 सहस्रपत्नीयम् with : sanskrit comm by श्रुतारण्यम् नारायणशास्त्री. 1907. sargas 1-4. 8vo. pp. 124. 46. Mu 2-

4837 SOUTH INDIAN GUILDS by शास्त्री. Md 1-8-



स

- 4838 SOUTH INDIAN INSCRIPTION  
Vol I Rs 4-8 Vol II parts  
1, 2, 3, & 5 together 12-8  
Vol III in 3 parts 7-4
- 4839 SOUTH INDIAN EPIGRAPHY—  
Annual Report of 1925  
Cl 1-10-
- 4840 SOUTH INDIA AND HER MU-  
HAMADAN INVADERS with six  
teen illustrations and a map  
by S Krishnaswami Aiyangar  
1921 8vo (8<sup>1</sup> × 5<sup>1</sup>) pp  
xvi+258 Of 8-
- 4841 SONGS OF THE SEA, transla-  
ted by अरविदास Pl 1-
- 4842 THE SANGLI STATE by D B  
पारसनीस 1917 8vo pp 67, 16 2-
- 4843 माह्यपरारिण- (साह्य) by ईश्वर-  
कृष्ण with a comm of मयुराचार्य  
ed by Pt. विश्वप्रसाद शर्मा Cl 1-8-
- 4844 — आईश्वरकृष्णविरचिता। आ-  
नारायणतीर्थकृत चन्द्रिकाटीकासहिता।  
Cl -12-
- 4845 — श्रीईश्वरकृष्णविरचिता।  
गौडपादभाष्यसहिता। Cl -8-
- 4846 — ईश्वरकृष्णविरचिता। गौडपाद-  
भाष्य टीकया तथा चरुगानुवादन च सम  
लङ्कृता। ed by स्व-लोकान्त cr pp  
82, II C 8-
- 4847 — Ed by एतर्किकान् महाचार्य  
Sd 8-
- 4848 — An exposition of the  
system of कर्णिक with an appen-  
dix of the व्याय and वैशेषिक sys-  
tems by DAVIES J 1894 10-8-

म

- 4849 — transl from the सङ्कृत  
by Colebrook T containing  
the भाष्य or comm of गौडपाद, in  
Engl with illustrations introd.  
and notes by prof H H Wilson,  
also an article on a missing  
verse in the सार्वकारिका by Mr  
B N टिळक 1924 8vo pp.  
271 Kl 3-
- 4850 — with an exposition  
called चन्द्रिका by नारायणतीर्थ and  
भाष्य of गौडपादभाष्य, ed by पण्डित  
वेचनराम त्रिपाठा Bn 1-
- 4851 माह्यनन्वरीयरी — (साह्य) By  
शबरीराम मिश्र with comm called  
तत्त्वविभाकर by Pt वशीराम मिश्र, and  
ed by नारायणशास्त्री भाण्डार च 6-4-
- 4852 — पद्मानरीकाह्वाचस्पतिमिश्र  
विरचिता। १ भारान्तरशास्त्रि कृतया विषय  
स्थान टिप्पण्यसाहायता। Ch 1-
- 4853 साह्यप्रवचनम्—सूत्रपादभाष्य कर्णिक  
महामुनिद्विगीतम्। भाष्यानामिहकृत साह्य  
प्रवचन भाष्यसहितम्। Ch 2-8-
- 4854 साह्यप्रवचनभाष्यम्, or comm on  
the Exposition of the माह्य Phi-  
losophy by विज्ञानभिक्षु, ed in  
sanskrit [Roman letters] by  
Prof R GARBE 1895 Roy.  
8vo Ho 12-8-
- 4855 Sankhya Philosophy of  
कर्णिक containing (1) साह्यप्रवचन-  
सूत्र with the वृत्ति of अनिरुद्ध and  
the भाष्य of विज्ञानभिक्षु and ex-  
tracts from the वृत्तिमार of महादेव  
वेदान्तिव, (2) साह्यकारिका (3) तत्त्व  
समान, and (4) पञ्चविंशति सूत्रम् trans-



॥

- 4876 साधन - the realisation of life  
by रवीन्द्रनाथ टागोर crown 8vo  
Mm 4-8-
- 4877 साधनचन्द्रिका in हिंदी by स्वामी  
व्यानन्द 1923 8vo pp 3, 218,  
24 1-12-
- 4878 साधनचतुष्टय or fourfold means  
to truth by अ जगन्नाथ Ad 1-6-
- 4879 साधनमाला-A Buddhist Tantric  
text of rituals, dated 1165 A. D  
consisting of 312 small works,  
composed by distinguished  
writers, ed by विनयतोष महाचार्य  
1925 vol. I and II. Go 10-
- 4881 साधुदिनहृत्स्य श्लोकसंग्रहः--( जैन ) of  
हरिभट्ट Jb -12-
- 4882 साधुचरित्रचरितिका by सदाशिव देव  
8vo pp 7 21, 64, 4, 2 Sb
- 4883 साधुचरित्र- an independent  
essay by M. M. पण्डित पर्वनीश  
नियानन्दान्त शर्मा. Ch 16-8-
- 4884 सांख्यराज (संस्कृतमहाभाष्य) Vy 2-
- 4885 सांख्यसूत्रचरित्र शंखचन्द्र--(जैन) of  
रत्नाकरगर्गा Jb 11-8-
- 4886 साम्प्रदायिका--(काव्य) साम्प्रदायिक  
प्रणीत हेमचन्द्राचार्य N -4-
- 4887 सांख्यप्रवचनसूत्रम् orig सङ्गीत  
with Engl transl by N. सिंह  
1913 Roy pp 71 230, 327,  
422. Pc 3-
- 4888 सामवेद अनुवर्णिका Am 12-
- 4889 — Am 6-
- 4890 — the hymns transl  
with a popular comm by T. Griffith Roy pp III, V, 319  
xxxviii Lz 5-

॥

- 4891 — Transl into Engl.  
by Stevenson m m 1906. 8vo.  
xi, 200 10-
- 4892 — Text with साधन's  
comm. and Hindi transl Mt 5-
- 4892a — Translated into Engl.  
by Griffith Mt 4-
- 4893 सामवेदमहिम्ना (आध्यात्मिक) ed by  
राजकुमार वसंतेश्वर Sd 2-
- 4894 — ed by रेवतीकान्त महाचार्य  
Sd 10-
- 4895 — Ed. by सत्यचरण राय.  
Sd 1-8-
- 4896 — आर्यकण्ठ, ed by Dr.  
Caland W. 1908 Bu 8-
- 4897 — कृष्णसिंहवर्तिका Roy. pp.  
120 Am -12-
- 4898 सामवेदमहिम्ना with साधनमाला and  
हिंदी transl. by रामस्वरूप शर्मा. 1927.  
8vo pp. 967 10-
- 4900 THE SAMKHYA SYSTEM by Keith.  
Cr 8vo, pp Cloth As 1-8-
- The samkhya System is an ancient  
Hindu dualism which teaches that  
the whole universe comes from prakriti  
an imperceptible original from  
which all natural things are held  
to be evolved and an infinite  
number of purushas or individual  
spirits Professor Keith sketches  
the whole history of that system and  
expounds its elements in detail 2-
- 4901 सामवेद रत्न. -8-
- 4902 सामवेदविधि माध्वगम् by साधुनाथार्य.  
सामवेदस्य तृतीय माध्वगम् अनुवर्णन वा  
'वेदार्थप्रकाश' नाम माध्वविभाषणेन श्री  
सत्यव्रतमहाचार्येण हतेन नवम्यानुवाकनेन सह  
cr. pp 89 Cr 10-

स

4903 — Being the third Brahmana of the सामवेद, ed. together with the comm. of सायन. An Engl. transl. introd. and index of words, by Bunnell A. 1873. Vol. I. containing text comm. & introd. Roy. pp. xxxviii, 104. 12-8-

4904 — volume III by Garbe R. 1896. Gr 4-

सामान्यउपनिषदः—(१ अशि, २ अध्यात्म ३ अन्नदूषण, ४ आरम, ५ अहमबोध, ६ एकाक्षर ७ कौपितकीमात्रज्ञ, ८ गर्भ, ९ निराकम्ब १० प्राणाग्निहोत्र, ११ पैंगल, १२ महा, १३ माजिक, १४ सुक्तिक, १५ छुद्रप, १६ भेदापनी, १७ वज्रसूचिक, १८ शरीक, १९ शुक्राह्वय, २० संसार, २१ सप्तभि, २२ सुषल, २३ सूर्य, and २४ एकन्द.) ed. with the comm. of श्रीउपनिषद् नक्षत्रयोगि, by A महर्षिदशरथी. 1921. 8vo. pp. 34, 527 Ad 7-

This volume contains the twentyfour out of 108 Upanishads which treat especially of pure Vedanta philosophy. The commentary is lucid and full. A full analysis of contents and index cloth with gilt letters

4905 सामान्यनिराकिः श्रीगोशोपाध्यायविरचिता श्रीरघुनाथशिरामणिहस्तटीकासहिता । तथा श्रीनृपाचार्यमहाशिरामणिटीका, विवृति समलंकृता । ed. by J. विद्यासागर. 1857 8vo pp. 162.

Cc 2-4-

4906 Science of Language, three lectures on the-by Max Muller. 1899. or pp. 73 2-4-

4907 Science of thought, three introductory lectures on the, by

म

Max Muller. 1909. cr. pp. vi, 95, 28. 2-

4908 सायनभाष्यप्रदीपिका with मराठी transl. 1910. Cr 2-

4909 सारमञ्जरी—(व्याकरण) सटीका, ed. by रेवतीकान्त महाचार्य. Sl 8-

4910 सारस्वतम्—(व्याकरण) by अत्रुमति स्वहताचार्य, ed. with suitable notes and comments by नरहरि शास्त्री पेंडसे. Hss 8-

4911 सारस्वत-पूर्वपञ्चादली(व्याकरण) N-3-

4912 सारस्वतन्यासस्वयम्-पूर्वार्धम्—Cloth Binding. N -9-

4913 — cover binding. N -7-

4914 — वृत्तिप्रवृत्ति.— N 1-2-

4915 — — cloth. N 1-4-

4916 — चम ईतिव्याख्यासहित. N3-

4917 — पूर्वार्ध and उत्तरार्ध-चमस्वीति. व्याख्यासहित. N 3-8-

4918 सारस्वत सर्वक महाद्वीका. Vy 1-

4919 — अत्रुमति स्वस्वाचार्यमणीतम्। पण्डितनरहरिशास्त्री उपबुद्ध दिग्गम्यतद्विधिः पश्चिम संशोधितम्। द्वितीयम्। Ch -8-

4920 साहित्यदर्पण—(अलंकार) of विश्वनाथ कवि, श्रीरामचरणतर्कनाथीस महाश्वर्धस्तटीकासहित. pp. 622, 14. N 4-

4921 — or mirror of composition, transl. from the orig. sansk. by परमदास विध. B:

4922 — (सटीकम्), ed. by हरिदास सिद्धान्तवार्मि. Sl 3-8-

4923 — ed. by हरिपद चटोपाध्याय. Sl 3-8-

4924 — पश्चिदे १-१० with notes on पश्चिदे I, II, X and history of अलंकार literature by कावे. 8vo.

- स  
pp clxxx, 352, 142. 1923 2nd  
edn Bo 6-
- 4925 — ed by जीवनन्द विद्यासागर,  
1834. 8vo pp. 13, 248. Ch 5-
- 4926 साहित्यरत्नमण्डप A collection of  
familiar quotations from the  
various Sanskrit Dramas, Ka-  
vya and Prose literature by  
Pt. R. V. कृष्णभाचार्य cr. 8vo.  
pp 181. Vr 1-
- 4927 — By S. P. सर्वपल्ली.  
1885 3rd edn cr. pp 11, 85.  
-10-
- 4928 साहित्यमर—सूत्रार्थ and उत्तरार्थ  
1880. pp 360 Oa 5-
- 4930 — (अलंकार) अच्युतरायकृत  
सङ्कतप्याख्यासहित V 2-8-
- 4931 सिद्धसिद्धान्तसङ्ग्रह बलभद्रविरचित  
with an introd. by G. N. कविराज  
1925, 8vo. pp 4 40. Sb -14-
- 4932 सिद्धदेमचन्द्रपाठ—(जैन) कठिकाङ्कसर्वज्ञ  
श्रीदेमचन्द्राचार्यविरचित । cr pp 143,  
2 Vy
- 4933 सिद्धदेमचन्द्राचार्यसूत्राणामकारादिकम्.  
Vi -4-
- 4934 सिद्धदेमचन्द्राचार्यसूत्राणामकारादिकम्. (जैन) मूळ. -5-
- 4935 — (जैन) लघुवृत्तिसहित. 5-
- 4936 सिद्धान्तसङ्ग्रह—(वेदान्त) with  
the comm केसरवल्ली by सदाशिव-  
दत्तस्यती N -8-
- 4937 सिद्धान्तकामुदी—(व्याकरण) of भट्टो  
जीवीक्षित मठाध्यायी, सूत्रपाठ, गणपाठ,  
पादुपाठ, लिङ्गानुशासन शिक्षा, तथा सञ्ज्ञा-  
कमणी. N 3-
- 4938 — तत्त्ववाचिनिनामक टीकासहित -
- व  
4939 — वासुदेवदीक्षितविरचितया । श्री-  
बाल्मनोरमाख्यशास्त्ररचया समुद्रासेता ।  
Bm 25-
- 4940 — or Panini's gram-  
matical Aphorisms as arranged  
and explained by भट्टोजन दीक्षित.  
Sansk. Text and Engl. Transl  
by आशाचन्द्र विद्यारत्न and बामनदास  
बह्. Po 6-
- 4941 — ed by S Ray Vol. I Pa-  
rt I up to सन्धि with an elab-  
orate introd. Pt. II up to स्त्रीप्रथम  
and Vol. II कारक and समास. 7-8-
- 4942 — with transl and sansk.  
comm by S R. विद्यारिनाद & K.  
K R मिश्रभाष्य vol I Pt I सन्धि.  
only. cr pp 23, 171 Cc 2-8-
- 4944 सिद्धान्तसाधनगतर—(जैन) Jb -4-
- 4945 सिद्धान्तचंद्रिका—(व्याकरण) श्रीगंगाधर  
सरस्वतीकृतसटीका. Gn -4-
- 4946 — सटीकोत्तरार्थ. Gs -3-
- 4947 — तथा तत्त्वदीपिका सहर्ष Vy 5-
- 4948 सिद्धान्तचित्तमणि । Su -12-
- 4949 सिद्धान्ततत्त्वविवेक A treatise on  
astronomy by महम्मदझर with  
notes by Pt सुभाकर द्विवेदी, ed.  
with his own notes by सुलीवर हा.  
Bn 10-8-
- 4950 सिद्धान्ततत्त्वम्—(वेदान्त) by श्रीमद्-  
नन्तदेव तेलगाममशास्त्रिण परिभाषितम् ।  
PP 84 Lz -12-
- 4951 सिद्धान्तत्रयोदशी orig संस्कृत with  
मराठी transl by केमकरसाक्षी 1888.  
Roy pp. 29 60 1-

६

4952 सिद्धान्तत्रयोदशी. सङ्कृत. with मराठी  
transl. by Y. A. शीरसागर. 1888  
cr. pp. 160. -8-

4953 सिद्धान्तलेखसङ्घः—( अलंकार ) by  
अण्णदीक्षित, with extracts from  
the comm. श्रीकृष्णलंकार of अच्युत-  
कृष्णानन्दतीर्थ, ed by M. N. गंगाधर-  
शास्त्री भागवल्ली. 1890 Roy. pp.  
4, 8, 116. Pj 2-8-

4954 सिद्धान्तदर्शनम् (वेदान्त) महाविदेव्यास-  
सूत्रम् श्रीमन्मनास्विरसिद्धबाचोपनिषद्भाष्येनैव-  
माप्यसमेतम् । Aa 1-4-

4955 — original text and Engl.  
transl with a comm. Pa 3-

4957 सिद्धान्तनिर्णय-श्रीगणनाथसेनहृत  
Mi 2-

4958 सिद्धान्तविष्णु of मधुसूदनसरस्वती  
with an orig. and lucid comm-  
in sanskrit by M. M. बासुदेवशास्त्री  
अभ्यकर. pp 232. 2-8-

4959 — with रत्नावली by मधुसूदन  
सरस्वती and ब्रह्मानन्द सरस्वती, publ.  
by साधवित्र अभ्यकर 1893. Roy pp  
3212 Ams 4-

4960 सिद्धान्तशिरोमणि. Sa 2-4-

4961 सिद्धान्तमुक्तार्थ, सटीक । I -3-

4962 — ( वेदान्त ) of ब्रह्मसामन्द  
with Engl. transl. and notes by  
Col. Venis Reprint 1922. 2nd  
edn pp. 186. Pa 1-12-

4963 सिद्धान्तरत्नमञ्जुषा. पूर्वमीमांसासङ्घ.  
1616. pt I Roy. pp. 64.

4964 सिद्धान्तरत्नम् with the comm.  
of अलङ्कारमिश्र, ed. with an introd.  
and notes by O. N. कविराज.

७

19-9, 8vo. pp. 142. 14, 351

Sb 2-14-

4965 सिद्धान्तरत्नमञ्जुषा—(मीमांसा) पूर्व-  
मीमांसा सङ्घ, publ. by रमणनाथशास्त्री.  
1916. Roy. pp. 60, 24. Bd -8-

4966 सिद्धान्तवेत्त Vj 2-12-

4967 सिद्धान्तलेखसङ्घः—(वदन्ति) by अण्ण-  
दीक्षित with the comm. कृष्णलंकार  
by कृष्णानन्दतीर्थ and वेदान्तसिद्धान्तवृत्ति-  
मञ्जरी by रामचन्द्रशास्त्री.

4968 सिद्धान्तशिरोमणि A treatise on  
Astronomy, by भरतकृष्ण with  
his own comm. the वास्तवभाष्य, ed.  
by Pt. बापुसाहू. 1866 8vo pp,  
6, 384, 13 Bi 15-

4969 सिद्धान्त of रामानुज by Rudolf  
O. 6-

4970 सिद्धययी प्रत्यभिज्ञासिद्धि of उपल-  
बेध. Km 3-

4971 सिद्धशक्ति-प्रवर्णनाशिव—(पिन)  
सटीक. Gb -8-

4972 सिद्धिद्वयम्—(वेदान्त) A treatise  
on विशिष्टाद्वैत philosophy, ed by  
Pt. रामभिरशास्त्रि. Ch 1-8-

4973 सिद्धान्तशिरोमणिः (उपनिषद्) श्रीमास्क-  
राचार्यविरचित श्री मुक्तिविशङ्कृतज्ञानावर्ति-  
केन श्रीमुनीश्वरविरचितेन मणीषि सहितः ॥  
Vol 1 pp. 534. Lc 3-

4974 सिद्धतत्त्वभाष्यम् । Su

4975 सिद्धान्तसिद्धिमा I I 6-

4976 सिद्धान्तमासासत्र—(साधुचर) by  
जिनप्रभाकर. Km7 1-

4977 सिद्धान्तसिद्धाधनम्—(वेदान्त) by  
श्रीकृष्णानन्दसरस्वती, pt 1-17. Tr 7-4-

॥

- 4978 सिद्धान्तद्वयसिद्धि—गण- (जैन) of  
हेमचन्द्रसुनि. *Jb* 2-8-
- 4979 सिद्धिप्रयत्ने by देवानन्द  
*Km7* 1-
- 4980 Significance of Indian  
Nationalism *Pl* 1-8-
- 4981 The Six Systems of Indian  
Philosophy by Prof Max-  
Muller or xxviii, 474 7-4-
- 4982 SIX BUDDHIST NYAYA TRA-  
ORS (Sanskrit) ed by म म  
वशोक and एलाकरराष्ट्री *Bt* 1-4-
- 4983 SYSTEM OF BUDDHISTIC THO-  
UGHT by Rev S Yamakami  
Royal 8vo pp 372 *Cu* 15-
- The book presents in a comprehen-  
sive though short form a complete  
view of Buddhist Philosophy both  
of the Mahayana and Hinayana  
Schools
- Contents* Chapter I—Intro-  
ductory principles of Buddhist  
Philosophy—All is impermanence  
—There is no Ego—Nirvana is the  
only calm.
- Chapter II—Karma Phenomenology  
—Karma is a principle in the Moral  
World—Karma as an active prin-  
ciple in the physical world
- Chapter III—The Sarvastivada-  
dins (Realists)—The Tenets of the  
Sarvastivada-dins—Explanation  
of the Seventy five Dharmas  
Shankar's criticism of the Sarvas-  
tivada-dins &c, &c
- 4984 The System of चक्र according  
to गोरक्षनाथ by G N, कुरियार *S&S*
- 4985 System of वेदान्त according  
to ब्रह्मसंहिता and शङ्कर's  
comment thereon set forth as a  
compendium of the dogmatics  
of Brahmanism from the stand-  
point of चक्र Authorized transl.  
by Johnston, ed by Deussen  
Paul 1612 15-
- 4986 SYSTEM OF VEDANTIC THOU-  
GHT and Culture (An intro-  
duction to the Metaphysics of  
Absolute Monism of Shankara  
School ) by महाद्वय सहाय  
Demy 8vo pp 340 *Cu* 7-
- It is a treatise the first of its kind  
intended to bring out Advaita Ve-  
dantism as a complete system which  
has been made specially interesting  
by the introduction of the concep-  
tions of the *Shankarites* from  
Padmapada down to Prakashananda  
It leaves no important topic out of  
consideration
- 4987 Systems of Sanskrit Gram-  
mar by Dr बलभद्र 1915 8vo  
pp viii, 148 *Oz* 3-
- 4988 SACRED LAWS OF THE ऋषि  
see - मन्त्रसूत No 3288-3293
- 4989 Secret Philosophy of the  
Indians by B गोदाभट्ट 3-12-
- 4990 SELECT WORKS of श्री गुरुदेव,  
योग सङ्ग with Engl transl  
by S बलदेव 2nd edn. or pp  
iv 240 *At* 2-
- 4991 Select Specimens, the Thea-  
tre of the Hindus by Wilson  
H. 1835 2 Vols. 60-
- 4992 SELECTIONS from Sanskrit  
inscriptions by H H दिग्दर्शन

१९२५. Part I & II. 8vo pp 2, 5,  
250.      Ca 4-
- 4993 — from the-महाभारत, ed by  
F Johnson 1842 Roy. pp.  
xiii, 97, 99-265 *Allen & Co* 8-
- 4994 SELECTIONS FROM AVESTA  
AND OLD PERSIAN. by J S.  
Tharapurwala, Prof. of Comparative  
Philology First Series, Part I.  
8vo pp. 255.      Cu 6-
- Arranged on a most convenient plan  
—the text in Roman letters with a  
literal English translation on the  
page opposite, each text and transl  
being followed by elaborate linguistic  
and other notes — the book is  
intended primarily for students of  
Sanskritist No finished Sanskritist  
can do without some acquaintance  
with Avestan and Dr. Tharapurwala's  
book, already adopted for class  
work in several European Universities  
is by far the best chrestomathy of Avesta The selections  
have been highly praised by distinguished  
scholars like *Josef Rapson*,  
*Alfred Hillebrand* *J D Barnett*,  
*O'Leary* *J Jolly* *P O*,  
*S. Leister* *A B Keith* *Heermann*  
*Jacobi*, *Dr F H Thomas* *Sir*  
*George A Grierson* *Rev Father*  
*R Zimmermann*, etc etc
- 4996 SELECTIONS from Buddhist  
Drama (German), by Linders H.  
12-8-
- 4997 SELECTED pieces from Hemachandra's Parvatasparvan (German) by Hertel J. Roy. pp xi,  
271.      Gr 7-

- ४९९८ CEYLON BUDDHISM by Rev.  
D. J. Gogerly. 2 vols 4to  
each      Kp 9-6-
- 5000 सुदर्शनसूक्त सटीक by कृष्णरायण.  
Kms 1-
- 5001 — (सप्त) Vy -3-
- 5002 THE SEED OF RACE—an  
essay on Indian Education by  
Sir John Woodroffe. 1-
- 5003 सुन्दरीसूक्त By वसिष्ठवल्गुभट्ट.  
Kms 1-
- 5004 सुन्दरीसूक्ति—(काव्य) विरणीसमेता.  
Gn -4-
- 5005 सुधासूक्ति By जयप्रकाशसहित.  
Kms 1-
- 5006 गुणमनाहसरित्—(जैन) by हर्षम-  
गणि, ed. with सङ्गत equivalents  
by Pt हरप्रसादसहित, publ. by  
V. G. जोशी. 1919. Pt III. Roy  
pp. 22, 22, 3, 486-659, 7. 2-
- 5007 सुधासूक्ति-समवेष्टित भारतीय वार्ता  
सहित with the commentary by  
V. K. राजगो. 1912 8vo pp. 90.  
11, 2-
- 5008 सुधासूक्ति or वेदासूक्ति साक्षात्  
साध्यासूक्ति-वेदासूक्ति-सूक्ति-सहित. १८८५  
अथर्वण, सप्तमः सूक्तिः, वेदासूक्ति-सहित-  
साहित्यसहित, सप्तमः अथर्वण. पुष्पा, १८८५  
अथर्वण-सहित-सहित, सप्तमः अथर्वण.  
सहित-सहित by V. V. राजगो. 1923  
Ak 3-
- 5009 सुधासूक्ति—(वेदा) वेदासूक्ति's  
comment from the view point of  
सुधासूक्ति Philosophy on अथर्वण  
of वेदासूक्ति (chap. 10th) with a  
gloss by गोपाधी श्रीः राजगो.



II

and-प्रकाश (Short notes upon the above two by अमरचरितमहाशय).

Ch 4-8-

5010 सुबोधनीजी कलप्रकरण VI

5011 सुमद्रायनकायम् (नाटक) by हलधेश्वर  
वमा with the commentary of  
शिवराम Tr 2-

5012 सुमद्राहरणम्—(काव्य) an abduc-  
tion of सुमद्रा - a poem by H  
Ray cr pp 8, 66 -8-

5013 सुभाषित सङ्कलन with मराठा transl  
by वसुधाश्री विप्लवकर publ  
by S N जोशी 1915 8vo pp  
164 -12-

5014 सुभाषितवासुध Bu

5015 सुभाषितविज्ञप्ता (काव्य) मनुहरि  
वयम् श्रीरामचन्द्रयतिन्द्रावेचित सहृदयान  
न्विनी व्याख्यासह N 1-4-

5016 — Text VI -8-

5017 सुभाषितनीति of श्रीवेदान्तदेशिक  
with the commentary called  
रत्नपीठिका, ed by शशिधर अयंगर cr  
8vo xu 106 Vv -8-

5018 — by व्यकटनाथ Kms 1-

5019 सुभाषितरत्नाकर A collection of  
witty and epigrammatic sayings  
in sanskrit, with explanatory  
notes by K B माडवेकर 1913  
4th edn 8vo pp 2, 47, 362  
Gn 2-8-

5021 — or Gems of Sanskrit  
Poetry selected and arranged  
by K F पार Ad 4-

5022 सुभाषितसार—(काव्य) by मनुहरि  
1913 8vo pp 8 -2-

5023 सुभाषितसारसङ्घ—(काव्य) of मनुहरि  
Mu -1-

III

5024 सुभाषितसंदेह of अमरचरित Sansk-  
Text by Schmidt R. transl into  
German Gr 12-

5025 — — Mi 7-

5026 सुमित्रचरित्र शोकवद्ध—(जैन) of हर्ष-  
कृष्ण उपाध्याय 2nd edn Jb 1-2-

5027 सुभाषितावली of वल्लभदेव, ed by  
Dr P Peterson and Pt गुणप्रसाद  
Bp 2-8-

5028 सुभाषितोपनिषद् by स्वामि नारायणताव  
edited by रत्नगोपाळ भट्ट C/ 3-

5029 सुरयोन्मत्त—(काव्य) श्रीरामचन्द्रावरि-  
चित N -14-

5030 सुप्रियसुनिदिष्टा शोकवद्ध—(जैन) of  
कनककुशल 2nd edn Jb -4-

5031 सुभाषितव्याकरण समासद्वयचक्रिका  
with मराठी translation by केमकर  
श्री 1868 8vo pp 52 -8-

5032 सुरिसर्वग्व of गोवन्द कविरूप, ed  
by जगन्नाथमिश्र (1912 1914) fasc  
1-3 Bz 2-4-

5033 सुवचनच—(स्तोत्र) मूल Vy 1-

5034 सुवेसिद्वान्त—(ज्योतिष) by म —म  
सुभाकर दिवदि. 1925 2nd edition  
Bz 3-

5035 सुवेसिद्वान्तमात्रलि Bo-4-

5036 सुलभकेनापदी of मधुकवि आकांक्ष  
सुलभगवार्थ, कठीण शब्दाणा अर्थ, सादां  
व समासार्थे स्पष्टकरण, कपासेरवकर,  
यासह, ed by R N जोशी 1925  
4th edn cr pp 2 82 -6-

5037 सुलभकेनापदी of विठ्ठलरावणा with  
मराठी transl by K O आण्णे  
1922 cr size 1-8-

5038 — by विठ्ठल रावण with हरमणि  
शेका 1915 2nd edn. Roy, pp  
121

5039 सुवृत्तसिद्धक by सेमेन्ड. Km2 1-

5040 सुचिंसमह—( काव्य ) कविरससङ्कत.  
N 1-

5041 — ( वैयाक ) By श्रीविहङ्गाचार्य.  
सुश्रुतसंहिता निबन्धसंग्रहाख्यव्याख्यया  
संहिता. N

5042 सुश्रुतभाष्ये orig. sansk. transl.  
into गुजराती by प्रसुराम जीवनराम &  
डा. वेणु प्रसुराम, publ. by द्वारकानाथ  
चरमसी. Roy. pp. 76, 1273, 10.  
10-

5043 सुश्रुतसंहिता मूलभाष. M 4-

5044 — संग्रहाख्य-टीका-संहिता, ed.  
by अविनाशचन्द्र. Roy. pp. 1044-  
1074.

5045 — An Engl. Transl. (In  
three Vols ) A great Ayur-  
vedic work of high authority  
on Anatomy, Physiology,  
Surgery, Midwifery, Medicine,  
Pharmacy, Hygiene, etc. with  
full comprehensive introduc-  
tions, Engl. translation, Appen-  
dix, Glossary, Index, and a  
Scientific dissertation on Vayu,  
Pitta and Kapha and illustra-  
ted by Plates of ancient  
surgical instruments, etc. by K.  
L. कविराज in 3 Vols. Demy 8vo.  
pp. 1970. Vol. 45-

5046 सुचिद्युगादिप्रोक्तवद, — ( जैन )  
2nd edn. Jb 4-

5047 सुचिद्युगादिप्रोक्तवद. A novelty in  
sansk. literature contains 1200  
choice quotations from well-  
known foreign writers and

स

thinkers of the world, rendered  
into excellent Sanskrit Verses.  
part 1&2. each 1-

5048 सुचिद्युगादिप्रोक्तवद by सोमप्रभाचार्य.  
Km7 1-

5049 Sutta Nipata by P. V. Bapat  
in नागरी लिपी. Gn 6-

5050 सुतसंहिता स्कन्दपुराणान्तर्गता श्रीमद्यजु-  
ष्यसंहिताटीकावेत्ता Vols 1-2 11-8-

5051 — तारपयदीपिकासंहिता Bm 7-

5052 — with तारपयदीपिका of विचारण्य,  
mainly based on the various  
south Indian texts, ed & publ.  
by S. रामचन्द्र शास्त्रि & हरप्रसाद शास्त्रि.  
1916. Roy. pp. 1066. 6-

5053 सप्तमद- ( जैन ) The second book  
of the जैन for the first time  
critically ed. with the text of  
विक्रम, various readings, notes &  
appendices by P. L. वेणु, 1928:  
Pt. I. Roy. pp. 152. 1-

5054 Second Book of Sanskrit by  
Bhandarkar R. G. 1-12-

5055 सेतुचम्पमहाकाव्य by श्रीप्रसाद, श्री-  
रामदासप्रतिभोजनटीकासहित l. N 3-4-

5056 सेतुचम्प by श्रीराममनसासहित,  
publ. by वल्लभचन्द्र. 1894. Roy.  
pp. 132. Ams 1-8-

5057 सेतुचम्प. VI 1-

5058 सेतुचम्प — वाङ्मयसंग्रह दीपिका  
प्रणीता publ. by मद्रसी बलमचन्द्र. 1917. cr. pp. 2, 23. Bo 4-

5059 सेतुचम्पमहाकाव्य by सेतुचम्प Km2 1-

5060 सेतुचम्प. स्कन्दपुराणान्तर्गता. मू. 2-

5061 सेतुचम्पमहाकाव्य — ( वेदान्त ) Su 1-14-

- ५  
5062 Central Conception of Buddhism and the meaning of the word Dharma, ed. by Stcherbatsky. 1923 *Ra* 15-12-
- 5063 Centenary Memorial Volume. 1905 B.B.B.A.S. 5-
- 5064 Centenary supplement to the Journal of the R. A. S. of Great Britain and Ireland by Pargiter. 1924. 10-
- 5065 Centenary volume of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland. 1823-1923 by Pargiter F. *Ra* 12-
- 5067 Sage and King in Kosala-Samyutta by Mrs. Rhys Davids. 8vo. pp. 133-138.
- 5068 SAYINGS OF BUDDHA, the Pali Text composing the Iti-vuttaka, translated with introd. and notes, by J.H. Moore 1908. pp xii+142. *Ka* 9-5-
- 5069 The Seven Principal Musical notes of the Hindus with their presiding deities, composed by Sir. s. m. शर्मा. 1892. sup. Roy. pp. 51. 10-
- 5070 A SEVENTEENTH CENTURY ASTROLOGER, by राधेश्वर द्विवेदी. *Sh* 2
- 5071 ST. ANSKLM, transl. from the Latin by Deane s. n. 1910. 8vo. pp. xxxv, 288. 3-8-
- ५  
5072 ST. PETERSBURG DICTIONARY by Bothlingk & Roth. 7 Vols 1st edn. *Gr* 950-
- 5073 SOMA JUICE is not a Liquor by N. B. वावगी. 1924. cr. pp. 15, 2. -8-
- 5074 सेनिकुञ्ज or A book on hawking—by राजा रुद्रदेव of कुमोन, ed. with an Engl. transl. by M. M. हयवाक्यदासी. 1910. *B* 1-
- 5075 सोमरस -सुतनखे in- मण्डी by ना. म. वावगी 1922. cr. pp. 4, 249. -4-
- 5076a सोमसिद्धान्त — (श्वेतिक). *Kg* 10-6-
- 5077 SOUL and BODY. 1-
- 5078 THE SOUL THEORY OF THE BUDDHISTS by Stcherbatsky. 1920 Roy. pp. 823-854, 937-638. 2-
- 5079 SOURCES OF LAW AND SOCIETY IN ANCIENT INDIA, by नरेशचन्द्रसेन. 8vo. pp. 109.
- In this book the author traces the sources of Ancient Indian Law with reference to the environments in society and deals with matters regarding legal conceptions historically, initiating a somewhat new method, mainly following the one indicated by Ihering with reference to Roman Law in the study of problems of Hindu Law. *Cs* 1-8-
- 5080 Social and military position of the ruling caste in Ancient India as represented by the Sanskrit epic with an appendix on the

5

status of woman by E W  
Hopkins 1889 Roy pp 58,  
376 10-

5081 SOCIETI ORGANIZATION IN NORTH-EAST INDIA, IN BUDDHA'S TIME, by Richard Fick transl by विश्विन्द्र नारायण Demy Svo pp 390 Clw 7-8

5042 सोऽहम्—वेङ्कटीमाता ed by केवल्या-  
नन्द 1924

5083 सौम्यिकाद्वयम् (काव्य) अतिविशालम्  
विष्णुसहितम् । N-4-

5084 सीनरपंदीका. P1 2-

3085 सोन्दर्यहरी-(कानन) by श्रीशङ्कर-  
मगवत्पादार्चन 1922 cr pp 28  
Vp -4

5086 सौन्दरामन्द कव्यम्—by अथर्वान, ed  
by हरप्रसाद शास्त्र (1911) B: -8-

5087 क्षौद्रराजम् । 42 3-

5088 सान्दीलइरी—(स्तोत्र) By श्रीसह-  
भगवत्पाद P. 2-

5089 SAURAPURANAM (German)  
by Wilhelm John 1908 8vo  
pp xvii, 507 6-

5090 सन्देहाभाय by ग न कवे  
राज pp 200 Vol II 842

5091 मकपेनाण्डम् - वैमिमांसेदशाध्याया  
 शबन्धुध्यायी उपसंन्यासोपाहास्तत्त्वम् ।  
 मर्मोत्तावास्तुध्वरश्रीभक्तिकमरुकाधर्मि-  
 कोपेदम् । पण्डितायामिष्टीरामशास्त्रिककलित  
 दिव्याणामेतम् । L- 1-4

3092 सकलप्रपञ्चसंग्रहः कृष्णभाष्ये  
pp 254 lg 2-

5093 भगवद्गीता (सगीत) by श्रीगुरु-  
दत्तजीश्वरदत्त, publ by R S  
मोक्षदेकर 1897 cr. pp 134 1-

स

5094 संगीतस्नाकर (संगीत) श्रीराधेदेवकुमार-  
वृत्तसंग्रहाभिरचितटीकासंमत । Vol. I  
& II 42 10-4

5095 सप्तविंशतन्त- a work on mamo  
by नारद ed. by M B तेलंग  
70 8-

5096 सगीतसम्पसार--(सङ्केत) 77 1-2-

5097 लक्ष्मिकरणम्-( व्याकरण ) 1915.  
8vo pp. 16 ~ (7n) -8-

5098 सङ्ग्रहण of all Vedic Sha-  
khas Text and Transl by  
B. V. कामेश्वर शर्मा Ad 1-

5099 सप्तधातुवन्दभाष्यम् । 54 -8-

5100 सध्याप्रवक्तृमण्डल-५१११ V११ -८-

5101 अभ्यासापरास्तुत्यय - (रेर) Aa 2-

5102 लघुसप्तशतिका - Text in sansk. characters, preface, critical notes in Engl & pp 500 Ad 10- (१ श्रवण, २ भाष्य ३ कथाश्रुति, ४ कुण्डिक, ५ जावाक, ६ तुरीयातलपुत्र, ७ नाद, ८ निर्वाण, ९ पद्म १० पद्मोद- ११ परिभाषक, १२ मन्त्र, १३ ब्रह्म-सकृत् १४ बुद्धसिन्धु, १५ निरुक्त, १६ लेख, १७ वासिष्ठ्य, १८ लघु अष्टाह, १९ लघु सप्तशत, and २० लघुपदी)

5103 सन्यासनिर्णय श्रीमद्ब्रह्मसूत्रार्थ चरण-  
प्रणीतम् अष्टविंशत्यध्यायम् । org sanskrit  
with मुद्रणालयी (rns) ed by M. W.  
होलीवाल Roy pp 6. 89, 31 —

5104 सम्बन्धवातिर of गुरुदासायं having  
a metrical expansion of the intro-  
ductory portion of गुरुदासायं's  
comment on the गुरुदासकोषविद्  
transl into Engl by S V Nayar.  
1905 Roy pp 166. 3. L. 2-127

- स
- 5105 संशोधनसंश्लेष- (जन) सटीक of रत्न-  
शेखरपुरि with the comm. of अमर-  
कीर्तिहरि Jb 1-4-
- 5106 सम्मतिर्नाल्यप्रकरण-(जन) part,  
IV. 3-
- 5107 Some aspects of वीरशैव Phi-  
losophy, by G. N. कविराज. Sb2
- 5108 Some aspects of the his-  
tory and doctrines of the Na-  
thas, by G. N. कविराज. Sb6
- 5109 Some contribution of South  
India to Indian Culture, by  
S. कृष्णस्वामि अयंगर. Demy 8vo.  
pp. 488. Cu 6-
- This book by the Prof of Indian His-  
tory and Archaeology in the Uni-  
versity of Madras contains the  
reader-ship lectures he delivered  
in 1919 in Calcutta,
- 5110 Some notes in the अय्यसंप्रचार;  
Book II of the कौटिलियमर्थशास्त्रम्  
in English by Sorabji J. 3-
- 5111 Some notes on William  
Hawkins by H G Rawlinson.  
(1607-1612) 8vo. pp 277-293.
- 5112 Some problems of Indian  
Literature, by Prof. M. Win-  
termitz Roy 8vo. pp 130.  
Cu 2-8-
- Contents -1 The Age of the Veda  
2 Ascetic Literature in Ancient India  
3 Ancient Indian Ballad Poetry 4 In-  
dian Literature and World-Literature  
5 Kautilya Arthashastra-Bhasa.
- 5113 SOME THOUGHTS ON HINDI MUSIC  
A paper read before the Literary  
& philosophical Club Poona by G,  
B Khare 1912 cr pp 16,2 -4-
- स
- 5114 सत्वाद्गुण्डरगध, -(जन) of रत्नमण्डन-  
धरि. 2nd edn. Jb -8-
- 5115 सद्योपेत होद्यचक्र. गूढमात्र.  
Mc -2-
- 5116 सहितोपनिषत्संग्रह being the 7th  
Brahmins of the सामवेद, the San-  
skrit Text with comm. index  
of words &c ed. by A. C Bar-  
nett, 1877. pp. xx. 49 xiii 5-
- 5118 सहिता of सामवेद by the Rev.  
Stevenson J. 1906. 8vo. pp. xi,  
200. Cc 10-
- 5119 संक्षिप्तब्राह्मणवैराग्य by B V.  
ईश. 3rd. edn. 1921. 8vo pp.  
2. 300, 10. Bc 10-8-
- 5120 संप्रेषणवैराग्यम्-(वेदान्त) अग्निचित्तुल्यो-  
त्तममिव विराचितमुद्योधिण्या, परमहंसपरिभा-  
षकाचार्यकृष्णतीर्थविरचितान्वयार्थप्रकाशिका  
च व्याख्यया समेतम् । Vol. I & II  
Aa 8-8-
- 5121 — अन्वयार्थप्रकाशिकासहितम्  
by सर्वज्ञानमुनी with a gloss  
called अन्वयार्थप्रकाशिका by रामतीर्थ-  
स्वामि, ed. by भाऊशास्त्री वझे.  
Ks 8-
- 5122 — मधुहनीटीकासमेतम् । of  
सर्वज्ञानमुनी, with a gloss called  
सारसंग्रह by श्रीमधुहनीसरस्वती, ed  
by भाऊशास्त्री वझे and Pt, शिवा-  
राम शास्त्री केडकर and साख्य योगाचार्य.  
Ks 8-
- 5123 सत्कारवैराग्यम्(कर्म) अनन्तदेवमद्रूपत.  
(विभीषादज). N 2-
- 5124 — संग्र संस्कृत with मराठी  
transf. containing comm. on  
difficult passages and the dic-

- त  
tionary of difficult words by  
A. M. मसानी. 1914. Roy. pp. 13,  
8 53, 23. Bd 5-
- 5125 संस्कारदीपिकाः (पर्म) पारस्करगृह्यानुष्ठानि  
साङ्गोपाङ्गविनाहगर्भापानादिसमावर्तनान्तसं-  
स्कारनिरूपणात्मकः । कर्मविनिर्मुक्त संहिता  
गृह्यसूत्रोक्तमन्त्रव्याख्यासहितः । निर्वामन्व-  
पञ्चपर्यन्तविरचितः । Ch 6-4-
- 5126 संस्कारपद्धति—(पर्म) भट्टगोपीनाथ-  
दीक्षितनिराचेतोपोनिपुणतसंहिताभग्यं करो-  
पाभिपचारकरसाक्षिनिराचिता । Aa 2-8-
- 5127 संस्कारमहत्वा—( पर्म ) ed. by Pt.  
गारायण शास्त्री द्वेदे. 1913. 8vo. pp.  
11, 154, 12. Gu -12-
- 5128 संस्कारमार्तण्ड—(पर्म) भण्ड 1 & 2.  
pp. 130. Sp 9-
- 5129 संस्काररत्नमञ्जरी—(पर्म) by गोपीनाथ-  
मह भोक्त, ed. and revised by Pt.  
रामशास्त्रि. Ch 3-
- 5130 — (गोपीनाथमहर्षि). vol. 1 & II.  
Aa 12-8-
- 5131 संस्कृतशेषः (Sansk. Engl. Dict.)  
by राममशन पाण्डित. Sd 6-
- 5132 संस्कृतकाव्यादि (Nine in no.) by  
महूरकरि, publ. by N. D. पारकर.  
1916. cr. pp. 10, 2, 418, 2. 3-
- 5133 संस्कृतप्रवेश. An introd. to the  
संस्कृत Language. A book for the  
student's of संस्कृत, publ. by N.  
D. देशार. 1928. 6th edn. cr. 8vo.  
pp. 376. Sa 2-
- 5134 संस्कृतगणपारलि by R. V. काणे.  
cr. pp. vi, 228. Mm 1-8-
- 5135 मन्त्रतन्त्रादि—जीतरद्वेदप्रामो-  
नरसिंहसामिना मन्त्रभाते-विष्णुपुत्र-  
पराङ्मुखाचरित—नाहरदीक्षितरचितता ।  
Cloth. Cr. 8vo. pp. 72. Pz 1-
- 5136 संस्कृतपुष्पमञ्जरी. Mp 4-
- 5137 संस्कृतभाषान्याकरण पं. सुदर्शनाचार्य  
शास्त्रिप्रणीतम् । Ch 4-
- 5138 संस्कृतलघुबोधिनी—(व्याकरण) देशस्वामी  
विरचिता । Ch 7-
- 5139 संस्कृतोपक्रमपाठः । Mp 3-
- 5140 संस्कृतमन्त्राणामणि. A list of  
Sanskrit manuscripts of palm  
leaves by Hiersemann. (Leipzig.)  
Roy. pp. 46. 3-
- 5141 Sansk. composition by B. B.  
महाचार्य revised by काव्यव्याकरणतीर्थ.  
1915. pt. I & II cr. pp. 135, 104.  
Cc -12-
- 5142 Sansk. Buddhism, a literary  
history of, by O. E. Nariman. 1923.  
2nd. edn. sup. noy. pp. 341.-10-
- 5143 Sansk. Drama in its orig  
development, theory, and prac-  
tise by A. B. Keith. 1924. 8vo.  
pp. 406. Of 16-
- 5144 Sansk. Engl. Dict. by Monier  
Williams. 1st edn. 1872.  
Of 50-
- 5145 — Engl. Dict. Etymolo-  
gically and philologically arran-  
ged, with special reference to  
cognate Indo-European Lan-  
guages, by Sir M. Monier-Williams.  
Enlarged and improved by  
E. Leuman and O. Cappeller,  
and other scholars. 1899. 4to.  
(12x9 1/4), pp. xxxvi+1334. 73  
Or 65-
- 5146 — Transl. ammended and  
enlarged from an orig. compila-  
tion prepared by learned natives

स

for the college of Fort William by Wilson नृपेद by जगन्मोहनतर्कालकार & कृष्ण मुकुर्जी  
Roy pp 1007 Cc 25-

5147 — Intended chiefly for High school and College Students compiled by वृष्ण शर्मा  
1912 8vo pp 2, 366 2

Gn 1-12-

5148 — Engl Dict for students by वृष्ण शर्मा contains appendices on Sansk Prosody and Lit. and geographical names in the Ancient hist. of India 1922 2nd edn Roy. pp 8 664 Gn 10-

5149 — Practical containing appendices on Sansk Prosody and important Literary & geographical names in the Ancient History of India by वृष्ण शर्मा  
1924 3rd edn revised and enlarged Roy pp 3 2, 1042, 24 Gn 15-

5150 — Engl Dict (Practical) contains alphabets from अ to ञ  
1889 Vol 1 Roy pp 3, 524 -8-

5152 — Engl Dict Being a practical hand book with transliteration accentuation and Etymological analysis—throughout compiled by Macdonell A 1893 Roy pp xi 384 25-

5153 — Engl Dict with appendix, explaining the use of affixes in Sansk by Pt Ram Jagan super Roy 8vo pp 707 5-

स

5154 — (standard) containing appendices on सङ्कृत prosody and names of noted mythological persons by ल. र. वैत, revised by Prof नृप शर्मा 1916 2nd edn. 8vo pp XV, 884 Ro 5-

5156 Sansk grammar for beginners in Devangari and Roman letters throughout by F Max Muller, 2nd edn 1870 Roy pp xxiv 300 Lon 15-12-

5158 — Including both the classical language and the older dialects of Veda and Brahman by W D Whitney Fourth issue of 2nd edn 1921 8vo pp XXV 578

The greatest extant repository of the grammatical facts concerning the Sanskrit language A masterpiece of orderly arrangement Prefixed is a brief account of the literature of India Ho 16-

5159 — Higher for the use of schools and colleges by नृप शर्मा 1922 6th edn cr pp. 532 136 Gn 4-

5160 — by नृप शर्मा Froster. 1810 Roy pp xxi, 691, 8. Cl 20-

5161 — for beginners by F Max Muller 1886 cr pp xvi 192 12-8-

New and abridged edition accented and transliterated throughout with a chapter on syntax and an appendix on classical metres

5162 — by Wilson नृप 12-

5163 Sansk Language on a plan similar to that most commonly

स

- adopted in the learned language of the west by Rev W Yates 1920 8vo pp. xxviii 403. 5-
- 5164 — — (German) elementary grammar by Kollar 1884 xvi 262 2-
- 5165 — (Dutch) by Ublenbhoek n o 1898 Roy pp 115 8-8-
- 5166 — — — a practical grammar for the use of early students by Benfey I 1863 Roy pp xiv 228 5
- 5168 Sansk. Manual Part I containing the accidence of Grammar and Part II a complete series of progressive Exercises by M Williams 1868 2nd edn cr pp viii 176 Lon 5-
- 5169 सम्यक्त व प्राकृतशेष contains — शमरकोश, त्रिकावली, मेदिनी, हारावली एकादशी, and some portions in the other कोशाः, some words in मवनीत, द्वितोपदेश and in the text Books of the Primary Schools from std 1 to 6, ed by ना. भा. गडगले and ना. जि. कडकर आशुपि १ ला Roy pp 507. 25-
- 5170 सम्यक्त प्राकृतशेष with the help of शमरकोश prepared by अनन्तशशी तडकर 1853 8vo pp 500
- 5171 Sansk. and श्रुत Mas in the Adyar Library, a list 5-
- 5172 — Prose selections, prescribed for Inter-Arts-exam 1925 and 1926 with notes by K. V. श्रीधर 1924 Roy 3-
- 5173 Sansk. Papers (1862-1923) set at the Matric Exam of the Bom Univ with full solution by M. R. शर्मा 1920 1-12-

स

- 5173a — (1917-1926) set at the Matric Exam. of Bom Univ. by L. R. श्री. 1926 1-
- 5174 — Papers of the Bombay University Matriculation Examination 1900-1917 An 14-
- 5175 Sansk. POEMS OF MAYURA edited with transl notes and introd with text and transl of Sansk Candishataka by G. R. QUACKENBOS 1917 8vo (9x6) pp xvii x 362 x vi 3 facsimiles Of 9-
- 5177 — PRIMER Based on the Leit faden für den Elementarcursus des Sanskrit of Prof Georg Bühler of Vienna with Exercises and Vocabularies by J. D. Perry 8vo Cloth pp 230 Gin 9-8-
- 5179 Sansk. reader text and vocabulary and notes by C. R. Lanman 1920 Roy 8vo pp. 430 Ho 12-
- 5180 Sansk. RESEARCH—AN Anglo-sansk quarterly devoted to research work in all fields of Indian Antiquity, ed by Pt. L. दुर्गा-कोटा 1915 vol 1 no 1, 2, 3, and 4 and II each no 3-
- 5182 — reader by Liebhich M 15-
- 5183 — selections Chrestomathie by Bothlingk 12-
- 5184 SANSK. SYNTAX ed by Speyer with an introd by Dr. H. Kern. 1886 (x 402) Br 9-
- 5185 Sansk. Teacher, on new lines, full of interesting sentences and verses from Sanskrit Literature



- स  
by विवेक 1911. 8vo pp 6, 232,  
Rs 1-8-
- 5186 संस्कृत राजमयाचा इतिहास घाटक-मराठी  
by ० व देव. 1922 cr. pp 2, 4,  
174 1-8-
- 5187 Sansk. Tutor by K. चारुशिव  
राष्ट्रगिण 1908 part I-x 8vo pp  
256 Tr 2-
- 5188 Sansk. Wörterbuch -by Bohl  
ungk abridged in 7 parts, bound  
in 3 vols new edn 1923-25-  
126
- 5189 अथर्ववेद-बुद्धस्तोत्रग्रन्थ (Sansk  
& Tibetan) or a collection of  
Buddhist hymns by भिषुसर्वज्ञमिश्र  
of काश्मीर, ed by ० विद्याभरण  
1908 vol I Bs 4-
- 5190 स्मृतिरत्नसुध-(वर्म) श्रीमदनन्ददेवग्रह-  
स्त A 2-2-
- 5191 स्मृतिचन्द्रिका-(वर्म) by देवप्रहो-  
ष्य, ed by L. श्रीनिवासचार्म 1914  
8vo pp. III, 227. Bs 13-12-
- 5192 स्मृतिप्रकाश by रामदेवराव ed by  
K. M. चण्डीशिवमिश्र 1912 Ps 12-
- 5193 स्मृतिरत्नाकर-(वर्म) Vy 2-
- 5194 स्मृतिभाष्येदा - (वर्म) by विश्वर-  
त्निपाता ed by Pt. मंगलमिश्र Ch 6-
- 5195 स्मृतीनां समुच्चय ; अष्टाविंशति-  
शोधपत्राणां सारसंग्रहस्तोत्राणां ।  
(A collection of 27 स्मृतिः)  
१ अहिरस २ अश्विनि, ३ अश्वि,  
४ भास्कर, ५ जोशवत् ६ गोविन्द,  
७ दध, ८ देव ९ प्रजापति १०  
बृहस्पति ११ बृहस्पति, १२ ब्रह्मण्य,  
१३ वस, १४ लघुनिष्ठ १५ लघुनिष्ठ-  
मन्त्र, १६ लघुनिष्ठ १७ लघुनिष्ठ,  
१८ लघुनिष्ठ, १९ अश्वि २०
- स  
वसिष्ठ, २१ बृहस्पति, २२ बृहस्पति,  
२३ वेदव्यास २४ अश्विनिष्ठ २५ अश्वि,  
२६ अश्विनिष्ठ, and २७ अश्वि ) 5-
- 5197 स्तुतिचिन्तामणि-(स्तुति) devotional  
work in praise of शिव by मदनरा-  
यण with a commentary by  
धर्मराज Cloth Km 12-4-
- 5198 स्तुतिमाला-(स्तोत्र) श्रीमद्देवीवार्त्तिक,  
औदयिकृतमध्यमप्रहित. N 2-
- 5199 सप्तमाला by ताम्ररत्नी भास्कर-  
तीर्थचार्म. This is a key to the  
understanding of द्वैत Philosophy.  
More useful than that of माध-  
वविद्यानाथ Sf 5-
- 5200 स्तुतिपुष्पमञ्जरी(काव्य) श्रीमद्भक्तप्र-  
सादित, राजानन्दरत्नमञ्जरीवार्त्तिक टीका-  
वार्त्तिक N 3-
- 5201 स्तुतिपरिचयनम् publ by भद्रना-  
थचार्म 1916 cr pp 13 Pl 4-
- 5202 स्तुतिस्तव- (स्तोत्र) by मूर्च्छी  
Vs 2-
- 5203 Student's Hand Book of  
Progressive exercises part II by  
Vaman Shivaram Apte Ad 4-
- 5204 स्तोत्रचन्द्रिका-स्तोत्ररत्नाकर part  
II Ch 12-
- 5205 स्तोत्रचन्द्रिका प्रथम भाग Gu 1-  
Contains 25 Stotras or hymns addres-  
sed to various Indian Gods & God-  
desses (Deities) It is a veritable  
garland of hymns highly appreciated  
by Devotees and scholars Pt I size  
32 mo Cl bound
- 5206 — द्वितीय भाग Gu 12-  
Contains 151 new stotras or hymns.  
The collection is very unique of its  
kind & contains some hitherto new  
and unpublished hymns. These are  
edited with great care after compa-

स

ring several Miss collected from different parts of India. pt. II sup. Roy. size Cl.

- 5206 — हृत्तीयो गायः *Gu* 1-  
 5207 स्तुतिशतकम्. *Mad* -3-  
 5208 स्तोत्राणि श्रीमद्विष्णुसामान्तमहादेशीकैः—  
 भद्रगुहतिरिणि कृष्णाम्माचार्यैषसेशविशितानि ।  
 1911. 8vo. pp. 179. *Mu* 1-  
 5210 — composed by his Holiness चन्द्रशेखरभारतीय स्वामीगल—the  
 present जगद्गुरु of हृद्देति. *Vv* -6-  
 5211 स्थविपवली or परिशिष्टवर्ष by हेमचन्द्र,  
 being an appendix of the विशिष्टश्लोकपुराणचरित्र, ed. by Hermann Jacobi. *Bs* 12-  
 5212 — चरित्र or परिशिष्टवर्ष of  
 हेमचन्द्र in Engl. ed. by col. Jacobi. 8vo. pp. 86, 3. *Bs* 5-  
 5213 — (जैन) सटीक of वेववाचक. *Jb* 1-  
 5214 स्तोत्राणि by B. V. कृष्णाम्माचार्य  
 or भविनबभट्टवाण. 1911. 8vo. pp. 6, 170. *Tan* 1-  
 5215 स्थव्यं चि सृष्टी—मराठवाच्या इतिहासा-  
 ची साधने सङ्ग 1-8, 10-12 and 15-19  
 by V. K. राजवडे. 1917. cr. pp. 238. *B. I. Sm* 4-  
 5216 स्थूलभद्रवादित्र—(जैन) of जयानन्द-  
 चरि *Jb* 1-  
 5217 स्थानन्दुरपुरवर्णनप्रकरणः—( काव्य )  
 by H. H. स्वातिभिरामवर्मा महाराज  
 with the comm. युन्दरी of राजराज-  
 वर्मा. *Tr* 2-  
 5218 स्पन्दकारिकावृत्तिः—( वेदान्त ) A  
 metrical exposition of the  
 शेषश्रुति in sansk. with the वृत्ति of  
 रामाकान्ताचार्य, Cloth *Km* 2-12-

स

- 5219 स्पन्दकारिका—( वेदान्त ) of वसुगुप्त  
 with the निर्णय by हेमराज, ed.  
 with preface, introd. and Engl.  
 transl. by Pt. मधुसूदन कौलशास्त्री.  
*Ad* 5-  
 5220 स्पन्दनिर्णय(वेदान्त)A comm. on the  
 स्पन्दकारिका by हेमराज. Discusses  
 how the involution and evolution  
 of the universe are ultimately  
 traceable to the Supreme Ener-  
 gy whether known in the male  
 aspect as परमाशिव or in the fe-  
 male as पराशक्ति. The steps which  
 the average self has to pass in  
 order to get absolute identity  
 with Him or Her are very well  
 described. Brought out for the  
 first time. with preface, introduc-  
 tion and transl. in Engl.  
*Cloth Km* 4-  
 5222 स्पन्दप्रतीपिका(वेदान्त)of उत्पलाचार्य. A  
 comm. on the स्पन्दकारिका, ed. by  
 रामनशास्त्री. इस्लामगुल्लर. 1898. Roy.  
 pp. 2, 54. *1-4-*  
 5223 स्पन्दसन्दोह—(वेदान्त) by हेमराज,  
 Abridgment of the स्पन्दनिर्णय,  
 paper cover. *Km* -8-  
 5224 स्फुटार्थअभिधर्मकोशकारिका. A  
 work of शार्ङ्गेभिस्र, ed. by Prof.  
 B. Levi, fasc. 1. *5-*  
 5225 स्फोटसिद्धि—(व्याकरण) *Tr* -8-  
 5226 स्फोटसिद्धिद्विधापरिचरः—(व्याकरण)  
*Tr* -4-  
 5227 स्वाध्यायमञ्जरी—(जैन) by मन्त्रिसेन  
 with a comm. of हेमचन्द्र, ed. by  
 रामोदरलाल मोरारामि. *Ch* 3-

- ५  
5228 — with the comm of इम  
चन्द्र and Notes by Prof A B मुख  
Bo  
5229 — (जैन) 1-  
5230 स्यादादरलार- (जैन) A religious  
work of the Jains said to have  
been written by वादीवर्धन and  
ed by मोतीलाल लापाजी 1928 part  
iv 8vo pp 266 2-  
5231 स्वच्छन्दतन्त्र- (आगम) with the  
comm by हेमराज Sets forth the  
rules regarding the Shaivaistic  
initiation Vol 1-3 8vo pp  
ix, 253 each Km 3-8-  
5232 स्वप्रवृत्तितामणि काव्यवद्ध, (जैन) of  
बीजगद्ध Jb -12-  
5233 स्वप्रवृत्तिवद्धा- (भाटक) Being a  
transl of an anonymous Sansk  
drama attributed to Bhasa, by V S  
हृल्लङ्गकार 1923 8vo (8, x 5½)  
pp vi + 94 Of 5-  
5234 — ed by गणपती शास्त्री 2nd  
edn Tr 1-8-  
5235 Transl. into Engl with  
critical view by सुभारत, 1917 cr  
pp xxix, 54 -12-  
5236 — By Prof D B देवरा  
1928 2nd edn 8vo pp xiv 134  
Oa 2-  
5237 — Sansk. text only, publ  
by P N पटवर्धन 1916 cr pp 53  
-4-  
5238 — ed with Engl transl.  
introd notes &c by A B मिह  
(अपेकर's edn)  
5239 — transl into Engl with  
critical review by S सुभारत publ.
- ॥  
by Pt T B कृष्णभाचार्य 1927 cr.  
pp xxvii 54 Md -12-  
5240 स्वप्नीसुदय- (गुजराती) भासकृत स्वप्न-  
वासवदत्ता नाटकाधार । वराचत, by K H  
मुख 1923 2nd edn cr pp 109  
Bd -15-  
5241 म्वराज्य की महिमा- (वैदिक) orig  
संस्कृत with Hindi transl by S D.  
सातवळेकर 1921 cr pp 112 4  
Bo -8-  
5242 A stanza from पणिनीयशिक्षा  
by G S सर 8vo pp 439, 442.  
-8-  
5243 स्वातुभव-सरा- (काव्य) or वेदान्त  
शास्त्रकाव्य in orig संस्कृत with मराठी  
transl by वेल्हो contains -वदास,  
तत्त्वज्ञान आरोग्य, मर्क नीति-विषयक  
मार्मिक विवरण स्वामीचें चरित्र, फोटो  
प्रस्तावना, प्राकृत भाषांतर, वेदान्तस्तोत्रे  
and पंचरटी स्थानान्तगत देवतास्तोत्र  
ed and publ. by G B मोपडकर.  
१९२० नाशाक 2-  
5244 स्वावलम्बन टिळक लोकसीक्षण सभाचें  
मासिक, ed by G B कनिटकर  
1926 अंक १-८ 3-8-  
5245 स्वामी रामतीर्थ- a sketch of his  
life and teachings 8vo pp 48.  
Nt -4-  
5246 स्वातुभवसर्व- (वेदान्त) with a  
comm by माधव समी ed by Pt  
वित्तराम शास्त्री शेंडे Ch 3-  
5247 स्वाहासुधाकर By नारायणमहापात्र  
Kms 1-  
5248 SKETCH OF THE TURK  
Language as spoken in Eastern  
Turkistan Kashghar & Yarka-  
nd together with a collection of

- ह  
extracts by A. B. Shaw. 1874.  
Pt. I 8-12-
- 5249 THE STORY OF BUDDHISM.  
by K. J. Saunders with eigh-  
teen illustrations (7½x5½). pp.  
168. 1916. cr. 8vo As 3-8-
- 5250 STORY OF SATARA by B. D  
बड, ed by रामचन्द्र चतर्जी. 8vo.  
pp. xxxix, 542 10-
- 5251 STORY OF TIBET KUN DEN.  
A Tibetan Nam-thor, ed by  
Ross E. D. 1912. B. 1-
- 5253 THE STUDY OF PATANJALI.  
(Griffith Memorial Prize 1915.)  
by S. N. दासगुप्त Demy 8vo pp  
216. Cu 4-6-
- Here we have an account of the Yoga  
system of thought as contained in  
the Yoga Sūtras of Patanjali accord-  
ing to the interpretations of Vyasa  
Vacaspati and Vijnana bhikshu with  
occasional references to the views of  
other systems by an acknowledged  
authority on Hindu Philosophy.
- 5254 The sweets of Refutation—  
an Engl. transl. of रणनसम्प्रदाय  
of श्रीहर्ष, ed. by गंगाधर श. Vol II  
परिच्छेद, 2-4, 8vo. pp 279, 414  
433. 5-
- 5255 A STUDY OF THE INDIAN  
PHILOSOPHY By देसा. 1906. cr.  
pp x. 396. Bo 3-
- 5256 STUDIES IN Indian History and  
Culture by N. N. Law Demy 8vo  
pages 430 Contents I The Antiquity  
of the four stages of life. II The ori-  
gin and development. 8-
- ह  
5257 — IN HINDU LAW—by G.  
N. श. Sb 1-
- 5258 — — —evidence by G. N.  
श Sb6
- 5259 — — —its evolution by  
G. N. श. Sb4
- 5260 — — —its judicial proce-  
dure by G. N. श. Sb4
- 5261 — — —its sources by  
G. N. श. Sb6
- 5262 — IN THE HISTORY OF  
SANSK. POETICS by K. De  
2 vols. 16-
- 5263 — in South Indian Jai-  
nism by M. N. रामस्वामी अय्यर &  
N. शेषगिरिदास. 1922. pt. I 8vo pp  
IV, 144. Md 5-
- 5264 — in the six Upanishadas  
together with the transl. of the  
ईश and केन according to शङ्कराचार्य,  
ed by श्रीचन्द्र बड 4-
- 5266 — in Vedant by V. J.  
कर्वीकर, ed. by M. B. जयवर्त. Ta 14.
- 5267 — in Vedantism by K. O.  
महापात्रे. 1919 8vo pp. IX, 73.  
Cu 3-12
- It is a treatise dealing on Vedantic  
lines intended to bring out relation<sup>s</sup>  
of the system to modern philoso-  
phical system
- 5268 — in the वेदान्त sūtras and  
the वेदान्तशास्त्र (सङ्ग्रह-Engl.) by  
S. C. शिवारम्भ. 1918. Roy. pp. 31,  
124. Po 4-
- 5271 Spirit of Ancient Hindi Cul-  
ture of by M. A. Buch. 1921.  
cr. pp. II, 246. 2-4-

स

5272 Studies in the Medicine of Ancient India by A F R Hoernle part I, Osteology 1907 Section I, introduction Medical Schools Chronology, Section II Text-Critical, the Records, Section III Anatomical Identifications, Section IV, Apparatus Criticus 8vo ( 9x6 ), pp xii+252, 38 illustrations

Of 9-6-

5273 — in Mugal India by Prof ए न सरकर 1919 8vo pp 313 Pl 2

5274 — in Hindu Political thought by ए क देव, published by ए म देव 1926 8vo pp IV, 179 Cc

5275 Sanskrit Inscriptions, the selection from see—The selections from sanskrit inscriptions

5276 Study of language an introduction to see—An Introduction to the study of Language. 573

5277 Study of वाग, an introduction to, see—An introduction to the study of वाग 576

5279 संहिता वाग्य with वाग्यवाग्य see वाग्यसंहिता—no 1083

5280 SANSKRIT Buddhism, a literary history of, see—A literary history of sanskrit Buddhism. 4025

5281 SANSKRIT composition, a key to, see—A key to sanskrit composition 1241

स

5282 SANSKRIT Composition, a guide to, see—A guide to sanskrit composition. 1466

5283 — drama, the bibliography of, see—The Bibliography of sanskrit drama 2840

5284 — an Influence of analogy in, see—An influence of analogy in Sanskrit. 550

5285 — grammar, a composition to see—A composition to sanskrit grammar

5286 — grammar, the system of, see—The system of sanskrit grammar 4987

5287 — Language a practical grammar of see—A practical grammar of sanskrit Language 2695

5288 — Language a grammar of see—A grammar of sanskrit Language 1585, 1586

5289 — Language, the roots, verb forms & primary derivations of, see—The roots, verb forms & primary derivations of Sanskrit Language 3894a

5290 SANSKRIT : LEARNING and composition a guide to, see—A guide to sanskrit learning and composition. 1465.

5291 SANSKRIT LITERATURE, a history of see—A history of sanskrit literature

5292 — A hand book of, see—A hand book of sanskrit literature.

४

- 5293 — *Mss. in the Adyar Library*, a descriptive catalogue of, see—A descriptive catalogue of sanskrit *Mss. in the Adyar library.*
- 5294 *SANSKRIT manuscripts*, the history for search in the Bombay Presidency, see—The history for search of *संस्कृत* *Mss. in the Bombay Presidency.*
- 5295 — *manuscripts at Leipzig*, a catalogue of, see—A catalogue of *sansk. Mss. at Leipzig. University 1897.*
- 5296 — *Mss. in the library of H. H. the Maharaja of Bikaner*, a catalogue of, see—a catalogue of *sansk. Mss. in the library of H. H. the Maharaja of Bikaner. 1399.*
- 5297 — *Mss. in Mysore and Coorg*, a catalogue of, see—A catalogue of *sansk. Mss. in Mysore and Coorg. 1398.*
- 5298 — *Mss. the R. A. Society London*, a catalogue of, see—A catalogue of *sanskrit Mss. in the R. A. Society London. 1396.*
- 5299 — *And prakrit Mss. in the Adyar Library*, a preliminary list of, see—A preliminary list of *sanskrit and prakrit Mss. in the Adyar Library. 2729.*
- 5300 *Sansk. & संस्कृत Mss. H. H. R. A. S.* a catalogue of, see—A catalogue of *sanskrit and*

४

- prakrit Mss. in the H. H. R. A. S. 1400.*
- 5301 — *poet, the making of*, see—The making of *sanskrit poets. 3501.*
- 5302 — *plays, time analysis of*, see—Time analysis of *sansk. plays. 1804.*
- 5304 — *poetics, studies in the history of*, see—The studies in the history of *sansk. poetics.*
- 5305 — *poetics, a history of*, see—A history of *sansk. poetics.*
- 5306 — *Philosophy, the history of*, see—The History of *sansk. philosophy.*
- 5307 — *Sandhies, a guide to*, see—A guide to *Sansk-Sandhies. 1467.*
- 5308 — *verb inflection in*, see—Verb inflection in *संस्कृत. 4428.*
- 5309 — *writers, religious and moral sentiments rendered from*, see—The religious and moral sentiments rendered from *sansk. writers. 3877.*
- 5310 — *and Pali books in the British Museum*, a catalogue of, see—A catalogue of *sansk. and Pali Books in the British Museum. 1401.*
- 5311 *संस्कृतशास्त्र*, the problem of, see—the problems of *संस्कृतशास्त्र. 2705.*
- 5312 *साम्बलपुर वैदिक*, the life of, see—the life of *साम्बलपुर वैदिक. 3893.*

स

- 5313 स्वामी विवेकानन्द the life of see—  
the life of स्वामी विवेकानन्द 3997.
- 5314 Sovereignty, the theory of,  
see—The theory of Sovereignty,  
2011.
- 5315 Saracenic art, drawing of geo-  
metric pattern in, see The draw-  
ing of the geometric pattern in  
Saracenic art. 1319
- 5316 शास्त्रमाला, an index to, see—an  
index to शास्त्रमाला 197.
- 5317 Science of religion, an  
essay on, see—An essay on  
the science of religion 927.
- 5318 Psychology of religion, a  
study in; see—A study in the  
psychology of religion.
- 5319 SCIENCE of language, an  
essay on, see—An essay on the  
science of language 927.
- 5320 SIAM, the Indian, colony of,  
see—An Indian Colony of Siam  
513
- 5321 SINHALESE, Literature and  
language of, see—A literature and  
language of Sinhalese 4010.
- 5322 SACRED language, writings  
&c of the पारशी, an essay on,  
see—An essay on the sacred  
language, writings &c. of the  
पारशी 926
- 5323 SECOND Oriental Conference,  
the proceedings of, see—The pro-  
ceedings of the 2nd Oriental Con-  
ference. 2718.

स

- 5324 SEER CULTURE, the Hindu  
principles of see—The Hindu prin-  
ciples of seer culture
- 5325 इन्द्रप्रदीपिका *Rs 1-*
- 5326 इन्द्रमन्त्र सभा. *Py 1-8-*
- 5327 इन्द्रमन्त्रसङ्ग्रह *Py -2-*
- 5328 इन्द्रमन्त्रसङ्ग्रह—(नटक) A drama  
glorifying the two brothers शकु-  
पाल and तेजपाल and their king  
वर्धमान of पेल्ले by जयचमरुति-  
उपनिषद् and an account of the  
temple of इन्द्रमुक्ति at Bronch,  
composed between 1207  
& 1296 or A D 1220 and 1239.  
ed by C D बाल. 1920 *Gn 2-*
- 5329 इन्द्रमन्त्रसङ्ग्रह—(जैन) of चण्डिका  
पुरि, ed by N J. कर्तन 1879.  
8vo pp 47, 136. *Rn 1-*
- 5330 इन्द्रमन्त्रसङ्ग्रह—(मध्य) by राजा-  
नक जयचमरुति, ed by M M Pt शि-  
वदास and K P बाल 1897 8vo pp.  
281 *N 1-12-*
- 5331 इन्द्रमन्त्र (Text) A treatise on  
रुति (ordination) by भानुदेव मह-  
र्षि, edited by कमलकृष्ण शर्मा *Rs 2-4-*
- 5332 इन्द्रमन्त्र by बालदेव with the  
comment of मधुसूदन सरस्वति *Cn*
- 5333 — ed by ईश्वरचन्द्र शर्मा. *St 1-4-*
- 5334 इन्द्रमन्त्र—(काव्य) राजानकालाह-  
रिचरित *N 5-*
- 5335 इन्द्रमन्त्र Prose Engl Transl.  
ed & publ by M Y. बाल 1897.  
8vo pp. 7, 751. *Cr 10-*
- 5336 इन्द्रमन्त्रसङ्ग्रह सभा. *Vy -2-*

- 5337 हरिवंशसुभाषित-(काव्य) by श्रीहरिहर. *N* -8-
- 5338 हरिवंशपुराण. सटीक. *Vy* 10-
- 5339 हरिविलास by लोलम्बराज, *Km* 1-
- 5340 हर्ष & his times by G. V. *पंच.* 1924. 8vo. 1 p. VIII 351. *Oa*
- 5341 हर्षचरित-(काव्य) of भाणभट्ट. शंकर कृत शकेतटीकासहित. *N* 2-
- 5342 — Text with comm. सञ्ज्ञे, edited. by Dr. A. A. Fuhrer. part 1. *Bp* 2-
- 5343 — A monograph on the history of India in Engl. in the first half of the 7th century, by K. M. पाणिकर. 1922. Roy. pp. 3, 78. *3-8-*
- 5344 — Transl. by Cowell E. and Thomas F. 1897 pp. XIV, 284. *O. A. F.* 10-8-
- 5345 — An abridgement of भाण's हर्षचरित, ed. with an orig. sansk. comm. introd. and notes by V. V. मिश्र. 1922. Roy. pp. ii, 56. *2-*
- 5346 — ed. with an introd. notes, & appendices by P. V. शर्मा. 1920. Vols 2 अङ्गस 1-8. 8vo pp. 1-3. 1-33, 1-312 1 39. *B* 7-8-
- 5347 — Ed. with a sanskrit comm. शब्दोपनिधि by S. D. शर्मा. सङ्ग्रह, introd notes—critical and explanatory & appendices by A. B. गजेंद्रप्रसाद सङ्ग्रह-1-8. 8vo. pp xix, 61, 53, 46, 96, 69. *7-8-*
- 5348 — Notes by R. B. कलि. 1892. chapters I-IV. cr. pp. VIII 200, 67. *2-*
- 5350 इन्द्रायुर्वेद-(वेद्य) पालकायश्रुतिनिमित्तचितः *Ad* 7-8-
- 5351 इन्द्रयुत रत्नवि काव्य. *VI*
- 5352 A Handbook of Indian Art with illustrations. by Havell E. B. *modiana*. 8vo. *Jm* 19-
- 5353 Handy reference Atlas of the world, ed. by Bartholomew. 1923. 10th edn. 8vo. pp. 171. *10-*
- 5354 A Handbook of Hindu Pantheism.—the पञ्चराशी of विद्यालक्ष्मी, transl. by नन्दलाल डोले. *Ad* 5-
- 5355 A handbook of Sanskrit Literature by Small A. 1866. *5-*
- 5356 How to be a योगी by स्वामि-अभेदानन्द. *Ad* 3-
- 5357 हरिभक्तिपात्रवृत्तान्तिटिप्पणरत्न- (जिन by श्रीमद्भक्तचन्द्र शर्मा, ed. by कुमुद-विजय. 1920. pp. 118. *Bo* 1-12-
- 5358 हायनरल -(ज्योतिष) *Kp* 1-8-
- 5359 The Higher Life, or Role of राजयोग by भगवानन्द. *M*—2-
- 5360 HARMONY in thoughts, comparisons and uses of words & expressions of Indian Poets from वाल्मिकि to माघ, by walter in German. *Gr* 1-8-
- 5361 The Heart of Aryavarta by the Earl of Ronaldshay,—a study of the Psychology of Indian unrest. Demy 8vo. cl. *As* 18-



स

Since Sir Alfred Lyall no great British administrator has produced such an illuminating series of studies of Indian psychology as Lord Ronaldsday lately governor of Bengal. In the present volume which is the third of the series he gets down to bedrock and finds the secret of what we call Indian unrest in the clash of two civilizations as far as the poles asunder.

- 5362 *The Heart of Buddhism* being an Anthology of Buddhist Verse, translated and edited by K. Saunders 8vo As 1-8-  
This book is an excellent anthology of Buddhist poetical literature enriched with a brief but sympathetic appraisal of the Buddha and the religion he preached.
- 5364 *The Heart of India—sketches in the history of Hindu Religion and Morals* by L. D. Barnett 3rd impression 1908 cr pp 122 As 2-12-
- 5365 — of Jainism by Mrs Sinclair with an introd by G. N. Taylor 1915 8vo pp 360 Or 6-
- 5366 *हृदयसंग्रह* by K. R. S. 12-12-
- 5367 *हिन्दुधर्म-सिद्धि* and *विद्वत्* 1907 part II cr pp 35 Md 4-
- 5368 — *El* containing the Sanskrit Text with interlinear translation by M. Muller 1865 book II, III and IV Roy pp vi 151 Lon 5-
- 5369 — or a Protego of King *वसुधैव कुटुम्बकम्* by K. R. S. 1893 4th edn 8vo 1p 130 5 N-8-

उ

- 5370 — Or a selection of proverbs and quotations in English transl into Sanskrit by H. H. श्रीप्रमुखाचार्यशास्त्रि महाश्वर 1910 8vo pp II 88 Freeman & Co 2-
- 5371 — (काव्य)—of नारायणचन्द्रित. N -12-
- 5372 — Text with full English transl by B. R. S. Gn 1-8-
- 5373 — Text only Gn -8-
- 5374 — English Transl by श्रीद. It is both free and literal, and specially prepared for Indian students Gn 1-
- 5375 — ed with a Sanskrit comm. English transl and notes by M. B. S. 1924 5th edn 8vo pp 105, 124, 51 Gn -8-
- 5376 — Text transl from the Sanskrit by Hale Wortham B 2-
- 5377 — ed by Dr P. Peterson. Bp 1-10-
- 5378 — or Salutory Counsels of विष्णुसर्ग being an English Version of the Sanskrit beast fables for use in Indian schools by G. Arnold with illustrations 1920 pp xii 155 L I C
- 5379 *हृदयसंग्रह* or The book of wholesome house of Eastern story ed by Sir F. D. Ross 3vo pp 191
- 5380 — with grammatical and glossarial notes by N. S. S. and N. S. S. 1908 no. II 3rd edn cr pp 42, 3 Md -6-

- 5381 Hints for coin collectors & coins of southern India by Tuffnell R. 1890. Roy. pp. 52. 5-
- 5382 हिंदुत्व by a maratha in Engl. 1928. cr. pp. 128. 1-4-
- 5383 Hindu Achievements in exact sciences—a study in the history of scientific development by B. K. Sarkar. 1918. 8vo. cr. pp. xiii, 12, iv. Po 3-
- 5384 Hindu Astronomy by G. R. Kaye. Gn 3-
- 5385 The Hindu Colony of Cambodia, by P. N. वैष्ण. Ad 3-
- 5386 Hindu drama compiled and transl. from various sansk. authorities by Sir चौखि नोदन शर्मा. 1880 sup. Roy. pp. 46.
- 5387 HINDU MANNERS, Customs and Ceremonies, by J. A. Dubois. Translated from the Author's later French Mss (c 1821) with notes, corrections, and Biography, by H. K. Beanechamp, 3rd edition 1906, pp, xxxiv x 742, with a portrait. India paper. Of 6-8-
- 5388 — Music, some thoughts on by G. S. शर्मा. 1922 cr. pp. 15. 2-
- 5389 — Ethics—an historical and critical essay by John Mackenzie. 1929. 8vo. (8½x5½) pp. xii.+261. Of 7-14-
- 5390 — musical scale and the twenty-two स्वर by 'K. N. देश. 1910. 8vo. pp. 8, viii, 49. 1-
- 5391 — Gods and Heroes—studies in the history of the Religion of India, by Lionel D. Barnett. Wu 2-10-
- 5392 — Holidays and Ceremonials with dissertations on origin folklore and symbols by B. A. ग्रं, with 18 illustrations. Six in colour, Ad 8-
- 5393 — Law and customs by Jolly J. authorised transl. by Balakrishna Ghosh. 1928. Roy. pp. 341. 10-8-
- 5394 — by K. गदाचर. New edn. revised by M. Ray and S. O. Sen. 1905. cr. pp. 220. Cu 2-4-
- 5395 — Mythology, देवदेव and पुराणिक, illustrated and ed. by Wilkins W. 1915. 3rd edn. pp. xviii, 537. Thn 10-
- 5396 हिंदुप्रवादशास्त्र or a Critical Review of the Hindu Empire of महाराष्ट्र, by V. D. सारकर with an introd. by Dr. B. C. हजूमवार. Pl 3-
- 5397 THE HINDU PHILOSOPHY by D. N. शर्मा. 2nd edn. 2-
- 5398 — — the सांख्यकारिका of ईश्वर-गुप्त—an exposition of the system of स्फुरित with an appendix. of न्याय and वेदाङ्ग system by Davis J. 1894. 2nd edn. 8vo. pp. 151. 10-8-
- 5399 — — By Dr. M. Schultz. Ad 1-

- ४  
5400 — of Law, by रामाविनायक  
पाठ Demy 8vo. pp 176 Cu 6-  
In this book the author has directed  
his efforts mainly towards an un-  
folded of early Hindu fundamental  
conception of law and has confined  
himself to the Vedic and Post Vedic  
times prior to the last rules of Manu.
- 5401 Hindu psalms and Hymns.  
Text and translation by ए व  
रामस्वामी Ad -4-  
5402 Hindu Poetics by बटुकनाथ  
शर्मा Sb 2-  
5403 Hindu Polity—a constitu-  
tional history of India in Hindu  
times by K P Jayaswal 1924.  
Roy pp xxxii, 277 But 10-  
5404 Hindu principles of Self  
Culture by रामकृष्ण शुक्ल Ad -6-  
5405 — Realism—excellent  
introduction to the metaphysics  
of the स्वयं-वैयर्थिक system of Hin-  
du philosophy in Engl Km 3-  
5406 Hindu Religion and socio-  
logy on ब्रह्मसूत्र, the synthesis  
of science, philosophy, religion,  
sociology and politics cr pp x  
148, vl Tan -12-  
5407 Hindu sea voyage Problem  
by ए. A. महादेव शास्त्रि Ad -4-  
5408 Hindu Religious year by म. म.  
Underhill 1924 pp 194 ds 4-8-  
5409 Hindu System of Religious  
Science and Art by ए. ए. शास्त्रि  
1910 2nd edn Revised and en-  
larged. cr. pp. III, 208, iv  
Gr 1-4-  
५  
5410 Hindu Tales by Meyer J  
1909 Luz 10-8-  
5411 Hindus Ancient—on the wea-  
pons, army, organisation and  
political maxims with special refe-  
rence to gun powder and firearms by  
Oppert Madras, 1880 pp VI, 621  
10-  
5412 The Hindu view of life by S  
राधाकृष्ण 1926 cr pp 131 3-12-  
5413 Hindus, the ethics of, see-  
the Ethics of the Hindus.  
5414 Hindu sociology, the positive  
back ground of, see—The positive  
back ground of Hindu sociology.  
2507  
5415 Hinduism, Religion and social  
condition in present India with  
43 illustrations in German by  
Glaserapp H Gr 15-  
5416 Hinduism the world-ideal,  
by द्विनेन्द्रनाथ मिश्र At 2-10-  
5417 Hinduism and India, by गार्हिर  
राय 1-  
5418 The HINBERT LECTURES by Max  
Müller 1878 pp VIII 394 Jm 7-  
5419 — by Rhys Davids 1881 pp vi  
262 Jm 6-  
5420 द्विष्यद्विगुणसूत्र with extracts  
from the comment of मातृवत by  
Kirsto Gr 25-  
5421 द्विष्यद्विगुणसूत्र ( जैन ) of द्विष्यद्विगुण-  
सूत्र 2nd edn. Jb 2-4-  
5422 द्विष्यद्विगुणसूत्र of द्विष्यद्विगुणसूत्र  
with his own gloss ed by म. म.  
ए. ए. शास्त्रि and ए. ए. शास्त्रि 1900.  
8vo. pp. 10, 918 N 5-8-

- 5423 THE HIMALAYAS IN INDIAN  
Art with illustrations by E. B.  
Havell. 8vo. Gn 9-
- 5424 HISTORY OF ARCHITECTURE  
in India and East, revised and  
edited, with additions, by Bur-  
gess, ed. by Fergusson; 2 vols.  
Demy 8vo. Jm 30-
- 5425 — of the Aryan Rule in  
India by Havell. E. B. Roy.  
pp. xxii, 582. Hars 15-8-
- 5426 History and Bibliography  
of व्यास वैदिक Literature, by  
G. N. कविराज. Sbs
- 5427 — of British India from  
the earliest Engl. Intercourse  
by C. Macfarlane 1881. cr pp.  
694, 8. New edn. 2-
- 5428 — of the British Empire  
in India with an entirely new &  
enlarged glossary. by E. Thor-  
nton. 1859 8vo. pp. xxiv, 655.  
2nd edn. Lon. 12-
- 5429 — of Trebinopoly prior  
to British occupation by M. S.  
Nateson. 8vo. pp. 31. Nt 4-
- 5430 — of fine art in India &  
Ceylon by V. A. Smith with  
five colored plates 1911. 4 to  
pp 536. (11½ x 9½) 381 other  
illustrations. 100-
- 5431 — of caste in India with  
an appendix by A. V. केकर.  
1909. vol. I cr. pp. xv 192. 5-
- 5432 — of Chess, by H. J. R.  
Murray 1913 Roy. 8vo. pp. 900

- with 160 illustrations, -  
cloth. Of 31-8-
- Contents: Histories of Oriental chess  
were published by Hyde (at Oxford  
University Press) in 1694 and by  
Forbes in 1660, of European chess  
by Von der Lasa in 1897; the three  
works of Van der Linde in 1874 1881;  
in the present treatise the author has  
been able to make use of more re-  
cent isolated inquiries, but the greater  
part of his book is based upon  
his own thirteen year's work at  
original sources, especially unpub-  
lished Arabic and early European  
manuscripts upon chess and the as-  
sistance of Mr. John H. White of  
Cleveland, Ohio, who placed his  
library unreservedly at his service,  
and of other scholars who have help-  
ed in the problems presented by  
many languages and countries.
- Part I. Chess in India, Malaya  
and the far East, in Persia and the  
Eastern Empire, Arabic and Persian  
literature, Chess under Islam and in  
Moslem legend, the game of Shatranj,  
derived and modern Eastern  
games
- Part II. Chess in western Chris-  
tendom, the mediæval game, early  
didactic literature and moralities, the  
mediæval problems, chess in mediæval  
literature, chessboards and chessmen  
and five chapters on modern chess  
down to Steinitz
- 5433 — of Education in anti-  
ent India, by Prof गणेशनाथ  
गुप्त, cr. 8vo. Mm 1-8-
- 5434 — of HINDU CHEMISTRY from  
the earliest times to the middle of the  
16th Century A. D. with Sanskrit

- texts, variants and illustrations by P  
C Ray 1925 vol I and II 2nd edn  
8vo pp 76 cxxxix 312, 170 Cc 8
- 5435 — of Hindu Political Theories from the earliest times to the end of the 1st quarter of the 17th Century by U Ghosal 1923 8vo pp xiv+296  
Of 8-12-
- 5436 — of India from the earliest times, from the age of Rigveda to the rise of Buddhism by व स शर्मा 1911 Vol I & II 8vo pp iii, 314 13 5, 8 4 7, 3 6, 32 Surat 10-
- 5437 — of India, the Hindu and Mahomedan periods with notes and additions by E B Cowell [illegible] by Elphinstone Jm 16-
- 5438 — of Language by Henry Sweet 1920, pocket size edn pp xi, 148 2-
- 5439 — of Indian literature (German) by M Winternitz Vol 3 35-
- 5440 — of India by A Weber, transl from the 2nd German edn by John Mann, and Dr Th Zachariae 5th edn Roy pp xxiii 36 Ap 8-
- 5441 — of Indian Literature, ed with introd and revised by M Winternitz containing the Engl. transl of Veda, National Epics, Puranas and Tantras from the orig German by Mrs S. Ketkar 1927 Roy pp xix, 634<sup>1</sup>  
Vol I Cu 10-
- 5442 — of Indian Literature 1914 by Weber A Kp 10-8-
- 5443 — and criticism of Pali Grammar and Dictionary in German by R Franke 3-
- 5444 — of Indian Logic (Ancient, Mediaeval and Modern Schools) by सदानन्दविद्याभूषण with foreword by Sir Asutosh Mukerjee Demy 8vo pp 696 Cu 15-
- A monumental work Dr Vidyabhusan has given here a detailed account of the system of Nyaya and has left no source of information whether Brahmanical or Buddhist (Indian and Tibetan) or Jaina untapped The history is brought down from the days of the Vedas to the 19th century and is full of facts well disposed and lucidly set forth The author did not live to see the publication of a work which is sure to make his name immortal in the annals of Indology
- 5447 — of Indian Medicine, by G श्रेष्ठ with a foreword by Sir Asutosh Mukerjee 2 Vols 1p 403 & 433 Cu 12-
- 5448 — of Indian Philosophy by Mason Owen in Fr 10-
- 5449 — of Kilwa, ed from an Arabic Mss by Stronge (J.R.A.S. April 1895). 1-8-
- 5450 — and criticism of अष्टाध्यायी by Holtzmann A Gr 10-

- 5451 — of the Mahrattas, by J. C. Grant Duff. Revised annotated edition, with an introduction by S. M. Edwardes. 1921. in 3 vols. I, pp. xcii+536, with frontispiece; II, pp. xxi, 574 with a map. India paper. *Of* 31-8-
- 5452 — of the Maratha People, by C. A. KINCHAD, and D. B. PARASURAM 8vo. (9X6) vol. I. To the Death of Shivaji. 1918 pp. viii+294, with 8 illustrations with 2 maps. 7-8-  
Vol. II From the death of Shivaji to the death of Shahu. 1922 pp. viii+332 with 8 illustrations and 2 maps. 7-8-  
Vols. III From the death of Shahu to the end of Chattravan Epic. 1925 pp. xii+254, with 9 illustrations. *Of* 7-8-
- 5453 — of Mediaeval Hindu India by C. V. VED 1921 8vo. pp. x, 400. Vols. 1-3. *each Of* 7-8-
- 5454 — of the Mediaeval school of Indian Logic, by S. B. SHIVAMURTHY. 1909. Roy. pp. xxi, xxi. *Cu* 7-8-
- 5455 — of the Nayaks of Madura by R. S. Aiyar, ed. by S. K. Aiyangar. 1924 Mds Univ. 8vo. pp. xvi, 404. 8-
- 5456 — of the origin and expansion of the Aryans by A. C. Ganguly. 8/4 4-
- 5457 — of Pre-Buddhist Indian Philosophy, by B. N. Banerjee. Roy. 8vo. pp. 458. *Cu* 10-8-  
The book gives a clear exposition of the origin and growth of Indian philosophy from the vedas to the Buddhists and seeks to establish order out of chaos-to systematise the teachings of the various pre-Buddhist ages and seers scattered in Vedic literature (Vedas, Brahmanas, Upanishads) and in the works of the Jains, the Ajivikas, and the Buddhists.
- 5458 — of Sanskrit literature by Macdonald. 1925. Roy. pp. VII, 472. 7-8-
- 5459 — an outline of, by T. CHOPRA publ. by G. C. CHOPRA 2nd edn. or. pp. III, 165, *Cu* 1-4-
- 5460 — of Sanskrit literature with notes by P. V. VED 1923. *परिच्छेद* I, II & X. pp. clxxx, 192, 352, 142. 6-
- 5461 — of the search for Sanskrit Mss. in the Bombay Presidency from 1868 to 1900. *Ep* 8-
- 5462 — of Sansk. Philology in German by Winisch E. 2 Vols. 2 parts. *Gr* 37-
- 5463 — of Sansk. Poetics by Dr. S. K. De in two vols. complete upto date. *Law* 16-
- 5464 — of Sansk. poets by P. V. VED 1923 8vo pp. clxxx *Bs* 3-
- 5465 — of the Sikhs, from the origin of the nation to the battles of the Sutlej by J. D. Cunningham. 1849. ed. by H.

६

- L O Garrett 1918 pp lu &  
429 India paper Of 7-14-  
5467 Historical Geography, ed with  
a forward of Barua by Dr Bi  
mala Charan Law 1922 8vo  
pp x, 191 Cloth Co 6-  
5468 — Gleanings from the  
Kautilya cultural, Ling nstic &  
Literary by H Jacob trans  
from the German into Engl by  
K N Utgikar 1924 Roy pp  
15 Bo 3-  
5469 — study of the terms  
Hinayana, and Mahayana and  
the origin of Mahayana Buddhi-  
sm by R Kimura 1927 Roy  
pp xx, 203 Cu 2 4-  
5470 — studies in Mughal  
Numismatics by Prof. S H  
Hodivala Br 10-  
5471 — sketches of ancient Do-  
cean with an introd and a fore-  
word by K V Bhaswajwar 1917  
very rare Roy pp iv 499 5-  
5472 — Record Commission  
held at Lahore 1925 vol III  
G 8-14-  
5473 Hymns to the Goddess from  
the Tantra & the text of Sakya-  
by Arthur Avalon Bt 3-  
5474 Hymns of the Atharya veda  
see—nos 32 33 &c  
5475 Hymns of the Samaved trans  
by Griffith Lc 4-  
5476 — of the Tamil literature  
by F Kingsbury & G E. Philips  
1921 pp 15 As 1-8-

६

- 5477 Heat Light and sound-ele-  
mentary physics by K V Jasti  
1923 5th edn cr pp 110 1-8-  
5478 Hinas in Avesta & Pahlavi,  
by J J Mada 8vo. pp 65 30  
5479 इमल्लिङ्गावधनम् सारसूचिहितम्।  
ed by बुद्धलाल-बनारस 1905 cr  
pp 160 Kq 1-  
5479, इमल्लिङ्गावधनम् (जैन) 5-  
5480 Hellinism in Ancient India  
by G N Banerjee 1919 cr pp  
viii 373 Cc 7-8-  
5481 Heglianism and Human Per-  
sonality, by हिरालाल हय्यर Demy  
8vo pp 67 3-12-  
The theory advanced in this book  
provides a philosophical foundatio  
for the empirical fact of multiple,  
personality It also explains what  
the subliminal self of man is The  
real theory of Hegel has thus been  
interpreted in this publication It  
really strikes out a fresh line of tho-  
ught by which a new meaning has  
been attached to the usual British  
interpretation of Hegel  
5482 इमल्लिङ्गावधनम् see—बनारस 1669  
5483 The Home of Literary Palli,  
by G A Gerson 8vo pp 117  
123  
5484 इतिहास—(स्वोक्ति) Ap 5-  
5485 इतिहास (स्वोक्ति) with विवरण  
Tr 3-  
5486 इतिहास by बुद्धलाल बनारस  
बनारस 1669 Iv 4-  
5487 Hungary in ancient, media-  
eval and modern times ed by

- 5487 Vambory A. 7th edn. cr pp. x  
 vi, 453. 7-8-  
 5488 Hampi Ruins by A. H. Long-  
 hurst. 7i 2-4-  
 5489 हस्तशेख (Sanskrit) Bs 3-8-  
 5490 Hindu Architecture, a dic-  
 tionary of, see—A dictionary of  
 Hindu Architecture. 1832.  
 5491 — Chemistry, a history  
 of, see—A history of Hindu che-  
 mistry. 5435.  
 5492 — And Christian the re-  
 demption of, see—The redemp-  
 tion of Hindu and Christian.  
 5493 — Culture, ancient, the  
 spirit of, see—The spirit of an-  
 cient Hindu culture.  
 5494 — nationalisation in, see—  
 Nationalisation in Hindu culture.  
 5495 Hindu ethics, a manual of,  
 see—A manual of Hindu ethics.  
 8566.  
 5496 Hindu India, mediaval,  
 of, a history, see—A history of  
 mediaval Hindu India. 5153.  
 5497 — the music of, see—The  
 music of Hindus.  
 5498 — and Mohamedan law  
 the principles of, see—The prin-  
 ciples of Hindu and Mahomedan  
 law. 2739.  
 5499 — ethics, the principles  
 of, see—The principles of Hindu  
 ethics. 2736.  
 5500 — India, the downfall  
 of, see—The downfall of Hindu  
 India. 1837.  
 5501 — Law, the Vedic basis  
 of, see—The Vedic basis of Hindu  
 Law. 4304.  
 5502 Hindi Language, a grammar  
 of, see—A grammar of Hindi  
 Language. 1587.  
 5503 Hindu Law the mimamsa rules  
 of interpretation as applied to, see  
 The mimamsa rules of interpre-  
 tation as applied to Hindu Law.  
 3549.  
 5504 — a treatise on, see—A  
 treatise on Hindu Law. 1809.  
 5505 Hindu Law, position of  
 women in, see—The position of  
 women in Hindu Law. 2515.  
 5506 — medicine, ancient, an  
 interpretation of, see—an inter-  
 pretation of Ancient Hindu  
 Medicine. 555.  
 5507 — mythology and reli-  
 gion, a classical dictionary of,  
 see—A classical dictionary of  
 Hindu mythology and religion.  
 1379.  
 5508 — Law, evidence, studies  
 in, see—The Studies in Hindu  
 Law-evidence.  
 5509 — Law, judicial procedure  
 studies in, see—The studies in  
 Hindu Law-Judicial procedure.  
 5510 — Its revolution, studies  
 in, see—The studies in Hindu  
 Law-its revolution.  
 5511 — The studies in, see—  
 The studies in Hindu Law.



- 5512 — and its sources, the studies in, see—The studies in Hindu law and its resources.
- 5513 — Music, some thoughts on, see—Some thoughts on Hindu music
- 5514 — Pantheism, a hand book of, see—A hand book of Hindu Pantheism.
- 5515 Hindu Pantheism, a manual of, see—A manual of Hindu Pantheism. 8538.
- 5516 — — the beginnings of, see—The Beginnings of Hindu Pantheism. 5251.
- 5517 — Political theories, a history of, see—A history of Hindu political theories.
- 5518 — — thought the studies in, see—The studies in Hindu political thought
- 5519 — Shipping, ancient notes on, see—notes on Ancient Hindu shipping.
- 5520 — religion, philosophy and yoga, of see—The Philosophy & Yoga of Hindu religion.
- 5521 — an essay on the religion, of see—An essay on the religion of the Hindus. 921.
- 5522 — the political institutions and theories of, see—The political institutions and theories of the Hindus. 2350.
- 5523 — the surgical instruments of, see—The surgical instruments of the Hindu.
- 5524 Hinduism, the crown of, see—The crown of Hinduism.
- 5525 — the folk tales of, See—The folk-tales of Hinduism. 2807.
- 5526 — a primer of, see—The primer of Hinduism. 2716.
- 5527 — the essentials of, See—The essentials of Hinduism. 484.
- 5528 History of ethics, an outline of, see—An outline of the history of ethics. 984.
- 5529 History of Iran, an essay, See—An essay on the history of Iran. 919.
- 5530 Himalayas, linguistic studies from, see—The linguistic studies from Himalayas. 4008.
- 5531 Hinen Tsiang, the life of, see—The life of Hinen Tsiang. 3993.
- 5532 Human understanding, an essay, see—An essay on the human understanding 920.

## ADDENDUM.

- 1 अथुमायम् (ब्रह्मसूत्रमाध्यमाय) पोथी  
साईज अध्याय 1-4 pp. 159. *Mo*
- 2 अथर्ववेद by Kroyenberg. pp.  
-222. *30-*
- 3 Antiquity of Hindu Medicine—Including an introductory  
lecture to the course of Mate-  
ria Medica and Therapeutics,  
Royle F. 1837. 8vo. pp. 196.  
rare, *35-*
- 4 अथर्वसूत्रम् critically ed. with  
introd. and notes. by Schroder  
8vo, pp. 4, 72, 27. *M/ 1-8-*
- 5 Aphorisms of इन्द्रिय with the  
comm. of रघुनाथ on the Hindu  
doctrine of faith transl. into  
Engl. by Cowell E. W. B; 2-
- 6 अग्नि-नायकम् An address deli-  
vered in संस्कृत by इन्द्रनाथ कश्यप  
at the 12th भारतीय वैद्य सम्मेलन held  
at राजमहोदयी in 1925.
- 7 Early Hindu Civilization B. C.  
200 to 320, by R. C. Dutt. 1927.  
8vo. pp. xx. 319. *Cc 25*
- 8 अष्टसहस्री by विद्यानन्द ed. by  
वैशीम्बर 1915. Roy. pp. 295. *A 3-*
- 9 The Assalayana sutram (Ger-  
man) ed. and transl. by Richard  
Pfeiffer. cr. pp. 42. *2-*
- 10 Authorship of पार्वतिगणित with  
a transl. by S. G. शङ्कराचार्य. A  
work of research & literary  
criticism by Pt. A. V. शङ्कराचार्य  
1923. cr. pp. 6, 41. *Ma -4-*
- 10a Yuan chwang's travels in  
India 621-645 by T. Watters,  
ed. by Rhys Davids & Bartholl.  
1904. Vol. I & II. *Ka 25-*
- 11 The Ayurvedic System of Me-  
dicine by कविराज सेन, 1919. 3  
Vols. I & 3rd ed. 8vo. pp. 20  
Lvs. 408. *15-*
- 12 अथर्ववेदा व्याख्यानमाला Transl. in-  
to गुजराती *Gptm. 2-*
- 13 Aryan Origin of the Alpha-  
bet by Waddell C. A. 1927.  
Roy. pp. VIII 80 *7-12-*
- 14 आर्योन्नी नीति, गुजराती Transl. by  
C. D. उपाध्याय 8 V. pp. 190 *1-*
- 15 आर्योन्नी इतिहास by कविराज in गुज-  
राती 1925. 8 Vo. pp. 587. *3-8-*
- 16 The Army pageant held at  
Fulham Palace ed. & arranged  
by Benson F. R. 1910 Roy.  
pp. 153 *5-*
- 17 Our tertiary Indo-Aryan An-  
cestors not Nomads, But Aco-  
chthetltonous Agriculturists by  
N. B. पावगी 1926. *-8-*
- 18 अथर्ववेदसामानि on the wonderful  
crest Jewel. An Engl. transl.  
by शङ्कराचार्य शास्त्री. 1927 cr. pp. 7.  
141. *Ad.*
- 19 आर्यवेदसामानि-सामवेदसामानि ed. by  
एतन्मित्र सामग्र्यमि. 1892 Dcmi. 8  
Vo. pp. 181 *Cc. 5-*
- 20 Archaeological survey of In-  
dia Annual report 1904-5.  
Sup. Roy. pp. 169 IV.

- 21 -Survey of India Annual report 1903-4 Sup Roy pp 314
- 22 -Survey of India 1906-7 Sup Roy. pp 267 IV.
- 23 Archaeological survey of India Administrative report for 1905 6, 1906-7, 1907-8, 1909 10. each with pt. I. 5-
- 24 -Survey of Ceylon Epigraphia Zeylanica being Lithic & other inscriptions of Ceylon ed & transl. by Wickremasinghe 12 pt per pt 3-12
- 25 अपरकल्प of सागर (German) ed. by Dr Caland pt XXV I, 270 10-
- 26 Origin of Indian Brahma Alphabets by Bahler G pp 124 1898 5-
- 2 Appendix on सरोक्षी alphabet.
- 27 Origin of Tragely & the Alkhyana by Keith A B pp 413-438 1-8-
- 28 The orders of Knighthood British & foreign with brief review of the titles of Rank & Merit in Ancient Hindustan by Sir s. n. zmir 1834 Parts I-III Roy pp 235, 165. 10-
- 29 Eagle & the captive sun- A study in comparative mythology by J. L. गुरुवार 190° 8 Vo pp XII, 7231. Cc. 6-
- 30 Eclipses of the Moon in India by R Sewell pp IX 1898. (continuation of the Indian Calendar) 10-
- 31 Eminent Orientalists Indian, Eurojean & American 80 pp. VIII, 378 Nt 2-
- 32 Elementary grammar of the संस्कृत Language for the use of मराठी students complete & prepared by कृष्णशास्त्रा चव्हाणकर 1864 8 Vo pp 82 8-
- 33 Encyclopedia-priceless information 1927 pp XIV 809.
- 34 Epistles of स्वामी विवेकानन्द 1913 Pocket Size pp 144. A1. -6-
- 35 Evolution of the Aryan by Rudolph transl from the German by Drucker A 1897 Roy. pp. XVI 412 30-
- 36 Ethnography (Castes & Tribes) with a list of the more important works on Indian Ethnography 1912 12-
- 37 Illustrations to Oriental Memoirs by J Forbes Esqr. with Explanatory notices 1835, 20-
- 38 Index to Atlas Antiquas, twelve maps relating to Ancient History by Heinrich Kupert. 10-
- 39 Index to मनुस्मृति with the मास्य of मेघादेवी Vol I & II. 1922. Cn 1-8-
- 40 Index to sixty two Mss Volumes deposited in the Oriental Mus. Library Containing References to Archaeological, Historical Geographical & other subjects ed by G Oppert 1878. 8 Vo pp XLVII. Id 5-

- 41 Indo-Sumerian seals deciphered discovering sumerians of Indus vedalls by Waddell L. 1925. Roy. pp. XV, 146. 7-8-
- 42 Indian Calendar-with tables for the conversion of Hindu & Mohamedan into A. O. Dates & *vice versa*. by N. Sewell & S. N. Dixit. (with tables of Eclipses visible in India by Dr. R. Schram. pp. 169. 25-
- 43 Indian chronography-An extension of the Indian Calendar with working examples by N. Sewell. pp. 187. 1912. 10-
- 44 Indian Materia Medica by K. M. नाइकजी 1927 80 pp. xviii 1142, ct. xix So. 12-
- 45 Indian Philosophy-an introduction by Suali. (Italian) pp. 478. Pavia. 15-
- 46 Inscriptions of अशोक ed. by D. N. माधवकर 1920. Sup. Roy pp. 103. Ca 4-4-
- 48 Intermediate sansk. selections for 1923-1930 ed. with complete Engl. transl., introd & notes. critical & explanatory by A. N. गणेशप्रबोधकर & H. D. कर्मकर 1927. Roy. pp. 435. Rs. 3-8
- 48 Intermediate Prose selections critically ed. by Dr. वेङ्कटराव 1924 Roy. pp. VIII, 79. 3-8
- 49 Introductions to the ऋग्वेद by सायनाचार्य ed. by पद्मसिन्हाव शास्त्री 80 pp. 2, 18, 80. 1-
- 50 Introd. to पुराण diaries in Engl. by M. G. सनडे 1900. 8 Vo. pp. 38. 1-
- 51 Imperial Library catalogue, pt. I contains Author catalogue of printed books in European Languages: Vol. I A. L. 3 Roy. pp. 639. 10-
- 52 इति, वेद, केन, छन्दस, माण्डूक्य, तैत्तिरीय वेदवेद & वेतावेतर transl. into Engl. from orig. sansk. by Dr. Roer E. & ed. with introd. by M. N. दत्त 8 Vo VIII. pp. iv, 200 Ca. 10-
- 53 ह्योपरिनिर्द्ध संस्कृत & हिंदी by S. N. चतुर्वेदकर. 80 pp. 174. -10-
- 54 इति, वेद, छन्दस text संस्कृत, transl. into Engl. by सिताराम शास्त्री with संस्कृत's commentary. 1905' pp. 156. छान्दोग्य transl. with Engl. transl. by G. N. शा. 1923. pp. 263.
- 55 वत्सरामचरितम् ed. with introd. marginal notes, additional notes, glossary & appendices by वाङ्मयेश्वरी अम्बेकर. 1915. cr. 1-4-
- 56 १. वानप्रस्थसंस्कार २. गणेशपूजासंस्कार, ३. चैतन्यसंस्कार, ४. यज्ञोपवेतसंस्कार, ५. ब्रह्मयज्ञ, ६. समावर्तनसंस्कार, ७. संध्य, and हिंदुधर्मसंस्कार all in orig. संस्कृत transl into मराठी by विप्राव-शास्त्री 2-
- 57 उपनिषद् transl. into Engl. with a preface and arguments by G. R. Moat & J. O' चट्टोपाध्याय 1896. Vol. I and II. 5-

- 58 ऋग्वेद (French) by A Langlois  
pp 609 20-
- 59 The Gotter Des Rigved by  
Fritz Bonsens. 1894 cr pp 14  
Gr 1-
- 60 Rigvel texts et Traduction by  
Paul Regnaud 1900 super Ro,  
rp 467 20-
- 61 ऋग्वेदशास्त्रसंस्कृतम् in हिंदी by स्वामी  
दयानन्द अरु 1-14 5-
- 62 ऋग्वेद An Engl poem by म न  
कुं 8 Vo pp 47. 2-0-
- 63 Ancient India as described  
by महात्मा जयप्रकाश, ed with  
introd notes & maps of Anci  
ent India by McCrindle 1926  
80 pp xiii 227 7-8-
- 64 Ancient India as described by  
Ptolemy ed with introd notes  
& an additional map by म न  
कुं 8 Vo pp 47. 2-0-
- 65 Ancient Hind Indian Katriya  
tribes with a forward of L O  
Barnett by S O Law 1924  
Roy pp IV 166 III Cc 8-
- 66 Ancient Hindas on the wea  
pons, army organisation and  
political maxims with special  
reference to gunpowder by  
Gustav Oppert 1860 80 pp 6  
762 12-
- 67 Ancient Hindu Medicine an  
interpretation of, by अ चक्रवर्ति  
1923 pp XVI, 599 8-
- 68 Essay on Hinduism, its for  
mation & future by स व दत्त  
1911 cr pp xxxix 177.  
Luz 5-
- 69 An Echo from Andamans by  
सत्तर 1924 80 pp. 126. 6-
- 70 Essays on गीता by आदिन्द्र घोष  
1922 2 Vols 12-
- 71 एतरेय ब्राह्मणम् of the ऋग्वेद with  
the comm सायणचार्य ed by pt  
सत्यनारायण सामाजिक B: 20-
- 72 ऐतरेय ब्राह्मण text in Roman ) by  
7 Aufreicht 1879 10-
- 73 ऐतरेयब्राह्मणम् by आचार्य सामाजिक  
1863 2nd edn, revled & en  
larged B: 5-
- 74 वरि A sketch of his life and  
teachings pp 29 N: -8-
- 75 Concordance to Panini & Candra  
by Lasbich 1928 Gr 4-
- 76 बलिर्विद्वत्तम् of मालविकाग्निमित्रम्  
in Sans with Hindi transl by  
गदित्तम् 1910 cr pp 81
- 77 बल्यम् and वस्तु Two works  
illustrative of the Religion and  
Philosophy transl from the  
मार्गम् with an appendix contain  
ing remarks on the language  
of the original by Stevenson,  
1843 xxviii, 144 10-
- 78 Commemoration Volume for  
Garbe 1927 9-
- 79 Vedanta by Max Muller 6-8-
- 80 बाल्यम् वस्तु or a collection of  
the Legal Fragments of कालिदास  
by म. ओ सुभाषचन्द्र 1927. Roy,  
pp 32, 81. Cu 2-4-
- 81 The computation of Hindu  
Dates in inscriptions &c. by

- Prof Herman Jacobi. Sup.  
Roy pp 58 10-
- 82 वामनदास शंकराचार्य on the elements of polity, original ed with comments by various authors. B. 5-
- 83 काव्यप्रसादसङ्ग्रह Recensionibus-  
Dissertatio by R. F. C. 1-
- 84 कालिदास and विश्वनाथ A historical and literary essay to relieve the monotony of retirement by M. C. D. 1923 8vo pp XI, 571. 3-
- 85 कुमारपालप्रतिभा by Ludwig 1928. Sup Roy XII, 227.
- 86 कुमारसम्भव with Sk. comm. वाचस्पति by S. V. गजेश्वर, introd. transl, notes crit & explan & appendices by M. D. केशव. 1928 cantos I-IV. pp 165, 176 3-8-
- 87 हनुमान्प्रतीति or Hindu proof of the existence of a supreme being by वदनाचार्य ed with preface & Engl transl by Cowell E. B. 1864 XV, 85 Cc 10-
- 88 कर्मसूत्र ed. by शैलमणि श्याम. वाचस्पति B. -10-
- 89 कौमुदी मंडीतसत्र (भाटक) A historical drama ed by रामकृष्ण कवि & रामनाथ शास्त्री 1929. अंक I to V Roy pp V, 50. Oa -10-
- 90 कौटिल्य or An exposition of his special ideal & Political theory by N. C. वाचस्पति Roy. pp XIV 319, I. Cc 8-8-
- 91 Course of eight lectures on the Sanskrit Language by M. भागवत 1903 80 pp XVI, 94, 5-
- 92 Companion to Sanskrit composition by K. C. ओक 1921 cr pp 2, 135 -12-
- 93 Catalogue of Sansk. Mss. existing in Oudh Prep by J. C. Nesfield assisted by Pandit Deviprasada ed by Rajendralal Mitra LL D Calcutta Pa c IV, VII VIII IX XI XIII each 2-
- 94 A Catalogue of Sansk. mss contained in private libraries of Guj. Rata, Kathiawar, Cutch, Sindh and Khandesh fascicle I. Compiled under the Superintendence of G. Bühler 1871 4-
- 95 A Catalogue of Sanskrit and Prakrit Mss in the Royal Library of Berlin compiled by Weber A. in German 1953-12 4 Vols. pp XXIV, 481 XXVII, 1763. 100-
- 96 A Catalogue of Sanskrit Mss. existing in the Oudh Province 1888. compiled by दशरथ 1890. 8vo pp 252. 5-
- 97 Clark's manual by N. A. Fischer 1927. Roy pp II, 148 1-
- 98 मनीषाविद्यामार्ग Pt 1, 2, 3, 4, 5, 6. each 4-
- 99 Guide to the Bombay Presidency including Sindh by P. C. दिवाकरजी. 1920. Roy. pp. 5, V, 221. 4-

- 100 Grammar of the Pali Language simplified by Muller E. 1884, 8vo pp xvi, 140 Rp 15-
- 100a बुद्ध-चरिते किंवा बुद्धचरिते प्रथम भाग. by Prof N K भागवत -8-
- 101 गुरुगोविन्द Sketch of his life & teachings 8vo 48 -4-
- 102 चैतन्य His life & teaching 8vo 46 -4-
- 103 गुरुजी की स्मृति (Weber A) (Commemoration Vol 1896 10-
- 104 गौतमशास्त्र the institutes of Gautama ed with an index of words by Stenzler 1876 Roy. pp iv, 78 7-
- 105 Great Ganga the Guru or how a seeker sought the real by K. Kaumār Walles, 124 4-8-
- 106 गुरुगोविन्द की स्मृति ed by a v. ताम्रनर 1923 or pp 2, 543 1-
- 107 चारुसंहिता (चैतन्य) from सुत्र to हस्तप्रस्थान Sansk Text with Orig Sansk Comm by J N सन 2 Vols 18-
- 108 चणक्य by Kressler pp 195 1907 Indica 1-8-
- 109 चरितसंहिता by अग्निवेश with the व्याख्य दीपिका by चक्रपाणि ed by नरेन्द्रनाथ शास्त्री Pt 1 & II 80 pp 1410 M 10-
- 110 चणक्यमुद्राणी Engl transl by बंदासाय 2-
- 111 चतुर्वर्गावन्तामणि by हर्मा-ed by Pt मतचन्द्राशरोमणि 8vo pp 1717 Vol 1-5 complete 250-
- 112 Journal of the American Ori. Society Vols 14
- 113 Journal of the Anthropological society. Vol pt nos 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 Vol II nos. 1, 2, 3, 4, 7, 8. — III — 1. — V — 1, 3, 4. — VI — 1, 2, 3, 4. — VII — 1, 2, 3, 4
- 114 Journal and text of the Buddhist society of India Vol I, pt nos 2 3, 4. — II, — 1, 2, 3 — III, — 1, 2, 3 — IV, — 1, 2, 3 — V, — 1, 2, 3 — VI, — 1 2, 3 — VII, — each pt. 2-8-
- 115 चारुसंहिता of भारत Italian trans by Bellon Gillipi Pocket size 3-
- 116 ज्ञानरत्नसंग्रह in भारत by चर्मनन्द कीर्तिका 1924 pt I 8vo pp 8, 254 2-8-
- 117 ज्ञानदीपसंग्रह (in auswahl) Text Transl Indices (Gr) by w Caland pp 326 1919 Amsterdam 15-
- 117a ज्ञानरत्नसंग्रह or Selections from Pali ज्ञानरत्न in देवनागरी by Prof N K भागवत M.A. 1929 2-8
- 118 Geographical data of बुद्ध & बुद्धभक्त by Collins M 1907 Roy pp 61 2-
- 119 Jain Law of Inheritance and 3 partition in Engl by J L जेनि 8 Vo pp XIX, 126

- 120 Translation of various inscriptions found among the ruins of विजयनगर by E. O. Ravenshaw with Preliminary observations by H. N. Wilson Roy. pp. 43.
- 121 The Truth about publishing by Stanby Unwin. Roy. pp. 356 5-8-
- 122 Two पञ्चयान works प्रज्ञापावनिनिश्चय सिद्धिः of भाष्यवक्त्र & ज्ञानसिद्धी of इन्द्रधनुषि ed. with introd. and index by महाचार्य. 1929. Roy. pp. xxi, 118. (Ac 3-
- 123 Date of चन्द्रगोमिन् and कालिदास by B. Liebhich. 8vo. pp. 11. 1903. -12-
- 124 Dance of Shiva — Fourteen Indian essays by A. Coomaraswami with an introductory preface by Romain Rolland. 1924. Roy. pp. I, 139. 10-
- 125 A Dictionary of the Mixed dialects & foreign words used in Telega with an Explanation of the Telega Alphabet by O. F. Brown, Madras pp. xxviii, 131 1851. 40-
- 126 Dictionary of Rig Veda by W. Neisser part I. 1924. 10-
- 127 Decisive battles of India from 1746 to 1849 inclusive with a map four plans &c. by Col. G. B. Mangleson. 1888 4th edn. Roy. 80 pp. xxiv, 452. 13-8-
- 128 तर्कसंग्रह with notes & Engl. transl. by B. N. बहुरीसर 1903. 80 pp. 23, 14. 1-5-
- 130 तर्कसागर transl. into Marathi with explanatory notes by S. M. परांजपे 1924 3rd edn. 8 Vo pp. 91, 1-
- 131 English, Marathi Dict. Compiled for the Government of Bombay. Planned & commenced by J. R. Molesworth continued & compiled by Candy, Bombay, Roy. pp. 11, 974, 2nd Edn. 1873. 12-
- 132 तैत्तिरीयकाव्यानी Tales of a Parrot in the Hindustani language translated from महमद कादरी's Persian Version called तुर्तुनामा by ईदरी. new edition. The Vowel points &c. carefully marked, and accompanied by a vocabulary of all the words occurring in the Text. 185<sup>th</sup> edn. pp. 19. 15-
- 133 तैत्तिरीयब्राह्मणकृत्यवर्णनसिद्धिः (यौथी सारज. pp. 101. Gn 4-
- 134 Thoughts on वेदान्त by स्वामीविदेकानन्द. 1923. cr. pp. 76. 10-
- 135 दशकुमारचरितम् or the Ten Princesses transl. into Engl. from orig. संस्कृत by Ryder A. W. 1927. cr. pp. xix, 240. 7-8-
- 136 दत्तचन्द्रिका Ch 1-
- 137 Theistic attitude in education by G. N. गोसले. 1929. 2nd ed. 8vo. pp. 40.
- 138 दण्डन or System of Hindu Philosophy. 1911. 2nd edn. cr. pp. 123. Ac -8-
- 139 दानविद्याकीर्तनी By गोविंदानन्द ed. by Pt. कमलकृष्णसुब्रह्मण्य 8vo. pp. 206. Bi 2-4-



- 140 पमनीविषेन आहुर्वेदीय by गणवर  
शास्त्रा ज्ञान 8vo pp 23 *Tmv* -5-
- 141 पर्मावन्तु A work on Jam Philo  
sophy by हरिवद्र with the comm  
of हुनिचन्द अध्याय २, 8 Vo pp 80
- 142 धातुनयकल्पद्रुम (व्याकरण) being  
practical धातुव्युत्पत्ति giving every  
thing about Sansk conjugation  
with two appendices & supple-  
ment by स न योद्ध 1924  
*Ga* 1-
- 143 धातुव्युत्पत्ति compiled by स न  
गाधी 1914 6th edn 8vo pp  
674 *B* 6-
- 144 धनसूत्र by अवस्तम्य text ed and  
publ by प्र इत्ययनाथशास्त्री 1895  
rare 8vo pp 70 1-
- 145 मानवधर्म cr pp 70 -6-
- 146 नागार्जुन Buddhist Philosophy  
by Max Walleser 1912 8vo  
pp xiii, 190 *Km* 6-
- 147 निरुक्तभाष्यटीका Fragments of the  
comments of स्कन्धशामी & महेश्वर  
ed for the first time from the  
orig palm leaf & paper Ms  
written in Malayam & देवनागरी  
लिपी with introd & critical notes  
by लक्ष्मण स्वल्पा Roy pp 139  
*Pw* 1-8-
- 148 निरुक्तभाष्य A guide to यास्क's  
निरुक्त by सत्यनारायण सामान्य 2nd edn  
revised & enlarged 8 Vo pp  
240 *Ba* 6-
- 149 A New Students Atlas Engl  
Hist. by Emil Reich 1903  
*Mm* 12 6-
- 150 नीतिप्रज्ञा ed by Gustav  
Oppert 1882 Roy pp 83 5-
- 151 Natural religion of India by  
Lyall 1891 Demi 8vo pp 64  
7-
- 152 नैषध An Engl Transl 8vo  
pp 31 Cants I & II 1-
- 152a — with the comm of  
महोपाध्याय 1916 cr pp 294  
Cantos 1-XII 3-12-
- 153 — (काव्य) चरित with मराठी  
टीका by रामचन्द्रशास्त्रा तळकर 1869  
चर्त pp 4 236, 4 2-2-
- 154 Notes on इन्द्रचरित with a Sk  
comm by अण्णाशास्त्री राधिरावकर  
191. Roy pp 70, 56 5-
- 155 पायसपत्रम् by जीवानन्द विद्यासागर  
8vo pp 6, 336 2-8-
- 156 Notes on the पायसपत्र by Prof  
स न दत्त 1923 xi cr pp ii  
98 1-8-
- 157 Notes on रघुवत् 19 ix x, Roy.  
pp 153—254. 1-8-
- 158 Notes on रत्नावली with Engl  
& Bengali transl by स न  
विद्यासागर 1-8-
- 159 Notes on हर्षचरित by कालि 2-
- 160 न्यायसूत्रभाष्य by हुनि व्यासविजय  
with introd in Engl & transl  
& notes in Engl & गुजराती by  
Prof स न कपाडिया 1922 8Vo  
pp 40, 33 351 3 5-
- 161 न्यायभाष्यसूत्र (जैन) by सिद्धसेन  
द्विवेदी transl into गुजराती 1927  
-4-
- 162 पासाद by वल्लभाचार्य transl  
into हिन्दी by श्री रमानाथ शर्मा 1916  
8 Vo pp 33 -4-

- 163 पदार्था by D B वास्वनी in Eng  
1923 Roy pp 63. 2-
- 164 Persian Grammar in संस्कृत by  
Prof व स वाटे 1912 Roy pp  
7 -8-
- 165 पणालपद्धतपद्धत्याख्यान of जयराप्रभु  
ed with मराठा transl by स म  
दिरेकर 1923 Roy pp 50 -10-
- 166 पञ्च Antiquities 21-
- 167 Persian Kita' t i Nasat- ho  
or a guide to Persian good hand  
writing publ by Homeo Sorab  
and Co 1-6
- 168 Public Administration in An-  
cient India
- 169 Public worship- A study in the  
Psychology by Hyman A 1901  
cr pp 4 94 OP 2-
- 169 : The Makers of Civilization in  
Race and History, by Waddell  
Lz 21-
- 169b Resume of Marathi Grammar  
A Supplement to start in  
Marathi through the Direct  
Method by स व Devadhar  
1926 Or 2-8-
- 169c THE ANTIQUITY OF HINDU  
MEDICINE, by David C Mathu  
(Ballhara) 1-4-
- 170 वास्तुशिल्पशास्त्र ( german ) ed  
by Luth Otto 1878 8vo pp  
xii 5-
- 171 Pali Reader, Notes & glossary  
by स व राजार 1916 Part I & II  
cr pp ix 9e 3-
- 172 Pannia's grammar by Both  
hogk 25-
- 173 पातञ्जलयोगदर्शनम् संस्कृत with मराठी  
transl by म म बोडस 1915  
Roy pp 95 1-
- 174 Pali Literature, a short sketch  
by स व सनवाड 1916 cr pp  
ix 96 1-
- 175 Pali Literature of Burma by  
Bode म म 1909 8vo pp xv.  
5-4 119 Na 9 6
- 176 Positive Sciences of the  
Ancient Hindus by ब्रज-ब्राम्हण साहू  
1915 Roy pp viii, 295 25-0
- 177 पूर्वभारतापद्धतीचा शास्त्रात्मक ( निबंध )  
in मराठी by P V काज 1925 cr  
pp 63 -8-
- 178 पञ्चगव्यारम्भ सारणीकरण कर्मद्वयतादि  
पाणि सार्वज, 1905 pp 75 2-
- 179 Poona-the Peshawa's city &  
its neighbourhood-a guide to  
places of interest & a map by  
Howell pp 91 1-8-
- 180 The Perilous of the Erythraean  
Sea travel & trade in the Indian  
Ocean by a merchant of the  
first century 1912 Roy pp  
215 long 10-
- 181 पञ्चसूत्र transl into Engl from  
the orig संस्कृत by Ryder & w  
cr 2vo pp 465 18-
- 182 पञ्चदशी A hand book of Hindu  
pantheism transl into Engl  
with copious annotations by  
नन्दलाल स 1899 vol I 2nd edn,  
8vo pp 41 334 6-
- 183 प्रसन्नपद of जय-व ed with an  
introd & notes critical & expla  
by S M राजार 1814 xvii 208  
106 2 2-8-

- 184 Preliminary list of the संस्कृत & प्राकृत M-s in the Adyar Library 8vo pp 280 2-
- 185 Proceedings of the American Oriental Society 1888 1889
- 186 Progressive exercises for students by V S भास्कर 1923 15th edn cr pp 4 110 44 -12-
- 187 Progressive exercises for the the use of schools & colleges by V S भास्कर 1916 Pt II 1-
- 188 First Principles of knowledge by Rickaby 1896 3rd edn cr pp xvi 422 5-
- 189 प्रवृत्त व्याकरण by हंसबन्धु with व्याकरणसूत्रि ed with index, words Roots & notes by P L वैद्य 1928 8vo pp 8, 273 72 2-
- 190 Philosophy of Brahmanism explained with reference to its history in Engl by S N त्रिपाठी 1927 2nd edn 8vo pp xiii 341 xiii co 2-8-
- 191 Fictions in the development of Hindu Law texts by C शंकरारामशास्त्री 1926 IV 229 MD
- 192 Flowers at the feet of the Lord or essays Religions & philosophical by R G K 1923 cr pp 6, 5 91 2 -12-
- 193 Bernier's Voyage to the East Indies containing the history of the late revolution of the Empire of great Mogul 1909 8vo pp III 303 10
- 194 बाजाप्रसू An Engl poem by अरान बास cr pp 34 1-
- 195 बाउमर्स्टे Sank text being a comm by बाउमर्स्टे पायमुडे on the मितारपरा of आयतुश्चर on the पादवत्स्य-स्मृति ed by J R चारुपुर 1914 Roy pp 2, 8, 318, 8 6-
- 196 बाहिरनिश्चयनपञ्चना belong to समत-पासादिकार by भगवान् इकोसर्वो 1914 cr pp 100 1-
- 197 Buddhist manual of Psychological ethics transl from the orig Pali with introductory essay by Rhys Davids 1923 Roy pp XVIII 364 6 ff 19-
- 198 Buddhism (german) by Dr Dhalke 1926 Roy pp 255 10-3
- 199 Buddhist Philosophy of नानाजुन Nish Chinesischen Versionubes- tragen by man Wallerer 3 jeil 5-
- 200 Buddhism unferncosten by otto Rosenberg 2-
- 201 — by L Vallo e-Pouscin (French) cr pp 447 5-
- 203 Book of the balance of the wisdom pp 128 3-8-
- 204 बावपन्नसिद्धि अभिनवगुप्तपाठ विरचित
- 205 Buddhism in its connection with Brahmanism & Hinduism and in its contrast with Christianity by M Williams 1890 2nd edn Roy pp xxxvii 381 25-
- 206 ब्रह्मसूत्रभाष्य ed by H R भागवत 1928 8vo pp 4 16 462 3-
- 207 Barhut Inscriptions by B Barua and Saha 1926 Roy pp 139 ca Cu 3-

- 203 बुद्धजातकम् of गण्डविहिर (ज्योतिष)  
with an Engl. Transl. and co-  
pious explanatory notes and  
examples by V. सुनक्षत्र शास्त्रि  
Mysore 1929 8-8-
- 209 आदिश्रुत of नारद with an introd.  
explanatory notes transl. into  
Engl by मन्दाडविह 1917 2nd  
edn. Roy. pp. xiii 136. Po 7-
- 210 भर्तृहरि A classical essay on the  
life and writings of—being an  
introd to his सतस by K. M.  
जोगळेकर and B. B. जोशी 1900.  
8vo. pp 3 6 Bd 1-8-
- 211 मागवत भौषतिटीकासहित Bold type  
Vy. 32-
- 212 — with श्रीरत भाष्येतिहास  
प्रकाश वरीवर्ण and other comments  
Vy. 30-
- 213 — with पञ्चोपनिषद् टीका literal  
meaning by गोलामि भिराजजी महा-  
शय Vy. 25-
- 214 भगवत सूत्र Vy 3-
- 215 — अथर्ववेद प्रकाशिका टीका by  
गंगाधर शरण Vy. 20-
- 216 — दशमस्कन्ध, श्रीमदीतिहाससहित  
Vy. 5-
- 217 मागवतनीलाकारपट्टम् Vy. 1-4-
- 218 मागवतवेदसूत्रे with श्रीरत, वरीवर्ण  
विधान, वेदविधि and नोटसही co-  
mments, Vy. 1-4-
- 219 महाभारत-सारासत-सूत्रप्रकरणे 1914  
8vo. pp. 70 (BISF)-12-
- 220 महाभारत-संहितासहित ७ वा हिरोर्ड  
1914 pp. 105 1-
- 221 महाभारत-संहितासहित pp. 196. by  
मोय्याह. 1913. Gn 2-
- 223 माधवेयसामिनिम् ed. with the  
comm. सार्वभौमिक of रामसिंहदी by  
संकरराज शास्त्रि 1929. pp. 151  
Bm 1-8-
- 224 — Engl. transl. and  
annotations by संकरराज शास्त्रि-
- 225 मीमांसाप्रकरणम् or आतोदेवी  
(मीमांसा) A treatise on मीमांसा  
system by आपस्तम्ब transl. into  
Engl. with an Introd translit-  
erated Sk. Text and glossarial  
Index by F. Edgerton, 1929  
pp. ix. 308 Roy. ८ vo. cloth.  
12-8-
- 226 मेघनूत मराठी वर्णमाला or. pp. -12-
- 227 — or now messenger.  
French transl. by A. Guérinot  
1902 pocket size. 2-
- 228 मनुस्मृति ed. with introd. transl.  
notes critical explanatory and  
comm. of महम्मद by R. D. क-  
रकर 1924 cantos I-V 8-
- 229 Lectures on the economic con-  
ditions of ancient India.
- 230 Local self Government in  
India Vedic & Post-Vedic by  
Parragi N. 3-8-
- 230 पुराण-संग xv -8-
- 233 अथर्ववेद and निषाद ed. by Scho-  
bring. M. 5-
- 233 Whitney's views on the Solar  
Eclipse mentioned in the Rig-  
veda by Ludwig. 5-
- 234 बुद्धजयमहात्म्य (जैन) by Weber  
Brockhaus 3-

- 235 *Die Weltanschauung des moderner Buddhism in formen* ostent by Dr Otto Rosenberg & Prof Th Steherbatsky 1925 pp 47 2-
- 236 *Sex extinction and Feminism* by A Kenealy 1920 8vo pp 313 6 8-
- 237 *संस्कृतशब्देभिरिति* with original marathi text 1st pt (1-6 chs) by M P Oak 1929 Crown pp 298 2-
- 238 *Sanskrit Phonetics in comparison with the Indogermanic mother-language, for Students of Germanic and classical Philology* by Dr O C Uhlenbeck 1898 8vo, pp 12. 115 8-8
- 239 *Studies in honour of Maurice Bloomfield* by a group of his pupils New Haven 1920 Roy pp xxxi 312 25-
- 240 *Studies in the phonetic observations* by E Varma 9-8-
- 241 *Henley's twentieth Century book of recipes, formulas and processes* Ten thousand money saving Suggestions for home work, shop and factory 1927 Demy 12-
- 242 *संस्कारमीमांसा* by विजयदेवर काविरि 2 8
- 243 *Doctrine of Maya in the philosophy of Vedanta* by Prabhatatta Sastri 1911 Crown pp 14 138 3
- 244 *Dramas and Dramatic dances of Non-European races*, in Special reference to the origin of Greek tragedy, with an appendix on the origin of Greek Comedy by William Ridgway 1910 Super Royal pp xv, 418, 10-6
- 245 *History of Hindoostan, Sanskrit & Classical. Indian Antiquities or Disquisitions, relative to the ancient geographical divisions, the pure system of primeval theology, the grand code of civil laws the original form of Government and the various and profound literature on Hindoostan compared throughout with the religion laws Government, and literature of Persia Egypt and Greece* The whole intended as introductory to and illustrative of, the history of Hindoostan London 1793 Vol I Pt I Containing the dissertations on the geographical divisions and the theology of Hindoostan pp cxxi Vol 2 Pt I contd do pp 153 522 3 Pt III in which Indian theology is continued and the sacred edifices of Hindoostan and Egypt are compared pp 313 540 Vol 4 in which the Oriental trials of deity are extensively investigated pp 403 672 Vol 5 in which the investigation of the Oriental

- trials of deity, is continued, and the horrible penances of the Indian devotees are detailed pp 773-1091. From the birth of Brahma, Compared through out with the religion, laws, Govt & Literature of Persia, Egypta, & Greece Very Scarce Vols 1-5 each 10
- 246 *Sarva Siddhanta Sangraha* ed trans. & annotated by Pr Bose, M A in two parts (1) Text in devanagari Character, pp 80, (11) Trans and Notes, 1929 pp 11, 98 3-8
- 247 *सर्वसिद्धांत संग्रहालय इतिहास. उत्तरार्ध—* खण्ड पहिला १९२९, कौन पाणे ५१२ (दुसरा खण्ड छापत आहे) 5-
- 248 *History of Vedic literature* (in Sanskrit) वैदिकसाहित्यचरित्रम् by P P S Sastri 1927 Crown pp XIX, 353 3
- 249 *कीचकद्वय of नीतिवर्मन्* ed by Dr S K De with Intro, Notes, and containing the Tika of जनार्दन सेन and the extracts from that of हरिनन्दन 1929 Deco uni 4-8-
- 250 *काव्यालङ्कार of माधव* ed by V. N Sastry, with Eng trans & Notes Demy, pp xvi 122 Tanjore 3-
- 251 *सर्वभूतसंग्रहम्*-Text with Marathi trans by P G Nana Sastry Poona pp 183 6-
- 252 *पाश्चात्य रंगविद्या* by Dr. V M Bhat pp 407 3-
- 253 *चिकित्सा प्रमाकर*-a treatise on the treatment of diseases by Prabhakar B Ogale pp 1080 13-
- 254 *अष्टाङ्ग के चर्चलेख प्रथमभाग सेलक जनार्दनगट्ट* १९८०. पाणे ५०० कौन 2-12
- 255 *Kant's Prolegomena to any future metaphysics* ed in English by Paul Carus, with an essay on Kant's philosophy, and other supplementary material for the study of Kant 1926 Crown pp 301 Op O 3-8-
- 256 *छात्रोपापनिषद्* by Otto Bohtling Leipzig 1889 Royal pp x 93 rare 20-
- 257 *Gospel of Buddha* according to old records told by Paul Carus 1921 Crown pp XVI 275 Op O 3-8
- 258 *Dharma or the religion of enlightenment an exposition of Buddhism* by Paul Carus 1918 pocket size pp VI, 134 Op O 1-8
- 259 *Hindu Mysticism, six lectures on the development of Indian Mysticism* by S N Dasgupta 1927 Cr pp xx, 168 Op 6-8
- 260 *अभिज्ञानशास्त्राभासप्रज्ञा पारमितीपदेय* *अष्टत्रय*, the work of Bodhrattva Maitroya edited, explained and translated by Th Stecherbatsky & E Obermaier Fac 1 Intro. Sh. text and Tibetan translation 1929 Bbl Bad xxiii Royal pp xii, 40. 5-

# AUTHOR INDEX

## ALPHABETICAL ( ENGLISH )

*Nos with A denote the book in the ADDENDUM*

### A

Abbote—877  
 Abegg E.—2741  
 Abhayachandra—4492  
 Abhedananda—5356  
 Abhinavagupta 204A 1972, 2889  
 Abhyankar B.—5126  
 Abhyankar K.—3480  
 Abhyankar V.—55A, 75 4699,  
 4812 4958  
 Abhvankar & Deodber—2357.  
 Acharya P.—509 1832  
 Adinath—99  
 Agashe G.—2041  
 Ahobala—5093  
 Ainapure T.—2713  
 Aiyangar P.—4589  
 Aiyangar R.—3738 4700 5263  
 Aiyangar S.—216 1838 4166,  
 4810 5109  
 Aiyangar T.—2106  
 Aiyar A.—1035  
 Aiyar C.—2917  
 Aiyar G.—1369  
 Aiyar K.—4652 5098  
 Aiyar N.—2518  
 Aiyar R.—319 2019 5455  
 Aiyar S.—71 869 2150, 3200  
 4240 5101 5171  
 Aiyar V.—278 2311  
 Aiyar & Raw—2576a  
 Ajtnath—20

Akaja—2943  
 Allan J.—1060  
 Anaranath—3447  
 Amarasinha—171  
 Ambadas—1283  
 Ambedkar G.—2042  
 Anand A.—1145, 1148, 2848,  
 2952  
 Anantadeva—5123  
 Anant Krishna—1058 4272  
 Anant Krishna & Dalal—2175  
 Anandswami—4459  
 Ananthlalwar—510  
 Anderson D.—2501  
 Anderson J.—2514  
 Andrews C.—538  
 Anstey L.—498  
 Antram (—2806  
 Apte D.—1667  
 Apte M.—1103  
 Apte V G.—186 & 87A, 468  
 Apte V S.—467 1466 3793,  
 5147 5148 5149  
 Apte & Divekar—4563  
 Apte & Kelkar—3155  
 Arjunanath—2825  
 Arnold S.—536 3104, 4318 5378  
 Ashtaputre—3216  
 Asoka & Ratnakar—4982  
 Athalye K.—3037  
 Athalye & Bodas—1908  
 Atre B.—4156

- Anfrecht Th -72A, 160, 804, 1395  
 Avelon A.—333, 882, 973, 1010,  
 1110, 1157, 1590, 1968, 1969,  
 1978 2625, 2734, 2735, 3359,  
 4463, 4688, 4758, 5173  
 Ayuso D —1806 4131  
 Avery J —4124  
 B.  
 Bababharati—2999 4683  
 Baccbanpande —4416  
 Bahaubala—3334  
 Bahulikar—129A  
 Bayanath —83.  
 Bamse A —931.  
 Bustell.—487  
 Bakre M—2988, 3315, 3316,  
 4103, 4354, 4401, 4671, 4790.  
 Balakrishna —2642  
 Ball U —895  
 Ballantyne —4233  
 Ballantyne J —3931.  
 Ballantyne W 151  
 Banarjee—971  
 Banerjee G —502, 5480  
 Banerjee K —2954  
 Banerjee N —90A, 110A, 914,  
 Banerjee P —553  
 Banerjee R.—1798.  
 Banerjee S —2294 3252  
 Banhatti N —1209.  
 Bapat P —5049  
 Bapat Shastri V —146, 1917,  
 2375, 2892, 2910, 2983 2984,  
 3424, 4079, 4475, 5008  
 Bapushastri—4968  
 Barnett A —5116  
 Barnett L —311, 2997, 3105 5364,  
 5391  
 Barth—3873  
 Bartholomew—5353  
 Barua & Mitra—2677  
 Barua B —2719, 5457  
 Basu H —5250.  
 Basu S —446 1074, 1609, 2907,  
 3642 3673, 4855, 4940, 5254  
 Basu & Kirtikar—529.  
 Baynes H —2371  
 Beale—2875, 3903  
 Beams J —981  
 Bendall C —4613  
 Bentley H —2695  
 Belvalkar S.—48A, 740, 741, 743,  
 922, 1204, 2600, 2808, 2979,  
 3261, 3365, 4521, 4657, 4987  
 Belvalkar & Raddi—1203  
 Bendall & House—4614  
 Bennet —4233  
 Bergaigne—2209.  
 Berkeley G —2015  
 Bernier F.—1808  
 Besant A —525, 577, 1000, 2958,  
 3100, 3141.  
 Bhadkamkar H —2263  
 Bhagvadatta—24, 45, 50, 843,  
 1770, 4043, 4313  
 Bhagvadatta & Shastri—46  
 Bhagavan Das—1344.  
 Bhagawan Singh—4548  
 Bhagwat H —206A  
 Bhagwat N —100A, 117A  
 Bhagwat R.—51A 1182  
 Bhandari R.—4831.  
 Bhandari & Dravid—2329  
 Bhandari & Kavyateertha—4417.  
 Bhandari & Nerurkar—4606.



- Bhandarkar D—46A 201, 366,  
 9041, 1937, 4041  
 Bhandarkar S—3883  
 Bhandarkar & Majumdar—547  
 Bhanu C—443, 767, 958 1075  
 1296, 1692, 2967, 3120—24,  
 3372  
 Bhandari—222  
 Bharatchandra—111A  
 Bharavi—1230  
 Bhartrahari—4345-50 4464  
 Bharatateerth—4338  
 Bhaskaracharya—1017  
 Bhat V—252A, 3144  
 Bhatawadekar K—122A, 3516  
 5019  
 Bhatta J—205A  
 Bhatta R—5028  
 Bhatti—3154.  
 Bhattacharya A 2340  
 Bhattacharya B.—122A, 512, 1883,  
 4879  
 Bhattacharya K—5267 5394  
 Bhattacharya M—4285  
 Bhattacharya R.—1774, 2630,  
 2681 2689, 2722 3114 3485  
 4005 4847.  
 Bhattacharya S—220 411  
 Bhattacharya T—390  
 Bhattacharya V—2335, 2431  
 Bhattacharya & Dravid 313  
 Bhavabhuti—3347  
 Bhavanishankar 3140 4574  
 Bhude A.—5238  
 Bhikshushilachar—2286  
 Bhojadeva—4823  
 Biganuet P—3991  
 Bulhana—1006 1660 2841  
 Banyon L.—1309  
 Blackman R—1120  
 Blagden & Brandstetter—566  
 Blanch S—462  
 Bloomfield M—25, 32, 41, 575,  
 804 4307  
 Bloomfield & Garbe—38  
 Bloomhardt 1391  
 Bodas—173A 2464 4658  
 Bode M—175A  
 Bodhayana—3143  
 Bohn W—2800  
 Boll J—2996a  
 Bolling & Negelein—26  
 Bonsens F—59A  
 Bopp F—158I  
 Borooach A—466, 3348  
 Browning K—3106  
 Bose C—1299  
 Bose P—517 518, 542, 544,  
 2738 4569, 5385  
 Bohtlingk O—172A, 257A, 2447  
 5183, 5188  
 Bohtlingk & Roth—5072  
 Bondhabhikshu B—4989  
 Briggs G—1642  
 Brockhouse—996  
 Brooks F—1484, 3107 3136  
 Brown C—125A 1061 1387  
 Brown P 1919  
 Bruce H—1582  
 Brunhoffer—210, 891, 2476  
 Buch M—482 2736, 2797, 5271  
 Buhler A—26A, 94A, 533 2563  
 3291  
 Buhler J—510

Burgess—184.

Burgess & Fergusson—5424.

Burlingame—2872.

Burawell A—960, 4903

Burnouf H—563, 4031

Burnouf M.—भामह 3184.

Burua & Sinha—207A

Bushell S.—2310

C.

Caland—10, 25A, 29, 49, 897.

1081, 1772, 1893, 2900a, 4135,

4326, 4327, 4473a

Caland D—1777.

Caland W.—117A, 409, 410,

1077, 1887, 2900 4896.

Candy—3301.

Candy & Molesworth—131A 469

Cappeller C—1235 2604, 4508

Carpenter H—2013

Cassell—2284.

Cave—3871.

Coakradhar H—2762.

Chakrapaninath—3225

Chakrabarty C—67A, 553, 1233.

Chakraverty H—1220, 2159.

Chakraverty R.—2917.

Chandorkar D—1179, 1180, 1181

Chandavarkar G—483.

Chandavarkar—3566.

Chandrakant—1087, 1670 4360,

Chandrakant T.—1528 -1530

Chandrasekhara—2337

Charpenter J—750

Charnar R—4370.

Chatterjee—3089

Chatterjee B—524

Chatterjee H—2218

Chatterjee J.—1111

Chatterjee M—4536.

Chatterjee N—4679.

Chattopadhyaya—3486.

Chattopadhyaya H—734, 1234,

1264, 3415a, 3510.

Chattopadhyaya K.—442 1291,

1823

Chattopadhyaya R—301

Chattopadhyaya V—2680

Chaudhari H—2551.

Chaudhari T—5459.

Childe V—375.

Chinnaswami—3426

Chiplunkar Sastri—462, 5013

Chrol V.—503.

Chitragepta—3998.

Chitrao E—53A, 825, 2146a, 2537

Chitrao & Pathak—4410

Chobe V.—4776

Clark—2800.

Colebrooke H—920, 1585, 4028a

Collins M—118A

Coomaraswami A—124A, 564

Cordier P.—4091.

Conway & Rouse—1882.

Cordington—3567

Courtillier G—1490.

Cousins J—1028

Cowell C—2873, 3059, 3542

Cowell E—5A, 87A, 5437

Cowell & Gough—4810.

Cowell & Thomas—5344

Cowell & Wilson—925

Cox M—3535A.

Crooke W—134

Cunningham A.—362.

Cunningham J —5465

Cust R —3368

## D.

Dahlke P --2883

Dahlmann J --4861

Dalal C --753, 1436, 2485 2698

3165, 3546, 3892 4002 4044

4082 5328

Dalal V --5436

Dalal &amp; Shastri—1900,

Dalavi &amp; Mehendale 1905

Dandin—2039

Darwin C—1828

Das A —445 846

Das C --505

Das G —5417

Das N —138

Das S —534 562

Das Gupta S —260A, 506, 3667,  
5253

Das &amp; Vidyabhusana—241

Date V --4334

Dauzet A —4006

Davies J —1848, 5398

Dayanda S —61A.

De S —249A, 5463

Deekshit A —332, 780, 1653, 1654.

4380 4420 4559, 4568

Deekshit B --4476 4937, 5058

Deekshit M —1243

Deekshit N —1570

Deekshit H —4661

Deekshit S.—901 3214

Denison E —5379

Deodhar B —169b

Deodhar C —15A 2746, 5236

Deodhar &amp; Saru—3730

Dolbruck H —574

Desai—5255

Deusson P —983, 986, 1703, 2553

2792 2794, 2799, 3426 4048

4274

Devezz G —4503

Deval K —2010, 5390

Deviprasad—96A

Dey N --1749, 3768

Dey S —4065, 5262

Dhalke P —202A

Dharmadhikari D —1973

Dhole N —5354

Dhruva A —2334, 5228

Dhruva K —3481, 5240

Dhurva &amp; Dwivedi—3897

Dhundiraj—1169 4356, 4715,

Dhundiraj &amp; Jha --2327

Diksalkar D —4992

Dikshitar V —579

Dinesh S --2898

Diwakara—4606

Diwanjee P —39A

Diwekar H —165A

Dixit &amp; Sewell—42A.

Doshi H --2691

Dowson J —1379

Dravid H —53.2

Dravid R.—4241 4244, 5172

Dravid L —73 1971 2320 4533a

Dravid &amp; Jha —1426

Dravid &amp; Trivedi—205

Drahor A —35A

Dubé V —4307

Dubois J —5487

Dubreuil J —4302

Durgaprasad &amp; Peterson —5027

Duroselle—2547, 2696

Durvashool—2008  
 Dutt—8, 3176, 3325  
 Dutt G —60.  
 Dutt M —1116, 3312, 3400, 5335.  
 Dutt N.—211  
 Dutt R —7A, 827, 4015, 4016.  
 Dutt V —1805, 3362  
 Duttasastri—1462, 1591, 4191.  
 Dwivedi M.—1945, 3476, 3678.  
 Dwivedi S —1019, 2930a, 4026,  
 5034.  
 Dwivedi V.—314, 1787, 2650,  
 2955, 2955, 2965, 4863.  
 Dymock—1389.

## E

Eastwick—2742  
 Edgerton F.—225A. 2565, 2566,  
 3115, 4124.  
 Egging—1065, 4473  
 Ekanatha—3224  
 Elliot C.—2840a.

## F

Faddogon B —4362.  
 Farquhar J.—982, 1367 1493,  
 2716  
 Fausboll V —530, 1799  
 Fausboll & Max Muller—2133  
 Fauche—3835.  
 Filam—3876  
 Filippi B —115A, 4115.  
 Finot—3866  
 Fleet J —1143.  
 Forbes J —37A, 970  
 Foster W.—217.  
 Foucaun—4131a  
 Foucause—3419  
 Foucher—1475, 2887.

Foxstrangways—3573.  
 Francis & Thomas—1724  
 Franko O —2496, 4003, 4004, 4415,  
 5443.  
 Frazer R —4009.  
 Froster H —3160.  
 Fuller—3657.  
 Fuhrer A.—4085, 5342

## G

Ganatra D —42, 1519, 1773, 1776.  
 Gajanan—4900a.  
 Gajendragadkar A —4246  
 Gajendragadkar A. & S —868  
 2043, 5347.  
 Gajendragadkar S.—4507.  
 Ganapathi Sen—2617.  
 Ganapati Sastri T.—201, 246,  
 1645, 2082, 2347, 2588, 2613,  
 2616, 3232, 3282, 4794, 5234  
 Gandhi D —143A.  
 Gandhi L —1393  
 Gandhi & Shrigondekar—2184,  
 2213.  
 Gangadhar—2346.  
 Gangadhar & Ratnagopal—1216  
 Gangadhar Sartri—2074  
 Ganganand—1162  
 Gaungoli A —888, 5456.  
 Ganguly N.—2704  
 Garbo 48, 78A.  
 Garbo R —2795, 3109, 4730a,  
 4854, 4864, 4871  
 Garda G —273  
 Gautama—1549, 1551, 2368.  
 Geiger W.—2072, 2132, 2500,  
 4010, 4021  
 Goldner—823 863, 3388,

- Getty A --1470  
 Gharpure J --195A, 4400  
 Ghate V --164A, 550, 848, 4258, 4786  
 Ghosal S --2105  
 Ghosal U --191A, 5435  
 Ghose A.--70A 194A 351, 440, 1068 2296, 3131, 3878, 3900, 4841.  
 Ghose C.--2683.  
 Ghose N --182A  
 Ghose P --4471  
 Giles--4547  
 Giridhara M --213A.  
 Girschandra--1279, 1927, 2711.  
 Glasenapp H --5415.  
 Gode P --917.  
 Godbole N --5169  
 Godbole and Vaidy--4245  
 Gogerly D --4998  
 Gokhale D --764, 1952  
 Goldstucker--2443  
 Gole M --181, 2017  
 Gopalchariar A --3151, 4066b  
 Gopinatha--3268  
 Gopinathrao--464, 1929  
 Gooha--3938  
 Gorakshanath--187  
 Goswami D --1114 5227  
 Govindachary--3996  
 Govinda S 76A  
 Grady E --1809  
 Grahame--4008  
 Grant Duff--5151  
 Grassmann --822, 865  
 Gray L --4114  
 Grierson ■ --2393, 4007, 4575 5183  
 Grierson & Barnett 3986.  
 Griffith--33, 3623  
 Griffith R --828, 3829, 4626a. 5475  
 Griffith T --2822, 4890  
 Grill--31  
 Griswold--847, 852.  
 Grouse--3845  
 Gruenwedel--2392  
 Gune P --3003  
 Gupta R --2250  
 Gurunath K.--735, 3157 3412, 3507.  
 Gya-tsho--1934.  

H

 Haas E --1401, 3870  
 Haas G --2050  
 Hackmann H --2380  
 Haladbara H --5481  
 Halasyanatha Sh --144A.  
 Hall F.--1817 4859  
 Halayadha 1054 3004  
 Hannah B.--889  
 Hansagam--3244  
 Hanuman --2920  
 Haradatta--328  
 Haraprasade sh --52 2923, 2935 3881, 5074 5086.  
 Hardy H --4305  
 Hargreaves 907, 1476  
 Haribhadra--141A  
 Harichand 1155  
 Haridas 733, 1100, 3514 3418a. 3509  
 Harideekant--2938  
 Harihara--2938a 3934  
 Harishantara 2936

- Harinaryana—4319  
 Harba—2293  
 Harsa G—3394  
 Hasurkar—2609  
 Hartmann—3661  
 Haug M—426, 946, 2994a.  
 Havell E—353, 910, 1502, 4546  
 5352 5123 5125  
 Havell H—179A  
 Hemachandra—123, 158  
 Hemavijaya—993  
 Henry V—3425  
 Hertel J—919, 994, 2569, 2570,  
 2571, 3477 4234, 4733, 4997  
 Hiersemann—5140  
 Hillebrandt A—831, 916a 2843  
 2488 3885, 4078, 4315, 4873  
 Hirai—2674  
 Hiranand Sastri—972 3230  
 Hirayanna M—448, 1071 1292,  
 2904, 4281  
 Hurt H—501  
 Huzel—856  
 Hovalas—5470  
 Hooy W—2861  
 Hodson C—2733  
 Hodons L—2885  
 Hoernle A—2838 5272  
 Hoernle H—2689a  
 Hoernle R—788, 903 3569  
 Hogarth—887  
 Holle K—1796  
 Holtzmann—2852, 3314a, b 5450  
 Hooper & Ponder—569  
 Hopkins E—504, 5080  
 Hopkins W—475, 480, 3500  
 Horowitz J—476  
 Horowitz—4550  
 Hultsch E—543, 1137, 1906,  
 2688, 3515  
 Hunter W—1330  
 Huntinga & Visser—1381  
 Hwul La—3394  
 Hylan J—2400  
 Hydar—13'A  
 Hylan—169A  
 I  
 Indradatta—2775  
 Islampurkar—2114  
 Iswarkrishna—4843  
 J  
 Jackson—2725  
 Jacob—23, 3164a, 3197, 3311,  
 3561, 4281  
 Jacob G—463, 497, 770  
 Jacob H—81a, 4782 4797, 5211,  
 5212  
 Jagannatha—189, 3199, 5032  
 Jain—196, 31595  
 Jain B—1996  
 Jain C—2494,  
 Jain L—1851  
 Jain J—935  
 Jain M—1493  
 Jahn A—1282  
 Javhari—357  
 Jayadeva—1486, 2663, 4421  
 Jayadatta—257  
 Jaykar M—5266  
 Jayanarayana—4329  
 Jayaswal K—3790, 5403  
 Jayasinha—1254  
 Jeevanand—1026  
 Jespersen O—2717, 4054

- Jha G —70, 1002, 1163, 1427,  
 1691, 1857, 1895 1974, 2319,  
 2371 2398, 3293&a, 3435, 3654  
 3659, 3672 4107, 4737 5254  
 5257 to 61  
 Jha & Kaviraj —4261  
 Jha & Thibaut —1428  
 Jhadi & Kanjal —2287.  
 Jhalkikar B —2324  
 Jhalkikar V —1166  
 Jinalabh —316  
 Jinarajadasa —3130  
 Jinavijaya —159, 1255, 2497, 2676  
 4211  
 Jinadatta —142  
 Joglekar K —210A, 1741 2206,  
 2856, 4506  
 John W —1225 5089  
 Johnson —3327, 4701 4993  
 Johnston —4985  
 Jolly J —552, 580 3387 3397,  
 3985, 5393  
 Jolly & Schmidt —199, 1318  
 Jones W —551  
 Joshi —3781.  
 Joshi C —3568  
 Joshi D —3784  
 Joshi G —140A  
 Joshi P —1174, 1175  
 Joshi R —1786, 2753 5036,  
 Judge —2383b 3110, 3661  
 K  
 Kaegi A —821  
 Kaji C —3143  
 Kale M —159A 739, 872, 1229,  
 1235, 1259, 2204, 2231, 2561,  
 3407 3416a 3479 3580, 3699,  
 3733 4126, 4243, 4402, 4500,  
 5159, 5173, 5348, 5375  
 Kale & Nerurkar —2040  
 Kalekar D —768  
 Kalidasa —1256  
 Kalyanamalla —88  
 Kaleekarnjan —4619  
 Kamandaka —2283  
 Kamalakant —1861  
 Kamalkrishna —139A 5331  
 Kamashastri —4090  
 Kanada —4358  
 Kanaalakrishna —1938  
 Kane P —177A, 737 892, 1101,  
 2840b, 3212 3383, 4304, 5134,  
 5346, 5460 5464  
 Kangale R —2724  
 Kanojamalla —150  
 Kapadia H —160A  
 Karmarkar R —86A, 228A, 1336,  
 2205, 2408a 4128  
 Karandikar —3581  
 Kathavate A —2112 & a  
 Katyayana —2685  
 Kaumudi K —105A  
 Kausambi D —196A 1725, 2130,  
 2502 2863  
 Kavi H —89A, 1615, 2214  
 Kavi & Ramnath —1252  
 Kaviraj —1201, 1228, 2012,  
 2322 3049, 3689 4427, 4984,  
 5045  
 Kaviraj G —5107, 5108 5426  
 Kavaratna A —1521  
 Kaye —283, 1464, 3531, 5384  
 Kazi D —470  
 Keay F —898  
 Kedarbhatta —4379  
 Keith A —27A, 213, 527, 561,

- 1012, 1378, 1966, 4249, 4303, 4526, 4870, 4900, 5143
- Kelkar B.—4673
- Kellagg—1587.
- Kunte M.—62A, 4210
- Kunjavihari T.—3418
- Kemud V.—5257
- Kellar—5164
- Kemkar Sb —145, 1055, 3977, 4144, 4375, 4386, 4804.
- Kennedy M.—1656a
- Kenney J.—4466.
- Keshavamishra--1893
- Kern H.—369, 1730, 3565, 4774, 4775,
- Ketkar—1578.
- Kotkar S.—68A, 5431.
- Ketkar V.—514, 1286.
- Khanbahadur—3203.
- Khandekar K.—1260.
- Kenealy A.—236A
- Khandadeva—3193.
- Khanikoff C.—2847
- Khare G.—5113, 5242, 5388.
- Kher & Nerarkar—871, 3505
- Khisti N.—1171
- Kicpert H.—33A
- Kielhorn F.—1091, 2426 2564, 4418.
- Kimura R.—974, 5169.
- Kincaid B—4681
- Kincaid C—5452.
- Kingsbury & Philips--5476.
- Kinjavadekar V—11, 242A, 328, 2436, 4513.
- Kirfel—2518a
- Kirfel W --1224, 2888
- Kirste J.—2158, 5420.
- Kirtane N.—5329.
- Knauer F.—3385
- Kokilleshwar S.—558.
- Kenow S—522.
- Koopaswami & Ramachandar—5052.
- Kramrich—4192a
- Kroyenberg—2A, 873
- Kressler—108A, 3570
- Krishnamacharya--520, 1270, 1878, 2924, 3322, 3519, 4114a, 4066a, 4324
- Krishnadev—1018.
- Krishnanath—207, 1859, 2332
- Krishnasastri—477, 1827 2790
- Krishnaswami—2931.
- Kshemahara—4973
- Kshemnaraja—2630, 5223, 5231.
- Kshemendra—240, 978, 1084, 1048, 2094, 2913, 3208 & 9, 5039, 5059.
- Kudal S—373.
- Kulkarni K.—3228
- Kulkarni N.—124, 1212, 1894, 4557
- Kulashekhar—1884, 5011
- Kuppuswami—87
- L
- Laber J.—4065b
- Lacote F.—2914.
- La Idu—3227.
- Ladhaji M—989, 5230.
- Laberi D—727.
- Lajapatrai—3142.
- Lalitamohana—2026.
- Lalmohan V --1049, 3508.



- Lane Pool S—967, 1063, 3323,  
 3527  
 Langley H—3802.  
 Langlois A—53A, 573  
 Lanmann C—499, 1009, 2084,  
 2493, 2842, 3211, 3540, 5179  
 Law B—65A, 906, 908, 1623,  
 2066, 5467.  
 Law N—279, 556, 3461, 3648,  
 5256  
 Law N & T.—1636  
 Law V.—2870, 3990  
 Lawl J—4857  
 Laxmidhar K—56, 2821  
 Laxman Suri—519, 3152.  
 Lefman L—3961  
 Legge J—1801  
 Leharubha—3241.  
 Leebach—75A, 123A, 1086, 1671,  
 1803, 1816, 2444, 5182  
 Lambraj—4335.  
 Landenau—3231.  
 Lele G.—2670.  
 Lele K—2982, 3125 3399  
 Lele M—745, 3449, 3420,  
 Lele M—84A  
 Lele V.—1295, 2063  
 Lele & Oak—1824  
 Lenz R—787  
 Lepsins—2503  
 Leumann F—979  
 Levi S.—1835 3341, 4221, 5224  
 Locke—920  
 Lodge O—3559  
 Lokur N—1743, 2857.  
 Longhurst A—5488.  
 Loth O—1569  
 Lunders H—479, 4763, 4996  
 Ludwig A—85A, 2J3A, 8J2, 853  
 Luth O—170A.  
 Lyall A—151A, 2196.  
 M  
 Macauliffe M.—4617  
 Macdonell A.—604 829, 833, 851  
 964, 1094, 1334 2921, 4033  
 4308 & 09, 4314 4320, 5152,  
 5458.  
 Macfarlane C—5427  
 Macfie—3428  
 Machikhan—560  
 Macnaughten W—2739  
 Macnicol N—543. 2477  
 Macphail J—254  
 Madhav—355, 358, 1775, 4809  
 Madhavshastri—1083.  
 Madhwacharya—4616  
 Magha—4601-05  
 Mahadev—54.  
 Mahadova Shastri A—182, 2407,  
 3086, 3663 4264, 4317, 4321,  
 ' 4367, 4904 5407.  
 Mahafy J—232.  
 Mahe chandra—1170.  
 Mai L—457.  
 Mantra—5416  
 Muntra S—481  
 Mandanamisra—3223.  
 Mandlik V—3292, 4399  
 Malleson G—147A  
 Mangaldeva S—1335.  
 Manu J—1639, 3398  
 Mangaldeva—133  
 Manikyasuri—4523  
 Manning—909.

- Marathe—2909  
 Marshall J —364, 933  
 Mesani A —5124  
 Mathuradas—1388  
 Max Muller F —79A, 766 803,  
 834, 859, 927, 1650, 2740, 3340  
 4038 & 39, 4276, 4906 4907,  
 4981, 5156, 5161 5418  
 Max Muller & Oldenderg—839  
 Max Wallesser—146A  
 Mayer H —841  
 Mc Crindle—63A  
 Mc Govern W —567 3563  
 McKenzie J —5389  
 Mead G —57A  
 Mehendale K.—1825  
 Meyer J —202, 1314, 3536, 4235  
 5410  
 Michalski—3112  
 Michel B —928  
 Mills E —3564  
 Mirashi V —3936, 5345  
 Misra D —2554  
 Mitra R —93A, 1399 3963 2922,  
 4011  
 Mitra E —5081  
 Modak E —142A.  
 Modak J —4561  
 Mody J —5478  
 Moghe V —2897  
 Monsure E —1635  
 Mookakavi—988  
 Moore J —5058  
 Moulton J —1811  
 Muckerjee K —5146  
 Muckerjee P —526  
 Muckerjee R —255 2297, 2309,  
 3537, 4051, 5404  
 Muckerjee S —361  
 Moir J —975, 3524, 3877  
 Mujumdar G —361, 4056  
 Mujumdar J —29A  
 Mujumdar N —1543, 4069, 5433  
 Mujumdar R —516, 895, 1144  
 Mujumdar S —64A, 4275  
 Mujumdar V —976  
 Mukhopadhyay G.—4825  
 Mukhopadhyaya K —1432.  
 Mukhopadhyaya N —80A  
 Mukundlal—1095  
 Mukund Sh —2972, 3226, 3452,  
 4154  
 Muller E —100A, 2401  
 Muller J —886  
 Mullar M —5358  
 Mullick G —1831, 2798  
 Murari—92  
 Murray H —5432  
 Mutha D —1690  
 N  
 Nadkarni K —44A  
 Nadkarni S —4023  
 Nag K —1833  
 Nagaraja—3222  
 Nanal P —251A  
 Nandargikar G —1253 1742,  
 2858 3504a  
 Nandeesvara—3236  
 Nanjo—3983  
 Narhari—2890, 4668  
 Narayana R —1272, 5197,  
 Narayanasing—5370  
 Naryona Teertha—3190  
 Narendranatha Sh —109A  
 Narman G —4025, 5142  
 Narsinha—905

Nateson M —2731, 5429  
 Neelakantha—1045, 2652.  
 Negelein J —34, 4071  
 Neisser W —126A, 366  
 Nemichand—2647  
 Nene G —62, 76 2256, 3942  
 Nerurkar V —1098  
 Neumann E —2868  
 Nirbhayaram—77  
 Nityananda—4398  
 Nobel J —890, 2789  
 Nrasinha—95  
 Nrisinhdeva—2666  
 Nrisinharam—3245  
 Nyayapancanana K —4504  
 Nyayaratna—1176  
 Nyanatiloka B —1403

## O

Oak J —1499  
 Oak K —92A, 179 1329, 2215  
 Oak M —164, 237A, 1671  
 Oapermanna—3662  
 Ogale K —253A 371  
 Oldenberg H —830, 840 1568  
 2071, 2855, 3314, 3872 4070,  
 Oppert G —40A, 66A, 150A, 435,  
 4624  
 Oppert O —5111  
 Orsanne—3431  
 Ortel—1888  
 Oursen M —5448

## P

Padhye S —401  
 Padmanabha—4641  
 Pal B —1682  
 Pal D —4680 5337  
 Pal N —1810  
 Pal R —5400

Panchanana—2730  
 Pandit R —39, 5131  
 Pandit S —826 3408 4129  
 Pandit V —1338  
 Panditacharya—3266  
 Pandye G —3261a  
 Pangarkar L —1232  
 Pannikr K —4717, 5343  
 Pant Balachheb—2508  
 Parab K —5021, 5330, 5369  
 Parab & Sivadatta—5422  
 Paradkar R —5132  
 Paranjpe M —2207  
 Paranjape S —130A, 183A, 209,  
 1897, 1911, 2612, 3201, 3409  
 Paranjpe V —4288  
 Paranjpe & Raddi—3582  
 Parasnis D —163A, '782a, 4842  
 Parasnis & Wad—1302  
 Pargiter F —900,—902, 2233  
 2293, 2519, 3401 4219 5064  
 Parekh—3879 4334  
 Paspuatinath Sastri —858, 862  
 Patanjali—4411  
 Patankar P —521, 1240, 4501,  
 4610  
 Pathak B —281  
 Pathak K —2290, 3504  
 Pathak M —1092  
 Pathak S —444 1069, 1297,  
 2705 3475  
 Pathak Y —4637  
 Patwardhan T —4087  
 Patwardhan V —738 2933, 3152  
 Paul—3665  
 Paul G —258A, 258A, 259A  
 Pawagi N —17A, 230A, 374, 2573,  
 3213, 5073

- Penzer M —963,  
 Percy Brown —531, 532  
 Perry E —5177,  
 Pertold O —2745  
 Peterson P —836, 1096, 2310,  
 4510, 5377.  
 Phadke—765  
 Pillai E —513.  
 Pillai & Wyatt — 1331  
 Pincott—4458, 4517.  
 Pingala—1684.  
 Pischel R.—9A, 83A, 412 1583  
 4511  
 Pishardy—3233.  
 Pithawala M —4000  
 Pope G —1800  
 Popley A —3572  
 Ponsin L —201A, 2891, 3383,  
 4237  
 Prabbudatta—243A.  
 Prabburam—5042.  
 Pradhan E —1868  
 Prajnananda—2996  
 Pramathnath A —1152  
 Pratapachandra—3413  
 Pravarasen—5055  
 Premachandra T —2299  
 Premavallabha—4818  
 Panyanand—1108  
 Purandare—3709.  
 Purandara V.—4385  

**Q**

 Quackenbos G —5174.  

**R**

 Raabe C —2896.  
 Raddi R —3162  
 Radhacharna—3112a  
 Radhakrishnan S —537, 2796  
 2801, 3899, 5412.  
 Ragozin L —844, 3526, 4311  
 Rajanath—3.  
 Rajanulant—2445  
 Rajashokhern—1008.  
 Rajawade C.—171A, 174 A  
 Rajwade S —1496.  
 Rajawade V —3302 & 03, 3796,  
 5007, 5215.  
 Ramadayaalu—1373.  
 Ramagopal—43  
 Ramanath A —2637, 4130, 4698,  
 Ramanuja —3133  
 Ramaprasad C.—152 500, 546.  
 3532.  
 Ramaswami K.—5401.  
 Ramshastri—2589, 3137, 3580 &  
 81, 5129.  
 Ramavarma—4510.  
 Ramavatar Sharma—256, 1033.  
 Ranade M —50A, 3304, 3774  
 Rando R.—997, 1588.  
 Randle H —2786.  
 Rangacharya—3138, 3894.  
 Rapson E —515, 894, 1059, 1065  
 Rashvadekar A —154A, 3411  
 Ratnachandraya S —195.  
 Ratna Gopal—1214, 1511, 2966,  
 3430, 4216  
 Ratnashekhar—302  
 Rauderch—2897.  
 Ravivarma—2622  
 Ravenshaw E.—120A  
 Rawlinson H —554, 3005, 3863,  
 4597, 5111,  
 Ray S —2011, 3483, 3511, 3731,  
 4518, 5434

- Raychaudhari—215  
 Regnaud P —60A, 3585  
 Reich E —149A  
 Relu V —3432  
 Reuter I —4730b  
 Revantikanta—3450a  
 Rhys Davids Mrs —2131, 2849 &  
     50, 2869 2874  
 Rhys David T —197A, 1404, 2494,  
     2882 3646, 4042 4158, 5419  
 Rice E —1402  
 Rice L —180, 1398  
 Rice S —899  
 Rickaby J —188A, 2783  
 Ridding O —1099  
 Ridgeway W —244A  
 Rukhesea —2692 4067b  
 Robinson W —1532, 1593  
 Rockhill—3987.  
 Roer E —52A, 2906  
 Ronald-hay—5361  
 Rosen F —433  
 Rosenberg D —2703  
 Rosenberg O —200A  
 Rosenberg Stecherbatsky—235A  
 Ross E —5251  
 Roth & Whitney—40  
 Roy D —3047  
 Roy M —496  
 Roy P —2093, 3324  
 Roy V —1856  
 Royle F.—3A  
 Ruckert—36  
 Radlof O —491 4969  
 Rudrakavi—3220  
 Ryder A —135A 181A, 3584  
 Ryder W —4022  
 Ryuka R —229
- S**
- Sachau E —231  
 Sadanand —441, 2594  
 Sadashiva —1153, 2900  
 Sahani D —1463 3574  
 Saint Hillaire—2864, 2865  
 Salomons—3215  
 Saleekanath—2601  
 Samiddar J —249, 912, 1592  
     4034  
 Samasrami—73A  
 Sandal M —570, 3454  
 Sander-on—3367  
 Sardesai G —3303a, 3423  
 Sardesai N —4055  
 Sarkar B —913 2507, 2550, 4623,  
     5383  
 Sarkar J —3445  
 Sarkar K —565, 3459, 5409  
 Sarkar M —4986  
 Sarkar Y —1657, 4047, 4596,  
     5273  
 Sarma B —5402  
 Sarma P —1278  
 Saraschandra S —1047  
 Sarvanand—439 1072, 1293,  
     2656  
 Sarvabhusana S —1227  
 Sarvabhusana—80  
 Satavalekar S —53A, 4331 4626,  
     4631a 4636,  
 Satischandra R —452  
 Satyavratta S —19A 71A 148A  
     2252  
 Satye-a S —3129  
 Saunak—775  
 Saunders K —2866, 2884, 4053,  
     5249, 5362

- Savarkar—59A, 5396.  
 Schayer—3339  
 Scheffelowitz J —149, 864  
 Schmidt—921  
 Schuster R —1935  
 Schmidt R —992, 1115, 4621,  
 5024  
 Schoff W —180A,  
 Schraeder T —1829  
 Schubring W —332A 299, 1042  
 Schultz M —5399  
 Schuyler M —489, 2804  
 Seal B —175A  
 Seal S —3989  
 Seelakhandha T —118  
 Sen A—5274  
 Sen D —1655, 1656, 4371  
 Sen J —107A  
 Sen K —11A  
 Sen N —5079  
 Sen R —1818, 2954  
 Sen S —12 4566  
 Sen V —356  
 Sengupta K —360  
 Sengupta N —486  
 Seriba—931,  
 Seshakrishna—1328  
 Sewell R —30A, 43A, 2785  
 Shakespear—4049  
 Shaktibhadra—403  
 Shanbaracharya—2993, 3243  
 Shanbar G —4431  
 Shankarram S —191A  
 Shantikanta —3310  
 Sham Shastri R —198 200, 485,  
 1313, 1970 2894, 4376a, 4824  
 Sharngadeva—5091  
 Sharma H —1705, 2391 3135  
 Sharvanand—3178  
 Shastri—1001, 3711, 4837  
 Shastri H —3530  
 Shastri K 1291  
 Shastri M —2854  
 Shastri N —5380  
 Shastri P P —248A  
 Shastri P V —250A  
 Shastri S —18A, 3777  
 Shastri V —27, 4029  
 Shastriyal K —3147, 5187  
 Shaw A —5248  
 Shende N —5127  
 Shende S —5246  
 Sheth H —5006  
 Shiromani—3433  
 Shrivada—1612  
 Shrivaram—2203  
 Shodhila—1451  
 Shovona Devi—966  
 Shridhar—4733  
 Shrigondekar G —1384, 1392  
 Shrinivas—1106, 4376  
 Shrischandra—4293  
 Shroder O— 4A 281, 849, 1079  
 3541  
 Sidgwick H —984  
 Sedhantavageesa H —4503  
 Sieg E —198A, 4018  
 Simon—186  
 Simon R—1119 2590  
 Simon & Shroeder—1349  
 Sinclair J—5365  
 Sinha G —2788  
 Sinha N —209A 3057, 4887  
 Sinha W —4811  
 Sennett—2402  
 Silaram S —65, 451 460 1076,  
 1322, 4175

- Sivadatta—1178.  
 Sivanarayana—1050.  
 Skold—2240.  
 Slater B.—2107.  
 Smith—3544, 3875.  
 Smith III—6.  
 Small G.—5355.  
 Smith V.—4, 5, 212, 252, 1764,  
 5430.  
 Smith & Wright—1062.  
 Smritibhusana K.—4572.  
 Somadeva—995.  
 Somaprabha—5048.  
 Sorabji J.—5110.  
 Sorensen—494.  
 Speyer J.—242, 1731, 4322, 5184.  
 Spiegel F.—376.  
 Spooner D.—363.  
 Stcherbatsky Th.—260A, 5062,  
 5078.  
 Steel F.—507.  
 Stein A.—1433a  
 Stein O.—3502.  
 Stenzler—104A, 399, 3645, 4010  
 Stevenson—77A.  
 Stevenson D.—4891.  
 Stevenson J.—5118.  
 Stone C.—1374.  
 Strauss O.—535.  
 Strehly G.—2727, 3415b  
 Strong—5449  
 Suili—45A.  
 Subarao S.—3088, 3177  
 Subaro T.—4032, 4096.  
 Subrahmanya—1163, 3139, 208A.  
 Sakhananda—4491.  
 Sakhtankar V.—2504, 3323a, 3780,  
 3782, 4114b, 4495, 5233.  
 Sumangala—2195.  
 Sunavala A.—4137.  
 Sundardasa—2202.  
 Sundaramayyar K.—4263, 4265,  
 4232.  
 Sundarsuri—79.  
 Suraj nalla—433.  
 Sura N.—2723.  
 Swarosp L.—147A, 2237 to 39,  
 4209.  
 Sweet H.—5438.  

T

 Tagore R.—4876.  
 Tagore S.—23A, 5069, 5386.  
 Talekar R.—153A  
 Taraporewala J.—4994.  
 Tarkhalankar C.—230.  
 Tarkasidhanta H.—4460.  
 Tarkavagish P.—1205.  
 latke—3299.  
 Tattwabhusana S.—190A., 1345,  
 2949, 2959, 3076, 4576  
 Tawney O.—990, 2631.  
 Taylor—2634.  
 Telang—2986, 3082, 3457  
 Telang K.—93.  
 Telang M.—3346, 5095.  
 Telang R.—1863, 2995  
 4170, 4705.  
 Telwala M.—2268, 3055, 3278,  
 5103.  
 Thakore V.—4519.  
 Thibaut—280, 465, 4294 & 95,  
 4702.  
 Thibaut C.—1700  
 Thibaut H.—204.  
 Thomas—203

Thomas E —838 2878, 3388, 4316

Thomas F —2837, 3501

Thomas T —1057.

Thomas & Winternitz—1336

Thompson & Spencer—2899

Thornton E —5128

Tilak B —377 965, 1431, 2080a, 4306

Tilak V —3001

Todaar Mall—3318a

Trimallabhatta—2933

Trimbak S —72

Tripathi M.—2067 4277

Tripathi T —4530

Trivedi—5185

Trivedi K —2602, 2607, 3156, 4339

Tuffnell R —5381

Tulasi—1911-48

Tuxen P —1896

## U

Udayaram—2679

Uhlenbeck O —238A, 5165

Ui H —4361

Underhill M —5408

Unwin S —121A

Upadhyaya C —14A

Upadhye N —2860

Urdhwaresha W —2587

Utgikar N —559, 885, 1029, 1037, 1551, 3131, 3316a, 4163, 5168

Utpaladeva—158

## V

Vachaspati —3196

Vagbhatta—3681

Vaidya C —214, 932, 1837, 3313 3317, 3527, 3312, 5119, 5186, 5193

Vaidya L —5154

Vaidya P —18JA, 4545, 5053

Vaikhnasa—4325

Vallabh—14

Vallabson—56

Vaman—1211

Vamanbhatta—4323

Vambery A —5187

Vausudhara—8A

Varadaraja—1234, 1923, 4588

Varahamihira—2916

Varma S —240A, 4734

Vararuchi—2678

Vasu H —4583

Vasudeva—2845

Vaze B —5121

Veins A —4291

Velaunkar H —1173, 1400, 2853

Veniprasad—2009

Vidyabhusam A —1752, 4248

Vidyabhusana K —4332

Vidyabhusana S —158, 176, 182, 1933, 2339, 2355, 2369, 2432, 2862, 3739, 5189, 5444 5454

Vidyasanth—2608

Vidyasidha G —1233

Vidyaranya—4712

Vidyaratna H —16

Vidyaratna K —557

Vidyaratna S —1690, 5268

Vaidaratna T —1280

Vidyasagara J —155A 743, 1640,

Vidyavinoda—3533, 3729

Vihardial—4253



- Vijnanand—2090  
 Vijayarajendra—162  
 Vishnuprasad—4226  
 Vishveahvara—1036  
 Vivekarand—13, 134A, 1013 -  
 3054, 4037,  
 Vogel J—139, 541, 1803  
 Vyankatadhatta—2693  
 Vyankatnath—3086.  
 Vyankatram H—1154  
 Vyankataraman S—4655, 4990  
 Vyankatratna M—1046  
 Vyankatratna S—4653  
 Vyasa—7  
 Vyasaraja—2373, 3547  
 W  
 Wackernagel J—233  
 Waddell A—170A  
 Waddell C.—13A  
 Waddell L.—41A  
 Wadekar D—3053  
 Wahab—3116  
 Wallesser—143, 199A  
 Wallesser D—2718  
 Walle ser M—1797, 1836, 2702  
 Walter—5360  
 Ward N.—1039  
 Warren H—2381  
 Warrers T—10A  
 Webb W—1020  
 Weber A—95A, 103A, 234A,  
 1343, 4065c, 4172, 4789, 5440  
 Weir T—262  
 Weller H—2879  
 Wessely—471 to 474  
 Wheeler J.—4549  
 Whitehead—1064, 4212  
 Whitney W—28, 30, 35, 488  
 969, 1965, 3394a, 3994  
 Widgery A—223  
 Wigram W—1375  
 Wilmshurst—3132  
 Wilkins C—3114  
 Wilkins W.—5395  
 Wilkinson—3113  
 Williams M—205A, 515, 2188,  
 4515, 5144A, 45  
 Wilson H—261, 924, 4849, 4991,  
 5162  
 Wilson & Cowell—4192  
 Windisch E—5462  
 Winteritz M—132, 4236, 5112  
 5439, 5441  
 Woodroffe J—578, 1371, 3210  
 4073, 5002  
 Woods J—3677  
 Woolf H—1976  
 Woolner A—203, 572  
 Wortham B—915  
 Wortham H—4467, 5376  
 Woodward F—2567, 2879  
 Y  
 Yamakami S—4983  
 Yates W—1506 5163  
 Yevtio P—1016  
 Yogishastri—4036  
 Yngalkishor—860  
 Z  
 Zachariae T—122, 523  
 Zimmermann R—837

## SUBJECT INDEX

### ALPHABETICAL (SANSKRIT)

*Nos with A denote the book in the ADDENDUM.*

#### अलंकार (Rhetoric)

- अलंकार कीसुत्रो—218.  
 अलंकार कौस्तुभ—219, 220.  
 अलंकार चन्द्रिका—221.  
 अलंकार प्रदीप—222.  
 अलंकार मणीहार—223.  
 अलंकार निरुक्त—225.  
 अलंकार शास्त्र—226.  
 अलंकार छेदर—227, 228.  
 अलंकार सूत्र—229, 230.  
 — ancient history of—890.  
 वाचस्पतिकार of भामह—250A.  
 काविकल्पलता—1047.  
 काव्यप्रसाक—1163-84  
 काव्यमामोला—1200  
 काव्यादर्श—1203-06  
 काव्यानुसङ्ग—1207 & 08.  
 काव्यालंकार—1209  
 वाचस्पतिकारसारसंग्रह—1210.  
 वाचस्पतिकारसूत्रवृत्ति—1211-13.  
 वाचस्पतिकारसंग्रह—1214 & 15.  
 कुरूपमानन्द—1275-78.  
 चित्रमीमांसा—165 & 3154  
 चन्द्रालोक—1675.  
 अमरसिंह—1699.  
 ज्ञानकाशतत्त्व—1746  
 प्रतापछन्दसिंह—2603.  
 प्रतापछन्दसिंह—2607  
 सुतापलीहमपित—3463.  
 रत्नमाला—3745&46.  
 रत्नमाला—3748-50  
 रत्नमाला—3755-57

- रत्नमाला—3760.  
 रत्नमालासूत्र—3764.  
 अलंकारसंग्रह—3961 & 63.  
 कौस्तुभ—4065.  
 कौस्तुभ—4065d.  
 कौस्तुभ—4390.  
 व्यासविशेष—4397.  
 सरस्वतीकामरूप—4823.  
 साहित्यदर्पण—4920-25.  
 साहित्यसंग्रह—4928 & 29.  
 सिद्धान्तसंग्रह—4953.  
 History of अलंकार lit.—5460.  
 अर्थशास्त्र (Politics)  
 Interstate relations—556.  
 Is अर्थशास्त्र Secular—579.  
 कीदृश्य अर्थशास्त्र—198-202, 1815-18.  
 काव्यसंग्रह — —2837.  
 वाचस्पतिकार—1638-40.  
 Diplomatic Theories of anc. Ind. &  
 अर्थशास्त्र—1833.  
 Political Institutions—2550.  
 कीदृश्य Cultural linguistic gleanings  
 —1029.

#### Art & Archeology

- Akbar's tomb—6.  
 अमरसिंह—154.  
 Archeological Survey of India  
 Annual report etc.—1904-10, 20,  
 24A, 136, 362 in 367.  
 Aśoka Inscriptions—547 & 48  
 अशोक के प्रशस्ति—254A.

Ages of East Ind. Archt.—886.  
 Ancient & Media Indian Archt  
 —910  
 Indo-Sumerian seals deciphered—41  
 Corpus Inscript Indicarum—1143  
 Relics Archaeological—1383  
 खोद Incriptions—1432.  
 गुप्त Style of architecture—1502  
 गौरीदेवमाला—1543  
 Temple of विजय—1798  
 Tile mosaics of Lahore—1803  
 Two Sk. Incriptions—1817  
 A computation of Hindu Dates in  
 inscriptions—81  
 Translation of various inscriptions  
 found among the ruins of विजय-  
 नगर—120A  
 Dictionary of Hindu Archt—1832  
 लखनवा Excavations—933  
 लालमाला—1929  
 Paleography—2503 04  
 Pallava Architecture—2505 & 06  
 Port-folio of architectural—2552  
 प्राचीनदेवमाला—2697  
 प्राकृत & सप्तम Incriptions—2634  
 Barhut Incriptions—207  
 Mohammadan archite —333b & 37  
 Modern Indian architecture—3367  
 Varieties of विष्णु image—3533  
 पत्तेश्वरपुर—3543  
 Mogul Color decoration—3514  
 Museum at Saranath—3574  
 — Sachhi—3575  
 — Muttra—3576  
 Review of Architectural work—  
 3834  
 देवायदाले—4014

Verendra R Society's Monograph  
 4069  
 Village Woods of South India—4212  
 Incriptions of लखनवा—4429  
 शिल्पकला—4558  
 शिल्पकला—4569  
 समग्रकला—4791  
 South Indian Incriptions—4838  
 Selections from Sk Inscript—4992  
 Handbook of Indian Art—5352  
 History of Architecture—5454  
 History of Fine Art in India &  
 Ceylon—5430  
 Humpt ruins—5488  
 Anthropology & Ethnography  
 Indo Aryan—503  
 Indo German—501  
 Ethnography—931  
 First outlines of a systematic An-  
 thropology of Asia—2782.  
 Lectures on Ethnography—4035  
 Indo Germanic Asia World Con-  
 templation of—4071  
 South Indian Guilds—4837  
 Alphabets  
 Aryag Origin of—13A  
 Indic—494  
 Tables of old & new Indian—1796  
 Origin of Indian Brahms—26A.  
 Antiquity  
 Antiquity of लखनवा—137  
 , लखनवा—138  
 लखनवा—139  
 लखनवा—140  
 , Indian Tibet—141.  
 , Hindu Medicine—3A  
 169c

पहल Antiquities--166A

इतिहास (History)

Hindu Iconography--464

अद्वैत रामायण--55

Early Hindu Civilization--7A

Admi Sys of Marathas--12

Alexanders Empire--232

Our Tertiary Indo Aryan--17A

आर्योना शतद्वयस in पुराणा--15A

India early history--212

शतद्वयस रामायण--436

Intercourse-India &amp; Western world--504

Intro to the Study of--573

Peep into early history--655

Aryans Iranians etc--891

Indo-Iranians early hist--212

India Alberuni--231

In rod to पेशवा diaries--50A

Historical traditions--902

Evolution of Aryans--35A

Economic development--919

Economic life--914

Irana--919

Orissa in Making--9-6

Haidiyat, History--1302

चन्द्रबुद्ध वंश--1667

इतिहासपत्रिका--1780

Text book of Ind Hist--1800

Decisive battles of India--127A

Down fall of Hindu India--1887

हृदयसिद्धिरामायण--1911-46

रामायण--2021

Nat on in mal ing--2291

Picture Ramayana--2008 1\*

History peep in--2313

दृष्टिगत रामायण--2300

Forgotten Empire--2785

Fiscal admi under early Colas--  
2790

Bombay in XI century--2823

Nineteen books of महाभारत--2852

ब्रह्मपुष्पणम--2853

Bengali Ramayanas--2898

Br ta h beginnings in western  
India--3005

भारतीय साम्राज्य--3213

महाभारतव्या इतिहाससचि साधने--3302

शिवकालीन वरणां--3303

Maratha history the main currents  
--3303a

Maratha history rise of-- 3304-

महाभारत विवाद पर--3315 &amp; 16 a

— सद्योग--3316

— abridged--3317 33

— Critical ed--1372

महाभारत Glories of--1592

माजदर सरदेसाई--3423, 217 A

Medra, Babylon &amp; Persia--3526

Medieval India under Muham-  
madan--3527

Medieval Hindu India--3528

Memoirs of जहांगीर--2531

Makers of Civilization in Race and  
History--169Aa

Mogal administration--3545

Rajputs early hist--214

राजतरंगिणी--3728

रामायणमाधुरी--1483

रामायण--3528-50

रामायण--3863

रामायण--3938

Later Hindu Civilization--4046

Later Mughals--4047

- Local history of Poona—4049  
 वाल्मिकीरामायण—4113  
 विराटपर्व—4163  
 Vaishnava sect early hist—215  
 Vaishnavism Sou Ind early hist—216  
 शिववादीन जय—4560  
 शिवचित्रप्रदीप—4563  
 शिवउत्पत्ति—4566  
 शिवजी—4596 & 97  
 शीरगहा—4619  
 शङ्कराचार्य—4650  
 श्रीहप of कनोज—4717  
 सनदा s & letters—4782a  
 South India & her invaders—4840  
 Sangali State—4842  
 Selections from ब्रह्मभारत—4993  
 Some aspects of history of Nathas—5108.  
 Some Contributions of South India—5109  
 सज्जित वाल्मिकी रामायण—5119  
 सङ्गत बाह्यमार्ग प्रतिसा—5186  
 स्यद्धंवि सचि—5215  
 Story of Sattara—5250  
 हरिवंश—5335  
 हप & his times—5340  
 Hindu Colony of Cambodia—5385  
 Hindu Gods & heroes—539  
 हिंदुपद्मादशाहि—5396  
 History of Aryan rule—5425  
 — of British India—5427&28  
 — India from कविद to बुद्ध—5436  
 — of India—5437  
 — & Criticism of महाभारत—5450  
 — of the mal'rattas—5451.  
 — of maratha people—5452.  
 — Mediaeval Hindu India—5453.  
 — Origin & expansion of Aryans—5456  
 — of रत्न—5466  
 — of Hindoostan Sanskrit & Classical Indian Antiquities—245A  
 Historical gleanings—5467  
 — sketches of anc Deccan—5471.  
 — Record Commission—5473  
 On India  
 As known to ancient World—502  
 — Old & new—503  
 — For Indians—505  
 — In XVII Century—506  
 — By Steel—507  
 — Artiquary—508  
 — Architecture—509 & 10  
 — Art & Artcraft—511  
 — Buddhist Iconography—512  
 — Chronology—513  
 — & foreign Chronology—514  
 — Colony of Champa—516&17  
 — Colony of Siam—518,  
 — Cambodia Cultural influences—524  
 — Ideals in Education—525  
 — Literature abroad—526  
 — Mythology—530  
 — Painting—531 & 32  
 — Paleography—533  
 — Pandits in the Land of Snow—534  
 — Serpent Loro—541.  
 — Teachers in China—544

- Wisdom—545.
- Art & physique—564 & 65
- Is India Civilised—578.
- India's Past—654.
- Peoples—656.
- Primitive Culture—657.
- Religion of—658.
- Renaissance—659.
- Architectural review—660
- Rural problems—661.
- Short history—662.
- Ancient—894 to 939, 1144
- Chronology of—1368 & 69.
- as described by Ptolemy  
—64A.
- as described by मेघादूतसिंह &  
— भरत—63A.
- Kamala lectures on Indian  
Education Religion, Philo  
sophy—1000 to 1009.
- And Mid Indian-Ksatriya tribes  
65A.
- Ancient Hindus on the weapons,  
army organisation etc.—66A.
- Town planning—1835
- Theory of Govt—2009.
- Theism in—2012
- Medieval Theism in—2013
- Thoughts on—2020.
- Dravidian—2106 & 07.
- Peoples of—2314.
- Political History of—2551.
- Prehistoric—2730.
- Pro. musliman—2731.
- Primitive Culture of—2733
- शिल्पशास्त्र principles of  
—2733.
- Poetry foundations of  
—2739.
- Antiquities photographio  
Negatives—2809.
- Golden legend of—1532 &  
93.
- Indian Classics gleanings  
from—1591.
- Myths & legends—3427.
- Mythology of Aryan nations  
—3525A.
- Method of Aryan research—3536.
- Religions—3874.
- Literary history of—4009.
- — Men & thought—3537.
- — economic Condition  
—4034.
- — local Govt in—4051
- — witchcraft—4135.
- — woman in—4235.
- — Sources of Law &  
Society in—5079.
- Short Hist of from earliest  
to present day—4546.
- — . hollanism in—548.
- Hindu Polity—5403.
- Hindus ancient on weapons etc  
—5411.
- उपनिषद् (Upanisad)
- अद्वैतभव, कटुप, तारु, शीत—55.
- अथर्वण—23.
- आयुर्वेद—17.
- अमृतानन्द & शिखर—183.
- अष्टाविंशत—261.
- अष्टाविंशत—269.
- अष्टोत्तरशत—277.
- ह्रि—438-39

ईशावास्य वेद & सुण्डक—450.  
 ईशानेनवदमभ्युदयान्दुषयानन्दलीङ्ग—451.  
 ईश, वेन, वठ, यस्त सुण्डकमान्दुषय—452  
 ईशानेनवद—453  
 ईश, वेन & सुण्डक—454  
 ईश, वठ वेन सुण्डक, माण्डूक्य, तैत्तिरीय  
 ऐतरेय & श्वेताश्वतर—52A  
 Eleven अथर्वण—463.  
 शिवायनिसूक्त & द्विती—53A.  
 Upanisads—766.  
 — Minor—769. 3394 & III  
 उपनिषद्प्रकाश—767.  
 उपनिषद् Transl. into Engl with a  
 preamble & arguments—53  
 उपनिषत्प्रकाश—771 & 72  
 उपनिषद्शतसूक्त—774.  
 Upanisat Series—773.  
 Upanisad Philosophy Constructive  
 Survey of—997.  
 Upanisads Wisdom of—4234.  
 वाचक—1067-1076  
 वेन—1290-97  
 वैदिक—1203.  
 वीर्य etc —1322  
 वीर्यवती & वैरी—1324  
 छन्दोग—256A 1687-94  
 Twelve princip'es—1815  
 तत्त्वकार इव —1886-88.  
 तैत्तिरीय—1951-62  
 Thirty minor upanisads—2018  
 देव—2055-58  
 वासय—2230 & 31.  
 वसिष्ठ वृत्ता—2318  
 प्रत्य—2655a & 56.  
 Principle twelve Upanisads—2740  
 Four Upanisads—2808  
 गुरुश्रवण—2901-09.

वद वा भाष्यवर्ति—2911  
 ब्रह्मोपनिषत्प्रकाश—200 & 02  
 महाभारत—3311  
 माण्डूक्य—3370-72.  
 सुण्डक—3474-78  
 वैश्व—3542.  
 योग—3663  
 रामतापनीय—3813  
 श्वेताश्व—4267.  
 ईश—4646.  
 श्वेताश्वतर—4734-36  
 वसिष्ठ—4761.  
 पौंडरीकविद्या—4763.  
 छाया—4904  
 संपात—5102.  
 सत्यवर्ति—5104.  
 कथा (Folk-lore,  
 अन्न—91.  
 अन्नपूर्ण—94  
 भान्तिमुद्रा—238  
 इन्द्रावर्ति—437.  
 Epic Mythology—475  
 इन्द्रावर्ति—753.  
 Enchanted Parrot—915  
 Ocean of Stories—963.  
 Orient Pearls—966.  
 कथावर्ति—990  
 कथावर्ति—995 & 96.  
 इन्द्रावर्ति—1282.  
 चाणक्य—1636 & 37  
 तैत्तिरीय Tales of Parrot in the  
 Hindustani Language—132A.  
 पञ्चतन्त्र Transl into Engl—181.  
 पञ्चतन्त्र—2559-71.  
 प्रत्यक्षितान्दुषय—2631.  
 Folk tales of Hindustan—2807

बृहत्संहितासंग्रह—2914.  
Bharata Readings—3211.  
Rama legend—322.  
विजय's Adventures—4121.  
वेतालपञ्चविंशति—5247 & 18  
शुद्धसप्तमि—4621.  
शुद्धसप्तमि—4622.  
सत्यनारायणकथा—4777-79.  
इत्तालेनाथ—5430.  
हितोपदेश—5407-80.  
Linda Tales—5410

### कर्म (Ritual)

अग्निम—10.  
अग्निहोत्र—11.  
अन्याग्निहोत्र—22  
आहोमसकथा—97.  
आचारधर्मिका—300  
आचारधर्मिका—303.  
" मन्त्र—34  
" मन्त्र—305  
" एत—306  
" अहं—307.  
" ह्रीं—308.  
आचारधर्मिका—310.  
आचारधर्मिका—328  
आचारधर्मिका—333  
" चन्द्रिका—339.  
" प्रकाश—310.  
" शुद्धसप्तमि—311.  
" शुद्धसप्तमि—312, 343.  
आचारधर्मिका—401.  
अन्याग्निहोत्र 2 मन्त्रसप्तमि—56A  
अन्याग्निहोत्रसप्तमि—723  
कर्मधर्मिका—351.  
कर्मधर्मिका—1012  
Karman the conception etc—1016.  
कर्मधर्मिका—1088

कर्मधर्मिका—1089  
कर्मधर्मिका—1690.  
कर्मधर्मिका—1093  
कर्मधर्मिका—1226  
कर्मधर्मिका—1251  
कर्मधर्मिका—1340 & 11.  
कर्मधर्मिका—1456  
कर्मधर्मिका—1487.  
कर्मधर्मिका—1544  
कर्मधर्मिका—1544.  
कर्मधर्मिका—1573  
कर्मधर्मिका—1776  
कर्मधर्मिका—2036.  
कर्मधर्मिका—2038  
कर्मधर्मिका—189A  
कर्मधर्मिका—218J.  
कर्मधर्मिका—2190.  
कर्मधर्मिका—2426  
कर्मधर्मिका—2410 n  
कर्मधर्मिका—2441  
कर्मधर्मिका—2440 & 47.  
कर्मधर्मिका—2449.  
कर्मधर्मिका—289  
कर्मधर्मिका—2415  
कर्मधर्मिका—2512.  
कर्मधर्मिका—2524 & 25  
कर्मधर्मिका—2546.  
कर्मधर्मिका—178A  
कर्मधर्मिका—2546.  
कर्मधर्मिका—2614  
कर्मधर्मिका—2611  
कर्मधर्मिका—2614  
कर्मधर्मिका—2741.  
कर्मधर्मिका—2615 & 46  
कर्मधर्मिका—2944-46  
कर्मधर्मिका—3166  
कर्मधर्मिका—3773



रामचन्द्रिका—3853  
 रत्ननादति—3837  
 रत्नसमन्वय—3972  
 रत्नसमन्वय—4077.  
 वरद्वयप्रभ—4067 a  
 वृत्तसंभव—4312  
 शक्तिप्रभ—4640  
 आदिकविसुक्ति—4673  
 आदिकविसुक्ति—4673  
 आदिकविसुक्ति—4674  
 आदिकविसुक्ति—4675  
 सारांशमीमांसा—217A

### कामशास्त्र (Erotics)

अनुरक्त—1A, 88-90  
 Indian Erotics—921  
 कामभूषण—1114 & 15  
 कुचिमरतम—1243  
 कुचिमरतम—1245  
 कन्दर्पकुचमणि—1327  
 Tantric order with several Sexual  
 Illusions—1924.  
 नगरसंस्कार—2109  
 पञ्चतन्त्र—2594  
 प्रेमसागर—2743  
 प्रेमसागर—2743  
 रत्नवीरसुन्दर—3736  
 रत्नवीरसुन्दर—3738  
 रत्नवीरसुन्दर—3 30

### काव्य (Poetry)

अमृतसुन्दर—2  
 अमृतसुन्दर—3  
 अमृतसुन्दर—185, 186  
 अमृतसुन्दर—189  
 रामायण—अमृतसुन्दर—192  
 ,, महामय—193  
 अमृतसुन्दर—221  
 अमृतसुन्दर—225

आनन्दप्रभ—370  
 अमृतसुन्दर—373, 380  
 आनन्दप्रभ—381.  
 आनन्दप्रभ—383 & 384  
 अमृतसुन्दर—761  
 अमृतसुन्दर—790  
 अमृतसुन्दर—867 to 873  
 अमृतसुन्दर—988  
 अमृतसुन्दर—991, 992  
 अमृतसुन्दर—1005.  
 अमृतसुन्दर—1024  
 अमृतसुन्दर—1034

अमृतसुन्दर—1018  
 अमृतसुन्दर—1044 & 53  
 अमृतसुन्दर—1046  
 अमृतसुन्दर—1057  
 अमृतसुन्दर—1142  
 अमृतसुन्दर—1163  
 अमृतसुन्दर—1185  
 अमृतसुन्दर—1186  
 अमृतसुन्दर—1187-99  
 अमृतसुन्दर—1201  
 अमृतसुन्दर—1201  
 अमृतसुन्दर—1229-40  
 अमृतसुन्दर—86A, 1256-73  
 अमृतसुन्दर—1281  
 अमृतसुन्दर—1307  
 अमृतसुन्दर—1308  
 अमृतसुन्दर—1319

अमृतसुन्दर—1316-48  
 अमृतसुन्दर—1354  
 अमृतसुन्दर—1355 & 56  
 अमृतसुन्दर—1357-61a  
 अमृतसुन्दर—1362.  
 अमृतसुन्दर—1425  
 अमृतसुन्दर—1453  
 अमृतसुन्दर—1454

ग्यासप्तशती—1471.  
गीतगोविन्द—1486-90.  
गीतेशतक—1500.  
गुरुवंश—1510.  
गीरीस्वयंवरमञ्जरी—1556.  
गंगावतरणम्—1557 & 58.  
गंगालहरी—1560-62.  
चारुचर्चा—1646.  
चौरपाञ्चाशिका—1660.  
चन्द्रीकचपञ्चाशिका—1665.  
चन्द्रप्रबचरीतम्—1668.  
जगन्नाथचरितम्—1697.  
जायन्तविजय—1707.  
जानकीधरणचामरम्—1739.  
जानकीपरिणय—1740.  
जानकीहृरण—1741-43.  
जिमचर्चुर्विशतिका—1745.  
तापराशिक—1928.  
सिलकमंजरी—1931a.  
इषदलम्—2034.  
इशकुमारम्—2039-48.  
इशान्तारचरित्र—2054.  
इजलीका—2065.  
इलीरामकथासार—2085.  
इयान्प्रकाशम्—2112 & 12a.  
यमराजम्—2144.  
महेश्वरिजयम्—2170.  
महाराष्ट्रानन्द—2175.  
महाराष्ट्रणीय—2176.  
महाराष्ट्रम्—2185.  
महोदय—2186 & 87.  
महोदयान—2188.  
महाराष्ट्रम्—2192.  
महामाहासटीका—2195.  
मीतिधनम्—2271.  
मीतिराज्याष्टम्—2274.  
मीति धनम्—2276-82.  
मेदिनीनाम्—2292.

भक्त्य—152A, 2298-2305.  
Notes on खुवम् ix, x--157A.  
पञ्चलीचरित—2383.  
पञ्चदश—2433 & 34.  
पञ्चलपञ्चतपहणालयान—165A.  
पाण्डवविजय—2442.  
पुष्पनाथविजय—2530.  
पञ्चस्तरी—2535.  
प्रबोधसुधाकर—2636.  
प्रसंगभरण—2662.  
प्रसन्नप्रवचन—183A.  
मीचान्प्रकाशम्—2698.  
प्राणाभरणम्—2700.  
Birth of War God—2822.  
बातभारत—2832.  
विन्दय—2841.  
बृहत्कथामञ्जरी—2913.  
बृहत्कथामञ्जरी—2971.  
भगवत्पादाभ्युदय—3152.  
भट्टिकाव्य—3154-59.  
भामिनीविजय—3198-3201.  
भारतमञ्जरी—3208-09.  
मावन्तक—3222.  
भोजप्रकाश—3251 & 52.  
महाराष्ट्रियसारसप्त—3343.  
मुकुन्दमाला—3467.  
मुकुन्दप्रकाश—3469.  
मुक्ताञ्जलि—3471.  
मुक्ताञ्जलि—3472.  
मेघदूत—226A, 227A, 3503-18.  
मेघसंदेशमिर्ष—3519.  
यात्राप्रवच—3636.  
यात्राम्युदय—3637.  
खुवम्—3696-3717.  
खुवम्—3718.  
खुवम्—3721.  
खुवम्—3747.  
खुवम्—3769.

एसिडरजन—3770  
 रङ्गशेखरशतकम्—3732  
 राघवाष्टकम्—3786 & 87.  
 राजेन्द्रवर्णपुर—3795.  
 रामवृष्णविलोम—3798.  
 रामायणधर्तरी—3851.  
 रावणार्जुनवि—3860.  
 राघोदश—3867  
 राघवसप्तम्य—3868.  
 राघवीराष्टकम्—3975  
 रघुपाठवच trans—4023.  
 Lays of ancient India—4045  
 वसन्तार्जुन—4082.  
 विद्वत्शालभञ्जिका—4156.  
 विष्णुभक्तिकल्पलता—4197  
 वैराग्यशतकम्—4345-50  
 शतवर्षी—4461-67.  
 शङ्खपर्व—4540 & 45.  
 शिवकाव्य—4561.  
 शिवपरिणय—4575  
 शिवलीलावलि—4580 & 81  
 शिवपाठवच—4601-10.  
 शैवपाठशतिका—4636  
 शृङ्गारशतकम्—4660 & 62  
 शृङ्गारशतकम्—4668 & 69  
 शिवशतिका—4678  
 श्रीकृष्णविलासकाव्य—4685.  
 श्रीजयनगरपञ्चमंगल—4692  
 श्रीरामायणशतिका—4705.  
 रामायणशतिका—4738 & 39  
 सज्जनशतिका—4767  
 सद्गुणशतिका—4773  
 समयमातृका—4791.  
 समयोचितपद्यमातृका—4795  
 सङ्गग्रह—4835.  
 सङ्गग्रहावलि—4836.  
 सुन्दरीशतकम्—5003.  
 सुन्दरीशतिका—5004

सुमन्तहरण—5012.  
 सुभाषितविशति—5015.  
 सुरभोक्तव—5029.  
 सुलभोक्तव—5036.  
 सुखोक्तव—5037  
 सुचितसप्त—5040.  
 सेतुबन्धमहाकाव्य—5055  
 सौमन्धिकाहरणम्—5083  
 सौन्दर्यानन्द—5086  
 सप्ततन्त्रावलि—5132.  
 सप्तमृत शानेवर्षी—237A.  
 Sanskrit Poems of Mayura—5175  
 स्तुतिशुभाषित—5200  
 म्यानन्दपूज्यशतिका—5217.  
 स्वातन्त्र्यशतिका—5243  
 हरिहरितामसावलि—5330  
 हरिविजय—5334.  
 हरिहरशतिका—5337  
 हर्षचरित—5341 - 47  
 Hindu Poetics—5402.  
 Hist of Sk. Poetics—5463 & 64.  
 हस्तसन्देश—5489

### कोश (Dictionary)

अनेकार्थशतिका—121.  
 अनेकार्थ सप्त—122 & 28  
 अनेकार्थ समुच्चय—124  
 अभिधातुविमर्श—157.  
 अभिधानाचेन्तामणि—158  
 अभिधानपरीक्षा—159  
 अभिधानरत्नावलि—160 & 61  
 अभिधानराजेन्द्र—162.  
 अमर—171 to 180.  
 अमर सार—181.  
 अमरटीकाशतिका—182  
 अर्थमार्ग—195.  
 Eng. Sk.—467 & 68.  
 Eng. Mar.—13A, 469  
 Eng. Tibetan—470

Eng French vice versa—471  
 Indian Dictionary—523  
 एकाक्षर—331 & 82  
 कलशकुम्भ—1038  
 Classical Dictionary—1379  
 गीत पद्यकुसुम—1409  
 Telugu Eng—1949  
 Dictionary of Rig Veda—126A  
 Dictionary of the mixed dialects  
 & foreign words—125A  
 विद्याव्यास—1986  
 देवकीय—2087  
 विष्णुकोश—2118  
 शतसप्तसहस्र—143A  
 नाम रत्नाकर—2215a  
 निरुद्ध & निरुद्ध—2237-10  
 न्यायकोष—2314  
 पञ्चमहाविद्या—2387  
 Pali Eng Dict—2494  
 महानिबन्धसंग्रह—2927  
 मराठी Eng Dict—3301  
 मेदिनी—3520  
 विश्वकोश—4216  
 Vocabularies ब्रह्म, संहिता & वायना  
 —1423  
 बह्मभूषण—4478  
 बह्मसंहिता—4490  
 शतधातुसंग्रह—1121  
 आश्वमेध—1557.  
 श्रीतन्त्रविनिर्घटन—4728  
 संहिता—5131  
 Sk Eng Dict—5114-51  
 संहितासंग्रह—5169 & 70  
 Sk Wordbuch—5183

कैलश (Catalogues)  
 — of B B R A S—1339  
 — Yearly—1390  
 — Mes in Central Library  
 Baroda—1351  
 — Provincial Cabinet of coins  
 —1335  
 — As un—1386  
 — Lucknow—1387.  
 — India office Library—1388  
 — Imperial Library—51A  
 — Indian drugs—1339  
 — Ms in जैनमन्दिर—1393  
 — Oriental Library—1394  
 — Catalogues—1335  
 — Sk Mes in R A S—1396  
 — — in Lajpore Uni—1337  
 — — in Mysore & Koorg—  
 1334  
 — — in Bikaner—1399  
 — — in Adyar Libr—1829  
 — — existing in Oudh—  
 93A, 96A  
 — — contained in private  
 libraries of Gujarata  
 hathiaw r, et al Oudh  
 & Kuntalush—94A  
 — Sk & Pali books in British  
 Museum—1401  
 — Copper Plates & Inscriptions  
 in Varanasi R S—1830  
 List of संहिता & शतसप्तसहस्र—2729  
 संहितासंग्रह—1765  
 संहितासंग्रह—5140  
 Sk Prkrit Mes in the Adyar  
 library—5171  
 — — in the Royal Library  
 of B r m—95A  
 — — in the Adyar lib—181A

Index

गीता (On Gita)

- Atlas Antiquae, twelve maps relating to Ancient Hist —38A.
- मनुस्मृति with the map of मयातिथी—39A.
- Sixty-two Mss. Volumes deposited in the Oriental Mss Library —40A.
- S B D —132.
- अथर्व—458.
- अथर्व—489
- वैदिकभर्तृहर—490
- वाङ्मय—491.
- Indische Sprache—492.
- महाभारत—493 & 94.
- पाणिनीय—195
- Hymns in रामायण—496.
- श्वर भाष्य—497.
- Indian antiquary—498.

On Coins

- अवधूत—213 45
- अत्र—98.
- इतर—157.
- Introd to—559 & 60.
- Intro to the study of—1484
- Essays on —70A
- इतर—726 to 29
- गणक—1142, 43, & 44
- रामायण—1491.
- & Gospel—1493
- तारक्य—1495
- वाक्—2217.
- पाण्ड्य—2440.
- पञ्चरत्न—2583 86.
- of मन्वाचार्य with दशक—1497.
- मन्वा, ताम्रपुराणिका—3002
- मन्वागीता—3043-3147
- रत्न—1493.
- राम—3800 C5.
- Lectures on the study of —1032
- सिद्ध—4564 & 65

दम्प

- आनन्दसिंह—314.
- आनन्दसिंह—335.
- अनवर—730 32.
- तेपालचम्पू—1520
- चम्पूभारत—1677.
- चम्पूभारत—1678.
- मैत्रेयसिंह—2235 & 86.
- मैत्रेयचम्पू—2311
- परमेश्वर—2497.
- मैत्रेयचम्पू—7193
- मैत्रेयचम्पू—3276
- मैत्रेयचम्पू—3579
- रत्नाचम्पू—3722

- Currencies of Hindu States—1020.
- Musical and numismatic—3567.
- Ancient Indian numismatics—4041
- Hints for coin collections—5341.
- Hist of studies in Mughal numismatics—5170

राधामाधनविलास—3796,  
विश्वगुणावर्षचम्पू—4187-  
वेमभूपाळचरित—1323 & 24.  
शृङ्गाररसमण्डनम्—4664 & 65  
शृङ्गाररसमण्डनम्—4670  
शृङ्गाररसमण्डनम्—4671.  
श्रीनेत्रासचम्पू—4693 & 94.  
संस्कृतमयपाठवर्णिका—5134  
संस्कृतमयपाठवर्णिका—5135  
इलास्यचम्पू—5366.  
चरित्र (Life)  
शकचर—4  
श. चार्पा—309,  
एकनाथ—876 & 77.  
कबीर A sketch of his life—74A  
गुरुपापराचरित्र—1505  
गुरुगोविन्द Sketch of his life —10A  
गीतगोविन्द—1545  
चित्तम्पू His life & teaching—102A  
जिनगीचर—5.  
Three great Acharyas—2014  
दशकुमारचरितम् or the Ten Princes  
transl into Engl.—135A.  
द्वारिहासपुष्पलिकासिंहासन—2113  
Notes on हर्षचरित—159A.  
शृङ्गाराचर—2599  
प्रतापसिंह—2609  
बहाळ—2824  
मर्तुहरि A classical essay on the life  
and writings—210A  
मध्वाचार्य—3287.  
मनोरमाधन—3299  
Memoirs of the life of Sir William  
Jones—3529.  
रत्नशेखर—3727.  
रविन्द्रनाथगोस्वामी—3743  
रजशेखर—3793

रामचरित्र—3806-09.  
रामदासस्वामि—3814.  
रामदासचार्य—3826  
Life of Human Tsang—3993  
Life of रामकृष्ण—3995.  
— रामदासचार्य—3996  
— स्वामिदिवेकानन्द—3997  
— शं सागरकर—3998-  
Light on life—3999.  
शकचरचार्य his life and times—4652.  
शकचर his life—4680-83.  
स्वामी रामतीर्थ his life—5245.  
Journals, Periodicals, Reports  
— of the Anthropological Society.—113A, 1711  
— of the American Ori Soc Vols 14—112A  
— of the Depart of letters—1712.  
— of the Ind Inst of Philo-  
sophy—1713.  
— and text of the Buddhistic  
Society of India—114A.  
— of R. A S of Great Britain  
1790  
जैनसाहित्यसंशोधक—1763  
Report of Sk. Mas—3881-83  
Last of Sk. Mas—4011-15  
Centenary Memorial Vol B B H  
R. A. S.—5063.  
Centenary supplement to the Jour-  
nal of R A S—5064 & 65.  
Proceedings of the American  
Oriental Society 1888 & 89.  
—185A.  
Oriental Conference reports—235  
Annals of Rajasthan—134  
— Bhandarkar Institute—135.



- धर्मदत्तकथा--2135.  
 धर्मरत्नकराट्ट--2140.  
 धर्मरत्नसञ्चय--2141.  
 मरुमाचरित्र--2178.  
 निगोदपञ्चशिका--2236.  
 निरोधलक्षण--2267 & 68  
 नीतिवाक्यसूत्र--2275.  
 पद्मचरित्र--2386.  
 परमार्थदर्शिनी--2401.  
 परमात्मसाक्षात्--2404.  
 पारिशीतपर्व--2430  
 पट्टभाष्यसूत्र--2432  
 पाण्डवचरित्र--2441.  
 पार्श्वनाथच--2490-92.  
 शङ्खपद्मभित्ति--2515.  
 तुल्यमारचरित्र--2516.  
 गजसंघट्ट--2593.  
 कृष्णचरित्र--2598.  
 प्रत्येकपुष्पचरित्रावली--2621.  
 प्रदीप्तपुष्पचरित्र--2624.  
 प्रभाकरचरित्र--2638.  
 प्रद्युम्नसाधुशर--2647.  
 प्रज्ञाचिन्तामणि--2654.  
 प्रज्ञानसामान्य--2658 & 59.  
 प्रस्तावप्रभाकर--2667.  
 प्रस्तावप्रभाकर--2668.  
 प्रातःपञ्चसंघट्ट--2676.  
 प्रातःपञ्चसंघट्ट--2686.  
 विप्रेरचरित्र--2723.  
 Place & importance of Jainism  
 --2745.  
 वसुधैवकुटुम्बकम्--2823.  
 वसुधैवकुटुम्बकम्--3017.  
 मन्त्रसूत्रिका 3159 b  
 भगवद्गीता--3160.  
 भगवद्गीता--3161a.  
 भगवद्गीता--3284.  
 मलयसूक्त--3305.  
 महावीरजीनसुतिसंघट्ट--3350.  
 महिपालचरित्र--3361.  
 मुनिपति--3491.  
 यज्ञसिद्धि--3632.  
 यज्ञोपचरित्र--3633.  
 रत्नवय--3725.  
 रघुचरित्र--3893.  
 Reminiscences of विजयार्थ--3901.  
 रेवतीप्रसन्नचरित्र--3904.  
 लोकप्रसाद--4050.  
 कर्ममार्गदर्शन--4076.  
 विष्णुचरित्र--4118-22.  
 विष्णुचरित्र--4137.  
 विष्णुचरित्र--4157.  
 विष्णुचरित्र--4161.  
 विष्णुचरित्र--4162.  
 विष्णुचरित्र--4177.  
 विष्णुचरित्र--4182.  
 विष्णुचरित्र--4211.  
 वीरचरित्र--4213.  
 विष्णुचरित्र--4221.  
 शत्रुघ्नचरित्र--231A.  
 शास्त्रिणाथचरित्र--4530-32.  
 शीलचरित्र--4620.  
 आदर्शचरित्र--4677.  
 श्रीचरित्र--4699.  
 श्रीचरित्र--4697.  
 श्रीचरित्र--4709.  
 श्रीचरित्र--4713.  
 श्रीचरित्र--4727.  
 श्रीचरित्र--4733.  
 श्रीचरित्र--4759.  
 श्रीचरित्र--4770.  
 श्रीचरित्र--4781.  
 श्रीचरित्र--4782.  
 श्रीचरित्र--4788.



ममराष्ट्ररुद्रा—4797.  
 ममराष्ट्रचरित्र—4802.  
 ममराष्ट्रचरित्र—4805.  
 साम्प्रदायिक—4885.  
 मिहिराष्ट्रचरित्र—4932.  
 मिहिराष्ट्रचरित्र—4944 & 35.  
 सिद्धान्तशास्त्र—4944.  
 सिद्धान्तिका—4971.  
 सिद्धान्तशास्त्र—4978.  
 इपनाष्ट्रचरित्र—5006.  
 इपनाष्ट्रचरित्र—5016.  
 इपनाष्ट्र—5053.  
 सौम्याष्ट्रचरित्र—5105.  
 सम्प्रदायिक—5106.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5211-13.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5216.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5227-29.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5230.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5232.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5239.  
 स्थिराष्ट्रचरित्र—5357.  
 Heart of Jainism—5365.  
 इतिहास—5421.  
 इतिहास—5422.  
 इतिहास—5479a.  
**ज्योतिष (Astronomy)**  
 अथर्व—24.  
 अथर्वचरित्र—53.  
 अथर्वसागर—56.  
 Astronomy, Astrology—220.  
 — Hindu Aryan—281.  
 Astronomical Instruments—282.  
 — Observatories—233.  
 भार्गव—368, 369.  
 भार्गव—382.  
 Eclipses of the Moon in India—30A.  
 Indian Calendar—with tables—42A.

Indian Chronography, An extension  
 of the Indian Calendar—43A.  
 कर्णकुण्डल—1004.  
 कर्णकुण्डल—1018.  
 कर्णकुण्डल—1019.  
 कर्णकुण्डल—1021.  
 कर्णकुण्डल—1022.  
 कर्णकुण्डल and भास्कर—1227 & 28.  
 कर्णकुण्डल—1286.  
 कर्णकुण्डल—1300.  
 कर्णकुण्डल—1432.  
 कर्णकुण्डल—1535.  
 कर्णकुण्डल—1536.  
 कर्णकुण्डल—1537.  
 कर्णकुण्डल—1573-77.  
 कर्णकुण्डल—1578 & 79.  
 कर्णकुण्डल—1686.  
 कर्णकुण्डल—1726.  
 कर्णकुण्डल—1727.  
 कर्णकुण्डल—1728 & 29.  
 कर्णकुण्डल—1732 & 33.  
 कर्णकुण्डल—1734 & 35.  
 कर्णकुण्डल—1736-38.  
 कर्णकुण्डल—1768.  
 कर्णकुण्डल—1778.  
 ज्योतिर्विद्या—1782.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1781.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1715.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1786.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1787.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1870.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—1919-23.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—2173.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—2097.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—2111.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—2126 and 27.  
 ज्योतिर्विद्याभरण—2177.

मध्यमाह्निक—2198.  
 गारुडहिता—222 & 23.  
 पञ्चपत्री—2578.  
 पञ्चपञ्चाङ्गिका—2579.  
 प्रतिभाशेखरम्—2611.  
 मन्मथम्—265 & 53.  
 मन्त्रदीपक—2655.  
 पद्मावली—2661.  
 श्रीमद्भागवतमन्त्रावली—2844-45 & 46.  
 बुद्धावतारम्—2915-20.  
 बुद्धयोगमण्डिनी—2932.  
 भारतवर्षातिथिमास—3214.  
 महासिद्धान्त—3353.  
 मुहूर्तचिन्तामणि—3492-95.  
 मुहूर्तमार्ग—3496.  
 याजुष्ययौतिका—3635.  
 योनिचिन्तामणि—3668.  
 रश्मिच्छायात्मजम्—3741.  
 रश्मिगणित—3895-97.  
 सूर्यमण्ड—3951.  
 दीर्घावली—4026-29.  
 धर्मविज्ञान—4184.  
 वास्तुशास्त्र—4117.  
 Whitney's views on the Solar  
 eclipse—233A.  
 व्यासगणित—4396.  
 व्यासगणित—4403.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4695.  
 श्रीमद्भागवतपेरित—4818.  
 श्रीमद्भागवत—445A.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4819 & 20.  
 श्रीमद्भागवतपेरित—4818.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4819-20.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4822.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4918.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4919.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—4960-63 & 73.  
 श्रीमद्भगवद्गीता—5031.

सौमसिद्धांत—5076 a.  
 तारल—5358.  
 Hindu astronomy—5384.  
 हीरोल—5481.  
 होराशास्त्र—5485.

### तन्त्र मन्त्र (On Tantra & Mantra)

अष्टासिद्धि—260.  
 अष्टासिद्धि—286.  
 अष्टासिद्धि—370.  
 आध्यात्मिक—405.  
 आध्यात्मिक—406.  
 आध्यात्मिक—455.  
 Intro to मन्त्रशास्त्र—562.  
 ब्रह्मपदार्थ—973.  
 ब्रह्मपदार्थ—1084 to 87.  
 ब्रह्मपदार्थ—1103 to 1111.  
 ब्रह्मपदार्थ—1138.  
 ब्रह्मपदार्थ—1157.  
 ब्रह्मपदार्थ—1159.  
 ब्रह्मपदार्थ—1280.  
 ब्रह्मपदार्थ—1364.  
 Creation—1371.  
 ब्रह्मपदार्थ—1479-81.  
 ब्रह्मपदार्थ—1503.  
 ब्रह्मपदार्थ—1517 & 53.  
 ब्रह्मपदार्थ—1566.  
 Garland of letters studies in मन्त्र  
 —1590.  
 ब्रह्मपदार्थ—1927.  
 मन्त्र the principles of—1964 & 69.  
 मन्त्रशास्त्र—1971.  
 मन्त्रशास्त्र—1972.  
 मन्त्रशास्त्र—1975.  
 मन्त्रशास्त्र—1976.  
 मन्त्रशास्त्र—1977.  
 मन्त्रशास्त्र—1978.

- तन्त्रालोक—1979  
 परमरामकल्पद्रु—2407  
 परात्रिषिका—2409.  
 पुरश्चरणीपिका—2517  
 प्रपञ्चसारतन्त्र—2625  
 प्रपञ्चद्वयम्—2627.  
 Principles of तन्त्र—2734  
 महानिर्वाणतन्त्र—3312  
 मन्त्रमायण—3550  
 मय्यमहोदधे—3551.  
 मन्त्रयोगमीदृता—3553  
 मन्त्रार्थमञ्जरि—3556  
 मृगेन्द्रतन्त्र—3577  
 योगिनीहरपरीपिका—3689  
 रत्नार्णवम्—3765  
 रेणुकामहजनाम्—3898  
 वातुलनाथभूष—4099  
 विष्णुसहिता 4208  
 Wave of Bliss—4238  
 शक्ति & शक्त—4463.  
 शारदातिलक—4539  
 स्वच्छन्दतन्त्र—5231  
 तर्क न्याय-वैशेषिक (On Logic  
 & Nyāya-Vaiśeṣika Phil)  
 अनुमानशास्त्रपरि—104 to 115  
 अनुमानन्यायिनि प्रसरिणी—116  
 भवच्छेदरूपनिरुपे—236  
 Indian logic & atomism—527  
 उपनिषद्—782  
 कणादसिद्धान्तचन्द्रिका—1080  
 कारिकावर्ण—1125 to 37.  
 काटीशहरीसिद्धान्ततत्त्वज्ञ—1161  
 कुसुमाञ्जलि—1283  
 कुसुमाञ्जलिवाचिनी—1234  
 कुर्यान्वर्ण—1301  
 कोट्ययनसंग्रह—1376  
 गार्ग्यपरिग्रहउपणी—1472 74  
 गान्धर्व न्यायसूत्र—1551.  
 जामरीशी—1717-21  
 जैमिनीयन्यायमाला—1774 & 75  
 तत्त्वचिन्तामणी—1861.  
 तर्कसमुद्र—1889 & 90  
 तर्कताण्ड्य—1891.  
 तर्कपथरत्नावली—1892  
 तर्कमाया transl into मराठी—130A  
 तर्कसंग्रह—129A, 1899-1914.  
 तर्कसंग्रहसार—1917  
 तर्कसंग्रहसर्वस्व—1918  
 न्यायकल्पिनी—2319 & 20  
 न्यायसुसमाञ्जलि—2321-22 & 23.  
 न्यायरोच—2324.  
 न्यायतत्त्वप्रबोधिनी—2325.  
 न्यायन्यायसंग्रहपिका—2326  
 न्यायदर्शनम्—155, 2327-31  
 न्यायप्रकाश—2332  
 न्यायश्रीप—2333.  
 न्यायवेदस—2334 & 35  
 न्यायकिन्दु—2337-40.  
 न्यायबोधिनी—2341.  
 न्यायभाष्य—2343.  
 न्यायमञ्जरी—2344  
 न्यायरत्नमणी—2347  
 न्यायटीकावला—2349 & 50.  
 न्यायार्ति—2351 & 52  
 न्याय वा ता टीका—2353  
 न्याय वा ता परिच्छेद—2354.  
 न्यायसार—2355-58  
 न्यायसिद्धान्तश्रीप 2361  
 न्यायसि मञ्जरी—2362 & 63.  
 न्याय नि माला—2364  
 न्याय वि मुक्तावली—2365 & 66  
 न्यायसूत्र—151, 2368-70  
 न्याय व भाष्यकामिनी—2371.  
 न्याय व. विवरण—2372  
 पद्माक्षरन्याकर—2395.

- पदार्थधर्मसंग्रह—2398.  
 पदार्थरत्नमाला—2399.  
 पञ्चतागदाधरी—2447.  
 राससार—3864.  
 प्रशस्तपादमाय—2648-50.  
 प्रमाण्यवाद—2708.  
 बाधगादाधरी—2827.  
 भास्करोदय—3234.  
 भण्डिपण—3255.  
 भण्डिसार—3268.  
 मधुरापञ्चकण्ठ—3274.  
 महाविद्याविद्वन्—3346.  
 हुक्तिवाद—3464 & 65.  
 लक्षणावली—3973.  
 वादिविरोध—4107.  
 विधानपरिभाषा—4152.  
 विधिविवेक—4153.  
 वैशेषिक दर्शन—4353-60.  
 Vaishesika Philosophy—4361.  
 Vaishesika System—4362.  
 Vaishesika Sutras of कणाद—4363.  
 वैशेषिकसूत्रवाद—4364.  
 व्युत्पत्तिवाद—4121-23.  
 View point of व्याप्यवैशेषिक Phil.—4427.  
 शक्तिवाद—4460-62.  
 मत्तपत्रार्थी—4785 & 86.  
 सांख्यरिका of ईश्वरकृष्ण—5398 & 99.  
 Hindu Realism—5405.  
 History & bibliography of व्याप्य वैशेषिक lit.—5426.  
 History of Indian logic—5444.  
 — Mediaeval school of Indian logic—5454.  
 धर्म (On Religion & Law)  
 Address Parl. of Religion Chicago—13.  
 अधिकांशपरिभाषा—78.  
 अद्यात्मवादि—80.  
 अन्त्यवर्त्मसिद्धि—21.  
 आग्निर्नापान—155.  
 भावार्थचिन्तनम्—301.  
 अहमचिन्तन—312.  
 आशीचपात्रिका—394.  
 Hinduism—484.  
 Evolution of Law—486.  
 Institutions of Hindu Law—551.  
 — Vishnu—552.  
 International Law—553.  
 उत्सर्गमूल—722.  
 Philosophy of religion—923, 924.  
 On Parsee religion—926.  
 Science of Religion—927.  
 Religious Literature—982.  
 कर्मविचार—1014.  
 कर्मविद्या-तत्त्वविज्ञान—1015.  
 कल्पसारसमुच्चय—1040.  
 काठमाधव—1149-51.  
 काण्डविवेक—1152.  
 Comparative Religion—1334.  
 कल्पसारसमुच्चय—1342.  
 Crown of Hinduism—1367.  
 गौतमधर्म शास्त्रम् the institutes of Gau-  
 tama ed. with an index—104A.  
 गौतमसूत्राभाषाटीका—1549.  
 — मुद्रकवि—1550.  
 चतुर्विंशतिमत्तसंग्रह—1634.  
 जयसिंहकल्पद्रुम—1706.  
 Transformed Hinduism—1807.  
 Treatise on Hindu law of inheri-  
 tance—1809.  
 Treasures of Magi—1811.  
 Democratic Hinduism—1827.  
 विष्णुदर्शनम्—1998.  
 Theory of adoption—2008.

Theory of Sovereignty—2012

इतकामासा—2025

इतकचन्द्रिका—136A, 2026-28

इतकचन्द्रिका—2061

इतकचन्द्रिका—2063 & 64

इतकचन्द्रिका—2066

इतकचन्द्रिका—2137

इतकचन्द्रिका—2145

इतकचन्द्रिका by अपस्तम्ब text—144A

इतकचन्द्रिका—2146a

इतकचन्द्रिका—2149

इतकचन्द्रिका & life—2150

Natural religion in India—2196

नेणसतिम्बु—2256 & 57

निर्गयाकृत—2259

नीतिमयुक्—2272

पक्षधित्तिनिष्पन्न—2396

Public worship—2400

पराशरस्मृति—2411-12

पराशरधर्मसंहिता—2414

पराशरधर्मसंहिता—2429

पराशरधर्मसंहिता—2479 82

Positive background—2507

Position of Women in Hindu Law

—2554

पौराणिकधर्म—2555

प्रातःकर्मपुत्र—2610-15

प्रपञ्चसर्वविशेष—2626

प्राचीनतत्त्व—2709

प्राचीनतत्त्व—2710

प्राचीनतत्त्व—2711

प्राचीनतत्त्व—2713

प्राचीनतत्त्व—2715

Primer of Hinduism—2616

Principles of Hindu & Maha

madan Law—2739

राष्ट्रमती—2831

Bandhayayana ritual Sutra—2893

बाधायन्यार्मसूत्र—2895

बदर्यायन्यार्मसूत्र—2928

बदर्यायन्यार्मसूत्र—3004

बाधय Hindu Religion—3242

म नपारजात—3275

मनुस्मृति—3288-95

मानवधर्मशास्त्र—3387

Minor law books—3397

म धर्मशास्त्रद्वार—3548

यातिधर्मसंहिता—3620

याज्ञवल्क्यस्मृति—3638-45

Rites of twiceborn—3778

Religion of Tibet—3876

Religion & moral—3877

Ritual literature—3885

Reign of Religion—3899

Law & Customs—3985

Lectures on Comparative Religion—

4033

Lectures on Hindu Religion 4036

Origin & Growth of Religion—

4038 & 42

World & eternal Religion 4072

वर्णाश्रमधर्म—4074

वसिष्ठसंहिता—4083

वसिष्ठधर्मशास्त्र—4085

विश्वदीपसूत्र—4180

वाराणसीधर्म—4223-30

वेदान्तधर्मप्रश्न—4325

वृद्धिदीपिका—4337

व्रतसूत्र—4389 & 90

व्याख्यतोमप्रयोग—4394

व्यवहार-वाटमती—4398-4402

व्याख्यतोमप्रयोग—4529

व्याख्यतोमप्रयोग—4533

व्याख्यतोमप्रयोग—4535

शान्तिचतक—4536  
 शास्त्र समीक्षा—4551  
 शास्त्र Religion—4617.  
 शुद्धिभास्वर—4611.  
 Shastriya & Varshnavism--4615  
 शिवमकल्पदुग्ध—4690  
 पदशक्ति—4756  
 समग्रसूत्र—4790  
 सर्वदेवप्रतिष्ठासंग्रह—4806  
 सरस्वतीविद्यास—4824  
 सात्ययुगकृतसंग्रह—4822  
 The Sadhu--4875  
 सत्कारोप—5125  
 सत्कारपद्धति—5126  
 सत्कारमण्डप—5127.  
 सत्कारयात्रा—5128  
 सत्काररत्नमाला—5129 & 30  
 सत्कारचन्द्रिका—5100  
 इष्टता—5331  
 स्मृतिचौस्तुभ—5190  
 स्मृतिचौस्तुभ—5191  
 स्मृतिचौस्तुभ—5193  
 स्मृतिचौस्तुभ—5194  
 स्मृतिचौस्तुभ—5195  
 Heart of India—5361  
 Hindu Law & Customs—5393  
 Hindu Phil of Law—5400  
 Hindu Religion—5406  
 Hindu system of Religions year  
 —5408  
 Hindu system of Religions Science  
 —5409  
 Hinduism—5415-17  
 नाट्य नाटक (On Drama &  
 Dramaturgy)  
 अन्तर्द्वारा—20.  
 अन्तर्द्वारा—54  
 अन्तर्द्वारा—92.

अन्तर्द्वारा—93  
 अभिषेक—167  
 अभिषेक—169  
 अष्टोत्तर—190  
 आदिमार्ग—246  
 अचिन्त्य of नीतिवर्मन—249.  
 अष्टम्युद्धामणि—403 & 04  
 Indian Dramaturgy—521  
 Indian Drama—522.  
 इन्द्राचरित—55A, 733 to 44  
 — सावित्रचरित—745  
 इन्द्राचरित—754  
 इन्द्राचरित प्रेक्षण—756  
 इन्द्राचरित—1003  
 इन्द्राचरित—1006  
 इन्द्राचरित—1038 & 09  
 इन्द्राचरित—1031 to 38.  
 इन्द्राचरित—1045 & 46  
 इन्द्राचरित—1252.  
 इन्द्राचरित—1253.  
 इन्द्राचरित—1615  
 इन्द्राचरित—115A 1645  
 इन्द्राचरित—1658  
 Dramas & Dramatic dances—244  
 Dramatic Diversissements—1838  
 इन्द्राचरित—1884.  
 इन्द्राचरित—2049 & 50  
 इन्द्राचरित—2067  
 इन्द्राचरित—2082.  
 इन्द्राचरित—2083  
 इन्द्राचरित—2109 & 10  
 इन्द्राचरित—2143  
 इन्द्राचरित—2180 & 81  
 इन्द्राचरित—2182  
 इन्द्राचरित—2184  
 इन्द्राचरित—2202-09

नाट्याग्रहम्—2212  
 नाट्यदर्पण—2213  
 नाट्यशास्त्र—2214.  
 पार्थिवराजम्—2485.  
 पात्रोपरिणय—2486-89  
 पाल्पवधम्—2557.  
 पद्मराज—2587 & 88.  
 प्रच्छन्नाम्बु—2604  
 प्रणीयामाश्रय—2605.  
 प्रतापदर्शकम्बुज—2606.  
 प्रतिमा—2612 & 13.  
 प्रतिभार्यागभरायण—2616  
 प्रपन्नाभ्युदय—2622 & 23  
 प्रशेषचन्द्रोदय—2633, 34 & 35  
 प्रसन्नरायण—2663 & 64.  
 प्रियदर्शिका—2724-28.  
 शास्त्राचारि—2829  
 शास्त्रामायण—2834.  
 Bibliography of Sk Dramas—  
 2840  
 Beginning of Indian Drama.—  
 2843.  
 भगवद्गीता—3149  
 भावप्रकाश—3219  
 Materials for भरतसम्पत्तय—3264.  
 मनीषिणसंग्रह—3269  
 मध्यमपारायण व पद्मराज—3281a & 82  
 महावीरचरित—3347-49  
 माणविकप्रतिपद—223A, 3105-15  
 माणविकमाश्रय—3416-20  
 मुद्राराक्षस—3479-89.  
 माणविकराज—3516.  
 मञ्जुवैजय—3549  
 मृच्छकटिक—3578-85.  
 रत्न वनी—158A 3728-35  
 रातमन्त्र—3737  
 रातिनियम्—3740.

रत्नसदनमाला—3761  
 रात्रिविनाश—3797.  
 रामलीला—3821.  
 रत्नमणी परिणय—3890  
 रत्नमणीहरण—3891.  
 रत्नपद्मम्—3892.  
 रत्नमेकप्रहसन—3560  
 Little Clay Cart—4022.  
 वासवदत्ता—4114 & 15.  
 विजयानन्दचरित—4123  
 विजयवैजय—4125-32.  
 विश्वामाश्रय—4139.  
 विश्वामुक्तमन्दन—4140.  
 विजयपरिणय—4145.  
 Vision of वासवदत्ता—4209.  
 वैजयन्तहार—4239-46  
 वृषभानुजा—4388  
 काकुत्स्त—83A, 4500-21  
 सत्यहरिश्चन्द्र—4779a  
 Select Specimens, the theatre of  
 Hindus—4991  
 कुमारप्रवचन—5011  
 लक्ष्मणवैजय—5092.  
 लम्कार्वाण्य—5123 & 24.  
 Sanskrit Drama—5143.  
 सप्तशतिका—5233-39  
 सुमित्रावधम्—5326.  
 हर्षचरित—5328.  
 Hindu drama 5336

### नीति (On ethics)

Ethics—480 to 483.  
 — Hindu—5389.  
 — History of—984.  
 — Hindu Principles of—2736.  
 — Hindu Manual of—3566  
 Evolution of Ind Polity—485.

कामन्दकीय नीतिसा —82A, 1116  
 चाणक्यसूत्राणी Engli. transl.—110A.  
 दृष्टान्तमञ्जुषा—2100.  
 धौम्यनीति—2167.  
 मसालखण्डनचालीसा—2197  
 नीतिप्रकाशिका—150A.  
 नीतिमनोरमा—2273  
 नीतिसार—2288  
 Maxims of चाणक्य—3570  
 रामनीतिरत्नानर—3790.  
 लघुचाणक्यसू—3935.  
 विह्वरनीति—4149  
 शुभनीति—4623.  
 — सार—4624.

### पुराण, महारम्य. (On Epics)

अग्नि—7, 8, 9.  
 अवातेशेख—237  
 आरम—317, 318  
 आदि—323  
 बल्कि—1026.  
 बाष्पमहात्म्य—1066.  
 कौटिलीयमहात्म्य—1139-41  
 बालिकापुराण—1156.  
 काशीखण्ड—1221  
 कुर्म—88A, 1285.  
 केदारखण्ड—1288.  
 गणेशपुराण—1445  
 गणेशमहात्म्य—1455.  
 गरुड—1459-62.  
 गोवर्णमहात्म्य—1513  
 गोदानरामहात्म्य—1515.  
 गणेशमहात्म्य—1559  
 चानूरासमहात्म्य—1641  
 जगन्नाथमहात्म्य—1695 & 96  
 जयन्तीमहात्म्य—1708.

दशमस्कन्ध—2051.  
 देवीपुराण—2089.  
 देवीभागवत—2090.  
 देवालयधाममहात्म्य—2095  
 द्वारकामहात्म्य—2115 & 16.  
 नर्मदामहात्म्य—2172.  
 नारदपुराण—222 L.  
 न्यासिनेतोपाख्यान—2235  
 नीलमतपुराण—2287.  
 नृसिंहपुराण—2315 & 16  
 पद्मपुराण—2388-91  
 पुराण in the light of—2518  
 पुराण Text—2519.  
 Puranas the Geography of—1224  
 पुराणपञ्चलक्षण—2518A  
 बक्षीनारायणमहात्म्य—2819  
 बृहद्भूमिपुराण—2923.  
 बृहत्संवायधुपुराण—2935.  
 ब्रह्मवैवर्तपुराण—2954.  
 ब्रह्माण्डपुराण—2996a.  
 ब्रह्मोत्तरखण्ड—3000.  
 भविष्यपुराण—3164  
 भागवत—211A--217A, 3168a-87.  
 मत्स्यपुराण—3270-73.  
 मार्कण्डेयपुराण—3400-02  
 वाराहपुराण—4067 & 68.  
 वागनपुराण—4103 & 09  
 वायुपुराण—4110 & 11.  
 विष्णुपुराण—4191-93  
 वैखानसमहात्म्य—4351 & 52  
 वैष्णवमहापुराण—4369.  
 सत्त्वपुराण—4884.  
 मत्स्य देता—5050-52  
 सारपुराण—5087 & 89.  
 हरिवंश—5338



## प्रवास (On Travel)

- India early travels—217.  
 Periplus of the Erithran sea—2548  
 Berner's Voyage to the East Indies—193A  
 Huan Tsan—3616.

## प्राकृत &amp; पाली (On Prakrit &amp; Pali)

- Intro to प्राकृत—572  
 कुमारपालप्रतिपाद—1255  
 शुक्ल-पाठो विश्वबोधधर्मातीत्य प्राथमिक पाठ  
 100Aa  
 गौडवध—1542.  
 गौडवधो—1554.  
 श्रीपापीदिका—1628  
 जातरक्थासम्पद in मराठी—116A  
 जातरक्थासम्पदो or Selections from  
 Pali जातरक्था in देवनागरी—117Aa  
 चम्पपद—2129 & 30  
 चम्पसंग्रह—2131.  
 चम्पपद & वृत्तनिपात—2133  
 Pali Eng Dict—2494  
 Pali Course—2495  
 Pali and Sanskrit—2496  
 पालिवाक्यश्रुती—2497  
 Pali book titles—2498  
 Pali Nouns—2499  
 Pali literature—2500  
 Pali Reader—2501  
 Pali Selections—2502  
 Grammar of the Pali Language  
 amplified by Muller E—100A  
 Pali Literature of Burma—175A  
 Pali Literature, a short sketch—174A  
 Pali Reader, Notes glossary—171A  
 प्राकृतचम्पपद—2677

- प्राकृतप्रकाश—2678-82  
 प्राकृतमञ्जरी—2685  
 प्राकृतरूपाङ्कगण—2687 & 88  
 प्राकृतलक्षण—2689  
 प्राकृतपादप्रण—189A, 2691-92  
 प्राकृतसर्वस्व—2693  
 Practical Grammar of Pali—2696  
 साहित्यनिदानाङ्गना belong to समत-196A  
 Book of Kindred sayings—2649 51  
 पावसिधिरा—3216  
 महाधर्ममञ्जरी—3308.  
 महापावप्रकाश—3310.  
 Manual of Pali—3568  
 वसन्तम्—4065b  
 गुणनिपात—5149  
 Pali Grammar and Diet history and  
 Criticism of—5143  
 बुद्ध (On Buddha)  
 अक्षयपञ्चसप्त—52  
 अनिच्छदशतर—118.  
 अभिसम्मासङ्कीर्तनामप्रकाशपाराभतापदस्य शास्त्रम्,  
 the work of Bodhisattva Ma-  
 treya—260A  
 अत्रदानकल्पिता—240, 241  
 अक्षयानुसतर—242  
 आत्मतत्त्वविवेक—334  
 Indian teachers of Buddhist Univer-  
 sities—542  
 Intro to hist. of Ind Buddh—563  
 महायान Buddhism—567  
 Developed doctrine of Indian  
 Buddhism—974  
 करणपुस्तक—1023  
 Gospel of Buddha according to old  
 records—257  
 Questions of भट्टि—1403 and 04  
 Buddhist ruins of सावनपथ—1463

- Northern Buddhism the Gods of —1470  
जातक—1722  
जातकमाला—1730 & 31  
Dogma in modern Buddhism— 1836  
तत्त्वसंग्रह—1878  
तथागतपुत्र—1883.  
Tibetan Primer—1933-36  
इतिहास—2060  
क्षीपवत—2071 & 72  
Dharma or the religion of enlightenment an exposition of Buddhism—258A  
नागार्जुन Buddhist Philosophy-146A.  
Two वज्रयान works प्रमोदायविरचिते सिद्धि  
of अवलोकित and ह्यारसिद्धि of इन्द्रधनु  
ed with introd —122A  
Teachings of बुद्ध—3988  
निवेदिता and कुमारवामी—2269.  
Notes on बुद्धचरित with a Sk comm  
—154A  
पद्मसूत्र—2292  
Problem of Buddhist Phil —2703  
प्राज्ञापि—2718  
Prolegomena to Buddhist Phil -2719  
Fragments from सिद्धिनाम—2786  
बुद्ध his life, teachings—2854  
बुद्ध—2855  
बुद्धचरित—2856-60  
बुद्ध his life—2861  
बुद्धचरितसंग्रह—2862  
बुद्धजीवनसारसंग्रह—2863  
बुद्ध and his religion—2864  
Buddha's way of virtue—2866  
Buddha's path of virtue—2867  
Buddhist anthology —2868  
Buddhist Birth Stories—2869  
Buddhist Conception of Spirits—2871  
Buddh illustr Miss in Burmese—2871  
Buddhist legends—2872  
Buddhist Mahayana texts—2873  
Buddhist Nyaya tracts—2873a  
Buddhist Psychology—2874  
Buddhist Record—2875.  
Buddhist Religion—2877  
Buddhist Scriptures—2878  
Buddhist Stories—2879.  
Buddha as a religion—2880  
Buddhism in translations—2881  
Buddhism its history—2382  
Buddhism and its place in mental  
life—2883  
Die Weltanschauung des modernen  
Buddhismus in fernor—235A  
Buddha early history—211  
Buddhism (german) -198A  
Buddhism in fernor—200A  
— by L Valle's Poussin—201A  
Buddhism in its connection with  
Brahmanism and Hindu —205A  
Buddhist Philosophy—3563 & 65  
Buddhism in China—2885  
Buddhism and Science—2886  
Beginning of Buddhist art—2887  
Buddhist manual of Psycho-  
logical ethics—197A  
Buddhist Phil of नागार्जुन—199A  
बोधिविचितावतारपञ्चिका—2891  
बौद्धधर्मसार—2892  
महायान doctrine of salvation—3339  
महायान texts—3340  
महायानसूत्रावतार—3341  
महायानसूत्रावतार—3352  
माध्यमिकबुद्धि—3383

Mudras—3490

Mass remains of Buddhist lit—3069

महाभारत—3866

Romantic legend of साक्यबुद्ध—3903

सकावनारक्ष—3983

सकावाक्यनि—3996

Life of बुद्ध—3987

Life as legend and history—3988a

Life of बुद्ध by अश्वमेध—3989

Life & work of बुद्धाय—3990

Legend of Gautama—3991

Legends of Ind. Buddhism—4031

Literary hist of Sk. Buddhism—4025

Lotuses of the महाभारत—4053

वज्रसूत्र—4055c

Vinaya Texts—4158

Way to Nirvana—4237

यत्तसाहसिरायाजपरमिता—4471

श्रीचरमभारत—4688

सद्धर्मसुन्दर—4774 & 75

समाधिराजसूत्र—4807

साधनमार्ग—4879

Six Buddhist Nyaya tract 4982

System of Buddhist thought—4983

Selections from Buddhist Drama—4996

Ceylon Buddhism 4998

Central conception of Buddhism—5062

Sayings of Budha 5068

Soul theory of the Buddhists—5078

Social organisation in Buddha's time 5081

Sanskrit Buddhism—5142

संस्कृतबुद्ध—5189

संस्कृतअभिधम्मशास्त्रादि—5224

Story of Buddhism—5219

Heart of Buddhism—5362

Hinayana Mahayana Study—5469

Hist of Prebuddhist India—5457

भाषा व भाषाशास्त्र

(Language & Philology)

Intro to Indo-Nesian linguist—566

— to the Study of—574 & 75

— Science of—927

— Oceanic—954

Comparative Dict of languages of India and high Asia—1330

विष्णुभाष्यशास्त्र Fragments of the comments of रघुवन्ध्याम & महेश्वर—147A

निर्दिष्टावधन A guide to याज्ञवल्क्य निरुक्त by सुपवन सायनाभ्या—148A

निरुक्त—2263-65

Primer of Phonetics—2717

Brahmi language—2937

भाषावर्णमाला—3127

भाषाशास्त्र व मराठीभाषा 3228

Modern languages of East Indies—3369

Life and Growth of language—3994

Linguistic Geography—4006

Linguistic Survey of India—4007

Linguistic Studies—4008

Language its nature etc 4054

Wilson's Philological lectures—4167

Sanskrit Phonetics in comparison with the Indogermanic mother-language for Students—238A

Studies in the phonetic obser-vations—240A.

Science of thought—1907

Sanskrit language—5163

Sketch of Turki language—5248

History of language—5438

Hist of Sansk Philology in German  
546B

### भूगोल (Geography)

अरु to Ganges—210

Indus valley in Vedic period—546

Imperial Gazetteer—581

— Maharashtra ancient—892

— Ancient Monuments Barma  
ah—893

गापार Notes on ancient geography  
of—1475 & 76

Geographical Dictionary of India  
—1749

Geographical Data of एष्य & दशद्वचरिण  
—3720.

रहातड—3768

Researches on Ptolmeys Geography  
3880

### मीमांसा (On Mimamsa)

अधिकरण बौमुदी—76

अप्यर मी वृत्तल्लुति—86

अप्यरग्रह—204-209

Intro to—570

जिमिनयध्ववति—1779

तम्परहस्य—1970

तन्त्रवातिक—1973, 74

दिग्मीमासा—2068

दुष्टीरा—2074

न्यायरत्नमाला—2346

न्यायरत्नमाला—2367

पञ्चममीमासा—2436

पूर्वमासाओधकरण बौमुदी—2545 & 46.

प्रकरणपञ्जिका—2601.

प्रमाकरविनय—2637.

Brief sketch of पूर्वमासा—2840b

भाट्टशेषिका—3189

भाट्टमाध्यामक—3190

भाट्टरहस्य—3191

भाट्टचिन्तामणरूपिका—3192

भाट्टशेषिका—3193.

भाट्टरविनय—3236

मानमेयोदय—3390.

मीमांसार्थप्रकाश—3433

मीमासाभूदय—3434

मीमासाभूदयमिश्र—3435

मीमासाकास्तुभ—3436 & 37

मीमासादर्शन—3438 and 39

मीमासान्यायप्रकाश—225A, 3440 & 46

मीमासापरिभाषा—3447-50

मीमासाभादुका—3451

मीमासाभादुप्रकाश—3452 & 53

मीमासादर्शाणि—3454

मीमासातारस्तव—3455

मीमासाभूदय—3456

मीमासाभूदयवति—3457 & 58

मीमासा rules of interpretation—  
3459

विधिराजन—4154

शाण्वीपिका—4553-55

पददर्शनमन्त्राणि—1753 & 54

सिद्धान्तलम्कतुषा—4963

सिद्धान्तलम्—4964

सिद्धान्तलम्कतुषा—4965

देवमीमासा—5486

# वल्लभसंप्रदाय (On Vallabha-sampraday)

न्यासादिना—2359 and a

पुष्टिमार्ग—2532-36

भक्तिचर्चिनी—3055.

मधुराष्टकम्—3278-80.

वल्लभचरितम्—4079.

वल्लभाचार्यचरितम्—4080 & 81

सम्पादनादौ—5103.

## वेद (On Veda)

भर्षयेद by Kroyenberg—2A

अयं गोपय मा—25.

— परिशिष्ट—26

— शास्त्रशास्त्रम्—27.

— सूत्र—28, 29

Index—30

— See 31 to 40 texts hymns etc

वीरिशिवम्—41.

— वेदान्तम्—48, 49.

— गोपय मा—42,

— दण्डोदाविधि—43

— दृष्टि ५. ता.—44

— पञ्चपञ्चिका—45

— मातृकम्—47

— मन्त्रकी शिक्षा—50

— गणपतिशक्ति—57.

भाष्यसंक्षेप—344

भार्ययवाङ्मय सामवेदियम्—19A

भार्ययवाङ्मय of सामवेद (German)—25A

Arctic Home—377.

भार्ययवाङ्मय—41 & 11.

ऋग्वेद(French)—58A.

Rigved texts—60A

ऋग्वेदभाष्यसुमिता in हिंदी—61A

The Götter Des Rigved by—59A.

Intro to ऋग्वेद by सायन—49A.

ऋग्वेद analysis of contents—133

ऋग्वेद apokripen—19

उपनिषद्—775.

ऋग्वेद—796 to 857.

— भाष्य—861.

— भाष्योपरमागिना—862.

— रित्यानि—864

— Dictionary—865 & 66.

— Agn of—885.

देवरेवमात्रम्—72A, 944 to 48

— अष्टाध्याय—949-58,

— आलोचन—73A

Orion—965-

शतपथ मा. वाङ्मयम्—1081.

ऋग्वेदसंक्षेपम्—1034

Comparison of ऋग्वेद वाङ्मय etc—1335

Chaldia and Indian Vedas—1484.

गोपयमात्रम्—1519

ऋग्वेदसंक्षेपम्—1648.

Philosophy of the Veda and Intro—1703.

जामनीयवाङ्मय (in answahl)—117A

जामनीयवाङ्मय वेदत वाङ्मय—1770

Doctrine of sacrifice in वाङ्मय—1835.

हेतुविषय भर्षयम्—1950

हेतुविषयवाङ्मयवाङ्मयवेद (सूत्रम्)—13dA.

हेतुविषय वाङ्मय—1963, & 64

हेतुविषय भाष्यशास्त्र—1965.

भार्ययवाङ्मय—2225.

भार्ययवाङ्मयवाङ्मय (German)—170A

वृषसूत्र—2531

Brief Summary of the सूत्र—2840a

वृहद्वक्ता—2921 and 22.

Brahmana Quotations in निरुक्त—3003

- Main results of ऋषि researches— 3538  
 मैत्रियि—3539  
 यजुर्वेद trans—3623  
 Religion of Veda—3872  
 Researches in Veda—3878  
 रश्मिपत्र—1880  
 रश्मिपत्र—3388  
 Lectures on Rgveda—4043  
 World view of Brahmana texts— 4070  
 विश्वविद्यालय—4148  
 Woman in Brahmanism—4336  
 Veda of the Black yajus School— 4249  
 वदभाष्यम्—1250  
 यजुस्तुति - 4252  
 Veda & their Angas & unangas— 4253  
 Vedas opinions of their authors etc 4254  
 यद्विद्वत्सत्ति—4255  
 वेदविधान—4256  
 Vedic antiquities—4302  
 Vedic Al hyana and Indian Drama —4303  
 Vedic basis of Hindu Law—4304  
 Vedic Brahmana period—4305  
 Vedic Chronology—4306  
 Vedic Concordance 4307  
 Vedic India—4311  
 वेदिकशास्त्र—4313  
 Vedic Mythology—4314 & 1  
 Vedic Hymns trans 4316  
 Vedic Law of Marriage—4317  
 Vedic Metre—4318  
 Vedic Philosophy—4319  
 Vedic Reader—4320  
 Vedic Religion and Caste—4321  
 Vedic and Sh. Syntax—4322  
 वेदिकवाक्यम्—4332  
 वेदिकपाठ्यम्—4334  
 वेदगीतम्—4335  
 वयस्कृतसिद्धि—4336  
 वेदगोपनीय—4337  
 वयस्कृतम्—4372  
 वयस्कृतम्—4472 & 73 & 4740  
 वाक्यमयभरणम्—1524  
 — वाक्यम्—4525 and 26  
 वयस्कृतम्—4625  
 — प्रतिज्ञास्व—4627  
 वयस्कृतम्—4715  
 वाक्यमयभरणम्—4870  
 सामवेदभरणम्—4888 & 89  
 सामवेद—4890-4901  
 सामविधानवाक्यम्—4902 04  
 सामभाष्यसमुच्चयम्—5101  
 संहितापत्रिकावाक्यम्—5116  
 Stanza from पाणिनीय शिक्षा—5212  
 Hindu Mythology Vedic—5390  
 Hymns of सामवेद—5175  
 वेदान्त (On Vedanta)  
 अष्टमाध्याय—1A & 14-18  
 अनादित्वम्—95  
 अनित्यतासर्वस्व—96  
 अमर्त्यता—187  
 अवतार सिद्धि—239  
 अविदित दर्शन—247  
 — सिद्धांतवैयर्थ्यम्—248  
 अद्वैत an essay—57  
 — अविद्या—58  
 — चिन्तामणि—59  
 — चित्तावस्थाम्—60  
 — तरणि—61

- सिपिना—62.
- मकरन्द—66
- रत्नप्रण—67.
- सिद्ध—68—71.
- सिद्धान्तवैजयन्ति—72.
- सिद्धिसिद्धान्तसार—73.
- सुधा—74
- आमोद—75.
- अविहरण सप्त—77.
- अध्यात्मप्रतिपिपा—31 & 82
- रामायण—83-86.
- अद्वयभान-उद्धरि—101.
- अद्वयभूतिप्रकाश—102
- अन्तःकरण प्रयोग—19
- अपरोक्षानुभूति—145-147.
- माध्व—148.
- अद्वयवर्णिनी—337.
- अद्वयप्रकाशप्रकाशिका—99.
- अद्वयदर्श by विष्णु—8A.
- आगमप्रामाण्य—247.
- आत्मतत्त्वविवेक—312
- आत्मविद्या—319.
- विद्या—320.
- आत्मानात्मविवेक—321.
- आनन्दमन्दारिनी—331.
- उद्धरि—332 & 333
- आमोद—350
- Aspects of—278
- ईश्वरपदाभिप्रायवर्णिनी—458
- ईश्वरप्रातिपक्षिकप्रकाश—459
- Indian theism—543.
- Philosophy—535
- outline of—981 & 86
- Intro to अद्वैत Phil—557 & 58
- उपदेशसाहस्री—763-65
- उपाक्रमपरिचय—780
- वेदान्त System of Philosophy—983
- कर्मयोग—1013.
- Kant's Prolegomena to any future metaphysics—255A.
- कायव्यवहार—1108.
- कार्यविहरणप्रारम्भ—1146
- तत्त्व—1147.
- हस्तमाञ्जरी or Hindu proof of the existence of a Supreme being—37A
- हैन्दुधर्म—1305.
- Comparison of माय्या—1336
- Crest Jewel—1373.
- छान्दोग्यसूत्र—1426-29
- छान्दोग्यसूत्र—1430.
- छान्दोग्य—1431.
- गणपतिपूजा—1436
- गुणवैशिष्ट्य—1511 & 12
- जन्ममरणचक्र—1701
- जपप्रणय—1704.
- जीवमुक्तिविवेक—1747 & 48
- Doctrines of Maya in the Philosophy of Vedanta—243A.
- तत्त्वप्रणय—1862.
- तत्त्वसूत्रप्रणय—1863
- तत्त्ववर्णिनी—1865
- तत्त्वप्रदीपिका—1871
- तत्त्वविन्दु—1872.
- तत्त्वमुक्तावली—1874
- तत्त्वमञ्जरी—1875
- तत्त्ववेत्तर—1876
- तत्त्वसाङ्ख्यानशिक्षा—1879
- तत्त्वार्थशेष—1882.
- तत्त्वार्थशेष—1185.
- तत्त्वमाया—1893-97
- तत्त्ववैचक्षण्य—1925.
- तत्त्वविचार—1926
- सुषुप्तिमात्रा—1948
- Thoughts from Vedanta—2019.

- दशसौकी—2053.  
 दर्शन or System of Hindu Phil.—138A.  
 दृष्टिनिष्ठावकाशिका—2059.  
 निम्बार्थप्रकाशिका—2253.  
 नैषधसिद्धि—2306 & 07.  
 न्यायसुसमाप्ति by मुनि न्यायविनय—160A  
 न्यायपरिग्रहि—2336.  
 न्यायभास्करसंग्रह—2342.  
 न्यायमकरन्दमण—2345.  
 न्यायसामग्री—2348.  
 न्यायसिद्धान्त—2360.  
 न्यायसूत्र—2373.  
 परमार्थसार—2403 & 06.  
 परमप्रवेशिका—2410.  
 पूर्वप्रसङ्ग—2539-41.  
 Post Vedic Philosophy—2553.  
 पञ्चरथ—182A, 2572-76a.  
 पञ्चपादिकाविरचण—2581.  
 पात्रीकरण—2597.  
 प्रायश्चित्तप्रकरणवृत्ति—2619.  
 प्रायश्चित्तप्रकरण—2620.  
 प्रवक्तव्यविज्ञान—2628.  
 प्रमाणप्रवृत्ति—2639.  
 प्रमाणवृत्तप्रवृत्ति—2640.  
 प्रमेयप्रवृत्ति—2642.  
 प्रमेयप्रवृत्ति—2660.  
 प्रमेयप्रवृत्ति—2669 & 70.  
 प्रमेयप्रवृत्ति—2671 & 72.  
 Problem of to Be—2702.  
 Philosophy of action—2791.  
 — of Bible—2792.  
 — of Brahmanism—190A.  
 — of Brahmanical साधनात्मक—2793.  
 — of the Greeks—2794.  
 — of ancient India—2795.  
 — of रसप्रवृत्ति—2796.  
 — of संकल्पप्रवृत्ति—2797.  
 — of वैष्णव religion—2798.  
 — of वेदान्त—2799.  
 — उपनिषद्—2800 & 01.  
 — and History—2802.  
 — teachings in उपनिषद्—2803.  
 — Later—4018.  
 — Six systems of Indian—4981  
 — Hindu—5397.  
 — Hist. of Ind. Phil.—5448.  
 बापसार—2890.  
 बृहदारण्यकसंहिता—2912.  
 बृहदारण्यकसंहिता—2930b.  
 ब्रह्मविज्ञान—2949.  
 ब्रह्मसूत्रप्रवृत्ति—2950.  
 ब्रह्मसूत्र—2952.  
 ब्रह्मविज्ञान—2953.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति—2955.  
 ब्रह्मविज्ञान—2958.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति—2958a.  
 ब्रह्मविज्ञान—2959.  
 ब्रह्मविज्ञान—2960-84.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति—2985.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति by H. R. भागवत—206A  
 Beginning of Ind. Pantheism—2842  
 ब्रह्मसूत्रप्रवृत्ति—2986.  
 ब्रह्मसूत्रप्रवृत्ति—2987.  
 ब्रह्मसूत्रप्रवृत्ति—2988.  
 ब्रह्मसूत्रप्रवृत्ति—2993.  
 Brahma & Brahmanas—2994a.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति—2996.  
 Brahma-Knowledge—2997.  
 ब्रह्मविज्ञानप्रवृत्ति—3058.  
 ब्रह्मविज्ञान—3059.  
 ब्रह्मविज्ञान—3126.  
 ब्रह्मविज्ञान—3245.  
 ब्रह्मविज्ञान—3246.



- भेदीजीवन—3547  
 महावाक्यसंग्रह—3344  
 मिताक्षर—3130  
 मुक्तारण—3161 & 62  
 मोक्षसुत्र—3547  
 Manual of Hindu Pantheism—3561  
 मार्तिलिगसमर्पण—3626  
 मर्त्योद्भवतद्दीपिका—3627-28  
 मुक्तिमात्रिका—3649  
 पागवाहिनी—3545.  
 रत्नपञ्चक—3726  
 पानावुद्दर्शनसार—3854  
 Recurrent passages—3860  
 Redemption—3871  
 छुवावुद्देवमन्त्र—3937  
 छुवावुद्देवमन्त्र—3939  
 छत्रेष्टीवाक्याणि—3984.  
 वाक्यवृत्ति—4088  
 वाक्यमुद्रा—4089  
 वासुदेवमन्त्र—4115a  
 विश्वमन्त्र—4143  
 विश्वपञ्चपञ्चाशिका—4165  
 विवरणोपपत्ति—4169  
 विवरणप्रमेयसमूह—4170 & 71  
 रिवाजसंग्रह—4174 & 75  
 विवेकचूडामणि—4178 & 79  
 विशिष्टाद्वैताधिकरणमात्र—4183  
 विशिष्टाद्वैतमतविज्ञ—4185  
 विशिष्टाद्वैताधिकरणमात्र—4186  
 वेदप्रमाण—4257.  
 Vedanta by Max Muller—79A  
 वेदान्त—4258  
 वेदान्तअधिकरणमात्र—4259  
 वेदान्तकल्पतरु—4260  
 वेदान्तकल्पतरु—4261  
 वेदान्तकारिकावली—4262  
 वेदान्त its doctrine—4263 & 64  
 वेदान्त its Ethical aspect—4265  
 वेदान्ततत्त्वबोध—4266  
 वेदान्ततत्त्वविशेष—4268.  
 वेदान्तदीप—4269  
 वेदान्तपरिचय—4270  
 वेदान्तपरिभाषा—4271-73  
 Vedanta Philosophy—4274  
 वेदान्तसूत्र—4275 & 92-96  
 वेदान्त three lectures—4276  
 वेदान्तसंग्रह—4279  
 वेदान्तसूत्र—4280.  
 वेदान्तसार—4281-87.  
 वेदान्तसमूह—4288  
 वेदान्तसिद्धान्तसमूह—4289  
 वेदान्तसिद्धान्तदर्शन—4290  
 वेदान्तसिद्धान्तसुत्रावली—4291  
 वेदान्तसंग्रह—4297  
 वेदान्तसूत्रसंग्रह—4298  
 वेदान्तसंग्रह—4299  
 वेदान्तसिद्धान्तसंग्रह—4301  
 वेदान्तसिद्धान्तसंग्रह—4338  
 वेदान्तसंग्रह—4339  
 व्यावहारिकपरिचय—4120  
 शतश्रुति—4469 & 70  
 शतश्रुति—4475  
 शतश्रुतिविषय—4497  
 शास्त्रित्वमात्रसूत्र—4527 & 28  
 शास्त्रविषय—4537  
 शास्त्रदर्पण—4552  
 शास्त्रसिद्धान्तसंग्रह—4553e  
 शास्त्रसिद्धान्तसंग्रह—4554 & 55  
 शिवदर्शनसूत्र—4559  
 शिवतत्त्वविशेष—4568  
 शिवतत्त्वविशेष—4570  
 शिवसाहित्य—4583  
 शिवसूत्रार्थ—4587 & 88  
 शिवसूत्रविशेष—4589 & 90

विश्वानन्दद्वय—4591.  
 उदाहरणसंग्रह—4638.  
 उदाहरणसिद्धान्तसार—4639.  
 श्रीमाय—4693-4702.  
 श्रीमायानिबन्ध—4703.  
 श्रीमद्भक्तिसिद्धिस्तोत्र—4712.  
 सुतिरस्त्रप्रकाश—4721.  
 सुप्रसन्नसुरसुप्त—4725.  
 सुप्रसन्नसुरसुप्ति—4726.  
 सहस्रनामचिन्तामणि—4730.  
 सहस्रनामसमुच्चय—4732.  
 सहस्रनामचिन्तामणि—4808.  
 सहस्रनामसंग्रह—4809-12.  
 सहस्रनामसंग्रह—4813 & 14.  
 सहस्रनाम—4816.  
 सहस्रनामसिद्धान्तसारसंग्रह—4878.  
 सायनचतुष्टय—4878.  
 सिद्धान्तसारसंग्रह—4936.  
 सिद्धान्तसार—4950.  
 सिद्धान्तसार—4954 & 55.  
 सिद्धान्तसार—4958 & 59.  
 सिद्धान्तसारसंग्रह—4961 & 62.  
 सिद्धान्तसारसंग्रह—4967.  
 सिद्धान्तसार—4972.  
 सिद्धान्तसार—4974.  
 सिद्धान्तसार—4975.  
 सिद्धान्तसार—4977.  
 System of Vedānta—4983.  
 System of Vedāntic thought—4986.  
 Secret Phil. of Indians—4982.  
 सरोजसंग्रह—5005.  
 सुतोषिणी—5002.  
 सारसंग्रह—5001.  
 सारसंग्रह—5035.  
 सारसंग्रह—5120-22.  
 सारसंग्रह—5218 & 19.  
 सारसंग्रह—5230.

स्वप्नदर्शनविद्या—5222.  
 स्फुरत्संग्रह—5223.  
 स्वातन्त्र्यसंग्रह—5246.  
 Handbook of Hindu Pantheism—  
 5351.  
 Hindu view of Life—5412.  
 Hindu Mysticism, six lectures on  
 the development of Indian Mysti-  
 cism—259A.  
 वैद्यक (On Medicine)  
 अष्टांगसंग्रह—103.  
 अष्टांग—257.  
 अष्टांगसंग्रह—270.  
 अष्टांगसंग्रह—271 to 276.  
 The Ayur. Sys. of Medicine—11A.  
 आयुर्वेद विद्यामयी—354.  
 — अष्टांग—355.  
 — विज्ञान—356.  
 — ग्रन्थ—357, 359.  
 आयुर्वेदसंग्रह—353.  
 आयुर्वेद Systems—360.  
 Indian Materia Medica—323.  
 Indian Medicinal plants—529.  
 Interpretation of ancient Hindu  
 medicine—356.  
 हृन्मन्त्र—1247.  
 Nervous Odourum Chemistry &  
 toxicology—1299.  
 केन्द्रीयसंग्रह—1304.  
 कोशसंग्रह—1306.  
 केन्द्रीयसंग्रह—1326.  
 गङ्गासंग्रह—1451 & 52.  
 गङ्गासंग्रह—1512 & 13.  
 गङ्गासंग्रह—107A, 109A, 1521-25.  
 विज्ञानसंग्रह a treatise on the treat-  
 ment of diseases—253A.  
 विज्ञानसंग्रह—1651.

चिकित्साचक्रोदय—1652.  
 दण्डगुणसङ्ग—2103 & 04  
 पञ्चतन्त्रीय निरूपण—2129  
 पद्मनीविवेचन आर्यारीष—110A  
 मलपात्र—2183.  
 माहाविज्ञान—2215  
 मारीदेहसत्त्व—2231  
 मिश्रान—2250  
 निदानरीषिका—2251  
 पथ्यापथ्याम्—2387a  
 पाथल्य रोग निदान—252A  
 पारदयोग शास्त्र—2478.  
 प्रत्यक्षमारीरन्—2617  
 प्रदूतितर्क—2665.  
 भूषणहिता—3247.  
 भिषगुपरिभाषा—3248.  
 Materia Medica of Hindus—369,  
 1333, 3263.  
 Do-Madras—3263.  
 माधवनिदान—3378-81  
 Medicine—3525.  
 पंगरलाकर—3684  
 रसकौमुदी—3744  
 रसपद्धति—3751  
 रसनामपेक्ष—3752  
 रसपद्धति—3753.  
 रसप्रकाशसुभाकर—3753a  
 रसमन्त्र—3754  
 रसविग्रह—3758  
 रससार—3762  
 रसार्णव—3762a  
 रसायनखण्ड—3766 & 67  
 रस-द्रव्यहामणी—3771  
 राजनिघण्टु—3789  
 राजमार्तण्ड—3791  
 वनस्पति—4066  
 वनस्पति an essay—4091-95

वीरसिंहविलोचन—4231  
 वैद्यमनससङ्ग—4333.  
 वृन्दमन्त्र—4383  
 Surgical instruments of Hindus—  
 4325.  
 स्वर्णभाष्यप्रकाश—251A.  
 सिद्धान्तनिदान—4957.  
 सुश्रुतसंहिता—5041 & 43-45  
 सुश्रुत आशुतर्क—5042  
 इत्युपाधुतर्क—5350  
 Hist. of Ind Medicine—5447

### व्याकरण (On Grammar)

अनुपदरत्नाकर—119  
 अन्वयसूत्र—131  
 अष्टाध्यायीसङ्ग—263 to 267  
 आशुतर्क—390.  
 Elementary grammar—32A, 462.  
 सङ्कृत व्याकरण—465.  
 Intro to Sk Gramm—561 & 62.  
 कण्वकृत—1039.  
 कविरत्नसङ्ग्रह—1053.  
 कारकशास्त्रार्थ—1121  
 कारकशास्त्रप्रभा—1122.  
 कारकसम्बन्धे चक्रवर्त्य—1123  
 कारकशोभा—1124  
 कश्चिद्—1216-19  
 कश्चिद्भाष्यविरचयित्वा—1220  
 Companion to Sk Grammar—1329.  
 Comparative Grammar—1331  
 Grammar Indo Germanic—1332.  
 — of old Ind. Lang.—233  
 — of Comparative languages  
 —1581  
 — of Tibetan language—1532  
 — of प्राकृत lang.—1583  
 — of कश्चिद्वर्ण—1581.

- of Sk. lang.—1585 & 86.  
— of Hindi Language—1587.  
गणरूपण—1437:  
गणरत्नमहोदधि—1439.  
Guide to Sk. Sandhi—1467.  
चन्द्रध्याकरण—1671-74.  
चन्द्रिकाचन्द्रचूषण—1676  
जिह्वध्याकरण—1767.  
विह्वस्तान्तराणि—1930,  
उर्वरद्विधि—2031.  
हरम्—2096.  
पातुनयनचन्द्रिका—142A  
य मुचर—2156-58.  
चन्द्रमणि—2159.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2160.  
पातुनयनचन्द्रिका—2161-63.  
पातुनयनचन्द्रिका—2164.  
नानेनानेनचन्द्रिका—2210.  
विह्वस्तान्तराणि—2266  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2397.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2403  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2416  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2418.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2419 & 20.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2421-23  
Persian Grammar is given 164A.  
Pan ni's grammar by Bothling-172.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2443-45.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2446.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2448.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2449-51.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2452.  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2453  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2454  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2472 & 73  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2472 & 73  
चन्द्रमणिचन्द्रिका—2473

कृत्तमणिमाला—4375-76  
 वृत्तनाकर—4377-79  
 व्याकरण बोधपत्र—4404  
 — कौमुदी—4406  
 — प्रथमनायक—4407  
 — दक्षिण—4408  
 — भूषणसार—4409  
 — महाभाष्यसद्विधि—4410  
 — महाभाष्य—4411-14  
 — शास्त्रचक्षुष—4415  
 — सिद्धान्तदर्पण—4416  
 — सिद्धान्तसुपातिविधि—4417  
 शब्दकौस्तुभ—4476  
 Verb inflection in Sk—4424  
 शब्दमञ्जरी—4479-82  
 शब्दरूपावली—4484-87  
 शब्दशक्तिप्रकाशिका—4488 & 89  
 शब्दावज्ञासन—4492  
 शाक्यवचन—4493-95  
 शाकरी—4498 & 99  
 शब्देन्द्रशेखरव्याख्या शकरी—4523  
 शिक्षाविहंगम—4611  
 शिक्षासमुच्चय—4613 & 14  
 श्रीवरीया—4691  
 श्रुतबोधसंग्रह—4719  
 श्रुतबोध—4721  
 श्लोकवार्तिक—4737  
 सशशिउमटी—4771  
 समसचक्षिका—4798 & 4804  
 सामञ्जस्य—4909  
 सारस्वतम्—4910  
 सारस्वतपूवपञ्चावली—4911  
 सारस्वतव्याकरण—4912-19  
 सिद्धान्तकौमुदा—4937-42  
 सिद्धान्तचक्षिका—4945-47  
 Systems of Sk Grammar—4987

Selected pieces from हेमचन्द्र's  
 Parivastaparvan—4997  
 सुबन्त विचार—5007  
 सुबेदाव्याकरण—5031  
 सन्धिप्रकरण—5097  
 सङ्कतभाषायाकरण—5137  
 सरस्वत लघुबोधे—5138  
 Sk Grammar for beginners 5156 62  
 Sk. elementary Grammar—5164 & 65  
 Sanskrit Primer—5177  
 Sanskrit Reader—5179  
 Sanskrit Syntax—5184  
 स्फोट सिद्ध—5225  
 स्फोटसिद्धव्याख्यान—5226  
 साहित्य (On Literature  
 Composition etc)  
 अभिनवसंग्रह—164  
 Essay on Sk Lit—925  
 Classical Sk Lit 1378  
 Kanarese literature—1402  
 Guide to Sk Composition—1466  
 Guide to Bhandarkar's 1st and 2nd  
 books—1468 & 69  
 चतुर्थी सुधारणवली—1617  
 First book of Sanskrit—2784  
 Literature and language of Sigh-  
 ales—4021  
 Vaishnava literature—4371  
 साहित्यरत्नमञ्जरी—4926 & 27.  
 सुविमुक्तारोहणी—5047  
 Second book of Sk.—5054  
 Some problems of Ind literature—  
 5112  
 सङ्कतप्रवेश—5133  
 Sanskrit Composition—5141  
 Sanskrit Selections—5183  
 Sanskrit teacher—5185

Sanskrit tutor—5187.

Students handbook of progressive exercises—3202a.

Handbook of Sk. lit.—5355.

History of Indian lit.—5441 & 49.

Hist of Sk. lit.—5458 & 59.

### सुभाषित (On Subhasita)

सुभाषित—5013.

सुभाषितकोश—5014.

सुभाषितनीति—5017 and 18.

सुभाषितरत्नाकर—5019 and 20.

सुभाषितसार—5022.

सुभाषितसारसंग्रह—5023.

सुभाषितसंग्रह—5024 & 25.

सुभाषितारणी—5027.

### सूत्र (On Sutras)

आपस्तम्ब सूत्र—346-48.

आश्वलायन सूत्र—397 to 400.

— श्रौत—402.

अथर्वहल्—409.

Aphorisms of अथर्वहल्—5A.

काठकोश—1078.

सांख्यसूत्र—1433.

गोभिलसूत्र—1528.

गोभिलसूत्रसंग्रह—1529.

गोभिलपाणिनीय—1530.

सामयिक सूत्र by प. रत्न—1567-69.

जैमिनीयसूत्र—1772 & 73.

जैमिनीयसूत्र—1776.

द्राक्ष्यसूत्र—2108.

भारत—150.

निदानसूत्र—2252.

पारमहंससूत्र—2479-82.

रोषणसूत्र—2391.

सोपानसूत्र—2395.

सोपानसूत्र—2396 & 97.

कल्पसूत्र and नवतल—77A.

सं. वापनसूत्र—290A.

भारद्वाजसूत्र—3215.

मानवसूत्र—3384-86.

मानवसूत्र—3388.

List of words in the Sutras—4016

वैद्यनसूत्र—4326 & 27.

सुत्रसंग्रह—4035.

श्रौत—4729-32.

सांख्यसूत्र—4873.

द्वितीयसूत्र—5420.

### सं. वि. (Miscellaneous)

अनेकविधा रूपनिरूपण—120.

आर्योत्तरी नीति, गुप्तार्थी Transl.—14A.

The Army pageant—16A.

Ideals of कर्मयोगी—351.

Ideals from मनुस्मृति—352.

Ideals of Indi. Art—353.

Art manufacture—361.

आर्योत्तरी सूत्रसंग्रह—371.

आर्योत्तरी, व्याख्यानमाला—12A, 372.

आर्योत्तरीसंग्रह—373.

आर्योत्तरीर दोष—374.

आर्यन Period—376.

आर्यन Ideal—413.

Evolution of man—437.

Ancient East—87.

Ancient home of Aryans—885.

Ancient Roman Chronology—889.

Orient. I Conferences summaries

—963.

Oriental Memories—970.

Kashmir Shaivism—1222.

Court Painters—1309.

कृष्णसूत्र—1313.

Cradle of mankind—1375.

Climatic Changes—1381.

- Epistles of स्वामी विवेकानन्द—31A  
 Illustrations to Oriental Memoirs—37A  
 Eminent Orientalists Indian European & American 80 pp—31A.  
 An Echo from Andamans—69A  
 The orders of Knighthood British & foreign—98A  
 Guide to Observatories—1464  
 Guide to the Bombay Presidency including Sindh—99A.  
 Great Ganga the Guru or how a seeker sought the real—105A  
 गंगावर्णन—106A.  
 गङ्गाविशिष्टजगन्माला—98A  
 चाँभार—1642  
 Teachings of नागार्जुन—1797  
 The Truth about publishing—121  
 A New Students Atlas Engl Hist 149  
 Proceedings of Oriental Conferences—2747-50  
 पन्हाळा—163A  
 Poona-the Peshawa's city & its neighbourhood—179A  
 First Principles of Knowledge—188A  
 Book of the balance of the wisdom—203A  
 Public workshop-A study in the Psychology—169A  
 Men and universe—3559  
 यज्ञ—3634  
 गुक्तिरूपतरु—3648  
 गुप्तेसास्त्रि—3649  
 Rights and duties—3777  
 Renaissance of India—3900  
 Light of ancient Persia—4000  
 Land of seven rivers—4055  
 व्यवहार and निर्वाह—232A  
 सभाप्रदीप—4800a  
 Significance of Indian Nationalism—4980  
 Sex extinction & Lemnism—236A  
 Handy reference atlas of the world—5353  
 Hindu holidays—5392  
 Himalayas in Indian art—5423  
 History of caste in India—5423  
 History of Chess—5432  
 Heglianism & human personality—5481  
 Henley's twentieth Century book of recipes formulas and processes—241A  
 संगीत (Music)  
 अनुभवरत्न—103  
 अनुत्तररत्न—117  
 अभिव्यक्तालम्बनरा—165  
 „ राग „ —166  
 आदर्शगीतावलि—322  
 आनन्दराग—329  
 कल्याणकल्पद्रुम—1043  
 Composition of Ramanath (musical)—1119  
 गजलसग्रह—1435  
 गानस्तयमञ्जरी—1477  
 जोगविहारकल्पद्रुम—1781  
 Theory of Indian music—2010  
 शैलेन्द्रवधपिका—2098  
 रत्नसमाप्त—2148  
 नवरत्नरामावलि—2193  
 नागरसमुच्चय—2200  
 Music of India—3572 & 73

रागतत्त्वबोध—3779.  
 रागतच्छिन्नो—3780.  
 रागनिरूपण—3781.  
 रागमञ्जरी—3782.  
 रागमात्र—3783.  
 रागव्याख्यान—3784.  
 रागविशेष—3785.  
 Seven principle musical notes—  
 5069.  
 संगीत परिज्ञात 5093.  
 संगीतमकरन्द—5095.  
 संगीतसमयसार—5096.  
 Hindu music—5388.  
 Hindu musical scale—5390.  
**संहिता स्मृति (On Sambhita &  
 Smṛti)**  
 अहिर्बुध्न—284.  
 Intro. to पञ्चरात्र—571.  
 काठकसंहिता—1079, 1349-52.  
 काण्वसंहिता—1083.  
 गर्गसंहिता—1457 & 58.  
 चापेदेसंहिता—1647.  
 ज्यौत्स्न्यसंहिता—1709.  
 जमिनीयसंहिता—1777.  
 तैत्तिरीयसंहिता—1966, & 67.  
 भारद्वाज्यसंहिता—2219 & 20.  
 मित्राचार्यसंहिता—2244 & 45.  
 बृहत्संहिता—2929.  
 भृगुसंहिता—3541.  
 चतुर्वेदसंहिता—3624.  
 वाग्वसनेयसंहिता—4097.  
 छत्रपतिवैराग्य पत्र. भाष्यादिव—4626-32.  
 , वाग्वसंहिता—4634.  
 संहिता of राममेव—5118.

**सांख्य & योग (On Sankhya  
 & Yoga)**  
 Intro to योग Phil.—576 & 77.  
 गुरुपादुकास्तोत्र—1509.  
 वैश्वसंहिता—1609-11.  
 जयमङ्गल—1705.  
 Treatise on योग philosophy—1810.  
 तत्त्वत्रयमुद्रा—1857 & 59.  
 पातञ्जलयोगदर्शनम् संस्कृत with मराठी  
 transl.—173A.  
 पतञ्जली for Western Readers—  
 2383a.  
 पातञ्जलदर्शन—2456-69.  
 पातञ्जलसूत्रवृत्ति—2474.  
 Problems of सांख्यकारिका—2705.  
 मादरवृत्ति an Essay—922.  
 मादरवृत्ति & Date of ईश्वरार्णव—3365 &  
 66.  
 Mysterious Kundalini—3432.  
 योग aphorisms—152, 2383b, 3660-  
 62.  
 — its object—3652.  
 — as philosophy—3653 & 64,  
 67.  
 — दर्शन—3654 & 70-72,  
 — lessons for developing spiri-  
 tual Consciousness—3655.  
 — lower & higher—3656.  
 — Study of Mystical Phil.—  
 3657.  
 — Methods—3658.  
 — उपनिषद्—3663.  
 — किन्तामणि—3668.  
 — शास्त्र—3673 & 74.  
 — तत्त्वार्थ—3669.  
 — मारसंघ—3675 & 76.



- System—3677.  
 — द्वात्रिंश—3678-82.  
 — द्वात्रिंश—3683.  
 — वातिर—3688.  
 — वेगिरमायन—3690.  
 राजयोग—2913, 3792  
 विज्ञानपैत्र (शिवयोग)—4195.  
 Serpent Power—4826.  
 शांखकारिका—4844-50.  
 शांखतत्त्वकीर्तनी—4851 & 52.  
 शांखदर्शन—4853  
 शांखप्रवचनमाय—4854.  
 शांख philosophy of कवि—4855-57  
 शांखश्लोका—4858  
 शांखसार—4859-61.  
 शांखप्रवचनविमर्श—4862  
 शांखसप्त—4863.  
 शांखमन्त्रप्रति—4864 & 65.  
 शांखभक्त—4866-69.  
 शांख & योग—4871.  
 शांखप्रवचनमन्त्र—4887.  
 इतिहास—5325.  
 How to be a Yogi—5356.  
 Higher life राजयोग—5359  
 Studies & Essays  
 Allahabad Uni. Studies—234.  
 Asoka—251 to 256  
 Austosha Mookarjee Vol—249 & 50.  
 Authorship of पार्वतिपरिणय—10A.  
 Eagle and the captive sun—A study in comparative mythology—29A.  
 आर्दन्त—375  
 वानरा in रामायण—916.  
 आदिति—916a.  
 महामात art, style—917.  
 Human Understanding—920.  
 Essays on Indian Erotic—921.  
 — Mathara Vritti—922.  
 — On semantics—928.  
 — Superman—929.  
 — Miscellaneous by lebrooke—930.  
 Hinduism, its formation & future—68A.  
 Collected works of R. G. Bhattachar—1037.  
 Commemoration Volume for Garbe—78A.  
 शांखशास्त्र and अलङ्कारशास्त्र—1155.  
 कुमारदास has place—1253  
 Vivekananda Complete works—1337.  
 Tukaram Complete works—1338.  
 कृष्ण a study—1344.  
 कृष्ण and पुराण's—1345.  
 Origin for Tragedy and the A khyana—27.  
 Dance of Shiva—Fourteen Indian essays—124A.  
 वालिदास & विजयार्दय A historical and literary essay—84A.  
 नैदित्य or An exposition of his special ideal and Political theory 90A  
 युष्पूजा कीर्तनी (Weber A.)—103A  
 Goldstucker & Panini—1533.  
 Greek and Sanskrit—1588  
 चणक्य by Kressler—108A.  
 चार पाण्डित—1644.  
 चैतन्य and his age—1655 & 57.

Texts of Confucianism--1801  
 Time of चन्द्रगोमिन् and कालिदास--  
 1803  
 Time analyses of Sk. Plays--1804  
 Triumph of वाल्मिकी--1813  
 Date of मागधत पुराण--1822  
 -- कालिदास & विक्रमादित्य--1824.  
 -- मृच्छकटिक--1825  
 Descent of man--1828  
 New light on गुप्त era--2290  
 Notes on ancient Hindu shipping  
 --2309  
 Study of महाभारत--2311.  
 Pantus to Indus--2476  
 मन्वन्तरकल्पितानां--2630  
 प्रस्तावनादिना--2666  
 Plays ascribed to मात--2716  
 Phenicians--2803a & 06  
 Flowers at the feet of the Lord or  
 essays Religious & philosophical  
 --192A  
 Birth place of कालिदास--2821  
 Bana & his Muse--2822  
 बाणभट्ट--2826  
 Betraege Zur Late Jacobs--2888  
 Bhandarkar Commemoration  
 Volume--3194  
 भागवत & इन्द्रि--3197.  
 भारतवर्ष--3210  
 भाष & authorship--3230  
 Bhasa Studies--3231  
 Bhasa's Plays--3232  
 Bhasa's Works--3233.  
 ग्रामात Criticism etc --3313-14c  
 Mutual relations of four castes--  
 3300  
 Making of लघुत Poet--3501

Megasthenis & Kautilya--3502  
 रघुवीरगणम्--3719  
 रामायणांतरचे मात--3352  
 Local self Govt in India--230A  
 वरुण & मित्र--1078  
 Was Shankar the propogator of  
 new thought--4096.  
 विश्वमोक्षविशेष--4155  
 Vicissitudes of Aryan Civilisation  
 --4210  
 विश्वामित्र वासुदेव etc--4218 & 19  
 Wisdom of the Aryans--4233  
 Sankara's select works--4653  
 शतराचाय and रहस्यशर--4657.  
 शतराचाय व साधनाय--4658  
 शीतल--4679  
 Saraswati Bhavana Studies--4827  
 --32  
 सावित्रीपरीक्षित--4883  
 Select works of शतराचाय--4990  
 Selections from Avesta & old  
 Persian--4994  
 Some juice is not liquor--5073  
 Social & military position of the  
 ruling caste--5080  
 Study of Patanjali--5253  
 -- Ind Phil--5255  
 Studies in Ind Hist & Culture--  
 5256  
 -- Hindu Law--5257-61  
 -- Sk. Poetics--5262  
 -- in S Ind Jainism--5263  
 -- in Sk Upanisads--5264  
 -- in Vedanta--5266  
 -- in Vedantism--5267.  
 -- in वेदान्तभारत--5268  
 -- ancient Ind medicine--5272

- in Mogul India—5273
- in Hindu Political thought—5274
- honour of Maurice Bloomfield—239A
- Spirit of ancient Hindu culture—5271.
- Harmony in thoughts—5360
- Heart of Aryavarta—5361
- Hindutwa—5382
- Hindu achievement in exact Sciences—5383
- Hindu manners Customs—5387
- History of Hindu Chemistry—5434
- Hindu political theories—5435
- स्तोत्र (On Stotras)**
- आठवद्दर—378
- अम्बाद्वय—154
- अभिनवगीस्तुभमाला—163
- अर्धनारीश्वर—194
- अश्वघोषास्ति—287
- आग्लारिवाज्यस्वामत्—298
- आदिपद्म—324,
- आमनिदावक—315
- आनन्दसगर—336
- आपद्दर—345
- आविर्वादिशतक—389
- इन्द्रा—434 & 35
- इन्द्रशतक—460
- चतुर्दशस्तोत्र—1010
- चत्वारिंशस्तोत्र—1014
- गणपतिअर्घ्यशार्प—1440
- गणपातस्तोत्र—1441
- गणज्ञादक—1450
- गुरुप्रसादपदा—1507
- गोदास्तोत्र—1516 & 17
- माधवशार्पिका—1518
- गोपालपद—1521
- गोपालसहस्रनाम—1523-27
- गीतमस्तोत्र—1552
- Greatness of गिव—1589
- चतुष्टयपचारमनसपूजा—1618
- चर्पणपञ्चरी—1619 & 20
- देवीस्तोत्र—2091
- पद्मशत—2591 & 92
- प्रसादिकाशिका—2651
- प्रसन्नस्मरण—2701
- बृहत्स्तोत्रप्रकाश—2937
- बृहत्स्तोत्रनाम—2938, 42
- भक्तप्रसाद—3051
- भक्तिमार्तण्ड—3052 & 53
- भगवद्गुणदर्पणारूप—3148
- भुवनेश्वरीप्राण—3243
- महागणपतिस्तोत्र—3307
- महिम्नस्तोत्र—3354 & 60
- गामरक्षा—3817-19
- लघुस्तुति—3958
- लघुस्तोत्राणि—3959
- वरदराजस्तोत्र—4066b
- विष्णुसहस्रनाम—4199-4207
- वेणुचन्द्रमन्त्रसंग्रह—4644
- आवधारणस्तोत्र—4707
- सप्तशती—478
- सिद्धायस्तोत्र—4797
- सूर्यचन्द—5033
- सूर्यसहस्रनामावलि—5035
- संज्ञावन्दन—5098
- स्तवचिन्तामणि—5197
- स्तवमाला—5198
- स्तवस्तोत्राणि—5199
- स्तोत्रशतक—5203
- स्तोत्रकल्पतरु—5204
- स्तोत्रप्रकाश—5204-06
- स्तोत्राणि—5205